पं. रूपचन्द जोशी

कृत

लाल किताब

لال کتاب

1952

प्रथम भाग

दैवज्ञ पं. वेणीमाधव गोस्वामी

हिन्दी में प्रामाणिक लिप्यंतरण कर्ता

Astro Lucky
9815569697

Astro Lucky

مدھما
ترجنی
انامکا
کنشکا
مگر
کنبھ
کرک
سنگھ
تلا
برچھک
کنیا
سنیچر
سورج
بدھ
منگل
نیک
شکر
چندر
انگوٹھا
گرہ اور
راشیوں
کا بلحاظ
رنگ باہمی
تعلق

आवाज़ सुनता हर
किसी की
न ही भूला कोई हो
सब से पहले याद
उसकी
फिर सभी दुनिया
की हो

AsrarLucky

॥ फ़ेहरिस्त मज़ामीन ॥

नम्बर शुमार	मज़मून Vishe	तफ़्सील Vivran	सफ़ह:
	॥ तमहीदी हिस्सा ॥		
1	प्रथम याद रहे या न रहे मगर ख़याल ज़रूर रहे कि.....	इल्म की वाक़फ़ियत के लिए चंद एक बुनियादी उसूल	5-7
2	मज़मून का फ़र्क़ Vishe	प्राचीन ज्योतिष की निस्बत लाल किताब में क्या आसानी है।	8-10
	॥ मज़मून का आग़ाज़ ॥		
3	लाल किताब के फ़रमान-अक़्ल लेख से लड़ती क्यों	मज़मून की दुनियादारों को ज़रूरत क्यों महसूस हुई और	11
4	फ़रमान नम्बर 1- क़ुदरत से क़िस्मत किस तरह आई	जवाब क्या मिला नन्हा सा ग्रह चाली बच्चा बिधाता के इन्सानी लेख को समन्दर विद्या की टूटी-फूटी लकीरों से ही ज़ाहिर करेगा	12
5	फ़रमान नम्बर 2- उसकी क़ुदरत का हुक्मनामा कहां पाया गया	पहाड़ों से भी मोटे लफ़्ज़ों में लिखा हुआ ग़ैबी लिखत का मज़मून हाथ की हथेली पर तमाम ब्रह्मण्ड का नज़्ज़ारा दिखलाने लगा	13-15
6	फ़रमान नम्बर 3- ऊंचे फ़लक का अक़्स किधर पाया गया	इल्म सामुद्रिक और ज्योतिष की जनम कुण्डली दो भाई बहनों की तरह किस तरह एक दूसरे के दाएं बाएं चलने लगे	16

- शुमार-गिनती, गणना, संख्या
- फ़ेहरिस्त-सूचीपत्र, सूची
- मज़ामीन-लेख समूह
- मज़मून-लेख, विषय
- तफ़सील-विवरण
- अज़-से ता- तक
- तमहीदी-प्रारंभिक
- फ़लक-आकाश, व्योम

Astro Lucky

7	फ़रमान नम्बर 4- आलिम को इल्म में शक क्या है?	इल्म की बुनियाद जनम वक़्त पर है भी और है क्यों भी नहीं-	18
	॥ ग्राएमर ॥		21
8	फ़रमान नम्बर 5- तक़दीर पहले या तदबीर	ग्रह व राशि का बाहमी नाता क्या है-	22
9	फ़रमान नम्बर 6- क़िस्मत की गांठों ही से ग्रह मण्डल बन गया	ग्रह की मुफ़स्सिल वाक़फ़ियत मय दूसरी इस्तलाहात	25 38
10	फ़रमान नम्बर -7-12 पक्के घर	जनम कुण्डली के 12 ही घरों में तमाम ब्रह्मण्ड की क्या तक़सीम है।	56
11	फ़रमान नम्बर 8- ग्रह दृष्टि	ग्रहों की बाहमी मेल मिलावट से अच्छे और बुरे नतीजे किस तरह पैदा हो जाते हैं	100
12	फ़रमान नम्बर 9-मददगार उपाओ	मन्दे वक़्त में मदद की तजवीज़ें	150
13	फ़रमान नम्बर 10-ग्रह का असर	कौन-कौन सी हालतों पर और कहां और किस वक़्त अच्छा या बुरा असर होगा	162
14	फ़रमान नम्बर 11- ग्रह चाली रंग बिरंगियां ब्रह्मण्ड मे ग्रह चाली बच्चे की बदलती हुई अवस्था	ग्रह चाली बच्चे की छोटी छलांगे किस तरह ग़ैबी ग्रह चाल मे बंध गई	185
15	फ़रमान नम्बर 12- कुण्डली की बनावट जनम कुण्डली-चंद्र कुण्डली-मकान कुण्डली	मुख़्तसर तौर पर मददगार नोट	191
16	फ़रमान नम्बर 13- बर्षफल का 120 साला चक्कर	सालाना हालात का मुख़्तसर हाल देखने के लिए मुफ़स्सिल फ़ेहरिस्त	213

• तक़दीर-भाग्य, क़िस्मत • तदबीर-उपाय, प्रयत्न • मुफ़स्सिल-स्पष्टीकरण
• मुख़्तसर-संक्षिप्त, न्यूनतम, थोड़ा

AstroLucky

17	फ़रमान नम्बर 14-टेवे की क़िस्मे	शिनाख़्त और कारआमद भेद	226
	॥ फलादेश ॥		229
18	फ़रमान नम्बर 15-अकेले-अकेले ग्रह मुश्तरका ग्रह	नेक और मंदी हालत दो जुदा-जुदा टुकड़ों में मय मददगार उपाओ लिख दिये गये हैं	235 ता 944
	(बे)-चंद मददगार मिसालें	सिर्फ़ वही टेवे जिनमें कोई न कोई ख़ास चीज़ क़ाबिले ज़िक्र है	945 ता 976
19	फ़रमान नम्बर 16- ग्रह और पक्के घरों की मुतअल्लिक़ा अश्या रिश्तादार और कारोबार पेवस्ता	मुफस्सिल फ़ेहरिस्तें दी गई हैं	977
	॥ योग बन्धन ॥		1050
20	फ़रमान नम्बर 17- क़िस्मत-ब्याह शादी ख़बरदारी-आमदन दौलत-ख़र्च बचत क़र्ज़ा जायदाद जद्दी वग़ैरह-औलाद-क़लम की स्याही-सफ़र का हुक्मनामा मकान-बीमारी-उम्र इन्सानी	चंद एक ज़रूरी-ज़रूरी बातें मुफस्सिल दर्ज कर दी गई हैं	1051 ता 1172
	॥ समाप्त ॥		
21	फ़रमान नम्बर 18- आशीर्वाद	जो हर एक प्रानी को याद रखनी चाहिए	1173
	॥ इन्डेक्स ॥		
22	हरूफ़ अब्जद के हिसाब से हर एक हाल का सफ़हः वार ज़ायचा		1174

• हरूफ़ अब्जद-अक्षर माला अलिफ़-बे • सफ़हः वार ज़ायचा-सूची बद्ध जन्म कुण्डली, जनमपत्री, लग्न कुण्डली
• पेवस्ता-गुंथी हुई

Astro Lucky

5 — 122

॥ प्रथम ॥

॥ याद रहे या न रहे, मगर ख़याल (विचार) ज़रूर (अवश्य) रहे कि:-॥

मनुष्य बंधा स्वयं लेख से अपने
क़लम चले ख़ुद करम पे अपने

लेख बिधाता क़लम से हो
झगडा अक्ल[1] न क़िस्मत[2] हो

॥ क्योंकि ॥

लिखा जब क़िस्मत का काग़ज़
भेद उसने गुम था रक्खा
ख़याल रखना था बताया
एवज़ लड़की लड़का बोला

वक़्त था वह ऐब का
मौत दिन और ऐब का
कृतघ्न इन्सान का
ख़तरा था शैतान का

1-हवाई ख़याल की बुनियादी दीवार का मज़मून बेशक तुझे मौत का दिन किसी के भेद या ऐब और माता के पेट में लड़का है कि लड़की का इशारा कर देगा मगर ऐसी बातों का अपने वक़्त से पहले ही ज़ाहिर कर देना तेरे ख़ून को कोढ़ (बीमारी) का सबूत देगा-क्योंकि दुनिया में अगर इलाज है तो सिर्फ़ बीमारी का ही है-मगर मौत का कोई चारा नहीं और ज्योतिष भी ग़ैब की वाक़फ़ियत का इल्म ज़रूर है मगर कोई जादू मन्तर नहीं। ये सब दुनियावी हिसाब किताब है कोई दाव-ए-ख़ुदाई नहीं। अगर है तो सिर्फ़ अपनी ज़ाती बचाओ में किसी हद तक रुह की शान्ति के लिए मदद का ज़रिया है मगर किसी दूसरे पर हमला करने का हथियार नहीं। क़िस्मत के मैदान में अगर कहीं पानी की नाली पीछे से भरी आ रही हो और उसके रास्ते मे कोई ईंट पत्थर गिरकर उसकी रवानी को रोक रहा हो तो मज़मून की मदद से उस कंकर

1 – बुध 2 – बृहस्पत

• ख़याल-विचार • ज़रूर-अवश्य • बिधाता- विधाता • एवज़-बदले में • ज़ाती-निजी • ज़रिया-द्वारा
• मजमून-विषय • बेशक-निःसंदेह • ज़ाहिर-प्रकट • वाक़फ़ियत-जानकारी

Astro Lucky

पत्थर को दूर कर के पानी की चाल को दुरुस्त करने की बामौक़ा कोशिश की जा सकती है मगर पानी की मिक़दार या क़िस्मत के मैदान में कोई कमी-बेशी नहीं की जा सकती। हां इतना ज़रुर है कि यह मज़मून बाज़ औकात अपनी बरकत से किसी प्रानी पर हमला करने वाले ज़ालिम शेर के सामने एक ऐसी ग़ैबी दीवार खड़ी कर देगा जिससे कि वह शेर उसका कुछ बिगाड़ न सके। फिर भी शेर अगर और ऊंची छलांग से हमला करे तो ये मज़मून ग़ैबी दीवार को और भी ऊंची करता चला जाएगा मगर हमला करने वाले शेर पर न गोली चलाएगा और न ही उसकी टांग पकड़ेगा। मगर रुहानी मदद से वह शेर थक हारकर ख़ुद-ब-ख़ुद ही चला जाए या हमले का इरादा ही छोड़ देगा। जिससे दोनों अलाहदा-अलाहदा हो जाने पर वह प्रानी सुख का सांस लेने लगेगा।

2-मज़मून की बुनियाद पर "लाल किताब" की जिल्द सुर्ख़ ख़ूनी लाल रंग की जो चमकीला न हो मुबारक होगी। इस रंग के अलावा बाक़ी सब रंग मनहूस असर के ही होंगे।

3-इस किताब में इल्म सामुद्रिक की अलिफ़-बे (35 हर्फ़) मुकम्मल तौर पर देने की कोशिश की गई है मगर चूंकि एक फ़रमान दूसरे से बिल्कुल जुदा ही होता चला गया है इसलिए तमाम की तमाम ही किताब को शुरू से आख़ीर तक कई दफ़ा बार बार बतौर नावल (बेशक बग़ैर समझे ही) पढ़ते जाना ख़ुद-ब-ख़ुद ही मज़मून का भेद बता देगा।

4-किसी बात को आज़माने से पहले उसे अपने ज़ाती फ़ैसला से ग़लत समझकर वहम खड़ा कर लेना मज़मून की वाक़फ़ियत के लिए मददगार न होगा।

5-किताब के बग़ैर फ़र्ज़ी मनमानी या मन घड़ंत बात वहम पैदा कर देगी और वहम का इलाज शायद ही कहीं मिलता होगा।

6-कुण्डली का बनाना और उसकी दुरुस्ती का जांचना तमाम मुतअल्लिक़ा इल्म की वाक़फ़ी के बाद शुरू करें और दरमियानी वक़्त में मौजूदा ज्योतिष के उसूलों पर बनाई हुई कुण्डली से ही तजुर्बा हासिल करें। मगर ख़याल रहे कि अपने ही हाथ का ख़ाका या अपनी ही

- मिक़दार-मात्रा • मुतअल्लिक़ा-सम्बन्धित • क़िस्मत-भाग्य • ग़ैबी-देवी-खुदाई • अलाहदा-अलग,
- जुदा • मुकम्मल-सम्पूर्ण, पूरा • तमाम-समस्त • तजुर्बा-परीक्षा, परख

Astro Lucky

जनम कुण्डली मज़मून सीखने के रास्ते में सबसे बड़ी रुकावट होगी।

7–मज़मून की ग़लती बताने वाला इस इल्म को बढ़ाने के लिए सब से मददगार दोस्त होगा क्योंकि असल दोस्त वह है जो नुक़्स बतलाए।

8–बात की असलियत को पाने के लिए किसी दूसरे इल्म या आलिम की बदख़ोई से परहेज़ चाहिए ।

9-इसमें शक नहीं कि लड़कपन की तबीयत वाले निन्दक (बदख़ोई करने वाला) और कुएं के मेंढक (अपने दायरा में महदूद) जैसे दिमाग़ी मालिक और मखौल उड़ाने वाले भोले बादशाह (बेवक़ूफ़) से कराहत आ ही जाया करती है। मगर दुनियावी साथियों को हस्बे हैसियत इस इल्म से फ़ायदा पहुंचाना इन्सानी शराफ़त होगी क्योंकि:-

"कर भला-होगा भला-आख़ीर भले का भला"

• इल्म-विद्या, ज्ञान ज्ञानकारी • आलिम-विद्वान, पंडित • बदख़ोई-निन्दा • महदूद-सीमित, थोड़े • कराहत-घृणा, नफरत, • अरूचि शराफ़त-सुशीलता, सज्जनता

Astro Lucky

॥ नए और पुराने मज़मून का फ़र्क़ ॥

॥ यह किताब ॥

जनम वक़्त दिन, माह उम्र साल सब कुछ
इस्म नाम को भी मिटा देती है
फ़क़त रेखा फ़ोटो मकानों से कुण्डली
जनम मय चंद्र बना देती है
लिखत जब बिधाता किसी की हो शक्की
उपाओ मामूली बता देती है
ग्रहफल व राशि के टुकड़े दो करती
या रेखा में मेखा लगा देती है

1-इस इल्म की बुनियाद इल्म सामुद्रिक पर है जिससे मौजूदा ज्योतिष के मुताबिक़ बनी हुई जनम कुण्डली के लगन की दुरुस्ती करने में मदद मिलती है। जब प्राचीन ख़यालात पर सनीचर की $2\frac{1}{2}$ साला मन्दी चाल के 3-बड़े चक्करों ($2\frac{1}{2} \times 3$-साढ़े सात साल) की साढ़सती की फ़िक्र माननी पड़े तो उस लाल किताबी मज़मून की बुनियाद पर सनीचर के मन्दे वाक़िआत मसलन सांप डसने की वारदातें, मकान गिर जाने या बिक जाने, आंखों की नज़र (बीनाई) की ख़राबियां, चचे पर जान तक की तकलीफ़ें या मशीनों के नुक़्सान वग़ैरह-वग़ैरह अपना सबूत देंगे के सनीचर मन्दा हो बैठा। ग़र्ज़ेकि सूरज की अन्तरदशा या सनीचर की साढ़सती चल रही है कि क़यासी ख़याल की बजाए, ठोस चीज़ों और पक्के वाक़िआत की बुनियाद पर ज़िन्दगी के हालात के जवाबों को दुरुस्त माना गया है। हस्त रेखा से टेवा टिपड़ा दुरुस्त करके ज़िन्दगी के हालात मालूम करने के अलावा इस इल्म में हर शख़्स के टेवे से उसकी 120 बर्ष की उम्र तक के बर्षफल चंद मिनटों में बना लेने के लिए ग्रहचाली फ़ेहरिस्त मौजूद है।

2-शक्की असर की हालत के वक़्त शक का फ़ायदा उठाने के लिए उपाओ निहायत

फ़र्क़-अन्तर मय-सहित मुताबिक़-समान, बराबर बीनाई-आंखों की ज्योति, दृष्टि, नज़र टिपड़ा-जन्म कुण्डली फ़ेहरिस्त-सूची शख़्स-व्यक्ति, मनुष्य निहायत-सीमा, अंत, बहुत अधिक वाक़िआत-घटनाएं

Astro Lucky

आसान और कम क़ीमत के बताए गए है, जो अमूमन ठीक वक़्त पर असर देते हुए पाए गए हैं।

3-मज़मून बहुत लम्बा चौड़ा होने की वजह से सिर्फ़ उन ही वाक़िआत का ज़िक्र है जो निहायत संगीन, शदीद बल्कि ख़ून से लिखे जाने के क़ाबिल हों। मामूली तप (बुख़ार) या साधारन कष्ट की बजाए तपेदिक़, मिरगी, अधरंग, इन्सान बाक़ी है या चल गया (मर गया) वग़ैरह का बयान किया गया है, ग़र्ज़ेकि दरमियानी शक्की जवाब को दूर करने की कोशिश की गई है।

4-प्राचीन (पुराने ज्योतिष में अगर राहु जनम कुण्डली के पहले घर में हो-तो केतु उस कुण्डली में हमेशा लगन से 7 वें होगा। बुध भी सूरज के आगे पीछे या नज़दीक साथ-साथ चलता होगा मगर ग्रहों की यह क़ैदें इस मज़मून में नहीं रखी गईं बल्कि इस मज़मून के मुताबिक़ बर्षफल बनाने की दी हुई फ़ेहरिस्त की बुनियाद पर राहु और केतु एक दूसरे के नज़दीक घरों में बल्कि हाथ रेखा से बनी हुई जनम कुण्डली या बर्षफल में तो एक ही घर में इकट्ठे भी आ सकते हैं। इसी तरह हो सकता है कि बुध का ग्रह भी सूरज से ख़्वाह कितने ही घर दूर हो जावे, ग़र्ज़ेकि इस मज़मून में हर एक ग्रह अपनी-अपनी जगह आज़ाद होगा और उसकी अपनी बैठक, ग्रहचाली हालत या तरीका असर पर किसी तरह की क़ैद न होगी और तमाम ग्रह मुसावी हुक़ूक़ के मालिक होंगे।

5-ख़ास बात यह है कि टेवे या कुण्डली से ज़िन्दगी का मुतअल्लिक़ा फलादेश देखने के उसूलों में :-

राशि छोड़ नच्छत्तर भूला	न ही कोई पंचांग लिया
मेख राशि ख़ुद लगन को गिनकर	12 पक्के घर मान गया

इल्म ज्योतिष के मुताबिक़ बनी हुई जनम कुण्डली लगन वाला घर लाल किताब में मेख राशि का पक्का घर हमेशा हिन्दसा नम्बर 1 होगा जिसके बाद बाक़ी सब घर बिलतरतीब गिनती में होंगे यानी पुराने इल्म ज्योतिष वाले ख़्वाह कोई भी जनम राशि रखकर लगन मुक़र्रर करें उनकी जनम राशि

क़ीमत-मूल्य, दाम अमूमन-अकसर वाक़ियात-घटना क़ाबिल-विद्वान, ज्ञानी, योग्य तपेदिक़-क्षय रोग मुसावी-समान, बराबर बाक़ी-शेष, बचा हुआ दरमियानी-बीच का मध्यवर्ती मज़मून-विषय मुताबिक़-समान, बराबर ख़्वाह-चाहे नच्छत्तर-नक्षत्र

Astro Lucky

या लगन वाले ख़ाना नम्बर को ''लाल किताब'' के मुताबिक़ ख़ाना नम्बर एक और फिर बाक़ी घरों को बिलतरतीब ही मिलेगा।

मसलन कोई जनम कुण्डली बमूजिब तुला लगन हस्बेज़ैल है:-

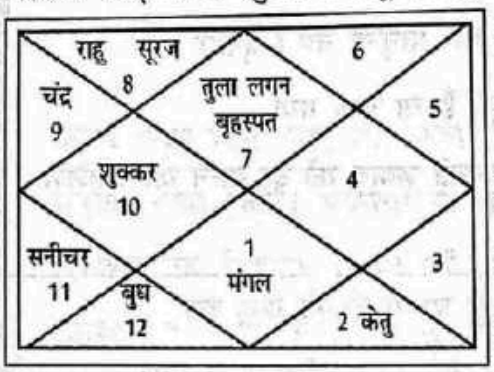

अब तमाम घरों से सिर्फ़ हिन्दसे (अंक) मिटा दिये मगर ग्रह वैसे के तैसे ही लिखे रहने दिये। इसके बाद उसमें हिन्दसे मिटाये हुओं की कुण्डली के लगन के घर को एक का हिन्दसा दिया तो वह हस्बेज़ैल होगी (सिर्फ़ हिन्दसा नम्बर बदल जाएंगे मगर ग्रह हू ब हू उन ही घरों में रहेंगे जहां कि वह पहले थे।)

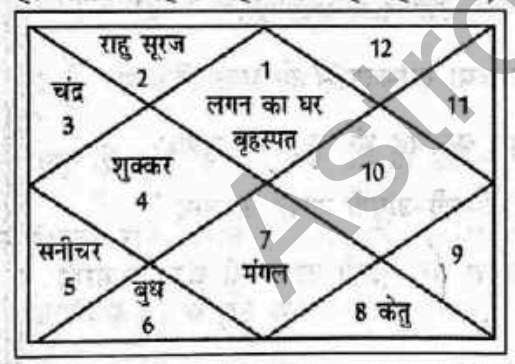

अब हालात देखने के लिए बृहस्पत ख़ाना नम्बर 1 सूरज नम्बर 2 वग़ैरह मिलाख़त करें। इसी तरह ही बर्ष फल पढ़ लेंगे।

इस तरह पढ़ प्राचीन ज्योतिष के मुताबिक़ राशियों का लगन की तब्दीली के कारण जनम कुण्डली में घूमते रहने का चक्कर जाता रहा। पंचांग की लम्बी चौड़ी गिनती उठ गई और आख़ीर पर फलादेश देखने के वक़्त 28 नच्छत्तर और 12 राशियां भी भुला दी गईं।

6-जनम कुण्डली में इकट्ठे बैठे हुए ग्रह बर्षफल में भी अलाहदा-अलाहदा न किये गये जिससे गणेश धनेश वग़ैरह की पुरानी गिनती का ख़याल ख़ुद ब ख़ुद ही ख़तम हुआ ।

7-ग्रहों का असर उनकी अश्या कारोबार या रिश्तेदार मुतअल्लिक़ा के क़ायम होने से पक्का होने का भेद ज़ाहिर हुआ जो ज़रूरत के वक़्त मददगार साबित हुआ।

बमूजिब-अनुसार हस्बेज़ैल-निम्नलिखित मसलन-उदाहरण हिन्दसा-अंक लगन-लग्न मुलाहिज़ा-निरीक्षण
ख़ुद ब ख़ुद-अपने आप

Astro Lucky

॥ आग़ाज़ ॥

हाथ रेखा को समन्दर गिनते
इल्म क़ियाफ़ा ज्योतिष मिलते

नजूम फ़लक का काम हुआ
"लाल किताब" का नाम हुआ

॥ लाल किताब के फ़रमान ॥

॥ लाल किताब फ़रमावे यूं-अक़्ल[1] लेख[2] से लड़ती क्यों ॥

जबकि

न गिला तदबीर अपनी
सबसे उत्तम लेख ग़ैबी

न ही ख़ुद तहरीर हो
माथे की तक़दीर हो

उमंगो से भरे हुए शहज़ोर और ज़माना के बहादुर पहाड़ चीरने वाले नौजवान ने हाथ पर हाथ रखे हुए आसमान की तरफ़ देखने की बजाए जब अपने सिर से पांव तक कोशिश करने के बाद नतीजा हस्बे मंशा न पाया और अपनी आंखों के सामने एक मामूली नाचीज़ हस्ती को ज़िन्दगी के चन्द लम्हों में दुनिया की सब ज़रूरियात का मालिक और ज़माने का सरताज होते हुए देखा तो उसके वजूद के अन्दर छुपा हुआ दिल तड़पकर उसकी पेशानी से पानी के क़तरे हो कर बहता हुआ पूछने लगा कि इसमें भेद क्या है जिसके जवाब में फ़रमान हुआ कि:-

न ज़रुरी नफ़्स ताक़त
लेख चमके जब फ़क़ीरी

न ही अंग दरकार हो
राजा आ दरबार हो

दोनों मुश्तरका ख़ाली आकाश में हवाई दुनिया का प्रवेश।

[1] बुध
[2] बृहस्पत

समन्दर-समुंद्र फ़लक-आकाश, आसमान क़ियाफ़ा-सामुद्रिक विद्या फ़रमान-आज्ञा, हुक्म अक़्ल-बुद्धि, विवेक तदबीर-उपाय, कोशिश तहरीर-लिखना तक़दीर-भाग्य सरताज-स्वामी नफ़्स-अस्तित्व दरकार-वांछित फ़क़ीरी-साधुता, दरवेशी

Astro Lucky

॥ फ़रमान नम्बर-1 ॥

॥ क़ुदरत से क़िस्मत किस तरह आई ॥

हुक्म बिधाता जनम मिले तो — लेख ज्योतिष बतलाता है

लाल किताब बच्चा[1] ग्रह चाली — क़िस्मत साथ ले आता है

इस बच्चे की नन्ही मुट्ठी में — पकड़ा देव आकाश का है

भरा ख़ज़ाना जिसके अन्दर — निधि सिद्धि की माला है

9 निधि को ग्रह 9 माना — सिद्धि 12 राशि है

9 में ज़रब जब 12 देते — होती माला[2] पूरी है

जब बच्चा पैदा होता है बन्द मुट्ठी लाता है जिसे वह अमूमन बन्द ही रखता है और आसानी से किसी दूसरे को अपने हाथ की हथेली देखने नहीं देता गोया बचपन में वह अपना क़ुदरती भेद और छोटी सी मुट्ठी का ख़ज़ाना किसी दूसरे को दिखाना नहीं चाहता, बन्द मुट्ठी में क्या

[1] -ग्रह चाली बच्चा आसमान और पाताल से घिरे हुऐ आकाश में दोनों जहां और दोनों अवस्था (जनम और मरन) की हवा को गांठ लगा देने वाली चीज़ बच्चा ग्रहचाली कहलाई ।

[2] -ग्रह चाली माला 9 ज़रब 12=108 मनकों की माला और मुकम्मल इन्सान के नाम के पहले 108 का हिन्दसा ग्रहचाली माना गया है।

क़ुदरत-प्रकृति ज़रब-गुना गोया-मानो जैसे मुकम्मल-सम्पूर्ण अमूमन-आमतौर से

Astro Lucky

है सिर्फ़ ख़ाली जगह जिसका दूसरा नाम आकाश है और उसमें सिर्फ़ हवा भरपूर है। मुट्ठी के हिलते ही उसके अन्दर की हवा में हरकत आई गोया हरक़त से गरमी-गरमी से आग और आग से पानी-पानी से मिट्टी और मिट्टी से दुनिया का सब ब्रह्माण्ड पैदा हुआ या यूं कहो कि जब बच्चे ने मुट्ठी खोली तो उसमें हाथ की हथेली और उंगली का हिस्सा जुदा-जुदा मालूम होने लगा। कहीं लकीरें कहीं निशान पाए गए। उंगलियों के भी कई कई टुकड़े जुदा-जुदा और फिर इकट्ठे एक ही में मिले हुए नज़र आने लगे। हाथ की हथेली ख़ुश्की का एक निहायत ही बड़ा बर्रेआज़म या ब्रह्माण्ड माना गया। हथेली पर पहाड़ की तरह ऊपर को उभरी हुई जगह का नाम बुर्ज मुकर्रर हुआ। लकीरों को रेखा का नाम मिला जो पानी के दरिया लहरें मारते और इधर उधर भागते हुए माने गए। किसी को उम्र रेखा और किसी को क़िस्मत रेखा से याद किया गया और आख़ीर पर सब इकट्ठे मिल मिलाकर एक समन्दर बना जिसकी वजह से इस इल्म का नाम भी सामुद्रिक या समन्दर की विद्या ही ठहराया गया।

॥ फ़रमान नम्बर-2 ॥

॥ उस की क़ुदरत का हुक्मनामा कहां पाया गया ॥

अक्स ग़ैबी ज़ाहिर पहले — था सितारों पर हुआ
नक़्श जिसका पीछे दुनिया — के दिमाग़ों आ हुआ
दिमाग़ी ख़ानों का असर तब — हाथ की रेखा हुआ
चांद सूरज फ़लकी दुनिया — से जहां दो बन गया
इल्म ज्योतिष इस तरह पर — जब सितारों से हुआ।
सीधी टेढ़ी हाथ रेखा — से क़ियाफ़ा चल पड़ा।

हरकत-गति, चाल गरमी-गर्मी बर्रेआज़म-भूमण्डल समन्दर-समुन्द्र चांद-चंद्र सूरज-सूर्य
अक्स-साया, छाया नक्स-चित्र, तस्वीर ग़ैबी-देवी फ़लकी-आकाशीय आसमानी

Astro Lucky

दिमाग़ दायां/बायां हाथ बाएं/दाएं पर चमक जब दे चुका
हुक्मनामा उसकी क़ुदरत/अपनी क़िस्मत मुट्ठी बन्द इन्सान था

दरअसल सब के मालिक ने इन्सान के साथ उसके लिए मुक़र्रर किए हुए कामों का हुक्मनामा हथेली पर लिखा हुआ उसके अपने ही कब्ज़े में ऐसे ढंग से भेजा है कि वह कभी गुम न होने पाए और न ही उसमें कोई तब्दीली या धोकादही की जा सके। मगर उसकी शक्की हालत को दुरुस्त करके उसकी शक का फ़ायदा बेशक उठा लिया जाए।

हथेली के बसीह बर्रेआज़म पर ऊपर को उठे हुए बुर्ज या पहाड़ जिस क़दर ऊंचे और लम्बे चौड़े और मज़बूत होंगे उसी क़दर ही एक दूसरे की अच्छी या बुरी हवा की रोक थाम कर सकेगें।

दरिया की नदियां या समन्दर के मददगार दरिया जिस क़दर गहरे और साफ़ तह ज़मीन वाले होंगे उसी क़दर ही उनमें पानी की ज़्यादा चाल या पक्का असर होगा। जिस क़दर नदियां और दरिया कम गहरे और तंग होंगे उसी क़दर उनमें न सिर्फ़ पानी कम या उनका असर हलका होगा बल्कि असर के वक़्त की रफ़्तार भी मद्धम होगी। रेखा में मुख़्तलिफ़ निशान दरिया में बरेती जज़ीरे या रास्ते की रुकावटें होंगी दरिया, या रेखा, जिस-जिस पहाड़ या बुर्ज के इलाक़े से गुज़र कर आएंगे, उसी-उसी क़िस्म का असर उनकी साथ लाई हुई मिट्टी में मौजूद होगा और बुर्ज या पहाड़ की जड़ी बूटियों और मुख़्तलिफ़ क़िस्म की दवाइयों के पौदों से आई हुई तेज़ मद्धम मीठी या कड़वी हवा के असर का साथ होगा। हूबहू यही अवस्था ग्रहों की मुख़्तलिफ़ राशियों के लिए मुक़र्रर किए हुए घरों में होने पर इन्सानी ज़िन्दगी में होगी।

अगर कुण्डली हथेली का बर्रेआज़म बनी तो ग्रहों की नज़र का रास्ता या उनकी बाहमी दृष्टि ब्रह्माण्ड के दरियाओं की गुज़रगाह होगी, जो उनके असर में ग्रह मण्डल की ज़ाती दोस्ती व दुश्मनी से

धोका-धोखा बाहमी-आपस का मुख़्तलिफ़-विभिन्न, अन्य मुक़र्रर-निर्धारित गुज़रगाह-मार्ग, रास्ता
ज़ाती-निजी, व्यक्तिगत

Astro Lucky

पैदा शुदा लहरों की उकसाहट से हज़ारहा क़िस्म की तब्दीलियां वाक़ै करने का बहाना होगी। और ग्रहों की मुक़र्रा मियादों पर अक्सर ज़ाहिर हुआ करेगी।

उगंलियों के पोरों (हिस्सों) और हथेली के बर्रेआज़म हर दो ही के बारह-बारह टुकड़े हुए, और बुर्जों या पहाड़ों को 9 हिस्सों में तक़सीम किया गया। यही 9 निधि (ग़ैबी ताक़त) और 12 सिद्धि (इन्सानी हिम्मत) इस इल्म की बुनियाद हुई।

ग्रह राशि और रेखा के अलावा, मकान, जाये रिहाइश ख़्वाब माल मवेशी, दुनिया के दूसरे साथी, दीगर शगुन (शुभ निशानियां) और इल्म क़ियाफ़ा उस मज़मून के ज़रूरी पहलू गिने गए।

जूं ही कि ग़ैबी अक्स दिमाग़ी ख़ानों में नक़्श होकर हाथ की रेखा के दरियाओं के पानी में ज़ाहिर हुआ, दुनिया के पहाड़ों का लम्बा सिलसिला हथेली के बुर्जों में बुलन्दी से दिखाई देने लगा और बच्चे के सांस की हवा ने भी रुख़ बदला जिस पर पहाड़ों से घिरी हुई हथेली का बर्रेआज़म और चारों उंगलियों के वसीह मैदानों के 12 कोने जनम कुण्डली में हू-बहू वैसे के तैसे ही पाए गये, अगर जुदा रहा तो सिर्फ़ अंगूठा (अंगुश्त नर) ही बेरुख़ पाया गया जो उन तमाम का मेहवर (अंगूठे की कीली) और दुनियादारों के पुन पाप का पैमाना मुक़र्रर हुआ। दूसरे लफ़्जों में हथेली की लकीरों या 12 ख़ानों और उंगुलियों की 12 ही गांठों से जो ग़ैबी अक्स ज़ाहिर हुआ वह हू-ब-हू कुण्डली के 12 ख़ानों में 9 ग्रहों की मुख़्तलिफ़ अवस्था से ही पाया गया ।

हज़ारहा-हजारों आज़म-बहुत बड़ा, महान विशाल मज़मून-विषय, लेख अंगुश्त-अंगूठा

Astro Lucky

॥ फ़रमान नम्बर-3 ॥

॥ ऊंचे फ़लक का अक्स किधर है:- ॥

हाथ दायां और कुण्डली जनम को
कुण्डली चंद्र या हाथ बाएं से
उलट हाथों से औरत माना
नेक हवा जब चलने लगी तो

तदबीर मर्द का नाम हुआ
तक़दीर बशर का काम हुआ
ग्रहफल राशि आम हुआ
जहां दोनों का नाम हुआ

गोया हाथ में कुण्डली और कुण्डली में उंगली के हवाई इशारे से बह्माण्ड का मैदान एक ही दम में गूंज उठा।

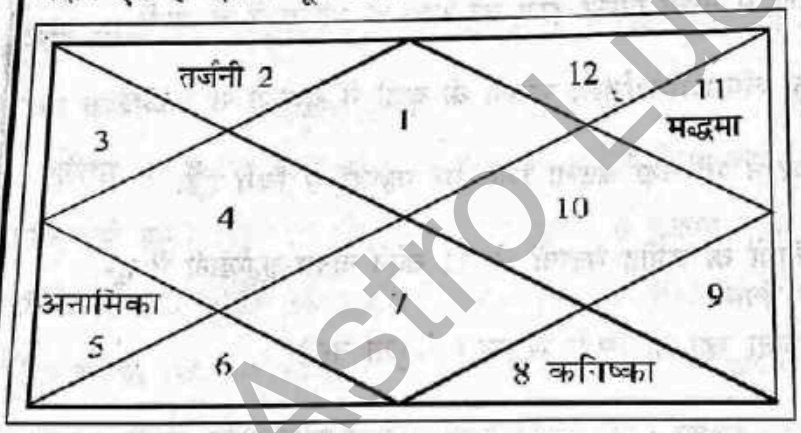

हथेली का हिस्सा होगा	जनम कुण्डली का ख़ाना नम्बर
मुट्ठी का अन्दर.....	1-7-4-10 .....
तर्जनी उंगली.....2	आसमान होगा .ख़ाना नम्बर 12
अनामिका.....5	पाताल.....6
कनिष्का..... 8	तीनों ज़माने.....3
मद्धमा..... 11	कुण्डली का मरकज़..... 9

फ़लक-आकाश, गगन तदबीर-उपाय, प्रयत्न तक़दीर-भाग्य, क़िस्मत बशर-मनुष्य, आदमी गोया-मानो, जैसे मरकज़-केन्द्र, राजधानी

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर 3

॥ Clock wise ॥

॥ जनम कुण्डली ॥

॥ इलाक़ा मद्रास ॥

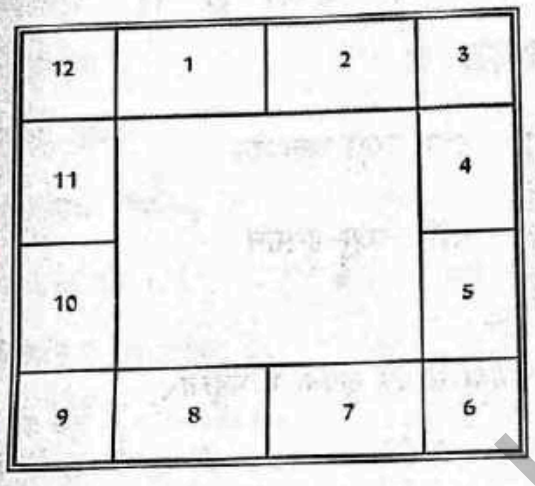

॥ Anti Clock wise ॥

॥ जनम कुण्डली (इलाक़ा पंजाब) ॥

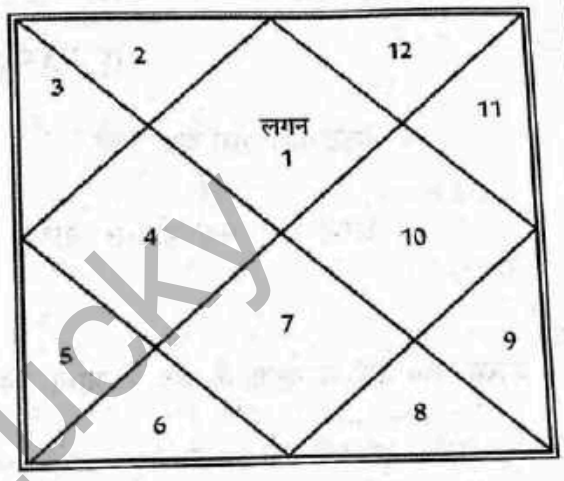

॥ मकान कुण्डली ॥

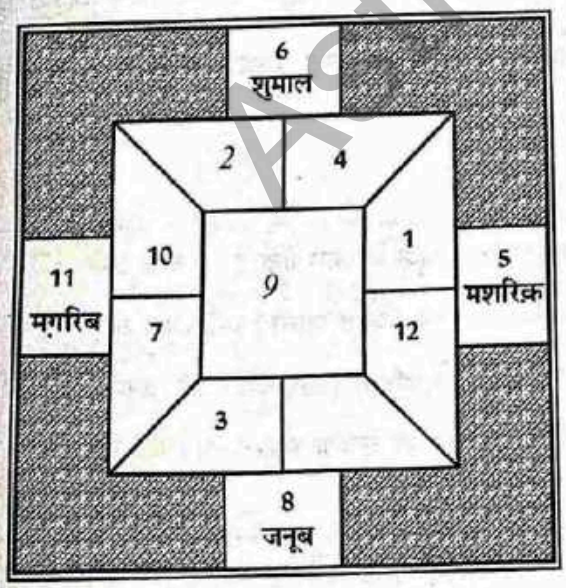

॥ जनम कुण्डली ॥

॥ इलाक़ा बंगाल ॥

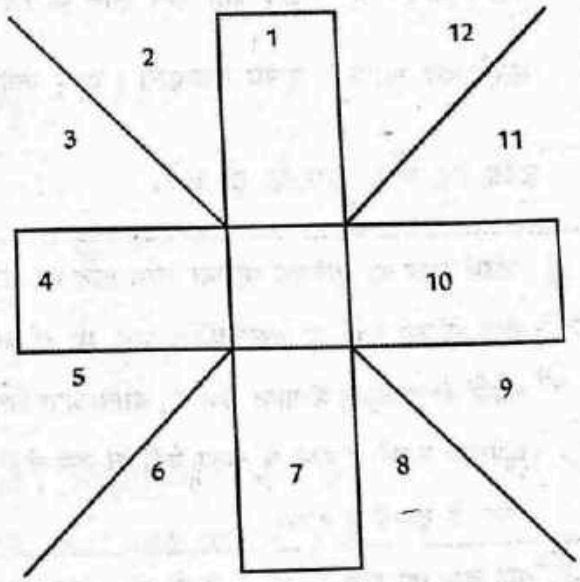

॥ Anti Clock wise ॥

इलाका-क्षेत्र प्रदेश शमाल-उत्तर दिशा मगरिब-पश्चिम दिशा जनब-दक्षिण दिशा मशरिक-पर्व दिशा

Astro Lucky

॥ फ़रमान नम्बर–4 ॥

॥ आलिम को इल्म में शक क्या है ॥

॥ जनम वक़्त ॥

समा करे नर क्या करे
समा बड़ा बलवान
असर ग्रह सब[1] ही पर होगा
परिंद-पशु-इन्सान

बच्चा ग़ैबी पर्दे से माता के पेट में आया। फिर बन्द हवा से इस दुनिया में पहुंचा तो उसके साथ की दो जहानी हवा उसका सांस हुई जिसके लेते ही ज़माना की दोरंगी चालों के मैदान का लम्बा चौड़ा हिसाब क़िताब खुल गया जिस पर हर बात के दो पहलू होने लगे या यूँ कहो कि:- जनम का वक़्त पता लग जाने से ज़िन्दगी के ख़्वाब की ताबीर (नतीजा या हालात) मालूम करने का ख़ाका (जनम कुण्डली) इल्म ज्योतिष के मुताबिक़ तैयार होता हुआ माना गया,मगर शक हुआ कि एक[2] बाप के दो बेटे।

[1] जनम वक़्त को बुनियाद मानकर जिस तरह यह मज़मून इन्सान के ताल्लुक में काम देता है, हू ब हू उसी तरह ही इस इल्म का असर परिंद, पशु, मकान या दूसरे दुनियावी अहम (बहुत ज़रुरी) वाक़िआत और कामों के ताल्लुक में पाया गया है, यानि अगर वक़्त की पैदाइश के मुताबिक़ किसी इंसान की जनम कुण्डली उसके हालात से ख़बर देगी तो उस वक़्त पर पैदाशुदा हैवान या बनाया हुआ मकान ग्रह चाल असर से ख़ाली न होगा।

[2] एक बाप की एक ही औरत से दो जोड़े बच्चे या उसकी दो मुख़्तलिफ़ औरतों से एक ही वक़्त में दो इकट्ठे पैदा शुदा बच्चे।

आलिम-विद्वान पंडित मुताबिक़-अनुसार परिंद-पक्षी ख़्वाब-स्वपन, सपना ख़ाका-ढांचा, रूपरेखा मज़मून-विषय, दशा ताल्लुक़-संबंध, संपर्क वाक़िआत-घटनाएं मुख़्तलिफ़-अलग-अलग

Astro Lucky

एक घर के दोनों भाई[1] एक शहर दो निवासी[2] एक वतन दोनों साथी[3] हम उम्र[4] एक ज़माना, यक नस्ल ख़्वाह, बेगाना,सब ही का जनम वक़्त एक ही होने पर हालात की दुरुस्ती की बुनियाद क्या होगी, बर अक्स इसके भूंचाल, हादसा, दरियाओं की तुगयानी जंग अज़ीम की गोलाबारी या दीगर वबाई और ज़हरीले वाक़िआत से हज़ारों, लाखों का आख़री वक़्त (मौत) भी एक ही जैसा और एक ही होता हुआ देखा गया तो फिर सबका सब निश्चय जाता ही मालूम होने लगा। इस पर ख़याल गुज़रा कि हस्त रेखा और इल्म क़ियाफ़ा के मुताबिक़ जब हर एक की रेखा और लकीरें जुदा-जुदा हैं तो हालात का नक़्शा क्यों तसल्लीबख़्श न होगा । मगर फिर भी वहम पैदा हुआ, कि जब 12 साला। बच्चे की रेखा का कोई एतबार नहीं और 18 साला उम्र से बड़ी रेखा में कोई तब्दीली नहीं मानते (मगर शाख़ों का बदलना माना गया है) तो यक़ीन किस बात पर होगा। इस तरह दोनों इल्मों से कोई दिलजोई न हो सकी, क्योंकि एक तो जनम वक़्त (लगन) ग़लत होने की वजह से ही बेबुनियाद हो गया, और दूसरा सिर्फ़ एक अकेले ही की ज़िन्दगी का नेक व बद (तबीयत की नरमी-गरमी) बताकर चुप हुआ,और किसी दूसरे साथी या ताल्लुक़दार का कोई

---

1 ताया, चचाज़ाद या ख़ालू, मामूं के घरों एक ही वक़्त में इकट्ठे पैदा शुदा भाई

2 ख़्वाह आलीशान राजा, ख़्वाह निर्धन दुखिया फ़क़ीर मगर दोनों एक ही शहर में इकट्ठे रहने वाले निवासियों के हां एक ही वक़्त में पैदा शुदा बच्चे।

3 एक कश्मीरी, दूसरा मद्रासी, तीसरा महाराष्ट्री तो चौथा बंगाली मगर सब इलाक़ों के बासियों के हां एक ही वक़्त में पैदाशुदा बच्चे।

4 एक मुल्क से गए हुए, मगर एक लंका में दूसरा अमरीका में, तीसरा इंग्लैण्ड, तो चौथा जापान में अगर वक़्त की जमा तफ़रीक़ कर कराने के बाद सब के बच्चों का जनम वक़्त एक ही हो तो सबका जनम लगन भी एक ही होगा मगर ज़िन्दगी के हालात अमूमन कभी एक ही न होंगे।

दीगर-फिर दुबारा, पुनः वबाई-महामारी संबंधी तसल्लीबख़्श-संतोषप्रद यक़ीन-विश्वास, भरोसा ख़ालू-मौसा
दिलजोई-तसल्ली, सांत्वना चचाज़ाद-चाचा खानदान तफ़रीक़-फर्क

Astro Lucky

वास्ता न बता सका तो आख़ीर पर हर दो इल्मों को इकट्ठा किया गया मगर फिर भी यही मालूम हुआ कि बुनियादी उसूलों की वाक़फ़ियत के बग़ैर कोई मतलब हल न होगा। लिहाज़ा शक को दूर करने के लिए या इसका फ़ायदा उठाने के लिए इस इल्म में ग्राएमर फलादेश और योग बन्धन वग़ैरह के अलाहदा अलाहदा हिस्से मुक़र्रर हुए।

Astro Lucky

अलाहदा–अलग, जुदा वास्ता–संबंध लिहाज़ा–इसलिए, अन्त

॥ ग्राएम्मर ॥

AstroLucky

॥ फ़रमान नम्बर–5 ॥

॥ तक़दीर पहले या तदबीर ॥

बेटी आई पहले दुनिया या कि पहले माता हो
जोड़े बच्चे पेट माता पहले जनमे छोटा हो

॥ राशि ॥

1– हाथ की उंगलियों की हर एक गांठ या 24 घंटे के दिन रात को 12 हिस्सों में तक़सीम करने पर हर एक टुकड़ा (गो हर एक टुकड़ा ठीक पूरे दो घंटे का न होगा, मगर 12 टुकड़ों में से हर एक टुकड़ा) राशि कहलाता है।

2– राशियां तादाद में 12 हैं- जिनके नाम और नम्बर हमेशा के लिए एक ही मुक़र्रर हैं। कुण्डली में बार बार हर राशि का नाम लिखने के बजाए इसके लिए मुक़र्रर किया हुआ हिन्दसा नम्बर ही लिख दिया जाता है। प्रचलित (आजकल के जारी) ज्योतिष में राशियां कुण्डली के घरों में घूमती रहती हैं। मगर फलादेश देखने के लिए इस इल्म में उनकी जगह हमेशा के लिए पक्के तौर पर मुक़र्रर कर दी हैं।

तक़दीर-भाग्य तदबीर-उपाय, कोशिश तक़सीम-बंटवारा, बांटना तादाद-संख्या हिन्दसा-संख्या

Astro Lucky

राशि का नाम	उपरांत अंक	राशि चिह्न
मेख	1	♈
बख़्त	2	♉
मिथुन	3	♊
कर्क	4	♋
सिंह	5	♌
कन्या	6	♍
तुला	7	♎
बृश्चक	8	♏
धनु	9	♐
मकर	10	♑
कुंभ	11	♒
मीन	12	♓

मेख[1], बृख[2] जब मिले मिथुन[3] से
कर्क[4], सिंह[5] और कन्या[6] राशि
तुला[7] बृस्चक[8], धनु[9] तीनों की
मकर[10], कुंभ[11] और मीन[12] इकट्ठी

तर्जनी उंगली गिनते हैं
अनामिका उंगली लेते है
छोटी कनिष्का होती है
मद्धमा उंगली बनती है

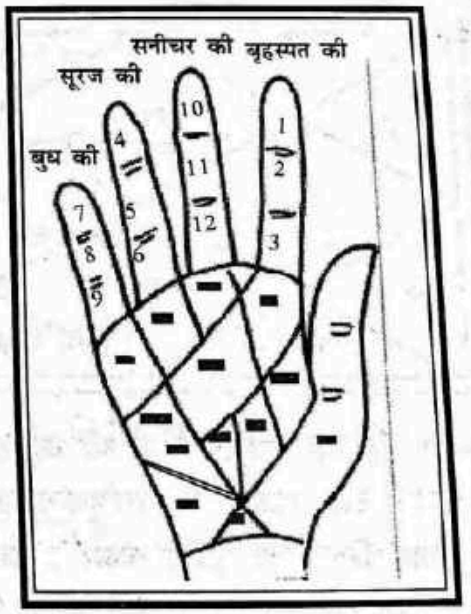

1- तर्जनी उंगली बृहस्पत या हुकूमत की उगली होती है।
अनामिका उंगली-सूरज या ज़ाती (हिम्मत से) कमाई की उंगली होती है ।
कनिष्का उंगली-बुध या इल्मो हुनर कमाई की उंगली होती है
मद्धमा उंगली-सनीचर या उदासी या वैराग कमाई की उंगली होती है।

2- गिनती, चाल और जगह मुक़र्रर करने के वक़्त मद्धमा उंगली को सब उंगलियों के आख़ीर पर लेते हैं क्योंकि मद्धमा उंगली, उदासी, सन्यास, वैराग या दुनिया से अलाहदा गिनी है। जिसका ताल्लुक़ गृहस्त के बाद होगा।

हुकूमत-राजा सनीचर-शनि गृहस्त-गृहस्थ मेख-मेष वृख-वृष बृस्चक-वृश्चिक
मुस्तक़िल-अटल, दृढ़ निश्चय, चिरस्थाई

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर-5

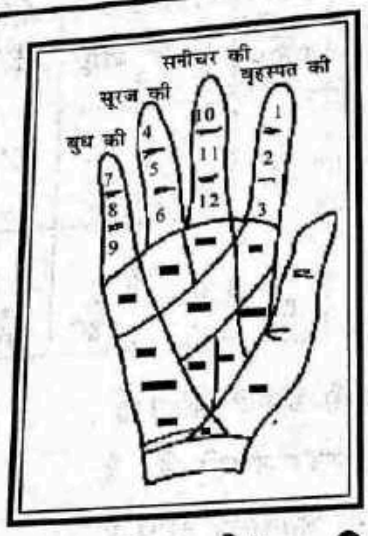

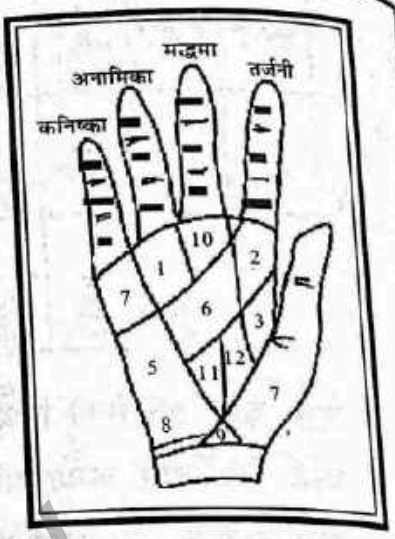

॥ राशियों की कुण्डली में पक्की जगह ॥

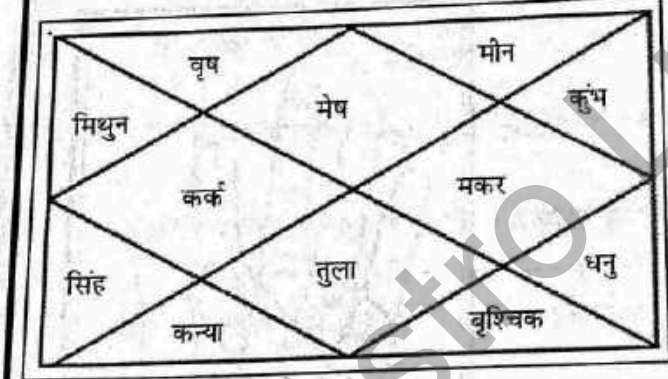

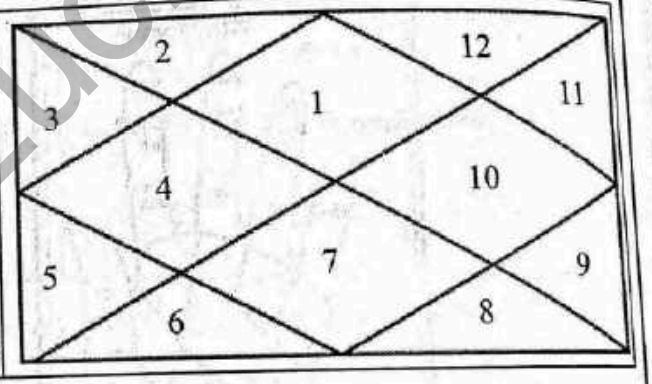

3-हर ग्रह की मुक़र्रर रेखा भी कुण्डली का ख़ाना नम्बर हो जाती है।

तर्जनी और मद्धमा के दरमियान ख़ाना नम्बर 11, अंगूठा नम्बर 2 होगा,दिल रेखा ख़ाना नम्बर 4 होगा, सिर रेखा ख़ाना नम्बर 7 होगा।

सनीचर का हैडक्वार्टर जहां ख़ाना नम्बर 7 (तुला) ख़ाना नम्बर 4 (कर्क) ख़ाना नम्बर 8 (बृश्चक) ख़ाना नम्बर 9 (धनु) ख़ाना नम्बर बारह (मीन) और ख़ाना नम्बर 11 (कुंभ) सब के सब मिलकर बाहम काटते हैं। वह क्रासिंग प्वाइंट (Crossing Point) ख़ाना नम्बर 8 सनीचर के हैडक्वार्टर की जगह होगा।

इस इल्म में जहां कहीं भी ख़ाना नम्बर का ज़िक्र होगा, तो मुराद होगी कि कुण्डली का ख़ाना नम्बर है, राशि नम्बर से मुराद न होगी, ख़ाना नम्बर 1 को लगन भी कहते हैं।

मुक़र्रर-निश्चित, नियत मुराद-मतलब दरमियान-बीच में सनीचर-शनि ग्रह
बाहम-आपस में

Astro Lucky

॥ फ़रमान नम्बर-6 ॥

॥ क़िस्मत की गांठों ही से ग्रह मण्डल बन गया ॥

धरम दया ख़्वाह कोसों ऊंची
उलटे वक़्त ख़ुद गांठ आ लगती

ख़्वाह ही सख़ी लख दाता हो
लेख लिखता था बिधाता जो।

॥ ग्रह ॥

दुनिया के आग़ाज़ और ब्रह्मण्ड के ख़ाली आकाश में (जो बुध का आकार है) सब से पहले अंधेरा (सनीचर का राज) मान कर इसमें रोशनी (सूरज की किरणों की चमक) का प्रदेश ख़याल किया गया है। इस रोशनी (सूरज) और अन्धेरे (सनीचर) दोनों के साथ-साथ हवा (जो दोनों जहानों के मालिक बृहस्पत की राजधानी है) चल रही है। यानी हवा अन्धेरे में भी होती है और रोशनी में भी हुआ करती है। मसलन शीशा का एक बक्स हो तो उसके अन्दर खाली जगह में भी हवा होगी और उस बक्स के बाहर भी हवा महसूस होगी। गोया बुध का शीशा अन्धेरे और रोशनी दोनों को ही अन्दर से बाहर और बाहर से अन्दर ज़ाहिर होने की इजाज़त देगा। मगर वह (बुध या शीशा) हवा को बाहर से अन्दर या अन्दर से बाहर जाने न देगा। यही चक्कर में डाले रखने की दुश्मनी बृहस्पत से बुध को होगी या बुध के आकाश की ख़ाली जगह में क़िस्मत को ज़ाहिर करने वाला ग्रह चाली

सख़ी-दाता, दानशील बिधाता-विधाता, ईश्वर आग़ाज़-शुरूआत मसलन-जैसे ज़ाहिर-व्यक्त, प्रकट

Astro Lucky

बच्चा बुध की मदद से सूरज और सनीचर को जुदा जुदा रहने या इकट्ठे ही दम मारने की ताक़त बख़्श देगा। गोया बुध का शीशा ही बृहस्पत के दोनों जहानों में गांठ लगा देगा और यह गांठ ही ग्रह है जिससे आकाश सब ही के लिए इकट्ठा गांठा हुआ मैदान है। या यूं कहो कि अक़्ल (बुध) सब तरफ़ गांठे लगा रही है। मुख़्तसरन अलाहदा अलाहदा चीज़ों के/को इकट्ठा होने/करने की हालत का नाम गांठ या ग्रह है। दूसरे लफ़्ज़ों में बृहस्पत (हवा) और बुध (आकाश) को इकट्ठा बांध देने वाली चीज़ की ताक़त या बच्चा की क़िस्मत की उलझन पैदा करने वाली चीज़ ग्रह कहलाती है। क़िस्सा कोताह उंगलियों और हथेली को बाहम मिलाने वाली गांठ या हथेली की अपनी हर एक गांठ या बच्चे की अपनी माता के पेट के सफ़र की 9 मंजिलों की हर एक गांठ को ग्रह के नाम से याद करते हैं गोया क़ुदरत की ताक़त का असल नाम गांठ या ग्रह है जिस की वजह से इल्म सामुद्रिक में भी हर बुर्ज की बुनियाद उंगलियों की जड़ और हथेली की गांठ पर ही मानी गई है

ग्रह तादाद में 9 हैं और वह कुण्डली के 12 ख़ानो मे घूम जाने की ताक़त के मालिक माने गये हैं। इन्सान की तरह उनमें भी बाहमी दोस्ती दुश्मनी ऊंच या नीच हालत और उत्तम या मन्दा असर देने का माद्दा माना गया है।

हर एक ग्रह अपना बुरा या भला असर ख़ास ख़ास मियादों पर दिया करता है।

बख़्श-क्षमा करने वाला मियादों-अवधि मुख़्तसरन-संक्षेप में लफ़्ज़-शब्दों में तादाद-संख्या, गिनती

Astro Lucky

नम्बर शुमार	ग्रहों के नाम							
	नाम ग्रह	हिन्दी में	फ़ारसी में	अंग्रेजी में	ग्रह का रंग	मस्नूई ग्रह (हर एक ग्रह के बराबर का)	निशान ग्रह
1	बृहस्पत	बृहस्पत गुरु	मुश्तरी	Jupiter	ज़र्द (पीला)	सूरज शुक्कर मुश्तरका का ख़ाली हवाई	इन्द्रियां ||| खड़े खत ◎ चक्कर ◎ संख ◎ सदफ़
2	सूरज	रवि	शमस	Sun	सुर्ख़ तांबा ख़ाकी	बुध शुक्कर मुश्तरका	सितारा शाखदार खत
3	चंद्र	चंद्रमा	क़मर	Luna Moon	सफ़ेद (दूध)	सूरज, बृहस्पत मुश्तरका	आधा ⌒ टेढ़ा खत
4	शुक्कर	भृगु	ज़ोहरा	Venus	सफ़ेद (दही)	राहु केतु मुश्तरका	लेटे खत —
5	मंगल नेक मंगल बद	भौम "	मरीख़ "	Mars A "	ख़ूनी सुर्ख़ "	सूरज बुध मुश्तरका मंगल नेक सूरज सनीचर मंगल बद	चौकोर मुसल्लस □
6	बुध	बुध	एतारद	Mercury	सब्ज़	बृहस्पत राहु मुश्तरका	दायरा ○
7	सनीचर	शनि	ज़ोहल	Saturn	स्याह	शुक्कर बृहस्पत मुश्तरका केतु सुभाओं मंगल बुध मुश्तरका राहु सुभाओं	नरेगम त्रिशूल विसर्ग
8	राहु	राहु	रास	Raho	नीला	मंगल सनीचर मुश्तरका (ऊंच) हालत व सूरज सनीचर मुश्तरका (नीच) हालत	जाल साया सिर पदम
9	केतु	केतु	जुनूब	Ketoo	चितकबरा स्याह सफ़ेद मुश्तरका	शुक्कर सनीचर मुश्तरका (ऊंच) हालत चंद्र सनीचर मुश्तरका(नीच) हालत	साया धड़ का

A **Mars Positive-** **Mars Negative**

मंगल नेक **मंगल बद**

B **यह ज़रूरी नहीं कि हर एक ग्रह अपने हाशिया की लकीरों से बने हाथ पर रेशों से भी वही मुराद होगी मिसाल □ चारों तरफ की लकीरों से मिलकर मंगल बना। यही शक्ल अगर ▦ बारीक़ रेशों से हाथ के बाक़ी रेशों से जुदा हो जावे तो भी मंगल नेक होगा**

मुश्तरका-मिले जुले मसनूई-बनावटी शुमार-गिनती, संख्या संख-शंख सदफ़-सीप ज़र्द-पीला
शमस-सूर्य मुश्तरी-बृहस्पति ग्रह ख़ाकी-मटमैला

Astro Lucky

1-ग्रहों के मुफ़स्सिल तौर पर दिये हुए बयानों में देखने से मालूम होगा कि ब्रह्माण्ड की मुख़्तलिफ़ चीज़ों को ख़ास ख़ास हिस्सों में मुक़र्रर करके हर एक हिस्से का नाम हमेशा के लिए एक ही मुक़र्रर कर दिया है और उन तमाम चीज़ों को लिखने पढ़ने में बार बार दोहराने की बजाय उनके लिए मुक़र्रर किया हुआ एक नाम का ज़िक्र कर देते हैं, मसलन :-स्त्री गाय लक्ष्मी, मिट्टी वग़ैरह वग़ैरह के लिए सिर्फ़ एक लफ़्ज़ शुक्कर मुक़र्रर है, जहाँ कहीं भी शुक्कर का ज़िक्र होगा तो स्त्री, गाय, लक्ष्मी, मिट्टी वग़ैरह वग़ैरह से मुराद होगी ।

2-राशियों की तरह ग्रहों के लिए कोई पक्का हिन्दसा मुक़र्रर नहीं है। मगर उनकी मन्दरजाज़ैल ख़ास ख़ास क़िस्में ज़रुर मुक़र्रर हैं।

गुरु, रवि, और मंगल तीनों — नर ग्रह भी कहलाते हैं।
शनि, राहु और केतु तीनों — पापी ग्रह बन जाते हैं।
शुक्कर, लक्ष्मी, चंद्र माता — दोनों स्त्री होते हैं।
बुध मुख़न्नस चक्कर सभी का — जिसमें सब ये घूमते हैं।
नेकी बदी दो मंगल भाई — मंगल नेक मंगल बद शहद ज़हर दो मिलते हैं।
बद लालच गर मारे दुनिया — नेक दान को गिनते हैं।

राहु और केतु सिर्फ़ दोनों को पाप के नाम से याद करते हैं। जब सनीचर को राहु या केतु किसी तरह से भी आ मिलते हों तो सनीचर पापी होगा और वैसे भी राहु केतु, सनीचर तीनों का इकट्ठा नाम पापी है ।

Astro Lucky

॥ कुण्डली में ग्रहों के पक्के घर ॥

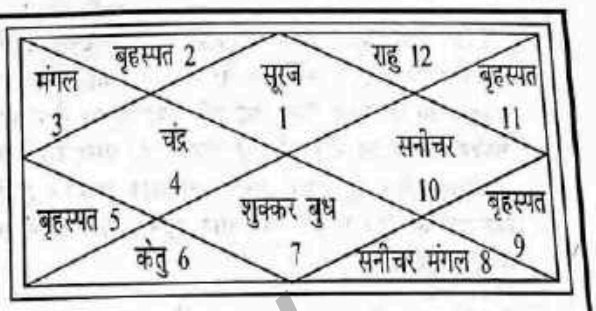

॥ हथेली पर ग्रहों के पक्के घर ॥

॥ हथेली पर बुर्ज के पक्के घर ॥

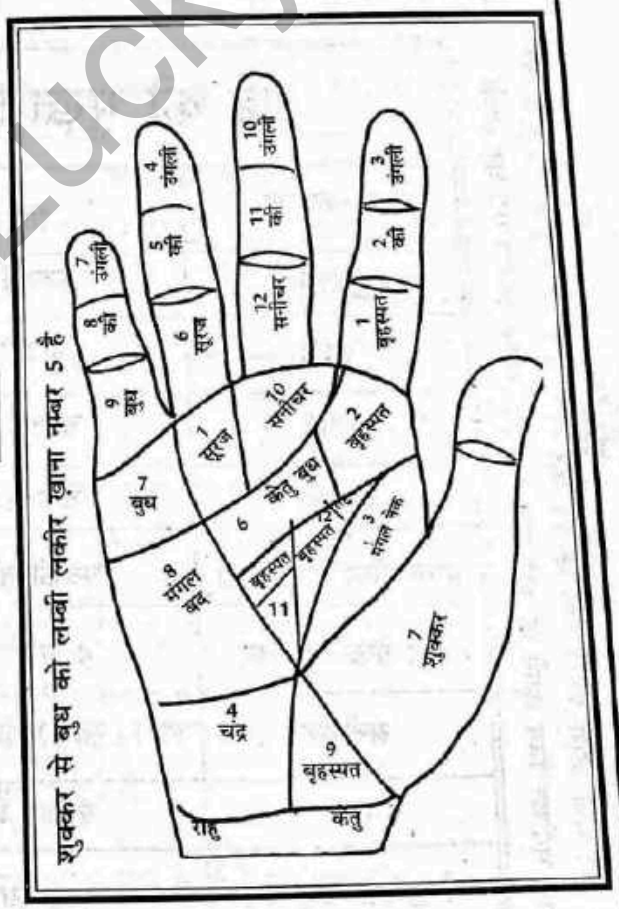

बुर्ज: हथेली पर ऊपर को उठी हुई जगह का नाम बुर्ज (Mount) कहलाता है और हर एक बुर्ज की जगह हू ब हू वही है जो कि इस ख़ाका में हर ग्रह की दिखाई गई है। इस तरह पर बुर्ज तादाद में 7 तो अलाहदा अलाहदा हैं और बाक़ी दो ग्रहों की पक्की जगह या बुर्ज दूसरे ग्रहों के साथ ही मुकर्रर है।

1 सूरज 2 बृहस्पत 3 मंगल नेक या बद 4 चंद्र 5 बुध 6 शुक्कर 7 सनीचर

अलाहदा-अलग सूरज-सूर्य ग्रह बृहस्पत-बृहस्पति ग्रह सनीचर-शनि ग्रह शुक्कर-शुक्र ग्रह

AstroLucky

राहु और केतु को हथेली पर कोई पक्की जगह अलाहदा तौर पर नहीं दी गई। लहरों के मालिक हैं। एक ने इन्सान को सिर से पकड़ा, और दूसरे ने पांव से, तो ख़ुद बख़ुद उनको जगह मिल गई और वह बुध (के साथ केतु जो नेकी का मालिक है, ख़ाना नम्बर 6 पाताल में) और बृहस्पत (के साथ राहु जो बदी का हाक़िम है ख़ाना नम्बर 12 आसमान में) के साथ तमाम आकाश ब्रह्मण्ड (जो बृहस्पत बुध दोनों मुश्तरका का नतीजा है) में हो बैठे और दुनिया और इस इल्म में पाप के नाम से मशहूर हुए।

राहु दिन छुप गया मगर सितारे अभी नहीं निकले वह अर्सा ——→

ग्रह की मुख़्तलिफ़ हालतें

पक्का ग्रह	दिन में	हफ़्ता में
बृहस्पत	पहला हिस्सा	वीरवार गुरुवार
सूरज	दूसरा हिस्सा	इतवार रविवार
चंद्र	चांदनी रात	सोमवार
शुक्कर	काली रात	शुक्करवार
मंगल नेक-मंगल बद	पक्की दोपहर	मंगलवार
बुध नेक-बुध बद	4 बजे शाम	बुधवार
सनीचर	तमाम (सारी) रात अन्धेरा दिन	सनीचरवार शनिवार
राहु	पक्की शाम	वीरवार की शाम
केतु नेक-केतु बद	सुबह सादिक़	इतवार की सुबह

◄ अगर एक दिन औसतन 12 घण्टे पहले का अर्सा हो तो:-केतु दिन चढ़ने से 2 घण्टे पहले का बृहस्पत दिन निकलने के बाद

◄ 3 बजे तक अर्सा-मंगल दिन के 11 बजे से 1 बजे तक-बुध 4 बजे से 6 बजे तक-सनीचर दिन छुपने के बाद जब एक भी सितारा निकल पड़े वह अर्सा।

8 बजे तक का अर्सा-सूरज 9 से 10 बजे का अर्सा, चंद्र 10 बजे से 11 बजे तक अर्सा-शुक्कर 1 बजे से

हाकिम-शासक मुख़्तलिफ़-विभिन्न प्रकार के इतवार-रविवार शुक्करवार-शुक्रवार

सनीचरवार-शनिवार

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर-6

॥ ग्रहों की बाहमी दोस्ती व दुश्मनी ॥

नम्बर शुमार	नाम ग्रह	उसके बराबर का ग्रह	उसका दोस्त ग्रह	उसका दुश्मन ग्रह
1	बृहस्पत	राहु केतु-सनीचर	सूरज मंगल चंद्र	शुक्कर बुध
2	सूरज	बुध जो सूरज के साथ चुप होगा	बृहस्पत मंगल चंद्र	शुक्कर सनीचर राहु से ग्रहण केतु से मद्धम
3	चंद्र	शुक्कर, सनीचर मंगल,बृहस्पत	सूरज-बुध	केतु से ग्रहण राहु से मद्धम
4	शुक्कर	मंगल-बृहस्पत	सनीचर-बुध-केतु	सूरज चंद्र राहु
5	मंगल	शुक्कर-सनीचर राहु अब मंगल के साथ चुप होगा।	सूरज-चंद्र-बृहस्पत	बुध केतु
6	बुध	सनीचर केतु मंगल-बृहस्पत	सूरज-शुक्कर-राहु	चंद्र
7	सनीचर	केतु-बृहस्पत	बुध-शुक्कर-राहु	सूरज चंद्र मंगल
8	राहु	बृहस्पत-चंद्र उसके साथ मद्धम होगा	बुध सनीचर केतु	सूरज शुक्कर मंगल
9	केतु	बृहस्पत सनीचर, बुध सूरज इसके साथ मद्धम होगा	शुक्कर-राहु	चंद्र मंगल

चंद्र और शुक्कर बराबर हैं। मगर चंद्र दुश्मनी करता है शुक्कर से।
बृहस्पत और शुक्कर बराबर है मगर शुक्कर दुश्मनी करता है बृहस्पत से।
मंगल और सनीचर बराबर हैं मगर मंगल दुश्मनी करता है सनीचर से।
चंद्र और बुध दोस्त हैं, मगर चंद्र दुश्मनी करता है बुध से।
राहु के साथ बृहस्पत चुप होगा,मगर गुम न होगा।
मगर ख़ाना नम्बर 2 में राहु या बृहस्पत हो ,तो राहु बृहस्पत के मातहत होगा। (बुध गो बृहस्पत का दुश्मन है) मगर ख़ाना नम्बर 2-4 में बैठा हुआ बुध या चंद्र (ख़्वाह बुध बृहस्पत चंद्र गो बुध का दुश्मन हैं) या चंद्र बुध-मुश्तरका) दुश्मनी के बजाए पूरी मदद करेगा माली मदद के लिए

बाहमी-आपस में
आज्ञाधीन-गुलाम
शुमार-गिनती, संख्या
ख़्वाह-चाहे
मातहत-अधीन

Astro Lucky

॥ जिस्म व ग्रह का ताल्लुक ॥

दुश्मन पार्टी :- सनीचर का दुश्मन सूरज का शुक्कर का बृहस्पत का बुध का चंद का केतु का मंगल बद का-दुश्मन है } राहु

और

दोस्त पार्टी :- सूरज का दोस्त चंद्र का बृहस्पत का मंगल नेक का राहु का बुध का सनीचर का शुक्कर का दोस्त } है केतु

गोया

ग्रहों में मन्दरजा बाला दुश्मन/दोस्त - पार्टी के ग्रह बिलतरतीब एक दूसरे के दुश्मन/दोस्त -हैं। जिनका रहनुमा राहु (बाहम दुश्मन पार्टी का) / केतु (बाहम दोस्त पार्टी का) है-यानी राहु तो सिर की रहनुमाई और केतु पांव चक्कर का मालिक है।

इन्सानी जिस्म में :- जिगर (मंगल)-दिल (चंद्र)-धड़ (केतु) के सलाहकार हैं।

दिमाग व ज़ुबान (बुध) देखना भालना (सनीचर) सिर (राहु) के सलाहकार हैं।

सिर (राहु) धड़ (केतु) दोनों को मिलाने वाली गर्दन के सांस का मालिक बृहस्पत है। लिहाजा बृहस्पत (बहालत एक अकेला इन्सानी जिस्म बहालत कुल इन्सान तमाम दुनिया) यानी लोक परलोक (ग़ैबी दुनिया तमाम ग्रहों की मुश्तरका ताक़त) का मालिक है। सिर्फ़ उसी सिफ़्त पर यह ग्रह किसी से दुश्मनी नहीं करता।

Astro Lucky

नम्बर शुमार

1

2

3

4

5

6

मैदानी इलाक़े में मृग से मुराद हिरण होती है और पहाड़ी इलाक़े मे चीते को मृग बोलते है। मगर-ग्रह चाली हालात में हिरण (ख़्वाह मामूली ख़्वाह बारह सिंगा) को मंगल बद गिनते और चीता (दरिन्दा इन्सानी को फाड डालने वाला जानवर है) मंगल नेक लेंगे।

मियाद

ग्रहों की मियादें

नम्बर शुमार	नाम ग्रह	कितने दिन	आम साल	उम्र के साल	महा दशा	आम दौरा के साल	असर का वक़्त	असर की रफ़्तार मानिन्द
1	बृहस्पत	32	16	75	16	6	वरमियान	शेर बब्बर
2	सूरज	22	22	100	6	2	शुरू	रथ
3	चंद्र	24	24	85	10	1	आख़ीर पर	घोड़ा
4	शुक्कर	50	25	85	20	3	वरमियान	बैल
5	मंगल नेक	24	13	28 90	3	2	शुरू	चीता
	मंगल बंद	32	15		4	4	शुरू	हिरण
6	बुध	68	34	80	17	2	हमेशा यक्सां	मेढ़ा
7	सनीचर	72	36	90	19	6	,,	मछली
8	राहु	40	42	90	18	6	आख़ीर पर	हाथी
9	केतु	43	48	80 F^2	7	3	,,	सुअर कुत्ता
एक दिन में हर ग्रह का पक्के तौर पर मुक़र्रा वक़्त की युनिट के लिए फ़ी युनिट का वक़्त 40 मिनट लेंगे।								
	मीज़ान	364 / 367			120	35		

F^1 हर ग्रह अपनी मियाद के निस्फ़ या चौथाई हिस्सा मियाद मे भी अपना असर ज़ाहिर कर दिया करता है।

F^2 राहु की 42 तो केतु की 48 मगर दोनों की मुश्तरका मियाद 45 होगी।

F^3 ग्रहण के वक़्त (सूरज राहु मुश्तरका=सूरज ग्रहण) उम्र 3 साल कम होगी (चंद्र केतु मुश्तरका=चंद्र ग्रहण)

F^4 सनीचर उम्र के 10-19-37 वें साल अमूनन नेक असर देगा और 9 (दूसरी तरफ़ धन दौलत)।

F^5 मैदानी इलाक़े में मृग से मुराद हिरण होती है और पहाड़ी इलाक़े मे चीते को मृग बोलते है। मगर-ग्रह वाली हालात मे हिरण F^5 (ख़्वाह मामूली ख़्वाह बारह सिंगा) को मंगल बद गिनते और चीता (दरिन्दा इन्सानी को फाड डालने वाला जानवर है) मंगल नेक लेंगे।

मियाद-समय अवधि मुश्तरका-मिले-जुले मुक़र्रर-निश्चित मीज़ान-संख्याओं को जोड़

Astro Lucky

18 (पिता) 27 माल मकान मवेशी) पर मन्दा असर देगा-36 ता 39 साला उम्र में साधारण असर देगा।

5-जैसा कि टेवे के मुताबिक़ इस वक़्त हो क़िस्मत उदय के लिए बुध 23 मंगल 34 साला उम्र में बाक़ी हर ग्रह अपनी अपनी मियाद पर असर देंगे।

एक साल के अर्से को 3 पर तक़सीम करके हर टुकड़ा चार माह का होगा जिसमें दरमियानी ग्रह का असर मिल रहा होगा। मसलन बृहस्पत बमूजिब बर्षफल अगर ख़ाना नम्बर 5 में आया हो तो उस साल के पहले चार महीनों में ख़ाना नम्बर 5 पर केतु का असर जैसा कि वह (केतु) उस वक़्त बमूजिब बर्ष फल हो। दूसरे चार माह में ख़ुद बृहस्पत का अपना असर जैसा कि वह बमूजिब बर्ष हो और आख़री चार माह में सूरज का असर जैसा कि वह (सूरज) बमूजिब बर्ष फल हो मिलता होगा। इसी तरह ही हर एक ग्रह में उसके सामने दिए हुए दरमियानी ग्रहों का असर मिलता होगा।

दरमियानी ग्रह

पक्का घर	शुरू	दरमियान	आख़ीर पर
बृहस्पत	केतु	बृहस्पत	सूरज
सूरज	सूरज	चंद्र	मंगल
चंद्र	बृहस्पत	सूरज	चंद्र
शुक्कर	मंगल	शुक्कर	बुध
मंगल	मंगल	सनीचर	शुक्कर
बुध	चंद्र	मंगल	बृहस्पत
सनीचर	राहु	बुध	सनीचर
राहु	मंगल	केतु	राहु
केतु	सनीचर	राहु	केतु

॥ ग्रह की उम्र का असर ॥

(1) जब कोई ग्रह हर तरह से क़ायम यानी अपने वजूद में ख़ुद अपनी ही मुकम्मल ताक़त का ख़्वाह ऊंच हालत ख़्वाह नीच हालत (ख़्वाह घर का मालिक हो और किसी दूसरे का उस पर या उसमें कोई असर न मिल रहा हो) तो वह अपनी कुल उम्र तक असर देता रहेगा या उसकी उम्र होगी, बृहस्पत 16 साल, सूरज

तक़सीम-बांटना, विभाजन करना बर्षफल-वर्षफल मुताबिक़-अनुसार बमूजिब-अनुसार

Astro Lucky

22 साल, चन्द्र 24 साल वग़ैरह (2) कुल ग्रहों की 120 साल। मजमूआ से अपना अपना हिस्सा है ग्रह के असर का आम अर्सा अपनी हालत से बाहर जब कोई ग्रह ऊपर कि शर्त (ग्रह की उम्र का अर्सा) से बाहर दोस्तों से या दुश्मनों के बरताओ में हो जावे तो उसके लिए बृहस्पत 6 साल सूरज 2 साल और चंद्र 1 साल वग़ैरह लेंगे (4)ऋअपनी मियाद के शुरु दरमियान या आख़ीर पर हर ग्रह असर करता है।

इसलिए हर ग्रह के साथ दरमियानी ग्रह का असर (जैसे कि दरमियानी ग्रहों की फ़ेहरिस्त में जल्दी जगह दिया है) शामिल होगा।

नाम ग्रह	किस ग्रह के साथ हो तो	उम्र होगी जितने साल
बृहस्पत	किसी भी ग्रह के साथ होगा	16
सूरज	किसी भी ग्रह के साथ	22
	सिवाए राहु के साथ	सिफ़र
	सिवाए केतु के साथ	11
चंद्र	किसी भी ग्रह के साथ	24
	सिवाए बृहस्पत शुक्कर, बुध,	12
	राहु मगर सनीचर के साथ	8
शुक्कर	किसी भी ग्रह के साथ	25
	सिवाए बृहस्पत के साथ	60 वास्ते दौलत
	सिवाए सूरज के साथ	34
	सिवाए मंगल नेक के साथ	8
मंगल नेक	किसी भी ग्रह के साथ	13 कुल
मंगल बद	किसी भी ग्रह के साथ	15 28
बुध	किसी भी ग्रह के साथ	34
	सिवाए सूरज या मंगल	17
सनीचर	किसी भी ग्रह के साथ	36
	सिवाए बृहस्पत के साथ	18 वालिद की उम्र
	सिवाए बृहस्पत के साथ	27 धन दौलत
	सिवाए सूरज के साथ	24
	सिवाए मंगल या शुक्कर के साथ	12
	सिवाए बुध के साथ	45
राहु	किसी भी ग्रह के साथ	42
	सिवाए मंगल नेक के साथ	सिफ़र
	सिवाए केतु के साथ	45
केतु	किसी भी ग्रह के साथ	48
	सिवाए बृहस्पत के साथ	40
	सिवाए सूरज या सनीचर या मंगल नेक के साथ	24
	सिवाए राहु के साथ	45

Astro Lucky

रियायती चालीस दिनः-

न मन्दे ग्रहों का असर उनके मुक़र्रा वक़्त से पहले आ सकता है और न ही भले ग्रहों की मदद दिए हुए वक़्त के बाद तक रह सकती है। अगर हो सकता है तो यह सिर्फ़ कि एक ग्रह का असर ख़तम और दूसरे के शुरु के दरमियान 40 दिन फ़ालतू होंगे, यानी बुरे ग्रह की मियाद के 40 दिन बाद तक उसका असर बुरा हो सकता है, और शुरु होने वाले अमूमन नेक और मददगार ग्रह का अपनी मियाद से 40 दिन पहले ही असर हो जाना माना है। इकट्ठे असर के सिर्फ़ 40 दिन ही होंगे, मगर दोनों ग्रहों के जुदा जुदा 40 चालीस 40 चालीस दिन न होंगे। यह रियायती चालीस दिन कहलाते हैं। इसी उसूल पर बच्चे के जनम से लेकर 40 दिन का छिला और मर जाने के बाद चालीस दिन का मातम या चालीसा मनाया जाता है।

(2) ..... चूंकि गिनती के लम्बे हिसाब को इस इल्म में उड़ाने के लिए 28 नच्छत्तर और 12 राशि को बाद में छोड़ ही दिया जाता है। इसलिए दोनों की जमा (28+12) -40 दिन कम-अज़-कम या ज़्यादा से ज़्यादा 43 दिन रियायती तक उपाओ का असर पूरा होगा। जिसकी निशानी वक़्त से पहले ही नेक ग्रह का असर हो जाने के वक़्त दोस्त ग्रह की चीज़ों की क़ुदरती निशानियां और बुरे ग्रह की मियाद 40 दिन बाद तक रहने वाली हालात में पापी ग्रहों की निशानियां हुआ करती हैं। मिसाल के तौर पर किसी का बर्ष 31 मार्च को ख़तम हो रहा है, अगला साल यक्म अप्रैल से शुरु होगा। यह साल जो गुज़र रहा है निहायत मन्दा था। अगले साल में ग्रह चाल की बुनियाद पर उम्दा ज़माने आने की उम्मीद हो रही हैं। इन्सान किस ख़याल में है और मालिक का फ़ैसला पता नहीं क्या होगा । ग़र्ज़ेकि देखने से मालूम हुआ की इसका चंद्र नम्बर 2 में आ जाएगा या बृहस्पत नम्बर 4 में हो बैठेगा जो अमूमन नेक असर ही दिया करते हैं। उसी तरह ही राहु नम्बर 8 या नम्बर 11 और बुध नम्बर 8 या नम्बर 3 में अक्सर मन्दा असर दिया करते हैं। अब अगर मौजूदा साल में मन्दे ग्रह चल रहे थे, तो

मुक़र्रर-निश्चित अमूमन-आमतौर से दरमियान-मध्य से ग़र्ज़ेकि-सारांश यह कि नच्छत्तर-नक्षत्र जुदा-अलग छिला-प्रसव के बाद के

Astro Lucky

चलता हुआ मन्दा हाल अगर 31 मार्च के बाद तक ही चलता है तो पापी ग्रहों (राहु-केतु सनीचर) की निशानियां मसलन चोरी, अय्यारी, ग़बन, धोखाधड़ी झूठे मुकदमे, हादसा या नाहक़ बदनामियां (बज़रिया राहु) रास्ते या मुसाफ़री में नुक़सान, केतु की मुतअल्लिक़ा अश्या की गुमराहियां (बज़रिया केतु) मशीनरी मकान (बज़रिया सनीचर) के मन्दे असर होने लग जाएंगे और वह मार्च के महीने में ही मंदी निशनियां देंगे।

तो समझ लेंगे कि आने वाला साल 31 मार्च के 40 दिन बाद तक वही मन्दा असर देगा जो कि पहले चल रहा था। इसके बरखिलाफ़ चंद्र अच्छा या बृहस्पत भला हो जाने का सबूत उनके मुतअल्लिक़ा दोस्त और मददगार ग्रहों की चीज़ों से ज़ाहिर होने लग जायेगा। यानी चंद्र के दोस्त ग्रह मसलन सूरज, बृहस्पत, मंगल की मुतअल्लिक़ा अश्या (हर ग्रह की जुदा-जुदा चीज़ें एक अलाहदा फ़ेहरिस्त में लिखी हैं।) के ज़रिए ज़ाहिर होने लगे तो समझ लेंगे की आने वाला साल का अच्छा असर चालीस 40 दिन पहले ही होने लग जाएगा। वह कब-31 मार्च के बाद दूसरा साल शुरु होना है उस तारीख़ से पहले 40 चालीस दिन यानी पूरा महीना तो मार्च का और नौ दिन और भी पहले फरवरी में गोया 20 फ़रवरी से-शुरू करके चंद्र या बृहस्पत के ग्रहों के दोस्त ग्रहों की मुतअल्लिक़ा अश्या अपना नेक असर देने लग जावें तो समझ लेंगे की अगला साल अपना अच्छा असर ज़रूर देगा। और वह चालीस दिन और भी पहले ही उत्तम हो जाएगा कई दफ़ा दौरान उपाओ 40 दिन की निस्फ़ या चौथाई मियाद में भी निस्फ़ या चौथाई असर मालूम होने लग जाया करता है। जो ज़रूरी नहीं कि निस्फ़ या चौथाई हिस्सा हो असर होवे। पूरा पूरा असर हो जाना भी माना है।

तमाम ग्रह ब लिहाज़ ताक़तः-

-सूरज-चंद्र-शुक्कर-बृहस्पत-मंगल-बुध सनीचर-राहु-केतु-बिलतरतीब बाहमी मुक़ाबला की ताक़त में एक दूसरे से कम हैं।

टकराओ या बरताओ पर पैमाना ताक़त

जब दौरा या तख़्त का मालिक ग्रह व कोई और दूसरा ग्रह

अय्यारी-चालाकी, मक्कारी बरखिलाफ़-उल्टा, प्रतिकूल निस्फ़-आधा बलिहाज़-संकोचहीनश्य?

Astro Lucky

बाहम टकराओ पर हो जावें (टकराओ दुश्मनी की हालत में होता है मिलाओ या बरताओ दोस्ती की हालत

में) तो सूरज $\frac{9}{9}$ चंद्र $\frac{8}{9}$ शुक्कर $\frac{7}{9}$ बृहस्पत $\frac{6}{9}$ मंगल $\frac{5}{9}$

बुध $\frac{4}{9}$ सनीचर $\frac{3}{9}$ राहु $\frac{2}{9}$ केतु $\frac{1}{9}$

ताक़त का होगा दौरा के वक़्त ग्रहों के बाहमी टकरावो से उनके बाहमी असर में कमी बेशी होने के अलावा किसी ग्रह के उपाओ के लिए दूसरे ग्रह का उपाओ करते वक़्त भी यह ताक़त का पैमाना मददगार होगा।

ग्रह की दूसरी अवस्था

यानी

(इस्तलात वग़ैरह)

ग्रह फल व राशि फलः-

जब कोई ग्रह अपनी मुक़र्रा राशि (यानी वह राशि जिसके घर का मालिक वह गिना जाता है) या ऊंच नीच फल के लिए ठहराई हुई राशि या अपने पक्के घर की बजाए किसी और ग़ैर राशि में जा बैठे या किसी दूसरे ''ग्रह का साथी ग्रह'' (जड़ अदली बदली करने वाला वग़ैरह) बन जावे । तो वह ग्रह ऐसी हालत में राशि फल या शक्की हालत का ग्रह होगा जिसके बुरे असर से बचने के लिए शक का फ़ायदा उठाया जा सकता है। इसके बरख़िलाफ़ यानी ऊपर कही हुई हालत के उलट हाल पर जबकि वह न ऊंच नीच न घर का और न ही पक्के घर का साबित हो तो वह ग्रह ''ग्रह फल'' या पक्की हालत का ग्रह होगा जिसका असर हमेशा के लिए मुक़र्रा है और उसके बुरे असर को तब्दील करने की कोशिश करना बेमानी बल्कि इन्सानी ताक़त से बाहर होगा। सिर्फ़ ख़ास ख़ास ख़ुद रसीदा और महदूद हस्तियां ही रेखा में मेख (रेखा में मेखा सूरज मेख राशि ख़ाना नम्बर एक में क़ैद) रह सकती हैं। मगर वह भी आख़ीर तबादला ही होगा यानी एक जानदार या दुनियावी चीज़ या ताक़त को उसकी हस्ती से मिटाकर उसके एवज़ में

बाहमी-आपस में मुक़र्रर-निश्चित तब्दील-बदलना महदूद-सीमित कमी-न्यूनतम
एवज़-बदले कभी-बेशी-अधिकता

Astro Lucky

दूसरी जानदार दुनियावी चीज़ या ताक़त पैदा कर देगी । (बाबर हुमायूं के किस्से)
मगर नया ही दूसरा हिन्दसा फिर भी पैदा न होगा । सिवाय उस वक़्त के जबकि ऐसी
हस्तियां ख़ुद अपनी ताक़त या अपना ही आप तबाह कर लेती हैं और एवज़ में किसी दूसरे
तक नौबत नहीं आने देतीं । यह हालत भी उनकी ख़ुदाई शरीक होने की होगी
कोई न कोई तबादला दिया ही गया। ग्रहफल फिर भी न टला, ग्रहफल को अगर राजा कहें तो
राशिफल उसका साथी वज़ीर होगा।

ग्रहफल की मन्दी हालत के वक़्त कौन सी चीज़ बतौर राशिफल मददगार हो सकती हैं।

(ग्रह के उपाओ के हाल में देखें)

35 साला चक्कर :-

6	बृहस्पत
2	सूरज
1	चंद्र
3	शुक्कर
6	मंगल
2	बुध
6	सनीचर
6	राहु
3	केतु
35 साल कुल	

(1)- 35 साल के बाद सब ग्रह अपना चक्कर पूरा कर जाते हैं और
जो ग्रह पहले चक्कर में बुरा असर करते हैं वह अपने दूसरे
चक्कर यानी 35 साल के बाद दूसरी चाल में बुरा असर न देंगे।
यह शर्त नहीं कि भला असर ज़रुर दें। ग्रहों की 35 साला मियाद
35 साला चक्कर कहलाता है ग्रहों का 35 साला चक्कर
और इन्सान कि उम्र का 35 साला चक्कर दो जुदा जुदा बातें हैं।
फ़र्ज़न एक शख़्स के
जनम दिन से ही बृहस्पत का दौरा शुरु हुआ बाक़ी ग्रह एक
के बाद दूसरा यानी बृहस्पत- (6 साल) सूरज (2 साल)
चंद्र (1 साल) शुक्कर (3 साल) मंगल (6 साल) बुध (2 साल)
सनीचर (6 साल) राहु (6 साल) केतु (3 साल) कुल 35 साल का दौरा तमाम ग्रहों
ने उसकी 35 साल उम्र तक ही पूरा कर दिया। लेकिन हो सकता है कि उसका पहला ग्रह बृहस्पत
के बजाए सनीचर शुरु हो वे और जनम दिन की बजाए 7 वें साल से शुरु हो।
अब तमाम ग्रह तो 35 साल में ही दौरा पूरा कर लेंगे जब आख़री ग्रह का आख़री दिन

फ़र्ज़न-जैसे कि उपओ-उपाय शख़्स-आदमी शरीक-सहभागी, हिस्सेदार दुनियावी-सांसरिक, संसार संबंधी
एवज़-बदले

Astro Lucky

होगा । इस वक़्त इन्सान की उम्र 35 साला ग्रहों का दौरा जमा 6 साल,जब अभी सनीचर या उम्र का पहला ग्रह शुरु भी न हुआ था, यानी कुल उम्र 61 साल हो चुकी होगी जो 35 साल के हिसाब से इन्सान की उम्र का दूसरा 35 साला दौरा होगा। अब जिस दिन से ग्रहों का दूसरा दौरा शुरु हुआ यानी जिस दिन जनम दिन से शुरु होने वाला ग्रह दूसरी दफ़ा शुरू हुआ, उस दिन से जिन ग्रहों ने पहले बुरा असर दिया था वह अब अपनी दूसरी। चाल में बुरा असर न देंगे। यह ज़रुरी नहीं कि वह बुरा फल देने वाला ग्रह अच्छा फल ही देवे। मगर अब वह बुरा फल न देगा, और अमूमन अच्छा फल ही हुआ करता है।

(2) ऐसे 35 साला चक्कर एक प्रानी की तामाम 120 साला औसत उम्र में ज़्यादा से ज़्यादा तीन दफ़ा आ सकते है।

(3) अगर दायां तरफ़ (हाथ की रेखाओं, दिमागी ख़ानों या कुण्डली के पहले घरों के ग्रहों) का असर उम्र के पहले हिस्सा (शुरु की तरफ़ से चलकर) में हो गया तो बायें तरफ का असर बाद में होगा।

(4) 35 साल चक्कर के सबब बाप बेटे की उम्र का बाहमी ताल्लुक़ 70 साल में ख़तम माना गया है।

(5) इस 35 साला चक्कर का पूरा-पूरा इस्तेमाल बर्ष फल के हाल में दर्ज है।

(6) 35 साला चक्कर में हर ग्रह कि मियादों में दरमियानी ग्रहों की

मियाद :-

दौरा होवे	6 बृहस्पत का	2 सूरज का	1 चंद्र का	3 शुक्कर का	6 मंगल का	2 बुध का	6 सनीचर का	6 राहु का	3 केतु का
शुरू	केतु 2 साल	सूरज 8 माह	बृहस्पत 4 माह	मंगल 1 साल	मंगल 2 साल	चंद्र 8 माह	राहु 2 साल	मंगल 2 साल	सनीचर 1 साल
दरमियानी	बृहस्पत 2 साल	चंद्र 8 माह	सूरज 4 माह	शुक्कर 1 साल	सनीचर 2 साल	मंगल 8 माह	बुध 2 साल	केतु 2 साल	राहु 1 साल
आख़री हिस्सा	सूरज 2 साल	मंगल 8 माह	चंद्र 4 माह	बुध 1 साल	शुक्कर 2 साल	बृहस्पत 8 माह	सनीचर 2 साल	राहु 2 साल	केतु 1 साल

दफ़ा-बार बाहमी-आपसी अमूमन-आमतौर से तमाम-पूरी ताल्लुक़-संबंध

Astro Lucky

जनम दिन का ग्रह और जनम वक़्त का ग्रह:-

1-जिन दिन पैदाइश हो उस दिन का मुतअल्लिक़ा ग्रह जनम दिन का ग्रह होगा।

जिस वक़्त पैदाइश हो उस वक़्त का मुतअल्लिक़ा ग्रह जन्म वक़्त का ग्रह होगा।

हफ़्ते के दिनों की तरह ग्रहों के नाम मसलन इतवार (सूरज) सोमवार (चंद्र) मंगल, बुध, वीरवार, (बृहस्पत)

शुक्कर और सनीचर सात ही हैं। हर एक शाम के वक़्त को 8 वां राहु और सुबह के तड़के को 9 वां केतु होगा। अंग्रेज़ी हिसाब में रात के 12 बजे के बाद दूसरा दिन शुरु होता है, मगर इल्म सामुद्रिक सें सूरज निकलने से नया दिन शुरू होता है, यानी रात के गुज़रे हुए दिन का हिस्सा लेकर नए सूरज से दूसरा दिन शुरु गिनेंगे।

एक दिन में ग्रह का वक़्त :-

सूरज निकलने के बाद दिन का पहला हिस्सा बृहस्पत का वक़्त कहलाता है । दिन के पहले हिस्से के बाद मगर पक्की दोपहर से पहले सूरज का वक़्त होगा। तमाम चांदनी रात को चंद्र का वक़्त कहेंगे।

अंन्धेरा पक्ष और चानन पक्ष की दरमियानी या अमावस की रात शुक्कर का वक़्त होगा।

पूरी दोपहर का वक़्त (दिन का ऐन दरमियान) मंगल का वक़्त लेंगे।

दोपहर के बाद मगर पूरी शाम से पहले का वक़्त बुध का वक़्त होगा।

काली रात या घनघोर काले बादल का दिन सनीचर का वक़्त कहेंगे।

पूरी पक्की शाम मगर रात से पहले का वक़्त राहु का वक़्त लेंगे।

सुबहे सादिक़ मगर सूरज निकलने से पहले का वक़्त केतु का होगा।

2-जनम दिन और जनम वक़्त के ग्रहों का बाहमी ताल्लुक़

पैदाइश के दिन और वक़्त के मुताबिक़।

मुतअल्लिक़ा-संबंधित हफ़्ते-सप्ताह मगर-परन्तु, लेकिन सुबहे सादिक़-सच्चा सवेरा प्रात: प्रभात तड़का

Astro Lucky

अलिफ़ जनम दिन के ग्रह को गिनते हैं, क़िस्मत के ग्रह को जगाने वाले ग्रह का पक्का घर या राशिफल का यानी जिसका उपाओ हो सके।

बे-जनम वक़्त के ग्रह को गिनते हैं। क़िस्मत का ग्रह और ग्रहफल का यानी जिसका दिया हुआ फल (अच्छा या बुरा) अटल हो और कोई उपाओ न हो सके।

मसलन पैदाइश हो सोमवार बवक़्त पक्की शाम की तो दिन का मुतअल्लिक़ा ग्रह होगा चंद्र और वक़्त का मुतअल्लिक़ा ग्रह लेंगे राहु ।

अब जनम वक़्त के ग्रह को जनम दिन के मुतअल्लिक़ा ग्रह के पक्के घर का गिनेंगे। यानी अब राहु (जो जनम वक़्त का ग्रह है) चंद्र (जो जनम दिन का ग्रह है) के पक्के घर (बमूजिब फ़ेहरिस्त) ख़ाना नम्बर 4 में होगा । चूंकि जनम दिन का मुतअल्लिक़ा ग्रह राशि फल या क़ाबिल उपाओ होना माना है।

इसलिए नम्बर 4 का राहु ख़ाना नम्बर 4 के मुतअल्लिक़ा अश्या रिश्तेदार या कारोबार मुतअल्लिक़ा नम्बर 4 पर कभी बुरा असर न देगा-और अगर कभी बुरा असर देवे भी तो चंद्र के उपाओ से नेक असर हो जावेगा।

ग्रह	दिन	ख़ाना न0
बृहस्पत	वीरवार	9
सूरज	इतवार	1
चंद्र	सोमवार	4
शुक्कर	शुक्करवार	7
मंगल दोनों	मंगलवार	3
बुध	बुधवार	7
सनीचर	सनीचरवार	10
राहु	वीरवार की शाम पक्की	12
केतु	इतवार की सुबह सादिक	6

॥ पापी ग्रह ॥ :- हमेशा राहु केतु और सनीचर तीनों ही से मुराद होगी।

॥ पाप ॥ :- सिर्फ़ राहु और केतु दोनों मुश्तरका पाप के नाम से याद किए जाते हैं।

-ख़ाना नम्बर 2 धरम अस्थान ख़ाना नम्बर 5 आइंदा औलाद-ख़ाना नम्बर 8 मारग अस्थान ख़ाना नम्बर 11 धरम दरबार मुक़र्रर होने की वजह से जुदा रहेंगे।

बमूजिब-अनुसार फ़ेहरिस्त-सूची मुतअल्लिक़ा-संबंधित मुश्तरका-मिले जुले
धरमअस्थान-धर्म स्थान मुक़र्रर-निश्चित मारग अस्थान-मारक स्थान

AstroLucky

मंगल के दो हिस्से नेक व बद } सूरज बुध मुश्तरका (नेक मंगल) केतु सुभाओ और सूरज सनीचर (बद मंगल) राहु सुभाओ होगा। }

॥ बुध ॥ :- सूरज, सनीचर (रात दिन इकट्ठे हैं) ख़ाली बुध होते हैं। अगर बुरी ख़ासियत या ऐसे घरों में हो जहां सूरज या सनीचर दोनों मे से कोई भी मन्दा हो, तो न सिर्फ़ सूरज 22 साला उम्र और सनीचर 36 साला उम्र तक नीच होगा बल्कि मंगल भी मंगल बद और राहु मन्दा होगा। ख़्वाह राहु और मंगल किसी भी घर में और कैसे ही ऊंचे उम्दा और नेक हालत में बैठे हों।

॥ अन्धे ग्रह ॥ :-अगर ख़ाना नम्बर 10 बाहम दुश्मन या नीच हैसियत वग़ैरह रद्दी ग्रहों से ख़राब हो रहा हो, तो वह टेवा अन्धे ग्रहों का होगा और तमाम ही ग्रह मय सनीचर ख़ुद भी ख़्वाह ऊंच घरों के हो अन्धे की तरह अपना फल देंगे। मुफ़स्सिल देखो सनीचर ख़ाना नम्बर 10 में।

॥ नहोराता के ग्रह ॥ :-

ऐसे ग्रह जो ऐसे ही इन्सान की तरह हों जो दिन को देख सके मगर रात को अन्धा हो मसलन चौथे सूरज और सातवें सनीचर हो तो ऐसा टेवा नहोराता वाला या आधा अन्धा होता है।

॥ धर्मी ग्रह ॥:-

पापी ग्रह सनीचर राहु केतु तीनों ही हैं राहु ओर केतु ख़ाना नम्बर4 में पाप छोड़ने का चंद्र के सामने हलफ़ उठाते हैं। सनीचर ख़ाना नम्बर 11 मे बृहस्पत गुरु को हाज़िर नाज़िर समझकर राहु-केतु के पैदा किए गए पापों का फ़ैसला करता है यानी अगर राहु केतु ख़ाना नम्बर 4 या चंद्र के साथ किसी भी घर हों और(2) सनीचर ख़ाना नम्बर 11 या बृहस्पत के साथ किसी

सुभाओ-स्वभाव मुफ़स्सिल-स्पष्ट हलफ़-कसम, सौगंध टेवा नहोराता-आधा अन्धी जन्म कुण्डली
ख़ासियत-गुण विशेषता बृहस्पत-बृहस्पति ग्रह

Astro Lucky

भी घर में हो, तो ऐसे टेवे में पाप या पापी दोनों का ही बुरा असर न होगा और सब ग्रह धर्मी होंगे यह शर्त नहीं कि पापी ग्रह ऐसी हालत में बैठे हुए उत्तम फल ज़रुर ही देंगे। हल्फ़ सिर्फ़ इतना है कि पाप नहीं करेंगे ।

॥ साथी ग्रह ॥ :-

1-जब कोई ग्रह आपस में अपनी अपनी मुक़र्रा राशि ऊंच नीच घर की राशि या अपने अपने पक्के घरों में अदल-बदल कर बैठ जावें या अपनी जड़ों के लिहाज़ से इकट्ठे हो जावें तो साथी ग्रह कहलाते हैं। मसलन सूरज का पक्का घर ख़ाना नम्बर 5 है और सनीचर का पक्का घर ख़ाना नम्बर 10 है। अब अगर सनीचर हो ख़ाना नम्बर 5 में और सूरज हो ख़ाना नम्बर 10 में दोनों बाहम साथी ग्रह होंगे।

2-कुण्डली के हर ख़ाना की मुश्तरका लकीर या दीवार हमसाया ग्रहों (सिर्फ़ दोस्तों) को मिलाया करती है। मगर दुश्मनों को अलाहदा अलाहदा रखती है यानी कुण्डली के किसी दो घरों में बैठे हुए ग्रह जो बाहम दोस्त हों और कुण्डली के घर जिनमें वह बैठे हैं सिर्फ़ एक लकीर से जुदा जुदा हो रहे हों तो इकट्ठे या साथी ग्रह कहलाते हैं। जो एक दूसरे का भी बुरा न करेंगे मगर दो दुश्मन गिने हुए ग्रहों की हालत में दो ख़ानो की दरमियानी लकीर (ख़त) उन ग्रहों को जुदा जुदा ही रखेगी ।

॥ क़ियाफ़ा ॥ :-

एक रेखा के साथ साथ ही दूसरी रेखा मसलन 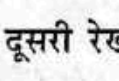 एक ही क़िस्म की रेखा होगी। बशर्ते कि दोनों एक ही बुर्ज पर वाक़ै हों। ऐसी शाख़ों से मुराद होगी कि कोई अपना ही भाई बहन साथ चल रहा होगा,या वह दूसरी शाख़ अपने ही ख़ून का ताल्लुक़दार बताएगी।

॥ बिलमुक़ाबिल के ग्रह ॥ :-

जो ग्रह आपस में तो दोस्त हों, मगर ऐसी हालत में बैठे हों कि ख़ुद तो वह दोस्त

मुक़र्रा-निश्चित क़ियाफ़ा-सामुद्रिक शास्त्र बिलमुक़ाबिल-आमने सामने, मुकाबले में हल्फ़-शपथ, सौगन्ध, क़सम

Astro Lucky

ग्रह ही रहें मगर उनमें से हर एक या किसी एक की जड़ पर आगे दुश्मन ग्रह हो जावे ख़्वाह वह ख़ुद दोस्त ही हैं। लफ़्ज बिलमुक़ाबिल से याद होंगे, क्योंकि अब उनमें किसी न किसी तरह से दुश्मनी भाव हो गया है।

दुश्मनों से मारे हुए मन्दा असर होने के वक़्त ग्रहों की क़ुर्बानी के बकरे

यानी असली ग्रह की अपनी जगह कि बजाए किसी दूसरे ग्रह की हालत ख़राब हो जाए या वह अपनी जगह दूसरे ग्रह को मरवा जावे।

॥ सनीचर ॥ :-

दुश्मन ग्रहों से बचाओ के लिए सनीचर ने अपनी जान बचाने के लिए अपने पास राहु-केतु दो ऐसे ग्रह एजेन्ट बनाए हुए हैं कि वह सनीचर कि जगह फ़ौरन किसी दूसरे की क़ुर्बानी दिला देते हैं। राहु केतु मुश्तरका मस्नूई शुक्कर माना है। इसलिए जब सनीचर को सूरज का टकराओ तंग करे तो वह ख़ुद अपनी जगह शुक्कर औरत को मरवा देता है, या सूरज-सनीचर के झगड़े में औरत मारी जावेगी या ऐसे कुण्डली वाले की औरत पर इन दोनों ग्रहों की दुश्मनी का असर जा पहुंचेगा, न सूरज ख़ुद बरबाद होगा न सनीचर क्योंकि वह बाहम बाप-बेटा हैं। मसलन, सूरज ख़ाना नम्बर 6, सनीचर ख़ाना नम्बर 12, हो तो औरत पर औरत मरती जावे।

॥ बुध ॥ :-

बुध ने भी बचाओ के लिए शुक्कर से दोस्ती रखी है। वह भी अपने दोस्त शुक्कर को ही अपनी बलाएं डाला करता है, या डाल देगा ।

बचाओ-बचाव बाहम-आपस में मुश्तरका-मिले जुले मस्नूई-बनावटी , झूठे
मसलन-जैसे सूरज-सूर्य ग्रह

Astro Lucky

मंगलः-

मंगल बद (भाई) अपनी बला केतु (लड़का) पर डालता है। शेर कुत्ते को मरवा देगा। मसलन सूरज ख़ाना नम्बर 6-मंगल नं. 10-लड़के पर लड़का (केतु) मरता जावे (भाई भतीजे को मरवाए।

शुक्कर :-

शुक्कर (औरत) शैतान सुभाओ ख़ुद अपनी बला चंद्र यानी कुण्डली वाले की माता पर जा धकेलेगी मसलन चंद्र शुक्कर बिलमुकाबिल तो माता अन्धी हो जावे।

बृहस्पतः-

बृहस्पत ने अपना साथी केतु ही क़ुर्बानी के लिए रखा है। मसलन बृहस्पत ख़ाना नम्बर 5 और केतु किसी और घर में अब अगर बृहस्पत की महांदशा आ जावे तो केतु के ख़ाना नम्बर 6 का फल रद्दी होगा औलाद का नहीं जो ख़ाना नम्बर 5 की चीज़ है-मामूं को केतु की महांदशा सात साल तकलीफ़ होगी ।

सूरजः- अपनी मुसीबत के वक़्त केतु पर नज़ला (मन्दा असर) डाल देगा।

चंद्रः- अपने दोस्त ग्रहों (बृहस्पत सूरज मंगल) पर अपनी बला टाल देगा।

राहु-केतुः- ख़ुद ही अपना आप निभाएंगे और अपनी ही मुतअल्लिक़ा अश्या करोबार या रिश्तादार मुतअल्लिक़ा राहु या केतु पर मुसीबत का भूंचाल पैदा करेंगे।

बिलमुक़ाबिल-आमने सामने अश्या-चीजे, वस्तुएं मामूं (माता का भाई) मुतअल्लिक़ा-संबंधित
मसलन-जैसे

Astro Lucky

चौरास्ता + धरम अस्थान:-

धरम पालन पूजा पाठ या इष्ट सिद्धि के लिए पवित्र जगह से मुराद होगी मुसलमान के लिए मस्जिद, सिख के लिए गुरुद्वारा, ईसाइयों के लिए गिरजाघर और हिन्दुओं के लिए धरम मन्दिर ग़र्ज़ेकि जिस धरम और जगह में किसी प्रानी की श्रद्धा हो वही जगह उसके लिए धरम अस्थान होगी। ख़्वाह वहां रहने वाला कोई भी क्यों ही न हो। जिस किसी का कोई धरम अस्थान न हो या जिसे किसी ऐसी दुनियावी जगह पर श्रद्धा विश्वास न हो उसके लिए चलता हुआ दरिया, नदी या सनीचर का चौरास्ता + धरम अस्थान का काम देगा।

नोट:-

सूरज-मंगल और बृहस्पत इन्साफ़ के मालिक होते हुए दूसरे की तो मदद करेंगें और एक को दूसरे पर नाजाय ज़्यादती करते नहीं देख सकते, मगर जब ख़ुद ही मुसीबत में हों, तो ग़रीब केतु को मरवाते हैं।

क़ायम ग्रह :-

जो ग्रह हर तरह से दुरुस्त और अपना असर बग़ैर किसी दुश्मन ग्रह के असर की मिलावट के साफ़-साफ़ और क़ायम रख रहा हो यानी राशि की मालक़ियत ऊंच नीच या पक्के घर या दृष्टि वग़ैरह किसी तरह से भी इसमें दुश्मन का असर न मिल रहा हो, और न ही वह किसी दुश्मन ग्रह का साथी ग्रह बन रहा हो, तो वह क़ायम ग्रह कहलाएगा।

ग्रह का घर:- ग्रह कि अपनी मुक़र्ररा राशि (बमूजिब फ़ेहरिस्त $\frac{\text{दोस्ती-दुश्मनी-बराबर का}}{\text{उंच-नीच, घर का}}$) उस ग्रह का घर कहलाएगा मसलन ख़ाना नम्बर 3 व 6 बुध के लिए।

ग़र्ज़ेकि-सारांश चौराहा-चार तरफ़ का रास्ता एतिक़ाद-श्रद्धा, आस्था, विश्वास दुनियावी-सांसारिक संसार संबंधी
बमूजिब-अनुसार फ़ेहरिस्त-सूची

Astro Lucky

घर का ग्रहः-

ग्रह का पक्का घर (बमूजिब फ़ेहरिस्त $\frac{\text{दोस्ती-दुश्मनी-बराबर का}}{\text{उंच-नीच, घर का}}$) उस ग्रह का घर कहलाएगा। मसलन ख़ाना नम्बर 7 बुध के लिए।

दोस्त ग्रह-दुश्मन ग्रहः-

(बमूजिब फ़ेहरिस्त $\frac{\text{दोस्ती दुश्मनी बराबर का}}{\text{उंच-नीच, घर का}}$) किसी ग्रह के सामने ख़ाना $\frac{\text{दोस्त}}{\text{दुश्मन}}$ में लिखे हुए ग्रह उस ग्रह के $\frac{\text{दोस्त}}{\text{दुश्मन}}$ ग्रह कहलाएगें किसी दूसरे की मारफ़त न लेंगे। दोस्ती दुश्मनी उसी हिसाब से लेंगे जो मुतअल्लिक़ा फ़ेहरिस्त में दर्ज है।

ऊंच ग्रह नीच ग्रह-बराबर के ग्रहः-

हर ग्रह की ऊंच-नीच-घर का-पक्के घर-दोस्त-दुश्मन बराबर का-वग़ैरह की फ़ेहरिस्त जुदी जगह दर्ज है।

ऊंच ग्रह से मुराद होगी, पूरी 100 फ़ीसदी मुकम्मल असर की ताक़त का मालिक

नीच ग्रह से मुराद होगी, पूरी 100 फ़ीसदी मनफ़ी या ना मुकम्मल असर की ताक़त

बराबर का ग्रह से मुराद होगी मुसावी-एक जैसा असर

बालिग़-नाबालिग़ ग्रहः-

क़ियाफ़ाः बच्चे की रेखा का बारह साला उम्र तक कोई ऐतबार नहीं। 21 साल से रेखा में भी कोई तब्दीली नही मानते, नाबालिग़ बच्चा (12 साल उम्र तक) की रेखा का गो ऐतबार नहीं होता मगर मुम्किन है कि ऐसी उम्र तक वह पक्के असर की रेखा होवे या तब्दील हो जाने वाली हों। बच्चे कि बन्द मुटठी या कुण्डली के ख़ाना नम्बर 1-7-4-10 ख़ाली हों या उन ख़ानों में सिर्फ़ पापी ग्रह या बुध अकेला (पापी ग्रह बुध दोनों में से सिर्फ़ एक)

बमूजिब-अनुसार, मुताबिक क़ियाफ़ा-सामुद्रिक शास्त्र मुसाबी-समान, तुल्य, बराबर
मनफ़ी-नष्ट किया हुआ, मिटाया हुआ मुम्किन-संभव, हो सकने वाली बात

Astro Lucky

हो तो वह टेवा नाबालिग़ ग्रहों का होगा। ऐसे प्रानी की क़िस्मत का हाल बारह साला उम्र तक शक्की होगा ऐसी हालत में नाबालिग़ ग्रहों वाले बच्चे की क़िस्मत का मालिक ग्रह मन्दरजाज़ैल होगा:-

उम्र के हिसाब से असर का ख़ाना नम्बर देखते जावें। अगर कुण्डली में कोई ख़ाना नम्बर ख़ाली ही आ जावे-तो इस ख़ाली ख़ाना नम्बर के मालिक ग्रह (घर का मालिक) जिस ख़ाने में हो-वह ख़ाना लेवे, बालिग़ ग्रहों की हालत में आम दिये हुए उसूल कारआमद होंगे।

नाबालिग़ ग्रहों के टेवे होने वाले बच्चे की उम्र का साल	क़िस्मत के ताल्लुक़ में किस ख़ाने के ग्रहों का असर मददगार लेंगे	घर का मालिक ग्रह
1	7	शुक्कर
2	4	चंद्र
3	9	बृहस्पत
4	10	सनीचर
5	11	सनीचर
6	3	बुध
7	2	शुक्कर
8	5	सूरज
9	6	बुध-केतु
10	12	बृहस्पत-राहु
11	1	मंगल
12	8	मंगल

मन्दरजाज़ैल-निम्नलिखित
क़िस्मत-भाग्य
कारआमद-असरदार, प्रभावशाली
सनीचर-शनि ग्रह
ताल्लुक़-संबंध

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर-7

बुत से रूह ने अपना घर क्यों पूछ लिया

राशि मालिक है लेख की होती — या कि होता ग्रह मण्डल हो
मिल के कटेगी उम्र सौ[1] दोनों की — कुण्डली जनम ख़्वाह चंद्र हो
घर पहले की उम्र सौ[100] साला — तीन नब्बे[90] दस बारह है
85 उम्र 7 चौथे की लेते — 80 होती घर 6 की है
पौन सदी या साल 75 — गुरु मन्दिर घर 2 की है
घर और ग्रह की उम्र जुदा पर — गुज़रती दो की इकट्ठी है
गुरु जगत की उम्र 75 — बुध केतु 80 होती है
शुक्कर चंद्र की उम्र 85 — शनि-मंगल-राहु 90 है
स्त्री ग्रह जब मिले नरों से — उम्र 96 होती है
साथ मिले जब बुध पापी का — वही 85 होती है
रवि मालिक है पूरी सदी का — उम्र लम्बी उस होती है
ग्रहण लगे जब चंद्र रवि को[2] — साल त्रै[3] कम होती है

1 इस जगह लिखी हुई उम्रें ग्रह और राशि की अपनी-अपनी हैं मगर इन उम्रों से इन्सानी उम्र की कोई हदबन्दी नहीं होती। फर्ज़न ख़ाना नम्बर 1 जिसकी उम्र है 100 साल वहां (ख़ाना नम्बर-1 में) बैठा हो बृहस्पत जिसकी उम्र 75 साल गिनी है। तो मतलब यह होगा कि ऐसे टेवे वाले को बृहस्पत ज़्यादा से ज्यादा अपनी (बृहस्पत की) उम्र तक यानी 75 साल तक अपना बुरा या भला असर (जैसा की टेवे के मुताबिक़ हो दे सकता है। इसी तरह ही ख़ाना नम्बर 6 में जिसकी उम्र 80 साल है अगर सूरज बैठा हो जिसकी उम्र 100 साल मानते हैं तो मुराद यह होगी कि ऐसे टेवे वाले को सूरज नम्बर 6 का ग्रह ज़्यादा से ज़्यादा 80 साल तक अपना असर जैसा भी टेवे के मुताबिक़ हो दे सकता है।

2 बवक़्त जनम कुण्डली में चंद्र के साथ केतु हो चंद्र ग्रहण और जब सूरज के साथ राहु हो, तो सूरज ग्रहण कहेंगे।

ख़्वाह-चाहे रवि-सूर्य फ़र्ज़न-कर्त्तव्य निर्धारण से, दायित्व बोध से पौन सदी-75 साल
मुताबिक़-समान, बराबर

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर-7

ग्रह व राशि का बाहमी ताल्लुक़

मेख[1] बृच्छक[8] मालिक मंगल,
कन्या[6] मिथुन[3] का बुध है मालिक,
गुरु मालिक है धनु[9] मीन[12] का,
सिंह[5] अकेला गरजे दुनिया,
केतु बैठे गर कन्या[6] राशि,
पाप चढ़ा आसमान[12] के ऊपर,

तुला[7] बृख[2] शुक्कर की है।
कुंभ[11] मकर[10] दो शनि की है।
कर्क[4] चंद्र की होती है।
राशि जो सूरज की है।
राहु निवासी मीन[12] का है।
जड़ जिसकी पाताल[6] में है।

राशि नम्बर	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
नाम राशि	मेख	बृख	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	बृस्चक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
मालिक[1] ग्रह	मंगल	शुक्कर	बुध	चंद्र	सूरज	बुध केतु	शुक्कर	मंगल	बृहस्पत	सनीचर	सनीचर	बृहस्पत राहु
ऊंच ग्रह[2]	सूरज	चंद्र	राहु	बृहस्प. त	X	बुध/ राहु	सनीचर	X	केतु	मंगल	X	शुक्कर राहु
नीच ग्रह[3]	सनीचर	X	केतु	मंगल	X	शुक्कर केतु	सूरज	चंद	राहु	बृहस्पत	X	बुध राहु
पक्का घर	सूरज	बृहस्पत	मंगल	चंद्र	बृहस्पत	केतु	शुक्कर बुध	मंगल सनीचर	बृहस्पत	सनीचर	बृहस्पत	राहु
क़िस्मत के जगाने वाला	मंगल	चंद्र	बुध	चंद्र	सूरज	राहु	शुक्कर	चंद्र	बृहस्पत	सनीचर	बृहस्पत	केतु
ग्रह फल का	मंगल	राहु केतु	सनीचर	चंद्र	गुरु सूरज	बुध केतु	शुक्कर	मंगल	बृहस्पत	सनीचर	गुरु सनीचर	राहु
राशिफल का	राहु	X	सनीचर बराए दौलत	मंगल केतु	शुक्क.	नर ग्रह सनीचर	सूरज गुरु राहु	X	सनीचर	केतु बुध	X	बुध

[1] ऊंच ग्रह से मुराद पूरी ताक़त। आख़री और उत्तम दर्जे की हदबन्दी नेक मायनों में
[2] नीच ग्रह से मुराद सबसे नीच या मन्दी हालत-आख़री कम दर्जे की हदबन्दी मन्दे मायनों में।
[3] घर का मालिक ग्रह से मुराद औसत दर्जे नेक मायनों में।

मेख-मेष राशि बृच्छक-वृश्चिक राशि बृख-वृष राशि बराए-लिए, प्रति, वास्ते
आख़री-अन्त हदबन्दी-सीमा निर्धारण

Astro Lucky

1-हर राशि के सातवें नम्बर पर वही ग्रह ऊंच होगा, जो पहले उसी नम्बर पर नीच था।

मसलन ख़ाना नम्बर 1 में अगर सूरज ऊंच है तो वह नम्बर 7 में नीच होगा।

ख़ाना नम्बर 8 में चंद्र नीच है, वह नम्बर 2 में ऊंच होगा।

नम्बर 1 में सनीचर नीच है। वह नम्बर 7 में ऊंच होगा।

सात ग्रह और 12 राशि या 12 साते 84 चौरासी की जूनी का जंजाल या रात दिन में। चौरासी लाख सांस का मसला अजीब पैदा हो चुका है। हर सातवें के बाद फिर वही ग्रह असर करते हैं या हर आठवें साल वही हालत हो जाती है। इसी उसूल पर ग्रह व राशि का असर मुश्तरका लेते हैं। ख़ाना नम्बर 2 का नीच नहीं होता और यह ख़ाना राहु व केतु (सिर्फ़ दोनों) की मुश्तरका बैठक है जिसके लिए राशिफल का ग्रह नहीं है। यानी इस ख़ाना के ग्रह अपना अपना या अपने अपने कर्मों (पुण्य पाप का बज़ाते ख़ुद अपनी जान से मुतअल्लिक़ा) के करने कराने के ख़ुद अख़तियारी हैं। ख़ाना नम्बर 5 का ऊंच नीच दोनों ही हिस्से नहीं होते। इस घर में बैठने वाला ग्रह अपनी $\frac{\text{ख़ुद ज़ाती कमाई}}{\text{औलाद ख़ुद}}$ की क़िस्मत का ग्रह होता है ख़ाना नम्बर 11 का ऊंच नीच दोनों ही हिस्से नहीं होते यह आम दुनिया मुतअल्लिक़ा से क़िस्मत का लेन देन है। ख़ाना नम्बर 8 का ऊंच नहीं होता-कोई मौत को मार नही सकता सिवाय चंद्र के जो दिल की शान्ति व ग़ैबी मदद वग़ैरह है (दुनिया को माता गिना तो इन्सान को बच्चा माता के पेट में बच्चे की तरह रहने वाला)। गौर से देखें तो मालूम होगा कि राहु ख़ाना नम्बर 12 में घर का मालिक ग्रह भी लिखा है। और ख़ाना नम्बर 12 में यह नीच भी लिखा है इसी तरह केतु ख़ाना नम्बर 6 में घर का मालिक ग्रह भी लिखा है और उसकी नीच फल की राशि भी ख़ाना नम्बर 6 ही लिखी है, मतलब यह है कि :-

राहु :-

जब बृहस्पत का घर ख़ाना नम्बर सिर्फ़ 12 हो तो नीच होगा। हालांकि बृहस्पत और राहु बाहम दुश्मन नहीं, बराबर के हैं- राहु के वक़्त (या जब राहु बृहस्पत

अख़तियारी-जिम्मेवारी	मुतअल्लिक़ा-संबंधित	बाहम-आपस में	मसलन-जैसे, मानो, उदाहरणार्थ
वक़्त-समय	हालांकि-यद्यपि	ग़ैबी-देवी ताकत	

Astro Lucky

इकट्ठे हों) बृहस्पत चुप ही हो जाता है। राहु को आसमान (ख़ाना नम्बर 12) नीला रंग माना है। बृहस्पत की हवा को जब आसमान का साथ मिले है या ज्यूं ज्यूं हवा आसमान की तरफ़ ऊंची होती जावेगी, हलकी होती जावेगी, और दुनियादारों के सांस लेने के ताल्लुक़ में निकम्मी होती जावेगी, लेकिन जब वही बृहस्पत की हवा नीचे की तरफ़ होती आएगी, तो केतु का साथ होता जाएगा (ख़ाना नम्बर 6) तो हर एक की मददगार होगी। इसी उसूल पर राहु के साथ जब बृहस्पत हो तो न सिर्फ़ बृहस्पत का असर चुपचाप बन्द हालत का होगा बल्कि राहु का अपना असर बुरा होगा, या दम (सांस बृहस्पत की ताक़त) घुटने पर या दम घुट जाने पर नतीजा मन्दा होगा। उसके ख़िलाफ़ अगर राहु को बुध के ख़ाली आकाश में खुला ही मैदान मिलता जावे मगर वह ख़ाना नम्बर 12 के माने हुए आसमान की बजाए बुध के ख़ाली आकाश में ही हो तो राहु का फल जरुर ही अच्छा बल्कि उम्दा असर देगा या राहु को बुध का घर ख़ाना नम्बर 6 या बुध के साथ मिले तो नेक असर देगा। राहु है भी बुध का दोस्त, इसलिए दोनों के बाहम साथ से दोनों का फल उम्दा होगा। या दोनों ही ख़ाना नम्बर 6 में ऊंच फल के और दोनों में से हर एक या दोनों ही ख़ाना नम्बर 12 में मन्दे फल के होंगे। राहु को फ़र्ज़ी तौर पर अगर आसमान माने तो यह फ़र्ज़ी दीवार बृहस्पत को साफ़ कह देगी कि ऐ बृहस्पत तू मेरे ऊपर ग़ैबी जगह (दूसरी दुनिया) या मेरे नीचे इस इन्सानी दुनिया में से एक तरफ़ ही रहो, गोया राहु ने बृहस्पत को दो जहां में से सिर्फ़ एक ही तरफ़ कर दिया या राहु के साथ पर बृहस्पत दोनों जहानों में से सिर्फ़ एक ही तरफ़ के जहां का मालिक रह जाता है या दो में से एक तरफ़ के लिए वह (बृहस्पत)। चुप ही गिना जाता है। इसी तरह ही :-

केतु :- जब बुध के साथ हो या जब बुध के घर ख़ाना नम्बर 6 में हो तो नीच होगा। लेकिन जब केतु को बृहस्पत का साथ मिल जावे।

साफ़-स्पष्ट, पाक सरल | ताल्लुक़-संबंध | ग़ैबी-देवी ताकत | बृहस्पत-बृहस्पति ग्रह
ख़िलाफ़-विरूद्ध, प्रतिकूल, दुश्मन

Astro Lucky

तो केतु ऊंच फल का होगा। केतु बृहस्पत बराबर का फल देंगे। राहु-केतु, चूंकि अपने से सातवें देखने के उसूल पर के ग्रह हैं इसलिए राहु अगर 3-6 बुध के घर मे ऊंच हुआ तो केतु वहां (ख़ाना नम्बर 3-6 में) नीच होगा । यही हाल है केतु का यानी अगर केतु ख़ाना नम्बर 9-12 (बृहस्पत के घर) में ऊंच होगा तो राहु इन घरों में नीच होगा। ग़र्ज़ेकि राहु केतु को अपने दायरा में चलाने वाला:-

बुध:-

(1) -जब बुध होवे राहु के घर ख़ाना नम्बर 12 में तो नीच होगा, क्योंकि ख़ाना नम्बर 12 उसके दुश्मन ग्रह बृहस्पत का है और जब बुध हो केतु के घर ख़ाना नम्बर 6 में तो ऊंच होगा क्योंकि यह राशि नम्बर 6 बुध की अपनी ही राशि है, और बुध व केतु दोनों ही आपस में बराबर के ग्रह हैं और दोनों ही शुक्कर के दोस्त होते हैं बुध पर कोई असर न होगा मगर केतु शुक्कर दोनों ही ख़ाना नम्बर 6 में नीच होंगे। बृहस्पत के साथ बृहस्पत के घरों में राहु, हाथी का तेंदुआ होगा या बृहस्पत के साथ या बृहस्पत के घरों में राहु बुरा फल देगा और नीच होगा। बुध के साथ या घरों में केतु कुत्ते का सिर पागल या दीवाना नीच फल का होगा क्योंकि राहु केतु मुश्तरका के लिए ख़ाना नम्बर 6 और 12 भी बुध बृहस्पत के हैं जहां कि उन्हें जगह मिली यानी:-

(2) **अलिफ़** -ख़ाना नम्बर 6 (बहैसियत मालिक ग्रह) में बुध केतु मुश्तरका माने गए हैं। जब नम्बर 6 ख़ाली हो और बुध नम्बर 3 में बैठा हो तो ख़ाली ख़ाना नम्बर 6 का मालिक ग्रह केतु लेंगे लेकिन जब बुध ख़ाना नम्बर 3 में न हो तो ख़ाली ख़ाना नम्बर 6 के लिए बुध और केतु में से वह (बहैसियत मालिक ग्रह) लेंगे जो कि टेवे में दोनों से उम्दा हो:-

बे -ख़ाना नम्बर 12 (बहैसियत मालिक ग्रह) में बृहस्पत, राहु मुश्तरका माने गए हैं।

बहैसियत-क्षमतानुसार
पहला अक्षर
मुश्तरका-मिले जुले
फ़रमान-आदेश, हुक्म
बृहस्पत-बृहस्पति ग्रह
अलिफ़-उर्दू वर्ण माला का

Astro Lucky

जब नम्बर 12 ख़ाली हो, और बृहस्पत नम्बर 9 में बैठा हो तो ख़ाली ख़ाना नम्बर 12 का मालिक
ग्रह राहु लेगें। लेकिन जब बृहस्पत नम्बर 9 में न हो तो ख़ाली नम्बर 12 के लिए
बृहस्पत, राहु मुश्तरका (दोनों का मस्नूई ग्रह बुध ख़ाली आकाश)
लेंगें।

जीम - केतु ख़ाना नम्बर 6 में और राहु नम्बर 12 में दोनों ही नीच भी हैं और घर के मालिक भी। उनकी शक्की हालत के लिए जब राहु को बुध की मदद और केतु को बृहस्पत की मदद मिले यानी राहु ख़ाना नम्बर 3-6 में (बुध के घर में) और केतु हो ख़ाना नम्बर 9-12 में (जो बृहस्पत के घर हैं) तो दोनों ही ऊंच हालत वरना नीच हालत के होगें यानी $\frac{\text{राहु नम्बर 9-12}}{\text{केतु नम्बर 3-6}}$ में नीच होगा। ख़ुलासतन:-

1-जैसा बुध टेवे में हो, वैसा ही राहु नम्बर 12 का असर होगा।

२-जैसा बृहस्पत टेवे में हो वैसा ही केतु नम्बर 6 का असर होगा।

ग्रह बुर्ज व राशियों की ग़लत फ़हमी :-

राशि से मुराद मकान की वह ज़मीन और उसके मालिक ग्रह से मुराद उस पर बने हुए मकान की इमारत होगी।

क़ियाफ़ा:- बुर्जों को पक्के तौर पर जगह वे जगह मुक़र्रर कर दिया गया है। इसी तरह से ही राशियों के लिए हमेशा के वास्ते जगह मुक़र्रर कर दी गई है ग्रहों के लिए रहने की जगह को बुर्ज या ग्रह का घर कहेंगे। और राशि के लिए मुक़र्रर की हुई उंगुली की पोरी को राशि का घर कहेंगे। हर बुर्ज या ग्रह का निशान मुक़र्रर है। इस तरह से हर राशि का निशान भी मुक़र्रर है। ग्रह के निशान से ग्रह का जिस्म ताक़त या असर लेंगे। मगर उसके लिए जो जगह हथेली पर हमेशा के लिए मुक़र्रर है वह मुक़ाम उस का घर होगा ख़्वाह ग्रह ख़ुद किसी दूसरे ग्रह के घर जा बैठा हो। इसी तरह से ही राशियों का हाल है। यानी राशि की जो जगह उंगली की पोरी पर मुक़र्रर है वह राशि का घर है।

मस्नूई-बनावटी	क़ियाफ़ा- सामुद्रिक शास्त्र	मुक़र्रर-निश्चित	ख़ुलासतन-संक्षेप में
वास्ते-लिए, प्रति	मुराद-इच्छा, कामना, अभिलाषा	मुक़ाम-पड़ाव, लक्ष्य	

Astro Lucky

और जो निशान राशि का है वह राशि का दिया हुआ असर या जिस्म या वजूद होगा इस तरह पर जब किसी बुर्ज का निशान किसी दूसरे ग्रह के घर में पाया जावे, तो कहें गे कि वह ग्रह दूसरे ग्रह के घर में चला गया है। मिसाल के तौर पर अगर सूरज का सितारा चंद्र के बुर्ज पर वाक़ै हो, तो चंद्र के घर में सूरज आया हुआ गिना जायेगा या अगर यही सूरज का सितारा शुक्कर के बुर्ज पर हो तो सूरज को शुक्कर के घर मेहमान कहेंगे। अब सूरज और शुक्कर का या सूरज और चंद्र का जो आपस में ताल्लुक है वही असर होगा इसी तरह से हर राशि के निशान का असर लेंगे।

यह ज़रूरी नहीं है कि हर एक राशि का निशान उंगली की उसी पोरी पर वाक़ै हो जहां कि उस राशि का मुकाम मुकर्रर है। लेकिन अगर निशान अपनी मुकर्ररा जगह पर ही होवे तो वह आदमी उसी राशि का होगा और अगर कोई भी निशान राशि का न पाया जावे तो हैरानी की बात नहीं ग्रहों या बुर्जो से पता चल जाएगा।

फ़रमान नम्बर-8
12 पक्के घर

प्राचीन ज्योतिष के मुताबिक़ जनम कुण्डली बन चुकी। उसमें दिए हुए तमाम के तमाम हिन्दसे मिटा दिए। मगर ग्रह जहां-जहां उसमें लिखे थे वहां-वहां ही लिखे हुए रहने दिये और फिर लगन के घर को हिन्दसा नम्बर 1 दिया गया और 12 ही घरों में तरतीबवार 1 से लेकर 12 तक हिन्दसे लिख दिए। अब यह घर लगन को 1 गिनकर फलादेश देखने के लिए हमेशा के लिए ही मुक़र्रर नम्बर के हो गए और इस इल्म मे 12 पक्के घर कहलाए।

वाक़ै-घटना, हाल ताल्लुक़-संबंध मुक़ाम-पड़ाव, लक्ष्य मुक़र्ररा-निश्चित हिन्दसा-संख्या
मुताबिक़-समान, बराबर वजूद-कायम

Astro Lucky

लगन का घर या कुण्डली का पक्का घर ख़ाना नम्बर-1

शाह सलामत का तख़्ते बादशाही या हुज़ूर के क़दम-मुबारक

घर पहला है तख़्त हज़ारी
ज्योतिष में इसे लगन भी कहते
ऊंच बैठे ग्रह उत्तम कितने
ख़ाली पड़ा घर 7 जब टेवे
लगन बैठा ग्रह तख़्त नशीनी
आंख गिना घर आठ है उसकी
अकेला तख़्त पर बहुत हों 7 वें
उलट मगर जब टेवे बैठे
ऊंच[2]-नीच जो गिने घरों के
बाक़ी ग्रह सब झगड़ा करते

ग्रह फल राजा कुण्डली का
झगड़ा जहां रूह-माया का
दस्ती लिखा ख़्वाह बिधाता हो
शक्की असर कुल ग्रह का हो
राज शाही जब करता हो
11 से हर दम चलता हो
उम्दा बहुत
राजा वज़ीरी होती है
7 [1]
जड़ सातवें की कटती है
1 7
वह नहीं एक-सात लड़ते हैं[2]
उम्र से भी चंद मरते हैं

[1] ख़ाना नम्बर में 1 सूरज ऊंच होगा सनीचर नीच होगा और मंगल घर का ग्रह होगा और ख़ाना नम्बर 7 में सनीचर ऊंच होगा, सूरज नीच होगा और शुक्कर घर का ग्रह होगा।

[2] मसलन ख़ाना नम्बर 1 में बृहस्पत चंद्र बुध राहु (चार ग्रह) और ख़ाना नम्बर7 में अकेला केतु हो तो 34 साला उम्र (बुध की मियाद) तक नर औलाद केतु नदारद या पैदा होकर मरती जावे और 48 साला उम्र (केतु की मियाद) तक एक ही लड़का क़ायम हो। अगर 48 साला उम्र से दूसरा लड़का क़ायम हो जाए तो बुध लड़की बेघर बेइज़्जती या दीगर मन्दे नतीजों में बरबाद होगी। टेवे वाला अगर चार औरजानों (कुत्ता-केतु, घोड़ा-चंद, गाय-शुक्कर, तोता-बुध कोई भी चार जानदार) को रोटी का हिस्सा देवे तो नर औलाद क़ायम होगी और औलाद पैदा होने के दिन से चंद्र राहु बृहस्पत बुध मुश्तरका राज योग होंगे वरना चंद्र राहु बुध, बृहस्पत के उम्दा असर के बजाए ख़ाक की बोरी या हर तरह लानत नसीब होगी

दीगर-दुबारा, पुनः बैठना | ख़्वाह-चाहे | नदारद-लुप्त, रिक्त, खाली | मुश्तरका-मिले जुले | बिधाता-विधाता | तख़्त नशीनी-तख़्त पर

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर-8

और जिस वक़्त टेवे में असल मंगल के अलावा मस्नूई मंगल नेक (सूरज-बुध) या मस्नूई मंगल बद (सूरज सनीचर) दोनों ही मौजूद हों तो नम्बर 1 देखेगा नम्बर 11 को

अलिफ़-जब नम्बर 11 ख़ाली हो तो नम्बर 1 का ग्रह अपना असर करने के ताल्लुक़ में मेंढे या बुध की चाल पर जैसा कि वह उस वक़्त टेवे में हो चलेगा। इसी तरह यही जब नम्बर 8 ख़ाली हो, तो नम्बर 10 वाले ग्रह की आंखों को रोकने के लिए कोई रुकावट न होगी और वह ख़ुद ही अपनी आंखों से देख भाल करता होगा।

बे-जब ख़ाना नम्बर 1 में ज़्यादा ग्रह हों तो ख़ाना नम्बर 1 का मुनसिफ़ शुक्कर होगा जैसा कि इस वक़्त वह टेवे (ख़ाना नम्बर 1-ही) में हो

2-तख़्त पर बैठे हुए ग्रह चाली हुक्मरान राजा के अहद में उसके लिए ख़ाना नम्बर 1 (Lens) लैन्स नम्बर 8 (Focussing Glass) फोकसिंग ग्लास और नम्बर 11 (Regulater) रेगूलेटर होगा।

Astro Lucky

मस्नूई-बनावटी, झूठा मुनासिफ़-न्यायकर्त्ता अहद-जमाना, युग ताल्लुक़-संबंध
सनीचर-शनि ग्रह सूरज- सूर्य ग्रह

हर एक ग्रह की अपनी हुकूमत यानी ख़ाना नम्बर 1 में आने के वक़्त दूसरे ग्रहों की उसके मुक़ाबले में ताक़त का पैमाना

ख़ाना नम्बर 1 को कुण्डली का तख़्त कहते हैं, इसलिए नम्बर 1 में बैठा हुआ ग्रह तख़्त का मालिक या हुक्मरान राजा कहलाता है।

बृहस्पत के वक़्त ये ग्रह किसी से दुश्मनी नहीं करता। चंद $\frac{1}{2}$ शुक्कर 3 $\frac{3}{4}$ गुना सनीचर $\frac{3}{4}$ केतु $\frac{5}{6}$ होगा। बृहस्पत ख़ुद सूरज राहु के वक़्त चुप होगा। मगर बुरे ग्रहों के साथ अपना निस्फ़ अर्सा यानी 8 साल हमेशा नेक होगा। दुश्मनी का असर 8 साल के बाद हो सकेगा।

सूरज के वक़्त :-

यह ग्रह ख़ुद कभी नीच न होगा, शुक्कर साथ हो तो शुक्कर नीच होगा मगर दोनों के मिलाप से बुध पैदा होगा, यानी फूल होंगे, मगर फल न होगा केतु $\frac{1}{2}$ बुध $\frac{1}{2}$ सनीचर ख़ुद अपने लिए बराए दौलत $\frac{2}{3}$ और वालिद के लिए $\frac{1}{2}$ जायदाद के लिए $\frac{1}{3}$

चंद्र के वक़्त कोई दुश्मनी नहीं करता:-

यह ग्रह ख़ुद अपना नेक असर किसी के साथ होने पर घटा लेता है, राहु $\frac{1}{2}$ होगा।

शुक्कर के वक़्त:-

यह किसी को नीच नहीं करता दूसरे ख़्वाह इसको नीच करते हैं चंद्र $\frac{1}{2}$ सनीचर $\frac{1}{3}$

सनीचर के वक़्त :- चंद्र $\frac{1}{3}$ केतु $\frac{1}{2}$ होगा।

बुध के वक़्त:- सनीचर $\frac{1}{4}$ केतु $\frac{1}{4}$ चंद्र $\frac{1}{2}$ होगा।

मंगल नेक के वक़्त :- शुक्कर सनीचर मंगल बद तीनों ही $\frac{1}{3}$ हर एक केतु व बुध दोनों $\frac{1}{2}$ हर एक राहु सिफ़र **राहु के वक़्त :-**सूरज, सिफ़र चंद्र $\frac{1}{2}$ होगा।

केतु के वक़्त:- चंद्र सिफ़र, सूरज $\frac{1}{2}$ होगा।

सिफ़र-खाली शून्य निस्फ़-आधा ख़्वाह-चाहे शुक्कर-शुक्र ग्रह वक़्त-समय तख़्त-सिहांसन
पैमाना-लम्बाई नापने का यंत्र

Astro Lucky

कुण्डली का पक्का घर ख़ाना नम्बर 2-धरम अस्थान उम्र बुढ़ापा

घर चल कर जो आवे दूजे
ख़ाली पड़ा घर 10 जब टेवे
बुनियाद समन्दर ग्रह[1] 9 होते
चाल असर ग्रह दूजे बैठे
हवा-बारिश जो 9 से चलती
आठ पड़ा घर जब तक ख़ाली[2]
शुरू उम्र में असर दूजे का
ज़ाती असर हो नेक जो अपना
बुनियाद मन्दिर[2] घर[1] चौथा गिनते
खाली[3] होते गुरु मन्दिर[2] टेवे

ग्रह क़िस्मत बन जाता हो
सोया हुआ कहलाता हो
पहाड़ ऊंचा घर 2 का हो
ज़ेर असर गुरु साया[2] हो
टक्कर दूजे[2] पर खाती हो
असर भला ही देती हो
घर 6 वें पर पड़ता हो
वक़्त बुढ़ापे बढ़ता हो
आठ छठे[3] से मिलता जो
असर रुहानी उम्दा हो

[1] -ख़ाना नम्बर 2 हमेशा 9 ही ग्रहों या ख़ाना नम्बर 9 जो बतौर एक समन्दर गिना जाएगा कि बुनियाद होगा, मगर ख़ुद नम्बर 2 की बुनियाद ख़ाना नम्बर 4 होगा।

[2] -जैसा भी बृहस्पत टेवे में हो वैसी ही हवा के झोंकें साथ होंगे

[3] -ख़ाना नम्बर 8 देखता है नम्बर 2 को और ख़ाना नम्बर 2 देखता है नम्बर 6 को इस तरह पर ख़ाना नम्बर 2 में ख़ाना नम्बर 8 और नम्बर 6 का बाहमी ताल्लुक़ हो जाता है। ख़ाना नम्बर 8 ख़ाली हो तो नम्बर 2 उम्दा होगा मगर जब ख़ाना नम्बर 2 ख़ाली हो तो सब कुछ ही उम्दा होगा। बृहस्पत नम्बर 2 और ख़ाना नम्बर 8 ख़ाली के वक़्त पर बृहस्पत । मन्दा ही होगा या बृहस्पत की हवा मन्दी आंधी होगी, जो हर तरह का नुक़सान करेगी अगर नम्बर 9 बरसाती मानसून हवा के उठने का समन्दर हो तो ख़ाना नम्बर 2 उस बारिश से लदी हुई हवा से टकरा कर बरसा लेने वाला कोहसार (पहाड़ों का लम्बा सिलसिला) होगा।

धरम अस्थान-धर्मस्थान दूजे-दूसरे चौथा-चार ज़ेर-निर्बल आधीन बाहमी-आपस में
ताल्लुक़-संबंध समन्दर-समुंद्र वक़्त-समय

Astro Lucky

गुरु जहां दो मन्दिर[1] कच्चा		राहु केतु पाप बैठक ख़ुद साथी हो
मारग घर से गुरु भी डरता		आठ दृष्टि ख़ाली जो
ग्रह मुश्तरका बुरा नहीं करते		बन्द[3] मट्ठी के ख़ानो में
फल 2-11 अपनों अपने		धरम[2] मन्दिर गुरुद्वारा[11] में
ज्ञान समन्दर घर 9 वें का		या फल उम्र हो पहली का
सफ़ेद झण्डा कोहसार पे झूले		उम्र बुढ़ापा घर 2 का
पाप की बैठक घर 2 गुरु के		गृहस्ती शुक्कर भी बनता जो
लेख जगत का मस्तक गिनते		मौत जनम जहान मिलता दो

इस घर में मंगल[1] बद के जुज़वी (मस्नूई) ग्रह और पापी[2] ग्रह ख़ुद टेवे वाले पर मन्दा असर न देंगे। बल्कि इस घर में बैठा हुआ राहु भी बृहस्पत के मातहत होगा।

सब ग्रह अपना तमाम फल जो उनमें से हर एक के लिए ख़ाना नम्बर 9 में लिखा हुआ है, टेवे वाले की उम्र के आख़री हिस्सा में देंगे। मसलन ख़ाना नम्बर 9 में सनीचर का फल 60 साल लिखा है। जो टेवे वाले की उम्र के शुरू होने की तरफ़ से गिन कर 60 साल बुढ़ापे की तरफ़ होगा लेकिन जब सनीचर ख़ाना नम्बर 2 में हो तो सनीचर का वही असर मौत के दिन कि तरफ़ से पीछे जनम दिन की तरफ़ को गिनकर 60 साल होगा। इस तरह ही सब ग्रह असर देंगे।

2-इस घर के ग्रह आख़ीर उम्र (बुढ़ापा) में हमेशा नेक फल देंगे। ख़्वाह वह किसी दूसरे उसूलों की गिनती या चाल वग़ैरह से कितने ही मन्दे क्यों न हों।

1 मंगल बद=सूरज सनीचर मुश्तरका

2 पापी=राहु केतु सनीचर तीनों ही मुश्तरका के लिए एक नाम है।

3 ख़ाना नम्बर 1-7-4-10

मारग घर-आठवां घर कोहसार-पहाड़ों का लम्बा सिलसिला मस्नूई-बनावटी मुश्तरका-मिले जुले
धरम-धर्म मातहत-अधीन, आज्ञाधीन गुलाम

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर-8

धरम अस्थान या पेशानी का दरवाज़ाः-

दोनों भवों का दरमियानी मरकज़ जो नाक का आख़री हिस्सा है या पेशानी पर तिलक लगाने की जगह ख़ाना नम्बर 2 की असली जगह है। इस तिलक लगाने के निशान की जगह को छोड़कर माथे की बाक़ी जगह पेशानी कहलाएगी। जिसका ज़िक्र ख़ाना नम्बर 11 में है। जब ख़ाना नम्बर 2 हर तरह और हर तरफ़ (ख़ाना नम्बर 8 की दृष्टि वग़ैरह) से ख़ाली हो, तो ख़ाना नम्बर 2 को तिलक की जगह गिनते हैं, इस ख़ाना नम्बर 2 को हवाई ख़याल की तमाम ताक़तों में राहु केतु मुश्तरका की बैठक या मस्नूई शुक्कर की जगह मानते हैं। ख़ाना नम्बर 8 का असर जाता है। ख़ाना नम्बर 2 में और ख़ाना नम्बर 2 देखता है ख़ाना नम्बर 6 को, इसलिए 2 फ़ैसला 2-6-8 को साथ मिला कर होगा। दूसरे लफ़्ज़ों में ख़ाना नम्बर 8 को अगर राहु केतु की सनीचर के साथ होने की बैठक मानें, तो उस बैठक या मौत के दीवान ख़ाना का दरवाज़ा ख़ाना नम्बर 2 सिर्फ़ राहु-केतु दोनों की बैठक मुश्तरका होगी जिसमें सनीचर की मौत का ताल्लुक़ न होगा, सिर्फ़ राहु-केतु की अपनी नेकी बदी का मैदान गुरुद्वारा मस्जिद मन्दिर होगा। **इस धरम अस्थान का दरवाज़ा** दोनों भवों की ऐन दरमियानी जगह होगी- जिसका मालिक बृहस्पत है जो दोनों जहानों का मालिक है जिस के रास्ते की लम्बाई के दोनों सिरों पर सूरज और सनीचर (दिन-रात) गिनते है यानी दुनिया से बाहर ख़ाना नम्बर 8 और दुनिया का अन्दर ख़ाना नम्बर 11 के साथ बृहस्पत की दूसरी ताक़त ख़ाना नम्बर 5 मुस्तक़्बिल और ख़ाना नम्बर 9 माज़ी का दरमियान ज़माना हाल ख़ाना नम्बर 1 (या बन्द मुट्टी के ख़ाने 1-7-4-10) होगा। थोड़े लफ़्ज़ों में जिस तरह ख़ाना नम्बर 4 ने अपनी नेकी न छोड़ी थी, उसी तरह ही ख़ाना नम्बर 2 ने कुल दुनिया से ताल्लुक़ न छोड़ा । अगर नाभि तमाम जिस्म का दरमियान था और बन्द मुट्ठी के ख़ानों में ख़ाना नम्बर 4 बच्चा के साथ लाए हुए ख़ज़ाने का भेद था। तो चेहरें पर तिलक की जगह या दुनिया में बच्चे के लिए बाक़ी सब तरफ़ से मिलने मिलाने वाले ख़ज़ाने का

मरकज़-केन्द्र बिन्दु | मुस्तक़्बिल-आगे आनेवाला-भविष्य | धरम अस्थान- धर्मस्थान | पेशानी-ललाट, माथा
मस्नूई-बनावटी | ताल्लुक़-संबंध | दरमियान-मध्य में

Astro Lucky

भेदी ख़ाना नम्बर 2 हुआ । इन दो ख़ानों यानी ख़ाना नम्बर 4 और ख़ाना नम्बर 2 का मुश्तरका असर क़िस्मत का करिश्मा हुआ, जो ग्रहफल ख़ाना नम्बर 2 व राशिफल ख़ाना नम्बर 4 दोनों का लब्बे लुबाब भी कहा जा सकता है। ख़ाना नम्बर 4 बढ़ाता है चंद्र को ख़ाना नम्बर 2 बढ़ाता है बृहस्पत को दोनों मिले मिलाए (माता-पिता) वाल्दैन या अकेला बृहस्पत जो दोनों जहानों का मालिक है होगा, जो बच्चे को मदद देने के लिए ख़ाना नम्बर 5 में सूरज के साथ और ख़ाना नम्बर 11 में सनीचर के साथ जा मिलता है, बृहस्पत की इस लम्बाई को सबकी लम्बाई गिनते हैं ख़्वाह चेहरे की (ख़ाना नम्बर 6 में देखें) हो ख़्वाह पेशानी की, (मुफ़स्सिल ख़ाना नम्बर 11 देखो)

ख़ुलासतन तिलक की ख़ास जगह बृहस्पत का ख़ाना नम्बर 2 राहु, केतु, मुश्तरका की बैठक की जगह(मस्नूई शुक्कर की राशि भी है) का दरवाज़ा है, ख़ाना नम्बर 2 में ग्रहों का असर मय ख़ाना नम्बर 8 के, पेशानी पर तिलक लगाने की जगह तिकोन△ या केतु का निशान ⊥ यानी ख़ाना नम्बर 2 में हर तरह से अकेला केतु हो तो हुक्मरान आसूदा होगा।

अंगूठा

ख़्वाह हाथ का ख़्वाह पांव का

जिस तरह सिर के ढांचे का मालिक बुध और उसके अन्दर दिमाग़ी ख़ानों में हवाई ख़याल की लहरें पैदा करने की ताक़त का मालिक राहु है, इसी तरह ही इन्सानी दिल का मालिक चंद्र है, जिसके अन्दर लहरों को उछालने या गिराने की ताक़त का बानी ग्रह चाली पाप (राहु और केतु दोनों मुश्तरका) हैं। उस पाप की बैठक ख़ाना नम्बर 2 (जिसमें सनीचर का ताल्लुक़ नहीं मानते) इन्सानी अंगूठे पर मानी गई है।

मुफ़स्सिल-विस्तारपूर्वक
वाल्दैन-माता पिता
आसूदा-धन धान्य से परिपूर्ण
खुलासतन-संक्षेप में
लब्बे लुबाब-सार, तत्व निचोड़

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर-8

अंगूठा जिस क़दर लम्बा होगा	उसी क़दर ही ज़्यादा शहवत पर काबू पा सकने वाला होगा।
अंगूठा जिस क़दर मोटा होगा	उसी क़दर ही ज़्यादा मुफ़लिस होगा
अंगूठा जिस क़दर छोटा होगा	उसी क़दर ही ज़्यादा वहशी व हैवानी ताक़त ज़्यादा होगी, तंग हौसला, जिद्दी होगा।
अंगूठा अगर सीधा रहता हुआ मालूम हो और अंगूठे की नाख़ून वाली पोरी पीठ की तरफ़ झुकी रहे।	उसका धन दौलत दूसरों दुनियावी साथियों, के काम बहुत लगे ख़ुद नरम दिल होगा।

पोरी का हिस्सा	उसकी हालत	उम्र का हिस्सा व तासीर व ताक़त मुतअल्लिक़ा
नाख़ून वाली पोरी कुण्डली का ख़ाना नम्बर 6 will मनमर्जी केतु से मुतअल्लिका	जिस क़दर हथेली की तरफ़ झुकती जावे उसी क़दर ज़्यादा उसका धन दौलत दूसरों के काम लगे, और वह ख़ुद नरम दिल होगा। उलट हालत में उलट नतीजा लेंगे।	बचपन फैलना रुहानी ताक़त
दरमियानी पोरी कुण्डली का ख़ाना नम्बर 6 दलील मन्तक़ सोच विचार की ताक़त राहु से मुतअल्लिक़ा	जिस क़दर ज़्यादा लम्बी हो उसी क़दर ही ज़्यादा बादलील और होनहार प्रानी होगा	जवानी सिकुड़ना ज़िस्मानी ताक़त
निचली पोरी कुण्डली का ख़ाना नम्बर 2 इश्क़ Love शुक्कर से मुतअल्लिक़ा	जिस क़दर ज़्यादा छोटी हो उसी क़दर ही ज़्यादा जादू मन्तर की ख़्वाहिश और ज़नमुरीदी में ग़र्क़ रहने वाला होगा।	बुढ़ापा इन्सानी नफ़्सानी ताक़त

ज़नमुरीदी-पत्नि भक्त शहवत-कामातुर इच्छा मुफ़लिस-निर्धन, कंगाल मन्तक़ी-तर्क शास्त्री
नफ़्सानी-विलास सामग्री, कामवासना से संबंधित चीज़ें ख़्वाहिश-चाह, लालसा इच्छा मुतअल्लिक़ा-संबंधित

AstroLucky

लगन से कुण्डली का पक्का घर ख़ाना नम्बर-3 इस दुनिया से कूच के वक़्त राहे रवानगी (बीमारी वग़ैरह)

इस घर का जो रंग है ख़ूनी
होता जभी ग्रह इस घर ज़ुल्मी
पापी अगर हों उम्दा टेवे
तीन मन्दा कानें पग 12 उम्दा उसके
ग्रह मन्दे घर तीसरे बैठे
ख़ून दृष्टि ज़ुल्म से अपने
उम्र पहली हो ग्यारह शक्की
मौत रुकेगी आठ से उठती
ग्रह जब तक कोई तीसरे बैठा
भेद गुरु से बेशक खुलता
माया दौलत जो 11 आती
तासीर मंगल हो टेवे जैसी

असर होता भी ख़ूनी है
देता असर वह कष्टी है
कष्ट सभी ग्रह कटता हो
असर ख़ाना 8 करता हो
बुरा मालिक नहीं करते हैं
ज़हर बाहर ही भरते हैं
ग्रह तीजे जब मन्दा हो
बैठा तीजा ख़्वाह कैसा हो
मौत टेवा न पाता हो
फ़ैसला बुध से होता हो
भाग तीजे से जाती हो
हालत वही कर पाती हो

जब नम्बर 3 में पापी बैठे हों, और नम्बर 8 व 6 भी मन्दे हों रहे हो तो अगर मौत नहीं तो बहाना मौत ज़रुर

खड़ा कर देंगे, लेकिन ख़ाना नम्बर 12 का ग्रह ख़्वाह नम्बर 3 वाले का दुश्मन ही हो, नम्बर 3 को मदद देगा। मसलन मंगल नम्बर 12 केतु नम्बर 3 तो मच्छ रेखा वास्ते धन हालांकि मंगल और केतु बाहम दुश्मन हैं, इसी तरह ही जब बुध नम्बर 12 और सनीचर या बृहस्पत नम्बर 3 हो तो अमृत कुण्ड हर तरह से बरकत का ज़माना होगा, इसी तरह अगर नम्बर 12 में शुक्कर राहु इकट्ठे हों तो ज़ाहिरा तौर पर 21 या 25 साला उम्र में बेवापन ज़ाहिर होगा लेकिन अगर उसी वक़्त ही ख़ाना नम्बर 3 में शनि बैठा हो तो राहु का शुक्कर पर कोई बुरा असर न होगा, क्योंकि शनि शुक्कर को हर तरह मदद देगा। लेकिन जब नम्बर 3 में मुश्तरका ग्रह हों तो 12 व 3 के ग्रहों की (हर एक की अकेला-अकेला गिनकर) बाहमी दोस्ती दुश्मनी बहाल होगी।

तीजा-तीसरा ख़्वाह-चाहे बाहमी-आपसी हालांकि-यद्यपि वक़्त-समय
मुश्तरका-मिले जुले रवानगी-प्रस्थान, प्रयाण, कूच, भेजना मसलन-जैसे

Astro Lucky

लग्न से कुण्डली का पक्का घर ख़ाना नम्बर 4 माता की गोद व पेट का ज़माना

ग्रह चौथे[1] के रात को जागे
मदद कोई न हो जब करता
ग्रह चौथे हो जो कोई बैठा
असर मगर हो-उस घर जाता
ख़ाली होते घर चौथा मन्दिर[2]
चंद्र का फल-घर दे चंद्र
पाप बैठा घर चंद्र माता[3]
आठ, तीजा, 6 टेवे मन्दा

या जागें वह मुसीबत में
आ तारें वह बुढ़ापे में
तासीर चंद्र वह होता हो
शनि जहां टेवे बैठा हो
आख़ीर उम्र तक उन्नति हो
बैठा चंद्र ख़्वाह नष्टी हो
बुध शनि वो उम्दा हो
मौत बहाना चौथा
हो

(बाकी अगले सफ़्हः पर)

[1]

[2] -ग्रह मुतअल्लिक़ा के कारोबार बवक़्त रात फ़ायदामन्द होंगे

[3] -मानिन्द नम्बर 2 या ख़ुद चंद्र नम्बर 2 जो कि ऊंच उत्तम फल देता है।

-इस घर में सनीचर ज़हरीला सांप और मंगल जला हुआ मंगल बद हो सकता है मगर राहु केतु धर्मात्मा ही रहेंगे-या यूं कहो कि राहु और केतु सिर्फ़ इस घर में बैठे हुए चुप होंगे, मगर किसी भी और दूसरी जगह मन्दे काम छोड़ने का वादा नहीं करते क्योंकि ये तो उनके ख़ून की ही बुनियाद है, बल्कि हो सकता है कि उनके चुप रहने से कई दफ़ा नफ़ा की बजाए नुक़सान हो ---- जैसा की दण्ड देने के अख़्तियार का मालिक अगर शरारती को न डांटे तो अत्याचार और भी बढ़ जाता है।

तीजा-तीसरा सफ़्हः-पृष्ठ अख़्तियार-हक मुतअल्लिक़ा-संबंधित मानिन्द-की तरह से, तुल्य
नफ़ा-लाभ आख़िर-अन्त

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर-8

तख़्त पावे[4] जब चौथा टेवे — राहु मन्दा ख़ुद होता हो
मुट्ठी चंद्र[2] 8-11 बैठे — अकेला[3] चौथे न मन्दा हो
4 समन्दर ग्रह 9 नाभि[4] — मुर्दा कोई नहीं रखता हो
तीनों ग्रह नर शरण माता कर — पेट अन्दर कुल पलता हो
मित्र

1 चंद्र का मुट्ठी (ख़ाना नम्बर 1-7-4-10) से बाहर और ख़ाना नम्बर 4 ख़ाली हो तो चंद्र का सब ग्रहों मय ख़ुद चंद्र पर नेक असर होगा। ख़्वाह चंद्र ख़ुद रद्दी, निकम्मा या मन्दा ही हो रहा हो

2 ख़ाना नम्बर 4 में कोई भी अकेला ग्रह हो, और चंद्र इस वक़्त बन्द मट्ठी (ख़ाना 1-7-4-10) से बाहर कहीं भी ख़राब हो रहा हो (मसलन ख़ाना नम्बर 8 में चंद्र नीच या नम्बर में चंद्र सिफ़र निरपक्ष या मन्दा) तो वह नम्बर 4 वाला ग्रह नेक असर ही देगा
ख़्वाह वह चंद्र का दोस्त हो या दुश्मन ।

क़ियाफ़ा :-

1- हाथ की सब से आख़री जगह ग़ैबी हालत, दिल की अन्दरूनी चाल या रात का ज़माना(चंद्र का बुर्ज) बताती है।

1 -4-16-28-40-52-64-76-88-100-114 साला उम्र

2 ख़ाना नम्बर 1-7-4-10

3 मंगल बद या मंगल नेक या कोई भी अकेला बैठा हुआ ग्रह ।

4 नर ग्रह सूरज-मंगल-बृहस्पत-मित्र (चंद्र का दोस्त-सूरज-बुध) तो पेट में पालना करे-शत्रु (लेकिन जब चंद्र का दुश्मन-राहु-केतु) तो समन्दर मुर्दों को भी बाहर कर देगा। जब वह दुश्मनी करें यानी जब तक राहु-केतु (मुतअल्लिक़ा अश्या) ज़िन्दा होंगे नेक फल देंगे वरना वह ख़ुद बरबाद हो जाएंगे।

तख़्त-सिहांसन समन्दर-समुन्द्र आख़री-अन्त ख़्वाह-चाहे मसलन-जैसे
ग़ैबी-देवी भक्त

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर-8

लगन से कुण्डली का पक्का घर ख़ाना नम्बर-5 औलाद मुस्तक़बिल का ज़माना

गुरु टेवे में जब तक उम्दा
औलाद दुखी न होती हो
पांच[1] पापी गुरु मन्दा टेवे
बिजली चमक आ देती हो
शनि[2] शुक्कर या दो कोई मन्दा
बिजली कड़कती मन्दी हो
चंद्र भला तो चमक हो उम्दा
असर हालत दो जल्दी[3] हो

(बाक़ी अगले सफ़्हः पर)

[1] नम्बर 6-10 की ज़हर से बचाओ के लिए नम्बर 5 के दुश्मन ग्रह की चीज़ पाताल (नम्बर 6) या जद्दी बुर्ज़ुगी मकान (नम्बर 10) में क़ायम करें। जब तक नम्बर 8 मन्दा न हो लेकिन अगर नम्बर 8 मन्दा हो तो नम्बर 5 के दुश्मन ग्रह की चीज़ सिर्फ़ पाताल (नम्बर 6) में तह ज़मीन के नीचे दबाने से मदद होगी, क्योंकि नम्बर 10 दो गुना रफ़्तार से चला करता है और जब नम्बर 8 मन्दा हो तो नम्बर 10 दो गुना हो जाएगा। मुफ़स्सिल पक्का घर नम्बर 10 देखें।

[2] फ़र्ज़न बृहस्पत नम्बर 10 शुक्कर नम्बर 11 केतु नम्बर 8-सनीचर-राहु नम्बर 5 औरत (शुक्कर) को जुलाब (केतु) की बीमारी के बाद लड़के (केतु) पर मन्दा असर उपाओ लड़के के वज़न के बराबर 25 (शुक्कर) ता 48 (केतु) दिन तक आटे की रोटियां कुत्तों को तक़सीम करें।

[3] सनीचर या शुक्कर या दोनों जब कभी मन्दे हों तो दोनों की हालत के मुताबिक़ फ़ौरन मन्दा असर होगा। लेकिन अगर चंद्र उस वक़्त भला हो, तो मन्दी हालत फ़ौरन ही बदल कर उत्तम असर हो जाएगा। जनम कुण्डली के ख़ाना नम्बर 5 में अगर सूरज शुक्कर हो तो जब शुक्कर या कोई पापी नम्बर 1 में सूरज या बृहस्पत आवे अपनी सेहत के ताल्लुक़ में मन्दा वक़्त होगा लेकिन अगर नम्बर 5 में शुक्कर-बुध या कोई पापी हो तो सूरज या बृहस्पत के ख़ुद नम्बर 1 में आने के वक़्त सेहत के ताल्लुक़ में मन्दा ज़माना होगा। बृहस्पत की वज़ह से पैदा शुदा (जब बृहस्पत नम्बर 5 में हो) बीमारी नयी औलाद के पैदा हो चुकने के बाद ख़तम होगी।

मुस्तक़बिल-भविष्य काल	मुफ़स्सिल-विस्तारपूर्वक	तक़सीम-बांटना	फ़र्ज़न-कर्त्तव्य निर्धारण से
रफ़्तार-चाल, गति	उपाओ-उपाय	मुताबिक़-समान, बराबर	ताल्लुक़-संबंध

Astro Lucky

वजह चमक घर तीसरे होगी — कड़क निशानी ग्यारह हो

तीन ख़ाली घर आठ से पड़ती — उलट हालत पड़े आठ पे हो

घर 3-4 या 9 हो मन्दा — बुरा असर 5 देता हो

6-10 वें ख़्वाह दोस्त उसका — शत्रु ज़हरी आ होता हो

अपना लिखा अहवाल आइन्दा — गुरु रवि से चलता हो

केतु भला तो सब कुछ उम्दा — राहु मन्दे सब उलटा हो

लगन से कुण्डली का पक्का घर ख़ाना नम्बर 6- दुनियावी जड़ पाताल की दुनिया -रहम का ख़ज़ाना ख़ुफ़िया मदद

पाताल ख़ाली घर जब तक रहता — नेक असर कुल देता हो

दूजे बैठे की पहली अवस्था — असर 6 पर होता हो

(बाक़ी अगले सफ़्हः पर)

1 ख़ाना नम्बर 6 ख़ाली हो तो नम्बर 2 और ख़ाना नम्बर 12 के ग्रह दोनों ही तरफ़ के सोये हुए होंगे इसलिए अगर ख़ाना नम्बर 2 में अच्छे ग्रह हों और 12 में भी उत्तम ग्रह बैठे हों तो नम्बर 6 को जगा लेना मददगार होगा। यानी टेवे वाला अगर अपने मामूं ख़ानदान या अपनी लड़कियों के बच्चों की सेवा करता रहे तो मुनासिब उत्तम फल होगा । या नम्बर 6 के ग्रह नम्बर 2

व 12 के लिए बिजली की मशीनों को चलने वाला बटन होगा या फ़ौरन असर करवा देगा।

2 नम्बर 2 का नेक असर जरुर और हमेशा साथ मिलेगा।

अहवाल-हालात, मामले मुनसिफ़-न्यायकर्त्ता मामूं-मामा ख़्वाह-चाहे लगन-लग्न (पहला घर)
बाक़ी-शेष, बचा हुआ

Astro Lucky

उम्र मन्दी ग्रह ख़ुद[1] -वह होगा
लाख उपाओ-करे न टलता
अकेला बैठा या हों मुश्तरका
9 ही ग्रह पाताल में बैठे
10-5 वें का दुश्मन ज़हरी
साथ मगर 2- आठ दृष्टि

घर 6 वें आ बैठे जो
ग्रह फल[2]-लिखा जिसको हो
बन्द मुट्ठी[3] के ख़ानों में
देखा[4] करें उन तरफ़ों में
हुक्म राहु का पाता हो
फ़ैसला छः का होता हो

1 बैठे हुए ग्रह कि अपनी ग्रह चाली उम्र और ख़ुद ग्रह मुतअल्लिक़ा की ज़ाती अश्या का असर।

2 सिवाए सूरज-बृहस्पत और चंद्र बाक़ी सब ग्रह इस घर में ग्रहफल के होंगे, और बुध व केतु इस घर (नम्बर 6) या नम्बर 8 में बैठे हुए ग्रह की मियाद तक मन्दे होंगे, या नम्बर 6 के ग्रह का असर बुध केतु या शुक्कर बैठा होने वाले घर में भी जा सकता है।

3 नम्बर 6 में बैठा हुआ सनीचर उलटा नम्बर 2 को देखा करता है। नम्बर 6 में सूरज या चंद्र होने के वक़्त मंगल नम्बर 4 का मंगल अब मंगल बद न होगा।

4 नम्बर 6 में ऊंच माने हूए ग्रह (बुध-राहु) कभी मन्दे न होंगे और न ही बन्द मुट्ठी के घरों या नम्बर 2 पर मन्दा असर देंगे।

मुश्तरका-मिले जुले | मुतअल्लिक़ा-संबंधित | उपाओ-उपाय | मियाद-समय | वक़्त-समय
शुक्कर-शुक्र ग्रह | सूरज-सूर्य ग्रह

Astro Lucky

क़ियाफ़ा:-

1- चेहरा :-

चेहरे की चौड़ाई कुल चेहरे की लम्बाई का $\frac{2}{3}$ (दो बटा तीन-अगर कुल के 3 हिस्से करें तो तीन हिस्सों से दो हिस्से) नेक होती है। यह चौड़ाई जिस क़दर इस मिक़दार से घटे। उसी क़दर नेक असर ज़्यादा बढ़े। और मुबारक होवे। चौड़ाई केतु की ताक़त-लम्बाई-बृहस्पत की ताक़त (सूरज सनीचर दोनों का मालिक गुरु) गोलाई बाहर को उभार-बुलन्दी बुध की ताक़त-पुश्ती गहराई-नीचे अन्दर को दबाना राहु की ताक़त ऊपर की ताक़तों का घटना-बढ़ना ग्रहों की दृष्टि के दर्जे की ताक़त के घटने या बढ़ने से मुराद होगी।

चेहरे की चौड़ाई ख़ाना नम्बर 6 के केतु से बज़रिया दृष्टि या ख़ाना नम्बर 6 या नम्बर 6 के ग्रह से जिस क़दर बृहस्पत का साथ होवे,उसी क़दर चेहरा लम्बा होगा। जिस क़दर कम असर या ताल्लुक़ बृहस्पत का ख़ाना नम्बर 6 से होवे, उसी क़दर चेहरा चौड़ा होगा, जिस क़दर चेहरा की लम्बाई ज़्यादा उसी क़दर नेक असर ज़्यादा होवे। साथ लाई हुए ज़ाती क़िस्मत का चौड़े चेहरे में बृहस्पत की बजाए राहु के साथ सनीचर की ख़ुद ग़र्ज़ाना ताक़तें होंगी। लम्बा चेहरा बृहस्पत के साथ व ताल्लुक़ से केतु में सनीचर की हमदर्दाना ताक़तें होंगी । ज़हानत कम होगी और जिस क़दर चेहरा चौड़ाई से लम्बाई वाला होता जावे,उसी क़दर यह ख़ुदग़र्ज़ाना ताक़तें कम होती जावेंगी और ज़हानत बढ़ेगी या लम्बे चेहरे वाला हमदर्द होता चला जाएगा।

मर्द का चेहरा व मुंह दोनों ही लम्बे हों तो नेक बख़्त होगा।

मर्द का चेहरा व मुंह दोनों ही चौड़े हों तो ख़ुदग़र्ज़ होगा।

औरत का चेहरा लम्बा व मुंह लम्बा, बदबख़्त होगी।

औरत का चेहरा चौड़ा व मुंह चौड़ा नेक नसीब होगी।

मिक़दार-अंदाजा ज़हानत-प्रतिभा, सूझ बुझ क़ियाफ़ा-सामुद्रिक शास्त्र बज़रिया-के द्वारा

Astro Lucky

2-पावों पर ख़ास निशान :-

दाएं पांव के पब पर कनिष्का के नीचे बुध पर या शुक्कर के बुर्ज या अंगूठे की जड़ पर अगर (i) संख-सदफ़ हो तो वही असर जो हाथ पर होता है, (ii) चक्कर हो तो आसूदा हाल साहबे इक़बाल होगा- (iii) त्रिशूल, आंक्स, आला अफ़सर मुनसिफ़ मिज़ाज होगा। (iv) अलिफ़-चश्म फ़ील-हाथी की आंख का निशान साहिबे तख़्त होगा। बे-चश्म फ़ील अगर बाएं पांव पर हो तो राहज़न-चोर-डाकू होवे-फिर भी तंग बहुत मन्दा हाल

2-औरत के पांव में (दोनों पांव इकट्ठे गिन कर) जिस क़दर गहरे चक्कर या पद्म या सदफ़

पब या पाओं की हथेली पर हों उसी क़दर लड़के होंगे और जिस क़दर चक्कर या पदम नरम व बारीक लकीर के हों-उसी क़दर लड़कियां होंगी।

Astro Lucky

आसूदा-खुशहाल राहज़न-लुटेरा तख़्त-सिहांसन इक़बाल-प्रताप, तेज
मुनसिफ़-न्याय कर्त्ता

लगन से कुण्डली का पक्का घर ख़ाना नम्बर-7 गृहस्ती चक्की

बुध शुक्कर
आकाश ज़मीन दो पत्थर 7 वें
दोनों घुमावें कीली लोहे की
घर पहले के ख़ाली होते
पांच साला हो सूरज निकले
दोस्त शुक्कर हों घूमते पत्थर
बुध बराबर चक घूमारान

शुक्कर बुध
रिज़क़ अक़्ल की चक्की हो
घर आठवें जो होती हो
7 वां फ़ौरन सोया
8 जब दूजे होया
शत्रु पत्थर गड़े माना है
साथी हत्थे को जाना है

(बाक़ी अगले सफ़्हः पर)

1 -जब ख़ाना 8 के ग्रह (बमूजिब बर्षफल) ख़ाना नम्बर 8 में या ख़ाना नम्बर 1 में आवें तो बाहमी दोस्ती दुश्मनी के उसूलों पर असर करेंगे।

2 -5 साला उम्र से क़िस्मत का सूरज उदय होगा।

3 -बुध-सनीचर-केतु अपना अपना नम्बर 7 का दिया हुआ फल-घूमते पत्थर यानी वास्ते रिज़क़ व फालतू धन राशि फल (क़ाबिल उपाओ)।

4 -सूरज चंद्र राहु जैसा शुक्कर वैसा ही फल गड़े पत्थर यानी वास्ते रिज़क़ व

5 -फ़ालतू धन ग्रह फल (अटल फ़ैसला)

6 -दो पत्थरों कि बजाए कुम्हार के चक की तरह एक ही पत्थर जो दो का काम देवे मंगल या बृहस्पत वास्ते परिवार।

7 -जहां शुक्कर हो उस घर का ग्रह (बहैसियत मालक़ियत या पक्का घर) चक्की व चक का रहनुमाए होगा।

बमूजिब-अनुसार	रिज़क़-रोटी	फ़ौरन-तुरन्त, शीघ्र	बाहमी-परस्पर का, मिल जुलकर
रहनुमाए-मार्ग दर्शक	बर्षफल-वर्षफल		

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर-8

जैसा शुक्कर हो वैसे ही सब फल
बाक़ी असर ग्रह अपनों अपना
दो से ज़्यादा घर 7 वें में
उसूल मिलावट[3] बेशक अपने

निचले पत्थर से होते हैं
साथी को प्रबल गिनते हैं
स्त्री ग्रह[1] नर[2] होते हैं
असर मर्द पर करते हैं

[1] स्त्री ग्रह से मुराद शुक्कर और चंद्र

[2] नर ग्रह से मुराद बृहस्पत सूरज मंगल

[3] उसूल मिलावट ग्रह से मुराद दर्जा दृष्टि या बाहम देखना।

अमूमन स्त्री ग्रह स्त्रियों (मादिनियों) पर असर करते हैं, और नर ग्रह मर्दों पर मगर जब ख़ाना नम्बर 7 में दो से ज़्यादा ग्रह वाक़ै हों तो स्त्री ग्रहों को नर ग्रह ही समझकर असर गिनना चाहिए। मसलन चंद्र नम्बर 7 में किसी और दो ग्रहों के साथ बैठा हो तो मिलावट या दृष्टि की रौ से जो भी असर ख़ाना नम्बर 1 या 7 में बैठे हुए ग्रहों का चंद्र पर हो सकता है वही असर नर ग्रह यानी बृहस्पत पर लेंगे या यूं कहो कि अगर कोई असर चंद्र या माता पर होता हुआ मालूम होवे तो वह असर चंद्र के साथ कोई और ग्रह (जब सबको मिलाकर दो से ज़्यादा हो जावें) होने पर बृहस्पत या पिता पर होगा। इसी तरह ही शुक्कर नम्बर 7 के साथ कोई दो और दो से ज़्यादा ग्रह होने पर स्त्री (शुक्कर) की बजाए नर ग्रह (मर्द) पर असर लेंगे। यानी ऐसी हालत में ख़ुद टेवे वाले की स्त्री की बजाए वही असर ख़ुद टेवे वाले के अपने जिस्म पर होगा। और वह बृहस्पत, मंगल, सूरज तीनों ही ग्रहों से मुतअल्लिक़ा हो सकता है।

मुतअल्लिक़ा-संबंधित बाक़ी-शेष बचा हुआ अमूमन-प्राय: आमतौर से मसलन-जैसे
शुक्कर-शुक्र ग्रह

Astro Lucky

लगन से कुण्डली का पक्का घर ख़ाना नम्बर 8- मुक़ाम फ़ानी

मौत-अदल[1]

मौत शनि हो मंगल चंद्र[2]
बैठा कोई ग्रह जब तक तीजे

बुध- मंगल नहीं मन्दे हैं
मौत टली ही गिनते हैं

(बाक़ी अगले सफ़्ह : पर)

[1] अदल से मुराद यह है कि इस घर के ग्रह इन्साफ़ (जिस में रहम और अक़्ल दोनों शामिल होते हैं) कि बजाए "अदले का बदला" के उसूल पर अपना असर करेंगे-मसलन किसी ने दूसरे का लड़का क़त्ल कर दिया तो सज़ा के ताल्लुक़ में इसका भी लड़का ही क़त्ल किया जावे। बेशक पहले शख़्स के पांच लड़कों से एक मारा गया और दूसरे प्रानी के हां सिर्फ़ एक ही लड़का हो जिसके क़त्ल के हुक्म पर इसका ख़ानदान ही नष्ट हो जावे। इसी तरह ही इस घर के ग्रह अपना असर करेंगे, और किसी को मुआफ़ करने के लिए रहम या अक़्ल का दख़ल होने न देंगे।

[2] अगर ख़ाना नम्बर 8 में सूरज बृहस्पत या चंद्र में से कोई भी अकेला-अकेला या कोई दो या तीनों ही मुश्तरका बैठ जावें, तो ख़ाना नम्बर 8 न आगे को ख़ाना नम्बर 12 को और न ही पीछे को ख़ाना 2 को देखेगा। बल्कि ख़ाना नम्बर 8 का ऐसा असर सिर्फ़ ख़ाना नम्बर 8 में ही बन्द हुआ गिना जाएगा (गोया मौत) के घर को (सूरज बृहस्पत, चंद्र मुश्तरका की) योगी जंगी जीत लेगा।

सनीचर-मंगल या चंद्र अकेले अकेले इस घर, में हमेशा उम्दा मगर जब कोई दो या तीनों इकट्ठे तो सनीचर मौतों का भण्डारी-चंद्र दौलत व सेहत के बरबाद करने वाला और मंगल में नम्बर 2-6 का मन्दा असर शामिल या वह मंगल बद हर तरह की लानत का देवता जलता ही होगा, बुध नम्बर 8 हमेशा मन्दा, मंगल नम्बर 8 अमूमन बुरा मगर मंगल बुध दोनों मुश्तरका नम्बर 8 में उत्तम होंगे जब तक नम्बर 2 में सनीचर न हो वरना मंगल बद ही होगा, जो मैदाने जंग में मौत का बहाना खड़ा करेगा।

मुश्तरका-मिले जुले	मुक़ाम-पड़ाव, लक्ष्य	फ़ानी-नश्वर, न रहने वाला	अमूमन-प्रायः आमतौर से
मसलन-जैसे	मुआफ़-माफ़ क्षमा		

Astro Lucky

घर 8 वां जब बदी पर आवे — 2-6[1] भी आ मिलते हैं
बैठा 12 ख़्वाह दुश्मन होवे — फ़ैसला[2] उसका लेते हैं
मंगल बद गो सब से मन्दा — बुध पापी नहीं अच्छे हैं
ग्रह 11 घर चीज़ जो आवे[3] — छत गिरी ही लेते हैं

1 8-6 कोई मन्दा तो दोनों मन्दे ।

2 आख़री अपील चंद्र पर होगी।

3 1-ख़ाना नम्बर ग्यारह का ग्रह बमूजिब बर्ष फल ख़ाना नम्बर 8 या 11 में ही आ जावे तो ख़ाना नम्बर 11 में बैठे हुए ग्रह की मुतअल्लिक़ा चीज़ नई ख़रीद कर घर लाने पर सेहत व दौलत दोनों बरबाद होंगे, नम्बर 8 की मन्दी हालत की जड़ ख़ाना नम्बर 4 मार्फ़त नम्बर 2 होगा, जब तक नम्बर 2 ख़ाली तो मन्दी हालत नम्बर 8 तक महदूद होगी,नम्बर 11 में अगर नम्बर 8 का दुश्मन हो,तो नम्बर 8 का बुरा असर नम्बर 2 में न जायेगा।

2-जब नम्बर 8 दुश्मन हो नम्बर 2-11 का तो नम्बर 8 का ग्रह बमूजिब दृष्टि जब कभी भी उसे

मौक़ा मिले 2-11 पर मार कर ही देगा।

Astro Lucky

बमूजिब-अनुसार ख़्वाह-चाहे महदूद-सीमित आख़री-अन्त में मुतअल्लिक़ा-संबंधित
सेहत व दौलत-स्वास्थ्य तथा धन मार्फ़त-द्वारा

लगन से कुण्डली का पक्का घर ख़ाना नम्बर-9 आग़ाज़ क़िस्मत

जड़ बुनियाद ग्रह 9 होता — क़िस्मत का आग़ाज़[1] भी हो
घर दूजे पे बारिश[2] करता — समन्दर घिरा वृह्मण्ड भी हो
घर तीजे का असर हो पहले[3] — बाद मिला घर पांच का हो
कुण्डली मकानां मरकज़ गिनते — हाकिम गिना ग्रह सबका हो
उम्र ग्रह जो अपनी जागा[4] — असर गिना उस उम्र का हो
ऋण पितृ जब टेवे बैठा — रेत समन्दर जलता हो

(बाक़ी अगले सफ़हः पर)

1 क़िस्मत का असल आग़ाज़ ख़ाना नम्बर 9 का ग्रह होगा।

2 नम्बर 9 जब 3-5 ख़ाली तो नम्बर 2 की मार्फ़त जाग पड़ेगा

3 जब नम्बर 3 सोया हुआ हो तो 3-साला उम्र के बाद इसका असर होगा।

4 जनम कुण्डली का सोया हुआ ग्रह जब कभी बमूजिब बर्षफल नम्बर 9 में आने पर जाग पड़े तो वह ग्रह अपनी उम्र से अपनी उम्र के ज़माने तक नेक असर देगा। मसलन सूरज नम्बर 8 में हो तो 22 साला उम्र से 22 साल तक यानी 44 साला उम्र तक नेक असर देगा। यही असर जनम कुण्डली के नम्बर 9 वाले बाक़ी ग्रहों का नम्बर 9 में आने से होगा, मंगल नम्बर 2 का 28 से 28 बृहस्पत नम्बर 2 का 16 से 16 साला सूरज नम्बर 8 का 22 से 22 साल, चंद्र नम्बर 10 का 24 से 24 साल, सनीचर नम्बर 8 का 36 से 36 साल, केतु नम्बर 8 का 48 से 48 साल, राहु नम्बर 4 का 42 से 42 साल सबके सब उत्तम सिवाए

1 -शुक्कर नम्बर 12 का जो सिर्फ़ 25 वें साल मन्दा होगा, जब नम्बर 3 या 5 की दृष्टि से मन्दा हो रहा हो वरना नेक असर देगा।

2 -बुध नम्बर 3 का 17 से 17 मन्दा जब बाक़ी उसूलों से बुध मन्दा हो, वरना नेक असर देगा।

आग़ाज़-आरम्भ मरकज़-केन्द्र बमूजिब-अनुसार मार्फ़त-द्वारा
मसलन-उदाहरण बाक़ी-शेष, बचा हुआ

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर-8

पांच दृष्टि 9 पे करता
रवि चंद्र कोई 9 जब बैठा ل
ज्ञान समन्दर घर 9 वें का
सफ़ेद झण्डा कोहसार पे झूले

निकास औलाद की गिनती जो
नज़र दृष्टि उलटी हो
या फल उम्र हो पहली का
उम्र बुढ़ापा घर 2 का

ل ऐसी हालत में नम्बर 5 में बैठे हुए पापियों का औलाद पर कोई बुरा असर न होगा। मगर बाक़ी सब बातों में वही असर लेंगे जो सूरज, चंद्र से पापियों के ताल्लुक़ पर हो सकता है।

नम्बर 9 के ग्रह की मुतअल्लिक़ा अश्या तिलक की जगह लगाने से नम्बर 9 का असर पैदा होगा।

Astro Lucky

कोहसार-पर्वतमाला
अश्या-चीजे, वस्तुएं
मुतअल्लिक़ा-संबंधित
समन्दर-समुंद्र
औलाद-संतान
ताल्लुक़-संबंध

लगन से कुण्डली का पक्का घर ख़ाना नम्बर-10 क़िस्मत की बुनियाद का मैदान

ग्रह मण्डल 9 ही से टेवे
छः 5 वें ख़्वाह दोस्त उसके
ग्रह 10 वें का घर 10 शक्की
आंख गिवा घर दो जिसकी
घर दूजे के ख़ाली होते
दिन उसी मंदी ग्रह 10 जागे

घर 10 वें जब बैठा हो
दुगनी ज़हर का होता हो
दुगनी ताक़त का होता हो
ख़्वाब 12 में लेता हो
10 वां फ़ौरन सोया।
शनि दूजे जब होया।

अलिफ़ - उस घर बमूजिब बर्षफल आया हुआ ग्रह धोके का ग्रह होगा। जो अच्छा, बुरा दोनों ही तरफ़ हो सकता है, अगर नम्बर 8 मन्दा हो, तो दोगुना मन्दा और अगर नम्बर 2 नेक तो दो गुना उम्दा होगा, अगर दोनों तरफ़ बराबर तो अच्छा असर पहले और बुरा बाद में होगा। अगर नम्बर 8 व 2 दोनों ही ख़ाली हों, तो नम्बर 3-5-11 के ग्रह मददगार होंगे। अगर वह भी ख़ाली हो, तो फ़ैसला सनीचर की हालत पर होगा। (2) जब नम्बर 10 में बाहम लड़ने वाले कोई भी ग्रह बैठे हों तो वह टेवा अन्धे ग्रहों का होगा यानी वह ग्रह हूबहू ऐसे ही ढंग पर असर देगें जिस तरह की दुनिया में एक अन्धा प्रानी चलता फिरता है। ऐसी हालत में फ़ैसला चंद्र की हालत पर होगा, यानी अगर चंद्र उम्दा तो असर उम्दा वरना मन्दा फल लेंगे। (3) अगर ख़ाना नम्बर 10 ख़ाली ही हो तो ख़ाना नम्बर 4 के ग्रहों का कोई नेक फल न हो सकेगा। ख़्वाह उस घर में रिज़्क़ के चश्मे का उभारने के लिए ग्रह लाख दर्जे ही उम्दा क्यों न हो, अपने माता पिता को मिलते रहना मदद देगा। 10 अन्धे मर्दों को इकटठा ही मुफ़्त (बतौर ख़ैरात) ख़ुराक तक़सीम करना (नक़द रुपया पैसा हर्गिज़ नहीं) ख़ाना नम्बर 10 के ग्रहों (मन्दे या बाहम लड़ने वाले) की ज़हर धो सकेगा, राहु-केतु-बुध तीनों ही इस घर में हमेशा शक्की होंगे जो सनीचर की हालत पर चला करते हैं, यानी अगर सनीचर उम्दा तो 2 गुना उम्दा और अगर सनीचर मंदा तो 2 गुना मन्दा असर देंगे।

तक़सीम-विभाजन करना मिलकर | फ़ौरन-तुरन्त, शीघ्र | बमूजिब-अनुसार | बाहम-परस्पर, एक साथ

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर-8

लगन से कुण्डली का पक्का घर ख़ाना नम्बर-11 गुरु अस्थान जाये इन्साफ़ (इन्साफ़ करने कराने की जगह या मुक़ाम मगर ख़ुद इन्साफ़ नहीं) या इन्सानी क़िस्मत की बुनियाद

पाप अकेला असर अकेला
शनि वली का साथ मिले तो
ग्रह 11 जो मन्दा होवे
घर ग्यारह[11] से चलकर अपने
क़िस्मत का ग्रह घर उस तीजे
ख़ाली तख़्त[1] 3-11[3] सोवे
उम्र पहली में 11 शक्की[2]
ख़ुद तीजा हो बेशक रद्दी[3]

तीन-पांच 9 ग्यारां[11]
असर बढ़े गुना ग्यारां[11]
असर में सबसे उम्दा हो
बैठा तख़्त[1] पर जिस दिन हो
मदद न पांच से होती हो
लिखत शनि पर चलती हो
घर तीजा जब मन्दा हो
मौत आई 8 रोकता हो

(बाक़ी अगले सफ़्हः पर)

1 -11-23-36-48-57-72-84-94-105-119 साला उम्र ।

2 नम्बर 3 में बृहस्पत के दोस्त (सूरज, चंद्र व मंगल) तो नम्बर 11 हमेशा नेक असर देगा।

4 -ख़ाना नम्बर 8 के ग्रह मुतअल्लिक़ा की या से आई हुई मौत।

नम्बर 3 में केतु के दोस्त (शुक्कर-राहु) तो नम्बर 11 हमेशा नेक असर देगा।

3 -ख़ाना नम्बर 11 का ख़ाना नम्बर 3 देखा करता लेकिन ख़ाना नम्बर 11 का असर उसी वक़्त ही मुकम्मल जागता हुआ माना जाएगा जबकि ख़ाना नम्बर 3-1 दोनों ही घरों में कोई न कोई ग्रह ज़रूर हो।

ग्यारां-ग्यारह चंद्र-चंद्रमा तीजा-तीसरा मुकम्मल-पूरी तरह से सफ़्हः-पृष्ठ

Astro Lucky

खुद बेड़ी को पानी चलावें
ग्रह 11 घर चीज़ जो लावें
घर 11- में ग्रह जो आवे
असर मगर उस घर में जावें

डूब डुबाते वह नहीं हैं
मौत खड़ी ही करते हैं
तासीर शनि वह होता हो
गुरु जहां टेवे बैठा हो

इन्सान का ज़ाती हाल (आमदन-कमाई-जन्म वक़्त) या इन्सान (टेवे वाले) का कुल दुनिया से ताल्लुक़ और सबकी मुश्तरका क़िस्मत का मैदान या पेशानी हर शख़्स अपने साथ लिये फिरता है।

इस घर में केतु होने पर चंद्र बरबाद और चंद्र होने पर केतु बरबाद इसी तरह ही इस घर में बृहस्पत होने पर राहु बरबाद और राहु होने पर बृहस्पत बरबाद होगा।

1 जब बमूजिब जनम कुण्डली या बर्षफल ख़ाना नम्बर 8 और ग्यारह बाहम दुश्मन हों तो नम्बर 11 के ग्रह की मुतअल्लिक़ा चीज़ टेवे वाले के किसी काम न आएगी बल्कि ऐसे सदमे या मन्दी सेहत की निशनी होगी कि जिससे पीठ टूटी हुई या घर के मकान की छत गिरी हुई की तरह मातम का ज़माना होगा, ऐसी हालत में ख़ाना नम्बर ग्यारह के ग्रह कि मुतअल्लिक़ा चीज़ के साथ ही उस ग्रह (ख़ाना नम्बर 11 वाले) के दोस्त ग्रह या ऐसे ग्रह की मुतअल्लिक़ा चीज़ भी साथ ही ले आवे, जो ग्रह के मन्दे असर को नेक कर लेवे मसलन सनीचर नम्बर 11 हो तो सनीचर की अश्या के साथ ही केतु की मुतअल्लिक़ा अश्या ले आना मुबारक होगा। यानी अगर मकान बनाओ तो कुत्ता साथ ही ले आओ (रख लो) मशीनें ख़रीदो तो बच्चे की खेलों का सामान खिलौने वग़ैरह ज़रूर साथ ही ख़रीद लाओ। इस तरह पर सनीचर बुरे असर की बजाए और भी भला असर देगा।

2 मसलन बुध 11 सनीचर 12 बृहस्पत शुक्कर 7 उम्दा गृहस्त सूरज 11 सनीचर 3 बृहस्पत 2 क़र्ज़ाई।

मुतअल्लिक़ा-संबंधित
बमूजिब-अनुसार
अश्या-चीजे वस्तुएं
शख़्स-आदमी, मनुष्य व्यक्ति
क़र्ज़ाई-ऋणग्रस्त

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर-8

ख़ाना नम्बर 11 के ग्रह सिवाए पापी ग्रहों के बेएतबारी हालत के होंगे अगर नम्बर 3 ख़ाली हो तो अमूमन नेक फल तख़्त में आने के दिन से शुरू करेंगे। और ख़ाना नम्बर 8 ⅃ में आने के वक़्त मन्दा असर देंगे। मन्दी हालत में ग्रह मुतअल्लिक़ा की कुल मुक़र्ररा उम्र की मियाद के बाद नम्बर 11 में बैठे हुए या उसके दोस्त ग्रह की मुतअल्लिक़ा चीज़ का उपाओ मददगार होगा। बशर्ते कि पापी ग्रह से कोई उस वक़्त बर्षफल के हिसाब से ख़ाना नम्बर 1 में न हो। अगर कोई पापी नम्बर 1 में ही हो तो ख़ाना नम्बर 9 में आए हुए ग्रह कि मुतअल्लिक़ा चीज़ के उपाओ से नेक असर होगा। अगर ख़ाना नम्बर 9 ख़ाली ही होवे तो बृहस्पत का उपाओ मददगार होगा।

⅃ -ख़ाना नम्बर 11 के ग्रह किस साल ख़ाना नम्बर 8 में आएंगे।

7-20-34-45-53-67-79-92-97-113

Astro Lucky

बेएतबारी-धोखा मियाद-समय अमूमन-आमतौर से उपओ-उपाय
मुतअल्लिक़ा-संबंधित

ख़ाना नम्बर 11 के ग्रहों की बेएतबारी की हालत

ख़ाना नम्बर 11 में बैठे हुए ग्रह का असर

ख़ाना नम्बर 11 में ग्रह बैठा हो	नेक हालत में	बुरी हालत में
बृहस्पत नम्बर 11	जब तक टेवे वाला ख़ानदान में मुश्तरका रहे और पिता ज़िन्दा हो तो सांप भी सज्दा करे	जब पिता से अलाहदा और चाल चलन का ढीला या जनम कुण्डली के हिसाब से मन्दे ग्रहों के कारोबार या रिश्तेदार का हद से ज्यादा ताल्लुक़दार हो तो मच्छर का मुकाबला न कर सके और कफ़न तक पराया हो
सूरज नम्बर 11	जिस क़दर धर्मात्मा और सफ़ा (सूफ़ी की) ख़ुराक और पोशाक का मालिक रहे उसी क़दर उत्तम	जब सनीचर की ख़ुराक (गोश्त शराब) खाता हो तो बिधाता ख़ुद अपनी क़लम से लावल्दी का हुक़्म लिख देगा
चंद्र नम्बर 11	ज़िन्दगी और साहिब परिवार हो अगर टेवे में बृहस्पत और केतु उम्दा तो माया और औलाद की माता के बैठे तक भी कोई कमी न होगी।	माता के ज़िन्दा होते हुए नर औलाद शायद ही माता को तो देखनी नसीब होगी।

लावल्दी-निःसन्तान, कपड़ा बेएतबारी-धोखा बिधाता-विधाता अलाहदा-अलग भिन्न कफ़न-मुर्दे को दिया जाने वाला

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर-8

ख़ाना नम्बर 11 में कौन ग्रह बैठा हो	नेक हालत में	बुरी हालत में
शुक्कर नम्बर 11	दौलत का भण्डारी जब जक औरत के भाई मौजूद या मंगल उम्दा हो (जनम कुण्डली में)	वरना बुद्ध, बुज़दिल और हिजड़ा और धन दौलत से दुखिया ही होगा।
मंगल नम्बर 11	बृहस्पत के पीछे पीछे क़दम पर क़दम रखने वाला बहादुर चीते की तरह ज़माने की अन्धेरी रातों को भी उबूर करके अपना शिकार या दिली ख़्वाहिश पा लेगा।	वरना दुम को आग लगी हुई हालत में लंका से भागते हुए हनुमान जी की तरह समन्दर के पानी (अपना रिज़क़ और आमदन) की तलाश में भागता होगा।
बुध नम्बर 11	चंद्र-बृहस्पत और सनीचर से मारे हुए यानी माता पिता के हां जनम लेने के दिन और दुनिया के ग़ैबी अन्धेरे से निकलकर आंखो के देखने के वक़्त से ही दुखिया होने वाले को अपने वक़्त में हर तरह और हर हालत से डूबे होने पर भी ज़िन्दा करके तार देगा।	ऐसी खोटी अक़्ल का मालिक जो पौधे को जड़ से ही उखाड़ देवे और ख़ुद भी गिरने वाले दरख़्त के नीचे आकर दब मरे।
सनीचर नम्बर 11	बिधाता की तरफ़ से लावल्दी के	वरना भरी बेड़ी को मंझदार

ख़्वाहिश-इच्छा, ख़्वाहिश-चाह, लालसा, इच्छा
दरख़्त-पेड़, मौजूद-उपस्थित, हाजिर
रिज़क़-रोजी, जनम-जन्म

Astro Lucky

ख़ाना नम्बर 11 में कौन ग्रह बैठा हो	नेक हालत में	बुरी हालत में
	लिखे हुक्म को भी दूर करके बच्चे की पैदाइश का हुक्म देगा और तमाम दुनिया के ज़हरों और हर तरह के मुख़ालेफ़ीन के बरखिलाफ़ अकेला ही हर तरह से पूरी हिफ़ाजत करेगा और धरम ईमान में सच्चे होने का पूरा सबूत देगा।	(ऐन समन्दर के दरमियान) पहुंच कर बेड़ी का चप्पू सिर सिरहाने रखकर अचानक सो जायेगा और अपनी आल औलाद को ऐसी अधूरी हालत में छोड़कर मरेगा कि उनकी आहों को सुनने वाला शायद ही कोई गृहस्ती मददगार होगा- या हो सकेगा।
राहु नम्बर 11	इतने मुतकब्बिर और अपनी कमाई पर क़ाबिज़ कि अपने मां-बाप से भी कौड़ी पाई तक न लेंगे-ताकि इस पर कोई एहसान न हो जावे ख़ुद कमाएंगे और सोना बनाएंगे मगर अपने जनम से पहले के मिले हुए सोने को ख़ाक कर दिखाएं गें। न बृहस्पत(पिता) का लिहाज़ न राहु (ससुराल) के जेलख़ाने काहे तूर/नूर पर बैठे ख़ुदा की ज़ियारत कर रहे होंगे।	जनम लेते ही अपनी मियाद से पहले अगर सब के सांस और जिस्म के ख़ून (ख़ास कर बाप या बाबे के) को संखिया और अफ़ीम से ज़हरीला बरबाद और बन्द न कर दिया तो ऐसे टेवे वाले के जनम लेने का किसी को पता ही क्या लगेगा। यानी अगर अफीम से मरे या संखिया से चल बसे या हीरा चाट गए- कोयला से राख़ हुए जो कुछ कहो सच मगर वह तमाशा देखने के लिए हर वक़्त हाज़िर नाज़िर (ज़िन्दा) होगा।

मुतकब्बिर-घमंडी क़ाबिज़-जिसका अधिकार हो, कब्जा हो ज़ियारत-दर्शन, तीर्थ यात्रा दीदार
मुख़ालेफ़ीन-विरोध करने वाले विरोधगण दुश्मन लोग हिफ़ाज़त-रक्षा, बचाव, देख रेख

Astro Lucky

ख़ाना नम्बर 11 में कौन ग्रह बैठा हो	नेक हालत में	बुरी हालत में
केतु नम्बर 11	आल औलाद की ख़्वाहिश और केतु की अश्या रिश्तादार या दीगर कारोबार मुतअल्लिक़ा केतु का फल 11 गुना नेक (उम्दा) होगा, जब ख़ाना नम्बर 5 में चंद्र या बृहस्पत न हो ।	ख़ुद अपना केतु यानी आल औलाद और शनि और चंद्र का फल हद से ज़्यादा निकम्मा होगा।

ख़ाना नम्बर 11
क़ियाफ़ा-पेशानी:-

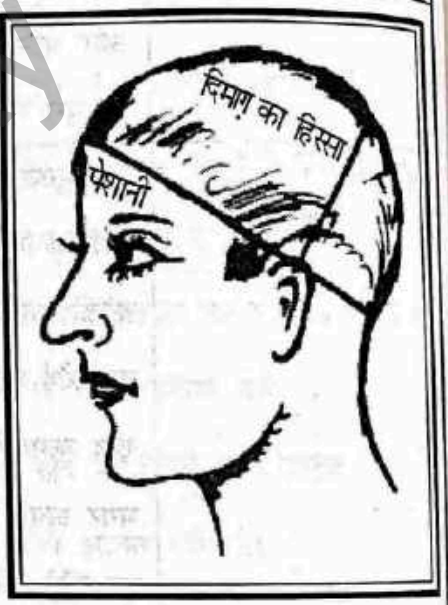

दिमाग़ का ख़ाना नम्बर 35 कुण्डली का ख़ाना नम्बर 11 पेशानी से मौसूम किया गया है। अब्रू से ऊपर और दिमाग़ की हद से नीचे कान के सुराख़ से 90 दर्जा पर खिंचा हुआ ख़त दिमाग़ के हिस्सा को सिर और अब्रू से अलाहदा कर देता है, जो पेशानी होगी। इन्सान का ज़ाती हाल इन्सान का कुल दुनिया से ताल्लुक़ और सबकी मुश्तरका क़िस्मत का मैदान या पेशानी हर शख़्स अपने साथ लिए फिरता है। गोया पेशानी पर सबकी मुश्तरका क़िस्मत लिखी है। यह हिस्सा हमेशा ज़माने कि हवा से टकराता और इन्सानी क़िस्मत पर बृहस्पत का असर डालता है, दिमाग़ी ख़ानों में ख़ाना नम्बर 35 (पेशानी) के पीछे ख़ाना नम्बर 20 (सूरज) और ख़ाना नम्बर 21 (चंद्र) चमक रहे हैं। जिन दोनों के ऊपर ख़ाना नम्बर 13 सनीचर का घर है।

ख़्वाहिश-इच्छा अलाहदा-अलग, भिन्न अश्या-चीजे, वस्तुएं दीगर-अन्य और दूसरा
अलाहदा-अलग, भिन्न पेशानी-ललाट, माथा आल औलाद-संतान, वंश

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर-8

पेशानी की चौड़ाई कुल चेहरा की लम्बाई का $\frac{1}{4}$ (एक बटा चार अगर चार हिस्से किए जावें, तो चार में से सिर्फ़ एक हिस्सा) नेक होती है। पेशानी की इस मिक़दार से जिस क़दर चौड़ाई बढ़े उस क़दर नेक असर ज़्यादा बढ़े और मुबारक होवे।

ग्रह चाल	पेशानी की क्या हालत हो बरूए क़ियाफ़ा	तो ख़ाना नम्बर 11 का क्या असर होगा।
1-ख़ाना नम्बर 2 के बृहस्पत से या ख़ाना नम्बर 2 से बज़रिया दृष्टि वग़ैरह जिस क़दर ज़्यादा केतु का ताल्लुक़ होवे	उसी क़दर पेशानी चौड़ी होगी।	उसी क़दर ही नेक असर ज़्यादा होगा।
2-ख़ाना नम्बर 8 का 2 की मार्फ़त ख़ाना नम्बर 6 में असर जावे। केतु जब बृहस्पत के साथ या बृहस्पत के घरों (2-5-9-12) में हो।	कुशादा पेशानी होगा	अक़्ल की बारीकी ज़्यादा होगी।
3-जिस क़दर केतु का ताल्लुक़ ख़ाना नम्बर 2 के बृहस्पत या ख़ाना नम्बर 2 से कम होवे।	उसी क़दर पेशानी लम्बी होगी।	उसी क़दर नेक असर कम होगा।

मिक़दार-मात्रा मार्फ़त-मदद, द्वारा क़ियाफ़ा-सामुद्रिक शास्त्र बज़रिया-के द्वारा
कुशादा-चौड़ा

AstroLucky

फ़रमान नम्बर-8

ग्रह चाल	पेशानी क क्या हालत हो बरूए क़ियाफ़ा	तो ख़ाना नम्बर 11 का क्या असर होगा
4-ख़ाना नम्बर 2 का असर ख़ाना नम्बर 6 की मार्फ़त ख़ाना नम्बर 12 में जावे ।	पेशानी के ऊपर का हिस्सा बाहर को उभरा हुआ हो	कुव्वत दरियाफ़्त और चाल चलन उम्दा होगा
5-ख़ाना नम्बर 8 का असर ख़ाना नम्बर 11 की मार्फ़त (जिस के लिए मुफ़स्सिल ख़ाना नम्बर 8 में देखें) ख़ाना नम्बर 2 में जावे	पेशानी का निचला हिस्सा बाहर को उभरा हुआ हो	कुव्वते ख़याल नेक तरफ़ काम करने वाली होगी।
6-ख़ाना नम्बर 2 में ख़ाना नम्बर 8 के मन्दे ग्रहों(मंगल बद वग़ैरह) का असर मिल रहा हो।	तिलक लगाने की जगह छोड़कर बाक़ी पेशानी पर निशानात का असर सिर्फ़ उम्र की कमी बेशी पर होगा, पेशानी पर तिकोन, तराज़ू, मछली, त्रिशूल, आंकस, पदम, पंखा, तलवार, या परिन्द में से कोई भी ऐसा निशान हो पेशानी पर कौवे के पांव का निशान हो	अज़ीज़ों व रिश्तेदारों का सुख नसीब होवे। कम उम्र और मन्द भाग होगा
7-ख़ाना नम्बर 2 मे बृहस्पत के दुश्मन ग्रह (शुक्कर-बुध) ग्रह या केतु के दुश्मन ग्रह चंद्र मंगल हों	पेशानी पर टूटी फूटी लकीरें बहुत हों या उनका झुकाव नीचे की तरफ़ मानिन्द ⌐ हो या ⌒ हो	अल्प आयु यानी कम उम्र और ज़िन्दगी उम्र के 8 वें साल 8-16-24-32-40-48-56-64 (8x8) ख़तरा में होगी।

क़ियाफ़ा-सामुद्रिक विद्या
मार्फ़त-मदद, द्वारा
दरियातफ़्त-जांच, परख
मानिन्द-की तरह से, तुल्य
पेशानी-ललाट, पूछताछ
कुव्वते-शक्ति बल

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर-8

ग्रह चाल	पेशानी की क्या हालत हो बरूए क़ियाफ़ा	तो ख़ाना नम्बर 11 का क्या असर होगा
8-ख़ाना नम्बर 2 में 7 मन्दे ग्रह हों	पेशानी पर सात या ज़्यादा लकीरें।	क़ज़्ज़ाक़ -डाकू-उम्र 50 साल।
9-नम्बर 2 में मंगल-बुध या सूरज-बुध	सूर्ख़- रंग नाड़ें	कम उम्र होवे।
10- राहु- बृहस्पत मुश्तरका नम्बर 2 या अकेला बुध नम्बर 2 में	सब्ज़ रगं नाड़ें ख़्वाह मर्द ख़्वाह औरत।	मुबारक और ख़ुश क़िस्मत होवे।

क़ज़्ज़ाक़-डाकू, लूटेरा, दस्यु
क़ियाफ़ा-सामुद्रिक शास्त्र
सब्ज़-हरा
सुर्ख़-लाल
ख़्वाह-चाहे
मुश्तरका- सांझी
पेशानी-माथा, ललाट

AstroLucky

लगन से कुण्डली का पक्का घर ख़ाना नम्बर 12-इन्साफ़ मगर इन्साफ़ करने कराने की जगह नहीं) आरामगाह ख़्वाब-अवस्था इन्सान का सिर

घर 12 न ग्रह जो बोले
फल घर 12-2 का इकट्ठा
एक जनम से दूजा शुरु हो
सुख दौलत और सांस आख़री

घर 2 में वह बोलता है
साधु समाधि होता है
12 जहां 2 होता है
हुक्म बिधाता होता है

1- कुण्डली के तमाम ग्रहों की अपील ख़ाना नम्बर 12 पर होगी-यानी ख़ाना नम्बर 12 का फ़ैसला सबसे आख़री फ़ैसला होगा लेकिन अगर ख़ाना नम्बर 12 के लिए ख़ुद अपनी अपील की ज़रूरत हो तो ख़ाना नम्बर 2 पर होगी या ख़ाना नम्बर 12 के ज़ाती ताल्लुक ख़ाना नम्बर 2 का फ़ैसला सबसे आख़री फ़ैसला होगा। अमूमन नम्बर 11 का पहला दुनियावी हाकिम (बलिहाज़ मुलाज़मत वग़ैरह) और नम्बर 1 कुण्डली का राजा होता है, मगर नम्बर 12 के लिए (बमूजिब जनम कुण्डली) नम्बर 1 के ग्रह की उम्र (मसलन सूरज नम्बर 1 तो 22 साला) गुज़रने के बाद नम्बर 2 अपील का काम देगा। जिसका आख़री मुन्सिफ़ केतु होगा अगर बमूजिब जनम कुण्डली नम्बर 1 ख़ाली हो या नम्बर 1 के ग्रह की उम्र (मसलन मंगल नम्बर 1 तो 28 साला) के बाद नम्बर 1 ख़ाली हो जावे तो सबसे आख़री मुन्सिफ़ चंद्र होगा-लेकिन नम्बर 1 की उम्र के अन्दर अन्दर आख़री हाकिम हमेशा नम्बर 1 का ग्रह ही होगा वास्ते तमाम दीगर हालात (2) नम्बर 12 के ग्रह का मुतअल्लिक़ा रिश्तेदार टेवे वाले के आराम पैदा करने के ताल्लुक में ख़ुदाई ताक़त का मालिक होगा। जिसके बाद उस ग्रह की मुतअल्लिक़ा चीज़ क़ायम करने से सुख सागर होगा। मसलन बृहस्पत नम्बर 12 हो तो पिता, बाबा, ज़िन्दा होने के वक़्त तक टेवे वाले की रात हमेशा आराम से गुज़रेगी। उनकी वफ़ात के बाद बृहस्पत की अश्या बवक़्त रात क़ायम रखना आराम देगा (3) नम्बर 8 मन्दा और नम्बर 2 ख़ाली हो या जब नम्बर 12 और नम्बर 8 दोनों ही घर में ऐसे ग्रह हों जो इकट्ठे हो जाने पर मन्दे हो जावें तो मन्दिर मे पूजा पाठ यात्रा वग़ैरह के लिए जाने की बजाए मन्दिर से दूरी बेहतर वरना ख़ाना नम्बर 8-12 की मन्दी टक्कर होगी, मसलन बुध 8 सनीचर 12 लड़कियों बीनाई बरबाद जब बाप मन्दिर में जावे।

मुलाज़मत-नौकरी, सेवा | घटनाएं | मुन्सिफ़-न्यायकर्त्ता | वफ़ात-मृत्यु
बिधाता-विधाता | मसलन-जैसे | बमूजिब-अनुसार

Astro Lucky

12 ही पक्के घर मुश्तरका

धन की थैली 7 वें होवे — मर्द बोलते 6 वें हैं
घर 8 वें से उम्र मिले तो — बने महल घर दूसरे हैं
घर 5 वां औलाद का गिनते — 11 होता घर धरमी है
अंग जिस्म घर पहले होते — साथ लगी 9 बुज़ुर्गी है
चश्मा दौलत घर चौथे निकले — मैदान रिज़्क़ घर 10 का हो
आख़ीर वक़्त घर तीसरे चलते — ख़्वाब पाया घर 12 हो
ख़रबूज़ा देख ख़रबूज़ा पके — 9 पहले और सात ग्यारह
चोरां टोली एको बोली — बुध शनि और शुक्कर यारां

जिस्मानी:-

नम्बर 2-6-12(तीनों ही) में कोई न कोई ग्रह ज़रूर हो तो क़ुव्वत दरियाफ़्त व चाल चलन उम्दा होगा।

इन्सान की जिस्मानी ताक़त से मुतअल्लिक़ा होगा ख़ाली ख़ाना नम्बर 10 (उंगलियों का दरमियानी हिस्सा)

रूहानी:-

नम्बर 2-8 (दोनों ही) में कोई न कोई ग्रह ज़रूर हो, और नम्बर 8 का असर नम्बर 2 में पहुंच रहा हो, यानी नम्बर 11 में नम्बर 8 का दुश्मन न हो,तो अक़्ल की बारीकी व क़ुव्वते ख़याल उम्दा होगी, ख़ाली

ख़ाना नम्बर 2 उंगलियों की नाख़ून वाली पोरी या टुकड़ा रूहानी ताक़त से मुतअल्लिक़ा होगा।

दरमियानी-मध्य में मुतअल्लिक़ा-संबंधित आख़ीर-अन्त में रिज़्क़-रोजी

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर-8

ख़ाना नम्बर 1 ता 3 पहली अवस्था-4 ता 6 दूसरी अवस्था - 7 ता 9 तीसरी अवस्था 10 ता 12 चौथी अवस्था बतलाएगा, या दूसरे लफ़्ज़ों में:-

पहली अवस्था 25 दूसरी 50 तीसरी 75 चौथी 100 साला उम्र तक।

नफ़्सानी :-

ख़ाली ख़ाना नम्बर 12 उंगलियों का निचला हिस्सा, नफ़्सानी ताक़त से मुतअल्लिक़ा होगा।

ख़ाली ख़ानों के लिए :-

आमतौर पर ख़ाली ख़ाने की हालत में ख़ाली नम्बर वाली राशि का मालिक ग्रह लेते हैं। ख़ाना नम्बर 6 व 12 में बुध व बृहस्पत के साथ केतु व राहु का निवास भी माना है। इसलिए हर दो में से कौन सा एक होगा:-

बृहस्पत जब - अपनी दूसरी राशि नम्बर 9 में हो तो ख़ाली नम्बर 12 का मालिक राहु होगा। लेकिन

बुध जब अपनी दूसरी राशि नम्बर 3 मे हो तो ख़ाली नम्बर 6 का मालिक केतु होगा। अगर

1- बृहस्पत 9-12 में से किसी जगह भी न हो तो ख़ाली नम्बर 12 में बृहस्पत राहु दोनों ही मुश्तरका या मस्नूई बुध होगा।

2- बुध 3-6 में से किसी जगह भी न हो तो ख़ाली नम्बर 6 में बुध केतु दोनों ही मुश्तरका हो सकते हैं, लेकिन जहां बुध ज़बरदस्त होगा केतु वहां कमज़ोर होगा। इसलिए ऐसी हालत में ख़ाली ख़ाना नम्बर 6 का मालिक बुध या केतु में से कोई एक लेंगे। जो कि दोनों में से (प्रबल या ज़बरदस्त हो) उस कुण्डली में (जनम कुण्डली के हिसाब से) उम्दा होवे क्योंकि ख़ाली ख़ाना नम्बर 6 हमेशा नेक मायनों में होता है। इस लिए दोनों में से कमज़ोर या मंदे को अब खाना नम्बर 6 का मालिक नही लेंगे। ख़ाली ख़ाना नम्बर 9 का मालिक बृहस्पत और नम्बर 6 ख़ाली का मालिक बुध होगा। बाक़ी ख़ाली ख़ानों के लिए उस ख़ाली राशि नम्बर का मालिक ग्रह (घर का) लेवें।

नफ़सानी-विलास सामग्री, वासना से संबंधित मुतअल्लिक़ा-संबंधित मुश्तरका-सांझी
मस्नूई-बनावटी

Astro Lucky

क़ियाफ़ा:-

(हमसाये ग्रह) हथेली की बैरूनी हुदूद का असर

1- अगूंठे और तर्जनी की जड़ का दरमियानी फ़ासला (जिसमें मंगल नेक और बृहस्पत है) हौसला और अन्दरूनी दिली ताक़त की मज़बूती से मुतअल्लिक़ा है।

2- तर्जनी और मद्धमा की जड़ों का दरमियानी फ़ासला (बृहस्पत और सनीचर का दरमियान) क़ुव्वते ख़याल सोच विचार की ताक़त से मुतअल्लिक़ा है।

3- मद्धमा और अनामिका की जड़ों का दरमियानी फ़ासला (सनीचर व सूरज का दरमियान) ख़यालात की आज़ादी ज़ाहिर करता है। मौक़ा के मुताबिक़ लट्टू की तरह फ़ौरन पहलू बदल लेने वाला होगा।

4- अनामिका और कनिष्का की जड़ों का दरमियानी फ़ासला (सूरज और बुध का दरमियान) ख़ुद काम करने की ताक़त व आदत ज़्यादा, दूसरों की कमाई की तरफ़ उम्मीदें रखने की बजाए ख़ुद अपनी कमाई में बरकत पर शुक्र व सब्र करने वाला होगा।

5-कनिष्का की जड़ और बुध का हिस्सा हथेली से बाहर को निकाला हुआ, सिर्फ़ बुध के बुर्ज की हद, बोलने की ताक़त से लोगों में रसूख पैदा करने की ताक़त ज़्यादा।

6-शुक्कर की जड़ से चंद्र की जड़ का हिस्सा जो बाज़ू की चौड़ाई या कलाई की चौड़ाई होगी। दिली मुहब्बत और लगन, शुक्कर या औरत की लगन क़ुव्वते नफ़्सानी (इश्क़ व मुहब्बत) माता की मुहब्बत पितरों या बुज़र्गों की सेवा की ताक़त से मुतअल्लिक़ा होगी।

हथेली की चारों तरफ़ें:-

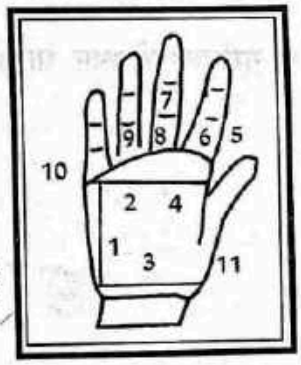

1-बुध से चंद्र की तरफ़ की लम्बाई वाला हिस्सा, जिस क़दर ज़्यादा लम्बाई उसी क़दर ज़ुबान की ताक़त ज़्यादा और जिस क़दर कनिष्का की जड़ से बाहर को उभरी हुई या निकली हुई

बैरूनी-बाहर वाला, विदेशी रुसूख-ख्याति, मेल- मिलाप हुदूद-सीमाएं, हदें
क़ियाफ़ा-सामुद्रिक शास्त्र मुतअल्लिक़ा-संबंधित क़ुव्वते-शक्ति, बल

Astro Lucky

उसी क़दर रुसूख पैदा करने की ताक़त और रुसूख पैदा किया हुआ ज़्यादा होगा।

2- बृहस्पत से बुध की तरफ़ उंगलियों की जड़ वाला हिस्सा, जिस क़दर लम्बाई ज़्यादा उसी क़दर ज़हनी और दिमाग़ी ताक़त ज़्यादा होगी, और उसी क़दर बुध के बुर्ज की पाएदारी होगी।

3- शुक्कर से चंद्र वाला हिस्सा जिस क़दर लम्बाई, उसी क़दर ख़्वाहिशाते नफ़्सानी या शुक्कर की ताक़त ज़्यादा या शुक्कर का असर ज़्यादा होगा।

4- शुक्कर की जड़ से बृहस्पत के आख़ीर तर्ज़नी की जड़ तक का हिस्सा, जिस क़दर यह लम्बाई ज़्यादा उसी क़दर ज़ाती हौसले में ज़्यादा या अंगूठे की ताक़त ज़्यादा या मंगल नेक का नेक असर ज़्यादा होगा।

नम्बर 1:-

हथेली भारी या मोटी-लालची होगा। मामूली दर्जा की ज़िन्दगी वाला, क्योंकि इस हालत में तर्जनी हासिद, मद्धमा बे बुनियाद ख़यालात, अनामिका मशहूरी पसंद कनिष्का बेवफ़ा ,ज़ाहिर करती है।

नम्बर 2 :-

हथेली लाग़र या पतली और कमज़ोर सी-ग़रीबाना हालत व ग़रीबाना रोज़गार वाला होगा।

ख़्वाहिशात-इच्छाएं
नफ़्सानी-विलास सामग्री
रसूख-ख्याति संबंध, मेल-मिलाप
ख़्यालात-विचार, ध्यान

Astro Lucky

नम्बर 3 :-

हथेली लम्बी, ज़ुबान में ज़ाहिरदारी या ज़ाहिर करने की ताक़त ज़्यादा हो, जिस क़दर लम्बाई ज़्यादा होवे, उसी क़दर यह ताक़त ज़्यादा होवे।

नम्बर 4:-

लम्बी व गोल हथेली वाला-हुक्मरान, ख़ुशगुज़रान आसूदा हाल होवे।

Astro Lucky

ज़ाहिरदारी-बनावट दिखावा, टीम टाम
हुक्मरान-आदेश आज्ञा
आसूदा-खुशहाल
क़दर-आदर सत्कार, सम्मान
ज़ाहिर-प्रकाशमान, चमकीला

सोए हुए पक्के घर या पक्के घरों में बैठे मगर सोए हुए ग्रह

ग्रह सोए हुए या सोए हुए घर से मुराद यह है कि वह ग्रह या घर सब कुछ होते हुए भी अपना कोई नेक असर न देगा।

कुण्डली

पहले घर ख़ाना
नम्बर 1 ता 6

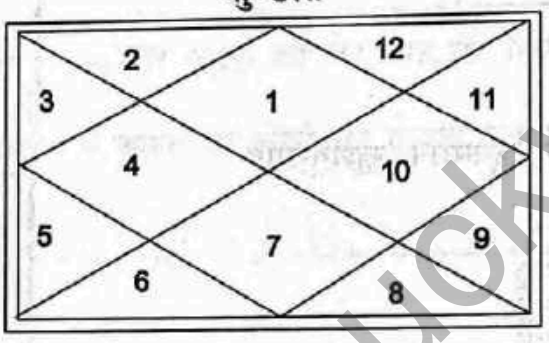

बाद के घर ख़ाना
नम्बर 7 ता 12

एक अकेले न कोई दुश्मन — न ही दोस्ती होती है
रियाया बिना न राजा कोई — न ही वज़ीरी होती है
एक से 6 तक तरफ़ जो पहली — हिस्सा दायां कहलाती है
बाद के घर 7 वें से 12 — तरफ़ बाई हो जाती है
तरफ़ पहली न ग्रह हो कोई — बाद के ग्रह सोए होते हैं
घर जब बाद का ख़ाली होवे — तरफ़ सोई पहली गिनते हैं
जिस घर में ग्रह हो कोई बैठा — जागता घर वह लेते हैं
जागे घर न ही असर ग्रह का — जब तलक ख़ाली होते हैं

(बाक़ी अगले सफ़्हः पर)

सफ़्हः-पृष्ठ
बाक़ी-शेष, बचा हुआ
रियाया-प्रजा
वज़ीरी-मंत्री, सचिव
तलक-और भी

Astro Lucky

ऊंच दृष्टि कितना ही होवे — निर्बल प्रबल किसी भी घर
घर दृष्टि का जब तक ख़ाली — असर जावे न दूसरे घर
घर 9-11 गुरु से जागे — चंद्र से 8-4-2 घर
रवि जगाता घर 5 वां तो — शुक्कर जगावे सातवां घर
शनि से 10 वां राहु 6 को — बुध जगाता है तीसरा घर
मंगल से घर पहला जागे — केतु जगावे बारहवां घर

सोया हुआ घर:-

जिस घर में कोई ग्रह न हो या जिस घर पर किसी ग्रह की दृष्टि न पड़ती हो वह घर सोया हुआ होगा।

सोया हुआ ग्रह:-

जिस ग्रह की दृष्टि में मुकाबला पर कोई ग्रह न हो, वह ग्रह ख़ुद ही जोकि पहले घरों का है सोया हुआ होगा।

1- कुण्डली के ख़ाना नम्बर 1 ता 6 पहली तरफ़ और लगन से नम्बर 7 ता 12 बाद की तरफ़ मानी गई है। अगर पहली तरफ़ कोई ग्रह न हो, तो बाद के ग्रह सोए हुए माने जाएंगे लेकिन जब बाद का घर ख़ाली हो तो पहली तरफ़ सोई हुई होगी, हर हालत में सोये हुए ग्रह का असर बाद के घर में नहीं जा सकता। ग्रह बैठा होने वाला घर हमेशा जागता होगा। और पक्के घर का मालिक ग्रह (मसलन शुक्कर ख़ाना नम्बर 7 या मंगल ख़ाना नम्बर 3 में) हर हालत में जागता हुआ गिना जाएगा।

जब पहले घरों में कोई ग्रह न हो तो बाद के घरों के ग्रह सोये हुए माने जाते हैं। ऐसी हालत में क़िस्मत के ग्रह को जगाने वाले ग्रह

बारहवां-ख़ाना नम्बर 12 घर — मसलन-उदाहरण — शुक्कर-शुक्र ग्रह — क़िस्मत-भाग्य, क़िस्मत
मुकाबला-आमना-सामना, समानता, बराबरी

Astro Lucky

की तलाश की ज़रूरत होगी और अगर बाद के घर ख़ाली हों, तो ख़ाना नम्बर को जगाने वाले ग्रह के उपाओ की ज़रूरत होगी, जो कि ख़ाली है, (ग्रह का जागना और ख़ाना नम्बर का जागना दो जुदी जुदी बातें है।

बग़ैर जगाए सोया हुआ ग्रह अगर ख़ुद ब ख़ुद जाग उठे, यानी अपना फल देना शुरु कर दे तो ऐसे जागे हुए ग्रह की आम उम्र (मसलन शुक्कर 3 मंगल 6 केतु 3 साल वग़ैरह) के आख़री साल फ़र्ज़न शुक्कर शादी के तीसरे साल पर सब ही ग्रह का मन्दा फल कर देगा, ख़्वाह वह ग्रह ख़ुद ब ख़ुद जागे हुए ग्रह के दोस्त हों या दुश्मन

कौन ग्रह जगा देगा	मंगल	चंद्र	बुध	चंद्र	सूरज	राहु	शुक्कर	चंद्र	बृहस्पत	सनीचर	बृहस्पत	केतु
सोया घर नम्बर	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12

2- सोए हुए ग्रह को जगाने वाले घर, (बहैसियत पक्का घर) के मुतअल्लिक़ा ग्रह का रिश्तेदार क़ायम होते हुए कोई मन्दा असर न होगा। मसलन शुक्कर नम्बर 11 व नम्बर 3 ख़ाली, अब अगर औरत के भाई(शादी होने या औरत बनने से पहले) क़ायम हों ख़्वाह 3 ख़्वाह एक तो ख़ुद ब ख़ुद जागे हुए शुक्कर का बुरा असर न होगा।

4- ख़ाना नम्बर 10 में कोई भी ग्रह न हो तो ख़ाना नम्बर 2 के ग्रह सोए हुए होंगे।

नम्बर 2 में कोई भी ग्रह न हो तो ख़ाना नम्बर 10 के ग्रह सोये हुए होगे।

नम्बर 2 में कोई भी ग्रह न हो तो ख़ाना नम्बर 9 के ग्रह सोये हुए होंगे।

ज़रूरत-आवश्यकता चाह
उपाओ-उपाय
फ़र्ज़न-कर्त्तव्य, निर्धारण
जुदी-जुदी-अलग-अलग
ख़्वाह-चाहे
खुद ब खुद-अपने आप, आपसे आप, स्वयं

Astro Lucky

सोया ग्रह कब ख़ुद ब ख़ुद जाग पड़ेगा

ग्रह	कब जाग पड़ेगा	किस उम्र में	कब मन्दा असर देगा।
बृहस्पत	आम कारोबार शुरू होने पर	16 साला उम्र के बाद	6 वें या 22 वें साल
सूरज	सरकारी मुलाज़मत या ताल्लुक़	22 साला उम्र के बाद	दूसरे या 24 वें साल
चंद्र	तालीम ताल्लुक़	24 साला उम्र के बाद	पहले या 25 वें साल
शुक्कर	शादी करने	25 साला उम्र के बाद	तीसरे या 28 वें साल
मंगल	औरत ताल्लुक़	28 साला उम्र के बाद	6 वें या 34 वें साल
बुध	ब्योपार, बहन या लड़की की शादी	34 साला उम्र के बाद	दूसरे या 36 वें साल
सनीचर	मकान ताल्लुक़	36 साला उम्र के बाद	6 वें या 42 वें साल
राहु	ससुराल ताल्लुक़	42 साला उम्र के बाद	दूसरे या 48 वें साल
केतु	पैदाइश औलाद	48 साला उम्र के बाद	तीसरे या 51 वें साल

Astro Lucky

तालीम-शिक्षा ख़ुद ब ख़ुद-अपने आप, आपसे आप, स्वयं ताल्लुक़-संबंध मुलाज़मत-सेवा, नौकरी
ब्योपार-व्यापार औलाद-संतान

ग्रह दृष्टि

AstroLucky

ग्रह दृष्टि

1 -कुण्डली के 12 ही घरों में से किसी घर में बैठे हुए ग्रहों की मुकर्रा रास्तों के ज़रिए बाहमी असर मिलाने की ताक़त या नज़र ग्रह दृष्टि (देखना) कहलाती है। जो उंगली टेढ़ी हो जावे वह अपनी ताक़त छोड़ देती है और जिस उंगली की तरफ़ झुक जावे,उसी उगंली का असर पैदा होगा। उंगली के झुकाओ से मुराद यह है कि उंगली की बनाबट में टेढ़ापन होवे न कि ज़ाहिरा झुकाओ हो।

क़ियाफ़ा

2 -हस्त रेखा में रेखा की शाख़ो या रेखा के उतार झुकाओ को इल्म ज्योतिष में ग्रह दृष्टि गिनते हैं। रेखा का ऊपर को झुकाओ और उठाओ तरक़्क़ी या नेक असर और नीचे को झुकाओ बुरा असर बताता है। यही हाल शाख़ों के ऊपर को या नीचे को निकल जाने से गिना है। रेखा का ऊपर को उठाओ या झुकाओ से मुराद होगी कि इस में उस ग्रह का असर आकर मिल रहा है जिस ग्रह के बुर्ज की तरफ़ को रेखा उठ रही है। दूसरे लफ़्जों में खतम होने से पहले ही दूसरी रेखा का शुरु हो जाना =रेखा का टूटा हुआ नहीं होता, बल्कि तब्दीली हालत ज़ाहिर करता है ख़्वाह वह तब्दीली बुरी तरफ़ होवे, ख़्वाह भली तरफ़ को जाने लगे। अगर ऐसी तब्दीली बुरी तरफ़ को जाती मालूम होवे तो दान से रिहाई और नेक असर होगा।

बाहमी-आपस का मुक़र्रा-निश्चित, ख़्वाह-चाहे ज़ाहिरा-बाहरी, देखने भर का

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर 8

आम हालत नम्बर-(1)

एक सात घर-चौथै 10[1] वें
पांच 9 वें और तीन 11
आठ छटे 2 बैठे 12
केतु राहु और बुध की नाली

पूर्ण दृष्टि होती है
आधी नज़र ही रहती है
नज़र चौथाई करते हैं
लेखा जुदा ही रखते हैं

[2]

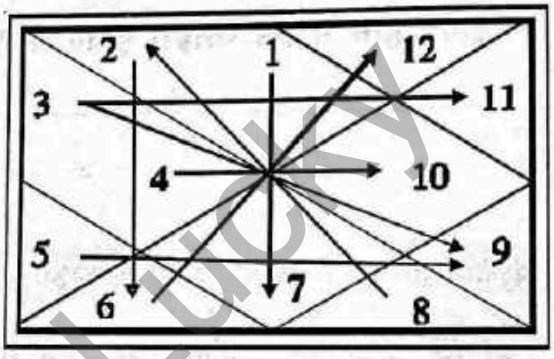

देखने से मालुम होगा कि इस शक्ल में दिये हुए तीरों के निशान किसी ख़ास

[1] लगन को एक गिनकर पहला, सातवां, चौथा, दसवां वग़ैरह

[2]

[2] शुरू होने वाले तीर के घर मन्दरजा ज़ैल हैं	तीर ख़तम होने वाले घर मन्दरजा ज़ैल हैं
1 →	7
3 →	9-11
4 →	10
5 →	9
6 →	12
8 →	2

चौथाई-चौथा हिस्सा हालत-दशा मन्दरजा ज़ैल-निम्नलिखित

Astro Lucky

ख़ास घरों से शुरु होकर किसी ख़ास ख़ास घरों में जाकर ख़तम होते हैं। तीर से मिले हुए घरों का मतलब यह है कि जिस घर से तीर शुरु होता है वहां बैठे हुए, ख़्वाह बमूजिब जनम कुण्डली ख़्वाह बमूजिब बर्षफल ग्रह का असर उस घर में बैठे हुए ग्रह के असर में मिल सकता है। जहां पहुंचकर वह तीर ख़तम होता है। मसलन ख़ाना नम्बर 3 से एक तीर तो ख़ाना नम्बर 11 में और दूसरा ख़ाना नम्बर 9 मे जाकर ख़तम होता है। जिसका मतलब यह हुआ कि ख़ाना नम्बर 3 में बैठे हुए ग्रह का असर ख़ाना नम्बर 11 और ख़ाना नम्बर 9 में बैठे हुए दोनों ही घरों के ग्रहों के असरों में जाकर मिला करता है। अगर तीर शुरू[1] होने वाले घर में कोई ऐसा ग्रह बैठा हो, जो कि इस ग्रह का दोस्त[2] हो । जहां जाकर वह तीर ख़तम हुआ हो तो तीर ख़तम होने वाले घर में बैठे हुए ग्रह का असर और भी उम्दा हो जाएगा। लेकिन अगर तीर शुरु होने वाले घर का ग्रह तीर ख़तम होने वाले घर का दुश्मन होता, तो तीर ख़तम होने वाले घर के ग्रह का असर ख़राब हो जाता। याद रहे कि तीर शुरु होने वाले घर का ग्रह तीर ख़तम होने वाले घर के ग्रह के असर को अच्छा या बुरा कर देता है। मगर तीर ख़तम होने वाले घर के ग्रह का तीर शुरू होने वाले घर के ग्रह के असर के कोई दख़ल नही हुआ करता।

कुण्डली में हर ग्रह व ख़ाना नम्बर कि मुतअल्लिक़ा चीज़ों का असर देखने के लिए उनकी बाहम दृष्टि का ताल्लुक हर ग्रह अपने से सातवें (दरमियान में 5 छोड़कर) 100 फ़ीसदी नज़र से देखते हैं। ख़ाना नम्बर 1 और 7 व ख़ाना नम्बर 4-10-100 फ़ीसदी नज़र रखते हैं। ख़ाना नम्बर 5-9 व ख़ाना नम्बर 3-11-50 फ़ीसदी नज़र-ख़ाना नम्बर 2-6 व ख़ाना नम्बर 8-12

---

1 -हर एक ग्रह के कौन-कौन से ग्रह दोस्त हैं और कौन कौन ग्रह इसके दुश्मन हैं, यह एक जुदी फ़ेहरिस्त में दर्ज कर दिया गया है।

2 -तीर शुरु होने वाले घर ख़ाना नम्बर 1-3-4-5-6-8 हैं।

3 -तीर ख़तम होने वाले घर ख़ाना नम्बर 7-9-11-9-12-2 हैं।

बमूजिब-अनुसार मुतअल्लिक़ा-संबंधित फ़ेहरिस्त-सूची दरमियान-मध्य में

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर 8

पनफर राशि का ऊंच ग्रह अपनी राशि में उत्तम फल देगा। 25% तिकोन 100 फ़ीसदी दृष्टि की हालत में दो ग्रह एक दूसरे के ज़्यादा नज़दीक या एक ही हो जाते या मिल जाते -50 फ़ीसदी पर इनका दरमियानी फ़ासला निस्फ़ रह जाता है या दोनों की ताक़तें आधी आधी बाहम मिल जाती है। 25 फ़ीसदी पर सिर्फ़ एक चौथाई मिलते है। यानी तीन चौथाई वह एक दूसरे से दूर रह जाते हैं। बुध की ख़ास नाली-राहु-केतु- सिर्फ़ दोनों की बाहम दृष्टि और ख़ाना नम्बर 2 और 9 में इन तीनों का ताल्लुक़ जुदा होगा।

उलटे घर

(आम हालत नम्बर-2)

घर उलटा 8 दूजे देखें न देखें 5-11 घर

बुध 3-6-9-12 मारे शनि छटे से दूसरा घर

ग्रहों की बाहम दृष्टि व राशियों (कुण्डली के ख़ानों) से ताल्लुक़

बात को समझाने के लिए राशि को स्त्री और ग्रह को मर्द कहिए दोनो के मिलाप ग्रह व राशि या मर्द औरत का जोड़ा मिथुन राशि बुध के खाली आकाश में शुक्कर की गृहस्ती

सनीचर नम्बर 6 की उलटी दृष्टि हुआ करती है जो सनीचर नम्बर 6 में मुफ़स्सिल लिखी हैं।

पनफर-ख़ाना नम्बर 2-5-8-10 मुफ़स्सिल-विस्तार पूर्वक शुक्कर-शुक्र ग्रह सनीचर-शनि ग्र
गृहस्ती-गृहस्थी

Astro Lucky

मुहब्बत (हक़ीक़ी व ग़ैर हक़ीक़ी में कुल सृष्टि दुनिया) की त्रैलोकी (तीनों ज़माने या ख़ाना नम्बर 3 में मंगल के पक्के घर भाई बन्दी से चल रहा है। इस जोड़े की नीयत तीन हिस्सों में बटी हुई समझें।

1-घर की मालकीयत या साधारण जैसी हर मर्द व औरत की गिनी जा सकती है।

2-ऊंच हालत की यानी जो हर एक या बाहम एक के लिए दूसरे की नेक हो सकता है।

3-नीच या मन्दी और दुश्मनी भरी बुरी या एक के हाथों दुसरे का बुरा करने वाली होगी।

हर एक राशि के असर के लिए उसके घर का मालिक ग्रह साधारण या आम हालत का (भला या बुरा) ऊंच फल की राशि से मुराद नेक फल देने का ताल्लुक़ ख़्वाह राशि को ग्रह के लिये या ग्रह को राशि के लिये और नीच फल की राशि का ग्रह बुरे असर से मुतअल्लिक़ा होगा या जिसकी ख़्वाह राशि की उस मुतअल्लिक़ा ग्रह के लिए कहो ख़्वाह ग्रह के लिए इस राशि के ताल्लुक़ से समझो) नीयत बद गिनी जाएगी हर एक राशि किसी ख़ास ग्रह के लिए ख़ास-ख़ास ताल्लुक़ (बुरा या भला) की और हर एक ग्रह किसी ख़ास राशि के लिए ख़ास-ख़ास ताल्लुक़ का मुक़र्रर किया गया है। इस तरह पर मुक़र्रर किए हुए जोड़े में से जब कोई ग्रह अपनी मुक़र्रर राशि की बजाय किसी और ग्रह की ताल्लुक़दार राशि में जा बैठे तो वह ग्रह जो चलकर दूसरी जगह जा बैठा है, कुण्डली वाले की क़िस्मत पर वैसा ही असर देगा जैसा कि वह दूसरी जगह जाकर ही गया है।

4-कुण्डली के बारह ख़ानों को एक बड़े मकान की बारह कोठरियां फ़र्ज़ करें, हर एक ख़ाना की लकीर का इस कोठरी की दीवार समझें तो ख़याल आएगा कि कुण्डली के अन्दर के चार ख़ाने चार चार दीवारों वाले चार ख़ाने हैं। जिसमें साथ लाया हुआ ख़जाना गिना गया है। बाक़ी 8 ख़ाने सिर्फ़ तीन तीन दीवारों से बने हुए आधे-आधे मकानों की तरह के 8 मुसल्लसें हैं। जिन में कुण्डली वाले का आधा-आधा हिस्सा गिन कर कुल आठों से आधा या चार पूरे घर और है। गोया बचे के कुल आठ घर हो गये। पहला घर अपना जनम का जिस्म व आठवां ख़ाना नम्बर 8 मौत है। ग्रहों को लैम्प मानिए सब कोठरियों के दरवाज़े किसी न किसी तरफ़ खुले हुए माने गए हैं या एक घर

सधारन-साधारण मालकीयत-मालिक हक़ीक़ी-सच्चा मुसल्लस-त्रिकोण गोया- मानो, जैसे

Astro Lucky

में चमकते या जलते हुए लैम्प की रोशनी उसके दरवाज़े से दूसरे के अन्दर जाती हुई मानी गई है। रोशनी के उस तरह दूसरे घर में पहुंच जाने के ढंग को ग्रह की दृष्टि (देखना) कहते हैं। ''लाल किताब'' में हर ग्रह अपने से सातवें (यानी) फ़लाने घर के ग्रह फ़लाने घर को (100 फ़ीसदी 50 फ़ीसदी या 25 फ़ीसदी की नज़र से) देखता है, से मुराद है कि वह अपने उस घर से अपने से बाद के घर को देखता है या उस का अपने बैठे हुए घर का असर वह अपने बाद वाले घर में भी पहुंचा रहा है, मगर यह मतलब नहीं है, कि वह अपने से बाद वाले सातवें घर के ग्रह के असर को अपनी तरफ़ अपने बैठे हुए ख़ाना नम्बर में खेंचकर ला रहा है। ख़ाना नम्बर 8 मौत का घर उलटा देखता है यानी वह अपना असर ख़ाना नम्बर 2 की तरफ़ भेजता है। यह ख़ाना नम्बर 2 गो सब के लिए राहु केतु की मुश्तरका बैठक के असर (पाप पुण्य का मुक़ाम) का मुक़र्रर है, मगर उस नम्बर 2 में ख़ाना नम्बर 8 से आने वाले असर में तमाम पापी ग्रहों (राहु केतु) के अलावा सनीचर का जुज़ भी शामिल है।

अपने से सातवें घर को देखने वाले ख़ानों के ग्रह यानी ख़ाना नम्बर 3-6 के ग्रह (तीसरा 9 वें को देखता है मगर 9 वां तीसरे को नहीं देखता। उसी तरह छठा बारहवें को देखता है मगर बारहवां छठे में अपना असर नही डाल सकता सिवाए ख़ाना नम्बर 12 के बुध के क्योंकि बुध को आकाश माना है-और ख़ाना नम्बर 6 पाताल और ख़ाना नम्बर 12 आसमान में भी ख़ाली आकाश होता है) हर सातवें साल तब्दीली हालात कर सकते है। ख़ाना नम्बर 8 मौत पीछे को देखने वाले घर के ग्रह हर आठवें साल तब्दीली हालत दे सकते हैं-अपने से बाद के सातवें को देखने वाले घर यह हैं।

देखता है ख़ाना नम्बर 3-9 को
देखता है ख़ाना नम्बर 6-12 को
देखता है ख़ाना नम्बर 8-2 को 2-8

} बुध के ग्रह की अलाहदा ही कहानी है जो जुदी लिखी है। खुलास्तन नम्बर 3 से नम्बर 9

मुश्तरका-मिले जुले, अलाहदा-अलग, भिन्न, जुज़-भाग, खंड, टुकड़ा, खुलास्तन-संक्षेप से

Astro Lucky

को देखता हुआ बुध या नम्बर 9 में बैठा हुआ बुध नम्बर 12 से नम्बर 6 को देखता हुआ बुध सब ही ग्रह का फल बेमायनी कर देता है। ख़्वाह वह तमाम एक तरफ़ और बुध अकेला ही मुक़ाबला पर ख़्वाह वह उसके दोस्त हों या दुश्मन ख़्वाह वह उसके साथ ही हों

या उससे अलाहदा मुक़ाबला पर ख़ाना नम्बर 8 पीछे को देखता है। उसी उसूल पर

नम्बर 8 ने नम्बर 2 को देखा और नम्बर 2 ने नम्बर 6 को तो नम्बर 8 का असर नम्बर 6 में 25 फ़ीसदी होगा। और नम्बर 6 ने नम्बर 12 को देखा तो नम्बर 8 का असर नम्बर 12 में चला गया या नम्बर 8 अपना असर नम्बर 12 में 25 फ़ीसदी डालता है अब नम्बर 2 में 100 फ़ीसदी नम्बर 8 का असर है। और नम्बर 12 में 2-6 की मार्फ़त 25 फ़ीसदी नम्बर 8 का असर मिला है। गोया नम्बर 2 देखता है 25 फ़ीसदी नम्बर 12 को।

100 फ़ीसदी और अपने से बाद के सातवें को देखने का फ़र्क़

100 फ़ीसदी वाला ख़ाना अपने से बाद के ख़ाना में दूध में खाण्ड की तरह अपना असर ऐसे का वैसा ही मिला देता है। मगर अपने से सातवें वाला अपने से बाद के घर के असर को उलटा कर देता है। गोया दूध का बर्तन ही ज़हरीला कर देता है। दोनों हालतों में दृष्टि का असर तो 100 फ़ीसदी होता है। फ़र्क़ थोड़ा सा यह है कि:-

1- 100 फ़ीसदी के असर के ख़ाने बन्द मुट्ठी के अन्दर के मुक़र्रर हैं (यानी 1-7-4-10) मगर अपने से बाद के ख़ाने बाहर की तिकोनों के घरों से मुक़र्रर है। मुट्ठी के अन्दर अपने से सातवें का उसूल न होगा- और न ही बाहर वालों पर 100 फ़ीसदी (नेक कर देने) का उसूल चल सकेगा।

2-जब कोई ग्रह, अपने से बाद के घर को 100 फ़ीसदी नज़र से देखता है, तो वह देखने वाला ग्रह अपने बाद के घर के ग्रह में (बाद के घर में नहीं) अपना असर ऐसा मिला देता है, कि पहले का असर दूसरे में मिला हुआ मालूम ही न होगा, जैसे दूध मे खाण्ड (ऐसी मिलावट को बुध की मिलावट कहते हैं-और इस पहले घर वाले ग्रह का वही असर रहेगा)

बेमायनी-निरर्थक, बेकार, गोया-मानो, जैसे ख़ाने बन्द मुट्ठी-1-7-4-10, मार्फ़त-द्वारा

Astro Lucky

जैसा कि वह पहले घर में था। मगर जब कोई ग्रह अपने से बाद के सातवें को देखे तो न सिर्फ़ देखने वाले ग्रह का असर उस घर में (ग्रह में नहीं) ऐसा मिला हुआ होगा जैसे एक टांग कटे आदमी को दूसरी टांग लगा दी गई- (दो चीज़ों का इकट्ठे हो कर काम करना मगर अपने अपने वजूद को न छोड़ना यह मिलावट मंगल की कहलाती है) बल्कि उस पहले घर वाले ग्रह का असर बाद वाले के लिए बिल्कुल उलट होगा-यानी अगर पहले घर वाले का पहले घर में नेक असर था-तो बाद के घर में मिलने के वक़्त वह असर जो नेक था बाद वाले के लिए बुरा ही होगा मगर पहले का ख़ुद अपने लिए जैसा कि वह होवे वैसा ही रहेगा।

ग्रह का असर-ग्रह में और ग्रह का असर दूसरे ग्रह के घर में और उनका फ़र्क़

1- पहले घर के ग्रह का असर बाद के घर के ग्रह में मिल जाने से मतलब यह होगा कि पहले घर के व बाद के घर के ग्रहों का असर एक ही हो गया या बाद के घर के ग्रह में पहले घर के ग्रहों का असर ऐसा मिला कि जुदा न गिना गया लेकिन उस मिलावट ने बाद के घर में यानी बाद के ख़ाना नम्बर में अपना कोई असर न डाला हो सकता है की उस बाद के घर में कई ही ग्रह हों। पहले घर के ग्रह का असर बाद के घर के सब ग्रहों (जितने भी हों) में जब मिला तो हो सकता है कि अगर वह पहले सब के सब जो बाद के घर में थे दोस्त हों, तो जबः-

अलिफ़ उन में पहले घर के ग्रह की ज़हर मिली तो वह सब के सब या उनमें से चंद बाहम या चंद दूसरों के दुश्मन हो जावें।

बे-उनमें दोस्ती पैदा कर देने की ताक़त का असर मिल जावे तो जो पहले दुश्मनी भाव के थे, अब बाहम या चंद दूसरों से दोस्ती का ताल्लुक़ कर लेवें,

2- पहले घर के ग्रह का असर बाद मे घर में मिल जाने (ग्रह में नहीं) से मुराद होगी

सिर्फ़-खालिस, केवल, अकेला बाहम-आपस का ताल्लुक-संबंध

Astro Lucky

कि बाद के घर के ग्रह अलाहदा-अलाहदा ही लेंगे मगर वह मंगल की बनाई हुई मिलावट की तरह अलग-अलग होते हुए भी उस आ मिलने वाले ग्रह के असर का सबूत देंगे। क्योंकि इस घर का ही असर आ मिलने वाले ग्रह के असर ने सब के लिए बदल दिया या बाद के घर के ग्रहों के लिए वह ख़ाना नम्बर ही किसी और असर का हो गया। यानी उन ग्रहों ने अपना अपना पहला असर इस घर की तमाम चीज़ों पर बदल कर दिया। जब ग्रह से ग्रह मिला था तो अमली तौर पर यह फ़र्क़ हुआ था कि पहले घर के ग्रह ने भी बाद के घर के ग्रह के असर को बदला था। यानी बाद के घर का असर जिसमें वह ग्रह (जिसका असर कि बदला गया) बैठा था। सिर्फ़ अपना ही बदला हुआ असर उस ख़ाना की सिर्फ़ उन चीज़ों पर किया जो चीज़ें कि उस असर बदला जाने वाले ग्रह की और उस घर की जिसमें बैठा हुआ कि वह असर में बदला जाने वाला ग्रह था यहीं अगर बहुत ग्रह हों तो उन ग्रहों ने जिनका असर बदला गया अपने बदले हुए असर का सबूत सिर्फ़ उन ही चीज़ों पर दिया जो चीज़ें कि इस ख़ाना की उन ग्रहों से मुतअल्लिक़ा हों। मसलन बुध व शुक्कर दोनो का ही पक्का घर ख़ाना नम्बर 7 है जिसमें ऊपर से ख़ाना में नम्बर 1 का असर मिल सकता है फर्ज़ करें कि ख़ाना नम्बर 1 में है-सूरज और नम्बर 7 में हो शुक्कर-बुध अब सूरज का असर दोनों मे मिल गया। यानी शुक्कर व बुध दोनो ही सूरज की तरह चमकने लगें और सूरज का असर नम्बर 7 वालों के लिए अपने पहले घर में ऊंच हालत का होने की बजाए उलट बुरा न होगा- और वह असर दोनो ग्रहों में दूध मे खाण्ड की तरह मिल जाएगा। यह है हालत 100 फ़ीसदी की। दूसरी मिसाल फ़र्ज़न शुक्कर हो ख़ाना नम्बर 6 में और मंगल होवे ख़ाना नम्बर 12 में दृष्टि मे 6-12 अपने से सातवें है-यानी शुक्कर नम्बर 6 का जो असर है ख़ाना नम्बर 6 में उसका उलट होगा ख़ाना नम्बर 12 में उस ग्रह के लिए जो ख़ाना नम्बर 12 में है वह है मंगल गोया अब मंगल के लिए वह ख़ाना नम्बर 12 सब ही चीज़ों के असर के लिए जो ख़ाना नम्बर 12 की हैं मुबारक होगा क्योंकि नम्बर 6 का शुक्कर नीच है। जब उसका असर नम्बर 12 में गया तो वह नम्बर 12 की तमाम चीज़ों मंगल के लिए ऊंच फल की होगी। मगर यह ऊंच फल किसके लिए होगा मंगल के लिए जो ख़ाना नम्बर 12

अलाहदा-अलग भिन्न	मुतअल्लिक़ा-संबंधित	गोया-मानो, जैसे, वक्ता
मिसाल-उदाहरण, नमूना	फ़र्ज़न-कर्त्तव्य निर्धारण से	मुबारक-शुभ

Astro Lucky

का है यानी कुण्डली वाले के भाई (मंगल) का गृहस्त का सुख उस भाई के लिए उम्दा होगा। मगर कुण्डली वाले के शुक्कर (औरत) का फल वैसे का वैसा ही मन्दा और नीच होगा। खुलास्तन 100 फ़ीसदी की मिलावट की हालत में कुण्डली वाले को ज़ाती अच्छा बुरा असर मिलेगा मगर अपने से सातवें की दृष्टि असर करेगी-बाद के घर पर जिसकी वजह से उस घर का जो ग्रह इस कुण्डली वाले का जैसा भी ताल्लुक़दार होवे उस पर असर देगी। मगर कुण्डली वाले पर सीधा असर न होगा। मसलन बाद के घर में सातवें मिलावट की हालत में शुक्कर है तो असर होगा बाद के घर का शुक्कर पर उलट कर दिया। औरत ज़ात के ताल्लुक़दार या कुण्डली वाले के ससुराल वग़ैरह पर अपने असर का उलट असर होता होगा। अगर पहले घर का कुण्डली वाले को मन्दा फल मिल रहा है तो उस मन्दे फल का उलटा अच्छा फल मिलता जाएगा। कुण्डली वाले के उस ग्रह के मुतअल्लिक़ा रिश्तेदार को जो बाद के घर के ग्रह से कुण्डली वाले के साथ संबंध रखता हो। यानी मंगल हो तो भाई बुध हो तो बहन वग़ैरह।

सेहत बीमारी-शादी औलाद-मकान-वग़ैरह ख़ास-ख़ास चीज़ों के लिए दृष्टि

घर अपने से 5 वें दोस्त — 7 वें उलटे होते हैं

8 वें घर पर टक्कर खाते — बुनियाद 9 वें पर होते हैं

तीसरे घर के जुदा जुदा तो — बुध से वह आ मिलते हैं

घर 10 पर बाहम दुश्मन — धोका देते या चक्कर हैं

नर ग्रह बोलते जुफ़्त के घर में — स्त्री बोलते[1] ताक़ में हैं

बुध है बोलता 3-6 में तो — पापी नहीं बोलते 2 में हैं

[1] स्त्री ग्रह-शुक्कर-चंद्र

खुलास्तन-संक्षेप में
जुफ़्त-सम संख्या, जोड़ा
ताल्लुक़दार-संबंधी, बड़ी जायदाद का मालिक
ताक़-विषम संख्या
वग़ैरह-आदि, इत्यादि

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर 8

दो घरों के दरमियान जब घर होवे-3 (5 वां) दोनो ख़ानों के ग्रह बाहम मददगार होगें-ख़्वाह दोस्त हों ख़्वाह दुश्मन- 5 (7 वां) देखने वाले घर के ग्रह देखे जाने वाले घर पर अपना बैठा होने वाले घर के असर का उलट असर देंगे। बन्द मुट्ठी की शर्तें जुदा होंगी-6 - (8 वां) दोनों घरों के ग्रह बाहम टकराओ पर होगें। सिवाए ख़ाना नम्बर 9 के जिनमें कोहसार-व-समन्दर की तरह का टकराओ बारिश बरसाने का फ़ायदा टकराओ होगा। बाक़ी सब टकराओ के घरों में मन्दा असर होगा-7 - (9 वां) दोनों घरों के ग्रह बाहम सधारण दोस्ती व दुश्मनी जो भी होवे -8 - (10 वां) दोनों घरों के ग्रह बाहम दुश्मनी पर होंगे। मसलन ख़ाना नम्बर 9 से नम्बर 6 तक दरमियानी ख़ाने खाली होंगे-10 ता 12=3 } 8 और फर्ज़न नम्बर 9 में सनीचर है जो नम्बर 9 में निहायत
1 ता 5=5 }
मुबारक और 60 साला असर का है। और नम्बर 6 में बुध है-जो बज़ात खुद नम्बर 6 में ऊंच या राजयोग है लेकिन अब अगर ख़ाना नम्बर 6 वाले यानी टेवे वाले के मामूं वग़ैरह सिर्फ़ बुध के मुतअल्लिक़ा कारोबार ही करें-तो वह काम करने के लिए राज योग होंगे। लेकिन अगर वही मामूं वग़ैरह सनीचर के मुतअल्लिक़ा कारोबार करें तो वह बरबाद होंगे। बज़ात खुद नम्बर 9 वालों के लिए यानी उसके बुज़ुर्गों के लिए सनीचर का फल उत्तम ही होगा। और नम्बर 6 वालो (मामूं वग़ैरह) के लिए बुध के काम मुबारक होंगे। इस दुश्मनी का टेवे वाले पर कोई बुरा असर न होगा-अगर कोई होगा-तो सनीचर का नम्बर 6 के घर के ताल्लुक़ वालों पर मन्दा होगा। मिसाल खाना नम्बर 10 से नम्बर 5 तक के दरमियान घर होंगें, 11-12-1 ता 4 यानी कुल 6 घर मगर खाना नम्बर 5 से नम्बर 10 तक के दरमियान घर होंगे। 6 ता 9 या कुल 4 घर यानी ख़ाना नम्बर 10 देख सकेगा नम्बर 5 को मगर नम्बर 5 नहीं देख सकता नम्बर 10 को सिवाए नम्बर 5 के चंद्र के जो नम्बर 10 के लिए ज़हर होगा। आमतौर पर पहले घरों के ग्रह घर वालों को देखा करते हैं। (सिवाए ख़ाना नम्बर 8) लेकिन ख़ाली ख़ानों की हालत में सोए हुए घर या सोए ग्रह देखने के लिए ऊपर की शर्त आगे पीछे दोनों ही तरफ़ चलाकर देखी जाएगी।

कोहसार- पहाड़ी इलाका, पर्वत माला मामूं-मामा निहायत- अंत छोर, सीमा
ख़्वाह-चाहे

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर 8

योग दृष्टि बवक़्त सेहत बीमारी

नर ग्रह बोलते जुफ़्त के घर में — स्त्री बोलते ताक़ में है

बुध है बोलता 3-6 में तो — पापी नहीं बोलते 2 में है

ख़ाना	दृष्टि	चाहम मदद	आम हालत	टकराओ	बुनियादी	धोखा	मुसलसल दीवार		अचानक चोट			निशान
1	A B	5 9	7 7	8 6	9 5	10 4	2 12	10	3	7	11	D
2	A B	6 10	8 8	9 7	10 6	11 5	3 1	–	4	–	–	E
3	A B	7 11	9 9	10 8	11 7	12 6	4 2	–	1	–	–	F
4	A B	8 12	10 10	11 9	12 8	1 7	5 3	1	10	6	–	H
5	A B	9 1	11 11	12 10	1 9	2 8	6 4	–	7	–	–	G
6	A B	10 2	12 12	1 11	2 10	3 9	7 5	–	4	–	–	K
7	A B	11 3	1 1	2 12	3 11	4 10	8 6	10 6	1	5	9	L
8	A B	12 4	2 2	3 1	4 12	5 11	9 7	2	10	–	–	M
9	A B	1 5	3 3	4 2	5 1	6 12	10 8		7	–	–	N
10	A B	2 6	4 4	5 3	6 2	7 1	11 9	11 9	4	8	12	P
11	A B	3 7	5 5	6 4	7 3	8 2	12 10	–	1	–	–	Q
12	A B	4 8	6 6	7 5	8 4	9 3	1 11	-	10	–	–	R

1 A-देख सकता है-ख़ाना को 2 B-देखा जा सकता है ख़ाना नम्बर से

बवक़्त-समय से जुफ़्त- सम संख्या, जोड़ा ताक़- वो संख्या जो दो से विभाजित न हो सके

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर 8

ग्रहों की बाहम दृष्टि के वक़्त उनके मुश्तरका असर की मिक़दार

क़ायम हो या देखता होवे	हर देखा जाने वाले या दूसरे हमसाया (मुश्तरका होने वाले) ग्रह की ताक़त होगी								
	बृहस्पत	सूरज	चंद्र	शुक्कर	मंगल	बुध	सनीचर	राहु	केतु
बृहस्पत	—	2	$\frac{1}{2}$	$3\frac{3}{4}$	$\frac{2}{1}$	$\frac{2}{1}$	$\frac{3}{1}$	$\frac{2}{1}$	$\frac{5}{6}$
सूरज	$\frac{2}{3}$	—	$\frac{3}{4}$	$\frac{3}{4}$	$\frac{2}{1}$	$\frac{1}{2}$	दौलत $\frac{2}{3}$ वालिद $\frac{1}{2}$ सुख $\frac{1}{3}$	ग्रहण	$\frac{1}{2}$
चंद्र	$\frac{1}{2}$		—	$\frac{2}{1}$	$\frac{2}{2}$	$\frac{2}{1}$	$\frac{1}{3}$	$\frac{1}{2}$	ग्रहण
शुक्कर	$\frac{1}{2}$	$\frac{3}{4}$	$\frac{1}{2}$	—	$\frac{4}{3}$	$\frac{2}{2}$	$\frac{1}{3}$	$\frac{2}{1}$	$\frac{2}{1}$
मंगल	$\frac{2}{1}$	2	$\frac{2}{1}$	$\frac{1}{3}$	मंगल बद $\frac{1}{3}$	$\frac{2}{1}$	$\frac{4}{3}$	$\frac{0}{1}$ सिफ़र	$\frac{1}{2}$
बुध	$\frac{1}{2}$	$\frac{2}{1}$	$\frac{1}{2}$	$\frac{2}{2}$	$\frac{2}{2}$	—	$\frac{5}{4}$	$\frac{2}{1}$	$\frac{1}{4}$
सनीचर	$\frac{5}{4}$	दौलत तादीद $\frac{2}{3}$ सुख $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{3}$	$\frac{1}{3}$	$\frac{4}{3}$	$\frac{1}{3}$	$\frac{4}{5}$	—	$\frac{2}{1}$	$\frac{1}{2}$
राहु	$\frac{0}{1}$ सिफ़र	ग्रहण	$\frac{1}{2}$	$\frac{1}{2}$	$\frac{2}{2}$	$\frac{2}{1}$	$\frac{2}{1}$	—	$\frac{2}{2}$
केतु	$\frac{2}{1}$	$\frac{1}{2}$	ग्रहण	$\frac{2}{1}$	$\frac{1}{2}$	$\frac{3}{4}$	$\frac{2}{1}$	$\frac{2}{2}$	—

दोस्ती दुश्मनी का भाव नेक व बुरे हिस्से की मिक़दार होगी

औसत तनासुब के हिन्दसों में रकम का ऊपर का जुज़ देखा जाने वाले ग्रह के असर की मिक़दार और नीचे का जुज़ देखने वाले ग्रह के असर की मिक़दार होगी। सिर्फ़ एक ही जुज़ से पूरा पूरा हिन्दसा देखा जाने वाले ग्रह की ताक़त से मुराद होंगी।

मिक़दार-मात्रा भार तोल
जुज़-खंड भाग टुकड़ा
मुश्तरका-सांझी
तनासुब-परस्पर संबंध अनुपात

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर 8

योग दृष्टि
बाहमी मदद

ख़्वाह दो घरों के ग्रह बाहम दोस्त हों या दुश्मन मगर करेंगे एक दूसरे की मदद ही।

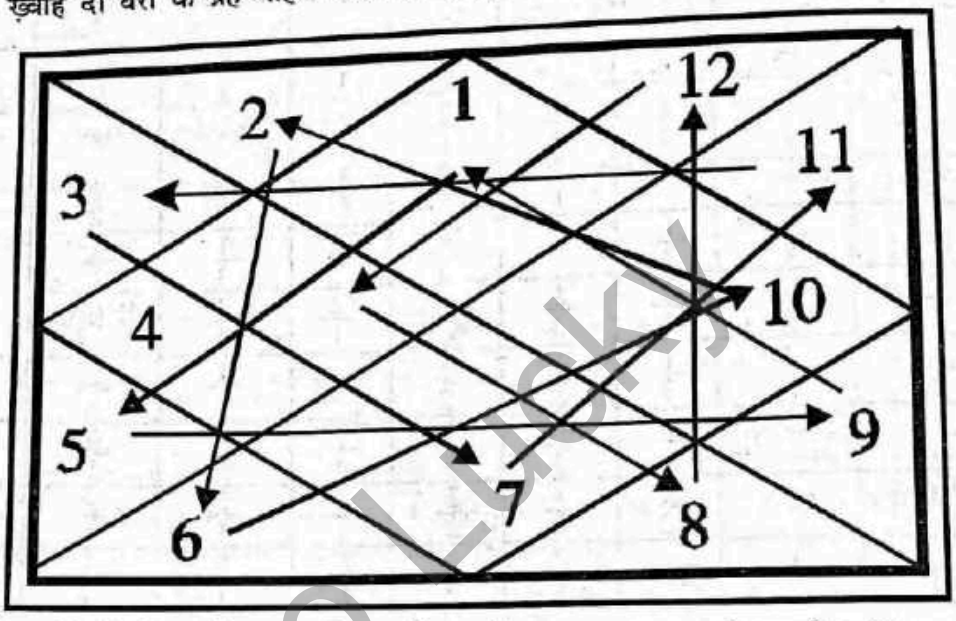

योग दृष्टि की फ़ेहरिस्त के ख़ाना निशान में D के ख़ाना नम्बर 1 के सामने दृष्टि के ख़ाना में लफ़्ज़ A और B लिखने मे और ख़ाना नम्बर "बाहमी मदद" के नीचे लफ़्ज़ । A के सामने हिन्दसा नम्बर 5 लिखा है और लफ़्ज़ B के सामने हिन्दसा नम्बर 9 लिखा है। यह भी योग दृष्टि में लिखा हुआ है कि लफ़्ज़ A से मुराद होती है कि देख सकता है ख़ाना नम्बर को यानी ख़ाना निशान D के सामने ख़ाना नम्बर 1 लिखा है जिसका मतलब यह हो जाएगा कि ख़ाना नम्बर 1 देख सकता है ख़ाना नम्बर 5 को बाहमी मदद के लिये उसी तरह ही वही नम्बर 1 देखा जा सकता है ख़ाना नम्बर 9 से यानी ख़ाना नम्बर 9 मदद दे सकता है ख़ाना नम्बर 1 को, दूसरे लफ़्ज़ों में तख़्त पर बैठे हुए राजा को ख़ाना नम्बर 9 के ग्रह मद्द दे सकते हैं। ख़्वाह वह (9 व ख़ाना नम्बर 1 वाले) बाहम दोस्त हों या दुश्मन और ख़ुद ख़ाना नम्बर 1 का ग्रह मदद देगा ख़ाना नम्बर 5 को ख़्वाह बाहम दोस्त हों या दुश्मन

फ़ेहरिस्त-सूची लफ़्ज़-शब्द, बोल हिन्दसा-अंक
बाहम-परस्पर, आपस में

Astro Lucky

आम हालत

इस हालत में बैठे हुए ग्रहों की वही दृष्टि वग़ैरह की हालत होगी जो कि आम हालत में हुआ करती है। यानी 1-7-4-10 या 5-9-3-11 वग़ैरह वग़ैरह अब बाहमी दोस्ती दुश्मनी का उसूल क़ायम रहेगा।

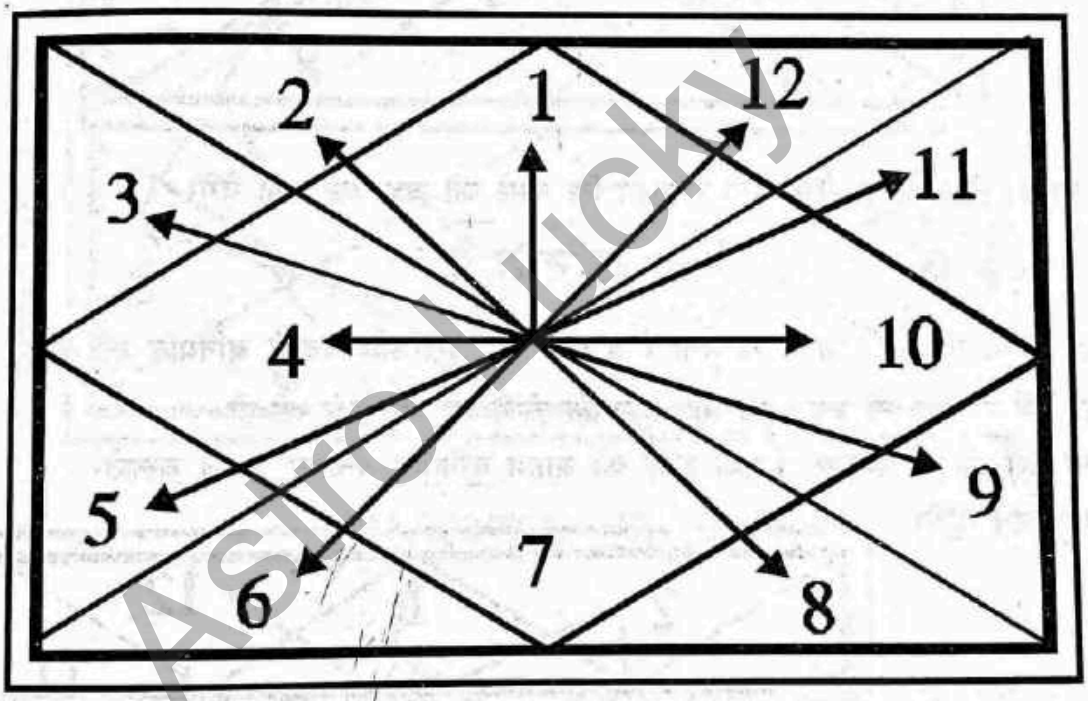

टकराओ

दो मुख़्तलिफ़ घरों के ग्रह ख़्वाह बाहम दोस्त हों ख़्वाह दुश्मन मगर ऐसी हालत में आ बैठने के वक़्त ज़रूर आपस में टकराओ पैदा करेगें। यानी लड़ाई झगड़ा या एक ग्रह दूसरे का बुरा ही करेगा। बेशक आम उसूल पर वह

वग़ैरह-आदि, इत्यादि क़ायम-स्थित करना बेशक-निःशुल्क, निःसंदेह बाहमी-परस्पर का, मिल जुलकर
मुख़्तलिफ़-विभिन्न प्रकार के

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर 8

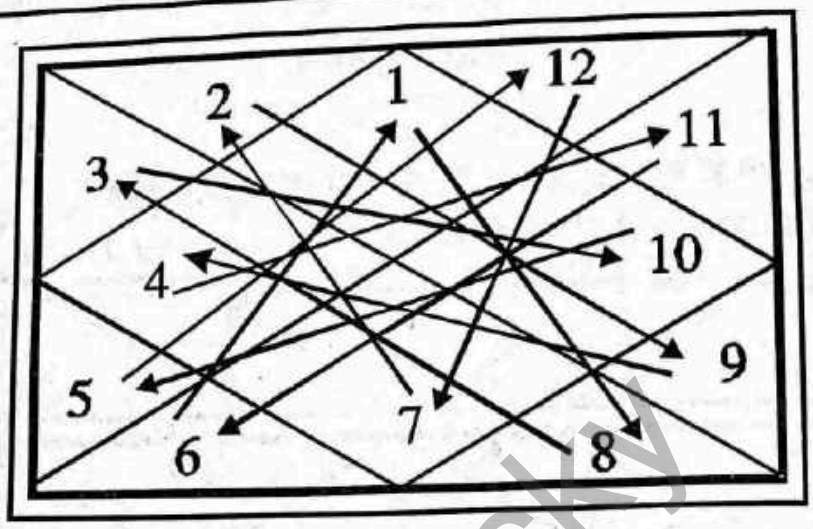

बाहम कितने ही दोस्त हों ऐसी टक्कर मारेंगे कि दूसरे की जड़ तक काट देंगे।

बुनियादी

ख़्वाह बाहम दोस्त हों या न हों मगर एक दूसरे को पूरी और पक्की बुनियाद की तरह मदद ही देंगे या एक के उसूल की वही बुनियाद होगी जो कि दूसरे की हो या दोनों घरों के ग्रह आपस में एक दूसरे को बाहम बुनियाद बनाकर चलते चलाते और मदद देते रहेंगे।

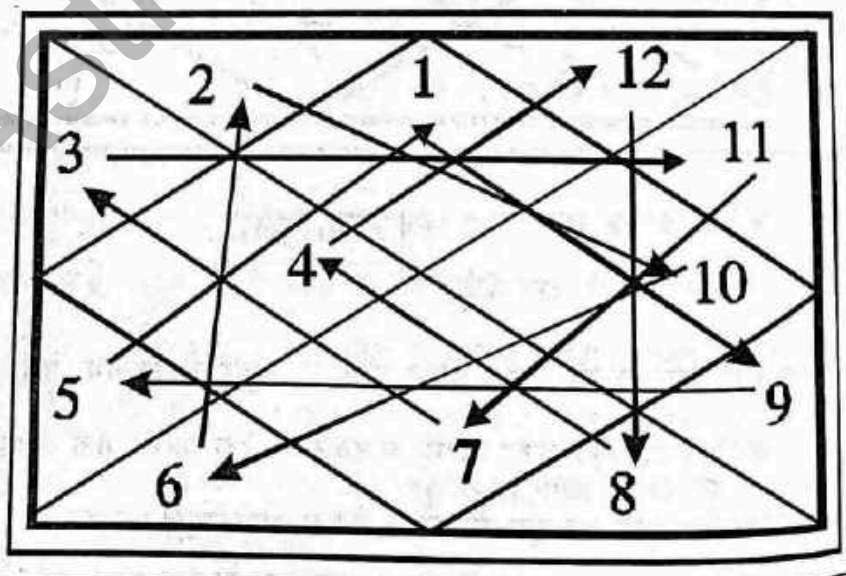

बुनियादी-आधार, नींव बाहम-परस्पर, एक साथ मिलकर ख़्वाह-चाहे मदद-सहायता

Astro Lucky

धोका

अब यह ग्रह दोगुनी ताक़त के होंगे अच्छे या बुरे बात का फ़ैसला पक्के घर नम्बर 10 में धोका के ग्रह के मुतअल्लिक़ा दिए हुए उसूल पर होगा

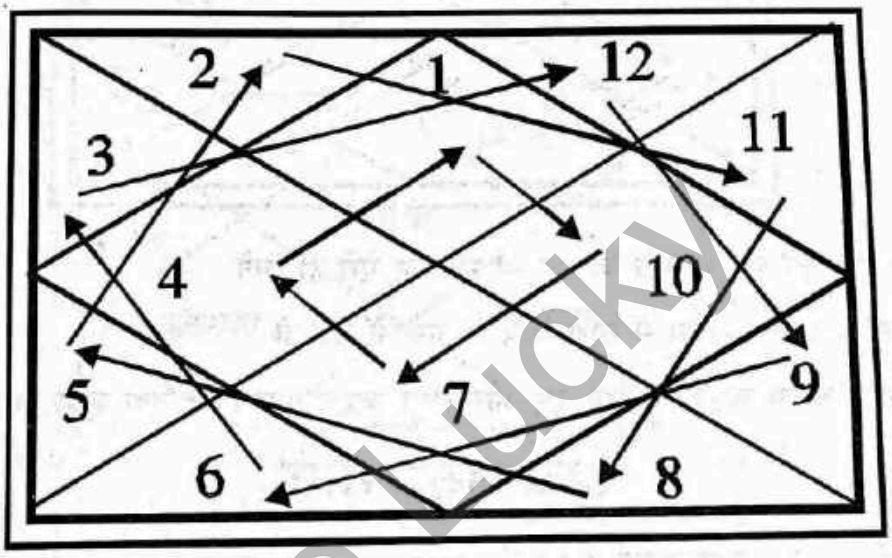

मुश्तरका दीवार

दो घरों मे जुदा-जुदा बैठे हुए दो दोस्त ग्रह आपस में मिले हुए ही गिने जाते हैं मगर दो दुश्मन हमेशा जुदा-जुदा ही गिने जाएंगे या दो दोस्त ग्रहों के बैठे हुए घरों के दरमियान की दीवार नहीं गिना करते मगर दुश्मन दीवार की वजह से बाहम इकट्ठे होकर लड़ाई नहीं बढ़ा सकते यह उसूल तो है सिर्फ़ एक साथ ही लगते हुए दूसरे घर की हालत में मगर

धोका-दगा करना मुश्तरका-मिले जुले मुतअल्लिक़ा-संबंधित जुदा-जुदा-अलग अलग

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर 8

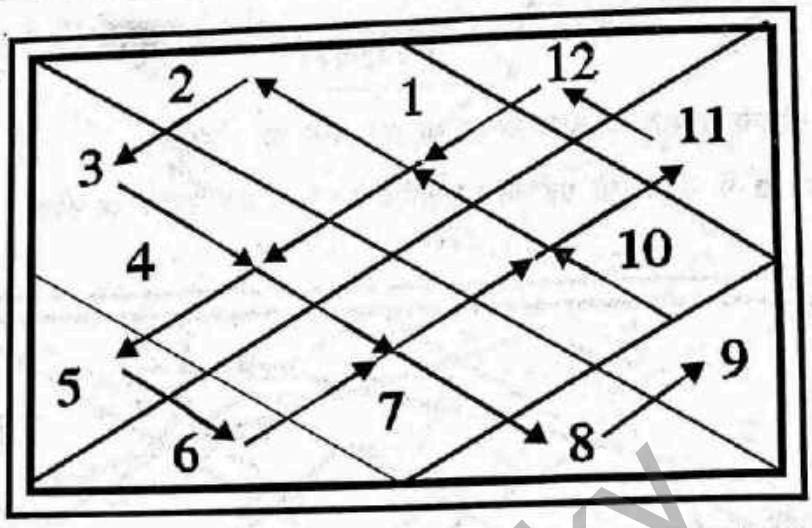

योग दृष्टि के वक़्त दूर दूर घरों के ग्रह भी हू-ब-हू ऐसे ही गिने जाऐंगे। जिस तरह कि आपस में साथ साथ के घरों में बैठे हों मगर मुख़्तसरन बाहम दोस्त तो मिले हुए और अगर बाहम दुश्मन तो जुदा जुदा ही रहेगें।

अचानक चोट

बाहम दोस्त हों या दुश्मन जब कभी भी मौक़ा मिले अचानक ही ऐसी चोट मार देंगे कि चोट ख़ाने वाला सोच ही न सके कि किस ने चोट मारी थी और यह चोट कोई हर रोज़ या हर साल न होगी मगर होगी अचानक फ़ौरन और झटपट दम के दम और नुक़सान कर देगी माल और जान दोनों ही का इस हद तक जिसका किसी को ख़याल भी न हो सकता हो।

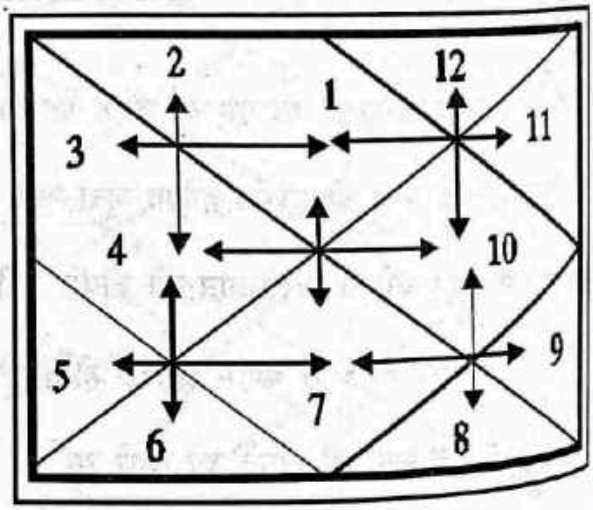

मुख़्तसरन-संक्षेप में
ख़याल-विचार, ध्यान, कल्पना

फ़ौरन-तुरन्त शीघ्र सद्य: उसी समय

AstroLucky

फ़रमान नम्बर 8

कुण्डली में पहले या बाद के घरों के ग्रह

1 दृष्टि और एक दो तीन हद बारह की तरतीब से जो घर या ख़ाने पहले आ जावे उनमें बैठे हुए ग्रह पहले घरों के होंगे यानी जो ग्रह दूसरे ग्रहों को देखते हों और हों भी गिनती की तरतीब में पहले नम्बरों के तो वह पहले घरों के कहलाएंगें मिसाल के तौर पर अगर ग्रह वाक़ै हों।

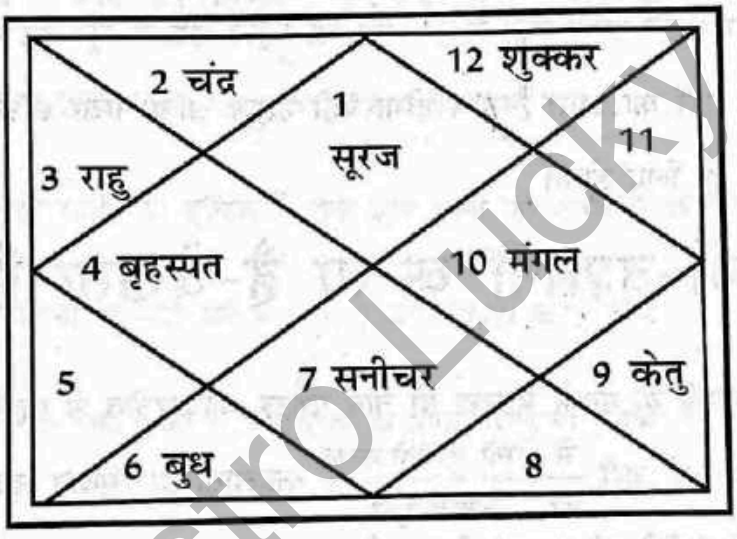

तो सूरज ख़ाना नम्बर 1 वाले को कहेंगे-कि वह सनीचर ख़ाना नम्बर 7 वाले से पहले घरों का है। बृहस्पत ख़ाना नम्बर 4 वाले को मंगल ख़ाना नम्बर 10 वाले से पहले घरों का कहेंगे। अब मंगल से सूरज बृहस्पत सनीचर हर एक या तीनों ही गिनती में तो ज़रूर पहले नम्बर पर हैं मगर मंगल से पहले घरों के ग्रह से मुराद सिर्फ़ बृहस्पत से होगी-या मंगल अब बृहस्पत के बाद के घरों का ग्रह है क्योंकि ख़ाना नम्बर 1 का सूरज और ख़ाना नम्बर 7 का सनीचर दृष्टि के उसूल पर ख़ाना नम्बर 10 के मंगल को नहीं देख सकते। एक ही घर का ग्रह जब दो और घरों को देखे मसलन ख़ाना नम्बर 3 देखता है ख़ाना नम्बर 9 और ख़ाना नम्बर 11 को-अब ख़ाना नम्बर 9-11 दोनो ही घरों के ग्रह ख़ाना नम्बर 3 में बैठे हुए ग्रह से बाद के घरों के ग्रह होंगे।

तरतीब-क्रम सिलसिला | चंद्र-चंद्रमा | सूरज-सूर्य ग्रह | बृहस्पत-ब्रहस्पति ग्रह
सनीचर-शनि ग्रह | शुक्कर-शुक्र ग्रह

AstroLucky

इसी तरह ही जब कहें कि चंद्र दुश्मनी करता है-शुक्कर से तो मुराद होगी कि चंद्र है पहले घरों में शुक्कर से।

2- कुण्डली में पहले घरों के ग्रह अपने से बाद के घरों में अपना असर मिलाया करते हैं सिवाए ख़ाना नम्बर 8 जिसके ग्रह पीछे को देखते या अपने से पहले घरों में अपना असर मिला देते हैं ऐसी हालत में जब तक पीछे से बाद के घरों में किसी ग्रह का बुरा असर आना बन्द न हो जावे-या पहले घरों के बुरे ग्रह की मियाद तक बाद के घरों के ग्रहों का असर नेक न होगा यही उसूल ख़ाना नम्बर 8 के ग्रहों का नम्बर 2 के ग्रहों के लिए होगा।

दोस्ती-दुश्मनी करता है-देखता है।

दृष्टि के वक़्त कुण्डली के ख़ानों में एक दो तीन वग़ैरह की तरतीब से पहले घरों का ग्रह अपने बाद के घरों $\frac{\text{से दोस्ती-दुश्मनी करता}}{\text{को देखता हुआ}}$ कहलाता है। सिवाए ख़ाना नम्बर 8 के जो ख़ाना नम्बर 2 को (पीछे की तरफ़) देखता है।

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर 8

उलझन के ग्रह

जिनकी शाज़ोनादिर ही ज़रूरत पड़ेगी या ऐसी ग्रह चाल जिसके देखे बग़ैर ही काम चल सकेगा। क्योंकि ऐसे टेवे वाले प्रानी पुश्त दर-पुश्त मंदी हालत में होते चले आने के सबब दुनिया में रह ही कहां सकते हैं। दुनिया में एक ऐसा प्रानी जो जनम से या किसी एक ख़ास दिन से सालों ही सालों लगातार मंदे पे मन्दा ज़माना देखता चला आवे वह कहां तक ज़माने का मुक़ाबला करके अपनी ज़िन्दगी क़ायम रखता चला आ रहा होगा।

Astro Lucky

शाज़ोनादिर-कभी-कभी, यदा-कदा, एक्का-दुक्का
प्रानी-इन्सान, व्यक्ति, मनुष्य
ज़रुरत-आवश्यकता, चाह
पुश्त-वंश, नस्ल
बग़ैर-बिना
सबब-कारण

फ़रमान नम्बर 8

ऋण पितृ का ग्रह

1-ऋण पितृ से मुराद (कुण्डली वाले पर उसके अपने बुजुर्गों के पाप का) ख़ुफ़िया असर होता है यानी गुनाह तो कोई करे मगर सज़ा उसकी कोई और भुगते मगर भुगतेगा उस गुनाह करने वाला का असल क़रीबी ताल्लुक़दार ही।

घर 9 वें हो ग्रह कोई बैठा
ऋण पितृ उस घर से होगा
साथी ग्रह जब जड़ कोई काटे
5-12-2-9 कोई मन्दे
2-5-9-12

बुध बैठा जड़ साथी जो
असर ग्रह सब निष्फल हो
दृष्टि मगर वह छुपता हो
ऋण पितृ बन जाता हो

"बुध की नाली की दृष्टि बवक़्त ऋण पितृ"

असर ग्रह घर तीसरा पहले
बुध ग्रह घर दोनों रद्दी
हाल मन्दा न तीन का होगा
बुध मिले ख़ुद टेवे ऐसा

बुध नाली जब मिलता हो
शत्रु मित्र ख़्वाह बैठा हो
मिला असर ख़्वाह तीसरे हो
बदल असर सब देवे वह

ख़ुलास्तन- जनम कुण्डली में जिस ग्रह की जड़ (उसकी अपनी राशि) में उसका दुश्मन ग्रह बैठ का

⏊ मुफ़स्सिल बुध के हाल मे देखें।

ख़ुलास्तन-संक्षेप से
ख़्वाह-चाहे
मुफ़स्सिल-विस्तार पूर्वक
ताल्कुक़दार-संबंधी बड़ी जायदाद का मालिक

Astro Lucky

उसका फल रद्दी कर रहा हो और साथ ही वह ग्रह खुद भी मन्दा हो रहा हो तो ऋण पितृ होगा जिसकी आम निशानी यह होगी कि बाबे-बाप-बेटे-भाई-वग़ैरह सब के सब या कई एक जनम कुण्डलियों में मन्दा ग्रह एक ही या ऐसे किसी दूसरे। घर में जहां कि वह ग्रह पूरा मन्दा गिना जा रहा हो ज़ाहिर होता चला आ रहा होगा। मसलन राहु नम्बर 11 या सनीचर $\frac{4}{6}$ या बुध $\frac{2 \text{ या } 3-8}{11-12}$ उस ख़ानदान में कई एक ही जनम कुण्डी लियों में ज़ाहिर होता चला आ रहा होगा।

दरअसल वह हालत ख़ाना नम्बर 9 के ग्रहों से मुराद होती है। यानी जब उस घर में या उस घर के मालिक ग्रह यानी बृहस्पत के किसी दूसरे घर में कोई और ग्रह एक या एक से ज़्यादा बैठे हुए बाहम दुश्मनी पर हों या वह बाहम या हर एक बृहस्पत की ताक़त को ख़राब करते या बृहस्पत के असर में ज़हर मिलाते हों तो पितृ ऋण होगा राहु को बृहस्पत के चुप कराने वाला गिना है। वह अगर बृहस्पत की मुंह बन्द करके खुद मन्दी हालत का असर बृहस्पत के ताल्लुक़ से (यानी या तो वह बृहस्पत के घरों मे हो या बृहस्पत के पक्के घर में) देवे तो भी पितृ ऋण का बोझ होगा। उसी तरह ही और ग्रह भी यानी चंद्र की ख़राबी में माता तरफ़ के मातृ ऋण वग़ैरह का बहाना हो सकते हैं। ऐसे शख़्स के (कुण्डली वाले के) अपने ग्रह ख़्वाह लाख राजयोग ही क्यों न हों बुरा असर दो ग्रहों का ही होगा और

उपाओ भी दो ही ग्रहों का करना होगा। फ़र्ज़न कुण्डली वाले के बाप ने बिला वजह कुत्ते मारे या मरवाए तो कुण्डली वाले पर बृहस्पत और केतु दो ही ग्रहों का पितृी ऋण होगा। जो कुण्डली वाले पर उसकी 16 ता 24 साला उम्र तक या कुण्डली वाले के बालिग़ होने की उम्र से 16 ता 24 साल तक रह सकता है।

इसी तरह ही बाक़ी सब ग्रहों का उपाओ होगा, यानी एक तो उस ग्रह का उपाओ करेंगे जो खुद निकम्मा हो गया और दूसरे उस ग्रह का उपाओ करेंगे, जो उसकी जड़ की राशि (यानी वह राशि उसके लिए बहैसियत मालकियत ग्रह मुक़र्रर) में बैठकर उसको निकम्मा कर रहा हो।

जनम-जन्म ज़ाहिर-स्पष्ट, दिखाई देने वाला मुराद-इच्छा, कामना, उदेश्य
शख़्स-इन्सान उपाओ-उपाय, बालिग़-वयस्क निकम्मा- बहैसियत-गैर शरीफ़, नीच लफंगा

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर 8

मसलन बृहस्पत नम्बर 9 में बैठा हो और राहु नम्बर 2 या 11 में बैठ जावे तो एक उपाओ तो राहु नम्बर 2 या 11 में राहु की मन्दी हालत के वक़्त करने को लिखा है वह करेंगे और दूसरा उपाओ वह होगा जो बृहस्पत नम्बर 9 में बरबाद होने के वक़्त पर मददगार होगा, लिखा है। मियाद उपाओ के लिए ग्रह का उपाओ के हाल मे देखें। यानी $\frac{40}{43}$ दिनों की बजाय $\frac{40}{43}$ हफ़्तें लगातार होगा। जब तमाम के तमाम ख़ानदान की बेहतरी के लिए करना हो ख़याल रहे कि एक वक़्त मे दो उपाओ जारी कर देने वाजिब न होंगे क्योंकि ऐसा करने से किसी उपाओ का भी फल प्राप्त न होगा। इस लिए पहले एक उपाओ $\frac{40}{43}\frac{\text{दिन}}{\text{हफ़्ते}}$ दिन करें फिर कुछ $\frac{\text{दिन}}{\text{हफ़्ते}}$ ख़ाली छोड़ दें और फिर उस के बाद दूसरे उपाओ $\frac{40}{43}\frac{\text{दिन}}{\text{हफ़्ते}}$ लगातार करें

2- राहु केतु की बज़ात खुद मन्दी हालत या नीच हालत (राहु नम्बर 12 केतु नम्बर 6) या 2 -8 मे कोई उत्तम या मददगार ग्रह न हो, तो ऋण पितृ की हालत में सिर्फ़ दुनियावी माया पर बोझ (मन्दा असर) होगा बाक़ी किसी तरफ़ भी मन्दा असर न होगा

3- ऋण पितृ के वक़्त खुद उस ग्रह का जो मन्दा हो गया हो और जिस ग्रह ने जड़ राशि से बरबाद किया हो, दोनो ही का उपाओ दोनों ही की मियाद तक करना मददगार होगा।

कुण्डली वाले के रिश्तेदार के ताल्लुक़ और पाप की क़िस्म से ऋण का नाम मुक़र्रर होगा। जो कि अगले सफ़्हः पर दर्ज है।

वाजिब-उचित आयुक्त, जरूरी
बज़ात-खुद-अपनी ही जात का
दुनियावी-संसार संबंधी, सांसारिक,
बरबाद-बर्बाद
तमाम-कुल, सब समस्त

Astro Lucky

ऋणों की क़िस्में जैसी करनी वैसी भरनी नहीं की तूने तो करके देख

नम्बर शुमार	ग्रह का नाम	किस ख़ाना नम्बर में	कौन दुश्मन ग्रह बैठा हो	ऋण की क़िस्म होगी	वजह पाप	आम निशानी बतौर क़ियाफ़ा
1	बृहस्पत	2-5-9-12	शुक्कर बुध राहु	ऋण पितृ	बुज़र्गों का पाप ख़ानदानी कुल पुरोहित बदला गया होगा-ख़्वाह बवजह लावल्दी ख़ानदान कुल पुरोहित ख़्वाह बवजह दीगर ख़ानदानी कदूरतें	हम साया धरम मन्दिर या बृहस्पत की मुतअल्लिक़ा अश्या (पीपल वग़ैरह को तबाह बरबाद ही कर चुके या करते होंगे।)
2	सूरज	5	शुक्कर या पापी केतु	ज़ाती ऋण	आक़िबत (अन्त) ख़राब नास्तिकपन-पुराने रसूमात पर पेशाब की धार मारने के क़ौल का आदमी होगा	उस घर में ज़मीनदोज़ अग्नि कुण्ड आम होंगे या आसमान की तरफ़ से छत में से रोशनी के रास्ते आम होंगे।
3	चंद्र	4		मातृ ऋण	माता-नीयत बद अपनी औलाद पैदा होने के बाद अपनी माता को दर बदर अलाहदा या दुखिया करना या इसका ख़ुद ब ख़ुद ही दुखिया हो जाने पर लापरवाही करना	हमसाया कुआं दरिया नदी-नाला पूजने की बजाए घर का गन्दा माद्दा बहाने या जमा करने का ज़रिया बनाया जा रहा होगा।

शुमार-गिनती, गणना, हिसाब ज़मीन दोज़-जमीन के अन्दर क़िस्म-प्रकार, भांति, तरह
क़ियाफ़ा-सामुद्रिक शास्त्र मुतअल्लिक़ा-संबंधित

Astro Lucky

नम्बर शुमार	ग्रह का नाम	किस ख़ाना नम्बर में	कौन दुश्मन ग्रह बैठा हो	ऋण की क़िस्म होगी	वजह पाप	आम निशानी बतौर क़ियाफ़ा
4	शुक्कर	2-7	सूरज-राहु चंद	स्त्री ऋण	कुटुम्भी पेट मार औरत को बच्चा जनने की हालत में किसी लालच की वजह से जान से ख़तम कर देना।	उस घर में दांतो वाले जानवरों का पालन ख़ास कर गाय को पालना-या अपने घर में रखने से ख़ानदानी नफ़रत का उसूल चलता होगा
5	मंगल	1-8	बुध-केतु	रिश्तेदारी का ऋण	मित्र मार ज़हर के वाक़िआत करना या किसी की पकी पकाई खेती को आग लगा देना या किसी की भैंस आख़ीर बच्चा देने को आई उसको मरवा दिया या मार देना, मकान बनाने पर आग लगा देना वग़ैरह	रिश्तेदारों के मिलने बरतने के उसूल से नफ़रत या बच्चों की पैदाइश और गृहस्ती दिन त्यौहार के वक़्त ख़ुशी मनाने से गुरेज़ (दूर रहना या नफ़रत करना) होगा।
6	बुध	3-6	चंद	थी बहन का ऋण	ज़बानी धोका किसी की थी, बहन की हत्या (हद से ज़्यादा ज़ुल्म) करना।	मासुम कम उम्र या गुमराह बच्चों को फरोख़्त करना (ख़्वाह लड़का या लड़की) या उनका लालच में तबादला जायज़ कर लेना ऐसे ढंग पर जिसका आम दुनियादारों को भेद न खुल सके

शुमार-गिनती गणना हिसाब क़ियाफ़ा-सामुद्रिक शास्त्र नफ़रत-ईर्ष्या वाक़िआत-घटनाएं
आख़ीर-अन्त में गुरेज़-नफरत करने वाला फरोख़्त-बेचना जायज़-ठीक

Astro Lucky

नम्बर शुमार	ग्रह का नाम	किस ख़ाना नम्बर में	कौन दुश्मन ग्रह बैठा हो	ऋण की क़िस्म होगी	वजह पाप	आम निशानी बतौर क़ियाफ़ा
7	सनीचर	10-11	सूरज-चंद्र मंगल	ज़लिमाना ऋण	जीव हत्या मकान (शनि की मुअल्लिक़ा अश्या) धोके से ले लेना मगर इस की क़ीमत किसी तरह भी अदा न करना।	घर के मकानों का बड़ा रास्ता अमूमन दक्कन में होगा या लावल्दों से जगह लेकर मकान बनाया होगा या रास्ता या कुआं छत कर महल बनाए होंगे।
8	राहु	12	सूरज-शुक्कर मंगल	अनजनम्मे का ऋण (पैदा भी नहीं हुए)	ससुराल या बाहमी दुनियावी ताल्लुक़दारों से धोका, फ़रेब या दग़ा के वाक़ियात ऐसे ढंग पर किये हों कि दूसरे की कुल ग़र्क़ हो जावे।	घर से बाहर निकलते हुए दरवाज़े की दहलीज़ के नीचे से घर का गन्दा पानी बाहर निकालने के लिये नाली चलती होगी या दक्कन की दीवार के साथ उजाड़ वीरान क़ब्रिस्तान या भड़भूजे की भट्ठी होगी।
9	केतु	6	चंद्र-मंगल	दरगाही ऋण (क़ुदरती)	कुत्ता-फ़क़ीर-बद चलनी बद फ़ेली मगर ऐसे ढंग पर कि दूसरे की ग़रीब कुत्ते की तरह हद से ज़्यादा दुर्दशा या तबाही हो जावे और ऐसी कारवाईयों में नीयत बद की बुनियाद हो	दूसरों की नर औलाद किसी ना किसी ख़ुफ़िया या गुमनाम बहाने से ज़ाया करवाना। कुत्तों का बिला वजह गोली से मरवाना या केतु कि दूसरी मुतअल्लिक़ा अश्या या रिश्तेदारों की अपने लालच की वजह से कुल नष्ट करना या करवा देना हर हालत में नीयतबद बुनियाद गिनते हैं।

लावल्दों-संतानहीन
भड़भूजे-दाने भूनने वाला
दहलीज़-चौखट, दरवाजा
बद फ़ेली-बुरा काम व्यभिचार
दक्कन-दक्षिण

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर 8

ऋण पितृ की पहली हालत
(जब बुध जड़ में बैठा हो)

बृहस्पत हो ख़ाना नम्बर 9 में	और बुध हो ख़ाना नम्बर 12 में
सूरज हो ख़ाना नम्बर 9 में	और बुध हो ख़ाना नम्बर 5 में
चंद्र हो ख़ाना नम्बर 9 में	और बुध हो ख़ाना नम्बर 4 में
शुक्कर हो ख़ाना नम्बर 9 में	और बुध हो ख़ाना नम्बर 2-7 में
मंगल हो ख़ाना नम्बर 9 में	और बुध हो ख़ाना नम्बर 1-8 में
सनीचर हो ख़ाना नम्बर 9 में	और बुध हो ख़ाना नम्बर 10-11में
राहु हो ख़ाना नम्बर 9 में	और बुध हो ख़ाना नम्बर 12 में
केतु हो ख़ाना नम्बर 9 में	और बुध हो ख़ाना नम्बर 6 में

ऋण पितृ की दूसरी हालत
जब ग्रह मुतअल्लिक़ा की जड़ में उसका दुश्मन ग्रह बैठा हो)

बृहस्पत ख़ाना नम्बर 2-3-5-6 9-12 से बाहर कहीं भी हो	और नम्बर 2 में सनीचर बहैसियत पापी ग्रह या नम्बर 5-शुक्कर या नम्बर 9-बुध या नम्बर 12 -राहु या नम्बर 3-6 बुध शुक्कर या सनीचर बहैसियत पापी

बृहस्पत-बृहस्पति ग्रह
सनिचर-शनि ग्रह
शुक्कर-शुक्र ग्रह
बहैसियत-नीच, गैर शरीफ
मुतअल्लिक़ा-संबंधित
सूरज-सूर्य ग्रह

Astro Lucky

सूरज ख़ाना नम्बर 1-11 से बाहर_____ और नम्बर 5 में शुक्कर या पापी

चंद्र ख़ाना नम्बर 4 से बाहर _____ और नम्बर 4 में शुक्कर-बुध-सनीचर

शुक्कर ख़ाना नम्बर 1-8 से बाहर___ और नम्बर 2-7 में सूरज-चंद्र-राहु में से कोई एक या ज़्यादा

मंगल ख़ाना नम्बर 7 से बाहर _____ और नम्बर 1-8 में बुध-केतु

बुध ख़ाना नम्बर 2-12 से बाहर _____ और नम्बर 3-6 में चंद्र

सनीचर ख़ाना नम्बर 3-4 से बाहर _____ और नम्बर 10-11 में सूरज-चंद्र-मंगल

राहु ख़ाना नम्बर 6 से बाहर _____ और नम्बर 12 में सूरज-शुक्कर-मंगल

केतु ख़ाना नम्बर 2 से बाहर _____ और नम्बर 6 में चंद्र-मंगल

जनम कुण्डली के मुताबिक़ ऊपर ज़िक्र की हुई हर दो हालतों में ख़ाना नम्बर 2-5-9-12 की मन्दी हालत भी ज़रूर साथ हो, तो ऋण पितृ होगा वरना कोई या किसी भी क़िस्म का ऋण पितृ या मातृ या कोई और ऋण न होगा। ख़याल रहे कि ऋण पितृ हमेशा जनम कुण्डली से देखा जाएगा। बर्षफल वाली कुण्डली का उसमें कोई ताल्लुक़ न होगा।

ऋण पितृ का उपाओ

ऋण के मायने कर्ज़ा-पितृ मायने बुज़ुर्गों से मुतअल्लिक़ा या ऐसा पाप या गुनाह जो किया था बुज़ुर्गों ने मगर इसका ऐवज़ भरना पड़ा मौजूदा पुश्तों को। ग्रह की मुतअल्लिक़ा अश्या या रिश्तेदार या कारोबार का उस हद तक नुक़सान कर देना कि मुखालिफ़ का बेड़ा ही ग़र्क़ हो जाने की नौबत आ जावे। ऐसे वक़्त में दुखिया के दिल का धुवां पितृ ऋण का बहाना होगा। इस लिए ऐसे उपाओ के वक़्त तमाम का तमाम ख़ानदान या जहां कही भी उनके ख़ून का कोई ताल्लुक़दार यानी लड़की-पोती-बहु-बहन-दोहता-पोता, बाबा, पड़दादा ग़र्ज़ेकि जहां तक ख़ून का ताल्लुक़ हुआ या हो रहा हो सब के सब को उसका उपाओ में हिस्सा डालना मददगार बल्कि ज़रूरी होगा। औरत के माता पिता (टेवे वाले के ससुर)

वर्षफल-वर्षफल, अश्या-चीजें

मुख़्तलिफ़-विभिन्न प्रकार के
ग़र्ज़ेकि-सारांश यह कि

ख़याल-विचार, ध्यान,

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर 8

की तरफ़ के रिश्तेदारों के लिए पितृ ऋण के उपाओ में बतौर हिस्सेदार शामिल होने की कोई शर्त नहीं। मंगल टेवे वाले की लड़की-बहन-भुवा या उनकी औलाद ख़्वाह नर ख़्वाह मादा) दोहता-दोहती-भांजा-भांजी वग़ैरह का बतौर हिस्सा शामिल होना या करना जायज़ बल्कि ज़रूरी माना है। लेकिन अगर किसी वजह से ऐसा न ही हो सके तो कोई वहम की बात नहीं लेकिन बेहतर होगा अगर हिस्सेदार कर ही लिये जावें। लेकिन अगर किसी वजह से कोई रिश्तेदार बतौर काफ़िर या किसी ज़ाती नाराज़गी की वजह से शामिल न हो या हो सके तो उसको यह अर्ज़ कर देना ज़रूरी होगा कि ऐसे पितृ ऋण या ख़ानदानी कोढ़ का गन्दा बोझा ऐसे बाहर रह जाने वाले प्रानी के ख़ानदान या जिस्म में बाक़ी चलता रहेगा। लेकिन बहैसियत ख़ानदानी मैम्बर ऐसा उपाओ करने वाले का फ़र्ज़ होगा कि वह ऐसे बाहर रह जाने वाले प्रानियों के लिए भी अपनी ख़ुद मरज़ी और हिम्मत से ऐसे गुमराहों का हिस्सा ऐसे उपाओ में दाख़िल कर लेवे। मगर किसी दूसरे के लिए डाला हुआ हिस्सा आम हिस्से से दस गुना किया जायेगा यानी अगर आम हिस्सा एक एक पैसा का हो तो ऐसे गुमराह के हिस्सा का ख़र्चा दस पैसे तसव्वुर होगा।

जिस तरह आम टेवे टीपड़ों में ऊपर कहे हुए ढंग की ग्रह चालों से ज़ाहिर हो जाएगा कि उस ख़ानदान में कौन सा ग्रह बतौर ऋण पितृ चला आ रहा है और उसी तरह ही हू ब हू हर ग्रह की मुतअल्लिक़ा कारवाइयों और नीचे दिए हुए मन्दों असरों से निश्चय होगा कि दर असल ऋण पितृ का ग्रह ख़ुफ़िया तौर पर ख़ानदानी ख़ून में जड़ को खोखला करने के लिए कभी कभी धक्का लगाकर ग़ैबी भूंचाल या स्याह मिट्टी की आंधी की तरह ज़ाहिर होता रहेगा।

नाम ग्रह	किस असर से ऋण पितृ का ज़ाहिर होगा
बृहस्पत	उस ख़ानदान में जिस वक़्त भी कोई आदमी या श्रीमती अपने सिर के बालों के ताल्लुक़ में स्याही से सफ़ेदी मे आने लगे उस की क़िस्मत

टेवे टीपड़ों-जन्म कुण्डली
तसव्वुर-कल्पना
ग़ैबी-देवी ताकत
अर्ज़-प्रार्थना
प्रानी-इन्सान, व्यक्ति, मनुष्य

Astro Lucky

बृहस्पत	का सोना दुनिया कि ज़र्द रंग मिट्टी में बदलता हुआ मालूम होने लगेगा। वक़्त आता नज़र आएगा कि बाल सफ़ेद हुए सफ़ेदी से ज़र्दी में आ पहुंचे तो हू ब हू ऐसी तब्दीलियों के साथ साथ ही घर का सोना पीतल हुआ और पीतल से स्याह लोहा और वह भी ज़ंगार से मारा हुआ यानी बालों की स्याही तक क़िस्मत की कान का ज़ाहिरा ज़र्द रंग सोना रहा। सिर के बालों की स्याही घटी तो क़िस्मत के मैदान की मन्दी स्याही से सोने का लोहा (मन्दी हालत का) आ हुआ। दुनियावी इज़्ज़त बिला वजह बेइज़्ज़ती का बहाना होने लगी। जो काम ख़ुद ब ख़ुद होते चले आ रहे थे या हो जाया करते थे अब दम तोड़कर ज़ोर लगाने से भी कोई नेक फल न पैदा करेंगे। सुख के सांस की जगह दुःख की काली खांसी की आम शिकायत होगी। माथा ख़ुश और हंसता हुआ मालूम होने की जगह दुनिया कि गन्दी कुदूरतों और मुसीबतों का मारा हुआ दर्द करता होगा।
सूरज	जो भी जवान हुआ या जहां भी जवानी में सिर उठाया, उसका जिस्म सिर और पांव राजदरबारी हवाओं के मन्दे झोंकों से तंग आने लगे गोया उठती जवानी के लिए दुःख और ग़रीबी ख़ुद ब ख़ुद उठकर आ मिलने लगे। बचपन की उम्मीदें धूप के असर से काफ़िर की तरह ख़ुद ब ख़ुद ख़तम हुई। मुकदमा किसी का क़र्ज़ा किसी का, डिग्री किसी और के नाम की मगर वसूली डंडे से बेचारे ऐसे प्रानी से होने तक कि नौबत आ पहुंची। किसी ने न देखा कि दरअसल क़सूर किस का है। सब को यही मालूम होता गया कि उस के बाज़ू में जो दर्द हो रहा है वह उसके जिगर की ख़राबी का बहाना है। इस लिए दिल और ज़िगर का आपरेशन होना चाहिये या आंखे तकलीफ़ में है मगर राजदरबारी डाक्टर ने अपनी दलीलबाज़ी को हर तरह से साबित करते हुए उस प्रानी के सब ही दांत निकलवा कर क़र्ज़ा का हलवा खाने के लिए मजबूर कर दिया। ग़र्ज़ेकि लियाक़त की क़िस्मत और दिल की ख़्वाहिश तमन्नाओं की आहें उठती जवानी से बुढ़ापे के शुरु तक अमूमन 48 साला

ख़्वाहिश-चाह, इच्छा अमूमन-प्राय, आमतौर से क़िस्मत-भाग्य, प्रारब्ध

Astro Lucky

सूरज	उम्र तक जिस्म के अन्दर दबी हुई या कफ़न में लपेटकर जाती हुई या अपनी ही हरकत में चलती हुई देखी गई और जूं जूं आज़ा कमज़ोर हुए सिर हिलने लगा। शान्ति की कुछ ठंडी हवा (मददगार) के झोंके साथ देने लगे वह भी उस वक़्त जब कोई बच्चा बल्कि पोता 11 महीने या 11 साल की मियाद में आ पहुंचा।
चंद्र	जब भी ऐसा पुरानी तालीम से ताल्लुक करे या दूध के जानवर उससे मुतअल्लिक़ा हो जावें या ऐसी श्रीमती दूध बनाने लगे (बच्चा वाली होकर) चांदी का पैसा-घड़े का पानी-दिल की शान्ति-रात का आराम-आमदन का फ़व्वारा घर का दूध दुनियावी यार दोस्तों या ताल्लुकदारों की ग़ैबी मदद-रेशम के सफ़ेद रंग की बजाए दीवारों पर रंग बदलने के लिए मिट्टी की सफ़ेदी में तब्दील होने लगी हर चंद कोशिश की, जिस किसी ने भी हिम्मत की तालीम का जवाब निकम्मा ही रहा। रुपया जमा किया तो वह किसी मुर्दे के कफ़नों-रिश्तेदारों की बीमारियों या दूसरे नाहक़ जज़्बे व जुरमानों में ही ख़र्च होता देखा गया और कभी ऐसा वक़्त न पाया गया जब दिल ने ख़ुद ब ख़ुद ख़ुश होकर पीने के लिए दूध मांगा हो या किसी दूसरे साथी को बग़ैर मांगे बिला मतलब ख़ुद ब ख़ुद अपनी ख़ुशी से दूध पिलाया हो। अगर कहीं हुआ होगा तो दूसरे की पगड़ी या दोस्त के जूते को मुफ़्त उड़ाने की ख़्वाहिश ही पैदा हुई होगी।
शुक्कर	शादी हुई या होने के लिए बाजे बजने लगे, जिस्म को धोया बनाया, जिल्द चमकने लगी ख़ूबसूरती ने साथ दिया। औरत या ख़ाविन्द बन बैठे मगर वसल की रात शादी का फल (औलाद नरीना) और दुनियावी ज़ाहिरदारी का नतीजा कभी भला न पाया गया। कहीं जिल्द में (कोढ़-फुलबहरी वग़ैरह) ख़ुशी के वक़्त मातम का साथ यानी इधर शादी हो रही हो उधर उसी वक़्त ही या इसके लगभग इन्हीं का कोई मुर्दा जल रहा या जलाने के लिए तैयार होगा। अगर कोइ फ़तह होती होगी तो किसी न किसी का क़फ़न ख़रीदा गया होगा। बहरहाल ख़ुशी के

मियाद-समय तालीम-शिक्षा ख़्वाहिश-चाह, इच्छा नरीना-नर
बहरहाल-हर हाल में, हर अवस्था में, हर प्रकार से आज़ा-शरीर के अंग-हाथ-पांव-सिर आदि

Astro Lucky

शुक्कर	पल में ग़मी का बीज मिल रहा होगा। मगर पता न चला कि शादी शुदा औरत या मर्द में असल भागवान कौन था। जिसके ऐसे शुभ काम होते ही घर में बन्दर कीला(एक खेल) आज और जमी हुई मिट्टी उड़कर सिर पर पड़ने लगी और गऊ और माता दोनों ही रात को बिलकने लगें। एक चूड़ी टूटी दूसरी के तोड़ने की कोशिश की गई या कई एक थमते थमते ही खुद ब खुद टूट गई मगर भेद न खुला कि वह मर्द था या औरत जिसकी ख़ूब सूरती को देखते ही हर एक ने ऐसे आंसू बहाए जो ज़हिर न हुए कि वह बेहद ख़ुशी के थे या मातम में जले हुए दिल की भाप का पानी जो दिल से उछल कर बाहर क़तरे-क़तरे होकर बहने लगा।
मंगल	जिस्म में ख़ून पैदा हुआ मुंह पर मूछें निकलने लगी या माहवारी अय्याम (हैज़) शुरु हुआ बच्चा बनाने की धुन (लगन या मुहब्बत) पैदा हुई। हर नये काम जिस में भी हाथ डाला का नतीजा खुद ब खुद नेक होता हुआ मालूम होने लगा। जो नहीं भी जानता था, कोसों दूर से ऐसे प्रानी को शौक़ से मिलने-मिलाने का ख़्वाहिशमन्द हुआ। दुश्मन झिझकने और दोस्त आशा रखने लगा। जो भी दांतो में आया खुद ब खुद ही चक्की में अनाज के साथ घुन (कीड़ा) की तरह ही पिसता चला गया। मैदानी जंग-राज सभा-यार दोस्त (स्त्री दरबार या माता के परिवार) ग़र्ज़ेकि हर जगह उसकी तलवार का डंका बजने लगा मगर अचानक दम के दम में क्या हुआ कि गुम नाम आग भड़क उठी। छत पर पहुंचने से अभी थोड़ा ही नीचा था कि कमर टूट गई। छाती की हड्डियां आ टूटीं ख़ून गर्दिश में हुआ किसी यार दोस्त ने मदद न की और मिट्टी की डली के इल्ज़ाम में ही उसका ख़ून बहा दिया गया। रहम ने साथ छोड़ा। मुन्सिफ़ ने नज़र फेरी और ज़िन्दा ही क़ब्र में गाड़ दिया गया। वह अपने धरम ईमान पर चलता रहा हर एक पर भरोसा रखा मगर ज़हिरदारी दुनियावी खाण्ड ने शीशे के बारीक टुकड़ों के रेत का

ज़ाहिरदारी-दिखावा

मुन्सिफ़-न्यायकर्ता

ख़्वाहिशमन्द-लालसा

हैज़-रज, ऋतु, स्त्री का मासिक धर्म का खून

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर 8

मंगल	सबूत दिया। एक नहीं जो भी ख़ानदान में होनहार सबसे अच्छा उम्दा हैसियत का फल या एक कारआमद प्रानी साबित होता हुआ मालूम होने लगा। अचानक मौत का शिकार या किसी न किसी और वजह से नाहक बरबाद या तबाह देखा गया। उम्र का आम अर्सा 28 साला उम्र और 36 के दरमियान का अर्सा उस ज़ालिम चक्की के चलने का ज़माना पाया गया मगर किसी हकीम या डाक्टर ने यह तफ़्तीश न की कि उसके ख़ून में उस क़दर ताक़त और अच्छी हालत होते हुए उसमें अचानक और दम के दम में ज़हर आ बनने कि वजह क्या थी। एक नहीं 2 नहीं वाक़िआत तो बहुत हुए मगर तमाम हमदर्दों ने सिर्फ़ अफ़सोस के आंसू बहाये मगर बे मौक़ा ज़ालिम तलवार के चलाने वाले का सुराग़ न पाया गया। मुंह पर मूछें क्या निकलीं मौत की आमद की किरणें साबित हुईं।
बुध	लड़की पैदा हुई बहन का साथी भाई आ पंहुचा। दोनों मिलकर बैठने लगे। हां हां हू हां तु-तां होने लगी। दांतों की चक्की चलते ही आवाज़ आ निकली कि कोई लटक गया। कपड़ा आ फंसा। चक्की को हलका करो। किसी समझदार को आवाज़ दो जो करंट आफ़ करे (बिजली की ताक़त को हटाओ) जल्दी करो वह पिसता चला जा रहा है। चक्की ताक़त घटाने पर और भी उलटी तेज़ हुई जा रही है अक़्ल मारी गई। दाएं की जगह हाथ बांए पर लग गया। ज़बान का एक ज़रा सा लफ़्ज़ तलवार से ज़्यादा नुक़सान कर बैठा। लड़का पैदा हुआ, घर वालों ने शुक्र मनाया मगर बाप को पता नहीं कि क्या आ पड़ा कि उसका धन दौलत सब रेत आ हुआ। नाड़ें खिंचने लगीं, दांत हिलने लगे और ऐन जवानी के पूरे ज़ोर पर चलती हुई चक्की की मरकज़ी कीली निकल बैठी। पिता की उम्र शक्की हुई या माता अपनी ही जान से हाथ धो बैठी या उस ख़ानदान में जब तक कोई बाप (बेटा का) न बना या माता न हुई। ख़ुशहाल और तन्दुरुस्त रहे मगर जों ही कि नूर चश्म

तफ़्तीश-खोज, तलाश, कारआमद-असरदार, प्रभावशाली, वाक़िआत-घटना, हाल, आमद-आना, आगमन, मरकज़ी-केन्द्रीय नूर-चश्म-आंखों का तारा

Astro Lucky

बुध

ख़ानदान का चिराग़ या लड़के पैदा हुए। वह प्रानी जो अब बाप बना
अपने ही दिल में अपनी हालत को देखकर रात के वक़्त आंसू बहाकर
सोने लगा। मगर बर्तन में उस गुमनाम सुराख़ का भेद छुपता ही चला आया।
अगर कोई माता बनने पर जिन्दा रही तो वह आख़ीर बुढ़ापे तक अपनी मन्दी
हालत को देखकर हर रात सिसकती और बिलखती (रोती) ही देखी गई
और जो बाप बना था वह हर चन्द अपने ख़र्च और कारोबार को थम थमाकर
चलता चलाता गया मगर न पहचान सका कि उसकी ज़ाती और जद्दी जायदाद को बरबाद
करने वाला कीड़ा किस जगह लगा हुआ है और उसकी ख़ुशी के
बाजे से मातम की आवाज़ क्यों आ रही है। साल भर अगर कहीं मेहनत
से दो पैसे जमा कर ही लिए तो आख़ीर पर नया साल शुरु होने से
पहले दो आने का ख़र्चा यानी $1\frac{1}{2}$ आना मनफ़ी का जवाब ही मिलाता रहा
मगर बचत सिर्फ़ यही रही कि अगर रुपया ने हार दी तो जानों ने
साथ नहीं छोड़ा लेकिन उस नमक हराम लौंडी (बुध) ने कई
ख़ानदानों को तो ऐसा तबाह करके छोड़ा कि उनके नाम लेवा तो एक तरफ़
रहे बल्कि अपने शरीक भाईचारा आमदन के मददगार ख़ानदानी पालने
वाले बुज़ुर्ग माता ख़ान दान के रिश्तेदार या आइन्दा आने वाले
मासूम बच्चे दोनों हाथों से सिर पीटते बल्कि कई दफ़ा तो ये सब के
सब मेहरबान गुमनाम गड्ढों में गिर कर दम के दम में ख़तम होते देखे
गए। सिर्फ़ वही भला मालूम हुआ जिसकी ज़ुबान न थी या जो अपनी तकलीफ़
को ज़ाहिर न कर सका। जहां कुछ भी न था उस कोढ़ी का फंदा मौजूद था
मगर उस फंदा लगाने वाले शिकारी का साया किसी को मालूम न हुआ। दांत
आए चले गए, ससुराल ख़तम हो गए या पिस चुके, मामूं दर बदर हुए
या चल गए मगर उस छुपे लड़की के भेद में ज़ालिम क़साई के चक्कर का राज़

आख़ीर-अन्त, आखिर, मनफ़ी-नष्ट किया हुआ ख़तम-खत्म तक़लीफ-कष्ट

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर 8

बुध	खुलने न पाया। उम्र 34 से 48 हुई या बोलना सीखने के वक़्त से दांत निकल जाने तक तमाम जिस्म की नाड़ों ने कोशिश करके देखा कि भेद क्या है तो यही मालूम हुआ कि **हज़ारों भटकते हैं लाखों दाना करोड़ों सयाने** **जो ख़ूब करके देखा आख़िर ख़ुदा की बातें ख़ुदा ही जाने** जिसने कुछ काम न किया उसका नाम बदनाम हुआ लेकिन जिसने कुछ काम किया वह गुमनाम हुआ मगर दोनों के दायरे की हदबन्दी का निशान कोई मुक़र्रर न हुआ।
शनि	नींद से उठे आंखे खोली तो मकान के दरवाज़े पर दस्तक की आवाज़ आई कि वह किधर गए जो शाम को मशीनों का सौदा कर रहे थे कुछ बयाना भी दे गए थे। कारख़ानों की दीवारों तक का ख़र्चा पेशगी जमा करवा गए मगर बात अभी तय न होने पाई थी कि उनकी आंखों में अचानक मिट्टी का ज़र्रा उछल कर पड़ गया। सिरदर्दी शुरु हुई और सब कहानी जहां कि तहां रह गई सब इंतज़ार में हैं। बारिश ज़ोर कर रही है। सामान मकान बरबाद हो रहा है चलिए पता करें कि वह साहब कहां है। इतने में भागती हुई लौंडिया आई कि मकान के उस कोने में जहां कि जिस नारियल और लकड़ी का बारदाना (गोदाम) जमा था आग से ख़ाक हो गया है आग को बुझाने वाले पानी के नल की चाबी का ज़िम्मेदार चौकीदार कहीं बाहर गया हुआ है। उस नागहानि आग में एक दो रिश्तेदार भी टांगों से ज़ख्मी हो गए हैं और उनको हस्पताल पहुंचाने का इंतज़ाम नज़र नहीं आता। यह तकरार हो ही रही थी कि कोने में एक सांप सरकता हुआ नज़र आया सब का दम खिंचने लगा और यह सब राम कहानी ख़्वाबी हवा मालूम होने लगी। बारिश के ज़ोर से बग़ैर छत के खड़ी हुई दीवारें खटा-खट गिरने लगीं और नींद से उठते ही पहला नज़ारा दरपेश हुआ। ससुराल

मुक़र्रर-निश्चित, निर्धारित, नागहानि-अकस्मात
दरपेश-एक द्वार से दूसरे द्वार पर हदबन्दी-सीमा निर्धारण

Astro Lucky

सनीचर	और बच्चों की दरसगाहों से पैग़ाम आए कि पुलिस और मकामी अफ़्सरों और महकमा तालीम की जिम्मेंदार हस्तियों से नाहक़ झगड़े फ़साद खड़े हो गए लड़का निहायत लायक और मकानों, इंजनों, पहाड़ों, खानों और मादनियात और डाक्टरी के इल्म से पूरा वाकिफ़ था मगर वजह न मालूम हुई कि मुकाबले पर मुमतहन ने क्यों सिफ़र नम्बर देकर निकाल दिया। लड़का जिस क़दर ज़्यादा समझदार और होशियार था, बाज़ार में उसी क़दर ही उसकी बेकद्री पाई गई मकान देखने में आलीशान और भारी लागतें ख़र्च करके बनाए गए मगर ज्यों ही उनमें रहने का मौक़ा आया किसी ने उन में आराम न पाया अगर कोई बना बनाया ही मकान ख़रीदा गया तो उसकी सीढ़ियां दरमियान से टूटी हुई या तोड़ कर दोबारा ही बनती रही। बल्कि कई दफ़ा तो मालिक ने (जिस ने मकान बनवाया) उस ने मकान में एक रात भी सोकर न देखा । अगर कहीं भूलकर सो ही गया तो सुबह दोबारा उठता (जागता) न देखा गया । कोशिश तो बहुत की मगर पता न लगा कि उस ख़ानदान में मकानों या मकान के सामानों का आराम क्यों नहीं मिलता और वहां सांपों हथियारों या नाहक़ ज़हर के वाक़िआतों से ख़ानदान क्यों घटता चला गया।
राहु	शाम हुई, नींद का दौरा जारी हुआ, कुछ कुछ ख़्वाब की लहरें लगनें लगीं। हर तरह का आराम और दुश्मनों से बचाओ का समान मुहैय्या हो चुका कि अचानक बिजली की लहर फट निकली (लीक कर गई)। सजा सजाया मकान जल उठा। ख़्वाब भूला, नींद उचट गई और जान के लाले पड़ गए। देर नहीं गुज़री कि करोड़ों अरबों के मालिक नीलम के व्यापारी दम के दम मे ख़ाक हो गए। सोना गुम हुआ जगह ब जगह-चोरी-राहज़नी-ग़बन-धोका देही और फ़रेब के वाक़िआत से धन हानि होने लगी। जो भी कोई ससुराल का ताल्लुकदार हुआ या 16 से 21 साला उम्र में पहुंचा सिर से

नाहक़-अकारण
दरमियान-मध्य में
राहज़नी-लुटेरा
बाक़िआत-घटना
सिफ़र-शून्य

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर 8

राहु	जख़्मी-ख़यालात का आलूदा (गन्दा) और जिस्म में बेढब बेडौल बीमारियों से मारा हुआ नौजवानी की बजाए बचपन में ही बूढ़ा आज़रदा और निकम्मा साबित होने लगा। जिस क़दर ज़्यादा समझ सोच और अक़्ल से काम करता गया उसी क़दर ही बेकार निर्धन और बेमददगार पाया गया। शाम को सोया ख़्वाब में सोचा, तनहाई में सोचा मगर पता न चला कि सोना ख़्वाम-ख़्वाह रंगदारी पीतल ज़र्द झिलमिल रंग से क्यों नीले रंग में बदलता गया। ख़ानदानी मेम्बर बाल बच्चे और नौजवान लड़के देखने में ख़ूबसूरत कद-आवर मगर सांस में क्यों रुकने लगे, दमां-मिरगी-काली खांसी और सांस की तरह तरह की तकलीफ़ें-बेगुनाह जेल ख़ाने और बेमौक़ा और अचानक मौतों की तदाद बढ़ने लगी। जहां तक भी इस ख़ानदान के ख़ून का असर पहुंचा काली मिट्टी की आँधी का ज़ोर और ज़माने का तकरार बढ़ता गया। ख़ुद ख़्वाह कितने ही शरीफ़ ग़रीब तबीयत और डर कर चलने वाले हुए मगर मुन्सिफ़ ने मुकदमे के फ़ैसले पर कुछ न कुछ जुर्माना-जेल ख़ाना या तावान डाल ही दिया। कसूर ख़्वाह था या न था मगर बताया न गया कि वजह क्या थी। जो किया सब कुछ ऐसा उलट पलट होता गया। ज़मीन की तह से छत तक नज़र दौड़ाई नीले समन्दर और आसमान दोनों तक की छान बीन कर ली। सुबह से पक्की शाम तक ग़ौरो ख़ौज़ किया मगर जवाब वही रहा कि यह सिर्फ़ बहम है फ़र्ज़ी ख़याल है या किसी हद तक दीवानगी का मेयार (पैमाना) है, जो यह गुमनाम सज़ाएं आफ़तें और दिलदर्दी की बुनियादें खड़ी खड़ा कर रहा है।
केतु	बच्चे खेल रहे थे इधर उधर भागने लगे और कुत्तों के बच्चे भी साथ आ शमिल हुए। अचानक कोई मुसाफ़िर आया इस का पांव फिसला कुत्तें के मुंह पर लगा। वह अपनी जान बचाने के लिए दूसरे मासूम

ज़र्द-गहरा पीला
मेयार-पैमाना
मुन्सिफ़-न्यायकर्ता, इन्साफ़ पसंन्द
ख़यालात-विचार, ध्यान
ग़ौरो ख़ौज़-सोच विचार

Astro Lucky

केतु

बच्चे पर झपटा जो डर कर भागता हुआ सड़क पर मोटर के नीचे आ गया। माता जी जो छाटे बच्चे को 2 मंज़िले मकान पर नहला रही थीं वाक़ै को देखकर उस बच्चे को वहीं छोड़कर नीचे का रुख़ किया मर गऐ हुए बच्चे का भाई तीसरी मंजिल की छत पर धूप सेंक रहा था शोर शराबे से नीचे को देखने पर तह ज़मीन पर आ गिरा माता का छोड़ा हुआ बच्चा पानी के बर्तन में लेट कर डूब गया। छत से गिरा हुआ लड़का गिरते ही दम बहक हुआ और गर्दिश की घिरी हुई माता मोटर के नीचे आई हुए लाश और छत से गिरकर मरे हुए होनहार को जब उठाकर ऊपर पहूंची तो देखा कि सब से छोटा भाई तो पानी में ही अपनी नींद से करवट लम्बी कर चुका है माता की टांगे फूल गई। किसी का सलाह मशविरा काम नही देता कान आवाज़ नहीं सुनते और उस बेचारी की रीढ़ की हड्डी बग़ैर किसी के मारे ख़ुद ब ख़ुद टूट रही है। अभी तीन थे, अभी एक भी नहीं रहा, किस को कहे कि किस ने मार दिये और और क्यों और कब मार दिये। ख़ानदान में किसी के तो नर औलाद हुई ही नहीं, किसी के होकर मरती गई और किसी की जब चलने फिरने के वक़्त पर पहुंची तो टांगों से नकारा होती गई। अगर फिर भी किसी ने जवानी देखी तो कानों से बहरा पैशाब की बीमारियों से दुखिया अधरंग फ़ालिज का मरीज़ ही होता गया। अगर अपना ख़ानदान बचा तो मामूं ख़ानदान की मिट्टी उड़ गई। अगर घर में दो पैसा जमा किए तो मुसाफ़िरी में हज़ारों का नुक़सान जा देखा। अव्वल तो कोई नेक सलाह कार मिलता ही न था, लेकिन अगर किसी पर ऐतबार किया तो उसने गुमराह करके कोई न कोई तूफ़ान ही खड़ा कर दिखाया। मगर उस अचानक धोके जंजाल और दुनिया की दो रंगी के मन्दे नतीजे या हर दो रंग में मन्दगी के ही पहलू की बुनियाद का सुराग़ न चला।

गर्दिश-चक्कर

फ़ालिज-एक रोग जिसमें आधा शरीर बेकार हो जाता है, लकवा, पक्षाघात

खुद ब खुद-अपने आप, आप से आप स्वयं

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर 8

नाम ग्रह	उपाओ
बृहस्पत	कुल ख़ानदान के हर एक मैम्बर जहां तक कि ख़ून का असर हो हर एक से एक एक पैसा वसूल करके धरम मन्दिर में एक ही दिन देना या उनके ख़ानदानी घर से बाहर निकलने के लिये दरवाज़े पर अटक जाएं मुंह बाहर को और पीठ मकान के अन्दर को है। अब जिधर नज़र जा रही है या जिधर बायां हाथ है इन दोनों तरफ़ों में सोलह क़दम के अन्दर बृहस्पत की अश्या धर्म मन्दिर या पीपल का दरख़्त मौजूद होगा, उसकी पालना करना।
सूरज	कुल ख़ानदान के हर एक मैम्बर जहां तक कि ख़ून का असर हो उन सब का बराबर और मुश्तरका हिस्सा लेकर यज्ञ करना।
चंद्र	कुल ख़ानदान के हर एक मैम्बर जहां तक कि ख़ून का असर हो उन सब से बराबर बराबर हिस्सा की चांदी लेकर दरिया में एक ही दिन बहा दी जावे।
शुक्कर	100 गौओं को जो कि अंगहीन न हों कुल ख़ानदान के बराबर बराबर और मुश्तरका ख़र्च पर एक ही दिन में लज़ीज़ भोजन वग़ैरह खिलाया जावे।
मंगल	बाहर से गांव में दाख़िल होने पर दरमियानी दुकान के मालिक जो सनीचर के कारोबार से पेवस्ता मसलन कोई कारीगर पेशावर हकीम हाज़िक या नालबंद वग़ैरह हो। तमाम ख़ानदान के ताल्लुक़दारों से एक एक पैसा इकट्ठा करके ऊपर ज़िक्र करदा: शनि के मुतअल्लिक़ा कारोबार करने वाले शख़्स को इस काम को कुछ हिस्सा मुफ़्त करने के लिए देना। **ऐसे शख़्स की निशानी:-** गांव में मशरिक़ की तरफ़ से दाख़िल हुए एक चौक आया पीठ अभी गांव से बाहर की तरफ़ को ही है और मुंह गांव की अन्दर की तरफ़ को ऐसी हालत में चौक में ठहरे गए सामने ऐसे शख़्स की दुकान होगी दाएं हाथ की तरफ़ उस

अश्या-चीजें दरख़्त-वृक्ष मशरिक़-पूर्व दिशा
पेवस्ता-जुड़ा हुआ, सटा हुआ मुतअल्लिक़ा-संबंधित मसलन-जैसे

Astro Lucky

मंगल	चौक से रास्ता जा रहा है और दुकान का एक दरवाज़ा भी उसी हाथ पर है। बाएं हाथ की तरफ़ जो दुकाने हैं उनका मालिक उन्हें बेच गया। जिस ने ख़रीदीं उसका लड़का मर गया या जिसने उन दुकानों में कारोबार किया वह बरबाद हो गया। ऐसे शख़्स के अव्वल तो नर औलाद हुई ही न होगी और अगर हो गई तो वह बेचारा ऐसी औलाद की जवानी का ज़माना न देख सका और अगर कारकज़ा लड़के जवान हो भी गए तो वह बच्चे इस शख़्स की अमूमन दुर्दशा ही करते रहे वजह सिर्फ़ यही हुई कि वह शख़्स शनि नम्बर 4 का मारा हुआ था यानी हकीम होते हुए सांप का तेल बेचता रहा। कारीगर होता हुआ धोका देही से पक्के की जगह कच्चा सामान देता गया या दूसरों की शनि की मुतअल्लिक़ा अश्या को ऐसे धोके से बरबाद करता गया जिसके सिर्फ़ ग़ैबी ताक़त का मालिक ही पहचान सका।
बुध	कुल ख़ानदान के हर एक मैम्बर (जहां तक कि ख़ून का असर हो) ज़र्द कौड़ी एक एक लेकर एक ही जगह इकट्ठी करके जलाकर उसकी राख़ को उसी दिन दरिया में बहा दें।
शनि	100 मुख़्तलिफ़ जगह की मछलियों को एक ही दिन में कुल ख़ानदान के बराबर बराबर और मुश्तरका ख़र्च से ख़ाना वग़ैरह देवें।
राहु	कुल ख़ानदान के हर एक मैम्बर जहां तक कि ख़ून का असर होवे एक एक नारियल लेकर एक जगह ही इकट्ठे करके एक ही दिन में दरिया में बहा देवें।
केतु	100 कुत्तों को एक ही दिन में कुल ख़ानदान के बराबर बराबर और मुश्तरका ख़र्च से लज़ीज़ ख़ाना वग़ैरह देवे। या उनके ख़ानदानी घर में अन्दर दाख़िल होने के लिए बाहर दरवाज़े पर ठहर गए। पीठ बाहर को है और मुंह उस मकान को देख रहा है उनके घर के साथ लगते हुए बाएं हाथ के मकान में एक बेवा होगी जो अपनी छोटी उम्र से ही दुखिया हो चुकी होगी उसकी आशीर्वाद लिया।

शख़्स-मनुष्य, आदमी
मुख़्तलिफ़-विभिन्न प्रकार के
अमूमन-प्राय, आमतौर से
मुश्तरका-मिले जुले,
अश्या-चीज़े,
आशीर्वाद-आशीर्वाद
ग़ैबी-देवी

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर 8

महादशा का ग्रह

(''मर्ज़ बढ़ता गया जूं-जूं दवा की'' और डरते डरते आख़ीर एक दिन मौत का ख़्वाब अजल का फ़रिश्ता ही बन बैठा)

ख़ास ग्रह बवक़्त महादशा

मंगल देखता 8 चौथे को
शनि देखे घर 10 तीजे को
एक अकेला या मुश्तरका
9 ही ग्रह घर 6 वें बैठे

गुरु देखे 5-9 वें घर
दृष्टि होवे कुल पूर्ण घर
बन्द मुट्ठी के ख़ानों में
देखा करें उन तरफ़ों में

1:-किसी ग्रह का लगातार ही मन्दी हालत का ज़माना महादशा का अर्सा होगा और उम्र के एक 35 साला चक्कर में सिर्फ़ एक ग्रह ही महादशा में हो सकता है और एक क़िस्मत के ताल्लुक़ में ''ग्रहण'' या इन्सान की तमाम उम्र में ऐसा ज़माना ज़्यादा से ज़्यादा 39 साल हो सकता है। एक महादशा के बाद अगर फ़ौरन दूसरी महादशा शुरु हो जावे तो दोनों महादशाओंके दरमियान का अर्सा (एक का ख़तम और दूसरी का शुरु) महादशा के मन्दे असर का न होगा।

☞ जहां कहीं भी बैठे हों उस बैठा होने वाले घर को एक नम्बर 1 यानी पहला घर गिनकर चौथा या आठवां वग़ैरह महादशा के वक़्त ग्रहों कि मियाद मंदरजाज़ैल होगी।

बृहस्पत 16, सूरज 6, चंद्र 10, शुक्कर 20, मंगल 7, बुध 17, सनीचर 19, राहु 18 केतु 7 कुल 120 साल।

आख़ीर-अन्त
अजल-मृत्यु, मरण, मौत, काल
अर्सा-समय अवधि
तरंत-शीघ्र, उसी समय, उसी क्षण
मन्दरजाजैल-निम्नलिखित

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर 8

2-(i) क़िस्मत का ग्रह (ii) राशि फल का ग्रह (iii) ऊंच या क़ायम और (iv) नेक ग्रह कभी महादशा में न होगा।

3-जब बन्द मुट्ठी के ख़ानों (1-7-4-10) में कोई भी ग्रह बैठा हो और साथ ही मुट्ठी के बाहर के घरों में कोई ऊंच ग्रह न हो यानी नम्बर 9 में चंद्र नम्बर 3 में राहु नम्बर 6 में बुध राहु नम्बर 9 में केतु और नम्बर 12 में शुक्कर या केतु बैठा हो या नम्बर 4 या ख़ुद चंद्र अच्छे हों तो महादशा हरगिज़ न होगी।

4-महादशा के वक़्त ''धोके का ग्रह'' तब्दीली हालात पैदा करेगा हर सातवें साल बज़रिया राहु और हर आठवें साल बज़रिया ग्रह नम्बर 8

5-महादशा में हो चुके ग्रह का दूसरों पर काई बुरा असर न होगा।

6-महादशा के वक्त हर ग्रह का जो महादशा में हो गया हो मन्दरजा ज़ैल सालों में अपना जाती असर (बमूजिब बर्षफल) बहाल होगा।

ग्रह	कौन से साल अपना असली फल बहाल होगा
बृहस्पत	10 वें या दसवां साल बृहस्पत की गुरु पदवी और रियायती साल के अलावा होगा।
सूरज	ताक़ (उम्र के वो साल जो 2 के हिन्दसा पर तक़सीम न होवे हो जावे यानी 1-3-5 वग़ैरह।)
चंद्र	जुफ़्त (उम्र के वो साल जो 2 के हिन्दसा पर तक़सीम हो जावे हो यानी 2-4-6 वग़ैरह।)
शुक्कर	11 वें उस ग्रह के आम दौरा के 3 साला अर्सा का पहला साल शुक्कर में मंगल
मंगल	चौथे के ग्रह का असर प्रबल होने का होता है।
बुध	5 वें
सनीचर	6 वें
राहु	7 वें
केतु	तीसरे
	बृहस्पत की आम मियाद 16 साला हुआ करती है मगर बृहस्पत की हालत में ही।

बज़रिया-के रास्ते से, माध्यम से, तक़सीम-भाग

बमूजिब-अनुसार, जुफ़्त-सम संख्या

ताक़-विषम संख्या

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर 8

महादशा नौवें से शुरु होगी और यह ग्रह अपनी महादशा के वक़्त का पहला दूसरा आठवां दसवां और 14 वां ज़ाती असर का रख लेगा और गुरु होने की हैसियत से अपने उम्र के निस्फ़ अर्सा यानी 8 साल तक कभी बुरा असर न देगा और महादशा 9 वें साल से ही शुरु होगी। टेवे वाले का महादशा के ज़माने का हाल और उसकी औरत का हाल चंद्र कुण्डली से देखा जाएगा जिसके लिए बर्षफल भी उसी कुण्डली से बनाएंगे।

चंद्र कुण्डली:- जिस घर में ज्यातिष वालों ने लफ़्ज चंद्र का ग्रह लिखा हो उस घर को जनम लगन वाली राशि का नम्बर लगाकर तमाम ख़ानों में 12 हिन्दसे पूरे कर देंगे। इस तरह से जहां भी एक का हिन्दसा आवे वह घर सामुद्रिक में पहला ख़ाना होगा। चंद्र कुण्डली के देखने के लिए अब सामुद्रिक के हिसाब से एक कुण्डली तो जनम कुण्डली नम्बर अव्वल कहलाई दूसरी महादशा के लिए चंद्र कुण्डली वाली। दोनों का फ़र्क़ यह होगा कि जनम लगन में चंद्र का ग्रह ख़ाना नम्बर 10 पर आ गया और चंद्र कुण्डली में वही चंद्र ख़ाना नम्बर 10 पर हो गया। क्योंकि जनम राशि दोनों हालतों में सिंह राशि नम्बर 5 फ़र्ज़ कर लिया था। अब दोनों कुण्डलियों का जुदा-जुदा हाल लाल किताब के हिसाब से जुदा जुदा देखा गया। फ़र्क़ हालात में यह होगा कि चंद्र कुण्डली का असर अचानक और सहवन और भूले भुलाए कभी कभी ज़ाहिर होगा और वह भी महादशा के ख़ाली रखे हुए सालों में और धोके ग्रह के सालों में जो होगा पक्का भेद जिसे राशिफल कह कर शक का फ़ायदा उठाएंगे। (राशिफल व ग्रहफल का फ़र्क़ वग़ैरह जुदी जगह लिखा गया है)

पैदाईश 2 चैत सम्वत 1922 सनीचर वार बमुकाम लाहौर छावनी ख़ास 5 बजे सुबह मुताबिक़ $19\frac{3}{36}$ हो तो उस दिन होगा।

(कुण्डलियां अगले सफ़ह: पर मलाहिज़ा हों)

निस्फ़-आधा, मलाहिज़ा-निरीक्षण | सहवन-अनजाने में, मुताबिक़-समान, बराबर | बमुक़ाम-के स्थान पर

Astro Lucky

चंद्र कुण्डली नम्बर (2)

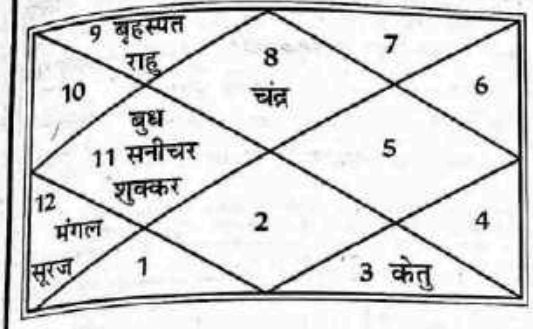

जनम कुण्डली कुंभ लगन (1)

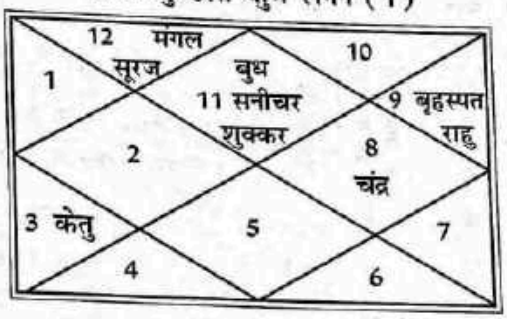

अब 'लाल किताब' के लिए पैदाइश के दिन वाली चंद्र कुण्डली में चंद्र को जनम लगन की राशि यानी हिन्दसा नम्बर 11 दिया तो वही चंद्र कुण्डली आम हालत के लिए हस्बे ज़ैल होगी।

या हिन्दसा नम्बर 1 को अपनी ऊपर की जगह किया तो लाल किताब के मुताबिक़ लाल किताब की चंद्र कुण्डली होगी, वास्ते महादशा।

नम्बर 3

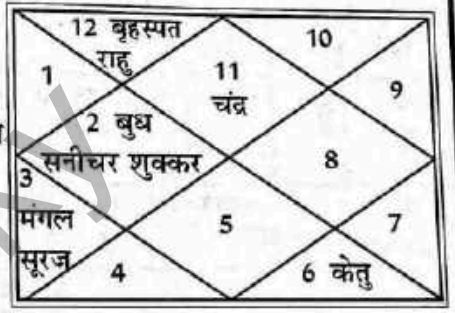

नम्बर 4

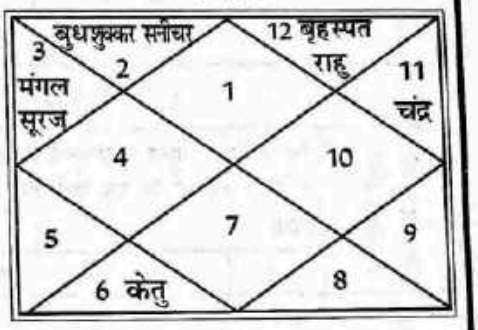

7-(i) जब किसी ग्रह के बराबर के ग्रह नीच और रद्दी हों मगर वह ख़ुद नीच और रद्दी न हो तो ऐसा ग्रह तख़्त पर आने के बाद (बमूजिब बर्षफल) जिस महीने ख़ुद ही नीच और रद्दी हो जावे उस दिन से महादशा में हो गया माना जाएगा लेकिन (ii) जब वह ग्रह ख़ुद भी नीच और रद्दी होवे और उसके बराबर के ग्रह भी नीच और रद्दी हो तो तख़्त पर आने के दिन (बमूजिब बर्षफल या जनम दिन (जब बमूजिब जनम कुण्डली सब तरफ़ रद्दी हालत हो) से ही महादशा में हो गया होगा। महादशा के वक़्त दोस्त ग्रहों की कोई मदद न होगी। मगर दुश्मन ग्रह जख़्म पर नमक छिड़कने की तरह मन्दा असर देते होंगे)

(नक़्शा अगले सफ़्ह : मुलाहिज़ा हो)

हस्बे ज़ैल-निम्नलिखित, बमूजिब-अनुसार मुताबिक़-समान, बराबर

सफ़्ह:-पृष्ठ

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर 8

महा दशा के साल	महादशा मे हो चुके हुए ग्रह की तरफ़ मंगल सनीचर और बृहस्पत की दृष्टि की नज़र जुदी होगी।	ग्रह ख़ाना नम्बर में		बराबर के ग्रह किन घरों में बैठे हों	जनम कुण्डली में ही यह ग्रह चाल हो तो उम्र का साल मंदा होगा	वर्षफल जिस साल बमूजिब बर्षफल ख़ाना नम्बर अलिफ़ उस की ग्रह चाल क़ायम हो बैठे इस साल को पहला साल कहेंगे फिर उससे आकर महादशा का साल मंदा
16		बृहस्पत	10	राहु 9-12 केतु 3-6 सनीचर 1	20-21-22 वां साल	11-12-13 वां साल
6		सूरज	7	बुध नम्बर 12 में हो	उम्र का 12 वां साल	महादशा का 6 वां साल
10		चंद्र	8	शुक्कर 6 सनीचर 1 मंगल 4 बृहस्पत 10	उम्र का 17 वां साल	महादशा का 10 वां साल
20		शुक्कर	6	मंगल 4 बृहस्पत 10	9-11-12-13-17-18-20-25-27	1-3-4-5-9-10-12-17-19
7		मंगल	4	शुक्कर 6 सनीचर 1 राहु 9-12	4-5-6-9	1-2-3-6
17		बुध	12	सनीचर 1 केतु 3-6 मंगल 4 गुरु 10	11-14-15-17-22-24-28	1-3-4-6-11-13-17
19		सनीचर	1	केतु 3-6 बृहस्पत 10	1-2-11-13	1-2-11-13
18		राहु	9	बृहस्पत 10 चंद्र 8	6-8-9-10-14-15-16-17-18-20-22	1-3-4-5-9-10-11-12 13-15-17
7		केतु	12 3	बृहस्पत 10 सनीचर 1 बुध 12 सूरज-7	12-14-16-17-20-22-23-24 26-28-9-3-4-6	1-2-3-1-3-5-6-9-11 12-13-5-17-18
कुल 120 साल			6		9-12-13	1-4-5
		अलिफ़	बे	जीम	चाल	सीन
				केतु 7 में से 3 मंदे राहु 18 में से 11 मंदे सनीचर 19 में से 4 मंदे बुध 17 में से 7 मंदे मंगल 7 में से 4 मंदे शुक्कर 20 में से 8 मंदे चंद्र 10 में से 1 मंदे सूरज 6 में से 1 मंदे बृहस्पत 16 में से 3 मंदे	साल होंगे कितने मंदे ज़माने से महादशा के
				120 में से 42		

किस ग्रह चाल के वक़्त महादशा होगी

किस ग्रह की महादशा होगी	किस किस ख़ाना नम्बर कौन कौन ग्रह महादशा मे हो जाने वाले ग्रह के बराबर का मगर नीच हालत में बैठा हो (नोट) बराबर के ग्रह मन्दे होने पर भी जो किसी तरह मन्दे हो सकते हैं ख़्वाह किसी जगह महादशा का ज़माना होगा											
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
बृहस्पत	सनीचर	-	केतु	-	-	केतु	-	-	राहु	बृहस्पत	-	राहु
सूरज	-	-	-	-	-	-	सूरज	-	-	-	-	बुध
चंद्र	सनीचर	-	-	मंगल	-	शुक्कर	-	चंद्र	-	बृहस्पत	-	-
शुक्कर	-	-	-	मंगल	-	शुक्कर	-	-	-	बृहस्पत	-	-
मंगल	सनीचर	-	-	मंगल	-	शुक्कर	-	-	राहु	-	-	राहु
बुध	सनीचर	-	केतु	मंगल	-	केतु	-	-	-	बृहस्पत	-	बुध
सनीचर	सनीचर	-	केतु	-	-	केतु	-	-	-	बृहस्पत	-	-
राहु	-	-	-	-	-	-	-	चंद्र	राहु	बृहस्पत	-	राहु
केतु	सनीचर	-	केतु	-	-	केतु	सूरज	-	-	बृहस्पत	-	बुध

दी हुई ग्रह चाल के वक़्त अगर उसी वक़्त ही ख़ाना में ग्रह बैठा हो ख़ाना नम्बर 2 में चंद्र या नम्बर 3 में । राहु नम्बर 6 में बुध या राहु या दोनों ही नम्बर 9 में केतु नम्बर12 में केतु या शुक्कर या दोनों ही या ख़ाना नम्बर 4 में अच्छे ग्रह हों या ख़ुद चंद्र किसी भी घर में अच्छे असर का हो तो कभी महादशा न होगी।

महादशा के वक़्त अगर मंगल बैठा हो ख़ाना नम्बर 4 में तो वह देखता होगा ख़ाना नम्बर 7 और ख़ाना नम्बर 11 के ग्रह को
बृहस्पत बैठा हो ख़ाना नम्बर 10 में तो वह देखता होगा ख़ाना नम्बर 2 और ख़ाना नम्बर 6 के ग्रह को
सनीचर बैठा हो ख़ाना नम्बर 1 में तो वह देखता होगा ख़ाना नम्बर 3 और ख़ाना नम्बर 10 के ग्रह को

Astro Lucky

1-महादशा के असर के वक़्त महादशा वाले ग्रह का कुण्डली के सिर्फ़ उस ख़ाना नम्बर का जिसमें कि वह बैठा हो और उन्हीं चीज़ों पर जो चीज़ें कि उस ग्रह (महादशा में हो जाने वाले) की उस बैठे हुए ख़ाना की मुतअल्लिक़ा हों पर मन्दा असर होता है।

2-महादशा में हो जाने वाले ग्रह का दूसरे ग्रहों पर (बरूए दोस्ती, दुश्मनी या दृष्टि) वही असर होगा जैसा कि उस वक़्त होना था अगर वह महादशा में न होता।

3-महादशा के वक़्त ख़्वाह किसी भी ग्रह की हो ज़्यादा से ज़्यादा एक से 40 तक हिन्दसे मन्दरजा ज़ैल ढंग पर 12 ख़ानों की फ़ेहरिस्त में लिख लें और पेशानी के ख़ाना नम्बर 1 (हिन्दसा नम्बर 1-13-25-37 वाला ख़ाना) में इस ग्रह का नाम लिख दें जो कि महादशा में हो गया हो। फ़र्ज़न वह शुक्कर है तो शुक्कर को नम्बर 1 के ऊपर लिख दिया और बाक़ी ग्रहों को भी दी हुई तरतीब से लिख देवें।

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
शुक्कर	नम्बर 12 के ग्रह	सूरज	चंद्र	केतु	मंगल	बुध	सनीचर	राहु	नम्बर 8 का ग्रह	ख़ाना नम्बर 9	बृहस्पत
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36
37	38	39	40								

जिस हिन्दसा नम्बर की पेशानी पर जो कोई ग्रह भी लिखा हुआ हो वह साल उस ग्रह की मारफ़त उस महादशा के ज़माना में तब्दीली हालात पैदा करने वाला होगा। ऊपर की फ़ेहरिस्त में ख़ाना नम्बर 1 से मुराद महादशा का पहला साल और नम्बर 2 से मुराद दूसरा साल वग़ैरह वग़ैरह होगी ख़्वाह वह उम्र के किसी भी साल शुरु हुई हो

धोके का ग्रह

देखते जाओ कि वह
कहीं धोका ही न कर जाए

(1) दुगना अच्छा होगा या दुगना मन्दा मगर चलेगा ज़रूर दुगनी रफ़्तार से (2) धोके का ग्रह अच्छा फल देगा।

बरूए-के हवाले से
रफ़्तार-चाल, गति
फ़े हरिस्त-सूची,
तरतीब-क्रम, सिलसिला
मार्फ़त-द्वारा
मुतअल्लिक़ा-संबंधित, के विषय में

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर 8

या बुरा। इस बात के फ़ैसले के लिए मुफ़स्सिल पक्का घर नम्बर 10 देखें।

(3) औसत उम्र 120 साल को 12x10 ख़ानो की फ़ेहरिस्त में लिखकर पेशानी ख़ाली छोड़ दें और सूरज बमूजिब जनम कुण्डली जिस ख़ाना नम्बर में बैठा होवे उसी नम्बर वाले हिन्दसा के ख़ानों की पेशानी पर सूरज लिख देवें सिवाय ख़ाना नम्बर 6 के सूरज को नम्बर 9 की लाईन (सतर) की पेशानी पर

नम्बर 9 के सूरज को नम्बर 6 की लाईन (सतर) की पेशानी पर

नम्बर 7 के सूरज को नम्बर 5 की लाईन (सतर) की पेशानी पर सिर्फ़ उस वक़्त जब नम्बर 1 ख़ाली हो वरना नम्बर 7 को 7 के ऊपर।

बाक़ी ग्रहों को उसी तरतीब से लिख दें जिस तरतीब से कि वह नीचे लिखे हैं, मसलन किसी का सूरज जनम कुण्डली नम्बर 3 का है तो 12 ख़ानों के ख़ाका में सूरज को नम्बर 3 वाले ख़ाना के ऊपर लिख कर ख़ाना नम्बर 4 के ऊपर चंद्र नम्बर 5 वाले ख़ाना के ऊपर केतु वग़ैरह लिख दें जिस हिन्दसा के नम्बर के ख़ाना के ऊपर जो ग्रह आवे वह ग्रह उम्र के उस साल धोका का ग्रह होगा जिसके बुरे या भले असर के लिए मुफस्सिल ख़ाना नम्बर 10 में देखे।

सूरज नम्बर 12 वाली कुण्डली

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
चंद्र	केतु	मंगल	बुध	सनीचर	राहु	केतु	चंद्र बृहस्पत	बृहस्पत	शुक्कर	सूरज	सूरज
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36
37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48
49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72
73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84
85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96

मुफ़स्सिल-विस्तार पूर्वक फ़ेहरिस्त-सूची बमूजिब-अनुसार तरततीब-क्रम, सिलसिला

Astro Lucky

धोका के ग्रह की तलाश

सूरज नम्बर 11 वाली कुण्डली

केतु	मंगल	बुध	सनीचर	राहु	चंद्र बृहस्पत	बृहस्पत	बृहस्पत	शुक्कर	बुध	सूरज	चंद्र
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36
37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48
49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72
73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84
85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96

याद्दाश्त } जनम कुण्डली के ग्रहों का कोई ख़याल न करेंगे सिर्फ़ सूरज को हम जनम कुण्डली से देखे लेंगे और जनम कुण्डली के बाक़ी किसी भी ग्रह का कोई ख़याल न करेंगे।

पेशानी में ग्रहों की तरतीब

जनम कुण्डली के ख़ाना नम्बर 10 का ग्रह जब बर्षफल के मुताबिक़ दोबारा ख़ाना नम्बर 10 में ही आ जावे तो वह धोका (अच्छा या बुरा) का ग्रह होगा। अब अगर नीचे दी हुई फ़ेहरिस्त के मुताबिक़ भी वह नम्बर 10 में आया हुआ ग्रह धोके का ग्रह साबित होवे तो ऐसा ग्रह ज़रूर ही धोका देगा अच्छा या बुरा जिसके फ़ैसले के लिए ख़ाना नम्बर 10 में मुफ़स्सिल लिखा है।

सूरज	चंद्र	केतु	मंगल	बुध	सनीचर	राहु	ख़ाना नं 8 के ग्रह	ख़ाना नं 9 के ग्रह	बृहस्पत	शुक्कर	ख़ाना नं 12 के ग्रह
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12

अगर बमूजिब जनम कुण्डली ख़ाना नम्बर 8-9-12 ख़ाली ही हों तो नम्बर 8 के लिए मंगल सनीचर 9-12 के लिए बृहस्पत } कोई ग्रह दो दफ़ा लिखा जाने का वहम न करें।

एक के बाद दूसरी दो लगातार महादशा के वक़्त दोनो का दरमियानी साल बुरा असर न देगा। मसलन शुक्कर पहले का 20 वां साल मंदा असर न देगा। जब शुक्कर की लगातार दो महादशा शुरू हो जावेंगे।

बमूजिब- अनुसार सिर्फ़-केवल अकेला ख़याल-विचार, ध्यान बाक़ी-शेष, बचा हुआ

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर-9

मददगार उपाओ

AstroLucky

(अलिफ़) ग्रह को रूह राशि को बुत की तरह ग्रह को रूह और राशि को बुत मानें तो ग्रह फल के उपाओ की इस इल्म में गुंजाइश नही मानी गई। राशि या ग्रह या $\frac{\text{राशि}}{\text{ग्रह}}$ फल के शक का इलाज और ग्रहों से धोके के ग्रह के धक्के से बचकर चलना इन्सानी ताक़त में माना गया है। बुध के ग्रह का हीरा (निहायत क़ीमती पत्थर) सब को काटता और मारता है मगर वह ख़ुद उसी बुध की दूसरी निहायत नरम चीज़ कलई (टांके लगानी वाली धात) उस हीरे में सुराख़ डाल देती है। उसी तरह ही पापी ग्रह सब ग्रहों पर पर अपना धक्का लगाते हैं मगर उनको (पापी ग्रहों को) मारने के लिए ख़ुद अपना ही पाप (लफ़्ज़ पाप से मुराद राहु केतु हैं। पापी से मुराद सनीचर राहु, केतु तीनों ही हैं। यानी राहु के मन्दे असर को केतु का उपाओ दुरुस्त करेगा और केतु के मन्दे असर को राहु का उपाओ नेक करेगा) महाबली होगा और पाप की बेड़ी भर कर डूबेगी। मुख़्तसर तौर पर पापी ग्रहों का उपाओ इन ग्रहों की मुतअल्लिक़ा चीज़ों की पालना करनी होगी। या इनकी मुतअल्लिक़ा चीज़ों से उनकी आशीर्बाद या मुआफ़ी ले लेना कारआमद होगा। मसलन शुक्कर की मुतअल्लिक़ा चीज़ गाय और आम इन्सानी ख़ुराक या सब अनाज मिले मिलाए मुक़र्रर है शुक्कर की मदद के लिए गाय को अपनी ख़ुराक का हिस्सा देवें। काग़ रेखा-धन दौलत की हानि-सनीचर की मन्दी निशानी के वक़्त कव्वे को रोटी का हिस्सा देवें। या औलाद के लिए दुनिया के दरवेश कुत्ते को अपनी ख़ुराक का टुकड़ा बख़्शें।

(बे) हर ग्रह की मस्नूई हालत में दो ग्रह हाते हैं। जब कोई ग्रह मन्दा हो जावे तो इसकी मस्नूई हालत में दिए हुए दो ग्रहों में से उसी एक ग्रह को हटाने के लिए जिस के हट जाने से नतीजा नेक हो जावे कोई और ग्रह क़ायम करें जो बुरे फल के हिस्से के देने वाले ग्रह को गुम ही या नेक कर देवे। मसलन सनीचर मन्दा होवे तो इसके मस्नूई हालत के ग्रह "शुक्कर-बृहस्पत" में से बृहस्पत के हटाने के लिए अगर बुध क़ायम करें तो शुक्कर बाक़ी रह जाएगा। अब शुक्कर के साथ बुध मिलने पर सनीचर नेक होगा। (ii) उपाओ के अलावा हर एक पक्के ग्रह का उपाओ तो लाल किताब के मुताबिक़ ही लेंगे (iii) हर एक ग्रह की मस्नूई हालत में दो ग्रह इकट्ठे माने गए हैं पक्के ग्रह का जिस चीज़ का असर या जो असर मन्दा होवे उस असर के देने वाले ग्रह को उसकी मस्नूई जुज़ हटाने की कोशिश करें। मसलन शुक्कर जब ख़राब करे या ख़राब होवे तो शुक्कर के मस्नूई जुज़ से राहु केतु में से राहु को हटावें तो बाक़ी केतु होगा यानी शुक्कर के नेक करने को राहु को नेक कर लेना मदद देगा। बुध बृहस्पत दोनों को ही क़ायम रख कर चलाने के लिए

अलिफ़-उर्दू का पहला अक्षर
मस्नूई-बनावटी
मुआफ़ी-माफ़
जुज़-भाग, खंड, टुकड़ा
कारआमद-असरदार प्रभावशाली

Astro Lucky

बुध की सब्ज़ रंग अश्या, सोने का ज़ेवर सब्ज़ कागज़ में रखने की तरह मददगार होंगी और बुध शुक्कर सनीचर की मुश्तरका चीज़ गऊ ग्रास अपनी ख़ुराक से तीन टुकड़े रोटी के गां (गाय) का (कौआ) और कुत्ते को देना मुबारक फल देगा वास्ते इज़्ज़त मान-धन दौलत और औलाद के नेक और उम्दा होने के वग़ैरह वग़ैरह।

मतलब यह कि मन्दे फल वाले ग्रह के लिए मन्दा करने वाली चीज़ को दूर करें। मंगल बद के बुरे असर से मृगशाला बचावेंगी।

मंगल बद का इलाज मंगल बुध मंगल बद, सनीचर के सांप की ज़हर या मंगल बुध सनीचर मुश्तरका को मृगशाला हिरण की खाल (पहाड़ी ज़बान में मृग को चीता कहते हैं। चीते की खाल नहीं माना है) जिस पर ज़हरीला सांप न आएगा। यानी मंगल बद का दोस्त सनीचर मुर्दा हिरण की खाल मृगशाल पर ज़हरीला सांप हरगिज़ न चढ़ेगा। इसलिए साधु ने मृगशाला पंसद की है (i) शुतुर बेमुहार के कीने के नुक़्स उसके दिल की बात उसके नाख़ूनों से ज़ाहिर कर देंगे। क्योंकि उसका दिल या चंद्र नहीं होता या ऊंट को उसके पांव के नाख़ून केतु (कीना) सज़ा दिलाते हैं या वह केतु के बुरे असर को बरबाद करने के इलाज से क़ाबू होगा। या चंद्र की उपासना पूजना मदद देगी। यानी चंद्र जिस घर का कुण्डली के मुताबिक़ हो वही इलाज होगा। (ii) चंद्र उम्र का मालिक और हर एक पर मेहरबान होगा। मंगल बद सबके लिए मौत का फन्दा लिए फिरता है या जहां चंद्र होगा वहां मंगल बद न होगा जहां मंगल बद होगा चंद्र न होगा। इस उसूल पर मंगल बद का इलाज चंद्र की पूजना या मदद ढूंढना मुबारक होगा। तन्दूर में मीठी रोटी लगाकर ख़ैरात में देने से भी मंगल बद का असर दूर होगा । राहु का मन्दा असर जौ अनाज को किसी बन्द जगह में बोझ तले दबाया जावे या दूध से धोकर चलते पानी में डाला जावे। अगर तपेदिक़ वग़ैरह या लम्बा बुख़ार तंग करे तो जौ को गऊ पेशाब में धोकर लाल व (सुर्ख़) कपड़े में बन्द करें। और गऊ पेशाब से ही दांत साफ़ करें। जो ग्रह ऊंच होवे उसकी मुतअल्लिक़ा चीज़ की मदद से मन्दे ग्रह का असर दूर हो जाता है

अपनी मुक़र्ररा जगह की बजाए जब मच्छ रेखा काग़ रेखा वग़ैरह किसी और जगह वाक़ै हों तो जिस ग्रह

वास्ते-सबब नुक़्स-दोष, कमी तनूर-तन्दूर शुतुर बेमुहार-नकेल रहित ऊंट

Astro Lucky

की राशि या पक्के घर में बलिहाज़ बुर्ज व रेखा, वाक़ै होवे उस ग्रह की पूजना से नेक फल होगा। मसलन मच्छ रेखा बुध की सिर रेखा पर वाक़ै हो तो सनीचर व बुध की चीज़ों की पालना यानी स्याह परिन्द व कव्वे की पालना करना मुबारक अगर शुक्कर पर हो तो स्याह गाय वग़ैरह की पूजना पालना मुबारक़ फल पैदा करेगा।

धोके के ग्रह का जो छुपा छिपाया होता है इलाज भी देख लेना ज़रूरी होगा। अगर लड़का लड़की बाप के लिए दोनों ही मन्दे फल वाले पैदा हो जावें तो सूरज लड़का, बुध लड़की या लड़की के गले में तांबे का टुकड़ा मुबारक होगा, जो बुध को दबा लेगा, पापी ग्रहों के साथ जब वह अकेले की बजाए कोई दो इकट्ठे हों तो मंगल को क़ायम करना मुबारक होगा। बशर्ते कि उस कुण्डली वाले का अपनी कुण्डली के ----- हिसाब से मंगल राशि फल का हो, यानी अगर मंगल ख़ाना नम्बर 1 या 3 या 8 में होवे तो मंगल का उपाओ न होगा बुध काम देगा। इसी तरह ही स्त्री ग्रहों (चंद्र शुक्कर) में बुध की ताक़त मदद देगी-बशर्ते कि बुध ख़ाना नम्बर 3-6 7 या 9 का न हो ऐसी हालत में मंगल मददगार होगा-ख़ुलास्तन उपाओ के वक़्त देख लें कि जिस ग्रह के ज़रिए दो लेने को है। वह ख़ुद कहीं ग्रह फल का ही तो नहीं है। ख़ाना नम्बर 9 के ग्रहों का उपाओ रंग के ज़रिए फ़र्श मकान से होगा यानी जो ग्रह मन्दा हो और ख़ाना नम्बर 9 में मसलन शुक्कर या बुध या मंगल बद वग़ैरह तो उनके दोस्त ग्रहों की पालना करें या कम अज़ कम उस नेक ग्रह के रंग की चीज़ें पांव तले फ़र्श पर न लगावें जो रंग के ख़ाना नम्बर 9 के ग्रह से मुतअल्लिक़ा है । जब आम उपाओ काम न देवे तो घन्टों के अन्दर अन्दर ही फैसला करने की लिए मन्दरजा ज़ैल उपाओ मददगार होंगे।

(1) मंगल बद-रेवड़ियां पानी में बहा देवें (2) बृहस्पत-केसर नाभि या धुन्नी या ज़बान पर लगा देवें या खाने को देवें (3) सूरज-पानी में गुड़ बहा देवें (4) चंद्र-दूध या पानी का बर्तन सिरहाने रखकर कीकर के दरख़्त को डालें (5) सनीचर-तेल का छाया पात्र करें (6) शुक्कर-गऊ दान या चरी ज्वार दान करें (7) मंगल नेक-मिठाई मीठा भोजन दान करें या बताशा दरिया में डालें (8) बुध-तांबे के पैसे में सुराख़ कर के दरिया में बहा दें (9) राहु-मूली

बलिहाज़-जिसे किसी का लिहाज न हो ख़ुलास्तन-संक्षेप मन्दरजाज़ैल-निम्नलिखित शुक्कर-शुक्र ग्रह

Astro Lucky

दान करें या कोयले दरिया में डालें (10) केतु कुत्ते को रोटियां डालें वग़ैरह मियाद व उपाओ हर एक उपाओ की मियाद कम अज़ कम 40 दिन और ज़्यादा से ज़्यादा 43 दिन होगी। ख़ानदानी उपाओ (कुल ही ख़ानदान की बेहतरी के लिए) पितृ ऋण, मातृ ऋण वग़ैरह या कुल मुतअल्लिक़ीन की मदद के लिए उपाओ की मियाद होगी तो वही 40 हद 43 मगर हर रोज़ लगातार की बजाए हफ़्ते वार लगातार होगी। यानी हर आठवें दिन जो 40-43 हफ़्ते होंगे। उपाओ के वक़्त ख़्वाह आख़री दिन 39 वें 40 वें ही भूल जावें या बन्द कर बैठे तो सब किया कराया निष्फल होगा। और नये सिरे से फिर दोबारा शुरु करके पूरी मियाद तक करने के बाद फल देगा। अगर किसी वजह से उपाओ बन्द ही करना दरकार हो मगर पहला असर भी क़ायम रखना मंज़ूर हो तो चावल दूध से धोकर पास रखे जावें।

जनम दिन और जनम वक़्त के हिसाब से मददगार उपाओ

मसलन पैदाइश हो सोमवार बवक़्त पक्की शाम, तो दिन का ग्रह होगा चंद्र
वक़्त का ग्रह होगा राहु

(1) -जनम वक़्त के ग्रह को जनम दिन के मुतअल्लिक़ा ग्रह के पक्के घर में लिखेंगे। उस तरह पर अब राहु (जो जनम वक़्त का ग्रह है) चंद्र (जो (जनम) दिन का ग्रह है) के पक्के घर (बमूजिब फ़ेहरिस्त जद्दी जगह)

ख़ाना नम्बर 4 में होगा। चूंकि जनम दिन का ग्रह राशिफल (क़ाबिले उपाओ) और जनम वक़्त का ग्रह, ग्रहफल बुरा या भला अटल जिसका कोई उपाओ नहींहोता है। इसलिए कुण्डली वाले के लिए जब कभी और जो भी ख़ाना नम्बर 4 का असर होगा राशिफल का होगा, जिसका चंद्र के उपाओ से नेक असर होगा। या राहु इस शख़्स के ख़ाना नम्बर 4 की चीज़ो पर बुरा असर करने के वक़्त राशिफल का होगा। ख़्वाह वह ग्रह(जनम वक़्त का) राशिफल का न भी हो लेकिन अगर जनम वक़्त का ग्रह (पैदाइश के हिसाब से जो भी होवे) ऊपर की मिसाल के मुताबिक़ हर ग्रह के ख़ास-ख़ास घर राशिफल वालो में आ जावे तो दिया हुआ उपाओ मददगार होगा। जिसके लिए बदला जाने वाला या उपाओ के क़ाबिल जनम दिन का ग्रह लेंगे। जनम वक़्त का नहीं। मसलन किसी की मंगलवार सुबह के बाद दिन का पहला हिस्सा। (बवक़्त बृहस्पत) पैदाइश है अब जनम वक़्त बृहस्पत का ग्रह मंगल के पक्के घर ख़ाना नम्बर 3 में ।

मियाद-समय
बमूजिब-अनुसार
मुतअल्लिक़ीन-घर के लोग
आख़री-अन्त में
दरकार-वांछित

Astro Lucky

होगा। फ़र्ज़न अब बृहस्पत का ग्रह ख़ाना नम्बर 3 का होता हुआ बीमारी ही बीमारी खड़ा करता जावे तो मंगल का ग्रह राशिफल का होगा। जो जनम दिन का ग्रह गिना था। मगर मंगल सिर्फ़ ख़ाना नम्बर 4 और 6 में राशि फल का लिखा है। मगर फिर भी ऐसी हालत में मंगल ही का आम उपाओ मददगार होगा और बृहस्पत का उपाओ फ़ायदे मन्द न होगा।

ग्रह राशि का निशान

(1) अगर किसी राशि का निशान अपनी मुकर्रा जगह की बजाए किसी दूसरी जगह हथेली या उंगली पर पाया जावे तो उस निशान का मुतअल्लिक़ा राशि नम्बर कुण्डली के इस पक्के घर में लिख देंगे, जिस नम्बर पर कि वह निशान हथेली या उंगली पर पाया गया हो। मसलन मिथुन राशि का निशान (जोड़ा II जो राशियों की गिनती में नम्बर 3 पर है) किसी के हाथ के ख़ाना नम्बर 12 में पाया गया तो कुण्डली के पक्के घर नम्बर 12 में हिन्दसा नम्बर 3 में लिख दिया और गिनती की तरतीब से कुण्डली के 12 के 12 ही ख़ाने पुर कर दिए। इस तरह पर जो हिन्दसा नम्बर लगन में आवे वह उस शख़्स की जनम राशि होगी। जिसका मालिक ग्रह (बहैसियत घर की मालक़ियत) कुण्डली वाले के लिए हमेशा राशिफल का होगा।

(2) इसी तरह राशि के निशान के बजाए अगर ग्रह का निशान पाया जावे तो जिस ख़ाना नम्बर में वह निशान हो, कुण्डली के पक्के घरों के हिसाब से उसी नम्बर पर उस ग्रह को लिख दें। मसलन चंद्र का निशान हाथ पर ख़ाना नम्बर 5 पर वाक़ै हो तो चंद्र के ख़ाना नम्बर 5 में लिखेंगे। इस तरह पर चंद्र टेवे वाले के लिए ख़ाना नम्बर 5 के ताल्लुक़ में (ख़ाना नम्बर 5 की अश्या का कारोबार या रिश्तेदार मुतअल्लिक़ा ख़ाना नम्बर 5 हमेशा) ग्रह फल का होगा।

ग्रह का उपाओ

(1) -ग्रह फल का उपाओ नहीं मानते। राशिफल हर वक़्त क़ाबिले उपाओ होगा।

(2) -उपाओ का वक़्त सूरज निकलने से सूरज छुपने तक दिन का अरसा है रात को सनीचर का राज माना है। जिसमें उपाओ करना कई दफ़ा ख़तरनाक भी हो सकता है इसलिए बेहतर यही होगा कि रात के

फ़र्ज़न-कर्त्तव्य निर्धारण सिर्फ़-केवल अकेला उपओ-उपाय मुतअल्लिक़ा-संबंधित मसलन-जैसे

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर 9

वक़्त कोई उपाओ न किया जावे।

(3) मियाद उपाओ कम अज़ कम 40 दिन और ज़्यादा से ज़्यादा 43 दिन होगी। शुरु करने के लिए किसी ख़ास सोमवार या मंगलवार वग़ैरह के दिन की शर्त न होगी । दिन से मुराद सूरज के वक़्त का ज़माना होगा, कोई सोम-मंगल वग़ैरह न होगा।

(4) दौरान उपाओ में नाग़ा हो जाने पर ख़्वाह 39 वें दिन ही भूल जावें, सब कुछ किया कराया निष्फल होगा और दोबारा नये सिरे से उपाओ करना मददगार होगा।

(5) अपने ख़ून हक़ीक़ी का कोई भी ताल्लुक़दार उपाओ कर सकता है जो जायज़ और फलदायक होगा। (बे) मरने से पहले बतौर आख़री आशीर्बाद किसी ग्रह की चीज़ पीछे रह जाने वालों को दिये जाना मुबारक होगा।

(6) नष्ट हो चुके ग्रह या बहालत पितृ ऋण-व-औलाद वग़ैरह के लिए मन्दरजाज़ैल उपाओ होगा।

1	2	3	4	5	6	7
ग़ैबी ताकत में	क़िस्म ग्रह	नम्बर ग्रह	नाम ग्रह	रंग ग्रह	उपाओ वास्ते औलाद व दीगर वजूहात	उपाओ आम चीज़ें
ब्रह्मा जी	नर ग्रह	1	बृहस्पत	ज़र्द	हरि पूजन	दाल-चना-सोना
विष्णु भगवान	नर ग्रह	2	सूरज	गन्दुमी	कथा हरिबन्स	गन्दुम-सूर्ख़-तांबा
शिव भोले	स्त्री ग्रह	3	चंद्र	दूध का	अराध्य देव पूजन	चावल-दूध-चांदी
लक्ष्मी जी	स्त्री ग्रह	4	शुक्कर	दही का	लोगों की पालना	घी-दही-काफ़ूर मोती सफ़ेद-रेत
हनुमान जी	नर ग्रह	5	मंगल	सुर्ख़	गायत्री पाठ	दाल मसूर-लाल-लाल
दुर्गा जी	मुख़न्नस	6	बुध	सब्ज़	दुर्गा पाठ	मूंग सालम- ज़मुर्रद
भैरों जी	मुख़न्नस	7	सनीचर	स्याह	राजा की उपासना	माश सालम-लोहा
सरस्वती जी	मुख़न्नस	8	राहु	नीला	कन्या दान	सरसों-नीलम
श्री गणेश जी	मुख़न्नस	9	केतु	चितकबरा	दान कपिला गाय	तिल

जो ग्रह नीचे फल देवे इस ग्रह के बचाओ के लिए इस जगह दिया हुआ दान करें।

(7) बवक़्त शादी (हिन्दू धरम के मुताबिक़ फेरे) मन्दे ग्रह का उपाओ बहुत ही कारगर होगा ख़्वाह मन्दा ग्रह औरत के टेवे का हो ख़्वाह मर्द के टेवे का मगर मर्द के टेवे के मन्दे ग्रहों का उपाओ ज़रूर करलें । क्योंकि शादी की रस्म के पूरा होते ही अमूमन औरत के टेवे के ग्रहों पर

हक़ीक़ी-सच्चा वास्तविक
कथा हरिबन्स-हरीवश पुराण
आख़री-अन्त में
मुख़न्नस-नपुसक, प्रभावहीन
बहालत-परिस्थिति के अनुसार

Astro Lucky

मर्द के टेवे के ग्रह हावी (प्रबल) हो जाते गिने हैं।

तफ़सील के तौर पर अगर बमूजिब जनम कुण्डली

1-बृहस्पत मन्दा हो

लड़की का संकल्प (बवक़्त रस्म व रिवाज शादी) करने के ठीक उसी वक़्त बाद में ख़ालिस सोने के दो टुकड़े (वज़न की कोई शर्त नहीं) मगर दोनों टुकड़े ख़्वाह किसी भी वज़न के हों मगर हों हम वज़न या बराबर बराबर वज़न के) ठीक इसी तरह ही दान किये जावें जिस तरह कि लड़की का दान किया गया, फिर उन दो टुकड़ों में से एक को चलते पानी (दरिया नदी नाला) में बहा दें और दूसरा लड़की को (जो अब औरत बनी) दे देवें। हिदायत सिर्फ़ इतनी होगी कि वह लड़की उस सोने के टुकड़े को बेचकर उसकी क़ीमत न खा लेवे। जब तक यह टुकड़ा उसके पास रहेगा बृहस्पत के मन्दे असर से बचाओ ही होता होगा। ऐसा टुकड़ा अमूमन चोर भी नहीं चुराया करते या नहीं चुरा सका करते और न ही गुम हुआ करता है लेकिन अगर किसी वजह से गुम या चोरी हो ही जावे तो कोई वहम की बात न होगी। गए हुए टुकड़े के एवज़ में एक और नया टुकड़ा क़ायम कर लेवें और वह भी वही नेक असर देगा जो कि पहले टुकड़े से गिना गया है। ऐसा टुकड़ा दोबारा क़ायम करते वक़्त दूसरा और टुकड़ा नदी नाला में बहाने की ज़रूरत नहीं अगर किसी वजह से सोने के टुकड़े दस्तयाब न हो सकें तो केसर की दो पुड़ियां या हल्दी की दो गंठियां ऊपर के ढंग पर क़ायम की गई असर में वैसी ही होगी जैसा कि ख़ालिस सोना हो सकता है। लेकिन बेहतर यही होगा कि ख़ालिस सोना ही किसी न किसी तरह मुहैय्या कर लिया जावे।

2-सूरज रद्दी हो ऊपर दिए हुए मंदे बृहस्पत के हाल में लफ़्ज़ सोने की जगह सुर्ख़ तांबा (ख़ालिस) गिनलें।

3-चंद्र रद्दी हो ऊपर दिए हुए मंदे बृहस्पत के हाल में सुच्चा मोती (दूध रंग) गिनलें। और न मिलने की हालत में चांदी चावल और प्रानी के वज़न के बराबर दरिया या नदी नाले का पानी शादी के वक़्त घर में क़ायम कर लिया जावे।

4- शुक्कर रद्दी हो ऊपर दिए हुए मंदे बृहस्पत के हाल में लफ़्ज़ सोने की जगह मोती सफ़ेद

तफ़सील-विस्तृत विवरण
दस्तयाब-हस्तगत प्राप्त, उपलब्ध हासिल
हिदायत-आदेश देना
ख़ालिस-शुद्ध
एवज़-बदले में
मुहैय्या-एकत्र, इकट्ठा मौजूद उपलब्ध

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर 9

(दही रंग) गिन लें।

5- मंगल रद्दी हो-ऊपर दिए हुए मन्दे बृहस्पत के हाल में लाल (क़ीमती पत्थर जो रंग में सुर्ख़ तो हो मगर चमकीला लाल रंग न हो) गिनलें।

6- बुध रद्दी हो-ऊपर दिए हुए मन्दे बृहस्पत के हाल में हीरा गिन लें न मिलने की हालत में सीप लें।

7- शनि रद्दी हो-ऊपर दिए हुए मन्दे बृहस्पत के हाल में लोहा या फ़ौलाद गिन लें। न मिलने की हालत में स्याह नमक या स्याह सुरमा लें।

8 -राहु रद्दी हो-वही उपाओ जो चंद्र में लिखा है-ख़याल रहे कि मन्दे राहु के वक़्त कभी नीलम की अंगूठी नही दिया करते वरना दूल्हा-दूल्हन के ज़बरदस्त हाथी पुरानी ख़न्दकों में गिरकर चूंटियों से मरते होगें।

9- केतु रद्दी हो-ऊपर दिय हुए मन्दे बृहस्पत के हाल में लफ़्ज़ सोने की जगह दो रंगा पत्थर गिन लें।

(अलिफ़) शुक्कर नम्बर 6 के वक़्त वाल्दैन की तरफ़ से शादी के वक़्त लड़की के लिए उसके सिर पर क़ायम रखने के लिए ख़ालिस सोना बतौर दान लड़की को देना जिसे वह गाहे ब गाहे इस्तेमाल में लाती रहे। शुक्कर नम्बर 6 की मन्दी हालत से बचाना होगा।

(बे) थोड़ा सा सोना ख़ालिस लड़की की शादी के दहेंज़ में दे छोड़ना, जब तक लड़की उसे ख़ुद न बेचे उम्दा बृहस्पत के असर को उत्तम करता होगा। मर्द या औरत के टेवे में जब मन्दरजा ज़ैल ग्रह चाल हो यानी

(जीम) (1) शुक्कर के साथ या शुक्कर के घर (मसलन राहु शुक्कर सूरज शुक्कर चंद्र शुक्कर) ख़्वाह किसी भी घर में ख़ाना नम्बर 2-7 में उसके दुश्मन हों

या (2) शुक्कर अकेला या मुश्तरका नम्बर 4 या

(3) राहु अकेला नम्बर 1-7-5 या

(4)सनीचर नम्बर 5-9 या केतु नम्बर 8 अकेला

फ़ौलाद-शुद्ध लोहा, लोहसार, लौह
गाहे ब गाहे-कभी-कभी, यदा कदा
स्याह-काला
मन्दरजाज़ैल-निम्नलिखित
अलिफ़-उर्दू का पहला अक्षर

Astro Lucky

या (5) केतु के साथ उसके दुश्मन मसलन मंगल केतु मुश्तरका-चंद्र केतु-सूरज केतु-बुध केतु ख़्वाह किसी भी घर में हों तो औरत के वाल्दैन के घर से ही ख़ालिस चांदी या मंदे केतु का इलाज धरम अस्थान में दो रंगा कम्बल देना या केतु जब पितृ ऋण से मन्दा हो तो 100 कुत्तों को बारात की तरह एक ही दिन में ख़ुराक देना यानी ख़ुराक साथ लेकर कुत्तों को तक़सीम करते जावें और सूरज ग़ुरूब होने से पहले पहले 100 की तदाद पूरी कर दें।

(बे) पहली औरत से पहला ही मर्द दो दफ़ा कुछ वक़्फ़ादे कर शादी की रस्म अदा कर ले तो शुक्कर नम्बर 4 की दो औरतें जिन्दा क़ायम होने की शर्त दूर होगी। बुध नम्बर 12 शादी के वक़्त लोहे का छल्ला जिसमें जोड़ न लगा हो टेवे वाले का हाथ लगवा कर दरिया में बहा दें और दूसरा छल्ला वैसा ही लोहे का टेवे वाला हमेशा ख़ुद पहनता रहे तो बुध 12 हमेशा ही मददगार साबित होगा।

मन्दरजाज़ैल ग्रह का मन्दा असर नेक करने के लिए किस ग्रह का उपाओ दरकार है।

नाम ग्रह जो मन्दा हो	किस ग्रह का उपाओ मददगार होगा।
राहु	केतु किस ग्रह का उपाओ मददगार होगा केतु की नब्ज़ अमूमन ख़ाना नम्बर 10 में होगी।
केतु	राहु किसी ग्रह का उपाओ मददगार होगा यानी केतु मन्दे का इलाज आमतौर पर ख़ाना नम्बर 10 के ग्रहों की मारफ़त आसानी से हो सकेगा
सनीचर	पापी ग्रहों का उपाओ उन ग्रहों की मुतअल्लिक़ा चीज़ों की पालना करनी होगा। धन दौलत मन्दी के वक़्त कव्वे को रोटी डालें। औलाद की मन्दी हालत के वक़्त कुत्ते को राटी डाले।
शुक्कर	गाय को अपनी ख़ुराक का हिस्सा देवें।
मंगल बद	मृगशाला (हिरण की खाल) मददगार। तनूर में मीठी रोटी पकाकर कुत्ते को देवें या ख़ैरात करें। जौ (अनाज) को दूध से धोकर चलते पानी में बहा दें। गऊ पेशाब से जौ को धोकर लाल रंग के कपड़े में बाधें (वास्ते बुख़ार) और गऊ पेशाब से दांत सफ़ा करें।

धरम-धर्म, कव्वे-कौआ, ग़ुरूब-सूरज का डूबना, तनूर-तन्दूर, वक़्फ़ा-विराम अन्तराल, देर, गऊ-गाय, दरकार-वांछित

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर 9

नाम ग्रह जो मन्दा हो मंगल बद जारी	रेवड़ियां पानी में बहावे केसर नाभि (धुन्नी पर लगा दें पानी मे गुड़ बहावें
(1) मर्द की जनम कुण्डली खुद मर्द के लिए मर्द पर असर ग्रह फल का	-मर्द की चंद्र कुण्डली खुद मर्द के लिए मर्द पर राशि फल का करिश्मा यानी महादशा की हालत के उलट नेक और अचानक चमकारा।
(2) मर्द की चंद्र कुण्डली इसकी औरत पर ग्रहफल का नेक नज़ारा यानी महादशा के अर्सा में खाली साल रखे हुओं में क़िस्मत का नेक और अचानक असर देगी।	-मर्द की जनम कुण्डली इसकी औरत पर राशि फल (आम साधारण; का असर देगी।
(3) औरत जन्म कुण्डली औरत के लिए औरत पर ग्रह फल का असर देगी।	-मर्द की जनम कुण्डली इसकी औरत पर राशि फल (आम साधारण) का असर देगी।
(4) औरत की चंद्र कुण्डली उसके ख़ाविन्द के लिए ग्रह फल का नेक नज़ारा महादशा के खाली सालों में क़िस्मत की अचानक व नेक चमक होगी।	-औरत की जनम कुण्डली इसके ख़ाविन्द के लिए आम हालत की राशिफल का असर देगी। औरत की चंद्र कुण्डली औरत के लिए औरत पर राशिफल।
(5) मर्द का दायां हाथ मर्द के खुद अपने लिए ग्रहफल का	-मर्द का बायां हाथ मर्द के खुद अपने लिए राशिफल का।
(6) औरत का बायां हाथ औरत के अपने लिए ग्रहफल का	-औरत का दायां हाथ औरत के अपने लिए राशिफल का।
(7) मर्द का बायां हाथ उसकी औरत के लिए ग्रह फल का नेक नज़ारा देने वाला।	-मर्द का दायां हाथ इसकी औरत के लिए राशिफल का।
(8) औरत का बायां हाथ उसके ख़ाविन्द के लिए ग्रह फल का नेक नज़ारा देने वाला।	-औरत का दायां हाथ उसके ख़ाविन्द के लिए राशिफल का।
-बच्चा दोनों के लिए राशिफल के देने वाला हुआ करता है।	

धुन्नी-नाभि ख़ाविन्द-पति फ़रमान-हुक्म, आदेश

Astro Lucky

हर ग्रह अपने बैठा होने वाले घर का फल (अच्छा या बुरा) न देगा जब तक कि उस घर की मुतअल्लिक़ा तरफ़ या जगह में उस ग्रह की मुतअल्लिक़ा चीज़ न हो। अगर किसी पितृ ऋण (ख़ानदानी पाप जिसका जुदा ज़िक्र है महादशा या दूसरे सबब से कोई ग्रह सो जावे-नष्ट बरबाद या गुम ही हो जावे, तो सबसे पहले ख़ाली ख़ानों के घर के मालिक ग्रह का उपाओ करें। बशर्ते कि वह ऐसे ग्रह के बराबर का ग्रह होवे या दोस्त होवे इसके बाद महादशा के वक़्त में काम देने वाले ग्रह लेवें। बाद अज़ां दुश्मन ग्रहों की दुश्मनी हटा दें या राशिफल की हालत का फ़ायदा उठावें। अगर यह भी काम न दे सके तो सूरज को क़ायम करें। अगर यह भी मदद न देवे तो पापी ग्रहों और सबसे आख़िर पर बुध का उपाओ करें।

Astro Lucky

सबब-कारण
आख़िर-अन्त में
बादअज़ां- तत्पश्चात, इसके बाद
उपाओ-उपाय
सूरज-सूर्य ग्रह
मुतअल्लिक़ा-संबंधित

फ़रमान नम्बर 10
ग्रह का असर

Astro Lucky

इल्म सामुद्रिक में ग्रहों को राशि के घरों में रोशनी के जलते हुए लैम्प माना गया है। इस तरह पर एक लैम्प के साथ ही दूसरे लैम्प की रोशनी का शुरु हो जाना उन दोनों लैम्पों के नज़ारा में तब्दीली कर देता है मसलन सूरज का लैम्प जिसका रंग गन्दुमी भूरा है उस के साथ ही दूसरा लैम्प बृहस्पत का शुरु हो जावे जिसका रंग ज़र्द है तो दोनों लैम्पों की मिली हुई रोशनी का जो रंग होगा हूबहू वही रंग इन्सानी क़िस्मत के लिहाज़ से ज़िन्दगी में ज़ाहिर होगा।

लैम्प बुझ गया (ग्रह का असर ख़तम हुआ) या जलने लगा (ग्रह का असर शुरु हुआ) या एक घर में दूसरा और ग्रह (लैम्प) जलने लगा। इस अदली बदली से क़िस्मत के मैदान में रंग बिरंगियां तो ज़रूर होंगी मगर ग्रहों की अपने अपने घरों की मुक़र्ररा मालक़ीयत में कोई फ़र्क़ न होगा। मतलब यह की हर ग्रह के लिए उस का घर बहैसियत मालकियत पक्का घर ऊंच हालत नीच हालत वग़ैरह हमेशा के लिए मुक़र्रर है ख़्वाह

वह ग्रह किसी भी और ग्रह के घर मेहमान बनकर चला जाए।

मियाद ग्रह से मुराद लैम्प कितने अर्सा तक जल सकता है।

ग्रह की ताक़त लैम्प की कैंडल-पावर (बत्ती की ताक़त)

ग्रह दृष्टि–एक घर या ख़ाना नम्बर से दूसरे ख़ाना नम्बर में असर जाने का दर्जा यानी 25 फ़ीसदी।

एक चौथाई 50 फ़ीसदी निस्फ़ व निस्फ़ 100 फ़ीसदी कुल की कुल।

बाहमी दोस्ती दुश्मनी: लैम्पों की रोशनी के मुख़्तलिफ़ रंग वग़ैरह ।

लैम्प की जगह : हर ख़ाना नम्बर की मुतअल्लिक़ा अश्या मसलन

ख़ाना नम्बर 1 अपना राज दरबारी लैम्प

ख़ाना नम्बर 2-इज़्ज़त दौलत धरम अस्थान

ख़ाना नम्बर 3-भाई बन्द जंगल की जगह

(1) -हर ग्रह अपनी मुक़र्रा राशि में नेक फल देगा बेशक उसकी वह राशि किसी दूसरे ग्रह ग्रह का पक्का घर मुक़र्रर हो चुकी है।

राशि नम्बर	किस ग्रह की राशि है	किस ग्रह का पक्का घर मुक़र्रर हो चुकी है	इस राशि नम्बर में किस ग्रह का नेक असर होगा।
2	शुक्कर	बृहस्पत	शुक्कर का नेक असर होगा।

इल्म-ज्ञान
मुख़्तलिफ़-विभिन्न प्रकार से
सूरज-सूर्य ग्रह
धरम अस्थान- धर्म स्थान
गन्दुमी-गेहूँ

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर 10

राशि नम्बर	किसी ग्रह की राशि है	किसी ग्रह का पक्का घर मुक़र्रर हो चुकी है	इस राशि नम्बर में किस ग्रह का नेक असर होगा।
3	बुध	मंगल	बुध का नेक असर होगा बशर्ते कि मंगल नेक होवे।
5	सूरज	बृहस्पत सूरज मुश्तरका	सूरज का नेक असर होगा।
6	बुध केतु	केतु	बुध का उतम केतु का खुद केतु की चीज़ों पर मन्दा मगर दूसरों पर अच्छा अगर दोनों मुश्तरका हों तो बुध का और बुध की चीज़ों पर अच्छा मगर केतु व दूसरों का मन्दा होगा।
7	शुक्कर	शुक्कर बुध	शुक्कर का नेक बुध बाक़ियों को भी मदद देवे।
8	मंगल	मंगल सनीचर (चंद्र उम्र)	अगर तीनों में से हर एक अकेला होवे तो अच्छा फल वरना मन्दा फल होगा।
11	सनीचर	बृहस्पत	सनीचर का नेक बाक़ी ग्रह बेरी (सनीचर का दरख़्त) के गला घोंटने वाले बेर ज़हिरा उम्दा मगर भाग के पताशे (यानी धोका और अमूमन मन्दा असर)

(बे) ग्रह बैठा होने वाले घर में ग्रह मुतअल्लिक़ा की चीज़ें क़ायम होने से उस ग्रह का असर पाएदार होगा। मसलन केतु नम्बर 9 हो तो जद्दी मकान में केतु की अश्या कुत्ता व दोहता वग़ैरह क़ायम करें।

2-जनम कुण्डली में कोई भी ग्रह जिस हैसियत से बैठा होवे वह ग्रह अपनी उस हैसियत का असर (अच्छा बुरा मन्दा ऊंच नीच वग़ैरह) सिर्फ़ उस साल देगा जिस साल कि वह बर्षफल के हिसाब से इस बैठा होने वाली हैसियत के लिए मुकर्रर की हुई राशि या पक्के घर में आ जावे मसलन बृहस्पत ऊंच है ख़ाना नम्बर 4 में सो बृहस्पत का उंच दर्जा का असर सिर्फ़ उस साल होगा जिस साल की वह वर्षफल

1 फ़ेहरिस्त ख़ानावार अश्या और हर ग्रह की ख़ाना की चीज़ों की फ़ेहरिस्त में देखें

2 हर ग्रह के लिए उसके घर मालक़ियत या ऊंच होने के घर में जो असर दिया गया है वह इसकी नेक हालत पर होने का असर होगा इसी तरह भी ग्रह के मन्दा होने के वक़्त का वह असर होगा जो इस घर नम्बर में लिखा है जहां कि वह नीच गिना गया है।

मुक़र्रर-निश्चित
दरख़्त-वृक्ष
मुश्तरका- सांझी
सिर्फ़-केवल
अमूमन-अनुसार
फ़ेहरिस्त-सूची

Astro Lucky

के हिसाब से अपने नेक होने के ख़ाने नम्बर 4-2 वग़ैरह में आ जावे व जनम से ऊंच तो है मगर असल ऊंचपन सिर्फ़ साल मुक़र्ररा और राशि या ख़ाना नम्बर पक्का घर मुक़र्ररा में आने पर ही ज़ाहिर होगा। इसी तरह ही सब ग्रहों का और सब तरह का होगा न हमेशा अच्छा और न हमेशा ही मन्दा गिना जावेगा। यही हाल धोका के ग्रह का है। यानी धोका का ग्रह (बमूजिब फ़ेहरिस्त धोका) जिस साल ख़ाना नम्बर 10 धोका के घर में आ जावे धोका पूरा देगा। और मन्दा धोका या धोके का ग्रह जब ख़ाना नम्बर 2 क़िस्मत के ग्रह का घर ख़ाना नम्बर 11 क़िस्मत को जगाने वाले ग्रह के घर में आ जावे तो धोका देगा। नेक मायनों में मन्दा ग्रह असल मन्दा उस वक़्त होगा, जिस वक़्त वह ख़ाना नम्बर 8 में आ जावे। उसी तरह ही बर्षफल के हिसाब से हर घर में आने पर असर की हालत होगी। यानी ख़ाना नम्बर 6 में राहु का ताल्लुक़ और ख़ाना नम्बर 8 में मन्दे बुध और ख़ाना नम्बर 12 में ऊंच केतु के ताल्लुक़ का असर हो जावेगा वग़ैरह वग़ैरह। नेक ग्रह का मन्दा असर हर ग्रह अपने ख़ानावार हाल में दिया हुआ असर किया करता है, लेकिन अगर ख़ुद ज़ाती कोशिश से कोई नया वाक़िया खड़ा करें, जो कि उस ग्रह की मुतअल्लिक़ा चीज़ या असर के खिलाफ़ होवे, तो असर में तब्दीली हो जावेगी, मसलन राहु नम्बर 4 में पाप न करने का हल्फ़ लिए हुए होता है। अगर उस वक़्त जब कि या जिस साल बर्षफल वग़ैरह के हिसाब से राहु नम्बर 4 में आया हुआ होवे और शख़्स मुतअल्लिक़ा राहु की चीज़ें खड़ी कर ले, मसलन ग़र्क़ी बनाना, कोयलों की बोरियां दर बोरियां अम्बार जमा करना, लावल्दों या काने आदमियों का हिस्सादार बना लेना या टट्टी या पाख़ाने की नई जगह बनवाना या मकानों की सिर्फ़ छत ही उतरवा कर नई बदलना या टट्टी या पख़ाने ही की छत बदलवा देना वग़ैरह, करे तो राहु शरारत झगड़े फ़साद पैदा कर देगा। उसी तरह ही बृहस्पत ऊंच (ख़्वाह जनम कुण्डली ख़्वाह बर्षफल में) वाला अगर बृहस्पत की मुतअल्लिक़ा चीज़ें पीपल के दरख़्त कटवाना, साधु सन्तों को सताना या बरबाद करना वग़ैरह करे, तो बृहस्पत का सोना मिट्टी हो जाएगा। अगर केतु नम्बर 12 में हो और कुण्डली वाला न ही कुत्ते की सेवा करे और न ही ख़ुद अपने घर में रखे बल्कि कुत्ते मारना शुरु कर देवे तो केतु का फल मन्दा होगा वग़ैरह वग़ैरह दृष्टि के ख़ानों में टकराओ के ग्रहों का भी हूबहू यही उसूल होगा।

मुक़र्ररा-निश्चित
हल्फ़-शपथ

बर्षफल-वर्षफल,
ख़्वाह-चाहे

मसलन-जैसे

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर 10

(बे) हर ग्रह की अपना ज़ाहिर करने की निशानी के लिए ग्रह मुतअल्लिक़ा की ख़ानावार अश्या होंगी। नर ग्रहों (बृहस्पत सूरज मंगल) का राज या असर करने का वक़्त दिन होगा, स्त्री ग्रहों (चंद्र या शुक्कर) का राज रात के वक़्त और मुख़न्नस ग्रहों (बुध मय पापी) का राज दिन रात दोनों के मिलने का वक़्त या सुबह और शाम होगा।

(3) बर्षफल में सूरज के हिसाब से माहवारी चक्कर पर जब ग्रह मतलूबा बर्षफल वाले घर आवे, तों अपना असर देगा जो कि उस ग्रह का इस घर के लिए मुक़र्रर है (अच्छा हो या बुरा)

(ii) 12 घंटे का दिन 12 घंटे की रात, 12 महीने का साल, 12 राशियों का असर और 12 साला मासूम बच्चा और 12 साल के बाद अच्छे दिनों की उम्मीद सब के सब 35 के चक्कर में शामिल हैं। और ज़माना की हवा या बृहस्पत की तलाश की फ़िक्र में ज़र्द रंग हो रहे हैं, तमाम ग्रहों के लिंगों का असर दुनिया की सब चीज़ों पर असर करता है, हाथ के रंगदार नक़्शा में हर ग्रह का जो रंग भी दिया गया, जब कभी उस ग्रह के असर का वक़्त होगा, वह ग्रह उस रंग की मुतअल्लिक़ा चीज़ों पर या उस रंग की चीज़ों के ज़रिए अपना असर ज़ाहिर करेगा।

(iii) बर्षफल के मुताबिक़ कुण्डली के लगन के घर या ख़ाना नम्बर 1 में आया हुआ ग्रह अपनी हकूमत के दौरा के वक़्त सब से पहले उस घर पर अपना असर (अच्छा या बुरा) ज़ाहिर करेगा, जहां कि वह जनम कुण्डली में बैठा हो उसके बाद अपने दुश्मन ग्रहों पर ख़्वाह वह दुश्मन ग्रह उस घर में हों, जहां कि वह ख़ुद बैठा था। बाद अज़ां दोस्तों पर और फिर अपने बराबर के ग्रहों पर अगर किसी घर में एक से ज़्यादा ग्रह बैठे हों तो हकूमत का मालिक ख़ाना नम्बर 1 का ग्रह हर एक ग्रह से ऊपर की तरतीब से बारी बारी दुश्मनों से टकराएगा और दोस्तों से दोस्ताना बरताओ करेगा। अगर एक ही घर में दौरा वाले ग्रह के कई दोस्त ही या कई दुश्मन ग्रह ही बैठे हों तो ग्रह चाल की तरतीब से (बृहस्पत के बाद सूरज के बाद चंद्र वग़ैरह) असर करेगा। अगर कुण्डली के ख़ानों में दोस्त ग्रह अलाहदा और दुश्मन ग्रह अलाहदा घरों में ही होवें तो ख़ानों की तरतीब से (नम्बर 1 के बाद नम्बर 2 के बाद नम्बर 3 वग़ैरह) बरताओ करेगा।

क़ियाफ़ा –ख़ूब ज़ोर से मिलने पर रेखा जिस तरफ़ से ज़्यादा सुर्ख़ (लाल रंग) हो जावे

मुख़न्नस-खुसरा, हिज़ड़ा
तरतीब-क्रम, सिलसिला
लगन-लग्न
अलाहदा-अलग-अलग
ज़्यादा-अधिक

Astro Lucky

वही तरफ़ उस रेखा या शाख़ के शुरु होने की तरफ़ होगी।

(4) ख़ाना नम्बर 11 के ग्रह बमूजिब बर्षफल तख़्त पर आने के दिन से गो उम्दा होंगे मगर अपनी आम उम्र (सूरज 22 सनीचर 36 वग़ैरह) के बाद अमूमन नाकारा हो जाया करते हैं, ख़ासकर जब वह जनम कुण्डली में सोए हुए ही हों, ख़ाना नम्बर 2 के ग्रह हमेशा नेक फल देंगे। जब तक ख़ाना नम्बर 8 ख़ाली हो।

(बे) ख़ाना नम्बर 2 के ग्रह टेवे वाले के बुढ़ापे में अपना असर नेक करते हैं।

क़ियाफ़ा–दाएं हाथ की हथेली के दाएं हिस्से में जिस ग्रह का निशान हो वह ग्रह अपना फल हमेशा ही नेक देगा।

(5) मन्दे ग्रह के बैठा होने वाले घर की मुतअल्लिक़ा अश्या का हाल मन्दा न होगा, बल्कि वह अश्या मददगार होंगी। मसलन सूरज नम्बर 6 का राजदरबार लड़के (केतु का पक्का घर 6) के जनम दिन से उत्तम हो जाएगा।

(6) हर ग्रह के ख़ानावार अश्या की फ़ेहरिस्त में जो चीज़ें लिखी हैं, जब वह पैदा होंगी तो उस ख़ाना में दिया हुआ असर शुरु होगा। मसलन शुक्कर नं 1-9 में सफ़ेद गाय आने या शादी 25 वें साल होने से मन्दा फल शुरु होगा। हर ग्रह जहां कि वह बहैसियत मालक़ियत घर का मुक़र्रर है बैठा होने के वक़्त अपना बैठा होने वाले घर की मुतअल्लिक़ा अश्या पर नेक असर देगा। मसलन सूरज नम्बर 5 अपना राजदरबार (अज़ सूरज) और औलाद (अज़ ख़ाना नम्बर 5) हर दो उम्दा और नेक असर देंगे।

(बे) ऊंच ग्रह किसी दुश्मन की वजह से बरबाद भी हो जावे तो भले असर की बजाए बुरा असर कभी न देंगे।

(जीम) हर ग्रह अपनी राशि (बहैसियत मालिक) में हमेशा नेक फल देगा।

(दाल) जब कोई ग्रह किसी ऐसे ग्रह में बैठा हो जहां कि वह ऊंच फल का माना गया है तो वह (ऊंच ग्रह) अपने साथ बैठे हुए दुश्मन ग्रह या किसी ऐसे घर में बैठे हुए दुश्मन ग्रह पर जहां कि वह (ऊंच ग्रह) बरूए दृष्टि वग़ैरह किसी तरह से भी अपना असर भेज सके, कभी बुरा असर न देगा, भला असर ख़्वाह देवे या न देवे, ग़र्ज़ेकि (ऊंच घर) के ग्रह अपना नेक फल देंगे।

तख़्त–सिहांसन गो–यद्यपि क़ियाफ़ा–सामुद्रिक शास्त्र मालक़ियत–मसलन, उदाहरणतः
अज़–से बरूए–के हवाले से

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर 10

और नेकी न छोड़ेंगे। दुश्मन ग्रह के साथ भी वह नेकी छोड़ दें तो मुमकिन मगर वह बदी न करेंगे।

मसलन

नाम ग्रह

बृहस्पत- बैठा हो ख़ाना नम्बर 4 में और उसके दुश्मन ग्रह शुक्कर बुध हों नम्बर 10 में

सूरज- बैठा हो ख़ाना नम्बर 1 में और उसके दुश्मन शुक्कर पापी हों नम्बर 7 में

{औरत की मन्दी सेहत (तपेदिक़ वग़ैरह के सिवाय सूरज अब नम्बर 7 वालों पर कोई बुरा असर न देगा।}

चंद्र- बैठा हो ख़ाना नम्बर 2 में और उसके दुश्मन ग्रह बुध शुक्कर पापी हों नम्बर 6-12 में

शुक्कर- बैठा हो ख़ाना नम्बर 2 में और उसके दुश्मन ग्रह सूरज चंद्र राहु हों नम्बर 2 में

मंगल- बैठा हो ख़ाना नम्बर 8 में और उसके दुश्मन ग्रह बुध केतु हों नम्बर 2 में

बुध- बैठा हो ख़ाना नम्बर 6 में और उसके दुश्मन चंद्र हों नम्बर 12 में

सनीचर- बैठा हो ख़ाना नम्बर 7 में और उसके दुश्मन ग्रह चंद्र सूरज मंगल हों नम्बर 7 में

राहु- बैठा हो ख़ाना नम्बर 3-6 में और उसके दुश्मन ग्रह शुक्कर सूरज मंगल हों नम्बर 12 में

केतु- बैठा हो ख़ाना नम्बर 9-12 में और उसके दुश्मन ग्रह चंद्र मंगल हों नम्बर 2 में

(7) अलिफ़ जिन ग्रहों ने अपने पहले 35 साला चक्कर में बुरा फल दिया हो वह अपने दूसरे 35 साला चक्कर में (वाक़िआती बर्षफल से पता चलेगा) कभी बुरा असर न देंगे, भले असर की ख़्वाह उनमें हिम्मत हो ख़्वाह न होवे

इसी तरह ही 100 साला चक्कर के बाद ख़ानदानी हालात ज़रूर तब्दीली पर होंगे ख़्वाह भली तरफ ख़्वाह बुरी तरफ़

(बे) अगर बमूजिब जनम कुण्डली टेवे में सभी ही ग्रह मन्दे हों तो एक ही आदमी लाखों का मुकाबला करने की हिम्मत का मालिक होगा और हर तरह से उत्तम फल होगा।

(8) मस्नूई बनावट के ग्रहों का असर ख़ास ख़ास बातों का होगा मसलन

(अगले सफ़्हः पर देखें)

मस्नूई-बनावटी मसलन-जैसे तपेदिक़-क्षय रोग मुमकिन-संभव, हो सकने वाली बात

Astro Lucky

मुस्नूई ग्रह	बृहस्पत	सूरज	चंद्र	शुक्कर	मंगल	बुध	सनीचर	राहु	केतु
मस्नूई ग्रह होगा	सूरज शुक्कर ख़ाली हवाई	बुध शुक्कर	सूरज बृहस्पत	राहु केतु	सूरज बुध मंगल नेक सूरज सनीचर मंगल बद	बृहस्पत राहु	शुक्कर बृहस्पत केतु सुभाओ मंगल बुध राहु सुभाओ	मंगल सनीचर (ऊंच) सूरज सनीचर (नीच)	शुक्कर सनीचर (ऊंच) चंद्र सनीचर (नीच)
मस्नूई बनावट के ग्रह का असर	औलाद की पैदाइश का मालिक है।	सेहत का मालिक है।	वाल्वैनी ख़ून व (नुत्फ़ा) का ताल्लुक	दुनियावी सुख (बज़रिया) औलाद	औलाद जिंदा रखने का मालिक (बल सब्ज़ी का मालिक	इज़्ज़त शोहरत	सेहत बीमारी	झगड़े फ़साद	ऐश का मालिक है।

मन्दरज़ाजैल मुश्तरका ग्रहों से उनके सामने दिए हुए ख़ाना नम्बर का असर पैदा होगा। दूसरे लफ़्ज़ों में उनके सामने दिए हुए ख़ाना नम्बर का असर इन्हें ज़रूर बहाल रहेगा। ख़्वाह वह किसी ही घर में इकट्ठे क्यों न होवें। यानी सूरज मंगल के लिए ख़ाना नम्बर 1 में जो असर लिखा है या बग़ैर किसी ग्रह के ताल्लुक़ से ख़ाना नम्बर 1 की जो आम तासीर मुकर्रर की गई है वह सूरज मंगल मुश्तरका के असर में ज़रूर ख़ानदानी ख़ून की तरह बहाल लेंगे ख़्वाह वह दोनों मुश्तरका का ग्रह किसी भी घर में और किसी भी तरह कितने ही मन्दे क्यों न हों

ग्रह मुश्तरका	ख़ाना नम्बर जिसका असर मन्दा होगा और बहाल रहेगा	ग्रह मुश्तरका ही मन्दे क्यों नही।	ख़ाना नम्बर जिसका असर मन्दा होगा और बहाल रहेगा
सूरज मंगल	1	शुक्कर बुध	7
शुक्कर बृहस्पत	2	मंगल सनीचर चंद्र	8
बुध मंगल	3	बुध सनीचर दोनों का ज़ाती सुभाओ	9
मंगल शुक्कर	4	सनीचर	10
सूरज बृहस्पत	5	बृहस्पत सनीचर	11
बुध केतु	6	बृहस्पत राहु	12

मस्नूई हालत की बनावट के ग्रह की हालत में उसके हर दो ग्रहों का असर जुदा-जुदा कर लेना मुमकिन होगा या दोनों का असर मुश्तरका कर लेना हो सकेगा। दूसरे लफ़्ज़ों में ऐसा असर राशि फल का होगा। **क़ियाफ़ा**-क़िस्मत की हेरा फेरी पक्का ग्रह बड़ी रेखा शायद ही कभी बदला करती है। मस्नूई ग्रह यानी शाख़ों का बदलना मुमकिन है वह भी उम्र के हर सातवें साल (7-12) मंगल 21 साल की उम्र से रेखा में कोई तब्दीली होनी नही मानते। यह बालिग़ होने का ज़माना है। उम्र के हर सातवें साल तबदीली

नुत्फ़ा-वीर्य
मस्नूई-बनावटी
नरीना-नर
मुमकिन-संभव
मन्दरजाज़ैल-निम्नलिखित
बालिग़-वयस्क

AstroLucky

फ़रमान नम्बर 10

हालत (ख़्वाह बुरी तरफ़ होवे ख़्वाह भली तरफ़) मानते हैं। अल्प आयु (छोटी उम्र जिसका ज़िक्र उम्र रेखा में होगा) वालों की उम्र के आठवें साल (8-16-24-32-40-48-56-64) ज़िन्दगी ख़तरा में गिनते है।

ग्रह चाल में चीज़ों पर रंग का असर तमाम चीज़ें किसी न किसी ग्रह कि मुतअल्लिक़ा मुकर्रर हो चुकी हैं मगर चंद एक चीज़ों में कुछ फ़र्क है। मसलन दो रंगा कुत्ता अगर सिर्फ़ स्याह व सफ़ेद दो ही रंग का चितकबरा कुत्ता हो तो केतु होगा लेकिन अगर दो रंगा तो हो मगर लाल रंग का साथ हो, तो बेशक वह कुत्ता केतु की चीज़ ही मगर वह अपने असर में बुध गिना जाएगा। इसी तरह भैंस सनीचर की मुतअल्लिक़ा चीज़ है अगर वह स्याह रंग हो तो सनीचर गिनी जाएगी लेकिन अगर लाल रंग (भूरी) हो तो सूरज का ताल्लुक़ या सूरज के असर की गिनेंगे। इसी तरह स्याह भैंस और सिर्फ़ माथा सफ़ेद हो तो सनीचर के साथ चंद्र का असर शमिल लेंगे। घोड़ा चंद्र की चीज़ है अगर ज़र्द रंग हो तो चंद्र को बृहस्पत की मदद और साथ होगा। लेकिन अगर स्याह घोड़ा हो तो सनीचर का असर प्रबल लेंगे जो चंद्र के असर को दबाता होगा। हर शख़्स के टेवे में जो ग्रह भी जिस असर का हो। उस ग्रह की मुतअल्लिक़ा चीज़ और रंग का ताल्लुक़ वही असर देगा जैसा कि उस चीज़ और रंग का ग्रह उस शख़्स को अपने टेवे के मुताबिक़ अच्छा या बुरा साबित हो रहा हो।

क़ियाफ़ा:- सीधे ख़त— मर्द और दो शाख़ी T V से मुराद औरत होगी।

नर ग्रह (नरों पर असर करेंगें)		स्त्री ग्रह (मादनियों पर असर करेंगे।)	
नाम ग्रह	किन पर असर देगे	नाम ग्रह	किन पर असर देगे
बृहस्पत	रूह के ताल्लुकदारों पर असर देगा।	चंद्र	माता की हैसियत वाली पर असर देगा
सूरज	जिस्म के ताल्लुकदारो पर असर देगा।	शुक्कर	औरत के दर्जा वालियों पर असर देगा।
मंगल	ख़ून के ताल्लुकदारों पर असर देगा।		(बुध शुक्कर का शादी के हाल में जुदा दर्ज है।)

मुख़न्नस ग्रह:- सनीचर धाती जमादात पर। बुध नबातात पर राहु हरकात दिमाग़ पर। केतु हरकात पांवो पर असर करेगा।

मस्नूई ग्रह:- हैवानात-बेजानों पर असर करेगा।

क़ियाफ़ा:- हस्त रेखा में 21 साला उम्र से रेखा बालिग़ और 12 साल उम्र तक नाबालि़ग गिनते हैं।

ख़्वाह-चाहे
सिर्फ़-केवल
जमादात-न्यायालय मे किसी व्यक्ति की जिम्मेदारी लेना
नबातात-ज़मीन से उगने वाली चीज़े
हरकात-पशु गण, चौपाए, मवेशी

Astro Lucky

मगर कुण्डली में बर्षफल के हिसाब से उम्र में जिस दिन से (सबसे पहली दफ़ा) सूरज का राज या दौरा शुरु हो जावे उस दिन से तमाम ग्रह बालिग़ गिने जाते हैं ख़्वाह उम्र 21 साल से कितनी ही कम या ज़्यादा होवे।

दूध से मुराद ग्रह का बर्षफल के हिसाब से ख़ाना नम्बर 1 में आने से है।

2- सूरज अगर कुण्डली के ख़ाना नम्बर 1-5-11 (जनम लगन को ख़ाना नम्बर 1 मानकर) में ख़्वाह अकेला ख़्वाह और ग्रहों के साथ होवे तो जनम दिन से ही तमाम ग्रह बालिग़ गिने जाएगे

3-सूरज का दौरा शुरु होने से पहले इन्सान पर उसके अपने पिछले कर्मों का फैसला (अमूमन 7 या 8 साला उम्र या हर सातवें या आठवें साल) असर किया करता है, जो तब्दीली का ज़माना हुआ करता है

क़ियाफ़ा के बग़ैर रेखा वाला हाथः- डाकू, संगदिल होगा। सब ही ग्रह नीच फल की राशि के हों।

बहुत ज़्यादा रेखा वाला हाथः- मन्द भाग और वहमी होगा। एक ही घर में बहुत ज़्यादा मगर नाक़िस या नीच ग्रह हों

ज़्यादा चौडी रेखाएं, चौड़ी रेखा } बहुत कम नेक असर देंगी कई तरफ़ की दृष्टि से टकराए हुए दुश्मन ग्रह

मद्धम सी रेखाएं, मद्धम रेखा } बेमानी होंगी। देर बाद असर देंगी। बहुत दुश्मन ग्रह बिल मुक़ाबिल

किसी ताक़त के ग्रह की पहचान बरूए क़ियाफ़ाः

इन्सान जिस ग्रह का साबित हो } इन्सान किस ग्रह ह

वह ग्रह उसे ख़ाना नम्बर 9 का काम देगा बेशक वह ग्रह कुण्डली में कही ही बैठा हो } या मकान किस ग्रह है यह जुदी जगह लिखा है।

(2) जिस किसी शख़्स में जिस ग्रह की ताक़त ज़्यादा होगी वह शख़्स ज़्यादा ताक़त वाले ग्रह की मुतअल्लिक़ा चीज़ का ज़्यादा इस्तेमाल करने का आदी न होगा। मसलन सूरज को नमक(सफ़ेद) माना है और मंगल को मीठा। अब सूरज ज़बरदस्त वाले की आम आदत होगी कि वह ज़्यादा नमक इस्तेमाल करने का आदी न होगा और अपनी कमी पूरी करने के लिए (अगर मंगल इसका कमज़ोर हो) मीठा ज़्यादा इस्तेमाल करने का आदी होगा। इसी तरह मंगल क़ायम और ज़बरदस्त वाला मीठा ज़्यादा इस्तेमाल न करेगा नमक ज़्यादा इस्तेमाल करने का आदी होगा या नमक ज़्यादा मिक़दार में खाने वाला होगा।

बालिग़-वयस्क | मुराद-इच्छा, कामना | अमूमन-अनुसार | संगदिल-निर्दय, कठोर
नाक़िस-अपूर्ण, असफल | मिक़दार-मात्र, भार, तोल

Astro Lucky

ऋण पितृ की पहली हालत
(जब बुध जड़ में बैठा हो)

बृहस्पत हो ख़ाना नम्बर 9 में	और बुध हो ख़ाना नम्बर 12 में
सूरज हो ख़ाना नम्बर 9 में	और बुध हो ख़ाना नम्बर 5 में
चंद्र हो ख़ाना नम्बर 9 में	और बुध हो ख़ाना नम्बर 4 में
शुक्कर हो ख़ाना नम्बर 9 में	और बुध हो ख़ाना नम्बर 2-7 में
मंगल हो ख़ाना नम्बर 9 में	और बुध हो ख़ाना नम्बर 1-8 में
सनीचर हो ख़ाना नम्बर 9 में	और बुध हो ख़ाना नम्बर 10-11में
राहु हो ख़ाना नम्बर 9 में	और बुध हो ख़ाना नम्बर 12 में
केतु हो ख़ाना नम्बर 9 में	और बुध हो ख़ाना नम्बर 6 में

ऋण पितृ की दूसरी हालत
जब ग्रह मुतअल्लिक़ा की जड़ में उसका दुश्मन ग्रह बैठा हो)

बृहस्पत ख़ाना नम्बर 2-3-5-6 9-12 से बाहर कहीं भी हो	और नम्बर 2 में सनीचर बहैसियत पापी ग्रह या नम्बर 5-शुक्कर या नम्बर 9-बुध या नम्बर 12 -राहु या नम्बर 3-6 बुध शुक्कर या सनीचर बहैसियत पापी

बृहस्पत-बृहस्पति ग्रह शुक्कर-शुक्र ग्रह मुतअल्लिक़ा-संबंधित सूरज-सूर्य ग्रह
सनिचर-शनि ग्रह बहैसियत-नीच गैर शरीफ

Astro Lucky

मुश्तरका घरों (दृष्टि की शर्त नहीं मगर दोनों घरों के ग्रहों को इकट्ठे ही गिन कर) **का असर देखने का ढंग** दृष्टि के हाल में दृष्टि का दर्जा मुक़र्रर है यानी एक घर में बैठे हुए ग्रह दूसरे घर में बैठे हुए ग्रहों को ख़ास ख़ास दर्जा नज़र से देख सकते जाने हैं लेकिन अमली तौर पर उस दर्जा दृष्टि यानी 100 फ़ीसदी 50 फ़ीसदी या 25 फ़ीसदी का ख़याल रखने की कोई ज़रूरत महसूस नही होती याद सिर्फ़ इतना रखना पड़ता है कि किस घर के ग्रह दूसरे कौन से घर के ग्रह को देख सकते हैं। मसलन ख़ाना नम्बर 1 के ग्रह अगर देख सकते हैं तो वह सिर्फ़ ख़ाना नम्बर 7 के ग्रहों को देख सकते हैं। मगर खाना नम्बर 7 के ग्रह कभी ख़ाना नम्बर 1 के ग्रहों को नहीं देख सकते। अमली तौर पर इस बात का मतलब यह हो जाता है कि ख़ाना नम्बर 1 में अगर कोई ऐसा ग्रह बैठा हो जो ख़ाना नम्बर 7 में बैठे हुए ग्रह का दुश्मन हो तो नम्बर 1 वाला अपनी दुश्मनी की ज़हर ख़ाना नम्बर 7 वाले पर डाल सकता है मगर ख़ाना नम्बर 7 वाले की ज़हर का (अगर कोई मन्दा भाव या असर इस नम्बर 7 वाले का नम्बर 1 वाले के ग्रह के लिए हो) नम्बर 1 वाले पर कोई बुरा असर न हो सकेगा। इस बात को मद्दे नज़र रखते हुए नीचे दिए हुए घरों के ग्रहों को इकट्ठे मिला कर देखें तो उनके बाहमी मिले हुए असर से

जो जो बातें ज़ाहिर होंगी वह मन्दरजाज़ैल होंगी।

ख़ाना नम्बर 1-7-11-8 मुश्तरका का असर

(अलिफ़) राजा वज़ीरी हालत-अगर 11 ख़ाली तो राजा बे लगाम अगर 8 ख़ाली तो वज़ीर बेदलील होगा। इसी तरह ही अगर ख़ाना नम्बर 8 में ऐसा ग्रह बैठा हो जो तख़्त यानी ख़ाना नम्बर 1 में बैठे हुए ग्रह का दुश्मन हो तो वह ख़ाना नम्बर 8 का ग्रह तख़्त पर बैठे हुए राजा को इसी तरह चलाएगा जिस तरह कि किसी शख़्स की

आखों में ज़हर डाल दी गई हो जिससे कि वह रास्ता चलते वक़्त देखने की बजाए दर्द के मारे अपना सिर पीट रहा हो दूसरी तरफ़ अगर ख़ाना नम्बर 11 का ग्रह ख़ाना नम्बर 1 का दुश्मन हो तो वह तख़्त पर बैठे हुए राजा को इस तरह चलाएगा जिस तरह किसी प्रानी की टांगों में ज़हर भर दी गई हो जिसके कारण तख़्त पर बैठा हुआ राजा अगर किसी और शख़्स का हाथ पकड़कर (जिस राजा की आंखें ख़राब हो रही हों) बल भी पड़े तो अपनी टांगों में ज़हर भरी होने के सबब चलने की बजाए दर्द से दुखिया होकर चिल्लाता और कराहता

मुक़र्रर- निश्चय मन्दरजाज़ैल-निम्नलिखित सबब-कारण
शख़्स-इंसान, आदमी, व्यक्ति

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर 10

होगा। उसके बरख़िलाफ अगर 11-1 और 8 बाहम दोस्त हों तो तख़्त नम्बर 1 पर बैठा हुआ राजा अपनी टांगें ख़ाना नम्बर 11 और आंख ख़ाना नम्बर 8 की हमेशा मदद पाता रहेगा और इसकी वज़ारत में मदद के लिए ख़ाना नम्बर 7 के ग्रह मददगार होते होंगे बशर्ते कि ख़ाना नम्बर 1 में ख़ाना नम्बर 7 से ज़्यादा ग्रह न हों। सिर्फ़ तादाद का ख़याल है। उनकी बाहमी दोस्ती दुश्मनी का ख़याल नहीं। मसलन अगर ख़ाना नम्बर 1 में दो या दो से ज़्यादा ग्रह बैठे हों और ख़ाना नम्बर 7 में सिर्फ़ एक ही ग्रह बैठा हो तो वह नम्बर 7 वाला नम्बर 1 वालों के बोझ के तले आकर अपनी जड़ कटवा रहा होगा, फर्ज़न ख़ाना नम्बर 1 में राहु के साथ कोई एक और या ज़्यादा ग्रह हों और ख़ाना नम्बर 7 में अकेला केतु ही हो तो ख़ाना नम्बर 7 को केतु अकेला ही वज़ीर गिना जाएगा, जिसे ख़ाना नम्बर 1 में बैठे हुए तमाम राजाओं का एक ही वक़्त में दिया हुआ हुक्म एक ही वक़्त में पूरा करना पड़ेगा। इसका मतलब यह हो जाएगा कि ऐसे वज़ीर की अपनी जड़ कटती होगी। अब ये ग्रह उस मिसाल में गिना है केतु का ग्रह गोया अब केतु की मुतअल्लिक़ा अश्या क़ारोबार या रिश्तेदार मुतअल्लिक़ा केतु सब का फल मन्दा होगा या ऐसे टेवे वाले की औलाद नरीना का मन्दा ही हाल होगा या वह प्रानी अपनी औलाद को तरसता ही होगा या औलाद कम देर बाद या न ही होगी

(बे) ख़ाना नम्बर 7 के ग्रहों को अगर वज़ीर माना तो ख़ाना नम्बर 8 का हुक्मनामा बतौर रहनुमाई इन वज़ीरों की दिमाग़ी दलीलबाज़ी होगी। मसलन ख़ाना नम्बर 7 में मंगल बैठा हो तो कहेंगे कि ऐसे शख़्स का सब कुछ उम्दा धन दौलत परिवार सब का सब ही उम्दा होगा। लेकिन अगर ख़ाना नम्बर 8 में (जब कि ख़ाना नम्बर 7) में मंगल बैठा हो बुध आ जावे तो वही मंगल नम्बर 7 का दिया हुआ उम्दा फल सबका सब ही रद्दी निकम्मा या बरबाद ज़हरीला या नष्ट हो चुका गिना जाएगा, यानी ऐसे प्रानी का जिसके ख़ाना नम्बर 8 में बुध बैठा हो और ख़ाना नम्बर 7 में मंगल धन दौलत और परिवार सब का सब ही नाश और दुख का कारण होगा। इसी तरह ही अगर ख़ाना नम्बर 1 में बुध आ जावे और मंगल ख़ाना नम्बर 7 में ही गिने तो भी मंगल नम्बर 7 का दिया हुआ फल निकम्मा होगा। बुध नम्बर 8 या बुध नम्बर 1 की ज़हर जब नम्बर 7 के मंगल को मिलती हुई मानी तो सिर्फ़ फ़र्क़ यह होगा कि बुध नम्बर 1 के वक़्त ऐसे प्रानी का धन दौलत और परिवार राजा ख़ाना नम्बर 1 की बेहद ज़्यादतियों और ज़ालिमाना कारवाइयों या शरारतों से बरबाद होगा। मगर क़ुदरत कोई धोका न देगी। लेकिन बुध नम्बर 8 के वक़्त उसी मंगल नम्बर 7 का फल यानी धन दौलत परिवार क़ुदरत की तरफ़

बरख़िलाफ-प्रतिकूल, उल्टा
हुक्मनामा-आदेश पत्र
तख़्त-सिहांसन
दलीलबाज़ी-तर्क बाज
प्रानी-मनुष्य
ज़ालिमाना-अत्याचारियों जैसा

Astro Lucky

से ही रद्दी या निकम्मा होता चला जाएगा। बेशक वक़्त का हाक़िम ज़माने का राजा उसे कितनी ही मदद देता चला जावे नतीजा खाण्ड (मंगल) में रेत (बुध) और ख़ून में अन्तड़ियों का रास्ता बन्द यानी सेहत और गृहस्त दोनों ही मन्दे होते चले जाएंगे।

ख़ाना नम्बर 2-8-12-6-11 का मुश्तरका असर

रात का आराम और साधु समाधि वग़ैरह जब नेक हालत हो लेकिन मन्दी हालत में नागहानि मौत मुसीबत इन्सान हैवान चरिन्द परिन्द उस ग्रह की मुतअल्लिक़ा होगी। जो ख़ाना नम्बर 8 में हो। दूसरे दूनियावी साथियों के ताल्लुक से क़िस्मत का असर (बलिहाज़ उम्र)

ख़ाना नम्बर 8 में हो दूसरे दुनियावी साथियों के ताल्लुक़ से क़िस्मत का असर (बलिहाज़ उम्र) नम्बर 2 को मंदा असर जाने के वक़्त ख़ाना नम्बर 11 का रास्ता होगा।

मंदे असर के वक़्त ख़ाना नम्बर 11 के ग्रह अगर ख़ाना नम्बर 8 के दुश्मन हों तो ख़ाना नम्बर 8 की ज़हर ख़ाना नम्बर 2 में न जाएगी।

(अलिफ़) ख़ाना नम्बर 8 का असर मिल सकता है ख़ाना नम्बर 2 में मगर नम्बर 2 का असर नहीं मिला करता नम्बर 8 में ख़ाना नम्बर 2 और ख़ाना नम्बर 12 आपस में बहैसियत साधु (ख़ाना नम्बर 2) और समाधि (ख़ाना नम्बर 12) मिलते मिलाते रहा करते हैं। किसी दृष्टि के दर्जे का कोई लिहाज़ नहीं हुआ करता। उसी तरह ही ख़ाना नम्बर 2 अपना असर मिला दिया करता है ख़ाना नम्बर 6 में और ख़ाना नम्बर 6 अपना असर (सिर्फ़ वही असर जो ख़ाना नम्बर 6 के ग्रह का हो जिसमें कि ऊपर से ख़ाना नम्बर 2 का कोई असर मिला हुआ न हो यानी ख़ाना नम्बर 2 के असर के बग़ैर जो भी असर ख़ाना नम्बर 6 का ज़ाती तौर पर हो सकता हो सिर्फ़ इतना ही असर) ख़ाना नम्बर 2 में मिलाया करता है और नम्बर 12 अपना असर नम्बर 6 में नहीं मिलाता। इस उसूल से नम्बर 12 का बुध और नम्बर 6 का शनि अलाहदा होंगे यानी नम्बर 12 का बुध अपनी ज़हर नम्बर 6 तक फेंकेगा और नम्बर 6 का शनि (सांप) अपने ज़हर भरे फ़र्राटे (सांस) से ख़ाना नम्बर 2 के ग्रह को फूंक देगा।

(बे) ख़ाना नम्बर 6 और ख़ाना नम्बर 8 के ग्रह भी आपस में ऐसे ही मिले जुले रहा करते हैं जैसे कि 2-12 के ग्रह आपस में यानी अगर 2-12 के ग्रह आपस में साधु समाधि या रात की नींद की नेकी बदी में असर करते हैं तो ख़ाना नम्बर 6 और 8 के ग्रह ख़ुफ़िया तौर पर पाताल में ग़ैबी ढंग पर मन्दी लहरों का कारण होते रहते हैं। ऊपर के उसूलों से ज़ाहिर होगा कि ख़ाना नम्बर 8 ख़ाना नम्बर 6 की सलाह लेता हुआ ख़ाना नम्बर 11 के रास्ते

नागहानि-अकस्मात
बलिहाज़-अपेक्षा से
चरिन्द-मवेशी, चरने वाला पशु
ख़ुफ़िया-छिपा हुआ, गुप्त पोशीदा
परिन्द-पक्षी
अलाहदा-अलग
ताल्लुक़-संबंध

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर 10

ख़ाना नम्बर 2 में अपनी नागहानि (अचानक आने वाली) मुसीबत (जिनकी बुनियाद किसी इन्सान हैवान चरिन्द-चरने वाले जानवर-परिन्द (उड़ने वाले जानवर) जो कि ख़ाना नम्बर 8 में बैठे हुए ग्रह से मुतअल्लिक़ा हों पर होगी) भेजा करता है। अगर ऐसी ग्रह चाल में इन्सान पर अचानक कोई मुसीबत या मौत का भय (डर) आ खड़ा हो तो दुनिया के दूसरे दुनियावी साथियों के ताल्लुक़ में भी जो कि ऐसे प्रानी के उम्र के साथी हों (क़िस्मत का कोई नेक असर न होगा) लेकिन अगर 2-12 अच्छे हों साथ ही 8 और 11 आपस में दुश्मन हों तो न कोई अचानक मुसीबत आएगी और न ही कोई दुनियादार साथी मुसीबत के वक़्त धोका देगा। अगर किसी वजह से कोई मन्दी हवा का झोंका आ जावे तो दूसरे हमराही साथी हर तरह से मदद देकर रात की नींद या आराम होने के सामान पैदा कर देगें। जिस तरह अचानक मन्दी हवा आ निकले उसी तरह ही मददगार साथी बिन बुलाए ज़ाहिरा व ग़ैबी ढंग से दम के दम में मदद दे देगे।

(जीम) अगर ख़ाना नम्बर 12 और ख़ाना नम्बर 8 में कोई ऐसे ग्रह बैठे हों जो आपस में मिल जाने पर दुश्मनी का भाव पैदा कर लें या एक दूसरे के ऊपर असर बरबाद कर दें और साथ ही ख़ाना नम्बर 2 ख़ाली हो तो ऐसी हालत में अगर ऐसे टेवे वाला प्रानी धरम मन्दिर में आने जाने लग जावे तो ख़ाना नम्बर 12 और ख़ाना नम्बर 8 के बाहम दुश्मन ग्रहों का बुरा असर होना शुरु हो जाएगा। दूसरे लफ़्ज़ों में ऐसा प्रानी अगर धरम अस्थान के अन्दर जाने से परहेज़ करे तो ख़ाना नम्बर 12 और ख़ाना नम्बर 8 के बाहम दुश्मन ग्रहों का बुरा असर न होगा। ऐसी हालत में धरम अस्थान के अन्दर मूर्ति वग़ैरह को अपना जिस्म का कोई अंग लगा कर अराधना करना मना होगा। धरम अस्थान के अहाता से बाहर खड़े हो कर अपने देव इष्ट को सर झुका कर प्रणाम कर लेना कोई बुरा न होगा। उसके बरख़िलाफ़:-

2-अगर ख़ाना नम्बर 8 और नम्बर 12 में कोई बाहम दोस्त ग्रह बैठे हों या ख़ाना नम्बर 6 में कोई उत्तम ग्रह बैठा हो और ऐसी दोनों हालतों में ख़ाना नम्बर 2 ख़ाली हो तो ऐसे प्रानी को धरम अस्थान के अन्दर देव इष्ट को अपना कोई न कोई अंग लगाकर प्रणाम करना सब तरह से नेक असर पैदा करेगा।

ग़ैबी-दैवी ताकत	अस्थान-स्थान	बरख़िलाफ-प्रतिकूल, उलटा
नागहानि-अकस्मात	मुतअल्लिक़ा-संबंधित	बाहम-परस्पर, एक साथ, मिलकर

Astro Lucky

3-11-5-9-10 मुश्तरका का असर

क़िस्मत का ग़ैबी असर व हवाई बारिश या अचानक उतार चढ़ाव मुतअल्लिक़ा बुर्ज़ुगान बचपन और शबाब (जवानी) क़िस्मत की चमक का ज़माना यानी भाइयों के जनम के दिन से अपना अहद जवानी और अपने बच्चों के जनम दिन से आइन्दा ज़िन्दगी का हाल अपने बुर्ज़ुगों और अपनी औलाद का हाल या अपना माज़ी अपने जनम से पहले का ज़माना और अपना मुस्तकबिल जो आइन्दा नस्लों का हाल होगा।

ख़ाना नम्बर 9 अपने बुर्ज़ुगों की हालत बताता है लेकिन जब नम्बर 3 में कोई ग्रह हो तो भाइयों के जनम दिन से उस ख़ाना नम्बर 9 के ग्रह का असर टेवे वाले पर शुरु होगा, और औलाद के पैदा होने के दिन से उसमें तब्दीली आएगी अगर नम्बर 5 और नम्बर 9 में पापी बैठे हों तो औलाद के दिन से कोई ख़ास नेक हालत हो जाने की उम्मीद नहीं लेते बल्कि जब ख़ाना नम्बर 5 में पापी बैठे हों और उधर ख़ाना नम्बर 8 में कोई दुश्मन या मन्दा ग्रह बैठ रहा हो तो ख़ाना नम्बर 11 का ग्रह बिजली की तरह बुरे असर की चमक देनी शुरु कर देगा और बिजली आख़ीर पर या ख़ाना नम्बर 8 के ग्रह के मुतअल्लिक़ा रिश्तेदार या ख़ाना नम्बर 5 के मुतअल्लिक़ा रिश्तों की मारफ़त या उस पर (8 या 5) पड़ेगी। अगर ख़ाना नम्बर 11 ख़ाली हो तो अपनी आमदन के ताल्लुक़ में सोई हुई क़िस्मत का ज़माना होगा और भाई बन्दों से भी कोई ऐसा फ़ायदा नही गिनते अगर ख़ाना नम्बर 10 और ख़ाना नम्बर 5 में दोनों ही कोई न कोई ग्रह बैठे हों तो इन दोनों घरों के ग्रह बाहम ज़हरी दुश्मन होंगे मसलन ख़ाना नम्बर 10 में चंद्र हो और ख़ाना नम्बर 5 में मंगल अब यह दोनों ग्रह जो आपस में दोस्त हैं मगर ऐसे प्रानी की 24 साला उम्र (चंद्र का ज़माना) और 28 साला उस (मंगल का अहद) माता (चंद्र) और भाई (मंगल) पर भला न होगा। अगर ख़ाना नम्बर 9 में सूरज या चंद्र बैठे हों तो ख़ाना नम्बर 5 में पापी बैठे हुओं का ख़ाना औलाद पर कोई बुरा असर न होगा और न ही ज़िन्दगी को तल्ख़ करने वाली किसी मन्दी बिजली के पड़ने का खौफ़ होगा।

ख़ाना नम्बर 9 को अगर एक समन्दर गिनें तो ख़ाना नम्बर 2 पहाड़ो का लम्बा चौड़ा सिलसिला होगा। दोनों

अहद-ज़माना, युग | माज़ी-बीता हुआ समय, भूतकाल | मुस्तक़बिल-भविष्य काल
समन्दर-समुन्द्र | तल्ख़-कड़वा

Astro Lucky

को मिलाने के लिए यह हवाई ताक़त का मालिक दोनों ही जहां का ग्रह बृहस्पत (ख़ाना नम्बर 9 और ख़ाना नम्बर 2) दोनों ही का मालिक बृहस्पत गिना है) हवा की लहरों से अपना सुनहरी असर पैदा करता या फोकी उम्मीदों में पहाड़ी और समन्दरी सैरें करता कराता होगा। यानी अगर ख़ाना नम्बर 9 से बारिश से लदी हुई मानसून की हवा चल निकले तो ख़ाना नम्बर 2 के पहाड़ से टकरा कर क़िस्मत के ताल्लुक में सोने बारिश कर देगी लेकिन अगर ख़ाना नम्बर 2 के ख़ाली ही हो ये ख़ाना नम्बर 9 से निकली हुई मानसूनी हवा ख़ाली ही चली जाएगी यानी अगर ख़ाना नम्बर 9 में उम्दा ग्रह हो और ख़ाना नम्बर 2 में भी कोई न कोई ग्रह बैठा हो तो ऐसे प्रानी को ख़ाना नम्बर 2 में बैठे हुए ग्रह की उम्र में अपने बुर्ज़ुगों की शान व दौलत का फ़ायदा होता होगा लेकिन अगर ख़ाना नम्बर 2 ख़ाली ही हो बैठे तो बुर्ज़ुगों के धन दौलत का ऐसे प्रानी को सिर्फ़ वहम या गुमान ही रहेगा मगर कोई ऐसा फ़ायदा न होगा।

2 -अगर ख़ाना नम्बर 2 में कोई ग्रह हो और ख़ाना नम्बर 9 ख़ाली हो तो पहाड़ तो होगा मगर उस पर सब्ज़ाज़ार कुछ न होगा यानी ऐसे प्रानी की आमदन या ज़र व माया ख़्वाह कितनी ही हो मगर वह सिर्फ़ एक दिखावे का धन और जले हुए पहाड़ का नज़ारा दिखलाता होगा।

4-10-2 का मुश्तरका असर :-

क़िस्मत के मैदान की लम्बाई चौड़ाई यानी ऐसे प्रानी की क़िस्मत का मैदान जिस में वह फैल सकेगा कितना लम्बा चौड़ा होगा, ऐसे मैदान में किसी भी दूसरे भाई बन्द, माता पिता औरत या औलाद का ताल्लुक़ न होगा।

क़िस्मत के मैदान का रक़बा ख़ाना नम्बर 10 का ग्रह बता देगा मगर उस मैदान की मिट्टी की चमक ख़ाना नम्बर 2 (पहाड़ी या मैदानी) पथरीला या ख़ुश्की का हमवार टुकड़ा) और ऐसे मैदान में आबोहवा की मर्तूब या ख़ुश्क चरागाहों ख़ुशगवार इलाके या पानी के चश्मों का हाल ख़ाना नम्बर 4 से ज़ाहिर होगा अगर ख़ाना नम्बर 4 ख़ाली हो या उसमें पापी बैठे हों तो क़िस्मत के मैदान में ख़ाना नम्बर 2 की ख़्वाह लाख चमक हो मगर अपनी प्यास के लिए पानी की ज़रूरत के वक़्त वहां बैठे हुए पापी सांप (शनि) हाथी (राहु) और सूअर कुत्ते गधे वग़ैहर (केतु)

वहम-भ्रम, भांति शंक गुमान-शंका, शुबह, शक सब्ज़ाज़ार-जहां हरियाली ही हरियाली हो, घास का मैदान
आबोहवा-जलवायु, हवा पानी मर्तूब-तर, भीगा, गीला

Astro Lucky

के भयानक नज़ारे पैदा करते रहेंगे यानी धन दौलत के चश्मे पर गन्दा पहरेदार (पापी) होने की वजह से चश्मा का पानी कुछ अपनी शान न देगा यानी ऐसा प्रानी बेशक़ अपनी कितनी ही हिम्मत से क्या कुछ ही न बना लेवे मगर जब अपनी थैली में हाथ डालकर नक़द माया गिननी चाहे तो उस थैली में पत्थर के छोटे छोटे टुकड़े सांप बिच्छु (शनि) और जलते हुए काले कोयले (राहु) और फटी हुई रंग-बिरंगी धज्जियां (केतु) अपना जलवा दिखा रहे होंगे।

(ii) ख़ाना नम्बर 10 की आलीशान इमारत या बिस्तरा तक जला हुआ शाहजहां या ज़माना का ख़ानदान ग़ुलामान के ख़ून का सबूत देने वाला दो ही रंगा का असर जुगनू की तरह टिम टिमाता या कानों के क़ीमती पत्थर हीरे लालों की रोशनी की चमक से अन्धेरी रातों में भी चमकते हुए चांद से उम्दा रोशनी देने वाला होगा। यानी अगर ख़ाना नम्बर 8 मन्दा हो तो मन्दी हवा और मातम का ज़माना बिन बुलाए तंग कर रहा होगा बेशक ख़्वाह कोई भी मौत का सदमा या नुक़सान हुआ होया न हो। उस के बरख़िलाफ़ अगर ख़ाना नम्बर 2 उत्तम हो तो ग़रीबी की स्याह रातों में मामूली से मामूली चिराग़ की बजाए क़ुदरती रोशनी रास्ता दिखाने के लिए ख़ुद बख़ुद पैदा होगी ख़्वाह ऐसा प्रानी बज़ाते ख़ुद जनम से या अपनी उम्र के ज़माने से कितना ही नीचे दर्जे का हो।

अगर ख़ाना नम्बर 2 ख़ाली हो तो ख़ाना नम्बर 10 यानी क़िस्मत का मैदान ख़्वाह कितना ही लम्बा चौड़ा हो मगर उसमें कोई चमक या शान या दुनियावी ज़िन्दगी का साज़ो सामान और आराम शायद ही कभी मुहैय्या होता होगा। उसी तरह ही अगर ख़ाना नम्बर 2 में कोई ग्रह बैठा हो और ख़ाना नम्बर 10 ख़ाली हो तो क़िस्मत में लिखे हुए माल व धन का पार्सल डाक ख़ाने या रेलवे स्टेशन पर बेशक पहुंच चुका हो मगर उसके लेने के लिए अपनी पहचान का सबूत सामान की ज़िम्मेवारी की क़ीमत और बाक़ी रसीद पर्चा शायद रास्ता में ही कहीं गुम ही हो गया होगा। जिसकी तलाश के लिए कई क़ासिद भेजे मगर वह वापिस न आए और ऐसा प्रानी उनकी उम्मीद में रास्ता देखता ही देखता थक गया

(जीम) अगर ख़ाना नम्बर 10 और ख़ाना नम्बर 2 दोनों ही ख़ाली हों और ख़ाना नम्बर 4 में कोई कारआमद ग्रह बैठा हो तो पीने के लिए पानी नज़र तो आता होगा मगर पता नहीं चलता होगा कि इस जगह पहुंचनें का रास्ता

किधर है मृगतृष्णा में ऐसा प्रानी बे-उम्मीदी में उम्मीदें बांधता हुआ अपनी क़िस्मत के

गुलामान-गुलामों जैसा
कारआदम-असरदार प्रभावशाली
स्याह-काला
बाक़ी-शेष, बचा हुआ
मुहैय्या-एकत्र, इकट्ठा तैयार, मौजूद

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर 10

मैदान में बंधा हुआ पसीने के पानी से तरबतर होता चलेगा यानी ज़िन्दगी और माया दौलत होगी तो ज़रूर मगर कब अपनी ज़रूरत के लिए मुकम्मिल उस बात का जवाब देने वाला शायद फिर कभी आएगा।

1-7-9-11 मुश्तरका का असर :-

इन सब का हाल जैसा भी एक का हो चारों घरों में सबका वैसा ही होगा।

3-11-4-7 का मुश्तरका का असर:-

धन की आमदन फ़ालतू धन और ख़र्च की नहर की हालत, (मुफ़स्सिल धन दौलत के हाल में देखो)

8-2-4-3 मुश्तरका का असर:-

बीमारी का बहाना-सेहत का आख़ीर वक़्त कूच जायदाद जद्दी चोरी अय्यारी-दोस्ती वग़ैरह मुफ़स्सिल हाल सेहत बीमारी और इन्सानी उम्र के हाल में देखो।

ख़ास ख़ास असर

ग्रह दोस्त नहीं बाहम लड़ते — झगड़ा कराते दूसरे हैं
शनि रवि दो इकट्ठे बैठे — लड़ते ग्रह स्त्री से है
स्त्री ग्रह जब शनि से मिलकर — बैठे दो या कहीं भी हों
उन बैठे ग्रह जो कोई देखें — मरते आल औलाद से हों
इस ज़हर को घर 9 वें से — राहु केतु हटाते हैं
अगर मदद न उनकी लेवें — मंगल केतु मर जाते हैं
एक दीवार के घर दो साथी — ग्रह मुश्तरका होते हैं
शत्रु ग्रह गो कभी न मिलते — दोस्त मिले ही लगते हैं

(बाक़ी अगले सफ़्हः पर)

स्त्री ग्रह जब शनि से मिलकर ख़ाना नम्बर 2 में या कहीं भी और जगह बैठे हों तो जो ग्रह उन (स्त्री ग्रह व शनि

मुश्तरका बैठे होंवे) को दृष्टि के उसूलों पर देखेगा। उस ग्रह का मुतअल्लिक़ा रिश्तेदार आल औलाद की मौतों से दुखिया होगा।

ज़रुरत-आवश्यकता, चाह, सबब
आख़ीर-अन्त में
मुकम्मिल-पूर्ति करने वाला
मुफ़स्सिल-विचार पूर्वक
मुश्तरका-मिले जुले
अय्यारी-बहुत अधिक व चालाक धूर्त, मक्कार

Astro Lucky

वजह किसी दीवार फटे गर — दुगुनी ज़हर हो जाती है
अक्ल बुरी क़िस्मत हो मन्दी — मौत खड़ी हो जाती है
ग्रह शत्रु में गुरु जो आवे — वैर ख़तम हो जाता है
माता चंद्र जब साथी होवें — मित्र सभी बन जाता है

किस ख़ाना नम्बर में हो	कौन ग्रह हो	तो किस ग्रह पर असर होगा ⟶ और क्या असर होगा।
1	केतु	सूरज हर तरह से ऊंच फल का होगा।
	राहु	सूरज हर तरह से सूरज जिस घर में बैठा हो उस घर में सूरज ग्रहण होगा।
2	बुध	बृहस्पत हर तरह से बरबाद होगा।
4	बुध	चंद्र हर तरह से बरबाद होगा।
6	मंगल	सूरज हर तरह से ऊंच होगा।
	मंगल	केतु हर तरह से बरबाद होगा।
11	राहु	बृहस्पत हर तरह से बरबाद होगा।
	केतु	चंद्र हर तरह से बरबाद होगा जब बुध नम्बर 9 न हो।
	बृहस्पत	राहु हर तरह से बरबाद होगा जब बुध मन्दा हो।
12	चंद्र	केतु हर तरह से बरबाद होगा।

जब कोई ग्रह ऐसे घर में आवे या बैठा हो जहां कि वह नीच मुक़र्रर हो चुका है या वह ऐसे घर में बैठा हो जोकि उस ग्रह के (दुश्मन ग्रह का जिसके) दुश्मन ग्रह का घर हो (बहैसियत मालकियत या पक्का घर) तो ग्रह का असर अमूमन मन्दा होगा। उसके बरअक्स जब वह ऐसे घरों में हो जो उसके लिए ऊंच हालत का मुक़र्रर है या अपने दोस्त ग्रहों के घर में (बहैसियत मालकियत या पक्का घर) बैठा हो तो उसका असर अमूमन नेक होगा। जब कोई ग्रह अपने पक्के घर में बैठा हो या क़ायम हो या उसके साथ उसके बराबर की हैसियत का मुक़र्रर शुदा ग्रह बैठा हो तो औसत हालत में उसका असर नेक ही होगा।

बरबाद-बर्बाद
अमूमन-अनुसार
मुक़र्रर-निर्धारित
बरअक्स- उल्टा, प्रतिकूल
बहैसियत-नीच, गैर शरीफ़

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर 10

कौन सा ग्रह सिर्फ़ अकेला ही बैठा हो तो क्या असर होगा।

नम्बर शुमार	ग्रह	क्या असर होगा
1.	अकेला बृहस्पत	टेवे वाले पर कभी मन्दा असर न देगा ।
2.	अकेला सूरज	ख़ुद अपनी जद्दो-जहद कर के ख़ुद साख़्ता अमीर होगा।
3.	अकेला चंद्र	हमेशा अपनी दयालुता और नरमी से फांसी तक की सज़ा मुआफ़ करवा कर टेवे वाले की कुल (ख़ानदान) नष्ट न होने देगा।
4.	अकेला शुक्कर	कभी बुरा न होगा। जब कभी बुरा होगा तो उस बुराई करने कराने में कोई न कोई दूसरा और साथी ज़रूर होगा।
5.	अकेला मंगल	चिड़िया घर का क़ैदी या बकरियों में पला हुआ शेर होगा।
6.	अकेला बुध	लालची देश परदेस में ख़ाली चक्कर। मुख़न्नस हालत का असर होगा
7.	अकेला सनीचर	अकेले सूरज के साथ ख़ाली बुध का ही काम देगा।
8.	अकेला राहु	एक अकेला तमाम ग्रहों की परवाह न करेगा और ज़माने के सब दुश्मनों पर कड़कती हुई बिजली की तरह चमकता और टेवे वाले का हर तरह से तमाम मुसीबतों के ताल्लुक़ में बचाओ पूरा पूरा करेगा मगर माली हालत की शर्त न होगी यह मतलब नहीं कि ग़रीब ही बना देगा मगर ज़रूर ही अमीर बनाने की शर्त नहीं।
9.	अकेला केतु	ख़्वाह कुण्डली में राहु से पहले घरों में बैठा हो ख़्वाह बाद के घरों में हर दो हालत में यह अपना असर देने के लिए राहु के बाद इशारा पर चलेगा और हर वक़्त यही उसूल बनाए रखेगा कि सुपुर्दम बतो मायये ख़्वैशरा तू दानी हिसाबे कमो बेशरा यानी मैने (केतु ने) ख़ुद अपनी ताक़त तुम्हारे हवाले (राहु के) कर दी अब तो हिसाब की कमी-बेशी को जानो यानी जिस तरह मर्ज़ी हो कम व बेश कर लो

शुमार-गिनती गणना
ताल्लुक़-संबंध
मुख़न्नस-खुसरा, हिजड़ा
सिर्फ़-केवल
ख़्वाह-चाहे

Astro Lucky

हर ग्रह के अच्छे या मंदे हो जाने की आम निशानियां

नम्बर शुमार	नाम ग्रह	मंदा होने की आम निशानियां	मंदी हालत में मददगार बातें
1.	बृहस्पत	सिर पर चोटी (बोदी) की जगह के बाल खुद ब खुद किसी बीमारी की वजह के बग़ैर उड़ जावें। गले में हरदम माला (तस्बीह) रखने का आदी हो जावे। सोने का नुक़सान या गुम हो जावे। झूठी अफवाहें बदनामी का कारण हों तालीम ख़्वाम-ख़्वाह बंद हो जावे ।	माथे या पगड़ी पर ज़र्द तिलक (निशान) लगाना-नाक का पानी खुश्क (नाक सफ़ा) कर के काम शुरू करना मददगार होगा। बचपन की उम्र में जिस दिन से नाक का पानी खुद ब खुद खुश्क हो जावे बृहस्पत मददगार गिना जाएगा।
2.	सूरज	सूरज रंग (लाल) गाय या भूरी भैंस का मर जाना या घर से गुम हो जाना जिस्म के अंगों को हरकत करने कराने की ताक़त(खींचना या फैलाना) जाती रही या मुंह से हर दम थूक जारी रहे।	मुंह में मीठा डाल कर पानी के चंद घूंट पी कर काम शुरु करना मुबारक होगा।
3.	चंद्र	घर से दूध वाले जानवर मर जावें। घोड़े की मौत हो जावे। कुआं या तालाब खुश्क हो जावे। महसूस करने की ताक़त ख़तम हो जावे।	दूसरो के चरण छू कर उनकी आशीर्वाद लेना मददगार होगा।
4.	शुक्कर	अंगूठा बग़ैर बीमारी निकम्मा हो जावे या जिल्द (इन्सान की चमड़ी Skin) ख़राब हो जावे।	पोशाक का ख़याल रखना मददगार होगा।
5.	मंगल	बच्चा पैदा हो कर ख़तम हो जावे। आंख कानी हो जावे। ख़ून ख़राब हो बैठे। जिस्म के जोड़ चलने से रह जावें। ख़ून का रंग मुर्दे की तरह नज़र आने लगे। कुव्वते बाह तो हो मगर बच्चा पैदा करने की ताक़त न हो।	मंगल बद में दिया हुआ इलाज मदद देगा। सुरमा सफ़ेद का इस्तेमाल मदगार होगा।
6.	बुध	दांत बरबाद, खुशबू या बदबू का फ़र्क मालूम न हो। कुव्वते बाह धोका देवे।	नाक छेदन-दांत सफ़ा रखना मददगार होगा।
7.	सनीचर	मकान गिर जावे भैंस मरे-आग लगे। जिस्म पर से बाल बिना बीमारी झड़ जावें, ख़ासकर पलकों और भवों के।	मिसवाक का इस्तेमाल मददगार होगा।
8.	राहु	पूरे स्याह रंग कुत्तों की मौत या गुम हो जावें, हाथ के नाख़ून झड़ जाना। दिमाग़ी ख़राबियां। ख़्याम ख़्वाह दुश्मन पैदा हों।	मुश्तरका ख़ानदान रहना। ससुराल से ताल्लुक़ न बिगाड़ना। सिर पर चोटी क़ायम करना। खुदमुख़्तार होकर न चलना मदद देगा।
9.	केतु	पांव के नाख़ून झड़ जाना-पेशाब या दर्द जोड़ की बीमारियां-औलाद के बिघन या तकलीफ़ें और ख़राबियां।	कान में सुराख़ करवाना। केतु की पालना करना मदद देगा।

फ़रमान नम्बर 10

औसत हालत का असर अमूमन उन घरों में होगा, जो घर के किसी ग्रह के लिए बतौर पक्का घर मुकर्रर नहीं। क़ायम और नेक हालत का असर उस वक़्त होगा, जबकि उस ग्रह का साथ हो जावे जो उस ग्रह के बराबर का ग्रह मुकर्रर है और वह ग्रह जागता हो।

जब दृष्टि की नज़र से बाहर ग्रह अकेला ही बैठा हो[1]	किन घरों अमूमन मन्दा होगा[2]	कहां अमूमन अच्छा होगा।[3]
बृहस्पत	6-7-10-11 मन्दे गुरु को केतु से मदद होगी।	1 ता 5-8-9-12
सूरज	6-7-10	1 ता 5-8-9-11-12
चंद्र	6-8-10 ता 12	1 ता 5-7-9
शुक्कर	1-6-9	2 ता 5-7-8-10 ता 12
मंगल	4-8	1 ता 3-5 ता 7-9 ता 12
बुध	3-8 ता 12 ख़ाना नम्बर 9 में हमेशा ही मन्दा नहीं और न ही ख़ाना नम्बर 11 में हमेशा लानती होगा।	1-2-4-5 ता 7
सनीचर	1-4 ता 6	2-3-7 ता 12
राहु	1-2-5-7 ता 12	3-4-6
केतु	3 ता 6-8	1-2-7-9 ता 12

[1] -दृष्टि की नज़र से बाहर से मुराद यह है कि उस ग्रह कोई भी और ग्रह किसी तरह की दृष्टि वग़ैरह से देख न सकता हो या ऐसा ग्रह अकेला ही बैठा हो।

[2] -जब ऐसे घरों में हो जहां कि वह नीच मुकर्रर किए गए हैं या अपने दुश्मन ग्रह के घर में बैठे होवें ।

[3] -जब ऐसे घरों में हो जहां अपने घर का मालिक / ऊंचे मुकर्रर किया जाए घर में या अपने दोस्त ग्रह के घर में बैठे होवे।

अमूमन-अनुसार
मुराद-इच्छा, कामना अभिलाषा, उदेश्य
मुक़र्रर-निश्चिय, निर्धारित
वग़ैरह-अलग

Astro Lucky

ग्रह चाली

रंग बिरंगियां

फ़रमान नम्बर-11

ل सिद्ध -12 बृहस्पत ब्रह्म -9 निधि राहु केतु राई घटे न तिल बढ़े	शुक्कर चंद्र बुध मोह - माई - आकाश सनीचर मंगल सूरज मच्छ - भाई - प्रकाश

ل -ग्रहों के अलावा सिर्फ़ नौ निधि बारह सिद्धी के हर्फ़ ख़ाली बचते हैं इन्हीं दो हर्फ़ से दुनियादारों ने बच्चे का नाम रखा और सिर्फ़ नाम पर ही बाज़ों ने क़िस्मत का असर माना है।

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर 11

ब्रह्मण्ड में ग्रह चाली बच्चे की बदलती हुई अवस्था

बच्चा पैदा हुआ। बन्द हवा से इस ज़माने की हवा में आया। यह ज़माना वह है कि जबकि बच्चे का जिस्म नरम पोला और तबीयत बिल्कुल भोली भाली है। अभी सात ग्रह का असर मुकम्मल नहीं हुआ और लोक परलोक के मुश्तरका ख़यालात उसमें पैदा हो रहे हैं। गुरु से तालीम हासिल की तो उस पर इस ज़माना की हवा का असर सोलह आने होने लगा। तब करम धरम करना सीखा और इज़्ज़त बेइज़्जती का फ़र्क़ मालूम होना शुरु हुआ तो उम्र का ज़माना वह आया जो रूहानी हालत का हुआ। पट्ठे अब जो बढ़ने थे बढ़ चुके गोया बृहस्पत की उम्र हुई 16 साल (2) इल्मो हुनर के बाद राजदरबार से ख़ुद अपने हाथों से धन दौलत कमाना शुरु किया तो यह वक़्त अहद सूरज हुआ या बच्चा बालिग़ हुआ तो उम्र हुई 22 साल (3) अपनी कमाई से माता की सेवा करने लगा तो चंद्रमा का ज़माना आया और उम्र हुई 24 साल (4) स्त्री ताल्लुक़ बढ़े। परिवार गृहस्त आश्रम और बाल बच्चों की बरक़त का ज़माना शुक्कर का अहद हुआ तो उम्र हुई 25 साल। (5) खाना पीना भाई बन्दों की सेवा-जंगो जदल, जिस्मानी दुःख बीमारी वग़ैरह का वक़्त मंगल (नेक व बद) गिना गया तो उम्र हुई 28 साल (6) बुद्धि के काम-तिजारत ब्योपार-हुनर दस्तकारी-दिमाग़ी लियाक़तों वग़ैरह से धन दौलत का ज़माना बुध का अहद बना और उम्र हुई 34 साल (7) सन्यास या मकान जायदाद चालाकी की आंख से धन दौलत का ढंग पकड़ा तो सनीचर का राज फैला और उम्र हुई 36 साल (8) दुनिया के अन्देशों की फ़र्ज़ी सोच विचार और ख़यालात की नक़्ल व हरकत का ज़ोर हुआ तो राहु का ज़माना आया उम्र हुई 42 साल (9) अपने आप से जब दुनिया का मुअम्मा हल न हुआ तो इधर उधर सलाह मशविरा के पांवो की नक़्ल व हरकत शुरू हुई या बच्चा चलने और दौड़ने लगा तो केतु का ज़माना उभरा और उम्र हो गई 48 साल या दुनिया का मुअम्मा लाल ग्रह चाली बच्चा 12 राशि के चार चक्कर लगा कर दुनिया की चारों खूंट में आ रोशन हुआ।

दूसरे लफ़्ज़ों में जब आकाश (ख़ाली जगह) में बृहस्पत (हवा) का असर हुआ या ज़माने की हवा में इन्सान फिरने लगा तो उसमें हरकत की ताक़त पैदा हो गई अब हरकत से गरमी आग या दुनिया में उसका मुजस्सिम देवता सूरज निकल आया जो निकलते ही सुर्ख़ रंग देखा गया (सुर्ख़ रंग मंगल का है) यह नज़ारा दिन के नाम से मौसूम हुआ सूरज जिस क़दर ऊंचा हुआ गरमी बढ़ी लाली घटी और हवा ने सूरज का रुख़ किया बृहस्पत ग्रहों का गुरू या पिता था

मुकम्मल-संपूर्ण, हर तरह से पूर्ण | तालीम-शिक्षा | गोया-मानो जैसे | अहद-प्रतिज्ञा संकल्प
ब्योपार-व्यापार, | मुअम्मा-प्रतियोगिता

Astro Lucky

मगर सूरज दुनिया का पिता और रुहानी मालिक बना। बुध की अक़्ल का गोल दायरा भी सूरज का अपना ही आकार है। सूरज निकला तो बृहस्पत मंगल चंद्र और बुध सबके सब एक हो गए और शुक्कर राहु और सूरज का लड़का सनीचर केतु को साथ लिए बाईं तरफ़ हो बैठे जो हर एक के मुड़ने का हाथ है। मगर मुड़ेगा कौन सूरज जो अपनी गोलाई के चक्कर के सबब हमेशा आगे को ही चलता जा रहा मालूम होता चला आया है। किसी ने उसे मुड़ता नहीं देखा न उसने अपना रास्ता बदला न पीछे हटा। मंगल दोस्त की लाली जूं-जूं सूरज ऊंचा हुआ सफ़ेदी में बदलती गई और दुनिया को रोशन करने लगी। गोया मंगल अपनी किरणों से सूरज और दुनिया की ज़मीन शुक्कर के दरमियान ख़ूब ज़ोर से तन गया। दुनिया का दिल या इन्सान के दिल चंद्रमां ने अपनी अलाहदा खिचड़ी पकानी छोड़ दी और अपना घोड़ा (चंद्र) को घोड़ा भी माना है और दूध सफ़ेद (रंग) सूरज के रथ में जोड़ दिया (सूरज का रथ माना गया है) और ख़ुद सूरज के दिल के अन्दर बैठ गया। या इन्सान का दिल दुनिया और दुनिया का दिल चंद्रमां सूरज के जिस्म में जा बैठा। बृहस्पत की हवा या राजा इन्द्र ने परलोक से इस दुनिया का रुख़ किया और निकलते ही सूरज (आग गरमी) के हुक्म को पूरा करने के लिए ज़र्द हवाई शेर को सिंह राशि के मालिक सूरज के प्रणाम करने को भेजा जो मेख नम्बर 1 के मंगल को ऊंच कर रहा है। और मंगल की किरणें बना बना कर शुक्कर की ज़मीन को ख़ूनी झंडे के मालिक से मैदाने जंग बना रहा है। सिंह का सूरज ख़ुद शेर है। मुंह लाल करने वाला मंगल उसे और भी ऊंच दर ऊंच हालत में कर रहा है। शेर के मुंह को मैदान जंग के ख़ून की लाली का रंग नहीं चढ़ता, वह लाल होने की बजाए और भी चमकता चला जा रहा है। मंगल भी नर ग्रह है। मैदाने जंग के उसूलों को चलाने वाला है। मुकाबला पर शुक्कर की ज़मीन सबको एक ही आंख से देखने वाली कानी औरत है इसलिए मंगल उस पर हमला नहीं करता किरणों को वापिस ले जाता है और सूरज और बृहस्पत के शेरों को कानी अबला (निहायत ग़रीब) की हक़ीक़त बयान करता है। मंगल आदिल है या अदल का मालिक है। बृहस्पत हवाई शेर रहीम या रहम का मुजस्सिम देवता है। किसी से दुश्मनी नहीं करता। सूरज मुन्सिफ़ है जिस में रहम और अदल दोनों शामिल हैं, क्योंकि उसके ज़ाहिरा ग़ुस्से के अन्दरूनी वजूद में चंद्रमा का शान्ति वाला दिल बैठा हुआ नज़ारा देख रहा है। फ़ैसला होता है कि पांव पड़ी नीचे लेटी एक ही आंख की मालिक

सबब-कारण
मुन्सिफ़-न्यायकर्त्ता
अदल-तर्क युक्त, युक्ति संगत
मेख़-मेष राशि
गोया-मानो, जैसे
अलाहदा-अलग

Astro Lucky

कानी औरत पर मर्दों का हाथ उठाना मंगल का काम और हमला करना शेरों और बहादुरों का काम नहीं। चुप चाप बैठा हुआ बुध अपनी अक़्ल का दायरा वसीह करता है। मिथुन राशि नम्बर 3 पैदा हो जाती है। या मेख नम्बर एक के मंगल व सूरज मिलकर 3 होने पर मिथुन मैथुन मिलावट या मर्द औरत का जोड़ा या मर्द औरत की मिलावट की बाहमी अक़्ल या कामदेव विषय की ताक़त साथ मिल बैठती है। बुध शुक्कर की अपने घर में ही पालना करने लग जाता है। दूसरी तरफ़ सनीचर जिसने शुक्कर (ज़मीन औरत) .... को देखने के लिए अपनी आंख उधारी दी थी समझाता है कि मेरे होते हुए यह सब तेरी (शुक्कर की) आंख की नज़र का सिर्फ़ एक मामूली करिश्मा है। गोया सनीचर ने अपने बाप सूरज के बरख़िलाफ़ भी औरत को सलाह दी जो अमूमन भोली भाली ही मानी गई है। उसके फ़रेब में आ गई उसकी आंख सनीचर की मगर मिट्टी शुक्कर की गो ज़हिरा भोली भाली गऊ नज़र आ रही है मगर उसकी शैतान आंख के एक ही तबस्सुम के करिश्मे ने सूरज और बृहस्पत के शेरों को नीचा कर दिया। सब तरफ़ नीच फल पैदा हो गया। जिस पर दुनिया में ज़नाकारी जारी हुई और मंगल चौकोर □ शक्ल के पेट में छुरियां फिरने लगीं गोया वह राहु ⊞ बन गया। जिससे दिमाग़ में नक्ल व हरकत होने लगी। अब मंगल की पेश नहीं जाती। वह सूरज और बृहस्पत दोनों की ख़ातिर जो सबके पिता हैं आंख से मार देने वाली अबला से तंग होने लगा और ख़ुद अपने हाथ से उसे मार देने पर तैयार हुआ। ऐसी हालत में अगर वह अकेला होवे तो कायराना (बुज़दिलों) की कारवाई कर जावे । इसलिए चुप है और मंगल के मौजूद होते हुए राहु भी गुम है। जिस की वजह से मर्द औरत का जोड़ा कामदेव को अन्दर छुपाए फिर रहा है मगर मंगल दुश्मनी नहीं छोड़ता। जब क़ाबू आया औरत को मार ही देने का उसूल बरतने लगा। क़िस्सा कोताह शुक्कर को केतु की मदद मिलने पर या काम देव की मेहरबानी और मंगल की सलाह से किरणें फिर ज़मीन पर शुक्कर को मार देने या नीच करने की बजाए उसे चमकाने को वापिस हुईं। अब ज़मीन क्या चमके सब ग्रहों को सनीचर की शैतानी मालूम हो गई। बृहस्पत की हवा हुक्म बजा ला रही है मंगल का मैदाने जंग अन्दरूनी तौर पर गरमी छोड़ता। वह सूरज के हुक्म या मंगल की किरणों को कभी इधर कभी उधर करता है। कशमकश पैदा हो गई। किरणें शुक्कर का कुछ बिगाड़ नहीं सकती। बृहस्पत की हवा भी ज़ोर पकड़ रही है। शुक्कर की माया

वसीह-बड़ा करना
मौजूद-उपस्थित, हाज़िर
बरख़िलाफ़-प्रतिकूल, उलटा, विरूद्ध
क़िस्सा कोताह-संक्षेप में
गऊ-गाय

Astro Lucky

के झगड़े और मिट्टी के ज़र्रे साथ उड़कर सब की आंखों में पड़ने लगे। मगर उसकी अपनी आंख बदस्तुर देख रही है। क्योंकि सनीचर की बनी हुई है। यही ज़र्रे दुनिया के झगड़े हैं इसलिए उनसे वही बचा जिसने सनीचर की आंख से आंख न मिलाई। ज़र्रों से गरमी बढ़ी। मैदान गरम हुए मगर ऊंचे पहाड़ ठंडे रहे और कायनात के सर्द और गरम दो पहलू हो गए। ग़र्ज़ेकि औरत के तबस्सुम (मुस्कराहट) की आंख के शरारों से सैकड़ों बखेड़े और जंगो जदल होने लगे। यहां तक कि दुनिया लड़ाई का मैदान बन गई और सुख दुख की नदियां या रेखाएं हाथ के बर्रेआज़म में बहने लगीं। मंगल ने नज़ारा दिखाया। चंद्र ने तमाशा देखा। मगर रेखाओं के समन्दर (चंद्र का दूसरा नाम) ने शान्ति न छोड़ी । पानी आहिस्ता-आहिस्ता गरम हुआ मगर ख़ुश्की का तमाम वृक्षक या शुक्कर की कुल ज़मीन या हाथ का बर्रेआज़म सूरज और शुक्कर की बाहमी दुश्मनी के सबब से इतना तंग हुआ कि सूरज को दबा लेने के लिए सारे का सारा ही उठकर दौड़ता हुआ मालूम होने लगा। बृहस्पत की हवा में शुक्कर की मिट्टी के ज़र्रे तूफ़ानी ज़ोर से फैल गए। तमाम मुतअल्लिक़ीन तंग हुए गो सूरज की तपिश को मद्धम किया मगर उस के रथ को न रोक सके और आख़िर पर सबने अपना आप ही ख़राब किया और सूरज का कुछ न बिगाड़ सके। मुख़्तसरन आहिस्ता-आहिस्ता सूरज का रथ छुपने लगा और काली रात सनीचर का पहरा होने लगा। किरणें ख़तम हुई मंगल चला गया। अब मंगल की ग़ैर हाज़री में राहु भी आ निकला। रात हो गई सूरज की पुरानी चमक बृहस्पत की ठण्ड़ी हवा के साथ चंद्र की ताक़त से फिर दोबारा ज़ाहिर होने लगी। गरमी घटी, सरदी बढ़ी। ज़मीन को कुछ शान्ति हुई और समन्दर ने भी गरमी को अपने घर के अन्दर से दर बदर करना शुरु किया। राहु ने रात ख़तम की तो फिर ठण्ड़ी हवा चलने लगी जिस पर रात के बाद दिन के फ़र्क़ की हदबन्दी। या केतु निकल आया। दिन ख़तम और रात शुरु के बाद राहु या अब फिर नये सूरज की उम्मीद हुई या राशि मण्डल में ग्रह चाली बच्चा को ज्यों ज्यों हवा लगने लगी बुद्धि या अक़्ल आने लगी और ज़र्द से सब्ज़ रंग होने लगा जो बुध का रंग और ज़माना है। अब ज़माने की हवा अक़्ल तो देगी मगर ज़र्द से सब्ज़ करेगी यानी बृहस्पत की मदद कम होती जाएगी और उसके बुध के सब्ज़ रंग से मिली हुई अक़्ल से ही इन्सान धन दौलत के कमाने की धुन और लगन में रात दिन मरते फिरना सीखेगा क्योंकि बुध बृहस्पत

ط -कनक, जौ के पौधे और दरख़्तों के पत्ते भी निकलते ही ज़र्द रंग के होते हैं। बन्द बरतन में पैदाशुदा पौधे इस बात को साफ़ करते है-12

बर्रेआज़म-भूमि का टुकड़ा, द्वीप आख़िर-अन्त में कनक-गेहूं मुख़्तसर-संक्षिप्त

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर 11

से दुश्मनी पर है। मां कहती है कि बच्चा बड़ा हुआ मगर बृहस्पत की उम्र घटती जाएगी। पैदाइश के वक़्त बृहस्पत पूरी उम्र का था। हर तरह से साफ़ था। ज़माने की हवा से कई रंग बनने लगे। ज़र्द से सब्ज़ हुआ तो (नीला रंग) राहु साथ मिला गोया दिमाग़ में नक़ल व हरकत पैदा हो गई और नेकी के साथ बदी करने का बीज आ मिला। आख़ीर यहां तक कि सब ज़माना उलझन हो गया। फ़िक्रो ग़म खड़े हुए। मगर शुक्कर का मुकाम है कि राहु व बृहस्पत बराबर हैं और बाहम कभी दुश्मन नहीं होते। दोनों के मिलाप से सब्ज़ रंग पैदा हुआ तो बुध आ निकला और ज़र्द बिल्कुल ही जाता रहा। यानी अक़्ल पूरी हुई तो ज़माने की हवा का ऐतबार ही उठ गया और "हीले रिज़क़ बहाने मौत" का मसला खड़ा हो गया। गोया फ़रिश्ते का नविश्ता या क़ुदरत का लिखा भूल ही गया। इतना ही नहीं बल्कि जब इस बुध या बुद्धि की अक़्ल का गोलदायरा बृहस्पत के बुर्ज पर आया तो बृहस्पत की हवा का वह चक्कर बंधा कि उसे निकलने को सिर्फ़ वही ख़ाली जगह आकाश बाक़ी रह गई। क़िस्मत की हवा के बाद बगूले बनने और आसमान की तरफ़ उठने लगे। मुख़्तसरन अब क़िस्मत का ऐतबार ही न रहा। बहरहाल इतने में सूरज आसमान पर नज़र से गायब हुआ रात आई। आग बुझने और सर्दी उभरने लगी। घबराहट ख़तम और शान्ति आने लगी। चंद्र चमक रहा है। दिन के थके हारे सोने लगे कई तरह की ख़राबियां होनें लगी। जिसके पर्दे में हवा से आग हुई। आग से पानी। पानी से मिट्टी बनी या बच्चा ज़माने की हवा से गरमी सर्दी महसूस करने और माता पिता के साए में आराम करने लगा और वही बन्द मुट्ठी के आकाश की हवा अब उसे सांस का काम देने लगी। इसी उसूल पर माना है कि हर सांस के आने और जाने में इन्सान की क़िस्मत का ताल्लुक़ होता है। जिसकी वज़ह से कोई बुद्धिमान या बुध का लक या अक़्लमन्द यह नही दावा बांध सकता कि एक के बाद दूसरा सांस आएगा या नहीं। मगर हर दम यही ख़्वाहिश करता है कि अगर एक सांस बाहर को गया हुआ है तो दूसरा मेरे अन्दर ही आ जाए यानी अगर दाएं ने क़िस्मत की हार दी है तो बायां ही मदद करे यही दांया बायां करता रात दिन 24 घन्टे में 12 राशि ज़रब 7 ग्रह या 84 लाख सांस पूरे कर लेता है और इस दुनिया की नरक चौरासी या बारह राशियों में सातों ग्रहों की ज़रब या चोट को सहारता चला जा रहा है। अगर यह सांस हवा या बृहस्पत न होता तो सब चौरासी ख़तम हो जाती क्योंकि बृहस्पत बुध मुश्तरका ग्रह चाली बच्चे से बृहस्पत अड़ जाने पर बुध का गोल अण्डा या सिफ़र ख़ाली ख़लाओ ही रह जाएगा। जो दुनियावी ख़याल में अण्डे से बृहस्पत की

ज़र्दी निकला हुआ अण्डे का ख़ाली ख़ोल या ढांचा सिर या बच्चे के ऊपर की झिल्ली या ज़ेर होगी। जो बृहस्पत व राहु के दरमियान हदबन्दी करने वाली चीज़ आसमान की बुनियाद (उफ़क़ या निगाह की हद) कहलाएगी जिसकी जांच पड़ताल इस इल्म सामुद्रिक से होगी।

आख़ीर-अन्त में | सिर्फ़-केवल | इल्म-विद्या, विज्ञान, जानकारी
शुक्कर-शुक्र ग्रह | मुकाम-देर तक ठहरावा पड़ाव | मुख़्तसरन-संक्षेप में

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर-12

कुण्डली की बनावट और दुरुस्ती

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर 12

कुण्डली

क़ियाफ़ा:-हाथ व पांव की उंगली के नाख़ून के सिरे से कलाई व टखने तक और 9 ग्रह व 12 राशि की कुण्डली से 12 तरफ़ों के दरमियानी मैदान में नबातात जमादात इन्सानात (क़ौमें) क़िस्म क़िस्म के लोग हैवानात, मकान आम व ख़ास व जाए रियाइश-ख़्वाब शगुन, माल मवेशी, चरिन्द-परिन्द-दरिन्द, दोस्त दुश्मन, ज़हर व अमृत, दुनियावी दीगर साथियों और इल्म क़ियाफ़ा वग़ैरह से जो सामुद्रिक के ज़रूरी हिस्से हैं, वक़्त से पहले ही लिखे हुए नौ निधि बारह सिद्धि के ख़ज़ाने की कमी बेशी के मुतअल्लिक़ा क़ुदरती और अनमेट (जो मिटाया न जा सके) लेख या हुक्मनामा को पढ़ा जा सकता है।

टेवे की आसान दुरुस्ती:- इल्मे ज्योतिष के मुताबिक़ बनाई हुई जनम कुण्डली के लगन के ख़ाना नम्बर को 1 का हिन्दसा देकर जब कुण्डली बन चुकी तो मालूम हो जाएगा कि लगन से हर ग्रह कौन कौन से घर है । इस तरह बैठे हुए ग्रहों के मुताबिक़ मकान कुण्डली जो दूसरी जगह दर्ज है बनाई और हर एक ग्रह के मुतअल्लिक़ा चीज़ों से पड़ताल की या उसके ख़ून के रिश्तेदारों हर एक से मुतअल्लिक़ा का हाल और सब ग्रहों का फल मिलाया गया अब तमाम हालात आम उम्र और सालवार देख लें। दूसरी हालत में देखें कि हाथ रेखा के उसूलों पर कुण्डली बनाने के ढंग से नर ग्रह कहां कहां मालूम हो रहे हैं। जिस घर में कोई एक नर ग्रह भी पूरे तौर पर तसल्ली का मालूम होवे, उसे उस घर में मुक़र्रर करके बाक़ी सब ग्रहों को बतदरीज लिख देवें। अब लगन सारणी के मुताबिक़ देख लें कि जनम वक़्त दरअसल क्या हुआ। साथ ही उस तरह पर दुरुस्त किये हुए टेवे का पहला फलादेश बोल कर देख लें, कि आया गुज़रा हुआ हाल मिल गया । ग्रह स्पष्टी के लिये हर ग्रह में इस के ख़ाना वार असर की दी हुई चीज़ों व ग्रह मज़कूर की आम चीज़ों का ताल्लुक़ भी बोलकर देख लें। जब पूरी तसल्ली हो जावे कि मकान कुण्डली के मुताबिक़ भी अब वह टेवा दुरुस्त हो गया है, तो आगे फलादेश देखना शुरु करें।

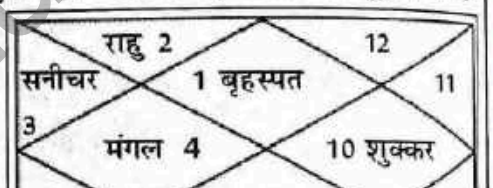

नबातात-ज़मीन से उगने वाली चीज़े
इन्सानात-इन्सानी कौम
जमादात-न्याय में किसी व्यक्ति की जिम्मेवारी लेना

Astro Lucky

इल्म ज्योतिष की बनाई हुई जनम कुण्डली इल्म ज्योतिष और सामुद्रिक में राशियों के एक ही नम्बर मुकर्रर हैं। कुण्डली वाले के जनम के मुताबिक़ जो राशि नम्बर होता है पंजाब में इल्म ज्योतिष वाले वह हिन्दसे सब से ऊपर की चौकोर जगह में लिखते हैं। इस नम्बर को वह लोग जनम लगन गिनते हैं। इल्म सामुद्रिक में इसी ऊपर की चौकोर को ख़ाना नम्बर 1 दे दिया गया है ताकि बारबार न गिनना पड़े कि हर एक ग्रह जनम लगन से कौन से नम्बर के घर में या यूं कहिए कि पंजाब में कुण्डली के बारह ख़ानों की शक्ल पक्के तौर पर मुकर्रर है ख़्वाह इल्म ज्योतिष वाले ऊपर के चौकोर ख़ाना में जनम वक़्त की राशि के नम्बर का हिन्दसा लिख देवें ख़्वाह सामुद्रिक वाले उस ऊपर के चौकोर को ख़ाना नम्बर 1 दे देवें, बात एक ही है। नम्बर (1) मेख (2) बृख (3) मिथुन (4) कर्क (5) सिंह (6) कन्या 7 तुला (8) बृच्छक (9) धनु (10) मकर (11) कुंभ (12) मीन। फ़र्ज़न किसी की जनम राशि या जनम लगन कि राशि है सिंह जिसका नम्बर है 5 वां ज्योतिष वाले तो लिखेंगे ख़ाना अलिफ़ में हिन्दसा नम्बर 5-बे में 6 और आख़ीर बिलतरतीब के ख़ाना ज़मीन हिन्दसा नम्बर 4 लिखेंगे। सामुद्रिक वाले ख़ाना अलिफ़ में हिन्दसा नम्बर 1-बे में हिन्दसा नम्बर 2 और बिलतरतीब आख़ीर ज़े के ख़ाना में हिन्दसा नम्बर 12 लिखेंगे। ज़्योतिष वाले ख़ाना नम्बर बे नम्बर को कहेगे कि वह बे वाला ख़ाना जनम लगन से दूसरे नम्बर पर है। सामुद्रिक वालों के लिए भी ख़ाना बे नम्बर 2 होगा। ख़ाना नम्बर 2 वग़ैरह ख़ाना अलिफ़ से दोनों इल्म वालों ने शुरु करना है ज्योतिष में वह लगन कहलाता है। सामुद्रिक में वह अलिफ़ का मुकाम ख़ाना नम्बर 1 होता है। गोया ख़ाना आलिफ़ में हिन्दसा नम्बर 1 लिखने से सामुद्रिक में राशि नम्बर एक मेख मुराद नही हो जाती वह लगन है। अलिफ़ को एक-बे को 2 जीम को 3 चे को 4 वग़ैरह बिलतरतीब हिन्दसा देकर लिखी हुई कुण्डली मन्दरजाज़ैल होगी। लाल किताब की पक्की कुण्डली ख़ाना नम्बर चे में 4 का हिन्दसा देकर ज्योतिष वाले कहेंगे कि वह चे का घर कर्क राशि नम्बर 4 है मगर नहीं। दरअसल यह घर सामुद्रिक में ख़ाना नम्बर 4 और ज्योतिष में जनम लगन से चौथा घर है। सामुद्रिक में राशि नछत्तर को बाद में उड़ा ही दिया गया है। कुण्डली के हिन्दसे बदलने से सामुद्रिक वालों ने लगन से हर एक घर गिन लिया। अब यह राशि नम्बर का हिन्दसा नहीं लेंगे या

कुण्डली शक्ल

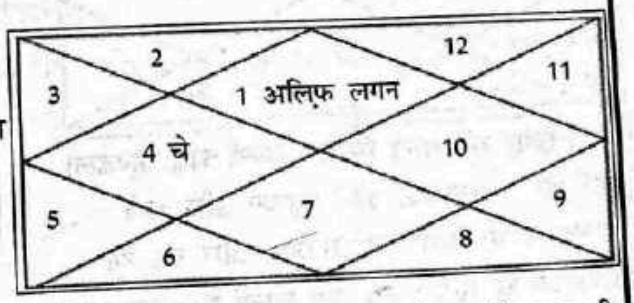

मेख-मेष राशि
बृख-बृष राशि
बृच्छक-वृच्छिक राशि
बिलतरतीब-क्रम से, एक के बाद एक
आख़ीर-अन्त में
मन्दरजाज़ैल-निम्नलिखित

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर 12

यूं कहो कि सामुद्रिक वाले एक पक्की कुण्डली बना कर उसमें सबसे ऊपर के चौकोर में एक का हिन्दसा लिख कर तमाम 12 ख़ानों में हिन्दसे लिख देंगे। और जहां सामुद्रिक वालों का हिन्दसा नम्बर 1 है उस घर में ज्योतिष वालों की बनाई हुई कुण्डली के उस घर के हिन्दसे वाले ग्रह को लिख देंगे। जो हिन्दसा कि उन्होंने के वक़्त की जनम राशि का सब से ऊपर के चौकोर ख़ाने में लिखा है। अब सामुद्रिक वालों की कुण्डली के हिसाब से हर ग्रह का पता लग गया कि वह जनम लगन से कौन से घर है। इस तरह जब पता लग गया कि हर एक ख़ाने में कौन कौन सा ग्रह है तो लाल किताब के मुताबिक़ जवाब देखना शुरु करें।

लाल किताब की चंद्र कुण्डली जिस घर में ज्योतिष वालों ने लफ़्ज़ चंद्र का ग्रह लिखा हो उस घर को जनम लगन वाली राशि का नम्बर लगाकर तमाम ख़ानों में 12 हिन्दसे पूरे कर देंगे। इस तरह से जहां भी एक का हिन्दसा आवे वह घर सामुद्रिक में चंद्र कुण्डली के देखने के लिए पहला ख़ाना होगा। मसलन पैदाइश 2 चैत संवत 1992 सनीचर बमुकाम लाहौर छावनी ख़ास 5 बजे सुबह मुताबिक़ $14\frac{3}{36}$ हो तो उस दिन की अब लाल किताब के लिए पैदाइश के दिन वाली चंद्र कुण्डली में चंद्र को जनम लगन की राशि यानी हिन्दसा नम्बर 11 दिया तो वही चंद्र कुण्डली हस्बेज़ैल होगी।

जनम कुण्डली कुंभ लगन

चंद्र कुण्डली ज्योतिष की

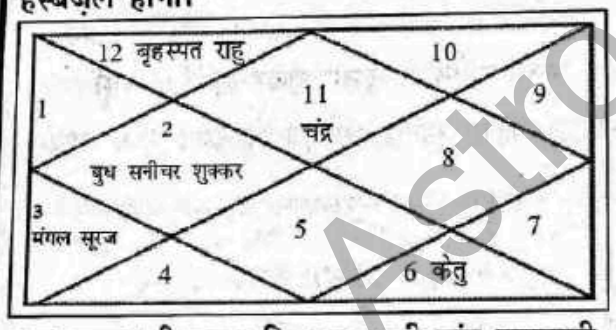

या हिन्दसा नम्बर 1 को अपनी ऊपर की जगह किया तो लाल किताब के मुताबिक़ लाल किताब की अब की चंद्र कुण्डली होगी।

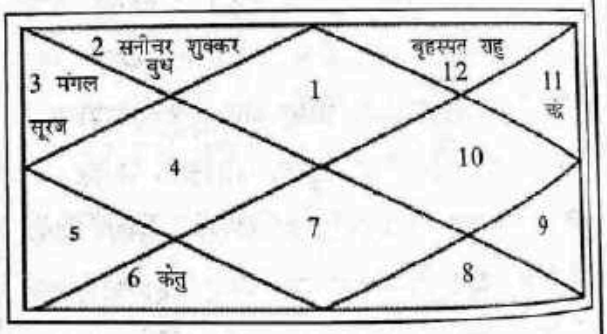

अब ऊपर की लाल किताब वाली चंद्र कुण्डली का असर अचानक और सहवन और भूले भूलाए कभी कभी ज़ाहिर होगा और वह भी महादशा के ख़ाली रखे हुए सालों में:- यह होगा पक्का भेद जिसे राशिफल कहकर शक का फ़ायदा उठा लेंगे। (राशि फल ग्रह फल का फ़र्क़ वग़ैरह जुदी जगह लिखा गया है।) इस शख़्स की औरत का हाल उसी तरह ही देखलें जिस तरह कि जनम कुण्डली से मर्द का हाल देखते हैं। बर्षफल भी उसी हिसाब और ढंग पर होगा जिस तरह कि जनम कुण्डली और मर्द का है फ़र्क़ सिर्फ़ यह है कि शादी से पहले ऊपर की चंद्र कुण्डली अचानक और सहवन असर दिया करेगी मगर शादी के दिन या औरत आने पर पूरा पूरा फल देगी जो औरत का

मुताबिक़-समान बराबर
हिन्दसा-अंक
मसलन-उदाहरणत:
हस्बेज़ैल-निम्नलिखित
सहवन-अकस्मात
लफ़्ज़-अक्षर

Astro Lucky

मुफ़स्सिल हाल होगा और राशि फल बनकर मदद देगी।

इल्म ज्योतिष में जनम कुण्डली बनाने का तरीक़ा बमूजिब इल्म ज्योतिष सूरज गिना जावेगा जिस

राशि नम्बर में

नम्बर राशि	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
नाम राशि का	मेख	बृख	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	बृच्छक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
मिनट घण्टे	घंटे-मिनट 1-12	घंटे-मिनट 1-36	2-0	2-24	2-24	2-24	2-24	2-24	2-24	2-00	1-46	1-12
मियाद सूरज	घड़ी 3	4	5	6	6	6	6	6	6	5	4	3
राशि फ़ी दिन												
नाम महीना	बैसाख	जेठ	हाड़	सावन	भादों	असौज	कार्तिक	मघर	पोह	माघ	फागन	चैत

एक घड़ी बराबर होती है 24 मिनट के

राशि नम्बर:- 1-12= 3 घड़ी, 2-11= 4 घड़ी, 3-10= 5 घड़ी, 4-9, 5-8, 7-6 — 6 घड़ी हर एक में

पुण्य काल= उसूल वक़्त सूरज का राशि मुकर्रर में दाख़िल होने का। मीज़ान कुल-एक दिन में 60 घड़ियां

मिसाल

वक़्त पैदाइश सुबह 5 बजे सनीचरवार 2 चैत संवत् 1992 मुताबिक़ 14 मार्च 1936 ई0 सबसे पहले कुण्डली की शक्ल बनाई मगर इसमें कोई भी हिन्दसा वग़ैरह नहीं लिखा। उर्दू की जंत्री 1936 मसनफ़ा पंडित देवी दयाल में लगन सारणी 12 ही महीनों की दी हुई है उस लगन सारणी में हर एक राशि नम्बर के सामने वक़्त घंटो और मिनटों में लिखा है यानी हर महीने की हर एक तारीख में वक़्त के हिन्दसे लिखे हैं। हर एक तारीख़ में पहली राशि के सामने जो वक़्त लिखा है वह सुबह (A.M) सूरज निकलने की तरफ़ से शुरु होता है। हर राशि के सामने जो वक़्त लिखा है वह वक़्त इस राशि के ख़तम होने का है यानी उस राशि का ज़माना दिए हुए वक़्त पर ख़तम हो जाएगा जिसके बाद उस राशि के बाद की राशि चलेगी।

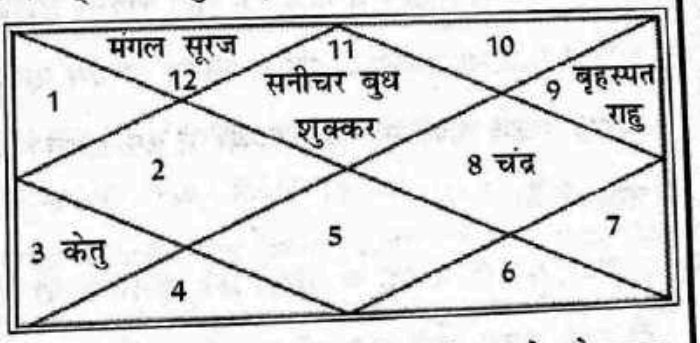

मुफ़स्सिल-विस्तार पूर्वक
सनीचरवार-शनिवार
बमूजिब-अनुसार
जंत्री-पंचाग
मुक़र्रा-निश्चित
मीज़ान-जोड़

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर 12

(2) दिए हुए वक़्त पैदाइश के मुताबिक़ जनम वक़्त की राशि का नम्बर 11 या कुंभ मालूम हुआ तो ऊपर की बनाई हुई कुण्डली में सब से ऊपर की चौकोर में हिन्दसा नम्बर 11 लिख दिया और बाक़ी ख़ानों में बाक़ी हिन्दसे भर दिए यानी 11 से बाद जिस जिस हिन्दसा नम्बर के साथ जो जो ग्रह जन्त्री में लिखे है वह हूबहू वैसे के तैसे ही नकल कर दिए तो मालूम हुआ कि चंद्र बाक़ी रह गया है।

(3) जन्त्री के दाख़िला औक़ात चंद्रमां के ख़ानो में तारीख़ पैदाइश के सामने राशि का नाम लिखा है और चंद्रमां इस राशि में जिस वक़्त दाख़िल होगा वह वक़्त घड़ी पलों में लिखा है जिसको घंटो और मिनटों में हल कर लेंगे।

(4) दख़िला औक़ात चंद्रमां के सामने दिए हुए वक़्त से मुराद यह है कि सूरज निकलने के बाद चंद्रमां उस राशि में उस दिए हुए वक़्त पर जाएगा मगर उस वक़्त से पहले नहीं या उस वक़्त के शुरु होने से पहले चंद्रमां पहली ही दी हुई राशि में गिना जाएगा।

(5) सूरज निकलने का वक़्त सभी जन्त्री में दिया है बस इस तरह से पता लग गया कि कल कितने बजे के वक़्त पर चंद्रमां दी हुई राशि में जाएगा।

(6) इस मिसाल के मुताबिक़ चंद्रमां तो $13\frac{3}{36}$ को से ही बृच्छक राशि में 30 घड़ी 45 पल दिन चढ़ने पर जा चुका है और $15\frac{3}{36}$ को 53 घड़ी 19 पल पर बृच्छक के बाद की राशि में जाएगा। मुख़्तसरन $14\frac{3}{36}$ को चंद्रमां बृच्छक में ही है। इस लिए कुण्डली में जिस ख़ाना नम्बर में हिन्दसा नम्बर 8 (बृच्छक) है वहां चंद्रमां लिख दिया।

(7) जिस हिन्दसा नम्बर में चंद्रमां लिखा हो उस ख़ाना नम्बर को लगन की जगह कर देवें तो चंद्रमां सबसे ऊपर के ख़ाना नम्बर में आ जाएगा। ऐसी कुण्डली ज्योतिष की चंद्र कुण्डली कहलाएगी।

(8) लगन सारणी मद्रास के वक़्त की बुनियाद पर बनाई गई है और मद्रास के वक़्त के मुताबिक़ ही सब घड़ियां घन्टे चल रहे हैं और घड़ी टाइम पीस के ज़रिए ही वक़्त पैदाइश देखा गया इसलिए किसी हालत में भी सूरज उदय के ढंग पर कुण्डली बनाने के जो एक तरीक़े से पड़ने की ज़रूरत नहीं।

मुताबिक़-बराबर
मुख़्तसरन-संक्षेप में
बाक़ी-शेष
पस-फिर
जन्त्री-पंचांग
बृच्छक-वृश्चिक राशि

Astro Lucky

जनम कुण्डली ज्योतिष की चंद्र कुण्डली में जिस ख़ाना नम्बर में चंद्रमां ऊपर के हिसाब से आवे वह ख़ाना नम्बर ऊपर के चौकोर में लिखकर वही ग्रह नक़ल कर देवें। ऊपर की मिसाल से चंद्र कुण्डली होगी लाल किताब के हिसाब से हालात देखने के लिए वही ज्योतिष वाली जनम कुण्डली सफ़्हः 195 वाली होगी। सिर्फ़ हिन्दसा नम्बर बदला गया। बाक़ी वही ग्रह बदस्तूर ज्योतिष वाले जो जनम कुण्डली में थे, लिखे गए हैं।

वहम (1) इल्म ज्योतिष में कुण्डली की बुनियाद जनम वक़्त का लगन है। जिसका वक़्त तक़रीबन 2-2 घंटे लगातार एक ही होता है। फ़र्ज़न 2 बजे से लेकर 4 बजे तक के पैदा शुदा बच्चों के लिए एक ही लगन होगा।

वह एक ही लगन के सब ही की क़िस्मत का जवाब तक़रीबन एक होगा।

(2) इल्म सामुद्रिक में 12 साला या नाबालिग़ बच्चे की रेखा का ऐतबार नहीं गिनते। ऊपर के दोनों वहमों का जवाब दोनों इल्मों की कुण्डलियों के मिल जाने पर दूर होगा लेकिन हो सकता है कि आख़ीर पर वह कुण्डलियां किसी तरह भी न मिलें ऐसी हालत में दोनों को ग़लत समझ लेना मुनासिब न होगा। फ़र्क़ यह होगा कि अगर इल्मे ज्योतिष वाली कुण्डली ने सिर्फ़ 3 शख़्स का ज़ाती हाल बोला तो हस्त रेखा की कुण्डली इस बच्चे कि गुज़िश्ता पुश्तों का हाल बताएगी। यानी अगर उस हस्त रेखा वाली कुण्डली के जवाब इस शख़्स से न मिले तो उसके बाप[1] या बाबे[2] या दादे[3] से ज़रूर जा मिलेंगे। ऐसी हालत में पितृ या मातृ ऋणों की वजह फ़र्क़ का सबब होगी। मगर कुण्डली ग़लत न समझी जाएगी। इसलिए ऐसे इल्म ज्योतिष हस्त रेखा वाले टेवे के लिए सबसे पहले ऋण का उपाओ करें। इस फ़र्क़ का यह मतलब न ले लेवें कि दोनों इल्मों की कुण्डलियों पर नज़रसानी ही न की जावे कि फ़र्क़ क्यों है। लेकिन मकसद यह है कि हर चंद देखभाल की और फिर भी फ़र्क़ ही रहा तो ऊपर का इलाज मददगार होगा मगर ज़रूरी बात तो यह होगी कि फ़र्क़ निकाल ही लिया जावे। मर्द का दायां हाथ (सूरज) तदबीर ज़ाहिर अपने आपका काम और बायां हाथ (चंद्र) तक़दीर बुर्ज़ुगों का हिस्सा ग़ैबी मदद के हालात से मुतअल्लिक़ा है। औरत का यही हाल उलट हाथों से माना है। अगर किसी शख़्स का दायां और बायां ----- दोनो हाथ आपस में फ़र्क़ करते हों तो दोनों हाथों का हाल बिल्कुल जुदा जुदा देखकर फिर दोनों के ऊपर का ख़ुलासा लेकर मुकम्मल नतीजा होगा। उसकी आम ज़िन्दगी में दायां हाथ ज़्यादा असर करेगा मगर बाएं का असर भी अचानक होगा जो चंद्रमां और शुक्कर के वक़्त ज़रूर असर देगा। नर ग्रह सूरज बृहस्पत और मंगल का फल दाएं

आख़ीर-अन्त में निर्धारण से	मुनासिब-उचित, ठीक, योग्य, पात्र मुक़म्मल-संपूर्ण, हर तरह से पूर्ण	ग़ैबी-दैवी ताकत	फ़र्ज़न-कर्त्तव्य

Astro Lucky

हाथ पर ज़्यादा होगा। बाक़ी ग्रह मुख़न्नस (न ही नर और न ही मादा यानी ख़ुसरे ग्रह) हैं, इसलिए दोनों तरफ़ यानी दाएं और बाएं के हिसाब व अपना-अपना असर दोनों के वक़्त में दे दिया करते हैं। आमतौर पर इन्सान दिमाग़ के बाएं तरफ़ के ख़ानों से काम लेता है जिनका ताल्लुक़ दाएं हाथ पर होता है और दिमाग़ के दाएं तरफ़ के ख़ानों से कम ही काम लेता है जिनका ताल्लुक़ बाएं हाथ से है इसलिए अगर कोई रेखा बाएं हाथ पर ही होवे और दाएं पर ज़ाहिर न हो तो इस रेखा का असर कम ही गिना है क्योंकि इस असर को पैदा करने के लिए इन्सान कभी ख़्वाबो ख़याल में ही न लाएगा। क़ुदरती तौर पर इसका अगर असर ज़ाहिर हो जावे तो मुमकिन है।

क़ियाफ़ा की मदद

हस्त रेखा से जनम कुण्डली बनाने का ढंग - जब कोई रेखा एक बुर्ज में से दूसरे बुर्ज में चली जावे तो जिस बुर्ज से निकली थी उस तरफ़ के बुर्ज का घर कुण्डली में वह होगा जहां जाकर वह रेखा ख़तम हुई। यानी अगर चंद्र से सनीचर को रेखा होवे तो कुण्डली में सनीचर को ख़ाना नम्बर 4 मिलेगा और चंद्र को ख़ाना नम्बर 10 मिलेगा-बाक़ी जिस ग्रह का निशान और जिस बुर्ज पर पाया जावे, वह ग्रह उसी नम्बर पर कुण्डली में होगा। यानी अगर □चौकोर सनीचर के बुर्ज पर हो तो मंगल ख़ाना नम्बर 10 में होगा वग़ैरह-वग़ैरह । हाथ में अगर कोई रेखा (या निशान) न ही होवे तो बुर्जों की ऊचाई नीचाई से ही कुण्डली मुकम्मल होगी। इसी तरह से बुर्जों के घर और निशान और तरतीब हमेशा के लिए मुकर्रर है। जिस बुर्ज का निशान जहां कहीं पाया जावे, उसी हिसाब से ग्रहों को कुण्डली में भर लिया जावेगा। नीचा बुर्ज और वह ग्रह जिसका निशान न मिले नीच फल और नीच राशि का होगा और अगर बुर्ज क़ायम हो और निशान उसका न मिले तो अपने घर का मालिक गिना जाएगा। बुर्ज की मुतअल्लिक़ा रेखा से शक दूर होगा।

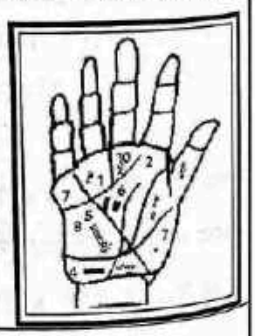

हाथ पर जनम कुण्डली के ख़ाने (1) हर ग्रह की मुकर्रर रेखा भी कुण्डली का ख़ाना नम्बर हो जाती है (2) तर्जनी और मध्यमा के दरमियान अलिफ़ ख़ाना नम्बर 11 सनीचर का हैडक्वार्टर लफ़्ज़ बे की जगह ख़ाना नम्बर 8 होता है।

मुख़न्नस-ख़ुसरा, हिजड़ा
क़ियाफ़ा-सामुद्रिक शास्त्र
मुमकिन-संभव, हो सकने वाली बात
ताल्लुक़-संबंध
तरतीब-क्रम, सिलसिला
क़िस्मत- भाग्य

Astro Lucky

बृहस्पत

	कुण्डली का ख़ाना नम्बर
क़िस्मत रेखा की जड़ चाहार शाख़ा ख़त हो। सूरज के बुर्ज पर बतरफ़ बुध एक चक्कर हो बृहस्पत का ख़ास अपना निशान या दोनों हाथों को इकट्ठा गिनकर उंगलियों पर तावाद में सिर्फ़ एक संख या एक चक्कर एक सीधा ख़त बृहस्पत के अपने बुर्ज पर पाया जावे तो बृहस्पत को मिलेगा कुण्डली का ख़ाना नम्बर	1
2- सदफ़ या बृहस्पत के बुर्ज पर 2 सीधे ख़त	2
3- सदफ़ 7 चक्कर या 7 सीधे ख़त या गृहस्त रेखा बृहस्पत के बुर्ज पर	3
4- सदफ़ या 4 संख या 4 ख़त या 2 चक्कर चंद्र पर संख़ होवे सिर्फ़ एक चंद्र रेखा बृहस्पत के बुर्ज पर ख़तम होवे।	4
5- सदफ़ 5 चक्कर या 5 ख़त तमाम उंगलियों पर हों या सेहत रेखा नीचे जाकर क़िस्मत के शुरु हिस्सा में मिल जावे। यानी कलाई से क़िस्मत रेखा निकलकर सेहत रेखा से मिल जावे।	5
6- चक्कर या क़िस्मत रेखा कि जड़ में केतु का निशान हो या बृहस्पत से शाख़ ख़ाना नम्बर 6 हाथ की मुस्ततील में ख़तम होवे।	6
3 चक्कर -3 संख या 3 सदफ़ -3 ख़त, 6 ख़त 4 चक्कर 5 संख या शुक्कर बृहस्पत होवे। यानी या तो बृहस्पत का बुर्ज बहुत बड़ा होवे या नरम हाथ का बृहस्पत होवे। औलाद रेखा शादी रेखा को काटे। क़िस्मत रेखा की जड़ पर बुध का दायरा O हो। शुक्कर के बुर्ज पर भाइयों की रेखा लम्बी लम्बी और टेढ़ी होवे। सिर रेखा उम्र रेखा से जुदी होकर बृहस्पत के बुर्ज का रुख़ करे।	7
2 संख 8 सीधे ख़त गृहस्त रेखा मानिन्द अलिफ़ हो। 8 चक्कर या 11 चक्कर जब 6 उंगलिया हों।	8
क़िस्मत रेखा सूरज रेखा से न मिले। बृहस्पत का बुर्ज बिल्कुल न होवे। और हाथ पर △ हो। क़िस्मत रेखा या दिल रेखा दो शाख़ी हो < क़िस्मत रेखा की जड़ पर △ हो क़िस्मत रेखा सीधी डंडे की तरह शुरु होकर खड़ी होवे ।	9
सूरज के बुर्ज पर बतरफ़ बुध एक सदफ़ हो। 10 चक्कर हो या उम्र रेखा चंद्र पर ख़तम हो पितृ रेखा बनी हो। ऊर्ध रेखा पाई जावे।	10

चाहार-चार
मुस्ततील-आयत
क़िस्मत-भाग्य
मानिन्द-की तरह से, तुल्य
सिर्फ़-केवल
ग्रहस्त-गृहस्थ

Astro Lucky

बृहस्पत और सनीचर के बुर्ज दो शाख़ी से मिले हों 9 चक्कर या सिर की श्रेष्ठ रेखा होवे।	10 11
3 ख़त 6 संख 12 चक्कर (जब उंगलियां 6 हों) क़िस्मत रेखा की जड़ पर राहु का निशान हो या मच्छ रेखा या शुक्कर के बुर्ज पर या शुक्कर व चंद्र दोनों बुर्जों के दरमियान मुंह ऊपर को किए होवे और ऊर्ध रेखा या उम्र रेखा उसके मुंह में हो।	12

नोटः- उंगलियों की पोरियों से लिया हुआ बृहस्पत सिर्फ़ राशि नम्बर का होगा। बुर्ज नम्बर का न होगा। हाथ की हथेली से लिया हुआ बृहस्पत बुर्जों के ख़ाना नम्बर का होगा बशर्ते कि बृहस्पत के निशान चक्कर संख सदफ़ से न लिया हुआ होवे क्योंकि ऐसे निशानों से लिया हुआ बृहस्पत भी राशि नम्बर का होता है सिर्फ़ बृहस्पत की रेखा या बृहस्पत का ख़ास निशान 4 इन्द्रिया से लिया बृहस्पत बुर्ज नम्बर का होगा।

सूरज का ग्रह

शुक्कर बुध दोनों सूरज की सेहत रेखा से मिल जावें और सूरज रेखा बज़ाते ख़ुद दुरुस्त हालत में बुर्ज नम्बर 1 में पाई जावे। सूरज का सितारा सूरज के अपने बुर्ज पर बतरफ़ बुध हो। सूरज का बुर्ज कुण्डली की ख़ाना नम्बर 1 है मगर सूरज ख़ाना नम्बर 1 में तब ही होगा जबकि सूरज पर बुध की तरफ़ सूरज का सितारा क़ायम हो वरना सूरज ख़ाना नम्बर 5 होगा। (सूरज रेखा या सेहत रेखा ख़ाना नम्बर 11 के आख़िर तक।	1
क़िस्मत रेखा या सूरज रेखा जब बृहस्पत का रुख़ करे मगर सनीचर के बुर्ज पर न हो।	2
सूरज रेखा से शाख़ मंगल नेक को।	3
सूरज के बुर्ज से शाख़ चंद्र के बुर्ज को मगर मंगल बद का ताल्लुक़ न हो। चंद्र और सूरज के बुर्जों के दरमियान रेखा दोनों बुर्जों को मिलाती मालूम होवे मगर दरअसल मिलावे न। शराफ़त रेखा जब दरमियान से ऊपर को झुकी हो। ∿ सूरज रेखा दिल रेखा पर ख़तम होवे।	4
सूरज रेखा बिल्कुल सीधी सूरज के बुर्ज पर ही हो और सूरज के अपने घर में ही मालूम होवे और सूरज का बुर्ज क़ायम हो। सेहत रेखा बुध से चलकर हथेली में ख़ाना नम्बर 11 तक ख़तम होवे।	5

दरमियान-बीच का ताल्लुक़-संबंध सूरज-सूर्य ग्रह सिर्फ़-केवल

Astro Lucky

सूरज रेखा हाथ की बड़ी मुस्ततील में ख़तम होवे।	6
शुक्कर के बुर्ज से शाख़ सूरज के बुर्ज को - शुक्कर का पंतग हथेली पर क़ाइम हो (ख़ाना नम्बर 7 में जो बुध का भी घर है बुध जुदा असर नहीं करता।	7
सूरज के बुर्ज से शाख़ मंगल बद को। क़िस्मत रेखा न होवे सूरज रेखा न होवे या क़िस्मत रेखा और सूरज रेखा दोनों बाहम न मिलें।	8
क़िस्मत रेखा की जड़ पर चाहार शाख़ा ख़त ⊀ हो।	9
सूरज रेखा सनीचर के बुर्ज पर हो।	10
सूरज रेखा हथेली पर ख़ाना नम्बर 11 बचत में ख़तम हो वे	11
सूरज रेखा हथेली पर ख़ाना नम्बर 12 ख़र्च में ख़तम होवे।	12
चंद्र का ग्रह	
चंद्र से सूरज को रेखा	1
मुहब्बत रेखा क़िस्मत रेखा चंद्र से शुरु होकर बृहस्पत पर ख़तम होवे।	2
मंगल नेक से शाख़ चंद्र को हो। या चंद्र रेखा मंगल नेक के बुर्ज पर ख़तम होवे	3
धन रेखा जब चंद्र से शुरु हो या सिर रेखा के नीचे △ हो।	4
दिल रेखा सूरज के बुर्ज की जड़ तक ही ख़तम होवे । चंद्र के बुर्ज से शाख़ सेहत रेखा में जा मिले।	5
चंद्र रेखा जब सिर रेखा को अबूर करके हाथ की बड़ी मुस्ततील में ख़तम होवे।	6
दिल रेखा जब कनिष्का की जड़ या बुध के बुर्ज पर ही ख़तम हो जावे। चंद्र रेखा सिर रेखा से मिलकर ख़तम हो जावे तो उम्र ख़तम मालूम होगी ऐसी हालत में फ़क़ीरी रेखा नशा बाज़ी की रेखा शराफ़त रेखा-सिर और दिल रेखा मिल जावे । सेहत रेखा दिल रेखा को काटे।	7
सिर रेखा के ऊपर △ हो मंगल बद से चंद्र को रेखा पितृ रेखा या क़िस्मत रेखा चंद्र के बुर्ज पर △ सी बना दें। उम्र रेखा या क़िस्मत दो शाख़ी <∧ हो जावे। कलाई की तरफ़ ख़ाना नम्बर 9 के करीब बाहम मिलकर।	8

मुस्ततील-आयत शुक्कर-शुक्र ग्रह बृहस्पत-बृहस्पति ग्रह कनिष्का-सब से छोटी उंगली

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर 12

चंद्र का ग्रह जारी	कुण्डली का खाना नम्बर
क़िस्मत रेखा चंद्र के बुर्ज से कलाई पर शुरु हो।	9
दिल रेखा मद्धमा की जड़ सनीचर के बुर्ज तक हो । उम्र रेखा दिल रेखा से मिल जावे। सिर उम्र और दिल रेखा तीनों मिल जावें।	10
चंद्र या दिल रेखा बृहस्पत को जा निकले मगर बृहस्पत तक न हो या हथेली पर ख़ाना नम्बर 11 बचत में ही ख़तम हो जावे।	11
चंद्र रेखा हथेली पर ख़ाना नम्बर 12 ख़र्च में ख़तम हो जावे।	12
शुक्कर का ग्रह	
शुक्कर के बुर्ज पर अगूंठे की जड़ में सूरज का सितारा हो। शुक्कर से शाख़ सूरज के बुर्ज को हो। शुक्कर का पतंग पूरा हो	1
अकेली शुक्कर रेखा बृहस्पत के बुर्ज पर वाक़ै हो। मुहब्बत रेखा औलाद रेखा शादी रेखा को काटे। भाइयों की रेखा लम्बी -लम्बी और टेढ़ी बृहस्पत को हो।	2
गृहस्त रेखा मंगल नेक से शुक्कर के बुर्ज में अगूंठे की जड़ में झुक जावे। धनु रेखा शुक्कर के बुर्ज से शुरु होकर मंगल नेक पर ख़तम होवे	3
फ़क़ीरी रेखा नशा रेखा शराफ़त रेखा सीधी लकीर लेटी हुई चंद्र शुक्कर को मिलावे।	4
सेहत रेखा या सूरज की तरक़्क़ी रेखा शुक्कर से चलकर बुध पर ख़तम होवे।	5
सेहत रेखा या सूरज की तरक़्क़ी रेखा जब शुक्कर से चल कर हथेली की मुस्ततील ख़ाना नम्बर 6 में ख़तम होवे। शुक्कर पर राहु का निशान हो।	6
सेहत रेखा बुध से चलकर शुक्कर के बुर्ज की जड़ में ख़तम होवे या शुक्कर के बुर्ज पर बुध का दायरा ○ हो।	7
शुक्कर से मंगल बद को शाख़	8
धनु राशि से आकर कोई ख़त शादी रेखा को काट देवे ।	9
शुक्कर का पतंग या शुक्कर रेखा सनीचर के बुर्ज पर मद्धमा की जड़ में वाक़ै हो।	10

क़िस्मत-भाग्य सनीचर-शनि ग्रह पतंग-खिड़की, रोशनदान वाक़ै-घटना
फ़क़ीरी-दरवेशी, साधुता

Astro Lucky

शुक्कर का ग्रह	कुण्डली का ख़ाना नम्बर
शुक्कर से शाख़ हथेली पर ख़ाना नम्बर 11 बचत में ख़तम होवे	11
शुक्कर से शाख़ हथेली पर ख़ाना नम्बर 12 ख़र्च में ख़तम होवे। या हाथ में मच्छ रेखा हो।	12
मंगल नेक का ग्रह	
सूरज के बुर्ज पर ☐ हो। मंगल नेक से शाख़ सूरज के बुर्ज में चली जावे।	1
गृहस्त रेखा बृहस्पत के बुर्ज में जा निकले	2
मंगल नेक पर चौकोर या गृहस्त रेखा मंगल नेक के अन्दर अन्दर ख़तम हो।	3
श्रेष्ठ धन रेखा या पितृ रेखा चंद्र से शुरु होकर मंगल नेक पर ख़तम होवे।	4
मंगल नेक से शाख़ जब सेहत रेखा को काटे।	5
मंगल नेक से शाख़ जब मुस्ततील ख़ाना नम्बर 6 में ख़तम हो।	6
मंगल नेक से गृहस्त रेखा जब शुक्कर में ख़तम हो। मंगल नेक से शाख़ बुध में जा निकले।	7
मंगल नेक से शाख़ मंगल बद को।	8
क़िस्मत रेखा की जड़ ☐ में हो ।	9
गृहस्त रेखा सनीचर पर ख़तम होवे।	10
मंगल नेक से शाख़ ख़ाना नम्बर 11 बचत में होवे।	11
मंगल नेक से शाख़ ख़ाना नम्बर 12 ख़र्च में होवे।	12
मंगल बद का ग्रह	
मंगल बद से शाख़ सूरज के बुर्ज को।	1
मंगल बद से शाख़ बृहस्पत के बुर्ज को।	2
मंगल बद से शाख़ मंगल नेक को ।	3
मंगल बद से शाख़ चंद्र को।	4
मंगल बद से शाख़ सेहत रेखा को काटे या कलाई रेखा हथेली के अन्दर घुस जावे	5
मंगल बद से शाख़ ख़ाना नम्बर 6 मुस्ततील में हो	6

ख़त्म-खत्म ग्रहस्त-ग्रहस्थ. सूरज-सूर्य ग्रह मुस्ततील-आयत

Astro Lucky

सनीचर का ग्रह	कुण्डली का ख़ाना
सनीचर का ग्रह	नम्बर
सूरज का सितारा सनीचर के बुर्ज पर या सूरज के बुर्ज पर बतरफ़ सनीचर हो । या सनीचर से शाख़ सूरज के बुर्ज को चली जावें।	1
सनीचर बृहस्पत के बुर्ज से शुरु होवे।	2
सनीचर से शाख़ उम्र रेखा को काट कर मंगल नेक में गृहस्त रेखा सनीचर के बुर्ज पर।	3
सनीचर रेखा और दिल रेखा मिल जावे।	4
सनीचर से शाख़ सेहत रेखा को काटे।	5
सनीचर से शाख़ मुस्ततील में जावे।	6
सनीचर रेखा और सिर रेखा मिली होवे या सनीचर से शाख़ सिर रेखा पर या शुक्कर के बुर्ज में होवे।	7
मंगल बद से शाख़ सनीचर में सनीचर का हैडक्वार्टर ख़ाना नम्बर 8 होता है।	8
क़िस्मत रेखा की जड़ पर + त्रिशूल हो ऊर्ध रेखा होवे।	9
सनीचर के बुर्ज पर अपनी रेखा।	10अच्छा
बृहस्पत सनीचर के बुर्ज की दरमियानी जगह ख़ाना नम्बर 11 होगा।	11 बुरा
मच्छ रेखा जब उम्र रेखा या ऊर्ध रेखा मछली के मुंह पर होवे।	12

राहु केतु- इन ग्रहों की कोई रेखा मुक़र्रर नहीं है। सिर्फ़ निशान मुक़र्रर हैं। जहां निशान मिले वही घर कुण्डली का होगा और अगर निशान भी न हों तो दोनों ग्रह अपने अपने घर के होंगे । यानी राहु ख़ाना नम्बर 12 में होगा और केतु ख़ाना नम्बर 6 में होगा। मच्छ रेखा के वक़्त केतु ऊंच घरों में यानी राहु नम्बर 6-3 केतु नम्बर 12-9 ऊंच घर काग़ रेखा के वक़्त यह दोनों ग्रह नीच घरों के होंगे यानी

राहु 9-12 नीच घर +

केतु 6-3

बन्द मुट्ठी व कुण्डली का बाहमी ताल्लुक़

बुध (आकाश) और बृहस्पत (हवा) को गांठ लगाकर बांध लेने वाली चीज़ को बच्चा गिना तो बच्चे की हर गांठ से

नौ ग्रहों मिलाई हुई चमक इन्सानी क़िस्मत का ख़ज़ाना हुई और इन सब गांठो से गांठा हुआ

बतरफ़-की ओर | दरमियानी-बीच की आपस की | मुक़र्रर-निश्चित निर्धारित

बाहमी-परस्पर का, मिल जुलकर | ताल्लुक़-संबंध

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर 12

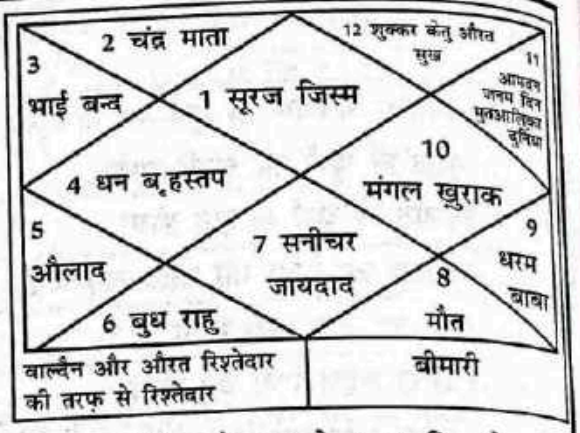

सामुद्रिक का इल्म सब भेदों के खोलने वाला मुक़र्रर हुआ जिसमें बन्द मुट्ठी का ग्रह कुण्डली माना गया तो (यह कुण्डली तमाम ग्रहों के अपने-अपने ऊंच होने के घरों की बुनियाद पर रखी गई है) बन्द मुट्ठी का अन्दर या बच्चा का साथ लाया हुआ अपनी क़िस्मत का ख़ज़ाना (तमाम ही नर ग्रह) जवानी का हाल देखने के लिए ख़ाना नम्बर 1-7-4-10 होंगे। ख़ुद अपना बचपन और जनम से पहले वाल्दैन की हालत 9-11-12 होंगे। औलाद के जनम दिन से अपना बुढ़ापा मरने पर उसके बाक़ी रहे हुओं का हाल ख़ाना नम्बर 2-3-5-6 होंगे। मौत -बीमारी मन्दा ज़माना ख़ाना नम्बर 8 मारग अस्थान होगा।

जो आगे की बजाए पीछे को देखने वाला मौत निमाणी का फंदा है।

अलिफ़-100 फ़ीसदी दृष्टि के ख़ाने 1-7-4-10 होंगे साथ लाए हुए भरे ख़ज़ाने।

बे- 50 फ़ीसदी दृष्टि के ख़ाने 3-11-5-9 होंगे दूसरों की मदद से पैदा करदा हालत

जीम- 25 फ़ीसदी दृष्टि के ख़ाने 2-6-12 होंगे रिश्तेदारों से ली हुई चीज़ें।

ग्रह कुण्डली की मकान के हिसाब से दुरुस्ती की जांच- कुण्डली के ख़ाना नम्बर 1 से चल कर अगर नौवें को जावे या मकान से बाहर को निकलें तो जिस तरफ़ दायां हाथ होगा उस तरफ़ मकान के तमाम ग्रह जो ख़ाना नम्बर 1 से 8 तक हों अपना सबूत देंगे। उसी तरह अगर -12 नम्बर ख़ाने से अपने आपको ख़ाना नम्बर 9 की तरफ़ आते हुए गिनें या मकान में बाहर से आकर दाख़िल होने लगें तो ख़ाना नम्बर 12 से 12-11-10 के घरों के ग्रह दांए तरफ़ मकान के सबूत देंगे।

मकान कुण्डली के पक्के ख़ाने

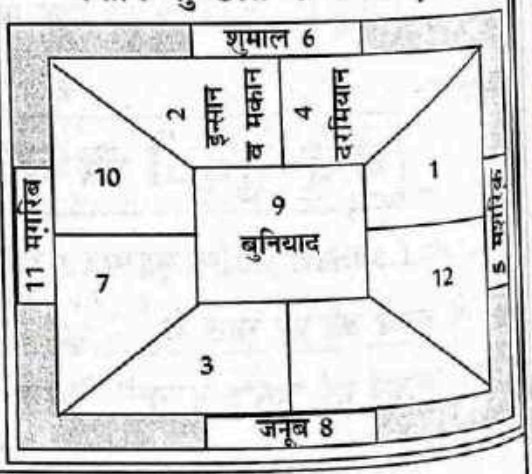

मकान से टेवे की दुरुस्ती:-

लाल किताब के मुतबिक़ जब ख़ाना नम्बर 1 लगन को देकर कुण्डली तैयार हो जावे तो मकान कुण्डली में तमाम ग्रहों को नक़्ल कर लेवें। अब मकान कुण्डली में तमाम तरफ़ें शुमाल, जनूब मशरिक़ मग़रिब वग़ैरह मुक़र्रर है। फ़र्ज़न जनम कुण्डली में सूरज ख़ाना नम्बर 9

मारग-आठवां घर | शुमाल-उत्तर | जनूब-दक्षिण | मशरिक़-पूर्व
मग़रिब-पश्चिम | वाल्दैन-माता पिता

Astro Lucky

में हो तो मकान कुण्डली में सूरज कुण्डली के वस्त या मरकज़ में लिखा जायेगा जिसकी दुरुस्ती के लिए उस के जद्दी मकान के मरकज़ में खुला सेहन या सूरज की रोशनी पड़ती होगी। जनम कुण्डली में शुक्कर नम्बर 5 का हो तो मकान की कुण्डली में शुक्कर की मशरिक़ी दीवार होगी जो कच्ची मिट्टी की होगी या गाय ताल्लुक़ मशरिक़ी दीवार के साथ होगा वग़ैरह वग़ैरह। सब ग्रहों की चीज़ें होंगी-बचाओ सिर्फ़ यह है कि टेवे में मन्दे ग्रह की चीज़ मकान में इस ख़ाना नम्बर (बमूजिब मकान कुण्डली) क़ायम न होने देवे जिसमें कि वह जनम कुण्डली में है। एक बाप के कई बेटे मगर सबका जद्दी मकान एक ही हो तो ज़रूरी नहीं कि हर एक लड़के के टेवे से उनकी मकान कुण्डली मिलती हो।

मकान की हालत मालूम होने से टेवा बनाने का ढंग

पहले अपने मकान कुण्डली की शक्ल बना लेवे।

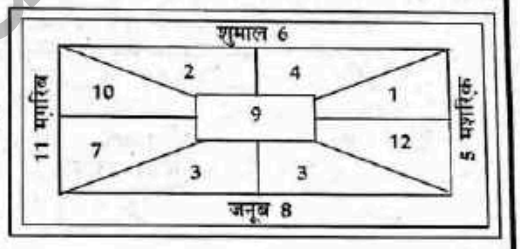

अब देखें कि इस घर में कहां कहां ग्रह बैठे है

बृहस्पत :- हवाई रास्ते दरवाज़े या सामान बृहस्पत। **सूरज** :- रोशनी धूप राज हकूमत राजदरबार से मुतअल्लिक़ा सामान या चीज़े। **चंद्र**-चंद्र की चीज़े जानदार या बेजान **शुक्कर**-कच्ची दीवार गाय या दीगर शुक्कर की चीज़ें। **मंगल**-खाने पीने की जगह या मंगल का सामान या जानदार चीज़ें। **बुध**-बुध की जानदार या बेजान चीज़ें। **सनीचर**-लड़कियों की जगह वरना सामान सनीचर जिस जगह हो ख़्वाह जानदार ख़्वाह बेजान। **राहु**-मकान की नाली गन्दा पानी-ग़र्क़ी अगर। वह न हो तो धुएं की जगह **केतु**-रोशनदान अगर ज़्यादा तरफ़ हों तो रोशनदान सब से कम तादाद में जिस कमरे में हों उस जगह केतु होगा। अगर जानदार और बेजान चीज़ों दोनों ही हों तो जानदार चीज़ों की जगह को बुनियाद रखें। जिस ग्रह की कोई चीज़ न हो वह ग्रह अपने पक्के घर का होगा। ऊपर के ढंग पर जब मकान कुण्डली बन जावे तो आम कुण्डली में नक़्ल कर लें।

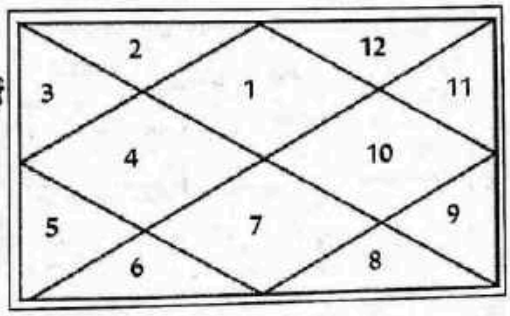

मरकज़-केन्द्र | सेहन-आंगन | मशरिक़- पूर्व | टेवे-जन्म पत्री
मुतअल्लिक़ा-संबंधित | शुक्कर-शुक्र ग्रह | बमूजिब- अनुसार

Astro Lucky

कुण्डली मुश्तरका ख़ानदान-सूरज जहां कि ख़ुद टेवे वाले की अपनी कुण्डली में हो

मुश्तरका असर सात पुश्त तक होगा 3 ऊपर 3 नीचे दरमियान में सूरज ख़ुद टेवे वाला	बृहस्पत-बाबा चंद्र-माता शुक्कर-स्त्री मंगल-बड़ा भाई बुध-बहन	सनीचर-हम उम्र मगर रिश्ता में फ़र्क़ राहु- ससुराल केतु-औलाद लड़का	जहां कि बाबे की कुण्डली में बृहस्पत लिखा हो इसी घर में टेवे वाले की कुण्डली में बृहस्पत लिखें इसी तरह सब रिश्तेदार जो रिश्तेदार हों या मर चुके हों। इन रिश्तेदारों के मुतआल्लिक़ा ग्रह टेवे वाले के अपने ही टेवे के बदस्तूर लेवें।

कुण्डली की जांच

एक शख़्स ने फरमाया कि 3 भादों संवत् 1968 मुताबिक़ 18 अगस्त 1911 को शायद सूरज निकलने से पहले 3 या 5 बजे के दरमियान और शायद सूरज छुपने के बाद 3 या 5 घण्टे गुज़रे हुए अरसा के अन्दर मेरा जनम हुआ था। माता पिता गुज़र गए हैं और आज 39 साला उम्र गुज़र रही है। कोई पक्की शहादत मौजूद नहीं है सिर्फ़ हाथ का ख़ाका दे सकता हूं। या अपनी जद्दी घर घाट का हाल जानता हूं। कभी कभी अपनी माता से सिर्फ़ इतना सुना करता था कि मेरा जनम श्री कृष्ण जी महाराज के जनम वक़्त से मिलता जुलता है।

सुबह के 3 और 5 बजे के दरमियान (कर्क लग्न) 5-19 तक 1-3

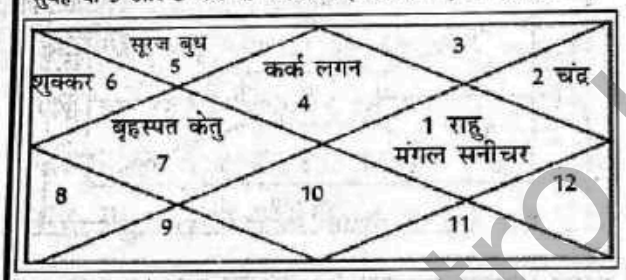

सुबह के 3 और 5 बजे के दरमियान (कर्क लग्न) 5-19 ता 1-3 पढ़ने के लिए और फलादेश देखने के लिए।

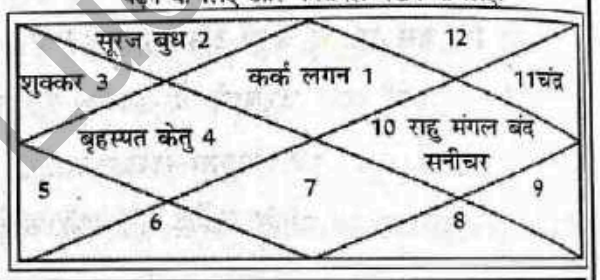

रात के 11½ बजे 3 घंटे 7 बजे के बाद 12 बजे और 5 घंटे गुज़रने पर 12 बजे या 12-10 की दरमियान बृख लग्न-18 अगस्त को तुल आफ़ताब बारह 6 और ग़रूब 7-12 बजे दरमियान बृख लग्न

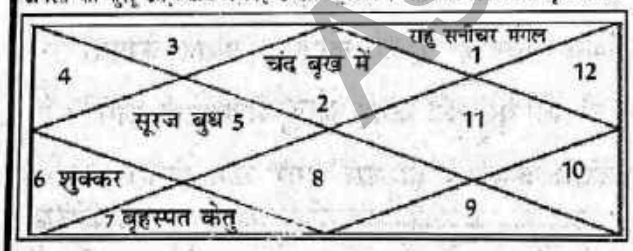

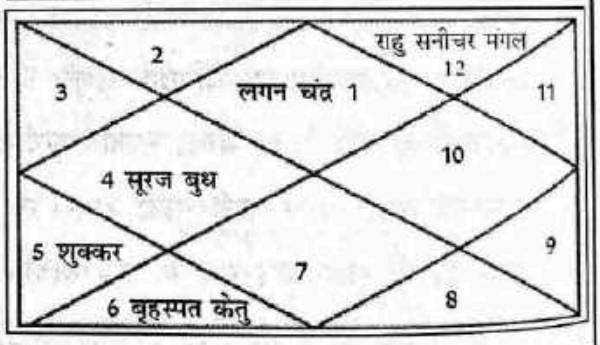

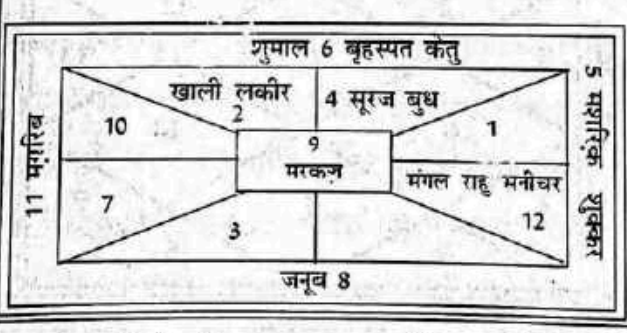

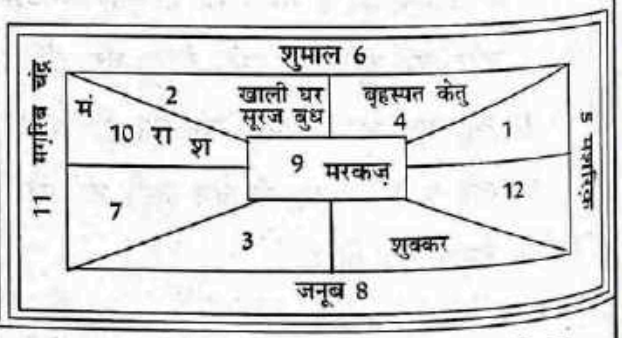

मुश्तरका-मिले जुले
दरमियान-बीच का
टेवे-जन्म पत्री
बृख-वृष राशि
पुश्त-वंश
मुतअल्लिक़ा-संबंधित
बृहस्पत-बृहस्पति ग्रह

Astro Lucky

उसी की ग्रह चाल

मौजूदा ज्योतिष के मुताबिक़ बनी हुई जनम कुण्डलियों में रखे हुए हिन्दसे मिटा दिए गए और फिर लगन के घर को दोबारा हिन्दसा नम्बर 1 देकर कुण्डलियों में तरतीबवार एक दो तीन और आख़ीर जो नम्बर 12 लिखे गए तो यह नई जनम कुण्डलियां फलादेश देखने के क़ाबिल हो गईं। मकान कुण्डलियों में सब ग्रहों को हूबहू उसी हिन्दसा नम्बर पर किया गया जो बदल कर लिखे जाने के बाद की जनम कुण्डलियों में मुक़र्रर हुए । मकान में सिम्त पहले ही मुक़र्रर है। हर एक ग्रह कि मुतअल्लिक़ा अश्या कारोबार या रिश्तेदार मुतअल्लिक़ा हर ग्रह भी मुक़र्रर है। इसलिए ऊपर की कुण्डलियों के मुताबिक़ ग्रह चाल नीचे लिखी हुई होगी।

नाम ग्रह	सुबह 3-5 बजे वाली कुण्डली के मुताबिक़ रात को $11\frac{1}{2}$ बजे वाली कुण्डली के मुताबिक़			
	किस घर में	मकान के किस तरफ़	किस घर में	मकान के किस तरफ़
सूरज बुध	2	शुमाल मग़रिब में	4	शुमाल मशरिक़ में
शुक्कर	3	दक्खन में	5	मशरिक़ की दीवार में
बृहस्पत केतु	4	शुमाल मशरिक में	6	शुमाली दीवार में
मंगल राहु सनीचर	10	मग़रिबी (मकान का अन्दर)	12	जनूब मशरिक़ में
चंद्र	11	मग़रिबी दीवार	1	मशरिक़ मकान का अन्दर

ग्रह स्पष्टी (ग्रहों की दुरुस्ती)

ग्रह चाल के मुताबिक़ क्या होना चाहिए	मगर दरअसल ठीक ठीक क्या है
सूरज बुध नम्बर 2 ख़ुद कमाई (नौकरी या वज़ीफ़ा वग़ैरह) 25 साला उम्र से शुरु हुई।	वज़ीफ़ा अगस्त 1935 में मिला था और तारीख़ शायद 17-18 अगस्त थी 20-22 अगस्त बहरहाल 18 अगस्त जनम दिन के लगभग थी ।

मौजूदा-उपस्थित मुताबिक- अनुसार तरतीबवार-क्रम सिलसिला क़ाबिल-विद्वान, ज्ञानी
बहरहाल-फिर भी सिम्त-दिशा, तरफ़

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर 12

ग्रह चाल के मुताबिक़ क्या होना चाहिए		मगर दरअसल ठीक ठीक क्या है
सूरज बुध नम्बर 4-	खुद कमाई 24 साल उम्र से शुरु हुई ।	
बुध अकेला नम्बर 2-	पिता की उम्र 16से 21 तक शक्की	पिता 10 साला उम्र में और माता 20 साला उम्र में गुज़रे
बुध अकेला नम्बर 4-	माता की उम्र 16 से 21 तक शक्की	
शुक्कर नम्बर 3 -	मकान कच्चा होगा जनूब की तरफ़ का हिस्सा।	मकान सारे का सारा कच्चा था।
शुक्कर नम्बर 5-	मकान कच्चा होगा मशरिक़ की तरफ़ का हिस्सा ।	
बृहस्पत केतु नम्बर 4	धरम अस्थान शुमाल मशरिक़ में होगा।	शुमाल और शुमाल मशरिक़ के दरमियान धरम मन्दिर है। पिता जब तक था शाहाना ठाठ था।
बृहस्पत केतु नम्बर 6-	धरम अस्थान शुमाल में।	औलाद 29 वें साल क़ायम हुई। लड़की पैदा हुई मगर
केतु अकेला नम्बर 4-	औलाद 29 साला उम्र में क़ायम।	लड़का नहीं और उसी वक़्त के लगभग बहन के यहां भी औलाद हुई ।
केतु अकेला नम्बर 6-	औलाद के दिन ही बहन के घर भी औलाद	
मंगल सनीचर राहु नम्बर 10-	बड़ा भाई चचा ससुर तीनों ही गर्वनमेंन्ट के घर के ताल्लुक़दार मानिन्द राजा राय साहब राय बहादुर होवे।	दो सरकार के घर में राय साहब रायबहादुर और तीसरा भारी सरकार ठेकेदारी था। खुद मय भाई बाल बच्चे की बरकत का मालिक मगर ससुर और चचा दोनों लावल्द।
चंद्र नम्बर 11-	औलाद माता के मरने के बाद क़ायम होगी और माता शादी	शादी ही माता के मरने के बाद हुई। ससुराल लावल्द। औरत का भाई कोई नहीं।

मुताबिक-अनुसार जनूब-दक्षिण दिशा शुमाल-उत्तर दिशा
मशरिक-पूर्व दिशा अस्थान-स्थान

Astro Lucky

ग्रह चाल के मुताबिक़ क्या होना चाहिए	मगर दरअसल ठीक ठीक क्या है।
से पहले चल बसेगी। स्त्री के भाई (3) ज़रूर होंगे	
चंद्र नम्बर 1- मकान के मशरिक़ में कुआं हो नम्बर 2 ख़ाली जो ख़ुश्क होगा।	कुआं मशरिक़ में मौजदू है जो पानी से भरा रहना
मंगल सनीचर राहु नम्बर 10 अगर शराब का आदी हो तो 34 साला उम्र में मैदाने जंग में मुर्दों के दरमियान मानिन्द मुर्दा या बिजली सांप का वाक़ै भी हो सकता है	कभी कभी मामूली शराब बतौर ज़ायका और शुगलिया 34 साल उम्र में मैदाने जंग में 7 गोलियों से जख़्मी होकर मुर्दों की लाशों में से उठाकर लाया गया अंगूठा (मस्नूई शुक्कर) और बाज़ू (मंगल) दोनों ही कट गए मगर कटे अंगूठे और कटे बाज़ू का हाथ पूरा काम करता है।
बृहस्पत केतु नम्बर 9- घर में पूजा अस्थान जान बख़्शवा गया। लड़का मौजूद न था। स्त्री (चलन उत्तम) मदद देगी।	दरअसल घर में एक ख़ास जगह पूजा अस्थान (दिया जलाने की जगह पूजा की) मुकर्रर थी जो हमेशा पूरी श्रद्धा से मानी गई। अपनी औरत के बग़ैर दूसरी औरत से कोई ताल्लुक नहीं।

34 साला उम्र बमूजिब 1 बर्ष बृख लगन

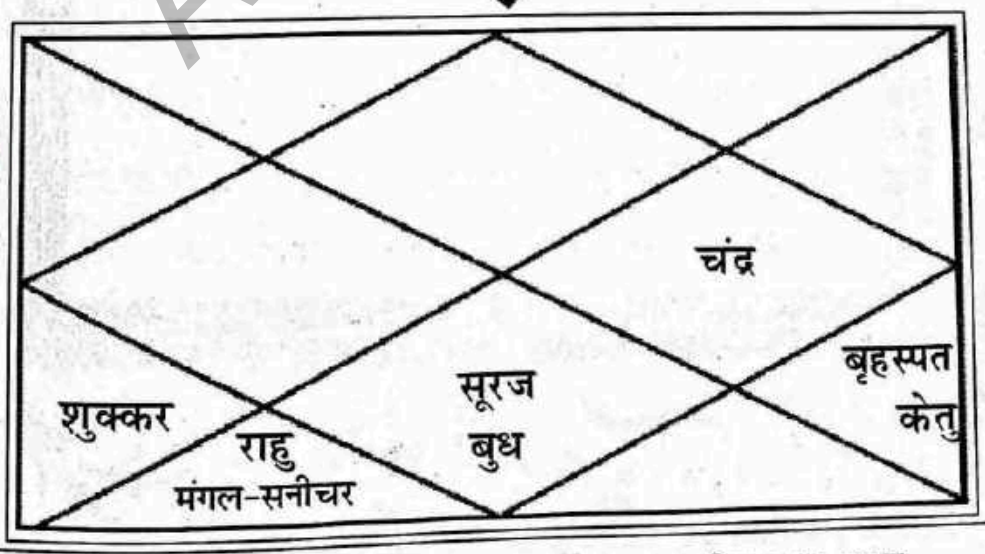

खुश्क-सुखा हुआ
दरमियान-बीच का
मशरिक़-पूर्व दिशा
वाक़ै-घटना, हाल
मुताबिक़-समान, बराबर
मस्नूई शुक्कर-बनावटी शुक्र ग्रह

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर 12

कर्क लगन वाला टेवा दुरुस्त माना गया

हाथ पर बृहस्पत की रेखा ख़ाना नम्बर 4 में है बाक़ी सब बातें दोनों तरफ़ ही मिलती जुलती एक जैसी ही शक्की हालत बता रही हैं।

Astro Lucky

टेवा-जन्मपत्री
शक्की-संदेह युक्त, शक वाला
बृहस्पत-बृहस्पति ग्रह
बाक़ी-शेष, बचा हुआ

फ़रमान नम्बर-13

बर्षफल

AstroLucky

बर्षफल:- क़िस्मत का हाल सालवार देखने के लिए यह ज़रूरी जुज़ है। जब जनम वक़्त दिन माह पक्की उम्र गुज़िश्ता मालूम न हो, तो सामुद्रिक में वाक़िआ की बुनियाद पर बनाया हुआ बर्षफल ज़्यादा तसल्लीबख़्श होगा। वाक़िआत से मुराद ख़ुशी या ग़मी के पक्के वक़्वा से होती है मसलन शादी का महीना दिन और साल-किसी हक़ीकी ख़ून के ताल्लुक़दार की पैदाइश या मौत नर ग्रहों स्त्री ग्रहों या मुख़न्नस ग्रहों के मुतअल्लिक़ा असर में से किसी चीज़ का पक्की वाक़िआ जनम दिन (तारीख़ पैदाइश नहीं इतवार सोमवार वग़ैरह) इन्सान किस ग्रह का है वाला ग्रह इसका जद्दी या ख़ुद साख़्ता मकान किस ग्रह का है वाला ग्रह जनम कुण्डली में लगन के ख़ाना का ग्रह और अगर लगन का ख़ाना ख़ाली हो तो जनम राशि के घर का मालिक ग्रह ग़ज़ैकि जो भी सही-सही और दुरुस्त व पक्का वाक़िआ मिल सके ले लेवें। फ़र्ज़न किसी शख़्स की शादी का वाक़िआ पक्का मिल गया है । पहली शादी का (अगर कई दफ़ा शादी हो तो पहली शादी का दिन ही गिनने के क़ाबिल होगा) जो उसकी 17 साला उम्र में हुई । यानी 17 साला उम्र से शुक्कर शुरु हो गया । अगर शादी का साल महीना दिन मालूम न हो और पहली शादी की औरत की मौत का दिन महीना या साल ही मालूम होवे तो औरत के गुज़र जाने या शुक्कर के ख़तम होने का साल होगा। हर एक ग्रह की दी हुई आम मियाद में शुक्कर का अर्सा 3 साल दिया है। 17 साला उम्र में शादी हुई तो उसका शुक्कर का ग्रह 17 साल से शुरु हो गया मानकर 3 साल 19 साल उम्र के आख़ीर तक रहा। अगर 17 साला उम्र में औरत मर गई तो 17 वें साल या औरत के मरने के दिन शुक्कर ख़तम हुआ या औरत की मौत के दिन से 3 साल पहले से चल कर मरने के दिन तक शुक्कर का दौरा था। बर्षफल बनाने के लिए ग्रहों का दौरा यानी कौन ग्रह किस ग्रह के पहले या बाद अपना असर देगा तरतीबवार दिया है यानी सबसे पहले बृहस्पत के बाद सूरज के बाद चंद्र वग़ैरह आख़री नौवां केतु का नम्बर है। ग्रहों की आम मियाद के सालों में तादाद और तरतीब भी दर्ज है। सारे ही ग्रहों की कुल मियाद का मजमूआ 35 साला उम्र का एक चक्कर होगा। मसलन किसी शख़्स का शुक्कर शुरु हुआ 17 साला उम्र में तो बर्षफल होगा

जुज़-भाग, खंड, टुकड़ा
आख़ीर-अन्त में
वाक़िआ-घटना, हाल
ख़ुदसाख़्ता-अपने आप बना हुआ
मुख़न्नस-ख़ुसरा, हिजड़ा

Astro Lucky

6 साल बृहस्पत था	2 साल सूरज था	1 साल चंद्र था	3 साल शुक्कर हो	6 साल मंगल होगा	2 साल बुध होगा	6 साल सनीचर होगा	6 साल राहु होगा	3 साल केतु होगा	दोनों हिन्दसे शामिल गिनकर हर ग्रह की मियाद होगी
							1 ता 4	5 ता 7	
8-13	14-15	16	17-19	20-25	26-27	28-33	34-39	40-42	
43-48	49-50	51	52-54	55-60	61-62	63-68	69-74	75-77	
78-83	84-85	86	87-89	90-95	96-97	98-103	104-109	110-112	
113-118	119-120	जितने साल तक उम्र चलती या हो जाने वाली होवे लिख देवें							

पहचान:- कि बर्षफल दुरुस्त है या ग़लत । उम्र के शुरु होने का पहला साल या हिन्दसा नम्बर 1 जिस ख़ाना में हो वहां देखें कि पेशानी पर कौन से ग्रह का नाम लिखा है। दुरुस्त हालत में हिन्दसा नम्बर 1 के ख़ाने वाला ग्रह उस की कुण्डली के ख़ाना नम्बर 9 या ख़ाना नम्बर 1 में होगा या उस शख़्स का जद्दी मकान हिन्दसा नम्बर 1 के ख़ाना के ग्रहों से मिलता या वह शख़्स ख़ुद उस ग्रह का होगा। जनम के दिन का ग्रह (इतवार के लिए सूरज सोमवार के लिए चंद्र वग़ैरह) भी हिन्दसा नम्बर 1 के ग्रह का हो सकता है। इस जांच के लिए मंगल और सनीचर या सूरज और बुध या सूरज और चंद्र एक ही गिने जाएंगे। वरना दूसरा बर्षफल इस्तेमाल करें। अगर ऊपर ज़िक्र करदा बातों से कोई भी दुरुस्त मालूम न होवे यानी हिन्दसा नम्बर 1 से न मिले तो कोई और वाक़िआ लेकर बर्षफल बनावें।

तमाम उम्र पर असर (आम बर्ष फल)

अज़ साल ता	असर ग्रह	अज़ साल ता	असर ग्रह	अज़ साल ता	असर ग्रह	अज़ साल ता	असर ग्रह
1 ता 6	6 सनीचर	28 ता 33	मंगल 6	59	चंद्र 1	92 ता 93	सूरज 2
7 ता 12	6 राहु	34 ता 35	बुध 2	60 ता 62	शुक्कर 3	94	चंद्र 1
13 ता 15	3 केतु	36 ता 41	सनीचर 6	63 ता 68	मंगल 6	91 ता 97	शुक्कर 3
16 ता 21	6 बृहस्पत	42 ता 47	राहु 6	69 ता 70	बुध 2	98 ता 103	मंगल 6
22 ता 23	2 सूरज	48 ता 50	केतु 3	71 ता 76	सनीचर 6	104 ता 105	बुध 2
24	1 चंद्र	51 ता 56	बृहस्पत 6	77 ता 82	राहु 6	106 ता 111	सनीचर 6
25 ता 27	3 शुक्कर	57 ता 58	सूरज 2	83 ता 85	केतु 3	112 ता 117	राहु 6
				86 ता 91	बृहस्पत 6	118 ता 120	केतु 3

बर्षफल-बर्षफल शख़्स-व्यक्ति, मुनष्य, दुरुस्त-ठीक करना, ठीक होना

वाक़िआ-घटना, हाल हिन्दसा-संख्या

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर 13

बारह साल बच्चे की क़िस्मत का कोई ऐतबार नहीं 70 साल के बाद मर्द की अपनी क़िस्मत का कोई ऐतबार नहीं। बच्चों की क़िस्मत होगी। वह सतरिया बहतरिया हो गया। 35 साल में तमाम ग्रह चलकर पूरा करते हैं। हर एक ग्रह के असर के साल वग़ैरह सिर्फ़ उस शख़्स की उम्र के हिसाब से दिए हैं। जो शख़्स कि लाल किताब में हर ग्रह की ऐन मुक़र्ररा मियाद के अन्दर अन्दर पैदा हुआ होवे या दिया हुआ नक़्शा दिखलाता है कि इल्म सामुद्रिक के हिसाब से हो उम्र में कि हर ग्रह की मुक़र्रर है वह हर ग्रह की कब ज़ाहिर होंगी। हर एक आम दुनियावी इन्सान पर हर ग्रह का दौरा इस इल्म के साल से और होगा।

AstroLucky

हर ग्रह के आम साधारण असर का वक़्त

(1) हर ग्रह की मुतअल्लिक़ा जानदार चीज़ों पर उस का आम साधारण असर का वक़्त देखने के लिए टेवे वाले की उम्र के साल को उस हिन्दसा नम्बर पर तक़सीम करें जिस ख़ाना नम्बर में कि वह ग्रह जनम कुण्डली में बैठा हो। बाक़ी बचने वाले हिन्दसा के ख़ाना नम्बर में ग्रह मुतअल्लिक़ा उस उम्र के साल में अपना असर करेगा। ख़ाना नम्बर 1 में बैठे हुए ग्रह की हालत में उम्र के हिन्दसा को 12 पर ख़ाना नम्बर 2 के लिए 11 और ख़ाना नम्बर 3 की हालत में 10 पर तक़सीम करें।

ऐतबार-यकीन	क़िस्मत- भाग्य	तमाम-सारे	इल्म-विद्या, ज्ञान
तक़सीम-बांटना	मुक़र्रर-निश्चित		

बाक़ी सब घरों के ग्रह अपने अपने ख़ाना नम्बर में बैठे हुए हिन्दसों पर तक़सीम करें सिफ़र बाक़ी बचने या बाक़ी बचे हुए हिन्दसा नम्बर वाला घर ख़ाली होने की हालत में ग्रह मुतअल्लिक़ा जनम कुण्डली वाले घर में ही असर कर रहा गिना जाएगा।

मिसाल:- (अलिफ़) मसलन किसी शख़्स की उम्र का 25 वां साल जारी है। और चंद्र जनम कुण्डली में ख़ाना नम्बर 3 में बैठा है। 25 के हिन्दसा को 3 पर तक़सीम किया तो बाक़ी बचा एक यानी इस टेवे का चंद्र जो नम्बर 3 का जनम कुण्डली में था उम्र के 25 वें साल वही असर दे रहा होगा जो बमूजिब ''फलादेश'' चंद्र ख़ाना नम्बर 1 में दिया है। इसी तरह ही सभी ग्रहों का हाल होगा।

(बे) हर काम के लिए जनम कुण्डली के ख़ास-ख़ास ख़ाने भर मुक़र्रर हैं या कुण्डली के 12 ही ख़ानों का जिन जिन चीज़ों या कामों से ताल्लुक़ है वह हमेशा के लिए मुक़र्रर है (देखो पक्का घर नम्बर 1 ता 12)

अब अगर औलाद का हाल 25 वें साल देखना है, तो देखें कि औलाद के लिए कौन सा घर मुक़र्रर है वह है ख़ाना नम्बर 5 अगर जनम कुण्डली में ख़ाना नम्बर 5 ख़ाली हो तो औलाद के लिए केतु के ग्रह की हालत जो भी बमूजिब बर्षफल हो लेंगे। इस लिए 25 के हिन्दसा को 5 पर तक़सीम किया तो बाक़ी बचा सिफ़र तो औलाद का वही हाल लेंगे जो जनम कुण्डली के मुताबिक़ ख़ाना नम्बर 5 का होवे। अगर 26 वें साल देखना पड़े, तो औलाद के मुतअल्लिक़ा ख़ाना नम्बर 5 से 26 को तक़सीम किया तो बाक़ी बचा एक । यानी 26 वें साल

औलाद का वैसा ही हाल होगा जैसा कि इस जनम कुण्डली के मुताबिक़ ख़ाना नम्बर 1 का है। अगर ख़ाना नम्बर 1 ख़ाली हो तो वह हाल लेंगे जो ख़ाना नम्बर 5 का है।

(2) कुण्डली के 12 ख़ानों में बैठे हुए ग्रहों की बाहमी दृष्टि (नज़र) का दर्जा मुक़र्रर है(देखो ग्रह दृष्टि)। उनकी बाहमी दोस्ती दुश्मनी और मियादें भी मुक़र्रर हैं इसीलिए जब कभी दो या दो से ज़्यादा ग्रहों का असर उनकी दृष्टि या बाहम मुश्तरका होने की वजह से मिल मिलाकर इकट्ठा हो रहा हो तो उनके असर का वक़्त और तासीर में अच्छी या बुरी हालत के

सिफ़र-शून्य | मुतअल्लिक़ा-संबंधित | मुताबिक़-अनुसार | दर्जा-पद्धवी
बाहमी- आपसी | तासीर-असर

Astro Lucky

वर्जा का फ़र्क़ ज़रूर हो जाया करता है।

(3) **अलिफ़:-** ख़ाना नम्बर 1 बैसाख-नम्बर 2 को जेठ और नम्बर 3 को असाड़ वग़ैरह वग़ैरह इसी तरह ही 12 ख़ानों को 12 महीनों में बांटा गया है। इस तरह जनम कुण्डली के जिन जिन घरों में कोई भी ग्रह बैठा हो जब कभी भी उन घरों में कोई भी ग्रह बमूजिब बर्षफल में आएगा वह अपना असर उस ख़ाना नम्बर के लिए मुक़र्रर किए हुए महीने में ज़ाहिर करेगा। मसलन जनम कुण्डली के ख़ाना नम्बर 2 में कोई ग्रह बैठा है, जिस के ये मायने हुए कि ख़ाना नम्बर 2 का असर जेठ में होगा। अब बर्षफल के मुताबिक़ किसी भी साल में वहां (ख़ाना नम्बर 2 में) बुध आ गया जो पिता के लिए ग़ैर मुबारक है (देखो फलादेश बुध ख़ाना नम्बर 2)। ऐसी ग्रह चाल के वक़्त पिता पर हर वक़्त मन्दगी न होगी मगर जेठ के महीने में पिता (बृहस्पत की अश्या वा रिश्तेदार मुतअल्लिक़ा बृहस्पत) पर मन्दी हवा के झोके ज़रूर साथ होंगे।

(बे) जनम कुण्डली के मुताबिक़ जो घर ख़ाली होंगे उन घरों में बर्षफल के मुताबिक़ जो ग्रह आएंगे वह (आए हुए ग्रह) अपना मुक़र्रा फल इस महीना नम्बर में देंगे जिस नम्बर में कि सूरज बर्ष फल के मुताबिक़ बैठा हो। मसलन नम्बर 4 जनम कुण्डली में ख़ाली हो और बमूजिब बर्षफल मंगल नम्बर 4 में आ जावे, और उस साल के बर्षफल के मुताबिक़ सूरज लगन के ख़ाना नम्बर 8 में हो, तो मंगल नम्बर 4 का दिया हुआ फल जनम दिन से 8 वें महीने में ज़ाहिर होगा।

(4) बर्ष (उम्र के साल) का शुरु व आख़ीर देसी महीनों की तारीख़ के हिसाब से लेंगे। क्योंकि जनम कुण्डली और बर्षफल में सूरज की तबदीली यकम बैसाख से मानी गई है और यकम बैसाख अंग्रेज़ी तारीख़ों के हिसाब से कई दफ़ा 11 अप्रैल या 12 अप्रैल बल्कि 13 अप्रैल को भी हो जाता है। बाज़ इलाकों में देसी महीने की पहली तारीख़ भी न तो अंग्रेज़ी तारीख़ों के ढंग पर हमेशा एक ही दिन आती है और न ही विक्रमी संवत् के महीनों से मिलती है इसलिए पक्का उसूल यह है, कि सूरज की बुनियाद पर इल्म ज्योतिष चलता है और सूरज की तबदीली यकम बैसाख से ख़ाना नम्बर 1 या मेख राशि में गई है इसी वजह से बाक़ी सब महीनों की भी तबदीली हो सकती है।

मसलन-जैसे कि
बाक़ी-शेष, बचा हुआ
अश्या-चीजे, वस्तुएं
तबदीली-बदलाव
बुनियाद-नींव, आधार

Astro Lucky

(जीम) -हर एक ग्रह भी (सिर्फ़ अकेला ही अकेला) उसी तरह ही घुमाया जा सकता है यानी जितने नम्बर के ख़ाने में कोई ग्रह जनम कुण्डली में बैठा होवे देखें कि जिस साल का हाल देखना है वह उम्र का कौन सा साल है। उस उम्र के साल के हिन्दसे को उस नम्बर पर तक़सीम करें, जिसमें कि वह ग्रह बैठा है (जनम कुण्डली में) बाक़ी जो हिन्दसा बचे, उस ख़ाना नम्बर में उस साल (जितने साल की उम्र का हाल देखा जा रहा है) वह ग्रह असर करता और बोल रहा होगा। सिफ़र बाक़ी बचने की हालत में उसी घर (जनम कुण्डली में जिस नम्बर पर है) असर दे रहा होगा। मसलन किसी जनम कुण्डली में सूरज है ख़ाना नम्बर 11 में और उम्र का 52 वां साल जारी है। इसी 52 के हिन्दसा को 11 पर तक़सीम किया तो बाक़ी बचे 8 अब 52 साला उम्र में सूरज ख़ाना नम्बर 8 में गिना जायेगा और बाक़ी ग्रह बदस्तूर जैसे कि वह जनम कुण्डली में हों रख कर सूरज की मुतअल्लिक़ा चीज़ों का असर देखा जाएगा। इसी तरह हर एक ग्रह का हाल सालवार देखते जाएंगे। ख़याल रहे जिस ग्रह के मुतअल्लिक़ा चीज़ों का हाल देखना है सिर्फ़ उसी ग्रह को घुमाएंगे, बाक़ी सब ग्रह बदस्तूर (जनम कुण्डली के ख़ानों के) होंगे। इसी उसूल पर तमाम ही ग्रहों को अकेला अकेला कर के घुमा कर जो कुण्डली बनाएंगे वह उस साल की औसत हालत जवाब देगी।

जुज़ दोयम:-जनम कुण्डली जो ख़्वाह इल्म ज्योतिष के मुताबिक़ बनाकर और लगन को ख़ाना नम्बर 1 देकर बाक़ी ख़ाने पूरे किए हों और ख़्वाह इल्म सामुद्रिक से बनाई हुई हो, मुकम्मल करने के बाद आगे दी हुई फ़ेहरिस्त के मुताबिक़ अमल दर आमद करें।

सालाना हालात के लिए दिया हुआ बर्षफल में

माहवारी हालात के लिए सूरज को चलावें	डिग्री के हालात के लिए चंद्र को चलावें
रोज़ाना के हालात के लिए मंगल को चलावें	हफ़्तों के हालात के लिए शुक्कर को चलावें
घण्टों के हालात के लिए बृहस्पत को चलावें	रातों के हालात के लिए राहु को चलावें
मिनटों के हालात के लिए सनीचर को चलावें	दिनों के हालात के लिए केतु को चलावें
सैकिण्डों के हालात के लिए बुध को चलावें	यानी बर्ष की कुण्डली को घुमावें

सिर्फ़-केवल
इल्म-विद्या, जानकारी
बदस्तूर-नियम शक
फ़ेहरिस्त-सूची
ख़्याल-
मुकम्मल-पूरा, सम्पूर्ण
तमाम-सारे

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर 13

बर्षफल का असली असर उसी महीना में होगा जिस ख़ाना नम्बर में कि उस साल सूरज बैठा होवे। मसलन अगर बर्षफल में सूरज ख़ाना नम्बर 7 में हो तो सूरज का मन्दा असर यानी राज दरबार में ख़राबियां वग़ैरह उस साल के (जनम दिन से) सातवें महीने पैदा होंगी मगर बाक़ी सब महीनों में सूरज का असर मन्दा नहीं गिन सकते। इसी तरह ही बाक़ी सब कुण्डलियों (सालाना माहवारी रोज़ाना वग़ैरह) में असर होगा।

एक साल के अन्दर के हालात के लिए ऊपर के हिसाब से लिए हुए बर्षफल की कुण्डली के जिस ख़ाने में सूरज बैठा होवे, उस ख़ाना को उम्र के महीने का हिन्दसा देकर तमाम कुण्डली मुकम्मल कर लें।

महीने का शुरू जनम वक़्त से लेंगे। मसलन 31 की पैदाइश हो, तो दूसरे महीने की 30 तक पूरा महीना होगा। सूरज की तबदीली चूंकि यकम बैसाख से शुरु होती है। इसलिए जनम दिन दरअसल देसी महीनों के हिसाब से भी दुरुस्त गिना जाएगा। अंग्रेज़ी तारीख़ के हिसाब से सूरज के असर में फ़र्क़ हो सकता है।

(2) कुण्डली के 12 ख़ाने दरअसल विक्रमी साल जो (तकरीबन 13 अप्रैल बैसाखी से शुरु होगा) के 12 महीने ही हैं, या यूं कहो कि 12 ख़ानों का असर हर महीने मन्दरजाज़ैल वक़्त पर

ख़ाना नम्बर	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
असर का												
महीना	बैसाख	जेठ	असाड़	सावन	भादों	असौज	कार्तिक	मग्घर	पोह	माघ	फागन	चैत
तकरीबन 10	अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी	फरवरी	मार्च
ता 12	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल

एक साल उम्र के बच्चे के लिए भी यही उसूल होगा। मसलन जनम कुण्डली (लगन से हरगिज़) जनम वक़्त $11\frac{5}{98}$ मंगलवार 5-43 बजे शाम $11\frac{5}{41}$ शाम 5-43 बजे के बाद 44 वां साल

जारी लगन से हर ग्रह (सालाना कुण्डली)

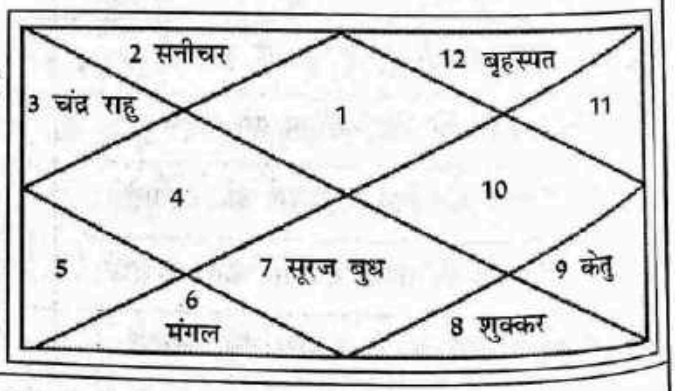

मसलन-जैसे कि
हरगिज़-हमेशा
तकरीबन-आमतौर से
मन्दरजा-निम्नलिखित

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर 13

बमूजिब फ़ेहरिस्त बर्षफल बदला गया

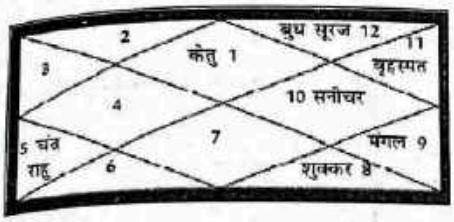

5 वे महीने का 17 वां दिन पहले दिन से 12 वें दिन तक 1 से 12 माहवारी कुण्डली में जिस जगह मंगल बैठा है उस घर को एक से गिन कर 17 वें नम्बर यानी नम्बर दिया गया मंगल को।

दिन कुण्डली

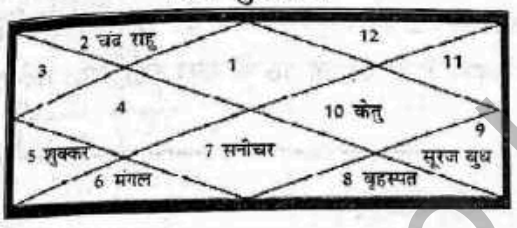

घण्टों वाली कुण्डली से 25 वां मिनट सनीचर को चला गया

मिनट कुण्डली

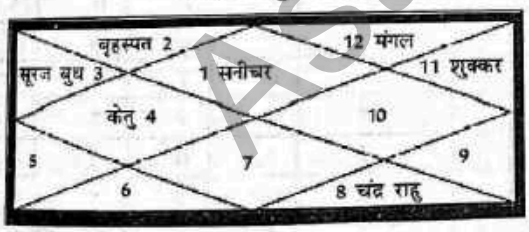

सैकिण्डों वाली कुण्डली से 53 डिग्री पर अब चंद्र को चला गया

डिग्री कुण्डली

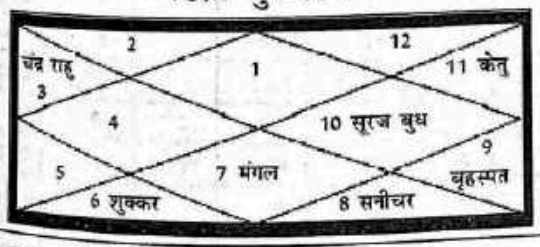

$11\frac{9}{41}$ शाम 5-43 बजे के बाद 5वां महीना शुरू सूरज बैठा होने वाले घर को ख़ाना नम्बर 5 दिया गया। बर्षफल की कुण्डली को।

माहवारी कुण्डली

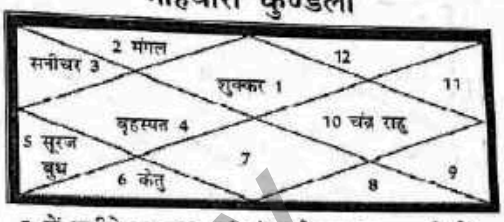

5 वें महीने का 23 वां घंटा रोज़ाना कुण्डली में बृहस्पत वाले घर को एक गिन कर 23 वां नम्बर बृहस्पत को।

घण्टा कुण्डली

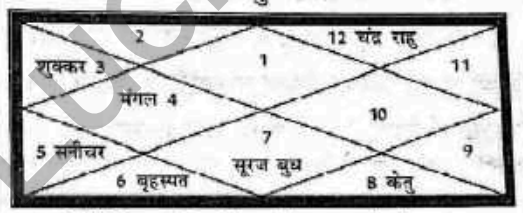

28 वें सैकिण्ड मिनटों वाली कुण्डली से अब बुध को चलाया गया।

सैकिण्ड कुण्डली

24 वें साल की कुण्डली को रातों के हाल के लिए राहु को चलाया गया यानी उसे ख़ाना नम्बर 2 या अपने हैडक्वार्टर में कर दिया।

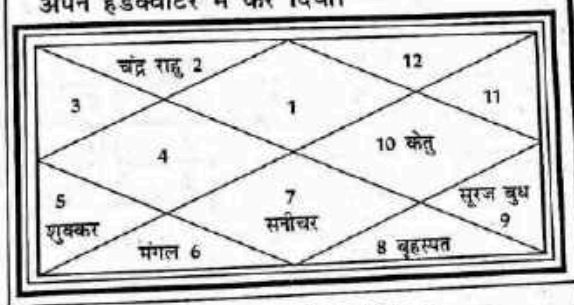

बर्षफल-वर्षफल, बृहस्पत-बृहस्पति ग्रह

बमूजिब-अनुसार, शुक्कर-शुक्र ग्रह

फ़ेहरिस्त-सूची सूरज-सूर्य ग्रह

सनीचर-शनि ग्रह

AstroLucky

राहु की तरह अब केतु को ख़ाना नम्बर 2 में दिनों के लिए कर दिया

दिन कुण्डली

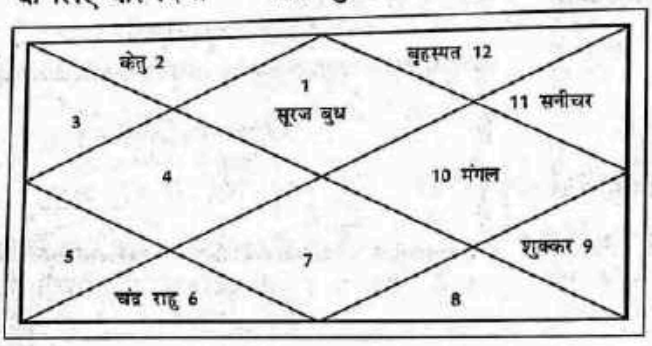

फ़ेहरिस्त बर्षफल की पेशानी पर जो हिन्दसे लिखे हैं वह जनम कुण्डली के ख़ाना नम्बर है, और उम्र के नीचे वह हिन्दसे हैं जहां कि उम्र के साल में जनम कुण्डली के ख़ाना नम्बर का ग्रह चल कर आया हुआ होगा। मसलन जनम कुण्डली के ख़ाना नम्बर में मंगल है तो उम्र के 16 वें साल वही मंगल बर्षफल में ख़ाना नम्बर 12 में होगा वग़ैरह-वग़ैरह।

फ़ेहरिस्त बर्षफल

उम्र	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
1	1	9	10	3	5	2	11	7	6	12	4	8
2	4	1	12	9	3	7	5	6	2	8	10	11
3	9	4	1	2	8	3	10	5	7	11	12	6
4	3	8	4	1	10	9	6	11	5	7	2	12
5	11	3	8	4	1	5	9	2	12	6	7	10
6	5	12	3	8	4	11	2	9	1	10	6	7
7	7	6	9	5	12	4	1	10	11	2	8	3
8	2	7	6	12	9	10	3	1	8	5	11	4
9	12	2	7	6	11	1	8	4	10	3	5	9
10	10	11	2	7	6	12	4	8	3	1	9	5
11	8	5	11	10	7	6	12	3	9	4	1	2
12	6	10	5	11	2	8	7	12	4	9	3	1
13	1	5	10	8	11	6	7	2	12	3	9	4
14	4	1	3	2	5	7	8	11	6	12	10	9
15	9	4	1	6	8	5	2	7	11	10	12	3
16	3	9	4	1	12	8	6	5	2	7	11	10
17	11	3	9	4	1	10	5	6	7	8	2	12
18	5	11	6	9	4	1	12	8	10	2	3	7
19	7	10	11	3	9	4	1	12	8	5	6	2

AstroLucky

उम्र	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
20	2	7	5	12	3	9	10	1	4	6	8	11
21	12	2	8	5	10	3	9	4	1	11	7	6
22	10	12	2	7	6	11	3	9	5	1	4	8
23	8	6	12	10	7	2	11	3	9	4	1	5
24	6	8	7	11	2	12	4	10	3	9	5	1
25	1	6	10	3	2	8	7	4	11	5	12	9
26	4	1	3	8	6	7	2	11	12	9	5	10
27	9	4	1	5	10	11	12	7	6	8	2	3
28	3	9	4	1	11	5	6	8	7	2	10	12
29	11	3	9	4	1	6	8	2	10	12	7	5
30	5	11	8	9	4	1	3	12	2	10	6	7
31	7	5	11	12	9	4	1	10	8	6	3	2
32	2	7	5	11	3	12	10	6	4	1	9	8
33	12	2	6	10	8	3	9	1	5	7	4	11
34	10	12	2	7	5	9	11	3	1	4	8	6
35	8	10	12	6	7	2	4	5	9	3	11	1
36	6	8	7	2	12	10	5	9	3	11	1	4
37	1	3	10	6	9	12	7	5	11	2	4	8
38	4	1	3	8	6	5	2	7	12	10	11	9
39	9	4	1	12	8	2	10	11	6	3	5	7
40	3	9	4	1	11	8	6	12	2	5	7	10
41	11	7	9	4	1	6	8	2	10	12	3	5
42	5	11	8	9	12	1	3	4	7	6	10	2
43	7	5	11	2	3	4	1	10	8	9	12	6
44	2	10	5	3	4	9	12	8	1	7	6	11
45	12	2	6	5	10	7	9	1	3	11	8	4
46	10	12	2	7	5	3	11	6	4	8	9	1
47	8	6	12	10	7	11	4	9	5	1	2	3
48	6	8	7	11	2	10	5	3	9	4	1	12
49	1	7	10	6	12	2	8	4	11	9	3	5
50	4	1	8	3	6	12	5	11	2	7	10	9
51	9	4	1	2	8	3	12	6	7	10	5	11
52	3	9	4	1	11	7	2	12	5	8	6	10

AstroLucky

उम्र	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
53	11	10	7	4	1	6	3	9	12	5	8	2
54	5	11	3	9	4	1	6	2	10	12	7	8
55	7	5	11	8	3	9	1	10	6	4	2	12
56	2	3	5	11	9	4	10	1	8	6	12	7
57	12	2	6	5	10	8	9	7	4	11	1	3
58	10	12	2	7	5	11	4	8	3	1	9	6
59	8	6	12	10	7	5	11	3	9	2	4	1
60	6	8	9	12	2	10	7	5	1	3	11	4
61	1	11	10	6	12	2	4	7	8	9	5	3
62	4	1	6	8	3	12	2	10	9	5	7	11
63	9	4	1	2	8	6	12	11	7	3	10	5
64	3	9	4	1	6	8	7	12	5	2	11	10
65	11	2	9	4	1	5	8	3	10	12	6	7
66	5	10	3	9	2	1	6	8	11	7	12	4
67	7	5	11	3	10	4	1	9	12	6	8	2
68	2	3	5	11	9	7	10	1	6	8	4	12
69	12	8	7	5	11	3	9	4	1	10	2	6
70	10	12	2	7	5	11	3	6	4	1	9	8
71	8	6	12	10	7	9	11	5	2	4	3	1
72	6	7	8	12	4	10	5	2	3	11	1	9
73	1	4	10	6	12	11	7	8	2	5	9	3
74	4	2	3	8	6	12	1	11	7	10	5	9
75	9	10	1	3	8	6	2	7	5	4	12	11
76	3	9	6	1	2	8	5	12	11	7	10	4
77	11	3	9	4	1	2	8	10	12	6	7	5
78	5	11	4	9	7	1	6	2	10	12	3	8
79	7	5	11	2	9	4	12	6	3	1	8	10
80	2	8	5	11	4	7	10	3	1	9	6	12
81	12	1	7	5	11	10	9	4	8	3	2	6
82	10	12	2	7	5	3	4	9	6	8	11	1
83	8	6	12	10	3	5	11	1	9	2	4	7
84	6	7	8	12	10	9	3	5	4	11	1	2
85	1	3	10	6	12	2	8	11	5	4	9	7
86	4	1	8	3	6	12	11	2	7	9	10	5
87	9	4	1	7	3	8	12	5	2	6	11	10
88	3	9	4	1	8	10	2	7	12	5	6	11

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर 13

उम्र	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
89	11	10	9	4	1	6	7	12	3	8	5	2
90	5	11	6	9	4	1	3	8	10	2	7	12
91	7	5	11	2	10	4	6	9	8	3	12	1
92	2	7	5	11	9	3	10	4	1	12	8	6
93	12	8	7	5	2	11	9	1	6	10	3	4
94	10	12	2	8	11	5	4	6	9	7	1	3
95	8	6	12	10	5	7	1	3	4	11	2	9
96	6	2	3	12	7	9	5	10	11	1	4	8
97	1	9	10	6	12	2	7	5	3	4	8	11
98	4	1	6	8	10	12	11	2	9	7	3	5
99	9	4	1	2	6	8	12	11	5	3	10	7
100	3	10	8	1	5	7	6	12	2	9	11	4
101	11	3	9	4	1	6	8	10	7	5	12	2
102	5	11	3	9	4	1	2	6	8	12	7	10
103	7	5	11	3	9	4	1	8	12	10	2	6
104	2	7	5	11	3	9	10	1	6	8	4	12
105	12	2	4	5	11	3	9	7	10	6	1	8
106	10	12	2	7	8	5	3	9	4	11	6	1
107	8	6	12	10	7	11	4	3	1	2	5	9
108	6	8	7	12	2	10	5	4	11	1	9	3
109	1	9	10	6	12	2	7	11	5	3	4	8
110	4	1	6	8	10	12	3	5	7	2	11	9
111	9	4	1	2	5	8	12	10	6	7	13	11
112	3	10	8	9	11	7	4	1	2	12	6	5
113	11	3	9	4	1	6	2	7	10	5	8	12
114	5	11	3	1	4	10	6	8	12	9	7	2
115	7	5	11	3	9	4	1	12	8	10	2	6
116	2	7	5	11	3	9	10	6	4	8	12	1
117	12	2	4	5	6	1	8	9	3	11	10	7
118	10	12	2	7	8	11	9	3	1	6	5	4
119	8	6	12	10	7	5	11	2	9	4	1	3
120	6	8	7	12	2	3	5	4	11	1	9	10

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर-14

टेवे की किस्में

शत्रु[1] बाहम घर 10 में बैठे
सात शनि हो सूरज चौथे
बुध छठे रवि 1-5-11
ख़ाली[2] मुट्ठी या बुध पापी[3] वां

टेवे होता ग्रह अन्धा हो
आधा अन्धा नहोराता हो
टेवा बालिग़ ग्रह होता हो
असर नाबालिग़ देता हो

(बाक़ी अगले सफ़्ह: पर)

[1] -बुध के साथ बृहस्पत या चंद्र या मंगल हो।

[2] -मुट्ठी का अन्दर से मुराद है कुण्डली का ख़ाना नम्बर 1-7-4-10

[3] -पापी-राहु-केतु-सनीचर तीनों ही के लिए एक नाम "पापी" होता है।

शुक्कर के साथ बृहस्पत या सूरज या चंद्र या राहु हो।

सनीचर के साथ सूरज या चंद्र या मंगल हो।

राहु के साथ सूरज या चंद्र या मंगल या बृहस्पत हो।

केतु के साथ सूरज या चंद्र या मंगल हो। अन्धे ग्रहों के मन्दे असर के वक़्त केतु का उपाओ या केतु (लड़का-केतु-की मुतआल्लिक़ा अश्या) के ज़रिये या केतु (सुबह सादिक़) के वक़्त किए कामों के फल मुबारक होंगे।

एक ही वक़्त पर 10 अन्धों को बतौर ख़ैरात ख़ुराक तक़सीम करने से नम्बर 10 की ज़हर दूर होगी।

बाहम-आपसी
सादिक़-सच्चा, सवेरा, प्रात
नहोराता- आधा अन्धा
ख़ैरात-दान
नाबालिग़-अवयस्क

Astro Lucky

11 शनि या सात गुरु का
पिछले जनम का साधु होगा
गुरु शुक्कर हो टेवे मिलते
असर जनम न लेंगे पिछले

पाप चंद्र 10 चौथे हो
धरमी टेवा सुख देवे जो
चलता जनम खुद अपना हो
साल गुज़रते 12 जो

नहोराता वाले टेवे में नेक ग्रहों के मुतअल्लिक़ा कारोबार रात के वक़्त और मन्दे ग्रहों के मुतअल्लिक़ा कारोबार दिन के वक़्त करने मददगार होंगे। बालिग़ टेवे का असर खुद-बखुद ही होता रहता है कोई ख़ास कोशिश की ज़रूरत नहीं। गुरु शुक्कर मुश्तरका टेवे वाले की हालत ने 12 साला उम्र के बाद पिछले जन्मों के धक्के या धोके का कोई डर न होगा।

धरमी टेवे वाले हर एक के लिए मददगार और सुख देने वाले हुआ करते हैं नाबालिग़ टेवे वाले को दूसरों की मदद लेकर चलते रहना मददगार होगा क्योंकि इन्सान का बच्चा तो नाबालिग़ से बालिग़ हो जाएगा मगर ग्रह चाली हालत का नाबालिग़ टेवा सारी उम्र ही नाबालिग़ गिना जाएगा।

टेवा मर्द का प्रबल होगा या कि औरत का

मर्द का टेवा औरत के टेवे को ढांप लेता है मगर कई दफ़ा बाहम बे लिहाज़ी भी हुआ करती है। औरत जब तक शादी न हुई खुद अपने टेवे (औरत के) पर चलती रही और शादी के वक़्त मर्द से टेवे का असर दोनों की क़िस्मत पर हावी (छाया हुआ) होता रहा। कोई ऐसा वक़्त भी आ गया कि मर्द चलता बना। (मर गया-छोड़ गया-भाग गया-गुम हो गया या दो मर्दों की एक ही इकट्ठी औरत बन बैठी वग़ैरह वग़ैरह) तो फिर वही औरत का अपना टेवा क़िस्मत के मैदान में बहाल हो गया। इसी तरह ही जब तक बच्चा था वाल्दैनी क़िस्मत का असर और अपने पिछले कर्मों का फल मददगार हुआ।

मुश्तरका-मिले जुले
मददगार-मदद देने वाला
वग़ैरह-अलग
टेवा-जन्मपत्री

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर 14

शादी हुई औरत का टेवा राशिफल की तरह मददगार होता रहा। औरत चल बसी (मर गई चली गई-छोड़ गई-गुम हुई या बे वतन हुई वग़ैरह वग़ैरह) या कोई और साथ-साथ (दूसरी शादी माशूक़ा या वैसे ही दुनियावी तमाशबीन की रंग बिरंगियां वग़ैरह) हुई तो क़िस्मत के समन्दर में कई तरह की हवाओं के झोंके आने लगे। किस्सा कोताह मर्द और औरत की जोड़ी का मिलना और टूटना क़िस्मत के मैदान में ज़रूर फ़र्क़ देगा। लेकिन कई दफ़ा बग़ैर टूटे हुए भी या बग़ैर मिले मिलाए भी क़िस्मत की दो दोरंगियां देखने में आएंगी। लेकिन निहायत ही कम तादाद में और वह उस वक़्त जब ऐसी जोड़ी की ख़ुराक में शनि की चीज़ों की लहरें या पितृ ऋण के समन्दर का तूफ़ान ठाठें मार रहा होगा।

Astro Lucky

माशूक़ा-प्रमिका वग़ैरह-अलग क़िस्सा कोताह-छोटा, थोड़ा, संक्षिप्त निहायत-बहुत ही

फ़रमान नम्बर-15

फलादेश

अकेले-अकेले ग्रह

AstroLucky

फ़रमान नम्बर 15

देखने का ढंग

क़ियाफ़ा:- सिर्फ एक ही ग्रह/रेखा को देखकर किया हुआ फ़ैसला कोई मुकम्मल फ़ैसला नहीं होता बल्कि वहम पैदा करने का सबब और धोके में रख लेने वाला हुआ करता है।

(2) तारीख़ पैदाइश और जनम वक़्त का लिहाज़ रखते हुए प्राचीन और प्रचलित ज्योतिष के मुताबिक़ जब जनम कुण्डली बन चुके तो उसमें से तमाम हिन्दसे मिटा देवें और लगन के ख़ाना को हिन्दसा नम्बर 1 देकर 12 ख़ानों में तरतीबवार 12 हिन्दसे लिख दें। मसलन किसी की पैदाइश $15\frac{2}{93}$ सुबह 5 बजे 6 फागन संवत् 1949 बुधवार हो तो उसकी जनम कुण्डली हस्बेज़ैल होगी।

(3) अब इस जनम कुण्डली से फलादेश देखने के लिए सब के सब हिन्दसे मिटा दिए गए और लगन के हिन्दसे को (जो इलाका पंजाब में कुण्डली का सबसे ऊपर का चौकोर होता है) हिन्दसा नम्बर 1 देकर तरतीबवार 12 हिन्दसे सब घरों के दिये मगर ग्रह

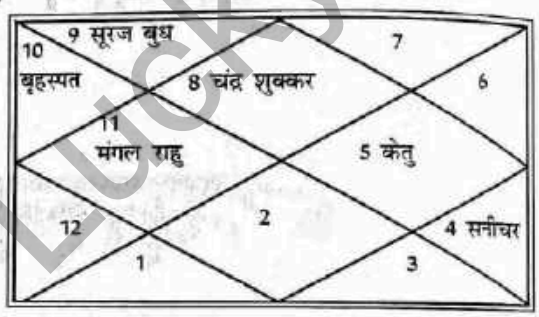

सब के सब उसी तरह ही लिखे गए सिर्फ़ हिन्दसा नम्बर बदला गया तो वही जनम कुण्डली हस्बेज़ैल होगी, गो पहली जनम कुण्डली में लगन के ख़ाना को 8 का हिन्दसा दिया है मगर बाद की कुण्डली में उसी ख़ाना को हिन्दसा नम्बर 1 दिया है। लगन से दूसरे घर को पहले नम्बर 9 मिला था मगर नयी कुण्डली में नम्बर 2 मिला है अब कहेंगे कि सूरज बुध उसके लगन से दूसरे घर में है। इसी उसूल पर फलादेश के लिए सूरज या बुधदोनों का नम्बर 2 (सूरज नम्बर 2 या बुध नम्बर 2 या सूरज बुध नम्बर 2) का दिया हुआ फलादेश देखलें

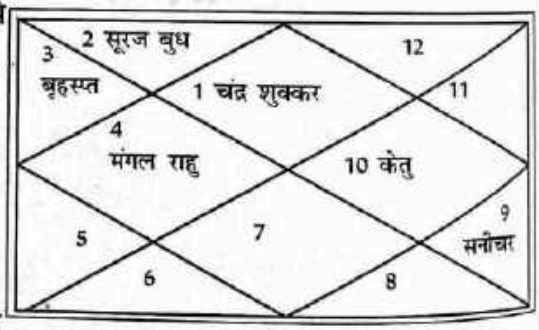

(4) मुश्तरका ग्रहों की हालत-फलादेश के हिस्से में हर एक अकेले अकेले ग्रह में दिया हुआ फल

क़ियाफ़ा-सामुद्रिक विद्या
मुश्तरका-मिले जुले
हस्बेज़ैल-निम्नलिखित
मुकम्मल-पूरा, सम्पूर्ण

Astro Lucky

मुश्तरका ग्रहों की हालत में दिए हुए फलादेश के अलावा होगा। गोया पहले तो हर एक ग्रह का जुदा-जुदा दिया हुआ फलादेश देखें फिर मुश्तरका ग्रहों का फल ज़रूर देख लें क्योंकि बाज़ औक़ात जुदा-जुदा तो भले ही नज़र आते होंगे मगर इकट्ठे हो जाने पर कई दफ़ा नतीजा उलटा ही हो जाता है। मसलन मंगल नम्बर 8 जुदा ही और बुध नम्बर 8 जुदा ही का फलादेश नम्बर 8 के लिए बुरा ही लिखा है। मगर जब दोनों इकट्ठे ही नम्बर 8 में हो तो उत्तम होंगे। इसी तरह ही शुक्कर नम्बर 9 मन्दा होता है लेकिन जब शुक्कर केतु मुश्तरका नम्बर 9 में हों तो; दोनों का मुश्तरका फल निहायत उत्तम होगा।

दूसरी मिसाल-बुध नम्बर 3 या शुक्कर नम्बर 9 अमूमन मन्दे और मंगल बद का असर दिया करते हैं लेकिन जब जनम कुण्डली में मंगल बुध मुश्तरका शुक्कर से पहले घरों में हों तो बुध अपनी नाली की दृष्टि के उसूल पर मंगल और शुक्कर को बाहम मिला देगा। जिससे टेवे वाला लावल्द कभी न होगा। औलाद के योग ख़्वाह लाख मन्दे हों।

इस तरह शुक्कर केतु मुश्तरका अगर ख़ाना नम्बर 1 में हो जावे तो मर्द नाक़ाबिले औलाद होगा हालांकि शुक्कर नम्बर 1 सदाबहार फूल और केतु नम्बर 1 सूरज को ऊंच कर देता है बेशक सूरज टेवे में कैसा ही मन्दा बैठा हो।

(बे) किताब में ग्रहों के मुश्तरका गिरोह (Groups) जो भी उसूल के तौर जायज़ हो सकते हैं दे दिये गए हैं। ऐसे इकट्ठे इकट्ठे दिये हुए ग्रहों के इलावा जो भी ग्रह बाक़ी बचे उसके लिए अलाहदा-अलाहदा ग्रहों में दिया हुआ फलादेश दुरुस्त होगा। गर्ज़ेकि सबसे पहले 7 ग्रह मुश्तरका फिर 6 फिर 5 फिर 4 फिर 3 फिर 2 और आख़ीर पर अकेले अकेले ग्रहों के हाल में दिया हुआ फलादेश देखें। अपनी ही मर्ज़ी की मनघड़त जोड़ियां (Groups) बनाकर फलादेश बना लेना नावाजिब बल्कि वहम का बहाना होगा।

(5) किताब में जगह व जगह हिदायत है कि गोश्त खाना शराब पीना, झूठ बोलना, बददयानती करना बदचलन का आदी होना वग़ैरह वग़ैरह से ऐसे-ऐसे (ख़ास ग्रहों के) टेवे वाले को परहेज़ चाहिए से मुराद है कि वह प्रानी (ऐसे टेवे वाला जहां कि किसी काम की मुमानअत की गई है सिर्फ़ उस नुक़्स का आदी होगा जिसकी हिदायत की गई है। जब कहते हैं कि इसका

लावल्द-संतानहीन आख़ीर-अन्त में नाक़ाबिले-अयोग्य
बददयानती-बेईमानी धोखेबाज

Astro Lucky

माता ख़ानदान मातमी हालत में होगा तो मुराद होगी कि मामूं तबाह बरबाद और उनकी नसल घटती होगी। ऐसे ही जब कहें कि आप के घर में आप की उम्र सबसे लम्बी होगी तो मुराद होगी कि उसके घर के सब जीव जन्तु मर जाएंगे और वह सब के बाद मरेगा-वग़ैरह वग़ैरह। मतलब असल यह है कि किताब के लफ़्ज़ों को शान्ति से पढ़ें फिर मुंह से निकालें।

फलादेश की बुनियाद का आम उसूल

कुण्डली में घर की मालकीयत के हिसाब से तो कोई और ग्रह होता है और बहैसियत पक्का घर उसी ख़ाना का मालिक कोई और ग्रह हुआ करता है या यूं कहिए कि अगर कुण्डली के हर ख़ाना नम्बर को एक मकान फ़र्ज़ कर लें तो इस मकान की तह ज़मीन में तो उस ख़ाना नम्बर के मालिक ग्रह (बहैसियत घर की मालकियत) की तासीर होगी और उसकी इमारत पर उस ग्रह का जो उस ख़ाना के लिए बहैसियत पक्का घर मुकर्रर है असर हो रहा होगा। इस तरह पर उन दो ग्रहों (एक तो तह ज़मीन का मालिक जो घर की मालकीयत की वजह से है और दूसरा बहैसियत पक्का घर ताल्लुक़दार है) की बाहमी दोस्ती दुश्मनी उस ख़ाना नम्बर के फलादेश में फ़र्क़ डालती है। अगर वह दोनों दोस्त हुए तो नेक असर और भी बढ़ गया अगर बाहम दुश्मन हुए तो उस ख़ाना नम्बर का असर दोनों की दुश्मनी की वजह से बरबाद हो गया। इसके अलावा वह तीसरा ताल्लुक़दार और भी बन जाया करता है। यानी वह ग्रह जो उस ख़ाना नम्बर का पहले कहे हुए दो सबबों के हिसाब से कोई ताल्लुक़दार नहीं मगर ग्रह चाली गर्दिश के हिसाब से वहां आ निकलता है। अब वह बाहर से आया हुआ ग्रह भी उन दो ग्रहों की बाहमी दोस्ती व दुश्मनी जो उन दो की आपस में थी के अलावा वह ख़ुद अपनी दोस्ती दुश्मनी जो कि उसकी (बाहर से आने वाले की) उन दो ग्रहों (एक तो तह ज़मीन का मालिक और दूसरा मकान की इमारत का मालिक) से है के मुताबिक़ फलादेश में फ़र्क़ डाल देगा। ग़र्ज़ेकि हर ख़ाना नम्बर और हर ग्रह का ख़ानावार फलादेश देखते वक़्त इसी उसूल को नज़र में रखना मददगार होगा। मिसाल के तौर पर (1) ख़ाना नम्बर 11 में बहैसियत घर की मालकीयत सनीचर का ताल्लुक है और वह बहैसियत पक्का घर बृहस्पत का गिना हुआ है अब अगर इस ख़ाना नम्बर 11 में सनीचर और बृहस्पत के अलावा राहु आ बैठे तो असर में हस्बेज़ैल तबदीली होगी। तह ज़मीन का मालिक सनीचर है और यह घर (ख़ाना नम्बर 11) दुनिया का आग़ाज़ इन्सान की आमदन व ज़ाती कमाई

मातमी-मृत्यु शोक
अलावा-अतिरिक्त
मामूं-मामा
सबबों-कारण
तासीर-असर
आग़ाज़-आरम्भ
वजह-कारण

Astro Lucky

या दुनिया में आना यानी वह वक़्त जब कि आग़ाज़ हुआ या सबसे पहले की जगह या वह जगह जहां से कुल ब्रह्मण्ड और तमाम ग्रह वग़ैरह निकले हुए माने गए हैं वग़ैरह वग़ैरह का है जिसकी इमारत पर बृहस्पत क़ाबिज़ है। और उसे (ख़ाना नम्बर 11) को ज़माना के (गुरु बृहस्पत) ने धरम अदालत के लिए ही मुक़र्रर कर दिया है या यूं कहो कि ख़ाना नम्बर 11 की ज़मीन सनीचर की होने के कारण लोहे या पत्थर सफ़ेद संगमरमर (जो सनीचर की चीज़ें हैं) की है।

उस पर जो मकान बना है वह जगमग करने वाले दमकते हुए ज़र्द रंग सोने से दुनियावी दिलों को ख़ुश कर रहा है। अब इस धरम अदालत पर राहु शरीफ़ का तस्सलुत राज) आ हुआ जो (राहु का ग्रह) सनीचर का एजेंट और सिर्फ़ बदी का ताल्लुक़दार है। सनीचर अगर स्याह रंग महमार मिस्त्री था तो बृहस्पत ज़र्द रंग का भण्डारी या सुनार या पूजा पाठी प्रानी धरम देवता ज़माना का गुरु था। इन दो की राजधानी पर राहु का राज आ हुआ जो ज़माने में स्याह चमकता नीले रंग हाथी की तरह भद्दा सा वजूद ज़मीन के अन्दर भूचाल पैदा करता है। नतीजा क्या हुआ। राहु की मेहरबानी से शरारत पर शरारत सोने की इमारत का रंग स्याह बल्कि नीला हुआ नीचे से भूचाल आ जाने पर पता न लगा कि वह इमारत गई कहां। धरम पूजा पाठ का निशान न रहा और हर तरफ़ बदनामी का पहरा हो गया ज़र्द रंग (बृहस्पत) से नीला रंग (राहु) मिलने पर सब्ज़ रंग (बुध ख़ाली खुला आकाश) पर सनीचर की स्याह रंग ज़हर (ज़हरों का मालिक सनीचर है) का काला रंग चमकने लगा। क़िस्सा कोताह बृहस्पत नष्ट हुआ। आकाश में राहु का मन्दा धुआं भर गया और ज़माने में हर तरफ़ राहु के ज़ालिम जल्लाद की कारवाईयां ज़ोर पर होने लगी इसीलिए राहु नम्बर 11 में लिखा है कि बृहस्पत क़ायम करना (या जिस्म पर सोना रखना) मददगार बल्कि ज़रूरी होगा क्योंकि राहु की मेहरबानी से बृहस्पत नष्ट हो चुका होगा। इसी ख़याल को ध्यान में रखते हुए राहु का ख़ाना नम्बर 11 में दिया हुआ फलादेश देखने से मालूम होगा कि ऐसा प्रानी अपनी माता के पेट में आने के लम्हे से ही अपने पिता (बृहस्पत) पर गोली (राहु को गोली भी माना है) की तरह हमला करने लग जाता है और बृहस्पत के ज़र्द रंग सोने को पीतल बनाकर उस पर अपना नीले रंग का ज़ंग लगा देता है। इसी तरह राहु बृहस्पत मुश्तरका में दिए हुए फलादेश से ज़ाहिर होगा कि दोनों की मिलावट

क़ाबिज़-जिसका अधिकार हो, जिसका कब्ज़ा
आग़ाज-आरम्भ
क़िस्सा कोताह-छोटा, थोड़ा, संक्षिप्त
मुश्तरका-मिले जुले

Astro Lucky

से मस्नूई बुध या ख़ाली आकाश बन जाएगा। बृहस्पत दोनों ही जहां का मालिक है और राहु का नीला आसमान और उसकी दो जहानी में हदबन्दी करता है। इसलिए वहां ज़िक्र हुआ है कि राजा फ़क़ीर होते भी क़िस्मत दो रंगी होगा यानी राजा होते हुए भी एक दिन फ़क़ीर या फ़क़ीर से बादशाह होगा।

ऊपर कहे हुए उसूल पर सब ही ग्रहों का फलादेश मज़मून की असलियत समझा देगा और इस मज़मून का वाक़िफ हर जगह मौक़े के मुताबिक़ हर एक ग्रह का असल फलादेश सही सही ढंग से समझ लेगा।

AstroLucky

मस्नूई-बनावटी
मज़मून-विषय
ज़िक्र-चर्चा
असलियत-सच्चाई
हदबन्दी- सीमा निर्धारण
वाकिफ़- जानकारी

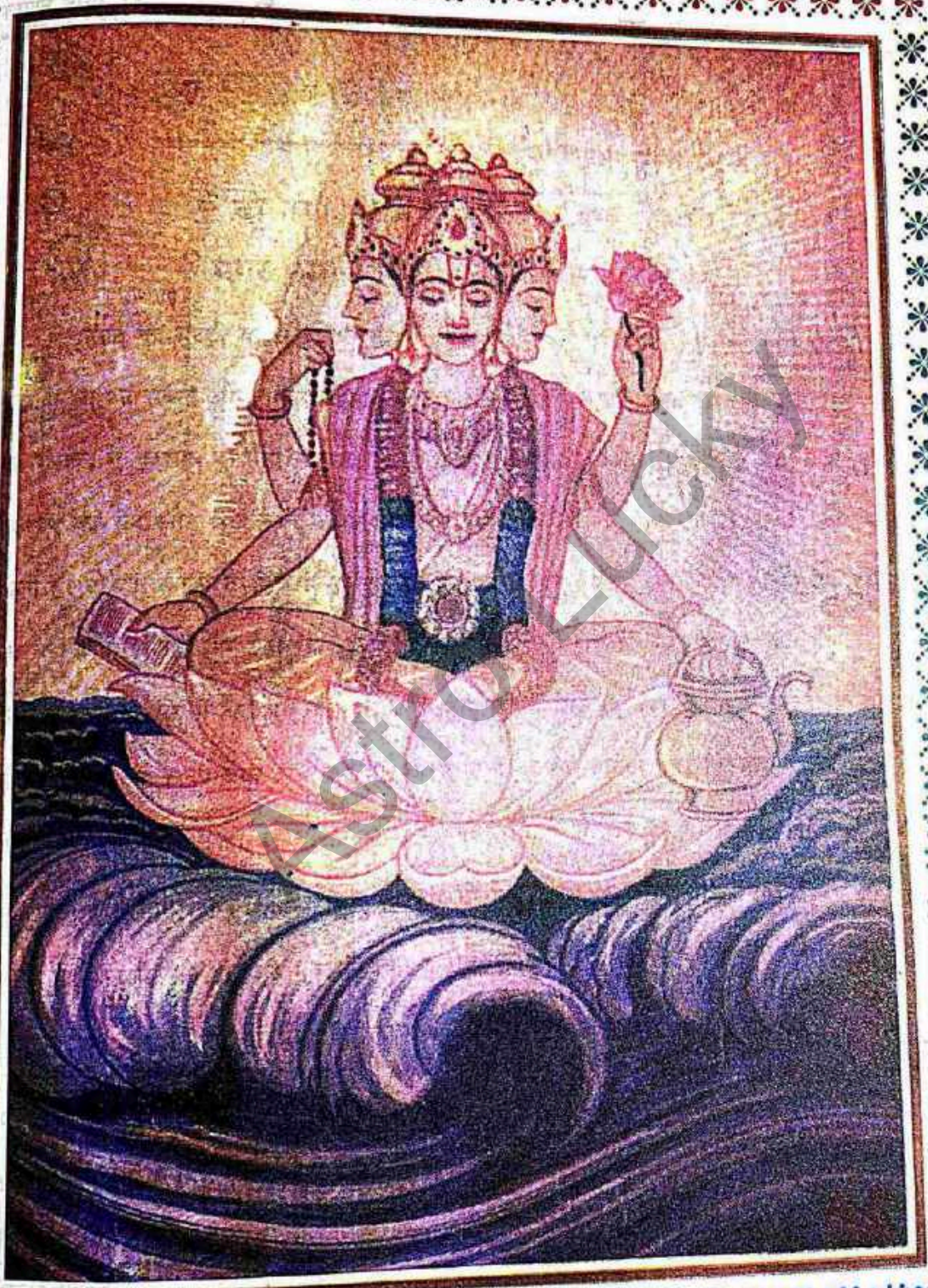

श्री ब्रह्मा जी महाराज दोनों जहां और त्रैलोकी का मालिक

شری برہما جی مہاراج دونوجہاں ، ترلوکی کا مالک

Astro Lucky

बृहस्पत (बिधाता-जगतगुरु-ब्रह्माजी महाराज)

[1] दो रंगी दुनिया, के रंग दोनों देखो
[2] मगर आंख दुख जाए, अपनी न देखो

इन्सान की मुट्ठी के अन्दर के ख़ाली खुलाओं में बन्द या आकाश में फैले रहने हर दो जहां में जा आ सकने और तमाम ब्रह्माण्ड व इन्सान के अन्दर बाहर चक्कर लगाने वाली हवा को ग्रह मण्डल में बृहस्पत के नाम से याद किया गया है जो बंद हालत में क़ुदरत से साथ लाई हुई क़िस्मत का भेद और खुल जाने पर अपने जनम से पहले भेजे हुए ख़ज़ाने का राज़ और बन्द और खुली हर दो हालत की दरमियानी हद इन्सान शरीफ़ के शुरु (जनम लेने) व आख़ीर (वफ़ात पाने) का बहाना होगी। ये अगर ग्रहों का गुरु और ज़ाहिरा ग़ैबी दोनों जहां का मालिक माना गया है, इसलिए एक ही घर में बैठे हुए बृहस्पत का असर बेशक मानिन्द राजा या फ़क़ीर सोना या पीतल सोने की बनी हुई लंका तक दान कर देने वाला प्रानी या सारे ज़माने का चोर साधु जिस का धरम ईमान न हो हर दो हालत में से ख़्वाह किसी भी ढंग का हो मगर उसका (1) बुरा असर शुरु होने की निशानी हमेशा सनीचर के मन्दे असर के ज़रिये होगी, और (2) नेक असर ख़ुद बृहस्पत के ग्रह की मुतअल्लिक़ा अश्या, कारोबार या रिश्तेदार मुतअल्लिक़ा बृहस्पत फ़ेहरिस्त जुदी जगह) के ज़रिये ज़ाहिर होगा।

---

[1] -दो रंगी दुनिया एक मूंछ स्याह तो दूसरी सफ़ेद।

[2] -मसलन दर्द आंख, मकानों, मशीनों की ख़राबियां, दुश्मन या सांप के मन्दे वाक़िआत धोका दही या ज़हमत बीमारियां वग़ैरह।

क़ुदरत-भगवान दरमियानी-आपसी वफ़ात-मृत्यु ग़ैबी-दैवी शक्ति
मानिन्द-तुल्य, समय वाक़िआत-घटनाएं ज़हमत-मुसीबत

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर 15

एक ही घर में बैठे हुए बृहस्पत के असर की दो रंगी

ख़ाना नम्बर जिसमें बृहस्पत हो	नेक हालत में क्या असर होगा	मंदी हालत में क्या असर होगा।
1.	नाम वर राजा	फ़क़ीर बाकमाल मगर निर्धन
2.	सबको तारने वाला जगत गुरु	अपना ही ख़ानदान तबाह करने वाला कुल ग़ारत
3.	शेरों का नामी शिकारी	बुज़दिल मनहूस मंदभाग
4.	राजा इन्द्र और बिक्रमाजीत के साया का मालिक	अपना ही बेड़ी डोब मल्लाह
5.	औलाद के जनम दिन से बारौनक़	बच्चा पेट से ही मुर्दा पैदा हो
6.	हर शै बिला मांगे हाज़िर	ग़रीबी और मंदी चक्कर से हरदम सांस रूकता है
7.	धरम काज का मुखिया धरमी	उसका युत बन्ना भी दुखिया ही होवे
8.	सोने की लंका तक का दानी	दौलत से भरे ख़ज़ानों की राख की क़िस्मत का मालिक
9.	बुज़ुर्गी नस्ल दमकता सोना	क़िस्मत में रेत के बराबर सी चमक का नसीबा न हो
10.	जिस क़ब्र भी टेढ़ा चले मिट्टी सोना देवे।	निर्धन दुखिया होवे
11.	सांप भी सजदा करे	कफ़न तक पराया
12.	दरिया की तरह घर में दौलत भरती जावे	राजधानी का मालिक होकर भी माया पर पेशाब की धार मारने या बरतने का मौक़ा न पावे।

बाकमाल-कमाल का

ग़ारत-नष्ट करना, बरबाद करना

कफ़न-मुर्दे को दिया जाने वाला कपड़ा

बृहस्पत-बृहस्पति ग्रह

Astro Lucky

बृहस्पत की हवा में मिलावट का असर

ऊंच राहु या पहले बैठा आया तरफ़ गुरु पहली हो
गुरु मालिक हो दोनों जहां का ताक़त ग़ैबी व रूहानी हो
दीगर हालत में गुरु गृहस्ती मालिक जहां इक होता हो
माया दौलत का बन्दा ग़ुलामी ताक़त रूहानी छोड़ता हो

(1) नर ग्रहों (सूरज मंगल) के साथ या दृष्टि वग़ैरह से मिलने पर मामूली तांबा भी सोने का काम देगा।

म
बू वृ
नर गृह
बिग ग्रह

(2) स्त्री ग्रह (शुक्कर या चंद्र) के साथ या दृष्टि के ताल्लुक़ से मिट्टी से भरा हुआ पानी भी उत्तम दूध का काम देवे। वृ/च.शु

बृहस्पत के बग़ैर तमाम ग्रहों में मिलने जुलने की या दृष्टि की ताक़त पैदा न होगी।

(3) (i) पापी ग्रह (राहु, केतु, सनीचर) मन्दे होने पर बृहस्पत सोने की जगह पीतल मिट्टी हवा की जगह ज़हरीली गैस का मन्दा असर देगा।

(ii) बृहस्पत और राहु दोनों ख़ाना नम्बर 12 (आसमान) में इकट्ठे ही माने गए हैं। बृहस्पत दोनों जहां (ग़ैबी व ज़ाहिरा) का मालिक है जिसमें आने और जाने के लिए नीले रंग में राहु का आसमानी दरवाज़ा है। इसलिए जैसा ये दरवाज़ा होगा, वैसा ही हवा के आने जाने का हाल होगा। अगर राहु टेढ़ा चलने वाला हाथी, सांस को रोकने वाला कड़वा धुआं या ज़मीन को पाताल से भूंचाल बनकर हिलाता रहे तो बृहस्पत भला नहीं हो सकता लेकिन अगर राहु उत्तम और मददगार दरवाज़ा हो तो बृहस्पत कभी बुरा न होगा।

(4) हर तरह से अकेला बृहस्पत ख़्वाह वह दृष्टि वग़ैरह से कितना ही मन्दा होवे टेवे वाले पर कभी मन्दा असर न देगा।

(5) बरबाद हो चुका बृहस्पत आम असर के लिए ख़ाली बुध गिना जाएगा जिसका फ़ैसला बुध के

ख़्वाह-चाहे
ज़ाहिरा-स्पष्ट, बाहरी
ग़ैबी-दैवी ताकत
ताल्लुक़-संबंध

Astro Lucky

ज़ाती सुभाओ के उसूल पर होगा।

(6) दुश्मन ग्रहों (बुध-शुक्कर-राहु या सनीचर बहैसियत पापी ग्रह यानी जब सनीचर को राहु या केतु किसी तरह भी बरुए दृष्टि या साथ वग़ैरह से आ मिलते हों) के वक़्त मन्दा हो जाने की हालत में बृहस्पत अमूमन बुध का असर देगा और बृहस्पत का मन्दा असर क़ाबिले उपाओ होगा जिसके लिए साथी दुश्मन ग्रह का उपाओ मदद देगा।

(7) ग्रह मण्डल में सब ग्रहों में छेड़छाड़ करने कराने वाले दुनियावी पाप (सिर्फ़ दो ग्रह राहु-केतु का दूसरा नाम) को चलाने वाला बृहस्पत है। गोया राहु, केतु के पाप करने की शरारत से पहले बृहस्पत ख़ुद अपनी अश्या या कारोबार या रिश्तादार मुतअल्लिक़ा बृहस्पत के ज़रिये ख़बर दे देगा, जिसके लिए ख़याल रहे कि:-

असर जलता दो जहान का[1] चोर बनता 6 ता 11

ग्रहण[2], शत्रु[3], साथी जो मंगल टेवे ज़हरी[4] जो।

दूसरे ग्रहों को मदद

किस घर में बृहस्पत बैठा हो तो	किस ग्रह को मदद देगा
ख़ाना नम्बर 1 ता 5	सनीचर और सूरज दोनों को ही
6 ता 11	सिर्फ़ सनीचर को
12	सनीचर और सूरज दोनों ही को

[1] -दोनों ही (ज़ाहिरा व ग़ैबी) जहान या बृहस्पत के नेक व बुरे हर दो तरह के असरों की ताक़त।

[2] -सूरज ग्रहण-सूरज राहु मुश्तरका:- चंद्र ग्रहण-चंद्र केतु मुश्तरका

[3] -अलिफ़ बृहस्पत के दुश्मन ग्रह बुध शुक्कर-राहु या सनीचर बहैसियत पापी ग्रह।

(बे) ख़ाना नम्बर, 2-9-11-5 में बुध राहु, मुश्तरका या जुदा-जुदा हों तो बृहस्पत का असर मन्दा ही होगा।

[4] -मन्दा मंगल बद या मंगलीक जिसके लिए मंगल ख़ाना नम्बर 4 देखें।

सुभाओ-स्वभाव | बरुए-के हवाले से | मुश्तरका-मिले जुले
जुदा-जुदा-अलग अलग | ग़ैबी-देवी ताकत

Astro Lucky

आम हालत 12 ही घरों में

इल्म आयु घर पहले[1] सोना, गुरु जगत घर दूसरा[2] हो
शेर गर्जता तीसरे माना भला बैठा बुध जब तक हो
चौथे बिक्रमी[3] तख़्त बतीसी[4] पांच पूरण ब्रह्म होता हो
छठे मिले हर चीज़ जो मुफ़्ती दुखिया बेटे घर सात का हो
भाग उदय 8 उम्र हो लम्बी योगी 9 वें ख़ुद बनता हो
10 वें कमी धन, अक़्ल ख़्वाह कितनी धरम करम घर 11 हो
पाप हालत पर रात की निद्रा (राहु केतु) ग्रहस्थ सुखी घर 12 जो
काम छोड़े जब राम भरोसा शत्रु-वैरी सिर कटता है

1 -जब बृहस्पत जागता और क़ायम हो।

2 -जब तक नम्बर 8 ख़ाली बृहस्पत का रूहानी असर उत्तम होगा।

3 -राजा बिक्रमाजीत जिस के नाम पर ज्योतिष का संवत् जारी है।

4 -32 परियों के कन्धों पर उड़ता रहने वाला तख़्त।

इल्म-विद्या तख़्त-सिंहासन ख़्वाह-चाहे क़ायम-स्थापित

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर 15

बृहस्पत का ख़ाना नम्बर 2 होगा।	धरम अस्थान	वह जगह जहां धरम के कारोबार पूजा-उपदेश हो
बृहस्पत का ख़ाना नम्बर 11 होगा	बृहस्पत के धरम दरबार लगाने और खुद बृहस्पत बहैसियत मुन्सिफ इन्साफ़ करने के लिए बैठने की जगह	धरम अदालत-अलंकारी आवाज़ का दरबार
बृहस्पत का ख़ाना नम्बर 12 होगा	बृहस्पत का समाधि लगाने की जगह	ग़ैबी ख़याल पर परलोक की हवा
बृहस्पत का ख़ाना नं. 5 होगा	औलाद के ख़ून में धरम और सोने का जुज़ पैदा करने वाला गृहस्थी परिवार का मालिक	
बृहस्पत का ख़ाना नम्बर 9 होगा	बुजुर्गों की तरफ़ से धरम मर्यादा की हवा या ख़ानदानी ख़ून में दोनों जहान के धरम की नाली या बुजुर्गों की हैसियत सोने की कान के मानिन्द करने की ताक़त का मालिक ग्रह-असल सुनहरी ख़ून और सोने की तै ज़मीन बुजुर्गों की हालत मानिन्द सोने का देवता।	

(1) टेवे वाले की अपनी जान ज़ाती जिस्म और खुद इसके अपने लिए उत्तम क़ुदरत से साथ लाई हुए क़िस्मत का भेद हक़ीक़ी या ग़ैर हक़ीक़ी मुहब्बत की ताक़त, अपने खुद ज़ाती जिस्म के अन्दर-अन्दर की ताक़तें और इस जहान (ज़ाहिरा दुनिया) से मुतअल्लिक़ा अन्दरुनी ताक़त की बरकत देगा।	बृहस्पत जब बैठा हुआ हो, बन्द मुट्ठी के घरों यानी 1-7-4-10 में
बृहस्पत मानिन्द सोना उत्तम मददगार आराम देने वाला उम्दा हालत	ख़ाना नम्बर 1 ता 5 और 12 में
बृहस्पत मानिन्द लोहा निर्धन ज़हरीला दुखिया करने वाला मन्दी हालत	6 ता 11 में
(2) बैरूनी चाल-दूसरों से बरताओ-अपने जनम से पहले अपने लिए पहले भेजे हुए ख़ज़ाना का भेद, अगले जहान में साथ ले जाने की चीज़ के हासिल करने की ताक़त के ताल्लुक़ में क़ुदरत का करिश्मा (चमक जो फ़ौरन ही रास्ता बनावें)	कुण्डली के त्रिकोण के घरों यानी 3-5-9-11 में हो
(3) माली हालत के ताल्लुक़ में अमूमन हलका (मन्दा) ही असर देगा मगर रूहानी हालत में उत्तम और जागती हुई क़िस्मत का मालिक होगा और हर दो जहान मुश्तरका और ख़ासकर जनम से मरने तक हर जगह दरमियानी हालत।	ग़ैबी या ज़ाहिरा दरवाज़ों यानी 2-8-12 में

धरम-धर्म
बैरूनी-बाहर वाला विदेशी
मुनासिब-उचित
मानिन्द-तुल्य
हक़ीक़ी-असली
ताल्लुक़-संबंध

Astro Lucky

फ़रमान नम्बर 15

(4) ज़माना की उलझनें जकड़े आम साधारण साधु की तरह क़िस्मत के चक्कर में घूमते हुए गृहणी की तरह सांस लेता होगा।	पाताल यानी ख़ाना नम्बर 6 में हो।
(5) बृहस्पत ज़ाहिरा व ग़ैबी दुनिया-अन्दरुनी व बैरुनी हालत हक़ीक़ी व गैर हक़ीक़ी हर दो मुहब्बत-जिस्मानी व रूहानी ताक़त इन्सान को खुद अपनी ज़ाती क़िस्मत और दूसरों की मदद की हिम्मत में बरकत देगा और हर तरह का आराम बग़ैर कोशिश मिलता जाएगा।	जनम ख़्वाह बर्ष कुण्डली में जब राहु कुण्डली में उत्तम, ऊंच या बृहस्पत से पहले घरों (1 ता 6 मय 8 ख़ासकर 3-6) में हो और बृहस्पत के दोस्त ग्रह व (सूरज चंद्र-मंगल) उत्तम असर के हों।
(6) गुज़रे हुए हालात (ज़माना माज़ी) पोशीदा और हवाई मदद और माद्दा से बनी हुई चीज़ों (चंद्र से मुतअल्लिक़ा) का उत्तम असर होगा।	जब चंद्र नेक हो।
(7) आने वाले वाक़िआत (ज़माना मुस्तक़बिल) राजा व रैय्यत की मदद, खुद अपना और आल औलाद का उत्तम असर होगा।	जब सूरज नेक हो।
(8) गुज़रते हुए वाक़िआत (ज़माना हाल) अपने व बेगाने तमाम मुतअल्लिक़ा दुनिया के यार दोस्त भाई बन्दों की मदद का उत्तम असर होगा।	जब मंगल नेक हो।
(9) बृहस्पत अब दुनियावी मालोज़र मुतअल्लिक़ा में न सिर्फ़ सोने के नुक़सान के वाक़िआत देने वाला साधु बनकर चोर का काम करेगा। बल्कि इन्सानी रास्ता में उलझन और या मुखालिफ़ हवा की तरह मन्दा असर देगा और सनीचर का मन्दा असर ऐसे वक़्त से पहले निशानी होगी।	जब टेवे में मंगल बुरा यानी सूरज सनीचर मुश्तरका या वैसे ही मंगल बद हो जिसके लिए मुफ़स्सिल मंगल नम्बर 4 देखें और बृहस्पति ख़ाना नम्बर 6 ता 11 में हो
बृहस्पत अब सिर्फ़ एक जहां का मालिक होगा	सूरज चंद्र मंगल के अलावा किसी भी और ग्रह का साथ होवे।

माज़ी-भूतकाल, बीता हुआ समय
मुफ़स्सिल-विस्तार पूर्वक
मुख़ालिफ़-विरोधी, प्रतिकूल विरोध करने वाला
वाक़िआत-घटना, हाल
सिर्फ़-केवल

Astro Lucky

(10) न सिर्फ़ बृहस्पत का अपना मंदा और मायूस करने वाला असर होगा बल्कि दृष्टि के ढंग पर जिस ग्रह व घर से ताल्लुक़ हो वहां भी मायूसी और बेउम्मीदी की लानत से भरी हुई और दम घुटने वाला आंधी का ज़ोर कर देगा, जिस तरह सूरज ग्रहण के वक़्त रोशनी तो होती है मगर धूप में गर्मी नहीं होती हूबहू उसके हर काम में बृहस्पत की बर्फ़ानी हवा से ग्रहण की हालत होगी और क़िस्मत हर कारोबार में उम्दा और नेक चमक की जगह स्याही और मन्दभागी दिखालाती होगी।	जब टेवे में सूरज ग्रहण (सूरज राहु मुश्तरका) या चंद्र ग्रहण (चंद्र केतु इकट्ठे) हों।
मुआविन उम्र व ग़ैबी मदद रेखा के उत्तम फल होंगे	मंगल सनीचर या मंगल चंद्र देखते हों बृहस्पत को क़ियाफ़ा उम्र रेखा के साथ-साथ एक और उम्र रेखा होगी।

सनीचर से ताल्लुक

(11) सनीचर नम्बर 1-और-बृहस्पत नम्बर 6-7 बृहस्पत नम्बर 1-और सनीचर नम्बर 3-6-9	धन रेखा होगी जो टेवे वाले की शादी के दिन से और आगे बढ़ना शुरु करे जब तक कि बमूजिब बर्षफल दोबारा दोनों में से कोई एक या दोनों नीच न हों यानी सनीचर नम्बर 1 और बृहस्पति नम्बर 10 न आ जावे
जब सनीचर बृहस्पत को देखे किसी और ग्रह के साथ मगर	मन्दे असर के वक़्त सनीचर की अश्या धरम अस्थान में देवें।

बृहस्पत और सनीचर दोनों अलाहदा अलाहदा या हर दो अकेले-अकेले ही टेवे में बैठे हों तो किस घर में सनीचर बैठा हो तो किस घर में बैठा हुआ बृहस्पत मन्दा असर देगा हालांकि दोनों ग्रह बाहम बराबर हैं

1----------7
2----------8-12
3----------5-9-11
4----------2-8-10-11
10----------2-3-4-5

ख़ाना नम्बर 5 ता 9 व 11-12 में अकेला सनीचर बैठा होने के वक़्त टेवे में अकेला ही बैठा हुआ बृहस्पत कभी बुरा असर न देगा। ख़्वाह कहीं ही और कैसा ही बैठा हो।

मुआविन-सहायक, मददगार
बेउम्मीदी-जिसकी आशा न हो
हुबहू-बिल्कुल
अस्थान-स्थान
क़ियाफ़ा-सामुद्रिक शास्त्र

Astro Lucky

बृहस्पत अगर हवा मुक़र्रर हुआ तो सनीचर को पहाड़ गिनेंगे। मानसून या बुखारता से लदी हुई हवा जब कभी भी पहाड़ से टकराएगी कारआमद और मुफ़ीद बारिश देगी। लेकिन अगर किसी दूसरी वजह से ऐसी हवा उलट-चल पड़े तो न सिर्फ़ सनीचर के मकान बिकवा देगी बल्कि सनीचर के पहाड़ों को बारीक मिट्टी की तरह पीस कर उनके ज़र्रे ज़र्रे उड़ा देगी जिस की वजह अमूमन शुक्कर ज़माना की मिट्टी (स्त्री ज़ात या दीगर मुर्दा माया) बुध (वादा फ़रामोशी) या राहु की अंगुश्त बाज़ी (खुफ़िया शरारत की आदत) होगी

ख़ाना नम्बर 1-6 में सनीचर होने के वक़्त बृहस्पत का असर अमूमन मन्दा ही होगा।

ख़ाना नम्बर 6 में सनीचर का ज़ाती असर हमेशा शक्की (अच्छा भी बुरा भी) हो सकता है। मगर सनीचर नम्बर 6 के वक़्त बृहस्पत का ज़रूर मंदा होगा। मंदी निशानी के वक़्त चलते पानी में सनीचर के ग्रह की मुतअल्लिक़ा अश्या नारियल या बादाम वग़ैरह बहाना मुबारक होगा।

सनीचर पहले घरों में और बृहस्पत बाद के घरों में हो तो बारिश से लदी हुई हवा सनीचर वाले घर से निकलकर ख़ाली चली जाएगी लेकिन अगर बृहस्पत पहले घरों में हो तो सनीचर वाले घर पर क़ीमती बारिश देगी क्योंकि सनीचर को पहाड़ माना है जिससे वह हवा टकरा जाएगी यानी सनीचर बैठा होने वाले घर पर बृहस्पत का भी नेक असर शामिल हो जाएगा।

बृहस्पत देखता हो-सनीचर को

50 फ़ीसदी पर यानी 5 में बृहस्पत हो और ख़ाना नम्बर 9 में सनीचर हो या 3 बृहस्पत और 9-11 सनीचर हो तो तिलिस्मात और जादूगरी का मालिक होगा।

25 फ़ीसदी में यानी 2 बृहस्पत हो और 6 में सनीचर हो
25 फ़ीसदी में यानी 8 बृहस्पत हो और 12 में सनीचर हो } योग अभ्यास का मालिक हो

सनीचर देखता हो बृहस्पत[2] को-तो

उम्र शनि[1] में पिता पर भारी
चश्मा चंद्र धन हर दम जारी

मकान शनि जब बनता हो
ज़मीन चंद्र ज़र रखता जो

[1] 1 हो ख़ाना नम्बर 2 या 5-दूसरा होवे 9 ता 12

मुफ़ीद-उपयोगी हितकर
तिलिस्मात-मांया जाल
अंगुश्त-उंगली, अंगुली
यानी-मतलब यह कि अर्थात
बुख़ारता-बहुत भाप
फ़रामोशी-भूल, भूलने का भाव

Astro Lucky

कुदरती तौर पर जिस्मानी कमज़ोरी और धन-दौलत हलका ही होगा और सनीचर के वक़्त 36-18-9 साला उम्र के बृहस्पत (पिता या बाबा गुरु-बुजुर्ग) की उम्र तक मन्दा होगा जिसका सबूत इसके मकान में लोहे का ताला (मकान बन्द पड़ा रहना) मन्दभागी का अलारम होगा।

केतु से ताल्लुक

जब बृहस्पत और केतु दोनों अलाहदा अलाहदा हों-

केतु पहले घरों में हो और बृहस्पत बाद के घरों में हो } बृहस्पत का फल मन्दा होगा।

बृहस्पत पहले घरों में हो और केतु बाद के घरों में हो } दोनों की बजाए चंद्र का फल रद्दी होगा।

बुध से ताल्लुक

बृहस्पत के साथ या बृहस्पत की दृष्टि में बुध हो तो बृहस्पत का ही नाश होगा मगर ख़ाना नम्बर 2-4 में बुध अकेला या बृहस्पत बुध मुश्तरका होने के वक़्त बुध दुश्मनी के बजाए हमेशा नेक असर देगा। ख़ासकर माली हालत में कभी मन्दा असर न होने देगा।

अगर बृहस्पत कुण्डली के पहले घरों (यानी 1 ता 6) में हो कुण्डली के बाद के घरों (यानी 7 ता 12) में हो } तो बृहस्पत का 34 साला उम्र तक अच्छा फल और बुध और बुध का 35वें साल से मन्दा असर शुरू होगा

अगर बुध कुण्डली के पहले घरों (1 ता 6) में हो और बृहस्पत कुण्डली के बाद के घरों (7 ता 12) में हो } तो बुध का 34 साला उम्र तक अच्छा फल और बृहस्पत का 34 साला उम्र तक मन्दा फल

35 वें साल से बुध का निकम्मा फल शुरु होगा। 35 वें साल बृहस्पत का अच्छा फल शुरु होगा, ग़र्ज़ेकि बृहस्पत और बुध किसी तरह भी बाहम देख रहे हो तो बृहस्पत का असर मन्दा ही होगा। बल्कि बृहस्पत को बुध फ़ौरन अपने दायरा में बांध लेगा। ऐसी हालत में बृहस्पत का बिगड़ा हुआ असर मन्दरजा ज़ैल हालत पैदा होने पर ठीक होगा।

जब (i) बृहस्पत अपनी चाल के हिसाब से या सूरज के घर (खाना नम्बर-5) के घरों (यानी ख़ाना नम्बर 10-11) में आ निकले या जब (ii) $\frac{\text{सनीचर}}{\text{सूरज}}$ में से कोई भी बमूजिब बर्षफल बृहस्पत के घरों (यानी ख़ाना नम्बर 2-5-9-12) में आ निकले या

(बमूजिब बर्षफल) सनीचर

ताल्लुक़-संबंध अलाहदा अलाहदा- अलग अलग मुश्तरका-मिले जुले बमूजिब-अनुसार

Astro Lucky

जब (iii) सनीचर ख़ाना नम्बर 5 में आ जावे और सूरज ख़ाना नम्बर 2-5-9-12 में हो जावे ऊपर कही हुई सब हालतों के वक़्त अगर सूरज या चंद्र या सनीचर में से कोई भी नेक होवे तो बृहस्पत का असर नेक होगा, वरना फोकी और तबाह करने वाली कहानियों में रात गुज़ारता होगा।

बृहस्पत का असर लगन के घर या ख़ाना नम्बर-1 में

राजगुरु

इल्म राज तेरा ख़जाने की चाबी
फ़क़ीरी मुकम्मल या देगा नवाबी

एक वक़्त ही[1] पे पैदा — हुए थे दो[2] बिरादर
एक शाह ताजोर है — दूजा गदा[3] बना है
इल्म बी. ए. या डिग्री कोई — लम्बी उम्र धन-क़ुदरती हो
सराप देवे ऋण[4] पितृ टेवे — बी.ए. पढ़ा न कुल कोई हो
केतु चंद्र बुध उम्दा[5] होते — पीरी राजा सन्यासी हो
रवि शनि 8-11[6][7][8] मन्दे — गुरु हुआ तब मिट्टी हो।

[1] ख़्वाह एक ही माता से मगर एक ही वक़्त में ख़्वाह दो माताओं से मगर एक ही वक़्त में ख़्वाह एक राजा के यहां दूसरा ग़रीब के घर [2] बिरादर के मायनी भाई

[3] गदा के मायनी फ़क़ीर

[4] ख़ाना नम्बर 2-5-9-12 में बुध, शुक्कर, राहु या सनीचर बहैसियत पापी ग्रह [5] केतु उम्दा से 16 ता 75 साला उम्र सुखिया अज़ तरफ़ औलाद। चंद्र से आख़री उम्र-बुधसे राजा [6] सूरज या सनीचर ख़ुद मन्दे या ऐसे घरों जहां कि इनका असर मन्दा गिना गया [7] नम्बर 8 दूसरों के ताल्लुक में [8] अपनी क़िस्मत के ताल्लुक में

फ़क़ीरी-साधुता
आख़री-अन्त में

ख़्वाह-चाहे
मुकम्मल-पूरी तरह से

सराप-श्राप

Astro Lucky

हस्तरेखा

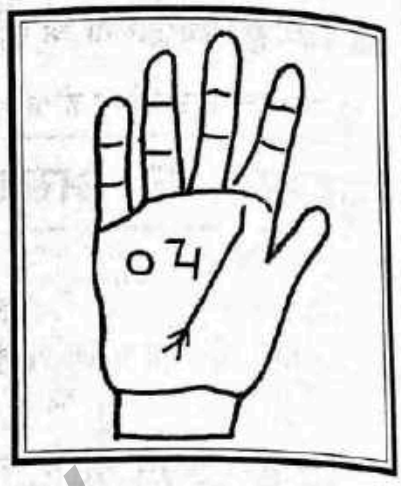

क़िस्मत रेखा की जड़ पर चहार शाख़ा ख़त हो। सूरज के बुर्ज पर बतरफ़ बुध एक चक्कर हो बृहस्पत का ख़ास अपना निशान 4 या दोनों हाथों को इकट्ठा गिनकर उंगलियों पर तादाद में सिर्फ़ एक शंख या एक चक्कर या एक सीधा ख़त बृहस्पत के अपने बुर्ज पर पाया जावे।

नेक हालत

(नामवर राजा)

(1) ज़ाती क़िस्मत अपनी दिमाग़ी ताक़त के इस्तेमाल या राजदरबारी लोगों की दोस्ती से बढ़ेगी। बृहस्पत की अश्या-रिश्तादार या कारोबार मुतअल्लिक़ा बृहस्पति के ताल्लुक में नसीबा की मदद और ऊंच नीच ख़ाना नम्बर 11 और ग़ैबी व धार्मिक भेद और दूसरे जहां का आम दुनियावी ताल्लुक ख़ाना नम्बर 8 में बैठे हुए ग्रहों की हालत पर होगा। क़ियाफ़ा (पेशानी से फ़ैसला होगा।)

(मुफ़स्सिल पक्का घर ख़ाना नम्बर 11 में देखो)

(2) कुण्डली का ख़ाना नम्बर 1 मनुष्य और माया के मिलाप की जगह और वक़्त की हुकूमत के। मालिक ग्रह का तख़्त माना गया है। जो सिर्फ़ एक ही जहां की मालकियत है मगर राजगुरु बृहस्पत ख़ुद सोने का दाता फ़क़ीर कामिल और दोनों जहां का मालिक है इसलिए वह ऐसी बादशाहत के तख़्त की बंदिश और दुनियावी क़ैद में कम ही आएगा। लेकिन जब बमूजिब जनम कुण्डली वह ख़ाना नम्बर 1 में ही आ जावे तो ख़्वाह तालीम पूरे दर्जे की मुकम्मल हो या न हो मगर दौलत मन्द ज़रूर होगा और टेवे वाले की धरम मूरत माता शिवजी महाराज की तरह अपनी दयालता से उसे हर दम तारती-बुलंद करती और ख़ुद टेवे वाले की कम अज़ कम 51 साला उम्र तक अमूमन साथ देगी। चंद्र की अश्या कारोबार या रिश्तेदार।

चहार-चार की संख्या
अमूमन-आमतौर से
बतरफ़-की ओर
बमूजिब-अनुसार
बंदिश-रोक रूकावट

Astro Lucky

मुतअल्लिक़ा चंद्र (जिसके लिए देखो फ़ेहरिस्त जुदी जगह) मदद पर होंगे औलाद नरीना केतु की अश्या कारोबार या रिश्तादार मुतअल्लिक़ा केतु (जिसके लिए देखो फ़ेहरिस्त जुदी जगह) का फल उत्तम, स्त्री भाग शुक्कर की अश्या कारोबार या रिश्तादार मुतअल्लिक़ा शुक्कर (जिसके लिए देखो फ़ेहरिस्त जुदी जगह) अपने लिए नेक राजदरबार और अदालती मुकद्मे या लड़ाई झगड़े-सूरज की अश्या कारोबार या रिश्तादार मुतअल्लिक़ा सूरज (जिसके लिए देखो फ़ेहरिस्त जुदी जगह) के नेक नतीजे-सेहत उम्दा और-अपना जिस्म हमेशा तदुंरुस्त होगा जायदाद, मकान, सनीचर की अश्या कारोबार या रिश्तेदार मुतअल्लिक़ा सनीचर (जिसके लिए देखो फ़ेहरिस्त जुदी जगह) आंख की। बीनाई कभी निकम्मी या शक्की न होगी। गो तबीयत में शेर की तरह ग़ुस्सा ज़्यादा होगा मगर वह एक साफ़ दिल नेक तबीयत और संजीदा आदमी होगा-जिसमें चालाकी को फ़ौरन समझने और रोकने की हिम्मत होगी, दुश्मन गो ज़्यादा और मुकाबले की ताक़त में बेशक दर्जा ख़ुदाई के मालिक मगर ग्रह चाली शेर ख़ुद बृहस्पत नम्बर-1 शरीर और ख़ाना नम्बर 1 का मालिक ग्रह मंगल आम शेर। डर से वह दबे हुए और ज़ेर ही होंगे, और आख़ीर पर टैवे वाले की ही फ़तह होती होगी। औलाद की उम्रों में (एक बच्चे के बाद दूसरे की उम्र का फ़र्क़) 8 बर्ष से ज़्यादा फ़र्क़ न होगा। और जब कभी यह फ़र्क़ 8 बर्ष से ज़्यादा हो जावे आगे और-औलाद न होगी। उम्र का हर आठवां साल तरक़्क़ी का न होगा, अगर होता तो उसका बचन या आशीर्बाद हमेशा पूरा होगा, मगर दूसरों के लिए सराप बद या बददुआ से ख़ुद उसका अपना आप ही तबाह होगा।

3-इसकी राज विद्या (सरकारी इल्म) कम अज़ कम बी.ए.। या कोई न कोई डिग्री ज़रूर होगी मगर दौलत मन्द होने की कोई शर्त नहीं मगर यह मायनी नहीं कि वह दौलतमन्द होगा ही नहीं फ़ैसला सनीचर की हालत पर होगा।	अगर ख़ाना नम्बर 7 में कोई न कोई ग्रह(ख़्वाह दोस्त ख़्वाह दुश्मन) ज़रूर हों और नम्बर 1 में बृहस्पत के दुश्मन न हों क़ियाफ़ा:- उंगलियों की पोरियों पर 2 सदफ़ हों
4-ऐसा शख़्स कई-तरह के पूरे और मुकम्मल इल्मों से भरपूर	ऊपर की ग्रह चाल के साथ ही जब

नरीना-नर
क़ियाफ़ा-सामुद्रिक शास्त्र
शख़्स-इन्सान
मुतअल्लिक़ा-संबंधित
ख़्वाह-चाहे

Astro Lucky

और मानिन्द राजा या आला हाकिम होगा।	टेवे में बुध भी उम्दा हो। **क़ियाफ़ा:**-उंगलियों की पोरियों पर एक चक्कर हो।
(5) बृहस्पत की उम्र (16-8-4 साला) से वाल्दैन को सुख के सांस की मदद और हर तरह से बुलंद करना शुरु करेगा। जिसके साथ ही खुद उसका ज़ाती 75 साला उम्र तक सुखिया हिस्सा शामिल होगा।	जब केतु उम्दा हो **क़ियाफ़ा :-** उंगलियों की पोरियों पर सिर्फ़ एक संख हो
(6) जूं-जूं उम्र बढ़े सुख बढ़ता जावे और नेक और उत्तम हालात बुलन्द हों। राजा या आला हाकिम होते हुए भी आख़री अवस्था (पीरी या बुढ़ापे) में लोगों के फ़ायदे के लिए बतौर संन्यासी ज़िन्दगी बसर करे या करनी पड़े जिसका नतीजा उत्तम होगा।	जब चंद्र उम्दा हो।
(7) (i) क़ुदरती तौर पर बुज़ुर्गों की तरफ़ से उसे जायदादी हक़ या विरसा में सोना मिलेगा (ii) ज़ाती कमाई से ज़रो माल की ज़्यादती और बरकत होगी। स्त्री पूजन (शुक्कर की हर दो हक़ीक़ी व ग़ैर हक़ीक़ी मुहब्बत) ख़ूबसूरत मिट्टी या औरत की पालना	ख़ाना नम्बर-1-2-5-9-11-12 में बृहस्पत के दुश्मन न हों और साथ ही (i) जब ख़ाना नम्बर 7 उत्तम हो। (ii) जब ख़ाना नम्बर11 उत्तम हो।
या गाय सेवा फ़ालतू धन की बुनियाद होगी। (8) वह शादी के दिन से या शुक्कर की अश्या कारोबार या रिश्तादार मुतअल्लिक़ा	जब ख़ाना नम्बर 7 ख़ाली हो।

शुक्कर-को क़ायमे, तुल्य
अश्या-चीजे
क़ियाफ़ा-सामुद्रिक शास्त्र
मुतअल्लिक़ा-संबंधित
हक़ीक़ी-वास्तविक, सच्चा

Astro Lucky

करने के रोज़ से बुलन्द इक़बाल होगा। 28 साला उम्र से पहले या 24 वें या 27 वें साल ख़ुद अपनी शादी या अपने हक़ीक़ी ख़ून से किसी रिश्तेदार की शादी या ख़ुद अपनी कमाई से नया मकान बनाए या नर औलाद पैदा हो जाए तो वालिद की उम्र पर भारी होगा। मिट्टी में मंगल की अश्या दबाना मददगार होगा।	जब ख़ाना नम्बर 7 ख़ाली हो।
9-उसका राजदरबार का कमाया हुआ धन (मामूली तांबे का पैसा) उसे सोने की क़ीमत और हर तरह की बरकत देगा।	जब ख़ाना नम्बर 1-2-4 में सूरज चंद्र या मंगल हो।
10-गुरु पहले हो-मंगल 7 वें ठाठ लम्बी जागीरों का शर्त बृहस्पत पूरी करता ख़ून शाही या वज़ीरों का यही शर्त ख़ानदानी कुल पुरोहित पर भी आयद हो सकती है। यानी इसका कुल-पुरोहित या बाप, बाबा भी लम्बी जागीरों का मालिक और शाही ख़ानदान से मुतअल्लिक़ा होगा।	मंगल ख़ाना नम्बर 7
11-मामूं की उम्र छोटी हो तो बेशक (जो ज़रूरी नहीं कि छोटी ही हो) मगर, ख़ुद अपनी उम्र तो ज़रूर लम्बी होगी-जो कम अज़ कम 75 साल तो ज़रूर हो उससे ज़्यादा बेशक कितनी हो जावे।	जब ख़ाना नम्बर 2-3-4-8 सब ही उम्दा हों।

इक़बाल-तेज, प्रताप हक़ीक़ी-सच्चा अश्या-चीजे
बेशक-निःसंदेह, निःशक यक़ीनन

Astro Lucky

12-ऐसे टेवे वाले की उम्र उसकी अपनी ख़्वाहिश के मुताबिक़ लम्बी दर लम्बी होगी बल्कि उसके ख़ानदान में ही यह क़ुदरती रियायत आम होगी

जब सूरज नम्बर 9 में हो

क़ियाफ़ा:-

क़िस्मत रेखा की जड़ पर चहार शाख़ा ख़त हो।

मन्दी हालत

(फ़क़ीर बा कमाल मगर निर्धन)

जर्द पीली[P1] गैस और ज़माना की मन्दी[P2] हवा-पितृ ऋण[P3] दुश्मन ग्रहों[P4] की ज़हर और-क़िस्मत की सख़्त कड़ी आग[P5] का चक्कर[P6] अगर बृहस्पत के सोने को पिघला भी देवे यानी अगर बृहस्पत का असर मन्दा हो ही जावे-तो भी वह अपने पहले दौरा (उम्र का 35 साला चक्कर) में नहीं तो दूसरे चक्कर में तो ज़रूर जो 49 साला उम्र से जारी होगा। अपनी सब पिछली कमी पूरी कर देगा, बशर्ते कि ऐसा इन्सान ख़ैरात के लिए किसी दूसरे के सामने अपना हाथ न फैलाए और खुद अपनी क़िस्मत पर ही साबिर और शाकिर हो। ऐसी ग्रह चाल के वक़्त वह शख़्स।

(i) अनपढ़ (जो पढ़ा हुआ न हो) मगर फ़क़ीर साहिब कमाल होगा।

जब बुध मन्दा, चंद्र बृहस्पत के घरों (2-5 9-12) में ज़हर हो यानी बाहम दुश्मन या बृहस्पत के दुश्मन ग्रह हों।

P1 P2 } बृहस्पत की अश्या P3 P4 } नम्बर 2-5-9-12 में बुध शुक्कर-राहु या सनीचर बहैसियत पापी ग्रह

P5 मन्दा सूरज

P6 मन्दा बुध

ख़्वाहिश-इच्छा
क़ियाफ़ा-सामुद्रिक शास्त्र
बाकमाल-कमाल का
ख़ैरात-दान

Astro Lucky

(2) ख़ुद उसने बल्कि उसके कुल ख़ानदान में किसी ने भी बी.ए. पास न किया होगा और न ही कोई डिग्री हासिल की होगी।	जब टेवे में ऋण पितृ (2-5-9-12 में बृहस्पत के दुश्मन ग्रह)
(3) 8 ता 12 साल उम्र में दूसरों की शरारतों या राहु की अश्या कारोबार या रिश्तेदार मुतअल्लिक़ा राहु से ख़ालिस सोने की क़िस्मत वाला घर नीले रंग ज़ंगार से मारे हुए पीतल की क़ीमत का हो जावे। क़िस्मत की मन्दी हवा में हर तरफ़ कड़वा धुआं भरता होगा।	जब 2-5-9-12 में या बृहस्पत के साथ राहु बैठा हो।
(4) 13 ता 15 साला उम्र में मामूली मिट्टी की औरत या शुक्कर की अश्या कारोबार या रिश्तेदार मुतअल्लिक़ा शुक्कर दमकते हुए सोने से भरा हुआ घर ख़ाक या सोने की मिट्टी कर देंगें। क़िस्मत के मैदान में मिट्टी भरी आन्धी से स्याह रात हो रही होगी।	जब बृहस्पत के साथ या 2-5-9-12 में शुक्कर बैठा हो।
(5) 16 ता 19 साला हद 21 साला उम्र में बुध की अश्या कारोबार या रिश्तेदार मुतअल्लिक़ा बुध नाहक़ धन-हानि का बहाना होंगे। क़िस्मत जलती हुई रेत की तरह माल व धन के ताल्लुक़ में हर तरफ़ वीराना करती होगी।	जब बृहस्पत के साथ या 2-5-9-12 में बुध बैठा हो।
(6) 36 साला उम्र के बाद (अमूमन 42 साला उम्र से) सनीचर की अश्या कारोबार या रिश्तेदार मुतअल्लिक़ा सनीचर हर तरफ़ पाप भरी कारवाइयां और बुरे कामों के ज़ोर से मंदी सेहत के वक़्त पेशाब और पाख़ाना की नाली तक दुखिया करे क़िस्मत की हवा ज़हरीले माद्दे से भरी हुई अचानक दम के दम में ख़ून करती जावे या नाहक़ वहशत अंगेज़ (खौफ़नाक) वाक़िआत होवें।	जब बृहस्पत के साथ या 2-5-9-12 में सनीचर बहैसियत पापी ग्रह बैठा हो।
(7) अपने बनाए हुए निहायत ऊंचे महल माड़ियां गहनाकारों	जब सनीचर नम्बर 5 में हो।

मुतअल्लिक़ा-संबंधित स्याह-काला अश्या-चीज़े
वाक़िआत-घटनाएं नाहक़-अकारण

Astro Lucky

के लिए बनाई हुई सख़्त जेलों से ज़्यादा दुख का सबब होवे (अपनी औलाद और सेहत के ताल्लुक़ में)	जब सनीचर नम्बर 5 में हो (जारी)
(8) अपनी सेहत मन्दी ही होगी	जब सनीचर नम्बर 9 में हो
(9) खुद अपनी औलाद दुखिया या अपने लिए (वाल्दैन के लिए) मन्दी ही होगी।	जब सनीचर मन्दा या मन्दे घरों में हो (यानी या तो सनीचर के साथ इसके दुश्मन ग्रह सूरज या चंद्र या मंगल हो या सनीचर हो ही ऐसे घरों में जहां कि उसका असर मन्दा गिना गया है
(10) पिता से जुदा होकर या जुदाई पाकर (ख़्वाह किसी भी तरह या वजह से हो) अलाहदा दूसरी जगह खुद कारोबार करता और ज़ाती कमाई से घर का बोझ संभाल रहा होगा।	जब 18 ता 27 साला उम्र में बमूजिब बर्षफल जनम कुण्डली का मन्दा सनीचर (अच्छा सनीचर नहीं) ख़ाना नम्बर 7 में आ जावे।

जनम कुण्डली के किस घर का सनीचर हो	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
तो वह किस साल नम्बर 7 में आएगा।	19	20	24	22	23	26	25	27	A	A	21	18

A ख़ाना नम्बर 9-10 का सनीचर 18 ता 27 साला उम्र में कभी ख़ाना नम्बर 7 में नहीं आया करता बल्कि हमेशा उत्तम असर दिया करता है।

(ii) मुक़द्मात दीवानी या दुनिया के दूसरे साथियों से नाजायज़ उलझन के बहाना से धन हानि आम होगी। मुकद्मों या उलझनों के फ़ैसले बेशक उसके अपने ही हक़ में क्यों न हों। ज़ाती कमाई और खुद अपनी क़िस्मत और दुनियावी कारोबार	जब सूरज नम्बर 11 में सोया हुआ होवे या मन्दा सूरज

सबब-कारण
ख़्वाह-चाहे
वाल्दैन-माता पिता
मुक़दमात-मुकदमें
अलाहदा-अलग

Astro Lucky

की हिम्मत के ताल्लुक़ में बृहस्पत अब सोना बख़्शने की जगह उसकी रही सही मिट्टी तक भी उड़ाता जाएगा।	या सूरज बुध मुश्तरका मगर मन्दे घरों में हो।
12- निन्दक (हर एक की बुराई या बदख़ोई करने वाला) और दूसरों को सराप (बददुआ आशीर्बाद की जगह बुरे लफ़्ज़) देने वाला होगा। जिसकी खुद अपनी क़िस्मत की मन्दी हवा उसके सब गृहस्ती असर को ज़हरीला करती जाएगी। ऐसी हालत में छोटी उम्र की शादी (ज़्यादा से ज़्यादा 22 साल उम्र से पहले पहले) मुबारक असर पैदा करेगी। वरना खुद बखुद जागा हुआ बृहस्पत 24 वें साल मन्दा असर देगा। बृहस्पत के मन्दे असर के वक़्त मंगल की अश्या कारोबार या रिश्तेदार मुतअल्लिक़ा मंगल की मदद कारामद होगी।	जब बृहस्पत सोया हुआ (यानी ख़ाना नम्बर 7 ख़ाली) हो या ख़ाना नम्बर 8-11 में उसके दुश्मन (बुध शुक्कर राहु या सनीचर पापी) हों
पिता की मौत बज़रिया दमा या दिल फ़ेल होने पर अचानक राहु की उम्र में हो या उसकी आंखों में सदमा हो जावे-या दिमाग़ी ख़राबियां पैदा हों या टांगों की बीमारियां ख़ासकर लरज़ा (कांपना) झोला (हिलते रहना) या सूख जाना वग़ैरह भी हो सकता है।	राहु नम्बर 8-11

बख़्शने-देना आशीर्बाद-आशीर्वाद बज़रिया-माध्यम से लरज़ा-कांपना

Astro Lucky

बृहस्पत ख़ाना नम्बर-2 जगत का धरम गुरु और इल्म व तालीम का मालिक

ज़र व माया गो
मगर[1] सेवा उत्तम
राजा जनक की साधु[2] अवस्था
मन्दा ग्रह जब[5] ही कोई बैठा
चार मन्दा 5-10 ता 12
काम सोना खुद मिट्टी देगा
शुक्कर रद्दी या हो शनि 10 वें
कोई बैठे 8-10 ता 12[6]

दान से तेरा बढ़ता
मुसाफ़िर जो करता
दानी[3] गुरु ज़र माया हो
ज़ेर[4] हुक्म गुरू साया हो
रद्दी रवि ख़्वाह केतु हो
मिट्टी देती ज़र सोना हो
रात दुखी मंद औरत हो
सुखिया बच्चों ज़र दौलत हो

यह बृहस्पत का असली मुक़ाम है। चंद्र ऊंच करता है जो बृहस्पत का दोस्त है। इस राशि को नीच करने वाला कोई ग्रह नहीं। बृहस्पत को इसलिए गुरु या सबका उस्ताद माना है और सामुद्रिक में सब ग्रहों से दर्जा अव्वल या असर करने की चाल में नम्बर 1 पर माना है यही घर बृहस्पत को कुण्डली में दौलत वह इज़्ज़त का मिला है। बैल पर साधु की सवारी शिवजी बैल पर सवार लेंगे। इस घर को सब घरों ने इज़्ज़त से देखा है और इस घर में सिर्फ़ वह गुरु को ही बैठाएंगे

हस्त रेखा

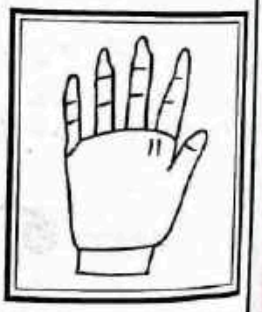

2 सद या बृहस्पत के बुर्ज पर 2 सीधे ख़त
बृहस्पत का असली निशान 4 अन्दर है जब यह निशान बुर्ज नम्बर 2 पर वाकै हो, तो ऐसा प्रानी जगतगुरु (ख़्वाह मर्द हो ख़्वाह औरत) और हर हालत में राजा की तरह मान सरोवर और सुखिया होगा।

[1] -27 साला राज दरबार-का उत्तम फल [2]-जब तक नम्बर 8 ख़ाली रूहानी असर उम्दा, इज़्ज़त रेखा होगी [3] -लक्ष्मी हवा की तरह आती मगर वह पानी की तरह बहाता होगा 16 ता 32 साला उम्र में [4]-मन्दे ग्रह का उपाओ बृहस्पत का होगा, या बृहस्पत का उपाओ करने से मन्दे ग्रह का असर भी उत्तम होगा। [5] -वरना गुरु आंधी देगा [6]-तमाम टेवे में ख़्वाह कहीं भी।

तालीम-शिक्षा
रुहानी-आध्यात्मिक
मुक़ाम-लक्ष्य
उपओ-उपाय
ज़र-धन दौलत

Astro Lucky

गुरु ज्ञानी को सब ग्रहों का प्रणाम

हथेली पर बृहस्पत के बुर्ज ख़ाना नम्बर 2 गुरु के सामने (बृहस्पत नम्बर 2 और दीगर कोई ग्रह भी नम्बर 2 या नम्बर 6 में वैसे ही नम्बर 2 में बैठे हुए तमाम ही ग्रह ख़्वाह बृहस्पत के साथ साथी या दृष्टि में हों या न हों) सब ही ग्रह प्रणाम के लिए बैठे हुए हैं।

ग्रह	बुर्ज या ख़ाना नम्बर	असर दे रहा होगा बहैसियत
सनीचर	10	सांप कान बन्द किए मगर टक टकी लगाए चुपचाप बैठा है।
सूरज	1	गुरु के इन्तज़ार में है बन्दर बना बैठा मगर फूंक नहीं मार सकता यानी बृहस्पत की हवा को सांस माना है जिसे वह बाहर नहीं निकाल सकता बल्कि बृहस्पत की हवा को ढूंढता है।
राहु	12	राहु का हाथी केतु के ख़ाना नम्बर 6 के साथ मिलकर अपने कान लम्बे करके ख़ाना नम्बर 2 की जड़ में गुरु के उपदेश की ख़ातिर चुप बंधा हुआ है।
केतु A	6	गुरु का आसन जो नम्बर 2 की जड़ से मिला रहता है कि न मालूम कब गुरु को आराम करने के लिए ज़रूरत हो जावे केतु को गाय और कुत्ता दरवेश भी माना है जो गुरु के ही साया में रहते हैं।
शुक्कर बुध	7	शादी रेखा खुद सिर रेखा बन कर नम्बर 2 की जड़ में
चंद्र	4	दिल रेखा दिल का दरिया हमेशा बृहस्पत नम्बर 2 को चलता है।
मंगल	3	इसकी तो जड़ ही नम्बर 2 से मुश्तरका है।

A -जब केतु के कुत्ते ने ख़ाना नम्बर 6 लेकर बृहस्पत नम्बर 2 के पांव और इसकी नज़र में रहना पसन्द किया तो बुध की सिर रेखा कुत्ते की दुम की तरह केतु के साथ नम्बर 6 में पक्की हो बैठी। बुध केतु दोनों ही शुक्कर के जुज़ ही में और खुद ख़ाना नम्बर 2 भी शुक्कर की ही चीज़ या गाय अस्थान है, जिस पर गुरु बैठा या बैल पर शिव जी सवार दुनिया का नज़ारा देख रहे हैं।

ज़रुरत-आवश्यकता दरवेश-साधु, भिक्षुक अस्थान-स्थान ख़्वाह-चाहे

Astro Lucky

सब को तारने वाला जगत् गुरुः- मन्दिर का पुजारी परहेज़गार होगा। माल व दौलत बेशक ख़ैरात से हर दम बढ़ेगा मगर मुसाफ़िर की सेवा से वह और भी उत्तम होगा। ज़ाती क़िस्मत का उत्तम असर गृहस्ती कारोबार (सिवाए पैदाइश औलाद) और ससुराल ख़ानदान की मारफ़त बढ़ेगा। ख़ाना नम्बर 2-8 में बैठे हुए दुश्मन ग्रहों का अपना असर ख़्वाह कितना ही मन्दा हो, मगर उस बुरे असर की ज़हर बृहस्पत के असर में शामिल न हो सकेगी, न सिर्फ़ तमाम ग्रह अब बृहस्पत के असर के मातहत होंगे, बल्कि तमाम ग्रहों के असर में (सिवाए सूरज के जिसका असर टेवे में बैठे हुए घर के मुताबिक़ अच्छा या बुरा जैसा भी हो, क़ायम रहेगा) बृहस्पत की हवा अपना असर मिलाती होगी। ऐसा आदमी ज़माने में अव्वल तो मर्दों का वरना औरत का तो ज़रूर ही गुरु होगा। जनम वक़्त से पिता की उम्र और इसके जमा किए हुए माल व धन की बरकत बढ़ाता और बाद ख़ुद ज्ञानी गुरु दुनियावी रहनुमाए ख़ुश गुज़रान और सुखिया गृहस्ती होगा। उसके पास माया व दौलत हवा की तरह (अचानक फ़ौरन) आती और वह उसे पानी की तरह (जल्दी से) बहाता (ख़र्च कर लेता) होगा। सिर की श्रेष्ठ रेखा (उत्तम दिमाग़ी हालत) और इज़्ज़त रेखा (हर जगह क़दर व मान) का नेक असर दिन-बदिन तरक़्क़ी पर होगा। सोने के कामों (सर्राफ़ी-सुनार का काम जौहरी वग़ैरह) से मिट्टी (नुक़सान) और मिट्टी के कारोबार (सड़कों पर मिट्टी डलवाना, कच्चे मकान बनाना शुक्कर औरतों के इस्तेमाल की अश्या या कारोबार मुतअल्लिक़ा शुक्कर खेती बाड़ी वग़ैरह) से सोना (नफ़ा) होगा। राजदरबार में 27 साल का उत्तम अर्सा तरक़्क़ी का होगा, ख़्वाह सूरज टेवे में मन्दा ही हो। जनम ख़्वाह कैसे भी ग़रीब और ज़ालिम कसाई (गोश्त बेचकर गुज़ारा करने वाला) के घर का हो, 16 ता 32 साला उम्र के दरमियान लक्ष्मी पर ब्रह्मा का साया (दौलत के जमा करने में ख़ुद बिधाता की मदद का हाथ) होगा। मगर बादशाही घर-घाट (महल बाड़ियां) और भारी क़बीला की शर्त न होगी। बहरहाल अव्वल तो बाप जायदाद बना देगा। वरना ख़ुद ही बढ़ता जावेगा ख़्वाह ख़ाना नम्बर 4 (माता ख़ानदान नम्बर 5 (औलाद की हालत) नम्बर 10 (पिता और बुज़ुर्गों का ताल्लुक़) नम्बर 11 (ख़ुद अपनी आमदन) और ख़ाना नम्बर 12 (भक्तिभाग-पूजा पाठ रात का आराम) सब ही रद्दी हों। दिमाग़ी ख़ाना नम्बर 2 शुक्कर से मुश्तरका यानी सब तरफ़ का ऐश कर करा कर और कुल ऐबों का ज़ायक़ा और रंग-बिरंगी हालत देखकर वह धरम गुरु

मुश्तरका-मिले जुले मातहत-अधीन सहायक ख़्वाह-चाहे ताल्लुक़-संबंध

Astro Lucky

और धर्मात्मा बन चुका होगा, मगर हर हालत में वह दिल का हमेशा नेक होगा। हुकूमत की ताक़त, इरादा की पुख़्तगी, बुलन्द ख़याली का मालिक होगा।

क़ियाफ़ा

ग्रह चाल	क़ियाफ़ा	असर होगा
बृहस्पत नम्बर 2 क़ायम व उत्तम और हर तरह से अकेला ख़ासकर जब नम्बर 9 मन्दा न हो और न ही वहां बृहस्पत के दुश्मन (बुध शुक्कर राहु) मौजूद हों।	बृहस्पत की अपनी क़िस्मत रेखा बृहस्पत नम्बर 2 क़ायम तर्जनी उंगली सीधी हो।	राजदरबार का 27 साल नेक ताल्लुक़ शीराना ज़िन्दगी कुल ज़माना की मदद उम्र 75 साल इज़्ज़त व दौलत अज़ ससुराल, सिर की श्रेष्ठ रेखा, धन श्रेष्ठ रेखा गृहस्त रेखा का उत्तम फल होगा। न आंख लगे न हाथ खुद बखुद दौलत व आराम बढ़ता जावे दफ़निया लावारिस जायदाद व लाटरी मदद देवे अव्वल तो बाप उसे तार देवे वरना खुद बढ़ जावे
बृहस्पत नम्बर 2 मंगल नम्बर 8	तर्जनी उंगली का सिरा मुरब्बा शक्ल में हो।	सच्चाई पसन्द होगा
बृहस्पत नम्बर 2 मंगल नम्बर 9	तर्जनी बहुत ही लम्बी हो	हुकूमत की ताक़त का मालिक होगा।
बृहस्पत नम्बर 2 बुध नम्बर 8	तर्जनी का सिरा गोल शक्ल का हो।	साहिबे तदबीर होगा।
बृहस्पत नम्बर 2 सनीचर 8	मद्धमा उंगली तर्जनी की तरफ झुक जावे	दुनिया को छोड़ जाने वाला मुर्दा ख़याल व उदासी का मालिक होगा।
बृहस्पत नम्बर 2 राहु नम्बर 8	तर्जनी उंगली का सिरा चौड़ा हो।	बहादुर होगा।
बृहस्पत नम्बर 2 राहु नम्बर 9	तर्जनी बहुत लम्बी हो	सोच विचार की ताक़त का मालिक होगा।
बृहस्पत नम्बर 2 केतु नम्बर 8	तर्जनी उंगली का सिरा नोकदार हो।	नेक ईमानदार तेज फ़हम होगा।
बृहस्पत नम्बर 2 केतु 9	तर्जनी लम्बी हो।	हुकूमत की ताक़त और उत्तम व फ़तहयाब ज़िन्दगी का मालिक होगा। बुज़ुर्गाना असर होगा।

पुख़्तगी-मजबूत दृढ़
तदबीर-उपाय, इलाज
शीराना-मीठा
फ़हम-बुद्धि, विवेक, शान
दफ़निया-गुप्त, गड़ा हुआ
फ़तहयाब-जिसने विजय प्राप्त की हो विजेता

Astro Lucky

(1) मशहूर ज़िन्दगी का मालिक होगा	जब सूरज नम्बर 10 क़ियाफ़ा अनामिका बड़ी हो तर्जनी से जब सूरज नम्बर 12 क़ियाफ़ा अनामिका बराबर हो तर्जनी से
(2) अपनी मौत का इसे मरने से पहले ही पता लग जावेगा	जब केतु नम्बर 6 में।
(3) दफ़निया (दबाया हुआ माल व दौलत) लाटरी या लावल्द की जायदाद (माल व दौलत) मिले।	जब नम्बर 2-6-8 नेक हो या नम्बर 8-10 से मन्दी हवा। नम्बर 2 में न जावे और नम्बर 12 भी मंदा न हो।
(4) ज़र व दौलत और बच्चों से सुखिया। जहां कोई मदद न देवे, ज़माना की हवा (बृहस्पत) ही मदद देगी और मुसीबत का नाश होगा, पक्का इरादा, आज़ाद तबीयत, बढ़ने का ख़याल हौसला भरी उम्मीद का आदमी	जब नम्बर 8-10-9-12-4 घरों में से हर एक में ही कोई न कोई ग्रह ज़रूर हो (ख़्वाह वह बृहस्पत का दोस्त हो ख़्वाह दुश्मन) क़ियाफ़ा (तमाम उंगलियां बतरफ़ तर्जनी झुक जावें) या सूरज बुध सनीचर नम्बर 8
(5) नेपोलियन बोनापार्ट की तरह ज़माना का बहादुर सुखिया और एक काम का आदमी होगा।	जब सनीचर नम्बर 12 में हो (तर्जनी व मद्धमा बराबर हों।)
(6) आलिम या विद्यापति होगा। जिसकी बुनियाद और फ़ैसला सनीचर की हालत पर होगा। इल्म की कमी बेशी पर नसीबा की चमक या स्याही यानी इस शख़्स की नेकी बदी की कोई शर्त न होगी।	क़ियाफ़ा सनीचर साथ या साथी हो (उंगलियों की पोरियों पर दो सदफ़ हों)
(7) इज़्ज़त रेखा, मानिद राजा जनक अपनी धुनी का पाबन्द, मगर भारी क़बीला	जब नम्बर 8 ख़ाली हो और साथ ही सूरज चंद्र सनीचर राहु या बुध में से कोई भी नम्बर 6 में हो।
(8) सख़ी फ़य्याज़ी होगा	राहु नेक हो मगर गुम न हो। क़ियाफ़ा बृहस्पत के बुर्ज पर एक सीधा खड़ा ख़त हो।
(9) नेक काम और दुनियावी भलाई करने वाला होगा। आलीशान महलों और लम्बे-लम्बे तवेलों या जागीरों की शर्त न होगी, मगर हर जगह क़दर मंज़िलत इज़्ज़त व मान हो और दुनियावी सुख सागर उम्दा हो	राहु नेक और क़ायम हो क़ियाफ़ाः- बृहस्पत के बुर्ज पर दो सीधे खड़े खत हों।

दफ़निया-गुप्त, गड़ा हुआ
क़ियाफ़ा-सामुद्रिक शास्त्र
आलिम-विद्वान
लावल्द-निःसंतान
सख़ी-दानी

Astro Lucky

मंदी हालत

अपना ही ख़ानदान तबाह करने वाला, कुल ग़ारत यानी (1) दही (शुक्कर) गोबर (शुक्कर) की मिलावट से खुद बखुद पैदा शुदा बिच्छु की तरह अपने ही ख़ानदान को मारे, या बरबाद करने या ग़र्क करने वाला होगा	जब 8-2 किसी तरह से भी मंदा हो रहा हो, मसलन, ख़ाना नम्बर 8 में चंद्र व मंगल दो ग्रह मुश्तरका बैठे हों, तो वह दोनों तो बृहस्पत के दोस्त भी हैं और वैसे भी नम्बर 2 के बृहस्पत की हवा में कोई मंदा असर नहीं ला सकते, मगर दोनों इकट्ठे ही नम्बर 8 में होने की वजह से नम्बर 8 मन्दा ही होगा। इसी तरह नम्बर 2 में तमाम ग्रह अपना अपना फल देते हैं, मगर जब नम्बर 2 में मंगल बद हो (जिसके लिए मंगल नम्बर 4 में देखें जहां कि मुफ़स्सिल लिखा है कि मंगल कब मंगल बद होगा) तो नम्बर 2 मन्दा ही होगा।

(2) नम्बर 8-2 के मन्दे असर की पहली निशानी केतु ज़ाहिर कर देगा।

(3) सेहत हलकी होगी, ससुराल के घर माली नुक़सान होंगे जब सनीचर नम्बर 2 बमूजिब बर्षफल आवे राहु केतु पाप

गुरु जहां दो मन्दिर कच्चा
मारग घर से गुरु भी डरता

या बैठक ख़ुद साथी हो
आठ दृष्टि ख़ाली जो

(3) (i) बृहस्पत का फल राहु केतु के ताल्लुक़ में मन्दा ही होगा } नम्बर 8 ख़ाली ही हो।

(4) हर जा की रौद क़दम शरीफ़ा न फ़सल रबीहशुद न ख़रीफ़ा, जिस जगह को ऐसे शख़्स का पांव जावे } जब नम्बर 8-2 में कोई न कोई मन्दा ग्रह बैठा होवे, ख़्वाह वह ग्रह ख़ुद नम्बर

ग़र्क-बरबाद मुफ़स्सिल-विस्तार पूर्वक ज़ाहिर-दिखाई देने वाला
बमूजिब-अनुसार शख़्स-इंसान ग़ारत-नष्ट करना

Astro Lucky

वहां साल की दोनों ही फ़सलें (फ़सल रबीह व फ़सल ख़रीफ़) न होवे यानी सब्ज़ क़दमा (मनहूस) जिसके हां मेहमान बने वहां ही मन्दी आन्धी के गर्दो गुबार का तूफ़ान शुरु हो जावे मगर खुद टेवे वाले की क़िस्मत पर बुरा असर न होगा।	में हो, ख़्वाह वह बृहस्पत के असर को बरुए दृष्टि बरबाद करें, नम्बर 8 के मन्दे असर की ख़बर पहले ही बज़रिया केतु (अपना लड़का या दुनिया के 3 कुत्ते (1) बहन के घर भाई (2) ससुर के घर जवाई (3) नानके घर दोहता) ज़ाहिर हो जावेगी। मगर खुद टेवे वाले पर नम्बर 8-2 में बैठे हुए दुश्मन ग्रहों का बृहस्पत के फल पर कोई बुरा असर न होगा।
(5) रात दुखिया, सेहत और औरत मन्दी हालत में।	जब शुक्कर मन्दा और सनीचर नम्बर 10 में हो
(6) धन हानि, बुज़ुर्ग दुखिया खुद राजा की क़ैद में जावे	जब बुध नम्बर 8 - सनीचर नम्बर 10 हो।
(7) हासिद होगा	बुध नम्बर 9 (हाथ की उंगलियों की लम्बाई बहुत छोटी हो)
(8) मन्दी उल्टी हवा, तरह तरह की लानत और ज़हमत देवे।	जब नम्बर 8, 10 में बुध, शुक्कर राहु या सनीचर बहैसियत पापी ग्रह हों

उपाओ

नम्बर 1- में बुध, राहु के मन्दे असर के वक़्त सनीचर का उपाओ

नम्बर 1- में बुध शुक्कर के मन्दे असर के वक़्त चंद्र का उपाओ

नम्बर 1- में बुध-सनीचर बहैसियत पापी ग्रह मन्दे असर के वक़्त खुद बृहस्पत का अपना उपाओ

नम्बर 8- बृहस्पत के दुश्मन ग्रहों (बुध, राहु, शुक्कर या सनीचर बहैसियत पापी ग्रह) के लिए उन हर एक के ख़ाना नम्बर 8 में दिया हुआ उपाओ मददगार होगा।

खुद मन्दे बृहस्पत या मन्दे ग्रह के वक़्त बाक़ी सब हालतों में खुद बृहस्पत का उपाओ मददगार होगा।

सब्ज़क़दम-मनहूस बरुए-के हवाले से बज़रिया-माध्यम से हासिद-ईर्ष्यालु
लानत-बुराई ज़हमत-मुसीबत बहैसियत-क्षमतानुसार

Astro Lucky

बृहस्पत ख़ाना नम्बर-3

गर्जता शेर व ख़ानदानी गुरु
(ख़्वैश व अक़ारिब के ताल्लुक का मालिक)

बहुत आंख शिवजी, गो मुर्दों के लेखे
मगर आंख तू एक से क्यों है देखे

शेर तबीयत[1] मुन्सिफ़ दुनिया
असर भले जब तक 2[3] उम्दा
4 शनि, बुध-टेवे मन्दा
दूजे मंगल या 9 शनि बैठा

दुर्गा[2] पूजन ज़र राज का हो
नष्ट ख़ुशामद (चंद्र नम्बर 12) होता हो
मारे मित्र कुल दुखिया हो
तारे सभी[4], ख़ुद सुखिया हो

हस्त रेखा

3 सदफ़, 7 चक्कर या 7 सीधे
ख़त या गृहस्त रेखा बृहस्पत के बुर्ज पर

[1]-जब तक बुध उम्दा यक तरफ़ा तबीयत।

[2]-कन्या (लड़की जो अभी ऋतुवान, माहवारी अय्याम में न हो गई हो की सेवा से उसकी आशीर्बाद लेते रहना या दुर्गा पाठ करना वग़ैरह बुध की ज़हर धोता होगा।

[3]-त्रैलोकी का सुख वरना जलता जंगल होगा।

[4]-अगर दोनों ही शर्त न हों तो पहले ग़रीबी फिर माया का दरिया होगा।

ख़्वैश-इच्छा
आशीर्वाद-आशीर्वाद
अक़ारिब-समीप वाले, रिश्तेदार
ताल्लुक़-संबंध
मुन्सिफ़-न्याय कर्त्ता

Astro Lucky

शेरों का नामी शिकारी और दौलतमन्द

फ़रिश्ता अजल भी गो तुझ से डरेगा
मगर ज़ुल्म तेरा, न हरगिज़ फलेगा

दिमाग़ी ख़ाना नम्बर 17 मंगल से मुश्तरका अदल या मुन्सिफ़ मिजाज़ी दुर्गाजी (बुध) शेर (बृहस्पत) की सवारी का साथ होगा। साहिबे इल्म व अक़्ल होगा। राजदरबार से गुज़रान उम्दा और लम्बा अर्सा होगी जब तलक दुर्गा पूजन (दुर्गाजी के पाठ या मासूम कम उम्र नाबालिग़ लड़कियों को मीठा भोजन वग़ैरह देकर आशीर्वाद लेने) का आदी होगा। वरना बृहस्पत नम्बर 3 होता हुआ भी बुध नम्बर 3-9 का दिया हुआ मन्दा फल देगा। नेक हालत में हक़ीक़ी भाई बृहस्पत बन्दों, ससुराल नज़र की नेक हालत, औलाद की लम्बी उम्र औलाद के सुख से मुतअल्लिक़ा होगा।

(1) त्रैलोकी के दरवाज़ा में तलवार का धनी, मौत को रोकने की, पहरेदारी के लिए खुद ही बैठा होगा। उम्र लम्बी, साहिबे इल्म व अक़्ल, उम्दा सेहत और आसूदा हाल होगा, ज़ाती क़िस्मत का ताल्लुक़ बज़रिया बहन, भाई (ख़्वैश बिरादरी) होगा, और नेक बातनी बुनियाद होगी। बहरहाल दौलतमन्द ज़रूर होगा। } जब बृहस्पत क़ायम हो

(2) अपने बहन भाई कारामद और मददगार होंगे। 26 साला उम्र से उस क़दर त्रैलोकी का सुख सागर (कम अज़ कम 20 साला) उम्दा बड़े परिवार और शाहाना दौलत की हर तरफ़ बरकत हो। } जब मंगल नेक हो ख़ाना नम्बर 2 उम्दा हो या नम्बर 2 में

दोस्त ग्रह (सूरज-मंगल-चंद्र) जिस क़दर ज़्यादा हों और बृहस्पत बमूजिब बर्षफल दोबारा ख़ाना नम्बर 3 में ही आवे।

मुन्सिफ़-न्यायकर्त्ता
बज़रिया-माध्यम
आसूदा-धन, धान्य से परिपूर्ण
हरगिज़-बिल्कुल
अदल-तर्कयुक्त

Astro Lucky

(3) साहिबे इक़बाल और खुश गुज़रान होगा खुद कमाई करने के दिन से खुद कमाई शुरू करते रहने के दिन तक हर तरह से उत्तम असर। ख़ानदान में मुश्तरका हालत में रहने के दिन तक उत्तम असर औलाद के जनम दिन से शुरू होकर उत्तम असर	जब बृहस्पत क़ायम हो और साथ ही मन्दरजा ज़ैल ग्रह चाल हो। (i) ख़ाना नम्बर 11 में कोई भी ग्रह हो (ii) ख़ाना नम्बर 9 में कोई भी ग्रह हो (iii) ख़ाना नम्बर 5 में कोई भी दोस्त ग्रह हो
(4) उम्र और धन दोनों की हर तरह बरकत होगी।	सनीचर नम्बर 9 में हो। क़ियाफ़ा:- हाथ में ऊर्ध रेखा क़ायम
(5) चालाक आंख, तेज़, फ़हम हर शख़्स को उसकी आवाज़ से ही जांच लेने वाला होगा।	सनीचर नम्बर 2 में हो क़ियाफ़ा बुर्ज नम्बर 2 पर 7 खड़े ख़त
(6) सब को ही तारने वाला और खुद सुखिया होगा।	मंगल नम्बर 2 या सनीचर नम्बर 9 क़ियाफ़ा:- गृहस्त रेखा बुर्ज नम्बर 2 में ख़तम-ऊर्ध रेखा का मालिक होगा।
(7) दौलतमन्द होगा	सनीचर नेक हो। क़ियाफ़ा:-उंगलियों की पोरियों पर 3 सदफ़ हों।
(8) खुद बहादुर होगा	बुध नम्बर 7 में हो क़ियाफ़ा:- उंगलियों की पोरियों पर 7 चक्कर हों।

Astro Lucky

मन्दी हालत

बुज़दिल मनहूस-मन्दभाग

(1) यक तरफ़ा तबीयत का मालिक, अगर मेहरबान हो तो शिकार में मारा हुआ शेर भी मुफ़्त ही दे जावे, लेकिन अगर बरख़िलाफ़ी पर हो जावे तो दूसरे का रात के आराम का बिस्तरा तक भी जला देवे।	जब सोया हुआ बृहस्पत हो या दुश्मन ग्रहों (बुध, शुक्कर राहु या सनीचर पापी ग्रह) से घिरा हुआ बृहस्पत हो
(2) अपनी खुशामद पर खुश होते रहने की आदत से नष्ट हो	जब चंद्र नम्बर 12 हो।
(3) बुज़दिल, लाफ़जन गप्पी और बकवासी, कम नसीब (बुध नम्बर 3, 9 का दिया हुआ मन्दा फल) बुरी ज़िन्दगी सेहत अमूमन मन्दी बल्कि वह हमेशा का रोगी होगा। शरीर फ़सादी, औलाद बरबाद व दुखिया, केतु के मन्दे नतीजे।	जब मंगल बद हो
(4) सब को लूट कर खुद अमीर बन जाने वाला ऊर्ध रेखा का मालिक, मित्र (दोस्त) मार करने वाला बद बातिन व नास्तिकपन का हामी और क़ाफिर तबीयत होगा। बल्कि उसके सब के सब ही ताल्लुक़दार दुखिया होंगे ख़ासकर औलाद और मामूं तो मन्दे ही हाल में होंगे खुद शरीर झगड़ालू मगर बुज़दिल, 31 साल सेहत निकम्मी होगी जो खुद वह जंग व जदल में बहादुर मगर दूसरों का माल छीनने वाला होते हुए भी कम नसीब होगा।	जब सनीचर नम्बर 4 बुध मन्दा क़ियाफ़ा: मन्दी ऊर्ध रेखा

यक तरफ़ा-एक तरफ़
क़ियाफ़ा-सामुद्रिक शास्त्र
बरख़िलाफ़ी-प्रतिकूल उलटा
लाफ़जन-डींग हांकने वाला

Astro Lucky

बृहस्पत ख़ाना नम्बर-4

पड़ा माया बन्द, पानी, दुनिया जो सड़ता
फले बीज दुनिया जो बन्द मिट्टी/मुट्ठी करता

-चंद्र की राजधानी
का मिलकी बरूए गुरु,
बाग़ बाग़ीचे

तख़्त बिक्रमी 32 परियां[2]
ज़मीन मुरब्बे दूध की नदियां
मंद शनि बुध इज़्ज़त मन्दी
केतु बुरे शाह लेगा फ़क़ीरी
शुक्कर चंद्र और मंगल मोती[1]
नाश बुर्जुगां कुल सब होती

ब्रह्म पूर्ण कोई अपना हो
शेर सीधा पानी तैरता हो
10 वें वैरी ज़र डोलता हो
राहु भले सब उम्दा हो
दूध भरे त्रैलोकी[3] जो
इश्क़ गन्दे जब ख़ुद सरी हो

4 सदफ़ या 4 संख या 4 ख़त या 2 चक्कर
चंद्र पर संख सिर्फ़ एक चंद्र रेखा
बृहस्पत के बुर्ज पर ख़तम हो

नेक हालत

राजा इन्द्र और बिक्रमाजीत के साये का मालिक मशहूर ज़माना ज़रूर होगा।

एक ही सदफ़ के अन्दर — पैदा हुए दो मोती
एक ताज शाह के सिर पर (बुध) — दूजा खरल में पिसता है (बुध)

[1] -ख़्वाह कहीं भी और कैसे ही क्यों न हों
[2] -जब तक 2-5-9-11-12 में बृहस्पत के दुश्मन न हों।
[3] -ख़ाना नम्बर 3 के ग्रह।

तख़्त-सिहांसन
ख़्वाह-चाहे
सदफ़-सीप, सीपी
सिर्फ़-केवल
बरूए-के हवाले से

Astro Lucky

ज़ाती क़िस्मत का असर बज़रिया रूहानी ताकत / माता ख़ानदान होगा। शुक्कर, चंद्र-सनीचर-मंगल चारों ही ग्रह बहैसियत मोती उत्तम फल देंगे और ख़ाना नम्बर 3 का ग्रह कभी बुरे असर का न होगा। मुल्की व रूहानी दायरा हुकूमत व चंद्र की राजधानी (बाग़ बाग़ीचे और ग़ैबी ताक़त) का मालिक होगा। अपने गांव या शहर या इलाक़ा में हज़ारों बल्कि लाखों की गिनती में एक नामवर शख़्स होगा। ज़ेरकाश्त ज़मीनों के मुरब्बे दूध की नदियां (माल मवेशियों की बरकत) उसके आराम के लिए आम होंगी, बाबा बाप या वह खुद पूर्ण उत्तम शक्ति का मालिक होगा। इसके अलावा दुनियावी रिश्तेदारों से नेक ताल्लुक़, धन दौलत की आमद ज़ख़ीरे, उम्र में लाभ आमदन माक़ूल। दुनियावी इज़्ज़त खुद अपने ऐतक़ाद का पक्का, धरम में साफ़ रवानी व साबत क़दमी और हर मज़हब व मिल्लत का मददगार होगा। अवाम से बरताओ में खुश खुर्रमी और ख़ंदह पेशानी दुनियावी झगड़ों से दूर और अपनी आक़िबत का हर वक़्त दूर अन्देश होगा।, लालच से बरी और चाल चलन का पक्का होगा। तमाम कारोबार में शान्ति बुनियाद पर होगी। इसका मकान आलीशान होगा। ग़र्ज़ेकि ज़माना की हवा का पूरा नेक असर और राजा इन्द्र की तरह लोक परलोक का मालिक और सुख लेने वाला होगा। न आंख की होशियारी से धन कमाना पड़े, न खुद हाथ से कमाई करनी पड़े बल्कि खुद ब खुद लक्ष्मी पांव पकड़ती फिरे। मगर वह खुद लालच से दूर होगा। ख़ूबसूरत स्त्री, उत्तम औलाद, नेक माता पिता का सुख और उन सबको सुख होगा।

दिमाग़ी ख़ाना नम्बर 21 चंद्र से मुश्तरका हमदर्दी रहम मिज़ाजी, ज़माना का शेर मगर रहम दिल, हुकूमत की ताक़त, ज़हनी और दिमाग़ी लियाक़त का साथ होगा। न सिर्फ़ सोने के बरतन में साफ़ दूध की तरह दिल का नेक और उत्तम, ख़ानदानी ख़ून का सबूत होगा, बल्कि दुनियावी गृहस्त में मुसीबत के वक़्त पानी में सीधा तैरने वाला शेर होगा।

(1) मां पर धी पिता पर घोड़ा (जैसा बहादुर बाप वैसा उत्तम बेटा) बहुत नहीं तो थोड़ा थोड़ा ज़रूर होगा। सिंहासन बतीसी (32 परियों वाला) तख़्त और राजा बिक्रमाजीत के साया का मालिक होगा, राजदरबार से फ़ायदा और ज़र व मालकी तरक़्क़ी, उसका मामूली तांबे का पैसा, उसे सोने का काम	जब बृहस्पत के घर क़ायम हों यानी जब ख़ाना नम्बर 2-5-9-11-12 में बुध शुक्कर राहु या सनीचर बहैसियत पापी

ज़ेरकाश्त-खेती करना
मिज़ाजी-आदत खासियत
ग़ैबी- दैवी ताकत
आक़िबत-भविष्य

Astro Lucky

देता चला जावे, और हर तरह की शान्ति हो। उसका मकान आलीशान होगा, 24 साल तालीम व इल्म की बरकत हो और उसके साया में सोने की कानों की चमक और धन दौलत का दरिया बहता होगा। लाटरी, दफ़निया पावे। लावारिस जायदाद मिले या जुड़ा जुड़ाया धन पावे, ग़ैबी ताक़त और क़ुदरती मदद का फल और भी उत्तम होगा, गोया राजा इन्द्र की तरह दुनियावी दूध की बारिश से उछलती हुई नहर या गृहस्ती हवा से उभरती हुई लहर लोक-परलोक की याद दोहराएगी।	पापी ग्रह न हों। क़ियाफ़ा:- चंद्र के बुर्ज से रेखा बृहस्पत के बुर्ज नम्बर 2 में जाकर ख़त्म हो। 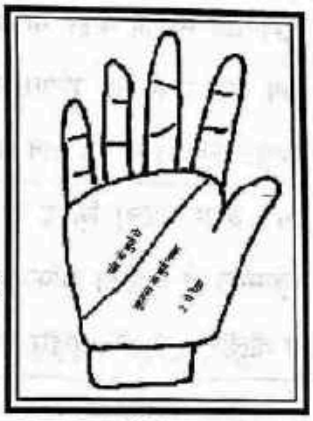
(2) हर तरह की सवारी का सुख नसीब होगा	चंद्र नम्बर 1 और सनीचर नम्बर 10 में हो
(3) उसका बाप ख़ून के मुकदमात का फ़ैसला करने की ताक़त (राजदरबारी अख़्तियारात) का मालिक या आला हाकिम होगा या उसके जनम के बाद जल्द हो जाएगा मगर अपनी क़िस्मत की शर्त नहीं	जब नर ग्रह (सूरज या मंगल) उम्दा हों
(4) नसीबा की नेकी बदी का फ़ैसला सनीचर और राहु की नेक बद हालत (बमूजिब टेवा) पर होगा। अगर नेक हुआ तो बेशक़ वह दर्जा में अपने बाप से कम ही हो मगर फिर भी दुनिया में लाखों से बढ़कर होगा। बुज़ुर्गी कारोबार और-पेशा उत्तम फल देंगे। अगर खुद राजा नहीं तो राजा का भाई, लड़का या ताल्लुक़दार (आला हालत या आला दर्जा) तो ज़रूर होगा। अमूमन ऐसी हालत में अपनी मन्दी सेहत पर कमाई का एक चौथाई हिस्सा ज़रूर खर्च होगा, दौलत मन्द, ध्वजाधारी, छत्तर सुनहरी का मालिक और मोटर-लारियों और हर क़िस्म की शाहाना सवारी हरदम हाज़िर और उनका सुख नसीब हो।	जब चंद्र नम्बर 2 हो क़ियाफ़ा चंद्र के बुर्ज पर एक $\frac{\text{संख}}{\text{चक्कर}}$ हो
आलिफ़-बृहस्पत सोया हुआ गिनते हैं लेकिन अगर ऐसा प्रानी अपना बदन कभी नंगा न रखे यानी अपने नंगे जिस्म पर किसी दूसरे की नज़र न पड़ने देवे तो भी	जब ख़ाना नम्बर 10 ख़ाली हो

दफ़निया-गुप्त, गड़ा हुआ मुकदमात-मुकदमें शाहाना-खूबसूरत
बमूजिब-अनुसार अमूमन-आमतौर से

Astro Lucky

बृहस्पत नम्बर 4 का उत्तम फल ही होगा या यूं कहिए कि जब तक उसका जिस्म दूसरों के सामने नंगा न होगा वह दुनिया में धन दौलत से नंगा (ग़रीब) न होगा।	ख़ाना नम्बर 10 ख़ाली
(5) टेवे में चंद्र कहीं भी और कैसा ही मन्दा क्यों न हो, मगर अब चंद्र उत्तम ही होगा। और उसकी सेहत पर कमाई का बेहद फिज़ूल ख़र्च होने की शर्त न होगी।	चंद्र की हालत (सिवाय ख़ाना नम्बर 2)
(6) अगर वाल्दा ज़िन्दा तो तालीम रूकती रुकाती हुई भी अमूमन मुक़म्मल हो जाएगी। लेकिन अगर वाल्दा बचपन में ही साथ छोड़ जावे तो तालीम शुरु से आख़ीर तक बग़ैर रूकावट ही पूरी होगी।	जब चंद्र क़ायम हो या चंद्र क़ायम रखा जावे।
(7) तालीम (ख़्वाह ख़ुद अपनी या अपनी औलाद की) या अपने किसी दूसरे तालीमी ताल्लुक़ पर किया हुआ ख़र्चा मयसूद वापिस होगा। चाल-चलन उम्दा तो लम्बी उम्र का साथ ज़रूर होगा।	जब केतु उम्दा हो। **क़ियाफ़ाः-** उंगलियों की पोरियों या बुर्ज नम्बर 2 पर 4 संख हों।
(8) हुनर मन्द, ब्रह्मज्ञानी मगर नसीबा की शर्त नहीं। सीप में मोती की तरह ख़ानदान में नाम पावे, राजदरबार से बहुत ज़्यादा नफ़ा नसीब हो	बुध भला या उत्तम सूरज नम्बर 10 में हो, **क़ियाफ़ाः** उंगलियों की पोरियों पर 2 चक्कर।
(9) नेक, मशहूरी, हर एक को तारने वाला और ऊर्ध रेखा का मालिक होगा। जिसका मकान आलीशान और वह हर तरह का आराम पाने वाला होगा।	जब सनीचर नम्बर 2-9-10 हो **क़ियाफ़ाः-** उंगलियों की पोरियों पर 4 सदफ़ नेक ऊर्ध रेखा क़ायम
(10) चंद्र की जानदार अश्या-माता-घोड़ी वग़ैरह का फल उत्तम होगा।	जब राहु उत्तम हो, क़ियाफ़ाः-बुर्ज नम्बर 2 पर 4 खड़े ख़त।
मन्दी हालत	
(1) उलटी खोटी हवा से (ख़ासकर 34 साला उम्र के बाद जब ख़ुद सर होता हुआ गन्दे इश्क़ में हवाई घोड़े चलाएगा, तो न सिर्फ़ ख़ुद बल्कि अपनी	जब बुध नम्बर 10 में हो और ऐसा बुध जब कभी बमूजिब बर्षफल नम्बर 4 में आवे।

फ़िज़ूल-फालतू, बेकार वाल्दा-माता अमूमन-आमतौर
मुक़म्मल-पूरी, सम्पूर्ण

Astro Lucky

कुल नाश करने का बहाना होगा। बुज़ुर्गों के हुक्म की ताबेदारी उसे तार देगी, मगर खुद अपनी अक़्ल की बेलगाम कारवाइयां बरबादी ही देंगी। अपना ही बेड़ी डोब मल्लाह हर तरह से दुखिया, राजधानी की बेड़ी में सुराख़ कर देगा, जो नम्बर 4 के समन्दर माता के घर या माता के पेट में आते ही ग़र्क हो जाएगी। (11-23-24-48-55-71-75-85-97-119 साला उम्र)	जब बुध नम्बर 10 हो और ऐसा बुध जब कभी बमूजिब बर्षफल नम्बर 4 में आयेगा बरबादी का बहाना खड़ा करेगा
(2) बदकारी में हमेशा खुश होगा, शराब कबाब ज़िनाकारी का पुतला, मन्दी मशहूरी पसन्द होगा, इसकी नज़र बीनाई ख़तरा में होगी, और केतु भला न होगा।	सनीचर मन्दा हो या मन्दा, कर लिया जावे क्योंकि अमूमन बृहस्पत नम्बर 4 के वक़्त सनीचर कभी मन्दा न होगा। लेकिन अगर कभी सनीचर खुद मन्दा कर लिया जावे (सांपों को मरवाना, मकानों को गिराना, शराबख़ोरी ज़िनाकारी वग़ैरह)
(3) ज़र व दौलत ख़तरा में होंगे	जब दुश्मन ग्रह (शुक्कर, बुध, राहु, सनीचर, बहैसियत पापी ग्रह) नम्बर 10 में हों।
(4) चंद्र की जानदार व बेजान चीज़ों का फल बरबाद पानी तक जलता होगा।	जब राहु मन्दा हो।
(5) बादशाह होते हुए भी फ़क़ीरी लेगा, या मुसीबत के वक़्त डर के मारे जंगलों में भागना पड़ेगा।	जब केतु मन्दा हो

ताबेदारी-आज्ञाकारी
बीनाई-आंखों की ज्योति

बमूजिब-अनुसार
फ़क़ीरी-साधुता

ज़िनाकारी-व्यभिचार

Astro Lucky

इन्सानी ख़सलत का मालिक
बड़ी इज़्ज़त व आबरू का मालिक और
ब्रह्मज्ञानी, मगर आग का बांस
(गुस्सा वाला)

बृहस्पत ख़ाना नम्बर-5

धरम नाम पर मांग दुनिया जो खाता
असासा ही है, बेच अपना वह जाता

औलाद क़दर से बुढ़ापा उम्दा[5] — सौदा ईमानी बढ़ता हो
हाल बुर्जुगां बेशक कैसा — नस्ल[1] आइंदा फलता हो
उसके गुरु दिन लड़का जनमे — या कि जनम शनि 9[2] शनि हो
लेख सोया भी आ तब जागे — जोड़ी शेरों की बनती हो
केतु मन्दा औलाद हो मन्दी — मन्दे गुरु ऋण पितृ[3] हो।
चंद्र सूरज बुध उम्दा पापी[4] — लावल्द होता न वह कभी हो

क़ियाफ़ाः-हस्त रेखा

5 सदफ़, 5 चक्कर या 5 ख़त तमाम उंगलियों पर हों, या सेहत रेखा नीचे जाकर क़िस्मत रेखा के शुरू हिस्सा में मिल जावे यानी कलाई से क़िस्मत रेखा निकलकर सेहत रेखा से मिल जावे

[1]-अगर खुद पसन्द में मानक तो औलाद पत्थर में मोती होगी। [2] -शनि नम्बर 9 बर्ष या जनम बहुत उत्तम फल [3] 2-5-9-11-12 में बुध-शुक्कर या राहु या पापी [4]-राजा इन्द्र की तरह लोक-परलोक का मालिक और बिक्रमाजीत की तरह बुलन्द ख़ासकर जब राहु उम्दा, हज़ारों का अफ़सर व सबको आराम देने वाला वरना भिक्षा के लिए उड़ता साधु [5] -जद्दी जायदाद व माल व दौलत।

ख़सलत-आदत विशेषता धरम-धर्म लावल्द-निःसंतान जनम-जन्म

Astro Lucky

बृहस्पत नम्बर 5 के वक़्त बुध की जैसी हालत होगी, बृहस्पत के असर में वैसे ही अच्छे या मन्दे चक्कर लग रहे होंगे। नाक की हर नेक या बद हालत दख़ल अन्दाज़ होगी।

नेक हालत

बढ़े जितनी औलाद-क़िस्मत हो बढ़ती

अक़्ल ज़ोर दुनिया-न कुछ काम करती

ज़ाती क़िस्मत का बुलन्द असर अपनी आल-औलाद के ज़रिया होगा। ईमानी सौदा (कामकाज ब्योपार-और दुनियावी कारोबार) सब बढ़ता होगा। जवानी में औलाद की ज़रूरत को महसूस करते हुए उनकी क़दर करने से बुढ़ापा उम्दा होगा। वीरवार (बृहस्पत) के दिन पैदा हुए, लड़के के जनम दिन से बाप बेटा व दोनों ही क़िस्मत के मैदान में दो नर शेरों का बाहम दोस्त जोड़ा होगा, ऐसे लड़के से पहले क़िस्मत सोई हुई समझी जाएगी, ख़ाना नम्बर 2-9-11-12 में अगर बृहस्पत के दोस्त ग्रह (सूरज-चंद्र-मंगल) बैठे हों तो उनकी मदद मिलती रहेगी। गो गुस्से की आग से भरे हुए बांस की तरह हर दम हद से ज़्यादा जला हुआ गरम तबीयत इन्सान होगा, मगर पूरन ब्रह्म उसकी सिफ़्त होगी। दिमाग़ी ख़ाना नम्बर 20 सूरज से मुश्तरका इज़्ज़त, बुज़ुर्गी

क़ियाफ़ा

नाक (बजुज़, नाक का अगला सिरा) अगर	---मुंह की तरफ़ झुकी हुई--शहवत परस्त	
लम्बी नीचे को झुकी हुई दयानतदार साहबे इज़्ज़त व दौलत--मोटी छोटी पस्त--कम अक़्ल, परेशानी, रोज़गार होवे		
तोते की चोंच की मानिन्द बुलन्दी व पस्ती में एक जैसी हो	परहेज़गार-- बारीक नाक --- तबीयत नेक, मगर अक़्ल कम	
	--- दरमियाना मगरअन्दर को झुकी हुई---कम अक़्ल मुफ़लिस	
छोटी नाक वाला---धर्मात्मा	---दरमियान से चौड़ी सिरे से तंग ---	मनहूस बदनसीब
लम्बी व चौड़ी ---मेहनती मगर छुपाकर काम करने वाला---दरमियान से पस्त सिरे से तंग-मनहूस बदनसीब		
लम्बी व पतली --- बहादुर ---	दरमियान से ऊंची सिरे से तंग---दौलतमंद	
मिक़दार से ज़्यादा लम्बी --अय्याश बेशर्म मुफ़लिस--- अन्दाज़ से बहुत छोटी---बद्दयानत जालसाज़-फ़रेबी		
गोल बड़ी व मोटी --- नेक ख़सलत---		
छोटा व चपटा --- शाहाना तबीयत---		

आल-औलाद-संतान ब्योपार-व्यापार अय्याश-व्यभिचारी
मुफ़लिस-धनहीन, कंगाल गरीब फ़रेबी-कपटी

Astro Lucky

दूसरे की इज़्ज़त और अपने फर्ज़ से पूरी अदायगी-अन्दर बाहर से नेक और इन्सानी ख़सलत का मालिक होगा।

(1) लावल्द कभी न होगा और राजा इन्द्र और बिक्रमाजीत की तरह बुलन्द मरतबा होगा खुशहाल भागवान होगा। सरदार फ़ौज या आला हाक़िम होगा जिसके ज़ेरेसाया बेशुमार प्रानी आराम करते और उसकी औलाद को दुआऐं देते होंगे	जब सूरज चंद्र और पापी उम्दा हों जब बुध उत्तम हो। क़ियाफ़ा उंगलियों की पोरियों पर 5 चक्कर हों राहु नेक हो क़ियाफ़ा:- बुर्ज नम्बर 2 पर 5 खड़े ख़त
(2) दौलत और औलाद कभी मन्दे न होंगे। आइंदा नस्ल (लड़के, पोते) सब फलती फूलती और बारौनक़ होगी, अगर वह घोड़े की लीद में माणिक (क़ीमती पत्थर) तो औलाद पत्थर की चट्टानों में मोती होगी। यह शर्त पहले बुर्ज़ुर्गों के लिए जो अमूमन ग़रीब ही हुआ करते हैं नहीं होगी। मगर वीरवार की औलाद की पैदाइश के दिन से इसकी मामूली समन्दरी बेड़ी बड़े भारी हवाई जहाजों का काम देंगी मगर और औलाद की मार्फ़त बढ़कर अपनी गुज़री हुई पुश्तों का नरक (हर एक तरह की कमज़ोरी) धो देगा	जब दोस्त ग्रह (सूरज चंद्र, मंगल) ख़ाना 9 में हों क़ियाफ़ा:-सेहत रेखा पर बृहस्पत के खड़े ख़त या जब क़िस्मत रेखा कलाई से चलकर सेहत रेखा में जा निकले (तो सूरज नम्बर 9 होगा) या वह रेखा चंद्र के बुर्ज नम्बर 4 में जा पहुंचे (अब
(3) बाप से लेकर पोते तक सब सुखिया और बृहस्पत नम्बर 9 का उत्तम फल साथ होगा।	चंद्र नम्बर 9 होगा) जब ख़ाना नम्बर 2-5-9-11 -12 में बुध शुक्कर राहु या
(4) सनीचरवार को पैदा हुए लड़के के जनम दिन से उत्तम सनीचर या सनीचर नम्बर 9 या सनीचर बृहस्पत नम्बर 7 की मच्छ रेखा का 60 साला उत्तम असर साथ होगा मगर अब बृहस्पत के मुतअल्लिक़ा अश्या रिश्तेदार या कारोबार मुतअल्लिक़ा बृहस्पत से कोई फ़ायदा न होगा।	सनीचर बहैसियत पापी ग्रह न हों। जब सनीचर ख़ाना नम्बर 9 में हो या जब कभी नम्बर 9 में (बमूजिब बर्षफल) आ जावे।

ख़सलत-आदत विशेषता
बारौनक़-सुहानापन
ज़ेरेसाया-हमसाया
अश्या-वस्तुएं चीजे
बेशुमार-असंख्य, बहुत अधिक

Astro Lucky

बड़ी इज़्ज़त और आबरू पावे बृहस्पत का फल और भी उत्तम हो	सनीचर उत्तम हो क़ियाफ़ा:-उंगलियों की पोरियों पर 5 सदफ़ हों
मन्दी हालत (1) धरम के नाम पर मांग ख़ाना या दान लेना लावल्दी और बग़ैर कफ़न मरने की पहली निशानी होगी बच्चे मुर्दा लाश बनकर पैदा हों	जब केतु नम्बर 11 में हो
(2) औलाद मन्दी होगी	जब केतु मन्दा हो।
(3) गो औलाद मन्दी न होगी, मगर खुद अपना ही बेड़ी डोब मल्लाह होगा और 25 (शुक्कर) 34 (बुध) और 42 (राहु) 48 (केतु), (सनीचर) (36-39) साला उम्र के बाद उम्दा हालत होगी मन्दी हालत के वक़्त जब ख़ाना नम्बर 5-9 में केतु न हो मामू पर मन्दा तूफ़ान चलता होगा यानी जब कभी भी नम्बर 5 का बृहस्पत बमूजिब बर्षफल बरबाद हो तो इसका बुरा असर हमेशा मामूं या मामूं की औलाद पर होगा, और खुद टेवे वाले पर कभी मंदा असर न होगा ऐसे वक़्त में केतु की मदद का उपाओ उत्तम फल पैदा करेगा।	जब ख़ाना नम्बर 2-5-9-11 -12 में बृहस्पत के दुश्मन (बुध-शुक्कर-राहु या सनीचर, बहैसियत पापी ग्रह बैठे हों क़ियाफ़ा:- बुर्ज नम्बर 2 पर 5 खड़े ख़त हों।
(4) बृहस्पत चुपचाप होगा मगर गुम न होगा।	जब राहु ख़ाना नम्बर 9 में हो।
(5) भिक्षा के लिए दौड़ता साधु मन्दी हवा के झोंके हर तरफ़ तंगी ही तंगी।	जब राहु मन्दा हो।

आबरु-इज़्ज़त लावल्दी-नि:संतान कफ़न-मृत पर चढ़ाया गया कपड़ा
क़ियाफ़ा-सामुद्रिक विद्या बहैसियत-क्षमतानुसार

Astro Lucky

बृहस्पत ख़ाना नम्बर-6 मुफ़्तख़ोर मगर साधु सुभाओ

मुफ़्त[1] रोटी गो- तुझको हर दम मिलेगी
मगर माया तो- ढूंढनी ही पड़ेगी

मानसरोवर बाप का उम्दा
हालत शनि पर फ़ैसला होगा
पांच[5] 12-9 उम्दा दूजा[2]
ख़ैरात बुज़ुर्गा नाम पे बढ़ता
अकेले गुरु बुध केतु फलता
उलट मुकद्दर चक्कर चलता[3]

शर्त कोई न अपनी हो
राज गुरु या निर्धनी हो
गुरु होता ख़ुद चंद्र[2] हो
राज सभा ख़्वाह मन्दिर[2] हो
भला चलन उस जब तक हो
ख़ाक भरा सब मस्तक हो

हस्त रेखा

उंगलियों की पोरियों पर 6 चक्कर या क़िस्मत रेखा की जड़ में केतु का निशान या बृहस्पत से शाख़ ख़ाना नम्बर 6 हाथ की मुस्ततील में ख़तम होवे उंगलियों की पोरियों पर 6 चक्कर के हिसाब से लिया हुआ बृहस्पत [6] -हमेशा राशिफल का होगा और चंद्र का फल देगा।

[1] -जब 2-5-9-11-12 में बुध-शुक्कर-राहु-सनीचर बहैसियत पापी ग्रह न हों।

[2] -बृहस्पत अब चंद्र नम्बर 6 का फल देगा जिसमें बुध व केतु का उम्दा असर साथ होगा -बशर्ते कि दृष्टि ख़ाली हो। अज़ नम्बर 2 माता बुध ख़ानदान की उन्नति होगी।

[3] -बुध मन्दा-गर्दिशे अय्याम-केतु मन्दा कांस-ए-गदाई

कांस-ए-गदाई- भीख मांगने की ठीकरा, भिक्षापात्र, गर्दिशे-चक्कर बहैसियत-अकुलीन
मुस्ततील-आयत

Astro Lucky

नेक हालत हर शै बिला मांगे हाज़िर ज़ाती क़िस्मत का असर बज़रिया दोहते भांजे या मामूं घर होगा। बुज़ुर्गों के नाम की ख़ैरात अपनी क़िस्मत की बुनियाद होगी। जिसमें अव्वल ख़्वैश, बाद दरवेश की हद बन्दी मददगार होगी उसका पिता जब तक ज़िन्दा होगा सख़ी होगा तो पूरी इज़्ज़त आबरू का मालिक होगा-मगर टर्राने वाला मेंढक न होगा। फिर भी होगा तो धन की बारिश का मालिक या सोने की कानों में रहने वाला होगा। आख़ीर होगा (बरवक़्त मौत) तो खुशहाल होगा। लेकिन टेवे वाले की यह खुद अपनी शर्त न होगी। अगर ऐसा न हो तो पिता अमूमन छोटी उम्र में ही चल बसेगा जो ज़रूरी नही कि जल्दी ही वफ़ात पा जावे। मुफ़्तख़ोर ऐसा आदमी ऐशी पट्ठा हस्बे हैसियत, साधारण ज़िन्दगी का मालिक होगा दिमाग़ी ख़ाना नम्बर 18 केतु से मुश्तरका (जिस दिन से औलाद का साथ हो) और बुध से मुश्तरका (ब्योपार वग़ैरह के साथ) होने पर फोकी उम्मीद का मालिक होगा। ज़ाती क़िस्मत राजा या फ़क़ीर की हालत का फ़ैसला (माली हालत के लिए) सनीचर की नेक या बद हालत पर होगा बहरहाल मामूं तरफ़ सब खुशहाल होंगे मगर वह (मामूं व मामूं ख़ानदान) टेवे वाले के लिए 40 साला उम्र तक दुश्मन (या बेमायनी असर के) होंगे

(1) इज़्ज़त रेखा चंद्र नम्बर 6 का फल और बुध केतु का उत्तम फल साथ होगा। लड़के (केतु की अश्या-रिश्तेदार या कारोबार मुतअल्लिक़ा (केतु) गणेशजी के चूहे (बहुत छोटी हैसियत) से खुद श्री गणेशजी (जिनको दुनिया पूजे) और लड़कियां गरुड़ भगवान (निहायत उत्तम हस्ती) जी की तरह बाइज़्ज़त ज़िन्दगी की मालिक होंगी।	जब ख़ाना नम्बर 2-5-9-12 में बुध शुक्कर राहु या सनीचर बहैसियत पापी ग्रह न हो दोस्त ग्रह बेशक़ हो और ख़ाना नम्बर 2 से दृष्टि भी ख़ाली हो हर तरफ़ से बरी और अकेला ही बृहस्पत हो क़ियाफ़ा:- बुर्ज नम्बर 2 से शाख़ बुर्ज नम्बर 6 में चली जावे।

ख़्वैश-इच्छा
सख़ी-दानी
दरवेश-साधु
वफ़ात-मृत्यु, मौत, मरण
आबरू-कीर्ति यश

Astro Lucky

(2) आराम या हराम को रोज़ी व रोटी की शर्त व बरकत अव्वल तो ऐसे शख़्स को सख़्त मेहनत मशक़्क़त से रोज़ी कमा कर खाने का मौका आएगा ही नहीं लेकिन अगर कभी खुदा न ख़ासता वास्ता पड़ भी जावे तो वह कोई काम करेगा ही नहीं मगर अपने पेट के लिए उसे हर हालत में मुफ़्त रोज़ी ज़रूर मिल जाएगी गोया उसकी रोज़ी में मेहनत की शर्त न होगी और वह मुफ़्त और बग़ैर मेहनत रोटी पानी हर वक़्त हाज़िर पाएगा और लोगों के लिए (ख़्वाह हजारों मेहमान आ जावें) वह रोटी पानी के भण्डारे खोलने की हिम्मत का मालिक होगा लेकिन नक़द माया के ताल्लुक़ में वह पैसे-पैसे के लिए मारा-मारा फिरता होगा।

जब ख़ाना नम्बर 2-5-9-12 में बुध शुक्कर-राहु या सनीचर बहैसियत पापी न हों। ख़ाना नम्बर 2 से दृष्टि ख़ाली हो या न हो।

क़ियाफ़ा

उंगलियों की पोरियों पर खड़े खत (ख़्वाह कितने कितने) क़ायम हों।

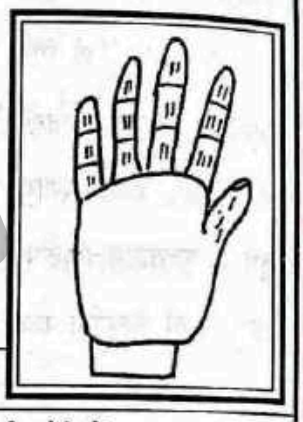

(3) ऐशी पट्ठा (नेक मायनों में) मगर मतलबपरस्त होगा

जब बुध उम्दा हो।

(4) चाल चलन नेक होने पर मामूं तरफ़ और मामूं खुश क़िस्मत और खुद टेवे वाला खुशहाल और बारौनक़ ज़िन्दगी का मालिक होगा मगर उसके अपने लिए मामूं 40 बरस की उम्र तक बेमायनी होंगे

क़ियाफ़ा:- उंगलियों की पोरियों पर 6 चक्कर। जब केतु उम्दा हो।

क़ियाफ़ा:-क़िस्मत रेखा की जड़ में केतु का निशान हो।

मन्दी हालत

(1) 34 साला उम्र तक गर्दिशे अय्याम का उल्टा चक्कर और मन्दे नसीब की मार का मुक़ाबला करना पड़ेगा

जब बुध मन्दा हो।

(2) हाथ में रोज़ी के लिए फ़क़ीरों की तरह प्याला लिए हुए सर्द आहों से मर रहा होगा। मन्दे वक़्त केतु का उपाओ मददगार होगा।

जब केतु मन्दा हो।

मशक़्क़त-कष्ट दुख दौड़ धूप मौका-अवसर मतलब परस्त-स्वार्थी बारौनक़-चहल पहल युक्त
गर्दिशे-चक्कर

Astro Lucky

बृहस्पत ख़ाना नम्बर-7

पिछले जनम का साधु जनम से ही मगर तपस्या के लिए जंगल में नहीं गया और गृहस्त (ख़ाना नम्बर 7) में राजा जनक की तरह सन्यासी साधु (बृहस्पत) जो माया (शुक्कर) में होता हुआ लक्ष्मी (शुक्कर) को सांस की हवा (बृहस्पत) की तरह जानने वाला चुपचाप शान्तक परिवार का गुरु होगा। लड़के के टेवे की हालत में घर में कुत्ते से भी कम क़ीमत निर्धन साधु मगर लड़की के टेवे में औलाद और धन किसी बात के लिए भी मन्दा न होगा।

धरम माला थैली न परिवार देगी

बड़ी शानो शौकत बिला हिर्स होगी

औलाद[1] बे क़दरी ग़ौर न करता	मदद भाई न हुक़ूमत हो
वक़्त बुढ़ापे हो सुख किसका	ज्ञानी[2] तरसता दौलत को
9 वें शनि 7 हो मच्छ रेखा	रिज़्क़ चंद्र ख़ुद देता हो
घर से बाहर क्यों दौड़े फिरता	मरना लिखा है घर में जो
तख़्त साथी या घर गुरु बैठा	मन्द[3] शुक्कर या शत्रु हो
11 शनि बुध 6-2-12	मुतबन्ना[4] मरे औलाद न हो

1 नर औलाद से अमूमन महरूम या दुखिया ही होगा।

2 सूरज नम्बर 1 हो तो हुनरमन्द व ज्योतिषी होगा मगर दौलत ज़्यादा की फिर भी शर्त न होगी।

3 औरत खुद खुबसूरत व सुख देने की देवी होगी मगर धन की कमी से मिट्टी में मिली रहेगी।

4 नम्बर 2-5-9-12 में बुध-शुक्कर-राहु ख़ासकर जब शुक्कर मन्दा औलाद बरबाद मगर जब 2-6-11-12 में बुध सनीचर तो खुद बरबाद।

तख़्त-सिहांसन मुतबन्ना-गोद लिया हुआ (दत्तक पुत्र) अमूमन-आमतौर से

AstroLucky

हस्त रेखा

3 चक्कर-3 संख या 3 सदफ़-3 ख़त 6 ख़त-4 चक्कर-5 संख या शुक्कर का बृहस्पत होवे यानी या तो बृहस्पत का बुर्ज बहुत बड़ा होवे या नरम हाथ का बृहस्पत होवे औलाद रेखा शादी रेखा को काटे-क़िस्मत रेखा की जड़ पर बुध का दायरा हो। शुक्कर के बुर्ज पर भाइयों की रेखा लम्बी लम्बी और टेढ़ी होवे। सिर रेखा उम्र रेखा से जुदी होकर बृहस्पत के बुर्ज का रुख़ करे।

नेक हालत

धरम कारज मुखिया व धनी-धरम का झंडा हर वक़्त हाथ में होगा ज़ाती क़िस्मत का असर बज़रिया $\frac{\text{नफ़सानी ताक़त}}{\text{औरत ज़ात}}$ होगा। अपनी दुनियावी तरक़्क़ी या माया दौलत की हालत का फ़ैसला चंद्र की अच्छी व बुरी हालत से होगा। मुहब्बत हक़ीक़ी बुनियाद होगी। परदेस की जायदादों की तरफ़ क्यों भागता फिरे जबकि आख़री वक़्त जद्दी घाट में ही मरना है। सफ़र से ज़िन्दगी उम्दा होगी और वह सफ़र से ज़िन्दा अपने घर वापिस आएगा। अगर बाहर कहीं मर भी जावे तो उसकी लाश ही अपने जद्दी घर-घाट पहुंचेगी।

औरत के जहेज़ का माल व सामान बरकत देगा। धरम कारज में सबसे पहले हाज़िर-कामयाब मुसाफ़िर और मददगार हस्ती होगी-मगर खुद अपनी गृहस्ती हालत के लिए 34 साला उम्र तक दुनियावी आराम-माया दौलत व औलाद-नरीना के ताल्लुक़ में मन्दिर में आग लगी हुई परेशानी में घूमता होगा। 34 साला उम्र के बाद और अगर बहुत ही देरी हो जावे तो भी आख़री हद 45 साला उम्र में लड़का भी आ बैठा होगा और वह पिछले सब दुख दलिद्दर

नफ़सानी-विलास सामग्री वासना से संबंधित सदफ़-सीप, सीपी ताल्लुक़-संबंध

Astro Lucky

से बरी होगा। बहरहाल वह आख़री वक़्त कर्ज़ा छोड़कर न जाएगा और न ही कभी लावल्द होगा।

(1) मच्छ रेखा बढ़े परिवार और दौलत के भण्डारे बशर्ते कि वह सनीचर की तबीयत चालाकी वग़ैरह का मालिक हो।	जब सनीचर ख़ाना नम्बर 7-9 में हो। क़ियाफ़ा: मच्छ रेखा जब सनीचर नम्बर 7 ऊर्ध रेखा उत्तम जब सनीचर नम्बर 9
(2) गो तपस्वी-पूजा पाठी-मगर माली हालत के उम्दा होने की शर्त नहीं। नेक हालत दोनों ही ग्रहों का उम्दा हाल और उत्तम फल होगा	जब केतु उम्दा हो। क़ियाफ़ा: उंगलियों की पोरियों पर 5 संख बुध उम्दा हो क़ियाफ़ा:-उंगलियों की पोरियों पर 6 खड़े ख़त
(3) बा आराम ज़िन्दगी-ख़ासकर जवानी का हिस्सा	जब राहु उम्दा हो क़ियाफ़ा: उंगलियों की पोरियों पर 6 खड़े ख़त।
(4) इल्म ज्योतिष का वाक़िफ़ व दुनियावी तजुर्बेकार मगर तबीयत आराम व ऐश पसन्द ज़्यादा दौलत की फिर भी शर्त न होगी।	जब सूरज ख़ाना नम्बर 1 में हो क़ियाफ़ा: बुध के बुर्ज पर सूरज की तरफ़ बृहस्पत का निशान चक्कर संख सदफ़ वग़ैरह हो
(5) अपने बुज़ुर्गों की उम्दा शान-व-शौकत धन और परिवार दोनों हालत शाहाना और ठाठ अमीराना होगा। खुद अपने लिए धन की शर्त न होगी-मगर मज़हबी इल्म (धरम कारज) में वह मशहूर और धरम दीवाना होगा।	जब ख़ाना नम्बर 1-2-5-9-12 में बृहस्पत के दोस्त ग्रह (सूरज चंद्र-मंगल) हों।

मन्दी हालत **लड़की के टेवे में बृहस्पत कभी मन्दा न होगा मगर लड़के के टेवे में औलाद तो दरकिनार उसका मुतबन्ना भी**

दुखिया ही होवे। बेहतर होगा अगर धरम की ख़ातिर औलाद न बेचे वरना बुढ़ापे में पछताना पड़ेगा।

रखा घर में मन्दिर, न परिवार देगा।
बचे लड़का जब तो वह मिट्टी करेगा।

लावल्द-नि:संतान
शाहाना-खूबसूरत
वाक़िफ़-जानने वाला
दरकिनार-अलग कर देना
मुतबन्ना-गोद लिया (दत्तक पुत्र)

Astro Lucky

(1) *A बेवा बहन भुआ-मन्दे राग रंग का शौक पहली मन्दी निशानी होगी। मुफ़लिस निर्धन मन्दा ही हाल होगा। डाकू रहज़न भी हो सकता है (2) भूक या ज़रूरत के वक़्त कुत्ते का गन्दा गोश्त भी नसीब न होवे, आवारा साधु का साथ या शहर दर शहर धरम प्रचार के लिए भागे फिरना मन्दा ही असर देगा।	मंगल बद (मन्दे बुध का ताल्लुक़) क़ियाफ़ा:-उंगलियों की पोरियों *A पर 4 चक्कर
(3) सोया हुआ बृहस्पत होगा। दूसरों को बेशक़ सोना तोल तोल कर मुफ़्त देवे मगर अपने पेट के लिए अनाज की क़ीमत के बराबर मेहनत की शर्त होगी लाखोंपति होता हुआ भी खुद मेहनत हर रोज़ करके रोटी खाएगा या मेहनत करने पर ही रोटी नसीब होगी।	नम्बर 1-2 ख़ाली हो, क़ियाफ़ा:- उंगलियों की पोरियों पर लेटे हुए ख़त
(4) न ही भाई मददगार न ही राजदरबार में ऊंचा मरतबा होगा।	बृहस्पत खुद नम्बर 7 में मन्दा हो रहा हो क़ियाफ़ा: शुक्कर के बुर्ज नम्बर 7 पर लंबी लंबी मगर टेढ़ी-मेंढ़ी लकीरें।
(5) *A जवानी में ज्ञान की तरफ़ भागता और औलाद की परवाह नहीं करता था। बुढ़ापे में किस का सुख हो। अब दौलत को भी तरसना पड़ेगा।	मंगल बद (मन्दे बुध का ताल्लुक) *A
(6) औलाद बरबाद, ख़ासकर जब शुक्कर मन्दा हो मुतबन्ने भी मरे ससुराल-बाप या बाबे को दमा होवे मिट्टी का माधो-चने की रोटी का तवे पर का हाल हो सोने की जगह हर तरफ़ मिट्टी और वह भी उड़ने लगे **क़ियाफ़ा:** बृहस्पत रेखा शादी रेखा को काटे या बुध के बुर्ज पर बृहस्पत के सीधे खड़े ख़त हों।	जब ख़ाना नम्बर1-2-5-9-12 और नम्बर 7 में बुध शुक्कर राहु या सनीचर बहैसियत (मन्दी गुज़रान) 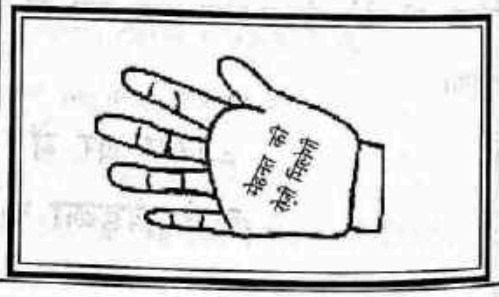

बेवा-विधवा मुफ़लिस-धनहीन भुआ-बुआ (पिता की बहन)

Astro Lucky

(7) औलाद नरीना को तरसता ही होगा जो 45 साला उम्र में क़ायम-मगर उस वक़्त खुद बरबाद हो जाएगा। मुतबन्ना भी दुखिया ही होगा पैदाइश में भेद (तावीज़ वग़ैरह) ज़ुबान में तुथलापन-उम्र-क़िस्मत और माली हालत तीनों ही मन्दे।

जब सनीचर या बुध ख़ाना नम्बर 2-6-12 में हो।

जब सनीचर या बुध नम्बर 9-11 और मन्दे हों

क़ियाफ़ा:-

क़िस्मत रेखा की जड़ में गोल दायरा हो।

मन्दी हालत की निशानी घर में रत्तक (लाल रंग और मुंह स्याह-सोना तोलने के काम आती है) या मंगल बद की अश्या होगी-जिनको बृहस्पत की अश्या (ज़र्द कपड़ा, सोना वग़ैरह) के साथ मिलाकर रखना मददगार होगा-मन्दी हालत में चंद्र का उपाओ मददगार होगा।

नरीना-लड़का, नर वग़ैरह-अलग अश्या-चीजे वस्तुएं उपाओ-उपाय

Astro Lucky

बृहस्पत ख़ाना नम्बर-8

वक़्त मुसीबत खुदाई मदद
का मालिक हर बलाए से बचाने
वाला घर का बुजुर्ग क़ब्रिस्तान का
साधु जिसका सिर राख से भर चुका होवे

बुजुर्गों का हो साथ, जब रात करता
ख़ज़ाना ज़र व माया, आयु का बढ़ता

उड़े खोपरी फिर भी ज़िन्दा[1]	साथ फ़क़ीरी न देगा
आठ बाबा न बेशक़ बैठा	भेद[2] ग़ैबी बतला देगा
बैठे शुक्कर घर 2-6 साथी	लावल्द होता वह न होगा
दान सोने की लंका अपनी	शिवजी रावण को कर देगा
बुध मंगल बद[6] पापी मन्दा	क़ब्र वीराने कर देगा[4]
शनि मंगल 7-4 जो बैठा	राख ख़ज़ाने भर देगा
जिस्म पर सोना क़ायम रखते	दुखिया कभी वह न होगा
बुध[3] राहु ऋण पितृ टेवे	उम्र शक्की तक पा लेगा।

हस्त रेखा

2 संख 8 सीधे ख़त-गृहस्त रेखा मानिन्द अलिफ़ हो 8 चक्कर या 11 चक्कर जब 6 उंगलियां हों। क़िस्मत रेखा सूरज रेखा से न मिले। बृहस्पत का बुर्ज बिल्कुल न होवे। हाथ पर △ हो क़िस्मत रेखा या दिल रेखा दो शाख़ी 7 हों। क़िस्मत रेखा की जड़ पर △ हों

[1] -जब नम्बर 2-4 उम्दा [2] -जब चंद्र उम्दा और 2-5-9-12 उत्तम
[3] -2-5-9-12 में बुध शुक्कर या राहु [4] -बृहस्पत या शुक्कर की अश्या धरम अस्थान में देना मुबारक होगा [6] -काला काना लावल्द टेवे में मंगल बद लेते हैं।

खुदाई-ईश्वरीय फ़क़ीरी-साधुता ग़ैबी-देवी ताकत क़ायम-स्थापित
लावल्द-निःसंतान

Astro Lucky

खुद दौलत मन्द हो या न हो मगर पालकी की तरह दुनिया का हर तरह का आराम बहुत बल्कि पूरा होवे और वक़्त मुसीबत खुदाई मदद मिले। सांच को आंच नहीं वरना खुद आग जले के क़ौल का आदी होगा। ज़ाती क़िस्मत का नेक असर बज़रिया खुदाई और ग़ैबी ताक़त होगा। जब तक जिस्म पर सोना क़ायम वह कभी दुखिया न होगा और सेहत कभी मन्दी न होगी। दुनियावी उरूज में दमकता हुआ सोना फ़क़ीर या लंगोट बन्द साधु न होगा या न हो सकेगा और न ही वह निर्धन या किसी का मोहताज होगा। अव्वल तो जनम से पहले ही ख़तम वरना 8 साला उम्र में बाबा अमूमन जिंदा न होगा और अगर 8 बरस तक बाबा जिंदा रहे तो फिर बाबे की उम्र 80 से कम न होगी। बहरहाल टेवे वाला और उसका बाबा दोनों इकट्ठे न होंगे लम्बी उम्र का उसके बुज़ुर्गों ने ही पट्टा (खुदाई हुक्म) लिखवा लिया होगा। खुद अपनी और अपने पिता की लम्बी उम्र का तो साथ ज़रूर होगा। खुद अपने लेख से वाकिफ़ हो या न हो मगर भेद ग़ैबी तो ज़रूर वक़्त से पहले बतला देगा। उसकी हाज़िरी में मौत के मैदान (शमशान क़ब्रिस्तान) का दरवाज़ा ही बन्द होगा या उसके बैठे हुए उसके सामने मौतें न होंगी।

(1) जागती हुई क़िस्मत (भाग उदय) का मालिक सर से खोपरी उड़ जाने तक ज़िन्दा होगा। जले हुए जंगल में सबकुछ छीनकर बेशक़ जिस्म से नंगा करके उजाड़ बियाबान और वीराना में एक पत्थर पर बिठा दें, वहां भी हरियावल और सोने की कानें ढूंढ लेगा सेहत, दौलत, परिवार और उम्र से कभी दुखिया न होगा।	जब तक ख़ाना नम्बर 2-4 उम्दा हों।
(2) हर तरफ़ सोना ही सोना और भरे भण्डार। ग़ैब का भेद बता देने की हिम्मत का मालिक होगा और लम्बी उम्र का साथ होगा।	जब चंद्र उम्दा हो और ख़ाना नम्बर 2-5-9-12 उत्तम हों।
(3) कभी लावल्द न होगा बल्कि औलाद नरीना छः तक होगी खुद और सबकी उम्र लम्बी और सुख पा लेगा।	जब शुक्कर नम्बर 2-6-8 हों।

बज़रिया-माध्यम से
ग़ैबी-ईश्वरीय
मोहताज-अधीन
बियाबान-वन, जंगल, सुनसान, जनशून्य
उरूज-तरक़्क़ी, ऊंचाई, बुलंदी

Astro Lucky

(4) ख़ानदान लम्बी उम्र का ठेकेदार होगा ख़ासकर बाप और अपनी	जब तक बुध नम्बर 9 में न हो।
(5) शिवजी (चंद्र) अपनी दयालुता से उसे रावण (गुरु बृहस्पत) को सोने की लंका दान कर देने की हिम्मत का मालिक कर देगा। मरते के मुंह में पानी और दुखियों के आंसू पोंछने वाला धरम वीर होगा।	जब मंगल नेक हो या मंगल का ख़ाना नम्बर 2 से नेक ताल्लुक़ हो

मन्दी हालत

(1) क़ब्र वीराने और ख़जाने राख से भरपूर करने वाला ज़माने की हवा को मौत के ख़ूनी तूफ़ान से गुंजा देगा।	जब सनीचर या मंगल ख़ाना नम्बर 4-7 हो।
(2) गन्दा बदनाम आशिक़ होगा	जब बृहस्पत मन्दा या दुश्मन घेरा हुआ हो। क़ियाफ़ा:-हाथ पर बुर्ज नम्बर 2 नदारद या नीचा ही हो।
(3) माक़ूल आमदन होते हुए भी क़र्ज़ाई सेहत दौलत हर दो मन्दे। उल्लू की तरह जिस जगह जा बैठे वहां ही सब्ज़ क़दमा साबित होगा और खुद क़ब्रिस्तान और शमशान की जली हुई मिट्टी से सिर की खोपरी भरी हुई और ख़ून जले ज़र्द रंग क़िस्मत के मारे हुए निर्धन साधु की तरह दुखिया व आज़र्दा होगा	जब मंगल मन्दा या मंगल बद हो क़ियाफ़ा:- गृहस्त रेखा मानिन्द अलिफ़ सीधी खड़ी हो। बुर्ज नम्बर 2 पर या बुर्ज नम्बर 9 पर या बुर्ज नम्बर 4 (दिल रेखा) पर मंगल बद △ ∧ >< का निशान हो
(4) बार-बार जनम लेने का दुख भोगता होगा। उम्र शक्की ही होगी	जब ख़ाना नम्बर 2-5-9-12 में बुध शुक्कर- राहु या सनीचर बहैसियत पापी बैठे हों।
(5) बुज़दिल दलिद्दरी ज़हमत बीमारी का भण्डारी और बैठे बैठाए नाहक़ लानत खड़ी कर लेने वाला होगा।	जब बुध मन्दा हो क़ियाफ़ा:- उंगलियों की पोरियों पर 8 चक्कर या जब 6 उंगलियां हो।

आशिक़-प्रेमी
ज़र्द-गहरा पीला

नदारद-गायब, रिक्त, खाल
नाहक़-अकारण

माक़ूल-उचित, योग्य

Astro Lucky

(5) कमी ख़ून माली व जिस्मानी परेशानी आम होगी	जब ख़ाना नम्बर 12 ख़ाली हो। क़ियाफ़ा:- हाथ की उंगलियों के नाख़ून जर्द रंग हो
(6) क़िस्मत की कोई चमक या शान न होगी।	जब सूरज निकम्मी हालत में हो। क़ियाफ़ा: जब क़िस्मत रेखा सूरज रेखा से न मिले
(7) ज़िन्दगी ख़ानापूरी का नाम होगी	जब राहु मन्दा हो क़ियाफ़ा: बुर्ज नम्बर 2 पर 8 खड़े ख़त
(8) निर्धन मुफ़लिस दलिद्दरी बुज़दिल होगा	जब केतु मन्दा हो। क़ियाफ़ा: उंगलियों की पोरियों पर 2 संख
(9) पक्का इरादा आज़ाद तबीयत बढ़ने का ख़याल हौसला भरी उम्मीद सब की सब बातों में उलट होगा।	सनीचर नम्बर 2 क़ियाफ़ा: तर्जनी झुक जावे मद्धमा की तरफ़
उपाओ: मन्दे वक़्त में बृहस्पत या शुक्कर की अश्या धरम अस्थान में देना मददगार होगा।	

बृहस्पत ख़ाना नम्बर-9

सुनहरी ख़ानदान मगर ख़ुद माया का त्यागी और योगी जिसके धरम मर्यादा और बुज़ुर्गी साया मदद पर होंगे

माया छोड़ दुनिया की न धरम बनता

धरम ख़ुद उल्लंघन सभी कुछ हो जलता

धन की थैली पाँच[3] तीजे
माया दौलत मूतर समझे
पांच चौथे बुध जो बैठा
पापी शत्रु 5 वें आया

योग पालन 12[1] हो
फोका पानी गंगा[2] हो
राजा योगी होता हो
बैठे[4] दुखिया मरता हो

[1] 2-5-9-11 में बुध, शुक्कर या पापी न हों।

[2] गंग दरिया आल-औलाद धन दौलत और औलाद परिवार

[3] जब 3-5 दोनों ही ख़ाली। माया उसके पीछे दौड़ती होगी। जब सूरज उत्तम हो तो कभी धरम हीन न होगा।

[4] पहली निशानी धरम हीन, ख़ुद पसन्दी होगी लेकिन जब नम्बर 1 ख़ाली तो सेहत मन्दी दिल की बीमारियां

जिस्मानी-शारिरिक मुफ़लिस-धनहीन ख़याल-इच्छा मूतर-पेशाब

Astro Lucky

हस्त रेखा

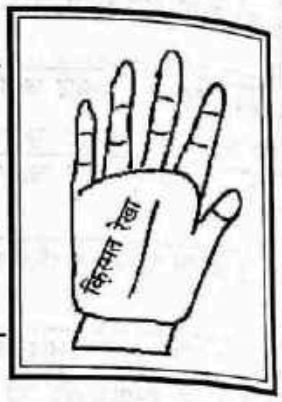

क़िस्मत रेखा सीधी डण्डे की तरह शुरू होकर खड़ी हो।

(1) ज़ाती क़िस्मत का नेक असर बज़रिया अपने बुज़ुर्ग या बुज़ुर्गी धरम या वह अपने बुज़ुर्गों की मार्फ़त या उनकी मदद और उनके ज़रिए ही बढ़ेगा

(2) प्राण जाए पर वचन न जाए। वचन से अपना धरम भी पाए और धरम से उसके धन में हार न आए। जूं-जूं उम्र बढ़ती जावे और योगी और ब्रह्म ज्ञानी होता जाएगा।

(3) उम्र कम अज़ कम 75 साल होगी

(4) जनम पर अकेला-अकेला रुपया गिनने की बजाए तकड़ी से तोल तोल कर रुपयों का हिसाब करने वाले सुनहरी ख़ानदानी तह ज़मीन का मालिक होगा, या उसके बुज़ुर्ग ख़ालिस ख़ून, नेक ख़सलत और माली हालत में निहायत आला और नेक हालत पर होंगे।

(5) गो ख़ुद त्यागी और योगी मगर उसकी बद्दुआ भी दूसरों को नेक असर देंगी।

(6) उसका/उसको फोका पानी बहैसियत गंगा (गंग=दरिया-आ=आल औलाद) धन दौलत की आमद व बरकत देगा।

(7) वाल्दैनी सुख-घरवालों की रहनुमाई-हकीमी-परहेज़गारी-चाल चलन सब उम्दा होंगे

(8) सर्राफ़, जवाहरी बाकमाल-दिमाग़ी ख़ाना नम्बर 19 बृहस्पत का ज़ाती असर मज़हब रूहानी हमेशा उत्तम व नेक असर होगा।

(9) धन की थैली की हालत ख़ाना नम्बर 3-5 से ज़ाहिर होगी। अगर दोनों घर ख़ाली तो ख़ुद साख़्ता अमीर मगर सख़्त कोशिश से कामयाब होगा।

बज़रिया-माध्यम से
ख़याल-इच्छा, विचार
ख़ालिस-शुद्ध
रहनुमाई-पथ प्रदर्शन, रास्ता बताना, आगे-आगे चलना

Astro Lucky

(10) प्रण, प्राण बचन धन धरमी सर्राफ़ सोने की कुल उस अपनी योग पालन वह करता हो जगत धरम में पक्का हो योग पालन करेगा, योग पालन की अच्छी या बुरी हालत ख़ाना नम्बर 12 के ग्रहों के हालत पर होगी	जब ख़ाना नम्बर 2-5-9-11 में बुध शुक्कर-राहु या सनीचर बहैसियत पापी न हो।
(11) योगी राजा यानी राजा होते हुए भी योगी या राज का मालिक और योग में भी कामिल होगा	जब बुध नम्बर 4-5 में हो।
(12) कभी धरमहीन न होगा गर होगा तो वह धरमहीन होने से पहले ही इस जहान में न होगा।-दुनियावी ताल्लुक़ में कामयाबी और बरकत होवे। सेहत और तरक़्क़ी मिले बेशक किसी वजह से बृहस्पत रद्दी या मन्दा ही हो रहा हो	जब सूरज क़ायम हो।
(13) बृहस्पत तीन गुना नेक असर देगा यानी उसके जनम पर अकेला-अकेला रुपयों गिनने की बजाए तकड़ी से तोल तोलकर रूपया का लेन देन होता होगा और जो नर ग्रह नम्बर 3 5 से देखता हो उसका मुतअल्लिक़ा असर और भी पक्का और उम्दा होगा।	जब नर ग्रह ख़ाना नम्बर 3-5 से देखें।
(14) धन के लिए क़िस्मत सनीचर की उम्र $\frac{33}{16\frac{1}{2}}$ - $\frac{39}{19}$ से गिनी जाएगी धन दौलत उम्दा मगर औलाद के लिए सनीचर का फल मन्दा ही होगा।	जब सनीचर ख़ाना नम्बर 5 में हो
(15) कभी शाह, कभी फ़क़ीर मलंग कभी अमीरी के दरिया की ठाठें और कभी ग़रीबी के समन्दर की रेत की चमक भी न होगी।	जब शुक्कर और चंद्र दोनों ही ख़ाना नम्बर 3-5 से देखें क़ियाफ़ा: बृहस्पत के खड़े ख़त बुर्ज नम्बर 4 (चंद्र) और नम्बर 7 (शुक्कर) की तरफ़ मिल कर ख़ाना नम्बर 9 की हद बन्दी पर वाक़ै हों!

बहैसियत-क्षमतानुसार दुनियावी- दुनिया का मुतअल्लिक़ा-संबंधित

Astro Lucky

(1) निर्धन, नास्तिक धरम तक छोड़ देवे मगर ग़रीबी वजह न होगी।	जब दृष्टि वग़ैरह से बृहस्पत की हालत मन्दी हो
(2) हर वक़्त खुद ग़र्ज़ व खुद पसन्दी का तूफ़ान ज़ोर पर होगा औलाद मन्दी तबाह बल्कि बेटे से दुखिया ही मरता होगा जिसकी पहली निशानी धरम हीन होना और खुद पसन्दी होगी	दुश्मन (बुध-शुक्कर) या पापी ख़ाना नम्बर 5 में हों।
(3) सेहत मन्दी और दिल की बीमारियां होंगी	जब ख़ाना नम्बर 1 ख़ाली हो क़ियाफ़ा: उंगलियों के नाखूनों का रंग ज़र्द हो।
(4) अपनी क़िस्मत को उम्दा बनाने के लिए तमाम दुनिया के बरख़िलाफ़ खुद अपने अकेले ही सिर ज़ाती मेहनत से हिम्मत व कोशिश करनी पड़ेगी	ख़ाना नम्बर 3-5 दोनों ही ख़ाली हों क़ियाफ़ा:- क़िस्मत रेखा अकेले डंडे की तरह खड़ी होकर शुरु हो
(5) कम उम्र, मन्दभाग बल्कि मंगल बद का मन्दा असर लेंगे।	बुध मन्दा हो क़ियाफ़ा:- उंगलियों की पोरियों पर 11 चक्कर हों।

नास्तिक-भगवान में विश्वास न करना
बरख़िलाफ़-प्रतिकूल, विरूद्ध
क़िस्मत-भाग्य
ज़ाती-निजी
क़ियाफ़ा-सामुद्रिक शास्त्र

Astro Lucky

बृहस्पत ख़ाना नम्बर-10

पहाड़ी इलाक़ा का गृहस्ती हर शै के लिए कलपता दरवेश

लिखा माया दौलत न था जो बिधाता
बनाएगा क्या तू जौ आंसू बहाता

ख़्वाबी महल-न क़ीमत[1] अपनी
लेख मन्दा-ख़्वाह अक़्ल सयानी
रहम लालच शनि चंद्र[3] चौथे
शुक्कर मंगल जब चौथे बैठे
10 वें घर का नीच बृहस्पत
शनि का गरवां[7] पहरा होवे
रवि मगर ख़ुद जला जलाया
शनि ने हों जो पत्थर फूंके

न ही पिता धन छोड़ता हो
सिर्फ़ शनि[2] ही तारता हो
राख सोने[4] की होती हो
मिट्टी सोना[5] ख़ुद देती हो
रवि[6] से सोना करता है
हर दो चूल्हे धरता है
मदद चंद्र की पाता है
लाल रवी कर देता है

[1] -नाक साफ़ रखना मददगार होगा।

[2] -सनीचर नम्बर 11 तांबा भी सोना हो। ख़ासकर जब 2-4-5-6 में सूरज या चंद्र क़ायम हो सनीचर के कारोबार जब 2-4-5-6 सब ख़ाली मंद भाग होगा-नम्बर 2 ख़ाली कम दौलत मगर सेहत उम्दा।

[3] -सनीचर नम्बर 4-6 1 ता18 पिता की उम्र शक्की-चंद्र नम्बर 4 हो 16 ता 24 माता की उम्र शक्की।

[4] -बृहस्पत क़ायम करना-केतु का उपाओ या चलते पानी में तांबे का पैसा बहाते रहना मददगार होगा

[5] -जब 4 में सनीचर-चंद्र-बुध या नम्बर 5 में सूरज तो शुक्कर का फल (औलाद) धन स्त्री बरबाद

[6] -सूरज नम्बर 4 में हो।

[7] -सनीचर नम्बर 10 में हो।

दरवेश-साधु
शुक्कर-शुक्र ग्रह
बिधाता-विधाता
ग्रहस्ती-ग्रहस्थी

Astro Lucky

हस्त रेखा

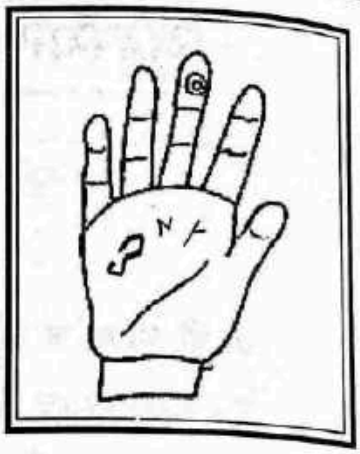

सूरज के बुर्ज पर बतरफ़ बुध एक सदफ़ हो

10 चक्कर हों-या उम्र रेखा चंद्र पर ख़तम हो यानी पितृ

रेखा बनी हो

बृहस्पत और सनीचर के बुर्ज दो शाख़ी से मिले हों।

नेक हालत

ज़ाती क़िम्मत का नेक असर बज़रिया जिस्मानी कारोबार / दस्ती मेहनत मशक़्क़त होगा। जिस क़दर करमी धरमी और नेकी करने वाला हो-उतना ही दुखिया। गृहस्ती और जितना कहो उतना ही ग़रीब दुनियादार और हर तरफ़ से मायूस होता होगा। लालच की पहाड़ी हवा (फोकी उम्मीदों की भूल भूलैया रंग बिरंगे धोकों)

से न माया मिले न राम भगती। जिस क़दर चालाक (सनीचर तबीयत) हो उसी क़दर आराम पावे मगर इश्क़ फ़ाहिशा और बदकारी आख़ीर पर धोका ही देंगी। गो धन की कमी हो मगर अक़्ल की कोई कमी नहीं गिनते। नसीबा की ऊंच नीच और टेवे वाले के लिए वाल्दैनी सुख की हालत सनीचर की नेक बद हालत पर चलती होगी।

(1) बृहस्पत का मकान (सेहन मकान के किसी भी एक तरफ़ पर मगर दरमियान में नहीं) या धरम अस्थान का साथ नेक सनीचर का काम देगा। सनीचर की तबीयत (चालाकी) कामयाबी का भेद होगी। मामूली गोल लोहे का टुकड़ा उसके लिए सोने के पौंड की क़ीमत काम देगा खुद भागवान होगा सनीचर की अश्या का कारोबार मुतअल्लिक़ा सनीचर मददगार होंगे। दुनियावी सुख सागर और वाल्दैनी साया आतफ़त देर या लम्बा अर्सा और नेक होगा।	जब सनीचर उम्दा हो और ख़ाना नम्बर 2 6 में सूरज या चंद्र क़ायम हो
(2) मिट्टी भी सोना देती जावे जब तक चोरी और खुफिया इश्क़	जब शुक्कर या मंगल ख़ाना नम्बर 4 हो।

बतरफ़-की ओर
फ़ाहिशा-बहुत अधिक बुरा, लज्जा जनक
सदफ़-सीप, सीपी
सेहन-आंगन
मशक़्क़त-कष्ट

Astro Lucky

फ़ाहिशा का आदी न हो यानी औरत अगर ज़रूरत पड़े बेशक़ दो या कई एक रखे-मगर उनको ज़ाहिरा और अपनी मुक़र्रर की हुई औरत बनाकर रखे तो कोई मन्दा असर न लेंगे।	
(3) माता-पिता का सुख सागर जैसा सनीचर हो वैसा ही होगा शनि उम्दा तो सनीचर की उम्र 33 ता 39 से/में भागवान उल्टी हवा के चक्कर में घूमना पड़ेगा।	सनीचर की हालत पर फ़ैसला होगा क़ियाफ़ा: उम्र रेखा चंद्र के बुर्ज पर ख़तम हो या पितृ रेखा बन रही हो।
(4) बृहस्पत अब नीच न होगा बल्कि उसका फल उत्तम और हर तरफ़ सोना ही सोना होगा।	सूरज नम्बर 4 में हो
(5) जले हुए पत्थरों से भी दोबारा सोना भी मिट्टी बन जावे (नफ़ा होवे)	
(6) मंगल की अश्या रिश्तेदार व कारोबार मुतअल्लिक़ा मंगल भाई की मदद या उसके साथ नेक ताल्लुक़ रखने से 28 साला उम्र में उत्तम हालत का मालिक और सब के पूजने की जगह श्री गणेशाय नमः होगा।	जब मंगल ख़ाना नम्बर 4 हो।
(7) घर घाट में पूरी बरकत होगी	जब सनीचर ख़ाना नम्बर 2 हो।
(8) सोने चांदी के कामों से फ़ायदा मगर सनीचर के कामों से आग के मन्दे असर देने वाले वाक़िआत होंगे।	जब सूरज ख़ाना नम्बर 3-5 हो और सनीचर ख़ाना नम्बर 9 हो।
(9) राजदरबार के मुतअल्लिक़ा सफ़रों से मोती पैदा और नेक नतीजे निकलते हों।	जब सूरज या चंद्र ख़ाना नम्बर 2 में हो
(10) टेवे का बुरा असर टेवे वाले के बाप की निर्धन और बेटे को माली मदद ख़्वाह ज़िन्दगी में ख़्वाह मरने के बाद अगर कभी कोई हो तो सब बाबे पर होगा बाप पर कोई बुरा असर न होगा।	जब सूरज ख़ाना नम्बर 1-4-5 में हो
(11) औलाद (टेवे वाले की) लड़कियों की जगह लड़के और तांबा भी सोना हो जावे। खुश हाल और फ़ारिगुलबाल होगा।	बुध उम्दा हो और बृहस्पत को किसी तरह भी बरबाद न करता हो क़ियाफ़ा:-उंगलियों की पोरियों पर 10 चक्कर हों

फ़ारिगुलबाल-धन की चिन्ता से मुक्त
नफ़ा-लाभ, फायदा
फ़ाहिशा-बहुत अधिक बुरा, लज्जाजनक
फ़ायदा-लाभ
ख़्वाह-चाहे

Astro Lucky

मन्दी हालत

खुद ऐसा शख़्स धरम मर्यादा का मालिक व सफ़ा दिल मगर माली हालत व दुनियावी गृहस्थ के ताल्लुक़ में क़िस्मत उलटी। जूं जूं उसकी अपनी नेकी बढ़े ग़रीबी बढ़ती जावे ज़माने में उसका ख़ालिस तेल आम लोगों के गन्दे पेशाब के बराबर भी क़ीमत न देवे निर्धन पिता न ज़िन्दा होते हुए धन दौलत देवे या देने के क़ाबिल हो और न ही वह फ़ालतू धन दौलत छोड़कर मरे। लेकिन अगर कभी माया दौलत छोड़ जावे तो टेवे वाला शायद ही उसे ले सकेगा। अब प्रानी सोते और जागते हुए ख़्वाब तो महलों के लेगा लेकिन जागने और ज़रूरत के वक़्त वह अपनी टूटी हुई और क़िस्मत की पुरानी साथी चारपाई को बीमार जानवरों के गन्दे तबेले में ही देखता होगा। न कभी उसका शुरु (बचपन) अच्छी हालत में देखा और न ही आख़ीर (बुढ़ापा) भला पाया। बल्कि उसे अक्सर अपनी आरज़ू को कफ़न में लिपटी हुई ही साथ ले जाते देखा। माथे और पगड़ी पर ज़र्द केसर का तिलक लगाना और नाक का पानी खुश्क (नाक सफ़ा) करने के बाद काम शुरू करना मददगार होगा। पिता की मन्दी हालत की ज़हर धोने के लिए चलते पानी में $\frac{40}{43}$ दिन लगातार तांबे का पैसा बहाते जाना मददगार होगा। बृहस्पत के सोने को कोढ़ होगा। और हर तरफ़ लानत मलामत नसीब हो या वह हर दरवाज़ा का मन्दा और मायूस दरवेश होगा।

(1) फ़ालतू ख़र्च बदी का मददगार जाहिल और मुतआसिब होगा हर बात में फ़ैसला बरख़िलाफ़ हो	जब सनीचर मन्दा हो क़ियाफ़ा:सूरज के बुर्ज पर बुध की तरफ़ एक सदफ़ हो
(2) ग़रीब पर तरस खाकर वह जब कभी किसी को खाने के लिए रोटी देवे तो ज़हर देने के इल्ज़ाम में पुलिस से सजा पावे। गोया जिस क़दर दूसरों पर रहम करें उतना ही दुख उठावे। नेकी करे तो अपनी जान पर दूसरों के ज़ुल्म देखें।	जब सनीचर ख़ाना नम्बर 4-10-12 या चंद्र ख़ाना नम्बर 4 हो
(3) सोना भी राख हो जावे (दिल में भलाई की सोच करने पर सांस में ज़हर भरेगी केतु क़ायम करना या बृहस्पत क़ायम रखना मददगार होगा।	जब केतु बरबाद हो

शख़्स-इंसान आख़ीर-अन्त में प्रानी-आदमी
ज़र्द-गहरा पीला

Astro Lucky

(4) हर तरफ़ मन्दी हालत न इज़्ज़त मिले न माल बाक़ी रहे निर्धनी में कुत्ते की खुराक तक को भी तरसना पड़े (ii) माया कोसों दूर हटती जावे मगर आक़िबत अन्देश और सेहत उम्दा होगी। नाज़ुक हालत ख़राब मायनों में(माली मन्द)	जब सनीचर ख़ाना नम्बर 1-4-10 हो और ख़ाना नम्बर 2 ख़ाली हो या सिर्फ़ ख़ाना नम्बर 2 ख़ाली हो क़ियाफ़ा:-हाथ की उंगलियों के नाख़ून पतले झुके हुए टेढ़े हों।
(5) मन्द भाग अकेला सिर (बहुत थोड़ा क़बीला) खुद अपनी ही गुज़रान और वह भी निर्धन-दुखिया तमाम दुनिया के बरख़िलाफ़ खुद ज़ाती मेहनत से कामयाब होगा। उम्र का कोई भी दूसरा साथी मददगार न होगा।	जब ख़ाना नम्बर 2-4-5-6 सब ख़ाली हों क़ियाफ़ा:-क़िस्मत रेखा उम्र रेखा से अलाहदा होकर अकेले डण्डे की तरह शुरु हो।
(6) औरत पर औरत मरती जावे या कोई भी लम्बा अरसा साथ न देवे-बल्कि एक बच्चा देकर मर जावे। या भाग जावे या वैसे ही जुदाई पा लेवे।	सूरज नम्बर 5
(7) पिता के लिए सोने को कोढ़ का सबूत देगा या पिता बे मौक़ा (टेवे वाले की छोटी ही उम्र में) un-natural Death-Blood poison Sta. मन्दी मौत-ख़ूनमें ज़हर या ज़हर से मौत पावे टेवे वाले की दुनियावी माली हालत थोथा चना बाजे घना। मर मर कर बुढ़िया राग गावे लोग कहें ब्याह की तरह उसकी ज़ाहिरदारी बेशक़ उम्दा मगर वह बुध की मियाद 34 साला उम्र तक अन्दर से ख़ाली ढोल की तरह हर तरफ़ से ख़तम हो चुका हुआ (मन्दा) होगा। नाक सफ़ा रखना या नाक छेदन मददगार है।	जब बुध ख़ाना नम्बर 4-9-10 में हो।
(8) सनीचर के कारोबार या अश्या मुतअल्लिक़ा सनीचर के मन्दे वाक़िआत आग ज़हर या झगड़ा फ़साद वग़ैरह से बुरे नतीजे हों।	जब सूरज ख़ाना नम्बर 3-5 और सनीचर ख़ाना नम्बर 9 हो।

आक़िबत-भविष्य बरख़िलाफ़-प्रतिकूल, विरूद्ध अलाहदा-अलग, भिन्न
ब्याह-शादी फ़साद-झगड़ा वाक़िआत-घटनाएं

Astro Lucky

(9) शुक्कर (स्त्री लक्ष्मी) राहु (ससुराल चोरी वग़ैरह) केतु (औलाद-सफ़र) सब ही मन्दे असर के होंगे	जब ख़ाना नम्बर 4-5-9 में सूरज सनीचर या बुध हो
जिसका ताल्लुक़दार उसी का ही बेड़ा ग़र्क़ करे या ग़र्क़ हो जावे। मन्दी शोहरत का दिल दादा और दुष्ट भागवान होगा	
जिसके दरवाज़े से कुत्ते को रोटी का टुकड़ा और चींटी को आटे का ज़र्रा नसीब न हो उसके बरख़िलाफ़ चलने वाला जब कभी मुक़ाबला पर आए खुद ब खुद ही फ़ौरन ग़र्क़ हो जावे और मुक़ाबला पर आने वाला प्रानी अपने किए पर पछताने का मौक़ा भी न पावे।	जब सनीचर खुद बृहस्पत को मदद देवें।

बृहस्पत ख़ाना नम्बर-11

सनीचर की हुकूमत (ईमान से ख़ारिज) के वक़्त सिवाए धरम बाक़ी सब कुछ बल्कि कफ़न तक पराया खजूर के दरख़्त की तरह अकेला

कफ़न दूसरों पर जो देता रहेगा
बिला कफ़न घर से न बाहर मरेगा

इश्क़ हसद से हो गुरु जलता
बुध दबाया-हो शनि मन्दा[2]
धरम पालन से हो गुना 11
पेशाब पड़ेगा उसको नहाना
ऊंच हुआ ख़्वाह शुक्कर टेवे

मर्द माया घर डोलता[1] हो
सिफ़र गुरु खुद होता हो
उत्तम गृहस्ती बनता हो
नाली चलन जब गन्दा हो
दुखिया[3] औरत उस होती हो

[1] मंगल नम्बर 3 तो ख़ानदानी मौतों से दुखिया-बुध नम्बर 3 माक़ूल आमदन फिर भी क़र्ज़ाई।

[2] ऐसे शख़्स से किसी को फ़ायदा न हो ख़ास कर जब नम्बर 3 ख़ाली अमूमन अपने लिए नम्बर 3 ख़ाली ही मुबारक होगा।

[3] नम्बर 3 में दोस्त 22 साल मुबारक मददगार।
औरत दुखिया या आख़ीर औरत तक साथ न देवे (आम जुदाई या उम्र का तक़ाज़ा)

ताल्लुक़दार-संबंधित
अमूमन-आमतौर से
दिलदादा-इच्छुक
हसद-ईर्ष्या, जलन

Astro Lucky

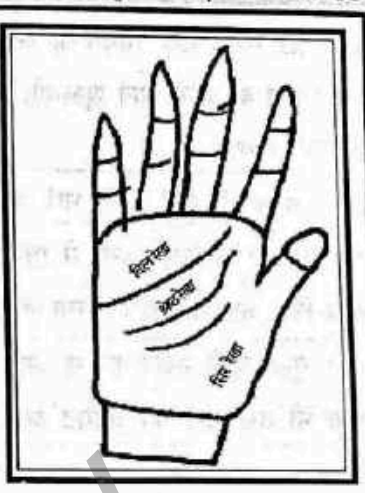

हस्त रेखा

9 चक्कर या सिर की श्रेष्ठ रेखा होवे।

ज़ाती क़िस्मत का नेक असर बज़रिया पर उपकार व गरीब परवरी / धरम पालना-उपदेश होगा जब तक ख़ानदान में मुश्तरका रहकर काम करता जावे-खुश गुज़रान होगा मगर जब खजूर के दरख़्त की तरह अकेला हो बैठे। बृहस्पत का असर सिफ़र या मन्दा ही होगा। पिता की ज़िन्दगी और हाज़री में सांप (सख़्त दुश्मन) ने भी सजदा किया और सबका ही साया बढ़ा मगर ज्यों ही कि बृहस्पत (पिता) का सांस या पिता के ज़माने की बुलन्दी के ज़ोर की हवा का रूख़ पीछे हटा मर्द की माया-साधु-गुरु राजा या दरख़्त का साया उसके साथ ही उठ गया मालूम होने लगा और फिर वही सताने वाला मच्छर आ मौजूद हुआ मुख़्तसरन पिता लाखोंपति होता हुआ भी मरते वक़्त बेटे के लिए नक़द माया के ताल्लुक़ मे सिफ़र ही साबित होगा या बेटा अपने पिता के धन से शायद ही कहीं आराम पाता होगा। दिमाग़ी ख़ाना नम्बर 15 सनीचर से मुश्तरका खुददारी मगर हद से बुरी दिमाग़ी ख़ाना नम्बर 35 चंद्र से मुश्तरका पेशानी-वाक़िआत गुज़रे होने की याद धरम, अदालत / दरबार का मालिक राजा जहां सनीचर भी पहले बृहस्पत का हलफ़ उठाकर बैठे इसलिए करम धरम या धरम पालना से दौलत के भण्डारे और बृहस्पत का असर ग्यारह गुना उत्तम होगा-किये हुए वायदे और मुंह का कहा हुआ लफ़्ज पूरा करने से उत्तम हालत होगी।

(1) बृहस्पत सोया हुआ फ़ैसला सनीचर पर मगर टेवे वाले के लिए फिर भी हर वक़्त उत्तम फल होगा। } जब ख़ाना नम्बर 3 ख़ाली हो।

बज़रिया-माध्यम से
वाक़िआत-घटनाएं

मुश्तरका-मिले जुले
हलफ़-कसम, सपथ

दरख़्त-वृक्ष

Astro Lucky

(2) 23 साला ऐशो आराम के अर्सा के बाद फिर वही अन्धेरी रात में मन्दी हवा के झोंके आने शुरू हो जाएंगे इसलिए बृहस्पत क़ायम रखना मददगार होगा।	जब ख़ाना नम्बर 3 में दोस्त ग्रह (सूरज चंद्र मंगल) हों
(3) अपना ही कोई दूसरा भाई बन्द साथ मिलने या मिलाकर रखने या मुश्तरका कारोबार करने से क़िस्मत जागेगी, 12 साला ऐश होगा फिर अमूमन वही निकम्मा ज़माना जो ज़रूरी नहीं कि मन्दा ही हो	जब ख़ाना नम्बर 5 में सूरज चंद्र मंगल हो। क़ियाफ़ा:-क़िस्मत रेखा के मुतवाज़ी नम्बर 11 में दूसरा ख़त
(4) सूरज यानी राजदरबार या आग के कारोबार से कमाया हुआ तांबा भी उसे सोने की क़ीमत देवे। बृहस्पत नम्बर 10 की तरह अब बृहस्पत नम्बर 11 का मन्दा असर अगर कुछ हो भी तो बाप की बजाए अब बाबे पर होगा।	जब सूरज नम्बर 1-4-5 में हो।
(5) बृहस्पत चुप होगा, मगर गुम न होगा	जब राहु ख़ाना नम्बर 9 में हो।
(6) जो बृहस्पत का मुफ़्त माल नदारद मगर खुद साख़्ता ज़रूर और ज़्यादा अमीर होगा	जब बुध उत्तम हो क़ियाफ़ा:-उंगलियों की पोरियों पर 9 चक्कर हों जब बुध ख़ाना नम्बर 6 में हो क़ियाफ़ा:-सिर की श्रेष्ठ रेखा या सिर रेखा डबल हो।
(7) गो पिता की मदद न होगी मगर वह खुद हमेशा खुशगुज़रान और उम्दा हाल होगा। मंगल भी नेक फल देगा।	सनीचर भला हो 2-10 दो शाख़ी से मिले हुए हों।
(8) दोनों ग्रहों (बृहस्पत और सनीचर) का उत्तम फल होगा	सनीचर-साथी क़ियाफ़ा:-बुध नम्बर

मन्दी हालत

(1) अमूमन बुध (बहन भुओं) का फल मन्दा ही होगा।

(2) खुद वह धरम फ़रोश राजा की तरह किसी को भी कोई फ़ायदा न देवे-मगर टेवे वाले की खुद अपनी हालत उम्दा होगी।

(3) पिता की मौत के बाद मच्छर का मुक़ाबला करने की भी हिम्मत न होगी।

(4) चाल-चलन गन्दा तो गन्दी नालियों में नहाना पड़ेगा। इश्क़ के महकमें में ज़ायका के लिए खूबसूरत मिट्टी न पाएगा।

क़ायम-स्थापित
ज़रूरी-अवश्य
मुतवाज़ी-सह चालन समानांतर
खुशगुज़रान-सुखद निर्वाह
खुद साख़्ता-स्वयं बनाया हुआ

Astro Lucky

(5) परिवार ख़्वाह कितना मगर कफ़न पराया ही नसीब होगा। ख़ासकर मन्दे ग्रहों के मुतअल्लिक़ा रिश्तेदार की मौत पर जो कहीं बाहर ही जाकर मरेगा। इसलिए ऐसे वक़्त से पहले दूसरों की मौत पर कफ़न देते रहना मुबारक होगा।

बृहस्पत बाप-बाबा	सूरज खुद अपना आप	चंद्र माता	शुक्कर स्त्री
मंगल भाई ससुराल	बुध बहन लड़की	सनीचर चाचा	राहु ससुराल
केतु औलाद या लड़का			

(6) इश्क़ की ज़्यादती और हसद बाइसे तबाही होगा (इश्क़ व हसद बृहस्पत की ताक़त को जला देंगे) उसका सोना गन्दी मिट्टी के भाव बिकता होगा।	चंद्र नम्बर 1 या जब बृहस्पत सोया हुआ दृष्टि वग़ैरह के ढंग से मंदा हो रहा हो।
(7) बुढ़ापे में मन्दा हाल और उम्र का अरसा तकरीबन 90 साल मन्दा होगा नज़र कमज़ोर और सनीचर का ज़ाती असर मन्दा होगा	बुध नम्बर 6 और चंद्र नम्बर 2
(8) बृहस्पत का पहली उम्र का असर शक्की ही होगा।	ख़ाना नम्बर 3 मन्दा
(9) ख़ानदानी मौतों से दुखिया मगर खुद ससुराल के लिए मुबारक	मंगल नम्बर 3
(10) माक़ूल आमदन के होते हुए भी क़र्ज़ाई ही होगा, पिता से खुद दुखिया	बुध नम्बर 3
(11)औरत दुखिया ही होगी।	शुक्कर ऊंच व कितना ही उत्तम हो
(12) धरम फ़रोश होगा, ख़्वाह राजा ही होवे। किसी भी दूसरे को कोई फ़ायदा न देवे मगर टेवे वाला खुद उम्दा हालत में होगा सोया हुआ बृहस्पत होगा जिसका फ़ैसला सनीचर पर होगा। जिस्मानी क़द पैमाना होगा, यानी लम्बा क़द मर्द-नरम दिल धर्मात्मा हो। अपनी उंगलियों के पैमाने से अगर 68 अंगुल हो तो बदनसीब, 52 अंगुल हो तो नेक नसीब होगा। मंगल-बृहस्पत और सनीचर तीनों ही का फल मन्दा होगा।	बुध दबाया या मंदा हो नम्बर 3 ख़ाली हो चंद्र मन्दा हो।

हसद-ईर्ष्या फ़रोश-विक्रेता, बेचने वाला कफ़न- मुर्दे को दिया जाने वाला कपड़ा माक़ूल-उचित, योग्य

Astro Lucky

बुरे का भी भला करने वाला
उत्तम ज्ञानी-वैरागी

बृहस्पत ख़ाना नम्बर-12

दुआएं भले सब की गर तू करेगा
ख़ज़ाना न ताक़त का तेरी घटेगा

हालत राहु[1] पर दौलत चलती
चुप समाधि बर्षा सोने की
आठ 9 वें घर 2-10 ख़ाली
हुआ शनि जब 2-9 साथी
गुरु[3] घरों जब पापी[4] बैठे
पाप मगर जब ऊंच हो टेवे
गुरु उत्तम[5] 2 राहु[6] बिगड़े
नेक करे सिर दुश्मन कटते
बैठा शुक्कर ख़्वाह टेवे कैसा
बुध उम्र ता केतु मन्दा[7]

केतु धरम ख़ुद बोलता हो
धरम काटा[2] दया तोलता हो
माया दौलत सब छोड़ता हो
पाता दौलत मच्छ रेखा हो
बुध शुक्कर ख़ुद मन्दा हो
परिवार दौलत ज़र सुखिया हो
साधु सेवा से बढ़ता हो
सिरहाने पानी जब धरता हो
असर मुबारक देता हो
पाप राहु तक दुखिया हो

[1] मन्दी हालत में चंद्र (ज़मीन काश्त वग़ैरह) के वीरान खुले मैदान-फोकी उम्मीदें 42 साला उम्र तक पिता निर्धन, दुखिया कलपता ही होगा।
[2] ज़माना की हवा का पूरा और नेक असर होगा या हवाई या गैस के कामों से हमेशा फ़ायदा होगा।
[3] ख़ाना नम्बर 2-5-9-12 [4] राहु केतु सनीचर नम्बर 9-12
[5] 11-19-31-42-53-67-84-101-114 साला उम्र
[6] दग़ा फ़रेब बद दयानती धोका-झूठी शहादत-बदकारी वग़ैरह-खुद साख़्ता मन्दे काम।
[7] बुध मन्दा तो 34 साला उम्र तक केतु का असर मन्दा होगा-मगर शुक्कर (स्त्री भाग) कभी मन्दा न होगा और न ही दुनियावी माया की कमी होगी नेकी से रात का आराम मिलेगा।

दग़ा-धोका
शहादत-गवाही
काश्त-कृषि, खेती
ख़ुद साख़्ता-स्वयं बनाया हुआ
धोका-धोका

Astro Lucky

हस्त रेखा

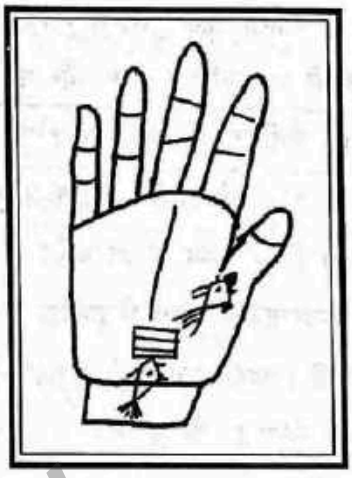

3 ख़त-6 संख-12 चक्कर (जब उंगलियां 6 हों) क़िस्मत रेखा की जड़ पर राहु का निशान हो या मच्छ रेखा शुक्कर के बुर्ज पर या शुक्कर व चंद्र दोनों बुर्जों के दरमियान मुंह ऊपर को किए हुए और ऊर्ध रेखा या उम्र रेखा उसके मुंह में हो।

नेक हालत

गुरु पवन माया ख़्वाह सोना ही बख़्शे
मगर मर्द त्यागी जो देखे न बरते

(1) ज़ाती क़िस्मत का नेक असर बज़रिया योग $\frac{\text{तपस्या-पूजा-पाठ होगा}}{\text{सुख की कमाई के मुतअल्लिक़ा काम}}$

(2) छोटी उम्र (राहु का ज़माना) में वालिद को ख़र्चा की ज़्यादती के फ़िक्र।

(3) माया पर पेशाब की धार मारने वाला गृहस्ती।

(4) इसके घर में गंगा होगी-ख़ाना नम्बर 9 का उत्तम असर शामिल। माया लक्ष्मी खुद पांव पकड़ती होगी।

(5) बेशक बुध मन्दा या केतु बुरा हो मगर माया की कमी न होगी।

(6) शुक्कर टेवे में ख़्वाह कैसा ही हो मुबारक असर देगा।

(7) ऐसे आदमी की सेवा से आशीर्बाद का उत्तम फल और सताने से मन्दे नतीजे होंगे

(8) दुनिया के लिए भण्डारे खोले तो अपना घर बार सोने से भरे।

(9) चुप समाधि की आदत से सोने की बर्षा होगी।

(10) दयालुता के उसूल का धरम कुंडा मुबारक होगा जो रात का आराम देगा।

(11) नेकी के काम करने का उसूल बतौर हथियार राहु के हाथी को बृहस्पत के सोने की ज़ंजीर से बांध देगा-जिससे रात का आराम मिले और दौलत का चश्मा निकले।

(12) कभी भी ग़रीबी का मारा हुआ साधु न होगा।

शुक्कर-शुक्र ग्रह
वालिद-पिता
बख़्शे-देने वाला
बृहस्पत-बृहस्पति ग्रह
बज़रिया-माध्यम से
ज़ाती-निजी

Astro Lucky

(13) ग्यारह साला उम्र से मानिन्द वज़ीर उत्तम होगा। खुश गुज़रान दिमाग़ी-ख़ाना नम्बर 12 राज़दारी का मालिक होगा और पूरा त्यागी होगा।	
(14) ग़ैबी ताक़त बाकमाल होगी।	
(15) ख़र्चा गो हाथी का (बहुत ज़्यादा) मगर क़बीलदारी के नेक कामों में लगेगा।	
(16) किसी दूसरे के हां बतौर मेहमान गया हुआ धरम अस्थान में पूजा-पाठ करता हुआ या उम्र के मन्दरजाज़ैल सालों में हमेशा उत्तम होगा। और गृहस्ती सुख सागर मिलेगा बशर्ते कि राहु की शरारती (बददयानती-झूठी गवाही-धोका फ़रेब दग़ा) से परहेज़ करता रहे ऐसा प्रानी अपनी समाधि और परलोक के ख़यालात की लहर या साथी गृहस्तियों के भले की मस्ती और धुन में मसरूफ़ होगा जिस के सताने से सराप (मन्दे असर का ग़ैबी हुक्म) और सेवा से आशीर्बाद हो नम्बर 1, -9-11-19-31-42-43-67-84-89-101-114 शुक्कर अब अपना पूरा अर्सा 25 साल कम अज़ कम आराम देगा और वह अपने लिए वज़ीर बतदबीर होगा।	
(17) सनीचर के कारोबार मोटर लारी मशीनों वग़ैरह से मच्छ रेखा का बड़ा ही उत्तम भागवान रात को आराम पावे राज़दारी का मालिक-आक़िबत अन्देश कूच की तैयारी के फ़िक्र में बशर्ते कि सनीचर पापी ग्रह न हो यानी अब सनीचर को राहु या केतु किसी न किसी तरह भी न आ मिलते हो फ़ैसला सांस पर होगा-यानी जब दोनों सांस या सिर्फ़ दायां सांस चलता हो -ज़्यादा देर तक रहने वाले काम या चीज़ें या शुभ कारज शुरु करने मुबारक होंगे बायें सांस के चलने के वक़्त शुरु किया हुआ या वैसे ही किया हुआ काम कोई नेक नतीजा न देगा।	सनीचर साथ-साथी या ख़ाना नम्बर 9 मे हो। राहु से मुश्तरका (साथ या बज़रिया दृष्टि) क़ियाफ़ा:-मच्छ रेखा शुक्कर के बुर्ज पर या बुर्ज नम्बर 9 में मछली का निशान जिसके मुंह में ऊर्ध रेखा गिर रही। या उम्र रेखा इसमें ख़तम हो रही हो
(18) गो सनीचर के कारोबार से मच्छ रेखा का उत्तम असर-भागवान मगर फिर भी त्यागी ही होगा।	सनीचर साथ-साथी 2-11 में हो।
(19) बृहस्पत दो जहां का मालिक होगा रात का आराम मगर औलाद के लगन फ़ज़ूल ख़र्चों और दुश्मनों से बचाओ और वक़्त कूच (मौत) नेक हालत होगी।	राहु ऊंच (नम्बर 6 में)

मानिन्द-की तरह से
खुशगुज़रान-सुखद निर्वाह
आक़िबत-भविष्य
ग़ैबी-दैवी शक्ति
बद्दयानती-बेईमानी, धोखेबाजी

Astro Lucky

(20) दौलत की हालत का फ़ैसला खुद राहु की हालत पर होगा यानी अगर राहु उम्दा तो सोना और दौलत सब उत्तम और सुख देंगे वरना सोना भी पीलत के निर्ख बिकता और दुःख का कारण होगा।	राहु हालत (बृहस्पत की दो जहान की हालत) क़ियाफ़ा: क़िस्मत रेखा की जड़ में राहु का निशान हो
(21) धरम समाधि (धरम की हालत) का फ़ैसला	
(22) बड़ा ही अमीर समाधि और औलाद हर तरफ़ नेक असर होगा।	केतु की हालत पर फ़ैसला होगा। केतु ऊंच या उत्तम
मन्दी हालत	क़ियाफ़ा: उंगलियों की पोरियों पर 6 संख।
(1) गो खुद अपनी उम्र तो लम्बी होगी मगर वह दूसरों पर मन्दा और मनहूस ही होगा।	बुध मन्दा हो क़ियाफ़ा: उंगलियों की पोरियों पर 12 चक्कर जब 6 उंगलियां हो।
(2) बदी का काम मौत का बहाना बनेगा	सोया हुआ या बतौर दृष्टि या दुश्मन।
(3) लोगों के सामने हाथ फैलाने से ख़ाक नसीब होगी	ग्रहों की ज़हर से मन्दा हो चुका बृहस्पत
(4) 42 साला उम्र तक सब ही फोकी उम्मीदें ख़ास कर बुध शुक्कर हर दो ग्रहों के मन्दे असर होंगे	जब 2-5-9-12 में पापी सिवाए केतु नम्बर 9-12 के
(5) राजधानी का मालिक होते हुए धन का फ़ायदा न उठा सके या राज छोड़ फ़क़ीर हो जावे-सोया हुआ बृहस्पत होगा।	नम्बर 2-8-9-10 ख़ाली हो। क़ियाफ़ा: क़िस्मत-रेखा मद्धमा की जड़ पर चढ़ जावे
(6) अक़्लमन्द मगर हुनरमन्दी और पेशावरी कोई नफ़ा न देवे। ख़यालात क़दरे धरम के खिलाफ़ होंगे और राहु फ़जूल ख़र्चा खड़ा ही रखेगा। वालिद को राहु की उम्र के अर्सा तक माली तक़लीफ़ व बेआरामी आम होगी।	राहु नीच हो (9-12 में) मन्दा बृहस्पत क़ियाफ़ा: बृहस्पत में बुर्ज पर 3 खड़े निशान
(7) खुद भागवान मगर औलाद के बिघन	जब बृहस्पत मन्दा हो
(8) और चंद्र (ज़मीन ज़ेरकाश्त) को खुला मैदान वीरान और चंद्र के मुतअल्लिक़ा दीगर कारोबार में हर तरफ़ फोकी उम्मीदें होंगी।	

क़ियाफ़ा-सामुद्रिक शास्त्र, पोरियों-अगले हिस्से, नफ़ा-लाभ, ख़यालात-विचार, ध्यान, फ़ज़ूल-बेकार, वालिद-माता-पिता, अर्सा-समय, दीगर-भिन्न, इसके फोकी-बेकार

Astro Lucky

(9) केतु का असर 34 साला उम्र तक मन्दा ही होगा।

उपाओ बृहस्पत की मन्दी अश्या के बाद हर दम गले में माला-गुरु साधु या पीपल के दरख़्त कटवाने मन्द भाग की निशानी होगी बृहस्पत की ज़र्द अश्या ज़र्द तिलक लगाना या नाक का पानी खुश्क रखना मददगार होगा।

} जब बुध मन्दा हो

Astro Lucky

उपाओ-उपाय
दरख़्त-पेड़
बृहस्पत-बृहस्पति ग्रह
ज़र्द-गहरा पीला
अश्या-वस्तुएं, चीज़े

विष्णु भगवान Vishnu

सूरज

सब का पालन करता तपस्वी राजा
विष्णु भगवान जी।
गरम शौक़ तेरा है बुनियाद उन्नति
मगर बढ़ न जाए कि हर शै हो जलती

पाप मंगल-बुध फ़ैसला करता
उत्तम रवि हो जिस दम बैठा
तख़्त केतु 6 मंगल बैठा
आग जली ख़्वाह 6-7 होता
मदद मित्र पर बापू से बढ़ता
शत्रु साथी से केतु मरता
पांच-पहले घर 11 बैठा
ग्रहण टेवे हो जिस दम आया
रवि देखे जब चंद्र माई
निस्फ़ उम्र जब चंद्र होगी
बुध नज़र जब रवि पर करता
असर भला सब दो का होगा
रवि दृष्टि शनि पे करता
शनि रवि से पहले बैठा
शनि शुक्कर जब सूरज देखें
मकान बनाते रिश्तेदारों के

ग्रहण होता ख़ुद पाप से हो
भला चंद्र बुध शुक्कर हो
ऊंच रवि ख़ुद होता हो
दान मोती का देता हो
नमक छोड़े ख़ुद फलता हो
दान दिये सब बचता हो
शत्रु मदद पर होता हो
पाप वक़्त तक मन्दा हो
तख़्त बैठा न जब कि हो
लेख भला सब होता हो
दर्जा दृष्टि कोई हो
सेहत माया या दिमाग़ी हो
बुरा शुक्कर का होता हो
नर ग्रह स्त्री उम्दा हो
मौत भरे दुःख होता हो
माया ख़तम हो जाती हो

1 सूरज रोशनी व गरमी। बृहस्पत नीच मंगल करें-बुध आकार-चंद्र चमक

2 खुद अकेला सूरज नीच या मन्दे घरों। तो तबाह कुन गुस्सा-औलाद की क़िस्मत व उम्र या बाप को मदद मंदी होगी राहु से खुद अपने ख़यालात की परा गन्दगी सनीचर से शुक्कर से बददियानती इश्क़ फ़ाहिशा-केतु से कानों का कच्चा पांव की नक़ल व हरकत।

3 सिवाय सूरज मंदी हालत को वक़्त खुद सूरज का ही उपाओ मददगार होगा।

4 नेक हालत का फ़ैसला पाप (राहु केतु) की हालत पर होगा

रवि-सूर्य ग्रह टेवे-जन्म पत्री शुक्कर-शुक्र ग्रह तख़्त-लग्न, सिंहासन ख़्वाह-चाहे फ़ाहिशा-व्यभिचारिणी बददियानती-बेईमानी निस्फ़-आधा सूरज-सूर्य ग्रह ख़तम-समाप्त ख़यालात-विचार

Astro Lucky

आकाश में रोशनी-ज़मीन के अन्दर गरमी राजा फ़क़ीर में सच्चाई और ज़माना में परवरिश और इतनी की ताक़त को सूरज के नाम से पुकारा गया है। जिसकी मौजूदगी का नाम दिन और ग़ैर हाज़री का वक़्त अन्धेरी रात का दौर दौरा होगा-इन्सानी वजूद में रूह की हरकत और अपने जिस्म से दूसरे की मदद की हिम्मत इसी का करिश्मा है। सर्दी (चंद्र) रोशनी और गरमी (ख़ुद अपनी ख़ासियत) लाली (मंगल) और ख़ाली जगह का खेत (बुध का आकाश व आकार) इसके ज़रूरी पहलू नहीं और ज़माना की हवा जगत गुरु बृहस्पत के ज्ञान-दुनियावी अक़्ल और क़िस्मत की बुनियाद इसी की बरकत है जिसे हर फ़र्दे-बशर और सांस लेने वाले तक पहुंचाना हवाई ताक़त बृहस्पत का काम है। चलते चले जाना-मगर अपना आख़ीर न बताना बल्कि पीछे हटे या रास्ता बदले बग़ैर फिर उसी जगह ही आकर हर रोज़ सुबह शाम करते जाना इसका एक अजूबा है।

आम हालत 12 घर

सत जुगी राजा घर पहले का	दाता सख़ी जब 2 का हो
भण्डारी दौलत ख़ुद तीसरे होगा	जोड़ मरे घर 4 का जो
औलाद बढ़ेगी हरदम 5 वें	फ़िक्र दौलत न 6 का हो
परिवार कमी गो होती 7 वें	राजा तपस्वी आठ का हो
उम्र लम्बी 9 बढ़ता क़बीला	10 वें सेहत ज़र उम्दा हो
धरम पूरा घर-11 उसका	रात सुखी घर 12 हो

बाप की पूरी मदद करेगा। बेटे की तरफ़ से मदद की तमन्ना न करेगा

गो बाप से दौलत न मिली मगर औलाद को दौलत ज़रूर दे कर जाएगा।

ख़ासियत-विशेषता बृहस्पत-बृहस्पति ग्रह क़बीला-परिवार धरम-धर्म
ज़र-धन, संपत्ति, दौलत उम्दा-अच्छा फ़र्दे-बशर-एक आदमी

Astro Lucky

सूरज-दुनियावी राजा टेवे वाले के अपने जिस्म और राजदरबारी ताल्लुक का असर

ख़ाना नम्बर	
1	राजा हुक्मरान होगा जिस मज़हब और ईमान का कोई ताल्लुक नहीं सिर्फ़ इन्साफ़ (अदल व रहम का मजमूआ) मदद नज़र होगा। हाकमी गरम की दुकानदारी नरम की तबीयत मुबारक होगी।
2	मन्दिर की रोशनी या ज्योत जो मज़हब के मातहत नहीं। धरम देवता हैसियत में दरमियाना रियासती राजा होगा। जो तबीयत में सतजुग के ज़माना का आदमी होगा। जिसे अपनी क़िस्मत की बेशक शर्त नहीं मगर अपने साथियों और बाल-बच्चों के रिश्तेदारों को तो ज़रूरी ही माला माल कर देगा-ख़्वाह आप भाई मंगते दर खड़े दरवेश ही क्यों न हों। सेवा साधन तरक़्क़ी की बुनियाद होगी।
3	मौत को रोकने वाला शेर बहादुर मुंतज़िम बादशाह जिससे मौत भी डरे। ख़ुद हलवा पूरी खाने और दूसरों को हलवा पूरी खिलाने का मालिक होगा जो नेक काम कहेगा कर दिखायगा। झूठे आदमी की तो ज़बान काटने तक तैयार हो जाएगा। अब बुध जो इस घर का मालिक है अपने जंगल को जो बुध की ही चीज़ है इतना घना

ताल्लुक-सम्बन्ध	मज़हब-धर्म	हैसियत-क्षमता	दरमियाना-बीच का
दरवेश-साधु भिक्षुक	मुंतज़िम-रोशन	मुंतज़िम-प्रबंधक	ख़्वाह-चाहे

Astro Lucky

ख़ाना नम्बर	
3	कर देगा कि सूरज नम्बर 3 की धूप ज़मीन पर न आने पाए मगर सूरज भी अपनी गरमी से जंगल को ही आग लगा देने तक तैयार होगा। इसलिए यही होगा कि या तो जंगल में हरयावल न हो या बुध अपने हरे रंग की बजाए सूरज की बराबरी करता हुआ ख़ाकी रंग (खुश्क) हो जावे। मुख़्तसर तौर पर ऐसे आदमी अगर दूसरों को पालेंगे तो फलेंगे वरना जलकर मरेंगे।
4	शाही ख़ानदान की पैदाइश या उत्तम नस्ल की शर्त नहीं मगर राज योग ज़रुर होंगे। खुद बेशक रेशम के कीड़े की तरह शहतूत के पत्तों और गृहस्ती हालत (ज़ाती ताल्लुक़) में चने पर गुज़र करें मगर बाक़ी मामज़ह को गंदुम के नरम बिस्कुट (बहुत उम्दा माल और बेशुमार दौलत) दे जाएंगे। जनम दिन पर खुद बेशक तांबे का पैसा भी न देखा हो। अपनी औलाद को तो ज़रुर मरने तक पैसे की जगह रुपया ख़रचने की हिम्मत का मालिक कर जावेंगे। माता ज़िन्दा हो या न हो (बाप की तरफ़ से हो सकता है कि माताएं ज़रुर हों मगर खुद वह चाल चलन का ढीला नहीं हो सकता। ऐसे आदमी खुद ख़्वाह जल जाएंगे मगर किसी को जला नहीं सकेंगे। अगर दान देंगे तो मोती दान देंगे या मोती दान करने की हिम्मत वाले मानिन्द राजा होंगे ऐसा प्रानी अगर ग़ैर औरत को स्त्री ताल्लुक़ में लावे तो अपनी औलाद न पाएगा बल्कि लावल्द होगा।
5	इन्सानी शराफ़त और दुनियावी मर्यादा का मुजस्सिम राजा जो धरम की बजाए अपने ख़ानदानी ख़ून को अपना मन्दिर बना लेगा। जनम से ही क़िस्मत के ताल्लुक़ में जलता हुआ चिराग़ होगा और किसी के जलाने पर नहीं जलेगा। यानी जनम से ही अपनी जागती हुई क़िस्मत का मालिक होगा। उम्र बढ़े नहूसत घटे और नेक बारिश के बादल गर्जने शुरु हों। उसके अपने हाथों की बारिश (ख़र्चा) औलाद के हाथों में अनाज के अम्बार होंगे या जो कुछ ख़र्च कर जावे उसी ख़र्च किए हुए से पैदा हुए ज़रियों से औलाद और भी मालामाल होती रहेगी। इन्सानों में कोई

मुख़्तसर-संक्षिप्त ख़्वाह-चाहे मानिन्द-की तरह से, तुल्य ताल्लुक़-सम्बन्ध
लावल्द-जिसकी कोई संतान न हो मुजस्सिम-साक्षात्-साकार अम्बार-ढेर गंदुम-गेहूं नहूसत-मनहुस

Astro Lucky

ख़ाना नम्बर	
5	बंदर नहीं बंदर पर भी इन्सानियत करेंगे और-बंधे हुए बंदर को भी आज़ाद कर देंगे के ख़याल का आदमी होगा।
6	आसमान तो गरम था ही अब सूरज जलते हुए ज़मीन भी जलने लगी। जिसकी आंच रात को भी ठण्डी नहीं देखी गई। तू कौन मैं ख़्वामख़्वाह के किस्सों में आगजली। बेवक़ूफ़ बादशाह और तीस मारखां की कहानियां या खेत में गंदुम का बीज़ भी जलने लगा। ऐसी लानत से वही बचा जिसने अपने घर पानी की जगह दूध दिया और बुरा करने वाले को भी आशीर्बाद दी। ऐसा आदमी ज़िद्द पर आया हुआ हूबहू ऐसा ही होगा जैसा कि एक मुल्क से दरबदर किया हुआ राजा अपनी हुकूमत को आग से जलते हुए शोलों में देखकर अफ़सोस के आंसुओं के बजाए खुशी के क़हक़हे लगा देगा। गो वह खुद लावल्द या बेवक़ूफ़ न होगा मगर उसके सहवन किये हुए कारोबार ऐसी सिफ़्त से कम ही बरी होंगे ऐसा आदमी आसमान से गिरे ख़्वाह नस्ल से क़िस्मत का लाख मुकाबला करना पड़े।
7	ऐसे प्रानी के जनम पर समझे थे कि ख़ानदान का सूरज निकला मगर चढ़ते चढ़ते वह दुमदार सितारा बन गया। उसने सब कुछ समझ और नेक नीती से किया मगर नतीजा वह उलटा ही देखता रहा। मगर जब खुद हौसला किया तो सारा जलने से आधा बाक़ी बचा लिया आख़ीर पर जब उसने ज़िम्मेदारी के हर बोझ को खुशी से मंजूर और बर्दाश्त किया तो उसे सुख की रोटी नसीब होने लगी और हमसाये भी आबाद होते नज़र आने लगे। राजदरबार से हौसला मिला और खेती पकने लगी मगर अनाज में फिर भी आग से जले पाप की बू आती ही रही। क़िस्सा कोताह वह ऐसे बादशाह की हैसियत का मालिक होगा जिसका ताज गुम हो गया हो यानी राजदरबार में बेशक अलिफ़ से ये तक सब कुछ ही अपना हो मगर वक़्त ज़रूरत राजा का हुक्म उसके हक़ में न होगा। बेशक राज गद्दी में ही जनम ले मगर उसे गद्दी पर बैठना कम ही नसीब होगा। ''हाकमी गरम की दुकानदारी नरम की'' का

ख़याल-विचार
सहवन-अनजाने में
आशीबार्द-आशीर्बाद लावल्द-जिसकी कोई संतान न हो
सिफ़्त-गुण-प्रमाण

Astro Lucky

ख़ाना नम्बर	
	माक़ूल ऐसे आदमी को काम देगा अगर कोई जलावे तो हम भी उसको जलकर मरना सिख लाएंगे। मगर आप खुद ही जलकर नहीं मरेंगे।
8	वह जनम लेते ही बोलने लगा मरने वाले पूछ कर मरें। जनम लेने वालों को कोई रुकावट नहीं। जो आए अपना ख़र्च साथ ले आये और जाने वाला कोई चीज़ साथ लेकर न जाए। जनम ख़्वाह क़ब्रिस्तान में भी हो फिर भी गुरु गद्दी बन जाने की हैसियत का राजा होगा। उसकी क़िस्मत को कोई हार न देगा मगर खुद हाथों से हारी हुई क़िस्मत को वापिस न पाएगा। यानी भण्डारी रहे तो भण्डारे कम न होंगे लेकिन अगर भिक्षु बने तो भिक्षा न पायेगा। जब तक अपने ख़ानदानी ख़ून पर हमला न करे खुद कभी बरबाद न होगा। मर गए का अफ़सोस तो है मगर ज़िन्दा करने के लिए भी तो हमारी ही ज़िम्मेदारी है की तबीयत और ताक़त का आदमी होगा।
9	हकीमों को बग़ैर दवाई शफ़ा देने की हिम्मत पैदा करने का हुक्म जारी कर देने वाला बादशाह और आप खुद सबका निगरां होगा। अपने ख़ानदानी ख़ून के अलावा अपने हमसाया के ख़ून की भी पूरी परवरिश करेगा। और परवरिश की हद बन्दी अपनी ही जान और ज़ात तक महदूद नहीं रखेगा। पिछली को छोड़ और आइन्दा से मत घबरा लेकिन दुनिया का सूरज तेरे साथ चल रहा है के क़ौल का आदी होगा।
10	पैसा तो खरा है मगर बाज़ार में कोई उसका सौदा तो देता ही नहीं। असली सच्ची आग को भूत प्रेत की आग समझती हुई दुनिया उस पर रोटी पकानी तो दर किनार उसके नज़दीक आने तक को भी गवारा नहीं करती मगर फिर भी वह मग़रूर मुतकब्बिर राजा दूसरों को मुआफ़ करना तो दर किनार अपने ही मां-बाप पर फांसी का हुक्म लिखने लगा। नाक पर मक्खी नही बैठने देगा। जब तक रहेंगे झुककर नहीं रहेंगे लेकिन जब झुकना पड़ा तो हम नहीं रहेंगे अगर रहेंगे तो सिर्फ़ उसी के साथ रहेंगे जो हम प्याला या हम निवाला हो जहां दिलमिलकर बैठेंगे दीवाने दो ज़ाहिरदारी और ईमान से सच्चे मगर दिल से झूठे होने का लुचपन की निशानी अगर नहीं देखा तो वह कर दिखाएगा
11	गो लालची मगर धरम तपस्वी राजा होगा अगर कोई धरम बेचकर खाएगा तो हमारा क्या खाएगा

क़ब्रिस्तान-श्मशान भिक्षु-मांगने वाला, साधु महदूद-सीमित, घिरा हुआ आइन्दा-आगे से
मग़रुर-घमंड़ी, अहंकारी ज़ाहिरदारी-दिखाई देने वाला मुस्तक़िबर-अहंकारी, घमंड़ी

Astro Lucky

ख़ाना नम्बर	
11	के ऐतक़ाद का मालिक। जिस क़दर नेकी में बढ़े सत्यवान बुलन्द और इक़बालमन्द होगा। लेकिन जब खुद गेहूं (सूरज) के साथ-गोश्त (शनि) को मिलाकर खाए तो सूरज सनीचर के झगड़े में केतु (नर औलाद) बरबाद मगर नस्ल में ऐसा शख़्स "आप ख़्वाह किसी भी ख़ून से हो हम नेकी ही कर दिखाएंगे" का मुजस्सिम देवता होगा।
12	सुख की नींद सोने वाला-बेफ़िक्र-आक़िबत अन्देश राजा जिसके अहद में बंदर भी घोंसला बनाना सीखे लेकिन जब धरम हानि का आदी हो तो अन्धी देवी, नाक कटे पुजारी दिन दहाड़े चोरी डाके के वाक़िआत बे आराम ज़िन्दगी जिसके लिए साधु की सेवा और शुक्कर की पालना मददगार व मुबारक होगी। सुबह की मीठी हवा का अगर शानदार ज़माना न भी हो और किसी वजह से अगर जल भी गए तो भी आसमान का सूरज हमेशा मन्दा ज़माना न रहने देगा। इसके दाएं-बाएं बेशक कितने मौसम खड़े हो जावें मगर उन सब में ख़िज़ां का हिस्सा (बरबादी दरख़्तों के पत्ते गिरने का वक़्त) न होगा या वह निर्धन और लावल्द न होगा।

12 ही घरों में सूरज की उत्तम हालत का असर

उत्तम सूरज वाला कुल दुनिया को रोशन करता और हर एक को दौलत बख़्शता है बड़ी लम्बी (बल्कि 100 साला) उम्र का मालिक होगा। तबीयत में अन्दर बाहर दोनों ही तरफ़ से सच्चा होगा। मन्दे वक़्त पर बुरा असर रात के ख़्वाब की तरह निहायत छुपे ढंग पर ज़ाहिर करेगा। किसी का सवाली न होगा। बल्कि अगर हो सके किसी का सवाल पूरा कर देगा। ख़ैरात न देवे तो बेशक मगर उलटा फ़क़ीर की झोली से माल हर्गिज़ न निकालेगा खुद चोटें खाएगा और बढ़ेगा मगर किसी पर चोट न मारेगा। गो मौत को किसी ने भला नहीं गिना मगर सूरज उत्तम के वक़्त मौत भी भली ही होगी। राजदरबार से खुद अपने हाथों धन दौलत कमाने का और बालिग़ होने का 22 साला

इक़बालमन्द-प्रताप, तेज गोश्त-मांस मुजस्सिम-साकार आक़िबत अंदेश-सावधान कमी दरख़्त-पेड़
ख़्वाब-सपना बख़्शता-दान कृपा ख़िज़ां-बरबादी

Astro Lucky

उम्र का अहद जवानी का जोश हर तरफ़ नई रोशनी देगा।

(1) सूरज की रोशनी और धूप में गरमी का दर्जा हरारत राहु केतु की हालत से पता लगेगा।

(2) उत्तम सूरज के वक़्त चंद्र-शुक्कर और बुध का फल अमूमन भला ही होगा।

(3) केतु नम्बर 1 या मंगल नम्बर 6 में हो तो सूरज का असर नेक बल्कि ऊंच हालत का होगा ख़्वाह सूरज किसी भी घर में और कैसा ही बैठा हो।

सूरज देखे चंद्र को मगर सूरज नम्बर 1 न हो } **चंद्र का फल चंद्र की निस्फ़ मियाद तक सूरज के असर के नीचे दबा हुआ होगा इसके बाद वह अलाहदा और सूरज की तरह उत्तम फल देगा खुश्क कुएं खुद ब खुद पानी देने लग जावें।** } **जनम कुण्डली 6-12-24 साला उम्र) बर्षफल 3-6-12 माह)**

चंद्र देखे सूरज को तो बेशक } **अब चंद्र कोई मदद सूरज को न देगा बल्कि अपना असर कभी मन्दा कर लेवे**

सूरज की जड़ यानी नम्बर 5 में पापी और उसी वक़्त शुक्कर की जड़ नम्बर 2-7 में चंद्र राहु	टेवे वाले के बचपन ही से वाल्दैन की उम्र शक्की। जिस घर में शुक्कर बैठा हो, उसी घर की शुक्कर की मुतअल्लिक़ा अश्या का हाल ख़राब सूरज बैठा होने वाले घर पर शुक्कर का कोई बुरा असर न होगा।

बुध नम्बर 6 और सूरज क़ायम — खुद अपनी क़लम से राजदरबार का कमाया धन बरकत देवे नेक और ईमानदारी का धन साथ देवे।

सूरज देखे बुध को — दर्जा दृष्टि-100 दर्जा पर-सूरज को मदद होगी। स्त्री घर ससुराल अमीर होंगे।

सूरज देखे बुध को 50 फ़ीसदी — स्त्री की ताक़त उत्तम होगी। स्त्री की क़िस्मत शीशे की तरह और भी चमके। मिट्टी दूर होवे।

सूरज देखे बुध को 25 फ़ीसदी — योगाभ्यास-इल्म रियाज़ी-इल्म ज्योतिष उम्दा होवे।

बुध देखे सूरज को दर्जा दृष्टि ख़्वाह कोई हो } **बुध का निहायत उत्तम असर होगा सेहत उम्दा-दस्ती-दिमाग़ी-कारोबार निहायत उम्दा। स्त्री पर नेक असर होवें।**

अहद-ज़माना हरारत-हरकत शुक्कर-शुक्र ग्रह अमूमन-आमतौर मियाद-समय अलाहदा-अलग, भिन्न
वाल्दैन-माता-पिता शक्की-शक इल्मे रियाज़ी-गणित शास्त्र निहायत-बहुत अधिक

Astro Lucky

सूरज का असर ज़रूर बरबाद होगा मगर शुक्कर आबाद होगा और उत्तम फल का इल्म रियाज़ी मददगार होगा। इल्म मकानात (सनीचर की चीज़ें) मदद देगी। इल्म तिलस्मात और जादूगरी का मालिक होगा। सूरज का असर ख़राब होगा और सनीचर उसके (सूरज के) असर में अपना मन्दा असर ज़रूर मिलाता होगा यानी सूरज की रोशनी स्याही से भरपूर होगी। जिस्मानी कमज़ोर होगी मगर चंद्र (सर्दी) मंगल (लाल) बृहस्पत (हवा) और बुध आकार जो सूरज के ज़रूरी हिस्से हैं उन पर कोई बुरा असर न होगा यानी सूरज की पैदा करदा क़िस्मत और ज़ाती कमाई पर कोई बुरा असर न होगा। ऐसी हालत में रिहायशी मकान की जनूबी जानिब (मशरिक़ की तरफ़ मुंह करके दायें तरफ़) पानी का कोरा बर्तन भरा हुआ दबावें और उसका पानी $\frac{40}{43}$ दिन सूखने न देवें।	सनीचर देखे सूरज को 25 फ़ीसदी पर 50 फ़ीसदी पर 100 फ़ीसदी पर या सनीचर हो पहले घरों में और सूरज हो बाद के घरों में
अब शुक्कर बरबाद होगा-औरत पर औरत मरती जावे मगर सूरज का असर मन्दा न होगा। जिस्मानी ताक़त उम्दा होगी मज़बूत तबा होगा	सूरज देखे सनीचर को यानी सूरज हो पहले घरों में और सनीचर हो बाद के घरों में।

(4) सूरज को जब अपने दोस्त ग्रह (चंद्र-मंगल-बृहस्पत) की मदद हो या टेवे वाला नमक कम या बिल्कुल न खाने का आदी हो तो वह नेकी (उत्तम हालत) और दुनियावी मर्तबा में अपने बाप से ज़रुर बढ़ जाएगा।

(5) बमूजिब जनम कुण्डली नम्बर 1-5-11 में सूरज होने के वक़्त टेवा बालिग़ ग्रहों का होगा जो बच्चे के माता के पेट में आने के वक़्त ही से अपना असर शुरु कर देगा। ऐसी हालत

मशरिक़-पूर्व दिशा टेवे-जन्म पत्री जानिब-ओर, तरफ़ बमूजिब-अनुसार इल्मे तिलस्मात-जादूगरी जिस्मानी-शरीर से जनूबी-दक्षिण, दक्किनी

Astro Lucky

(जब सूरज नम्बर 1-5-11में हो) ख़्वाह बमूजिब जनम कुण्डली ख़्वाह बमूजिब बर्षफल बैठा हुआ) नम्बर 1 का सूरज नम्बर 1 के साथी ग्रहों को ख़्वाह दोस्त हो ख़्वाह दुश्मन दोनों को मदद देगा-नम्बर 5-11 में सूरज होने के वक़्त दूसरे ग्रह खुद सूरज को भी मदद देंगे, ख़्वाह वह खुद सूरज के दुश्मन ही हों।

(6) टेवे में ग्रहण (सूरज राहु-सूरज ग्रहण और चंद्र-केतु चंद्र ग्रहण) के वक़्त सूरज 45 साला उम्र तक कोई ऐसा भला फल न देगा बल्कि मन्दा असर ही लेंगे।

(7) सूरज खुद अकेला नीच या मन्दे घरों में हो तो खुद वह कभी नीच न होगा मगर सूरज की बजाए केतु (औलाद नरीना की क़िस्मत उम्र या वालिद को औलाद का सुख) बरबाद या मन्दा होगा। बेहद तबाह कुन गुस्सा बरबादी की बुनियाद होगा और उसका उपाओ दान कल्याण माना गया है। सूरज जब कभी नम्बर 1 में आवे जनम कुण्डली में ख़्वाह किसी भी घर का हो शुक्कर का असर नीच होगा मगर सूरज खुद अपने लिए इक़बाल मन्द होगा। ऐसी हालत में हमेशा बुध की पालना मददगार होगी।

(8) 2-6-7-8-10-11-12 में अकेला बैठा हुआ सूरज इन घरों के मालिक ग्रहों की मुतअल्लिक़ा अश्या पर अपना नेक असर न देगा। यह मायनी नहीं कि बुरा असर ज़रूर देगा।

(9) दुश्मन ग्रहों (शुक्कर या पापी) के साथ बैठा हुआ सूरज इन यानी सूरज शुक्कर-सूरज सनीचर सूरज राहु-सूरज केतु ख़्वाह किसी भी घर में हों साथ बैठे हुए ग्रह की उस ख़ाना नम्बर की मुतअल्लिक़ा अश्या पर जिसमें कि वह बैठे हो दुबारा उसी घर में (बमूजिब बर्षफल) आने पर बुरा असर देगा। ऐसी हालत में 22 से 45 साला उम्र के दरमियान दुश्मन ग्रह अपनी अपनी ज़ाती मियाद पर भी बुरा असर देंगे मसलन सूरज-शुक्कर नम्बर 5 में हो तो जब कभी बमूजिब बर्षफल नम्बर 5 में दुबारा आवें (वह आएंगे सिर्फ़ 34 साला उम्र में या शुक्कर की आम मियाद 25 में) औरत आवा भट्टा ईंट या जिस्मानी जिल्द पर बुरा असर देगा।

तबाह कुन-नष्ट करने वाला आवा भट्टा- ईंट का भट्ठ नरीना-लड़का इक़बाल-प्रताप तेज
मसलन-जैसे दरमियान-बीच में मुतअल्लिक़ा-सम्बन्धित जिल्द-त्वचा

Astro Lucky

बज़रिया बुध की पालना दुश्मन ग्रह को नेक कर लेना मददगार होगा लेकिन अगर (बे) दुश्मन ग्रहों के साथ ही सूरज के साथ उसके दोस्त ग्रह (चंद्र-मंगल-बृहस्पत) भी बैठे हों तो बुरा असर दोस्त ग्रहों की मुतअल्लिक़ा अश्या (उस ख़ाना नम्बर की जहां कि बैठे हों) पर होगा। और दुश्मन बचाव रहेगा (मुफ़स्सिल मिसालें जद्दी फ़ेहरिस्त में लिखीं है)।

(10) दुश्मन ग्रह अगर एक दो तीन की तरतीब पर सूरज से पहले घरों में और दृष्टि के उसूल पर भी पहली तरफ़)में बैठे हों तो सूरज का मन्दा असर टेवे वाले पर होगा लेकिन अगर दुश्मन ग्रह बाद में बैठे हों तो कुण्डली वाले की बजाए मन्दा असर दुश्मन ग्रह और घर पर होगा।

मन्दे असर का उपाओ

(1) अगर सूरज का खुद अपना ही असर दूसरे ग्रहों पर बुरा हो रहा हो तो सूरज के दोस्त ग्रह (चंद्र-मंगल-बृहस्पत) को नेक कर लेना मददगार होगा।

ख़ाना नम्बर 6-7 में बैठा होने के वक़्त आम मन्दी हालत में बुध का किसी उपाओ से नेक कर लेना मददगार होगा-इसके अलावा ऐसी हालत के वक़्त यानी 6-7 में बैठा होने के वक़्त चंद्र नष्ट करने से (रात की रोटी के बाद चूल्हे की बाक़ी बची हुई आग पर दूध के छींटे देकर उसे बुझाते रहना) मदद होगी।

(2) जब कोई ग्रह सूरज से नष्ट या बरबाद हो रहा हो तो खुद सूरज का उपाओ करें।

(3) जब सूरज का खुद अपना असर नष्ट या बरबाद हो रहा हो तो दुश्मन ग्रह को जो उसके असर को बरबाद कर रहा हो नेक कर लें।

बज़रिया-के रास्ते से, माध्यम से
फ़ेहरिस्त-सूची
तरतीब-क्रम-सिलसिला
मुफ़स्सिल-विस्तारपूर्वक मिलाते-उदाहरण

Astro Lucky

सूरज के दुश्मन (शुक्कर-पापी) ग्रहों के घर (मालकियत व पक्का घर) यानी 2-6-7 -8-10-11-12 में अकेला बैठा हुआ सूरज उन घरों के मालिक ग्रह की मुतअल्लिक़ा अश्या पर अपना नेक असर बन्द कर देगा।

जिस्म का हिस्सा	सूरज का दुश्मन ग्रह	दुश्मन की मालक़ियत का घर	मुतअल्लिक़ा अश्या
गुदा	शुक्कर	2	स्त्री धन-ज़ायका-बचत-अज़ ज़ाती कमाई-बेवा या माशूक़ा, औरत रिश्तेदारों से माता, भूआ, फूफ़ी-मासी-आलू-गाय अस्थान घी, अबरक सफ़ेद-काफ़ूर-भोड़ी (बग़ैर सींग) गाय जिस्म का हिस्सा-गुदा
कमर	केतु	6	औलाद (लड़का) व उसका सुख-माता-पिता के ताल्लुक़ के रिश्तेदार (वह रिश्तेदार जो टेवे वाले की पैदाइश से पहले क़ायम थे) मामूं -नाना-नानी, वग़ैरह-रफ़्तार-साहूकारा-ख़रगोश, चिड़ा यानी चिड़या का नर जिस्म का हिस्सा-कमर।
जिल्द जिस्म	शुक्कर	7	जिल्द बैरूनी स्त्री शान बमुजिब जिल्द जिस्म शादी ग्रहस्त फल चरी ज्वार-सफ़ेद गाय, कांसी का बर्तन हरदो मुहब्बत जिस्म की जिल्द चमड़ा।
पुड़पड़ी	सनीचर	8	ज़न मुरीदी बिच्छू-पुड़पड़ी (कनपटी)
पिंजर घुटना	सनीचर	10	जद्दी विरासत-पिता या वाल्दैनी सुख-नमक स्याह व तेल-लोहा, लकड़ी-नज़र व उम्र-बाल-3 साला मकान रिहायशी-मगरमच्छ-सांप का घर-भैंस-घुटना (ज़ानू)
चूतड़	सनीचर	11	जनम वक़्त उम्र तक ज़ाती-आमदन ख़रीद करदा मकान-औलाद की उम्र व तादाद शान-पहला हाकिम-नफ़्सानी ताक़त व राहु केतु के कामों का फ़ैसला
सिर	राहु	12	सुख गृहस्ती (दौलत) बचपन (सराप) हड्डी नस्ल का ख़ून दिमाग़ी हरकत मर्द व औरत का उम्र का बाहमी ताल्लुक़-ख़यालात का भासरना अचानक पैदा होना बदनामी की शौहरत कोयले हाथी खोपरी सिर की हड्डी।

माशूक़ा-प्रेमिका भुआ-बुआ (पिता की बहन) फूफी अस्थान-स्थान ताल्लुक़-सम्बन्ध भासरना-प्रकाशित होना, प्रकट होना, साहूकार-ब्याज पर पैसे देना नफ़्सानी-विलास सामग्री, शौहरत-शान बेवा-विधवा, जिल्द-चमड़ी

Astro Lucky

सूरज ख़ाना नम्बर-1

सतयुगी राजा, हुक्मरान

हुई राख दुनिया है, दिन रात जलती
सिर्फ़ धरम बाक़ी है, एहसान धरती

धरमी राजा खुद उम्र सदी का — पांच-पहले घर 11 जो
शनि कौवा ख़्वाह नेक हो कितना — हड्डी गन्दी यग डालता हो
दूजे चंद्र-शनि 11 बैठा — माया मरतबा बढ़ता हो
शुक्कर मगर जब 7 वें आया — उम्र छोटी पिता मरता हो
शनि टेवे हो 8 जब बैठा — मुर्दा औरत पर मुर्दा हो
5 वें मंगल हो जब कभी आया — बेटा बेटे पर मरता हो
मित्तर मन्दे खुद सूरज मन्दा — बुध मन्दे आकार न हो
मिला शुक्कर बुध टेवे बैठा — उम्र रिज़्क़ दरबार का हो

हस्त रेखा

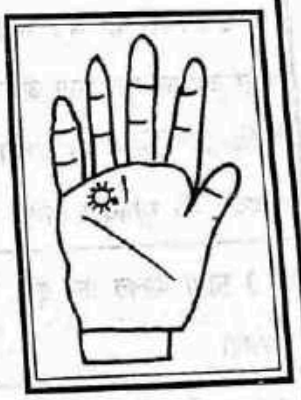

शुक्कर बुध दोनों सूरज की सेहत रेखा से मिल जावें और सूरज रेखा बज़ाते खुद दुरुस्त हालत में बुर्ज नम्बर 1 में पाई जावे सूरज का सितारा, सूरज के अपने बुर्ज पर बतरफ़ बुध हो। सूरज का बुर्ज कुण्डली का ख़ाना नम्बर 1 है मगर सूरज ख़ाना नम्बर 1 में तब ही होगा जबकि सूरज के बुर्ज पर बुध की तरफ़ सूरज का सितारा क़ायम हो वरना सूरज ख़ाना नम्बर 5 का होगा (सूरज रेखा या सेहत रेखा ख़ाना नम्बर 11 के आख़ीर तक)

1 आंखों पर निश्चय-पुराने धार्मिक ख़यालात और ग़रीबों की मदद करने वाला नेक धर्मात्मा

नम्बर 7 ख़ाली तो शादी से क़िस्मत जागेगी 2 औरत की सेहतमन्दी (तपेदिक़ तक)

ख़्वाह-चाहे मुर्दा-मृत शरीर मित्तर-यार, दोस्त, मित्र रिज़्क़-रोजी दुरुस्त-ठीक-ठाक, सही हालत
ख़यालात-विचार तपेदिक़-क्षय रोग

Astro Lucky

टेवे वाला धरम अर्थ मकानात बनवाए और कुएं लगाने का शौक़ीन आदमी-मानिन्द राजा हुक्मरान उसके ख़यालात पुराने ज़माना के और वह धरम की पालना करने वाला होगा उसके ज़्यादा बहन भाई होने की शर्त न होगी, क़ियाफ़ा:- सूरज क़ायम-बुर्ज नम्बर 1 पर सूरज का सितारा हो बतरफ़ बुध के बुर्ज ✹

बाप की आख़ीरी उम्र तक पूरी सेवा और मदद करेगा और अपने बेटे की तरफ़ से उम्मीद न रखेगा बाप से बेशक दौलत न मिले मगर बेटे को तो ज़रूर दौलत जमा करके दे जाएगा जो उसे तबाह करने की ग़र्ज़ से मारेगा वह खुद ही बरबाद हो जाएगा। शराब ख़ोरी व गन्दे इश्क़ से दूर मगर नेकी व ग़रीब की मदद हमेशा चाहने वाला होगा। दो धारी तलवार की तबीयत का मालिक और जिस्म में सांप का गुस्सा होगा कुछ भी हो उसका रिज़्क़ कभी बन्द न होगा और वह खुद साख़्ता अमीर होगा वाल्दैन मय खुद अपनी उम्र पूरी सदी के बराबर (दीर्घायु) लम्बी होगी। राजदरबार उत्तम व लम्बा अर्सा मदद देगा। सफ़र से दौलत मिलेगी या पैदा करेगा अपना जिस्म व रुहानी असर उत्तम होगा। तमाम उज़ू आख़री दम तक क़ायम रहेंगे।

ईमानदारी का धन फलता और बरकत देगा। औलाद बेशक गिनती ही की होगी मगर औलाद का सुख और औरत का आराम बहुत लम्बा अर्सा होगा वह अपनी आखों पर निश्चय करेगा मगर कानों पर एतबार न रखेगा। परोपकार और सेवा साधन और सन्तोष माया तरक़्क़ी की बुनियाद होंगे।

(1) माया दौलत का खुद पैदा करेगा मगर माया का गुलाम न होगा।	जब दोस्त ग्रहों की मदद या दोस्त ग्रह साथ हों।
(2) आली मर्तबा भागवान होगा ज़र दौलत उम्दा अपने लिए हर तरह से मुबारक रिज़्क़ कभी मन्दा न होगा ख़्वाह सूरज को अलाहदा घर में ग्रहण ही क्यों न लग जावे ।	जब चंद्र ख़ाना नम्बर 2 व सनीचर ख़ाना नम्बर 11 हो शुक्कर बुध बाहम दृष्टि में। क़ियाफ़ा: सेहत रेखा क़ायम हो सूरज के बुर्ज से रेखा बुध के बुर्ज नम्बर 7 में चली जावे।

मानिन्द-समान, तुल्य साख़्ता-अपने आप बना हुआ बाहम-परिवार ख़्यालात-विचार
रिज़्क़-जीविका, रोजी उज़ू-अंग, शरीर का कोई भाग

Astro Lucky

(3) नेक धर्मात्मा होगा और बदकारी हरामकारी से कोसों दूर भागता होगा। शुक्कर और केतु का फल अमूमन नेक होगा। उम्दा दिमाग़ी लियाक़त जिसमें सूरज का उत्तम व नेक असर:-	जब बुध ख़ाना नम्बर 7 में हो।

मन्दी हालत

(1) 1-5-11 में सूरज के होने के वक्त $\frac{1}{4}$ धरम अवस्था के लिए हमेशा ही सनीचर का हिस्सा असर शामिल होगा, ख़्वाह सूरज कितना ही ऊंच हो योगी राजा के यग के हवन कुण्ड में कौवा गन्दी हड्डियां लाकर डालता ही रहेगा आग का ज़ोर ख़्वाह कितना ही बुलन्द हो रहा हो।	
(2) वालिद बचपन में ही गुज़र जावे औरत की सेहत मन्दी-जलता हुआ जिस्म बल्कि तपेदिक़ तक हो जावे। ख़ासकर जब दिन के वक़्त स्त्री भोग का आदी हो।	शुक्कर ख़ाना नम्बर 7
(3) लड़के पर लड़का मरता हो।	जब मंगल नम्बर 5 हो।
(4) सब ग्रह धोका देवें। अपनी बाज़ारी क़ीमत नदारद। अन्धेरे की ज़िन्दगी का मालिक। खुदकुशी तक नौबत। जलती हुई आग की गरमी से भरी हुई तक की मन्दी क़िस्मत होगी	जब दोस्त ग्रह मन्दे हों
(5) औरत पर औरत मरे।	जब सनीचर ख़ाना नम्बर 8 हो।
(6) सोया हुआ सूरज-छोटी उम्र की शादी (ज़्यादा से ज़्यादा 24 से पहले पहले) मुबारक होगी-वरना खुद बखुद जागा हुआ (राजदरबार की मुलाज़मत खुद कमाई करना शुरु करने की हालत में) सूरज उम्र के 24 वां साल मन्दा असर देगा। उपाओ- जद्दी मकान में क़ुदरती पानी (हैण्ड पम्प) क़ायम होने के 10 साल बाद क़िस्मत का सूरज बुलन्द हालत उत्तम असर में चमकता होगा।	जब ख़ाना नम्बर 7 ख़ाली हो।

अमूमन-आमतौर से लियाक़त-समझदारी तपेदिक़-क्षय रोग धोका-धोखा नदारद-न के बराबर, बिल्कुल भी नहीं खुद व खुद-अपने आप मुलाज़मत-नौकरी, सेवा उपाओ-उपाय

Astro Lucky

सूरज ख़ाना नम्बर-2

सख़ी दाता-अपने बाजुओं, का मालिक

है खाना मुबारक-कमा खुद जो सीखे
हुए मन्द सूरज-मुफ़्त दूध पीते

दर्जा सख़ावत राज हो ऊंचा
पिता माता बुध पाप क़बीला
छटे चंद्र-खुद चंद्र बढ़ता
पहले मंगल और चंद्र 12
न ही औरत ज़ात बढ़ती
याद इतनी हो ज़रूरी

शत्रु वैरी सब मारता हो
भी घरों को तारता हो
आठ चंद्र रवि[1] मरता हो
दुखिया आंसू घर भरता हो
न गुरु प्रधान[2] हो
छोड़ देना दान[3] को

हस्त रेखा

क़िस्मत रेखा या सूरज रेखा जब बृहस्पत का रुख़ करे मगर सनीचर के बुर्ज पर न हो

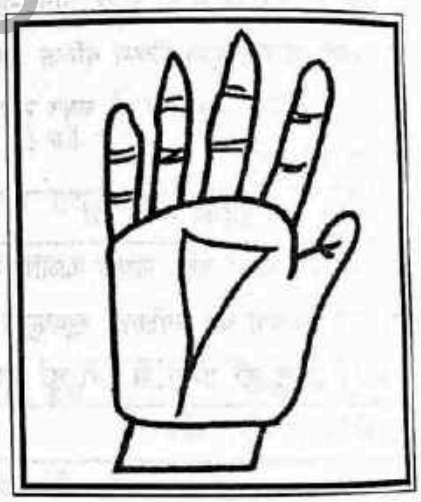

1 -नम्बर 8 ख़ाली तो खुद सूरज व ख़ाना नम्बर 2 की अश्या का उत्तम असर होगा।

2 -बृहस्पत का अलाहदा असर ज़ाहिर न होगा या अब बृहस्पत खुद सूरज के ज़ेरे साया होगा।

3 -दान लेना ग़ैर मुबारक-बल्कि पूरी तबाही देगा।

ज़ेरे साया-किसी की छत्र छाया में
बृहस्पत-बृहस्पति ग्रह
ग़ैर मुबारक-अशुभ
अलाहदा-अगल भिन्न
सख़ावत-दानशीलता

Astro Lucky

मामूं की उम्दा हालत होगी अपनी लड़कियों के रिश्तेदारों के ख़ानदान बारौनक़ 11 दिन $\frac{\text{माह}}{\text{साल}}$ कि उम्र पर दुश्मन की मौत या बरबादी होगी बृहस्पत का असर जुदा ज़ाहिर न होगा बल्कि बृहस्पत भी अब सूरज के ज़ेरे साया होगा। फ़ौजी व मज़हबी रहनुमाए होगा। सवारी व चौपाया का सुख होगा। जिस क़दर सख़ी दाता उसी क़दर राज मरतबा ऊंचा और दुश्मन ज़ेर हों। अपने बाजुओं और खुद हिम्मत व ताक़त का मालिक होगा-माता-पिता मामूं व अपनी बहन लड़की का क़बीला राहु ससुराल का क़बीला मय खुद अपनी औरत केतु औलाद नरीना का क़बीला इन सबको पालने और तार देने वाला होगा। खुद दस्ती मेहनत की आदत-हुनरमन्दी (पेशावरी) की ताक़त का मालिक होगा।	क़ियाफ़ा सूरज व बृहस्पत साथ साथी या बज़रिया दृष्टि नम्बर 2-8 $\frac{6-12}{5-9-10}$ घर मगर सनीचर का ताल्लुक़ न हो। क़िस्मत रेखा या सूरज रेखा बृहस्पत के बुर्ज का रुख़ करे मगर सनीचर के बुर्ज में या सनीचर के बुर्ज के नीचे ख़तम न हो। सूरज नम्बर 2 क़ायम अनामिका बिल्कुल सीधी हो
(1) चंद्र का फल नेक और सूरज का असर और भी बुलन्द होगा	जब क़ियाफ़ा चंद्र ख़ाना नम्बर 6 हो।
(2) बहादुर होगा। अमली लियाक़त दस्ती काम को तिजारत से अच्छा समझने वाला प्रानी होगा	जब बुध ख़ाना नम्बर 8 हो अनामिका का सिरा गोल हो जब बुध ख़ाना नम्बर 8 कनिष्का उंगली अनामिका की तरफ़ बहक जाए
(3) हुनरमन्द होगा	जब राहु ख़ाना नम्बर 8 हो अनामिका का सिरा चौड़ा हो
(4) खुद सच्चा और सच्चाई पसन्द होगा	जब केतु ख़ाना नम्बर 8 हो अनामिका का सिरा नोकदार हो।
(5) बहरूपिया मशहूरी पसन्द होगा	जब बुध ख़ाना नम्बर 9 हो अनामिका बहुत छोटी हो
(6) मुसव्विर होगा	जब राहु ख़ाना नम्बर 9 हो अनामिका बहुत लम्बी हो
(7) दस्ती काम की ताक़त वाला (techinical) होगा शौक़ीन ख़यालात का मालिक होगा	जब केतु ख़ाना नम्बर 9 या बुध ख़ाना नम्बर 10 अनामिका लम्बी हो मंगल नम्बर 9 अनामिका बहुत ही लम्बी हो
(8) खुद सूरज और ख़ाना नम्बर 2 की अश्या का उत्तम असर होगा	जब ख़ाना नम्बर 8 ख़ाली हो

ज़ेरे साया-किसी की छत्र छाया में अमली-कर्मठ, कार्या मामूं-मामा-माता का भाई मज़हबी-धर्मी
सख़ी-दानी उदारता तिजारत-व्यापार मुसव्विर-तस्वीर बनाने वाला (चित्रकार)

Astro Lucky

(9) इज़्ज़त व अक़्ल का मालिक होगा (आम दुनियावी हाल)	जब सनीचर ख़ाना नम्बर 10 में हो क़ियाफ़ा: मद्धमा अनामिका बड़ी हो
(10) कभी ख़ुश और कभी उदास हरदम तबीयत बदलने वाला	जब सनीचर ख़ाना नम्बर 11 में हो

मंदी हालत

न गुरु प्रधान हो

न ही औरत ज़ात बढ़ती-न गुरु प्रधान हो
याद इतनी हो ज़रूरी-छोड़ देना दान को

(1) इस घर में अकेला बैठा हुआ सूरज अपने दुश्मन ग्रह शुक्कर की अश्या (स्त्री धन-बेवा या माशूक़ा औरत-आलू-घी-अबरक-सफ़ेद काफ़ूर बग़ैर सींग के गाय-राग-ज़ायक़ा-माता-भुआ-फूफी-मासी गुदा) पर अपना नेक असर बन्द कर देगा। ज़र जोरू (औरत) और ज़मीन के झगड़े, मिट्टी की आन्धी के बादल (बाइसे तबाही) साबित होंगे

(2) तादाद औरत अपनी व भाइयों की औरतें माताएं व बहनें वग़ैरह उसके हां घटती ही होंगी जिनके लिए सनीचर का उपाओ-नारियल तेल बादाम वग़ैरह धरम अस्थान में देते रहना मददगार होगा।

(3) जिस क़दर ज़्यादा ज़र औरत व ज़मीन के झगड़े खड़े करता जाएगा सूरज का असर उतना ही ज़्यादा मन्दा होगा।

(4) दान लेना पूरी तबाही देगा, माल मुफ़्त से परहेज़ बेहतर मुबारक है। वह जो ख़ुद कमाकर खाना सीख गए।	जब चंद्र ख़ाना नम्बर 8 में हो।
(5) हर तरह से दुखिया और तंग दस्त होगा। तीनों ग्रहों का फल मन्दा होगा	मंगल ख़ाना नम्बर 1 चंद्र ख़ाना नम्बर 12
(6) लालची होगा।	मंगल ख़ाना नम्बर 8 क़ियाफ़ा: अनामिका का सिरा मुरब्बा हो।

भुआ-बुआ (पिता की बहन) (फूफी-पिता की बहन) उपाओ-उपाय, ज़र-दौलत, संपत्ति
क़ियाफ़ा-सामुद्रिक शास्त्र, ज़ायक़ा-स्वाद

Astro Lucky

सूरज ख़ाना नम्बर-3

दौलत का राजा
खुद कमा कर खाने वाला

हुआ धोका क़ुदरत न क़िस्मत का डर था
बजा बिगुल मन्दा-चलन जब तू बद था

बाप दादा-ख़्वाह ग़रीबी[1] — या पड़ोसी मर गए
उम्र लेकिन पिछली अपनी[2] — माया ज़र न कम रहे
ज़हर मंगल न बद कोई चलती — न ही बुरा बुध शुक्कर हो
माया खड़े दिन चोरी लुटती — हुआ बुरा जब चंद्र हो
मन्दा असर बुध टेवे पापी — केतु मामूं घर मारता हो
उम्र लम्बी औलाद हो अपनी — सोया सूरज ख़्वाह जागता हो

हस्त रेखा

सूरज रेखा से शाख़ मंगल
नेक को

जब नम्बर 9-11 का मन्दा असर होवे।

जब चंद्र उम्दा तो आख़ीरी / यक़ीनी तौर पर अवस्था निहायत उम्दा व उत्तम होगी।

धोका-धोखा ज़र-दौलत संपत्ति, सोना ख़्वाह-चाहे मामूं-मामा (माता का भाई)

Astro Lucky

दौलत का राजा, खुद कमाकर खाने वाला, पूरी ख़ूबसूरती का मालिक होगा।

टेवे में अब चंद्र का फल अमूमन रद्दी न होगा और न ही मंगल बद होगा। बल्कि बुध या शुक्कर का फल भी उम्दा होगा। खुद अपनी और अपनी औलाद की उम्र लम्बी होगी। न क़िस्मत मन्दी और न ही क़ुदरत कभी धोका देगी। दिनों की गर्दिश ज़माना की चाल या अक़्ल के धोका और फ़रेब से कभी मन्दा हाल और दुखिया न होगा।

दिमाग़ी कारोबार से बुध का असर हमेशा नेक होगा। इल्मे रियाज़ी या इल्मे ज्योतिष का ताल्लुक़ कारआमद होगा। चोरी के माल से परहेज़ मुबारक होगा। मन्दा चाल चलन तेरी जिस्मानी और नसीबा की ख़ूबसूरती को बदनाम कर देगा।

आख़री अवस्था में कभी भी निर्धन न होगा बल्कि आख़री वक़्त अपने क़बीला का सूरज तरक़्क़ी पर देखता हुआ जाएगा। चंद्र की अश्या (ख़ासकर जानदार माता-घोड़ा वग़ैरह) का फल नेक और उनकी (चंद्र की अश्या) लम्बी उम्र का साथ होगा। } जब चंद्र उम्दा हो।

सूरज की अश्या मुतअल्लिक़ा ख़ाना नम्बर 3 (दिन की औलाद भतीजे वग़ैरह) कभी मन्दे असर के न हों मगर खुद बुध की अपनी मुतअल्लिक़ा अश्या के नेक असर होने की कोई शर्त न होगी लेकिन अगर सपाट हाथ (जद्दी जगह मुफ़स्सिल उंगलियों की दरमियानी गांठें मोटी-मोटी) का साथ हो तो बुध उम्दा ही होगा। } बुध साथ साथी

अमूमन-आमातौर से इल्मे रियाज़ी-गणित शास्त्र गर्दिश-बुरा वक्त कारआमद-उपयोगी, उपयुक्त परहेज़-दूर रहना
मुफ़स्सिल-विस्तार पूर्वक

Astro Lucky

मंदी हालत

(1) दिन दहाड़े माया-दौलत की चोरी होगी ख़्वाह सूरज सोया हुआ या जागता हो।	जब चंद्र मंदा हो।
(2) बाप दादा निर्धन होंगे।	जब ख़ाना नम्बर 9 मंदा हो
(3) पड़ौसी बरबाद होंगे।	जब ख़ाना नम्बर 11 मंदा हो
(4) मामूं घर पर बुरा असर होगा।	जब बुध या पापी मंदा होवे

(5) सूरज का असर मन्दा होगा जब चाल चलन मन्दा हो या खुद मन्दे काम करे मगर क़िस्मत या क़ुदरत धोका न देगी और न ही मंगल बद का टेवे वाले पर कभी बुरा असर होगा। मगर दूसरों के लिए बद की बदी (मन्दे ग्रह का फल) का साथ ज़रूर होगा।

Astro Lucky

सूरज ख़ाना नम्बर-4

दूसरों के लिए जोड़ जोड़ कर मरे, बच्चों का दफ़ीना

तामा माया में क्यों तू छोड़ा बसेरा
करोड़ोपति नाम लेवा जो तेरा

मंगल हालत परिवार क़बीला
कीड़ा रेशम ज़र दौलत देता
माया लालच या शर्म से अपनी
आग लगी न लंका बुझती
पांच चौथे घर चंद्र मोती
मन्द पापी औलाद हो मन्दी
मन्द राहु-शनि तख़्त[1] पर बैठा
चोर गुरु 10 मंगल काना
तख़त माता 5 शुक्कर बैठा
तुख़म बदी किसी काम न आता
10 वें मित्र 5 शत्रु बैठे
रवि मिले कुल नष्टी होंगे

चश्मा रिज़क़ गुरु चंद्र घर
बुध[2] शनि दोनों के घर
शिकम हरामी भरता हो
गांठ काटे धन हरता जो
ब्योपारी उत्तम बुध 10 का हो
नहोराता शनि घर सात का हो
असर सूरज कुल मन्दा हो
ईजाद मौजूद[4] खुद होता हो
सात शनि खुद ऊंच का हो
नामर्द औरत या हिजड़ा हो
मोती चंद्र ख़्वाह 5 का हो
उपाओ भला खुद मंगल[5] हो

[1] वाल्दैनी सेवा जिसका मौका कम ही मिलता है बुनियाद होगी। [2] बुध मंगल की बारिश और सनीचर पहाड़ी इलाक़ा की बारिश की तरह माया दौलत बढ़ता होगा। बेशक खुद पत्ते खाकर गुज़ारा करले मगर अपने बाक़ी रहने वालों को रेशम ही देकर जाएगा।

[3] बृहस्पत ख़ाना नम्बर 10 के वक़्त सनीचर के काम या सामान (लोहा लड़की) मन्दा फल।

[4] जब चंद्र उम्दा ऐसा काम जो उसके बुज़ुर्गों ने न किया होवे फ़ायदा देगा सफ़र समन्दर से मोती पैदा होंगे।

[5] सिर्फ़ अन्धों ही को मुफ़्त खुराक या ख़ैरात तक़सीम करना ख़ाना नम्बर 5 और 10 की ऐसी ज़हर को धो सकेगा।

दफ़ीना-गड़ा हुआ खजाना निधि रिज़क़-रोजी ज़र-दौलत समन्दर-समुद्र
शिकम-पेट ब्योपारी-व्यापारी तुख़्म-बीज, गुठली, वीर्य ख़ैरात-दान तक़सीम-बांटना

Astro Lucky

हस्त रेखा

सूरज के बुर्ज से शाख़ चंद्र के
बुर्ज को मगर मंगल बद का ताल्लुक़ न हो चंद्र और सूरज
के बुर्जों के दरमियान रेखा दोनों बुर्जों
को मिलाती मालूम होवे मगर दरअसल मिलावे न
शराफ़त रेखा जब दरमियान से ऊपर को झुकी हो
सूरज रेखा दिल रेखा पर ख़तम होवे।

नेक हालत

रेशम के कीड़े की तरह खुद बेशक दरख़्तों के पत्ते खाकर गुज़ारा कर के अपनी ज़िन्दगी पूरी कर जावे मगर उसे दौलत का फ़िक्र न होगा बल्कि वह मरते वक़्त ज़रूर दौलत जमा छोड़ जाएगा और उसके नाम लेवा (उसकी आल औलाद) करोड़ोंपति होंगे खुद सफ़ा और दरिया दिल रौशन ज़मीर-अक़्लमंद और हुकूमत का मालिक होगा। चंद्र बैठे हुए घर से माया लेगा और धन की बारिश या माया की अचानक प्राप्ति बुध (मंगल धीमी धीमी देर पाए) और सनीचर (पहाड़-जल्द जल्द और ज़ोर की) बैठा होने वाले घरों पर होगी उम्दा सेहत चश्मे रिज़क़ व दौलत का फ़व्वारा हर दम तर व ताज़ा ही रहेगा। वाल्दैनी सेवा (जिसका मौक़ा बहुत कम ही मिला करता है।) फ़ालतू धन जमा होने या करने की बुनियाद होगी ज़ाती धन दौलत और रिज़क़ के चश्मे का हाल चंद्र और बृहस्पत बैठे घरों से ज़ाहिर होगा। परिवार क़बीला की हालत मंगल की हालत पर फ़ैसला होगी।

नई ईजाद से नफ़ा का मालिक होगा----------चंद्र नम्बर 4-5 क़ियाफ़ा: चंद्र के बुर्ज पर चंद्र का सितारा राजदरबारी सफ़रों से मोती पैदा होंगे उत्तम व्यापारी होगा } बुध नम्बर 10

मुतहम्मिल मिज़ाज होगा } मंगल क़ायम

मुतहम्मिल-सहनशील, सहिष्णु ख़तम-ख़त्म दरख़्तों-पेड़ ईजाद-खोज
नफ़ा-फ़ायदा क़ियाफ़ा-सामुद्रिक शास्त्र मिज़ाज-हाल चाल

Astro Lucky

अब बृहस्पत नीच न होगा बल्कि पूरा सोना और बृहस्पत का उत्तम फल होगा।	बृहस्पत ख़ाना नम्बर. 10 में
ऐसा नया काम जो उसके बुजुर्गों ने न किया हो फ़ायदा देगा समन्दर के सफ़र से मोती पैदा होंगे-सोने चांदी के काम मुबारक फल देंगे।	जब चंद्र उम्दा हो बृहस्पत नम्बर 4 और मंगल बद न हो क़ियाफ़ा:- चंद्र के बुर्ज पर बृहस्पत का सीधा ख़त या सूरज रेखा हो जिसका रुख़ सिर्फ़ सूरज के बुर्ज की तरफ़ या बुध के बुर्ज को हो।
वाल्दैन की तरफ़ से नजीबुलशर्फ (पूरा भला और उत्तम खून)	शुक्कर चंद्र हर दो साथी
भला लोग भले काम क़िस्मत का उम्दा	क़ियाफ़ा: बृहस्पत के बुर्ज नम्बर 9, पर
तिजारती सफ़रों के नेक नतीजे (माली नफ़ा) होंगे।	बुध साथ साथी

मंदी हालत

(1) माया के लालच या दुनियावी शर्म से शिकम हराम का बोझ गले लगेगा। जलती हुई लंका की आग से तंग होगा।

(2) चोरी की आदत-मन्दे शौक और लोगों की गांठ काटने से खुद अपना धन बरबाद और हर जगह हानि होगी और हनुमान जी की दुम की आग से रावण की लंका में आग के शोले नज़र आएंगे जिनके बुझाने के लिए सारी दुनिया का पानी पहले ही ख़तम हो चुका होगा यानी ऐसी बरबादी होगी कि कूच के वक़्त से पहले अपनी ही आंखों से सबकुछ जल चुका देखकर जाएगा मगर आंसू न बहा सकेगा।

(3) औलाद मन्दी होगी	जब पापी मन्दे हों।
(4) नहोराता (शबकोरी) दिन को नज़र आवे मगर रात नज़र न आवे	सनीचर नम्बर 7

बृहस्पत-बृहस्पति ग्रह समन्दर-समुंद्र वाल्दैन-माता-पिता नफ़ा-फ़ायदा शबकोरी-रतौंधी शिकम-पेट उदर
नजीबुलशर्फ़-पूरा भला या उत्तम खून नहोरता-दिनों को नज़र आवे मगर रात नज़र न आवे

Astro Lucky

(5) सूरज का सब असर मन्दा होगा। चंद्र की मदद मिलने पर चंद्र के उपाओ के ज़रिये सनीचर की तबाह शुदा या सनीचर की तबाह करदा अश्या से सूरज के उपाओ के ज़रिये या सूरज की मदद से क़ीमती लाल (मंगल भी नेक) कर देगी। राहु के मन्दे असर के वक़्त ससुराल घराना से पापी ग्रहों की अश्या लेना ज़हर का सबूत होगा	राहु मन्दा और सनीचर ख़ाना नम्बर 1 व बृहस्पत नम्बर 10
(6) सोने की चोरी के वाक़िआत होंगे और सनीचर लोहे लकड़ी के काम मन्दा फल देंगे मगर आग वा कवा-गुमनाम ग़ैबी झगड़े फ़साद बाइसे (माली नुक़सान) ख़राबी मगर चंद्र (कपड़ा-चांदी) बृहस्पत (सोना) और माता-पिता के मुतअल्लिक़ा कारोबार उत्तम फल देंगे।	बृहस्पत ख़ाना नम्बर 10
(7) एक आंख से काना होगा मगर क़िस्मत का धनी (उत्तम) होगा।	जब ख़ाना नम्बर 10 में मंगल हो
(8) नामर्द-हिजड़ा-नअक़्ल न गांठ-हर जगह ख़्वामख़्वाह का मेहमान	जब चंद्र ख़ाना नम्बर. 1-2 शुक्कर नम्बर 5 और सनीचर ख़ाना नम्बर. 7 हो
(9) सब ही ग्रहों (सिवाय मंगल) का फल मन्दा होगा। ऐसे वक़्त मंगल का उपाओ बज़रिया जद्दी मकान मसलन वहां यज्ञ मुफ़्त ख़ुराक तक़सीम करना या ख़ैरात देना सिर्फ़ अन्धों को ही मुफ़्त ख़ुराक तक़सीम करना मुबारक होगा जो ख़ाना नम्बर 5-10 दोनों की ज़हर धो सकेगा।	चंद्र-बृहस्पत या बुध से कोई एक भी सूरज के बिलमुक़ाबिल बैठे यानी ख़ाना नम्बर 10 और उस वक़्त ख़ाना नम्बर 5 में हो 1, चंद्र--------राहु केतु 2, बृहस्पत-----शुक्कर-बुध 3, बुध --------चंद्र और उस वक़्त शुक्कर या पापी हो ख़ाना नम्बर 4 में या 2-5-9 12 में या 3-6 में
शादी और औलाद में गड़बड़ हर तरह की मन्दी अवस्था होगी	चंद्र उम्दा बृहस्पत नम्बर 4 मगर उस वक़्त मंगल बद हो। क़ियाफ़ा: चंद्र के बुर्ज से सूरज रेखा निकलकर बुध के बुर्ज के अन्दर चली जावे।

उपाओ-उपाय क़वा-शक्तिशाली ख़ुराक-रोटी ख़ैरात-दान क़ियाफ़ा-सामुद्रिक शास्त्र ख़्वामख़्वाह-बिना बात

Astro Lucky

सूरज ख़ाना नम्बर-5

परिवार उन्नति का मालिक
बुग़्ज़ (कीना) भरा

परिन्दा मुर्ग़ बाल बच्चे जो पाले
पड़ा सोया किस बजर-लंगर तू डाले

आईना ए दिल[1] न जब तक
लिपटी हुई न आरज़ू
ग्रह[4] पांचों से अपने घर का
सूरज की वह होंगे प्रजा
बेटे जनम से हरदम फलता
पांच पहले घर शत्रु तरता
औरतें मरतीं गुरु 10 बैठे
गुरु रवि[6] जड़ शत्रु कटते

बुग़्ज़ों[2] से चूर हो
कोई कफ़न में हो[3]
या पापी 9-11 जो
हंस[5] हुमा भी तारता हो
क़दर बेशक न करता हो
राज सभा रवि भरता हो
लड़के शनि 3 मारता हो
औलाद भला न होता हो

1 चंद्र या ख़ाना नम्बर 4

2 मन्दा केतु या मंगल बद-बुग़्ज़ कीना-दुश्मनी-दूसरे से हसद

3 ख़ासकर जब बृहस्पत उम्दा हो।

4 बृहस्पत (1-12) सूरज (क़ायम) चंद्र (4) शुक्कर (2) मंगल (1-8) बुध (3-6) पापी (9-11) (राहु-केतु-सनीचर)

5 हंस मोती खाने वाला परिन्दा (हुमा) एक ऐसा जानवर माना गया है कि वह जिसके सिर पर से गुज़र जावे वह बादशाह बन जावे।

6 सूरज की जड़ ख़ाना नम्बर 1-5 बृहस्पत जड़ ख़ाना नम्बर 9-12

गुरु-बृहस्पति ग्रह	रवि-सूर्य ग्रह	कीना-द्वेष, जो दिल मे रहे	हसद-ईर्ष्या-जलन
शुक्कर-शुक्र ग्रह	सनीचर-शनि ग्रह	बुग़्ज़-ईर्ष्या	हुमा- कल्पित पक्षी

Astro Lucky

हस्त रेखा

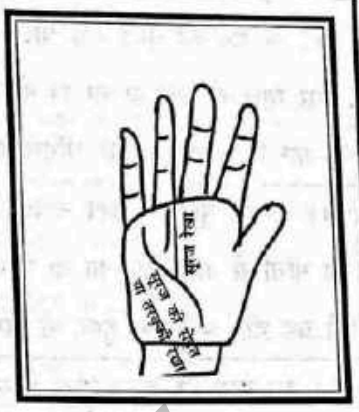

सूरज रेखा बिल्कुल सीधी सूरज के बुर्ज पर ही हो और सूरज के अपने घर में ही मालूम होवे और सूरज का बुर्ज क़ायम हो-सेहत रेखा बुध से चलकर हथेली में ख़ाना नम्बर. 11 तक ख़तम होवे।

सूरज रूह जिस्म और सेहत का मालिक है इसलिए इसकी दूसरी रेखा का नाम सेहत रेखा रखा गया है। सेहत या तरक़्क़ी रेखा हथेली में सनीचर के हैडक्वार्टर से ऊपर सूरज की तरफ़ बुध के बुर्ज को जाती है-या सूरज का असर बुध (दिमाग़) में पहुंचाने जाती है। इस रेखा का हाथ में न होना कोई बुरा असर नहीं देता बल्कि उम्दा सेहत ज़ाहिर करता है और हाथ में इस रेखा का होना उम्दा सेहत के अलावा उम्र-सिर और दिल रेखा वग़ैरह की टूट-फूट के बुरे असरों से बचाता है सेहत रेखा बुध चंद्र और मंगल बद को हथेली से जुदा करती जिस जगह ये उम्र रेखा से जाकर मिलती है-वह मुक़ाम सेहत का आख़ीरी या उम्र रेखा का आख़ीरी वक़्त या ख़ातमा या मुक़ाम मौत है

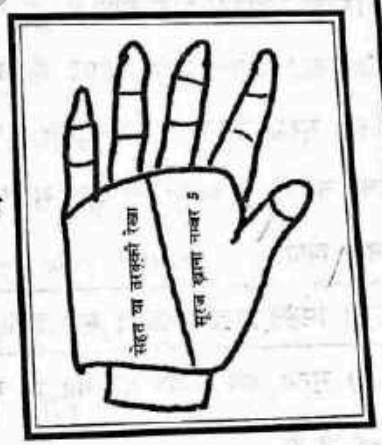

नेक हालत

औलाद के दिन से रोटी पानी की बरकत होगी और मशरिक़ी दीवार में रसोई ख़ाना (रोटी खाने-बनाने की जगह) सूरज नम्बर 5 का मुबारक असर देगी।

(2) दो धारी तलवार सफ़ा दिल तो सब कुछ उम्दा यानी भेड़ से बढ़ता हुआ भेड़िया या सब कुछ उम्दा और जब कीना साज़ तो भेड़िये ने कान से पकड़ कर भगाई हुई भेड़ की तरह की मन्दी क़िस्मत से ख़ुद ही जलता होगा मगर राजदरबारी ताल्लुक़ और औलाद फिर भी कभी मन्दे न होंगे।

ख़तम-खत्म समाप्त
कीना साज़-शत्रुता, हठ रंजिश
मुक़ाम-पड़ाव लक्ष्य मशरिक़-पूर्व दिशा
ताल्लुक़ -सम्बन्ध

Astro Lucky

(3) औलाद की बृद्धि और परिवार की उन्नति का मालिक गृहस्ती होगा राजा हो। तो पर उपकारी होगा लेकिन अगर साधु भी होवे तो भी हर दो हालत में लम्बी उम्र का मालिक होगा। ग़र्ज़ेकि अगर उसे राजा न तारे तो साधु ही तार देगा। बकरी और भेड़िये दोनों ही को एक जगह बआराम रखने की हिम्मत का मालिक होगा।	
(4) उसका बुढ़ापा हमेशा उम्दा होगा। ग्रह पांचों से अपने घर का या पापी 9-11 जो सूरज की वह होंगे प्रजा हंस हुमा भी तारता हो	मंगल नम्बर 1-8 बुध नम्बर 3-6 पापी नम्बर 9-11 राहु केतु सनीचर
(5) हंस हुमा भी तारता होगा जिस तरह हंस मोती खाने वाला या हुमा (एक जानवर) जिसके सिर पर से गुज़र जावे वह बादशाह बन जाता है। इसी तरह ही अब ऐसा आदमी मानिन्द बादशाह हुक्मरान और आसूदा हाल का मालिक होगा जिसका रिज़्क़ कभी बन्द न होगा।	बृहस्पत ख़ाना नम्बर 9-12 चंद्र ख़ाना नम्बर 4 सूरज क़ायम क़ियाफ़ा: सूरज रेखा, क़ायम हो सूरज की तरक़्क़ी रेखा क़ायम हो। शुक्कर ख़ाना नम्बर 2-7
हर तरह बरकत होगी औलाद की उन्नति होगी और अब सूरज सनीचर का झगड़ा न होगा बल्कि एक दूसरे को बाहमी मदद वाल्दैनी सुख सागर लम्बा अर्सा और नेक होगा	सनीचर नम्बर 11
(6) मिस्ल राजा इक़बाल मन्द होगा	चंद्र नम्बर 4
(7) सूरज अब दुश्मन ग्रह को भी मदद देगा जो नम्बर 1-5 में हो	दुश्मन ग्रह नम्बर 1-5
(8) राज सभा हर जगह उसकी क़दर व इज़्ज़त मान होगा	
(9) कोई भी आरज़ू क़फ़न में लिपटी हुई बाक़ी न होगी	जब बृहस्पत उम्दा हो
(10) दिमाग़ी ख़ाना नम्बर 20 ज़ाती अक़्ल नम्बर 22 इज़्ज़त बुजुर्गी का मालिक होगा	
(11) बादल तले छुपे हुए सूरज की तरह अब बुध का सारी उम्र ही जुदा फल ज़ाहिर न होगा।	

मानिन्द-समान, तुल्य हुक्मरान-आदेश देने वाला आसूदा-धन धान्य से परिपूर्ण
बाहमी-एक साथ, मिलकर क़ियाफ़ा-सामुद्रिक शास्त्र

Astro Lucky

मंदी हालत

(1) शादियां एक से ज़्यादा औरत पर औरत मरती हो	बृहस्पत नम्बर 10
(2) लड़के पर लड़का मरता हो।	सनीचर नम्बर 3
(3) धुआंधार (आतिशख़ेज) दुख का रद्दी पहाड़ औलाद	सनीचर नम्बर 3
पर माली ख़राबी का बहाना होता रहेगा और	सनीचर नम्बर 3
(4) औलाद अमूमन मंदी या बरबाद होगी।	सनीचर नम्बर 3

सूरज ख़ाना नम्बर-6

आग जला दौलत से
बेफ़िक्र और क़िस्मत पर शाकिर

जो तरसे न रोज़ी को पत्थर का कीड़ा
तो माथे कि तेरी को धो कौन देगा

न ज़रूरी राज दौलत
चलन मन्दा लाख औरत
दीवार तोड़ी न पिछली अपनी
रस्म पुरानी क़ायम चलती
उम्र[1] रवि पर बाण न रुकता
शनि 12 पर शुक्कर मरता
10 वें मंगल हो लड़के खाता

न हुआ लावल्द हो
गुज़र आला शर्त हो
न ही भली हठ धरमी हो
सूरज उत्तम सब उन्नति हो
चंद्र[2] बुरा 5 पापी हो
पिता मरे दो ख़ाली जो
राज गाले बुध 12 का

[1] सूरज के आम दौरा की उम्र 22-11 साला [2] राहु या सनीचर नम्बर 1 मन्दा हाल मगर केतु नम्बर 1 7 सब कुछ उम्दा होगा। केतु (औलाद-मामूं) पर मन्दे असर के वक़्त बन्दर (सूरज) को गुड़ (सूरज की अश्या) देना मुबारक होगा वरना बुध का उपाओ मदद देगा।

अमूमन-आमतौर से लावल्द-जिसकी कोई संतान न हो रवि-सूर्य ग्रह सूरज-सूर्य ग्रह अश्या-चीजे वस्तुएं
उपाओ-उपाय अतिश ख़ेज-आग से मरा हुआ, ज्वालामुखी शाकिर-आभार मानने वाला, कृतज्ञ

Astro Lucky

पापी दौरा जो तख़्त का करता तीन कुत्ते गर दुनिया पाले पाताल अगन से लड़का निकले	ग्रहण लगा हो क़िस्मत का केतु पालन ख़्वाह तख़्त का हो लाख पापी ख़्वाह मन्दा हो

हस्त रेखा

सूरज रेखा हाथ की बड़ी मुस्ततील में

ख़तम होवे

नेक हालत

(1) अब मंगल नम्बर 4 होता हुआ भी कभी मंगल बद-मंगलीक या मन्दा न होगा जिस तरह आग व पत्थर के कीड़े को भी रोज़ी मिलती है इस तरह ही ऐसे प्रानी के माथे की लकीर को कोई धोकर इसका रिज़्क़ बन्द नहीं कर सकता इसीलिए वह अपनी क़िस्मत पर शाकिर व साबिर होगा।

(2) राज दरबार की दौलत से बेफ़िक्र मगर आग की तरह जल्द गरम हो जाने वाली तबीयत का मालिक होगा

(3) दिमाग़ी ख़ाना नम्बर 23-रसूख व पसन्दीदगी का मालिक होगा। औरत और हर चीज़ ज़ाहिरा ख़ूबसूरत हो-मगर उसे उसकी ख़ूबी या सिफ़त की परवाह नहीं।

(4) ख़्वाह लाखों औरतों का मिलापी और मन्दा चलन हो-मगर रिज़्क़ कभी मन्दा न होगा।

(5) राजदरबार का असर व ताल्लुक़ उम्दा होगा।

(6) पैदाइश अमूमन नानके घर या जद्दी घर से बाहर होगी। वक़्त पैदाइश वाल्दैनी हालत और सब घर बार मानिन्द राजस्तान होगा मगर पापी ग्रहों के वक़्त एक दफ़ा तो ज़रूर ही ज़वाल आएगा जो औलाद के दिन से बहाल होगा।

(7) राजदरबार कई बार छोड़कर फिर दोबारा मुलाज़िम होगा मगर लड़के की पैदाइश के दिन जहां कहीं

साबिर-सब्र करने वाला, हर हाल में ईश्वर पर निर्भर रहने वाला रसूख-इज़्ज़तदार ज़ाहिरा-स्पष्ट, दिखाई देने वाला सिफ़त-गुण विशेषता मुस्ततील-आयत ज़वाल-गिराव, पतन, कमी मुलाज़िम-नौकरी, सेवा, दास

Astro Lucky

भी रोज़ी के ताल्लुक़ में चल रहा होवे हमेशा के लिए उसी ज़रिया मुआश यानी मुलाज़मत वग़ैरह जो कुछ भी हो में पक्का हो जाएगा ग़र्ज़ेकि रोज़ी के ताल्लुक़ में लड़के के जनम दिन से अव्वल तो कोई तब्दीली होगी ही नहीं और अगर कोई ज़रिया मुआश बदले तो वह हमेशा के लिए मुस्तक़िल ज़रिया ही बन जाएगा और आर्ज़ी ढंग का न होगा।

बहरहाल रोज़ी के ढंग और इधर-उधर के ज़रिये अब हर रोज़ बदलने नहीं पड़ेंगे। जो भी कोई एक इस वक़्त चल रहा हो निकल पड़े या चल पड़े या नेक और उम्दा होगा जो ता उम्र साथ देगा और उत्तम होगा।

(8) दुनियावी तीन कुत्तों में से किसी की भी पालना मददगार होगी।

(9) पुरानी रसूमात को चलाए रखना सूरज के असर को उत्तम करेगा। जवाई (लड़की का ख़ाविंद) को नफ़ा दर नफ़ा होगा।

सूरज उत्तम और जागता हो यानी नम्बर 2 में सूरज के दोस्त (चंद्र मंगल बृहस्पत) हो

(10) राजदरबार उम्दा होगा। औलाद नरीना ज़रूर पैदा और क़ायम होगी औलाद के योग ख़्वाह लाखों मन्दे हों दुनिया के तीन कुत्तों की पालना मुबारक होगी बल्कि बग़ैर उपाओ ही 48 साला उम्र के बाद सब मन्दी कहानी (बुरे दिन) खुद ब खुद नेक हो जाएंगी

केतु नम्बर 1-7 में हो या जब कभी भी नम्बर 1-7 में आ जावे।

मंदी हालत

(1) अकेला बैठा हुआ सूरज इस घर में अपने दुश्मन ग्रह केतु की अश्या (औलाद नरीना और उसका सुख-मामूं-नाना-नानी-साहूकारा-रफ़्तार-ख़रगोश-चिड़िया का नर) पर अपना नेक असर बन्द कर देगा।

(2) मकान की पिछली मग़रिबी दीवार तोड़कर रोशनी करना या हठधर्मी का उसूल उत्तम बनाना सूरज की आग से घर और उसके जिस्म को जला देगा रात का आराम/चारपाई और बुढ़ापे में नज़र का सहारा (लड़का) मन्दा होगा।

ताल्लुक़-संबंध मुलाज़मत-सेवा नौकरी मुस्तक़िल-अटल-दृढ़-निश्चयी रसूमात-रस्मों रिवाज खाविंद-पति
नफ़ा दर नफ़ा-फायदे पर फायदे नरीना-लड़का मग़रिबी-पश्चिम दिशा

Astro Lucky

(3) केतु की जायदाद अश्या (औलाद या मामूं) और खुद अपनी सेहत पर मन्दे असर के वक़्त सूरज का उपाओ यानी बंदर को $\frac{\text{गुड़}}{\text{गन्दुम}}$ भूरी चींटी को सूरज की अश्या (गन्दुम बाज़रा वग़ैरह) देना मुबारक होगा।
केतु की बेजान अश्या के मन्दे असर के वक़्त बुध को नेक कर लेना मददगार होगा।
सूरज के अपने मन्दे असर के वक़्त राज दरबार की ख़राबियों चंद्र की अश्या (घोड़ी-चांदी-दरिया का पानी) क़ायम कर लेना या चंद्र नष्ट करने यानी शाम की रोटी की आग दूध से बुझाना मदद देगा

(4) 22 साला सूरज की उम्र में पिता और टेवे वाले दोनों में से सिर्फ़ एक ही सरकारी राजदरबार की आमदन का मालिक होगा-लेकिन अगर दोनों ही किसी वजह से सरकारी नौकर हो ही जावें तो एक ही शहर या मुक़ाम में इकट्ठे रह कर सरकार से रुपया नहीं ले सकते-जुदा-जुदा ही रहेंगे खुद टेवे वाले के लिए राजदरबार का दरवाज़ा उसकी रोज़गार के लिए कई बार खुलता और बन्द होता होगा उसकी (पिता की) उम्र तक ख़तम करने के लिए वह पिता पर भारी होगा। जिसके लिए धरम अस्थान में कुत्ते की खुराक की अश्या देते रहना मददगार होगा।
पिता की उम्र टेवे वाले की $11\frac{\frac{22}{1}}{\frac{2}{5}}$ उम्र में शक्की होगी इस लिए धरम अस्थान में कोई न कोई चीज़ देते ही रहना चाहिये ताकि पिता की सेहत-उम्र और दौलत बचती रहे।

ख़ाना नम्बर 2 ख़ाली हो

(5) अग्नि बाण सूरज की उम्र पर $\frac{21-22}{11}$ मन्दा असर होगा — चंद्र बुरा और पापी नम्बर 5

(6) अमूमन स्त्री भाग और खुद स्त्री बरबाद — सनीचर नम्बर 12

(7) लड़के पर लड़का मरता हो घर में किसी तरह भी ज़मीन की तह के अन्दर रखी रहने वाली आग न हो तो बचाओ होगा। सोते वक़्त चंद्र की अश्या अपने सिरहाने रखकर सुबह आम लोगों को मुफ़्त तक़सीम करते रहना मदद देगा — मंगल नम्बर 10

मुक़ाम-पड़ाव, लक्ष्य ख़तम-खत्म धरम अस्थान-धर्मस्थान अमूमन-आमतौर से तक़सीम-बांटना

Astro Lucky

(8) राजदरबार ग़र्क़ और मन्दे नतीजे देगा। ख़ून का दबाओ Blood Preasure की बीमारी से मन्दी सेहत होवे। गरमी के दिनों में दोपहर के वक़्त ऐन सिर की चोटी पर आए हुए सूरज की तेज़ गरमी की तरह जलाने वाली धूप की तेज़ी की तरह सूरज की आग राजदरबारी ताल्लुक़ में जलन पैदा करती होगी।	बुध नम्बर 12
(9) क़िस्मत का ग्रहण लगा हुआ या हर तरफ़ मन्दी सूरज की रोशनी होगी जिसमें गरमी न हो। वक़्त पैदाइश वाल्दैनी हालत ख़्वाह मानिन्द राजस्थान हो मगर राहु व सनीचर की उम्र या बमूजिब बर्षफल नम्बर 1 में आने के वक़्त एक दफ़ा तो ज़रूर ही ग्रहण का मंदा ज़माना होगा जो औलाद के दिन या केतु नम्बर 1-7 में आने के वक़्त या 45-48 साला उम्र में ख़तम होगा।	राहु या सनीचर नम्बर 1
(10) सूरज ग्रहण या राजदरबार व ज़ाती जिस्म (सेहत वग़ैरह) पर मन्दे वाक़िआत के वक़्त धरम अस्थान में दूसरे लोगों की ख़ैरात की हुई चीज़ का अपने पास रखना सूरज की रोशनी को बहाल कर देगा। खुद या औरत या दोनों एक आंख से काना हो। पैदाइश अपने जद्दी घर घाट से बाहर या नानके घर में होगी।	राहु नम्बर 2 सनीचर नम्बर 8 चंद्र नम्बर 12 राहु नम्बर 1 केतु नम्बर 7

जद्दी मकान की पिछली दीवार फाड़कर रोशनी कर लेने से क़िस्मत का उजाला न होगा बल्कि अग्नि बाण के मन्दे शोलों की भड़काती हुई आग से तमाम ब्रह्मण्ड भरपूर हो जाएगा।

जद्दी रसूमात का बन्द कर देना कभी आबादी और बहबूदी न देगा।

ग़र्क़-डूबा हुआ सनीचर-शनि ग्रह बमूजिब-अनुसार वर्षफल-वर्षफल दफ़ा-समय, वाक़िआत-हादसा
रसूमात-रस्मों रिवाज बहबूदी-भलाई करने से संबंधित

Astro Lucky

सूरज ख़ाना नम्बर-7

कम क़बीला-डरता
डरता मर रहे

ज़बान नरम हाक़िम - ब्योपारी हो जलता
ज़माना उसे क्यों है - पामाल करता

घर पहले के ख़ाली होते
दिन उसी ही सूरज निकले
नीच-सूरज हो न दुनिया
बुध गुरु या शुक्कर उम्दा
रिज़्क़ बाहर-उम्र सारी
गुज़रते बद आयु अपनी
गुरु[3] चंद्र या मंगल दूजे
शत्रु मगर जब घर दो बैठे
गुरु शुक्कर या पापी राजा
मौत[4] मारे घर इक दम इतना

7 वां फ़ौरन सोया
8[1] जब दूजे हो या
माया ज़र परिवार हो
2 भला 3 पांच जो
मौत आख़िर घर में हो
खेले माया ज़र में वह
वज़ीर बुलन्दी बनता हो
साथ पराई ममता[2] हो
जुदा हुआ बुध नष्टी हो
मिले क़फ़न[5] न दफ़नी हो

[1] 13-29-41-45-64-75-86-98-119 साला उम्र में [2] औरत भी रहे तो लाजवन्ती रहे वरना वह और उसका घराना (ससुराल) सब बरबाद [3] तप या मर्द औरत दुखों के पुतले मन्दा ज़माना हद 34 साला उम्र तक होगा। [4] तपेदिक खुदकुशी आग के वाक़िआत ग़बन वग़ैरह बहाने होंगे गृहस्त से तंग होकर भागे हुए फ़क़ीर[4] की क़िस्मत होगी। बद मिज़ाजी-खुदग़र्ज़ी-बेहद तबाह कुन गुस्सा बुनियाद होगी [5] ज़मीन में तांबे के चौकोर टुकड़े दबाना जब गृहस्ती हालत मन्दी वरना चंद्र नष्ट (दूध से आग बुझाना) करने का उपाओ मददगार होगा। जब सनीचर का टकराओ हो रहा हो।

ब्योपारी-व्यापारी गुरु-वृहस्पति ग्रह ज़र-दौलत, संपत्ति ग़बन-नुकसान बदमिज़ाजी-बुरा व्यवहार
पामाल-पांव तले रौंदा हुआ, मुसीबत का मारा हुआ आख़ीर-अन्त

Astro Lucky

हाल गृहस्ती सूरज माया
जनम वक़्त था लाख जो साया
गुरु मंगल उस घर से भागे
पापी ग्रह भी गिने अभागे
न धन रहे-धनाढ्य हो
सब माल व जान बरबाद हो

सोने से घर मिट्टी पाया
बोलते बोलते आग जलाया
शुक्कर रहे न चंद्र जागे
मिली मदद बुध सब ही जागे
न गुल रहे-गुलज़ार हो
गर बुध का ना वां साथ हो

हस्त रेखा

शुक्कर के बुर्ज से शाख़ सूरज के बुर्ज को शुक्कर का पतंग हथेली पर क़ायम हो (ख़ाना नम्बर 7 में जो बुध का बली घर है बुध जुदा असर नहीं करता)

क़ियाफ़ा

सेहन गली के साथ होगा यानी घर के साथी गली बाज़ार और मकान के सेहन के दरमियान सिर्फ़ ख़ाली दीवार होगी जिस पर कोई छत न होगी। गली और सेहन की दरमियानी दीवार छोटी ही होगी बाहर गली में खड़े हों तो दीवार के साथ सेहन के साथ लगता हुआ मकान नज़र आएगा तो सूरज नम्बर 7 का असर देगा।

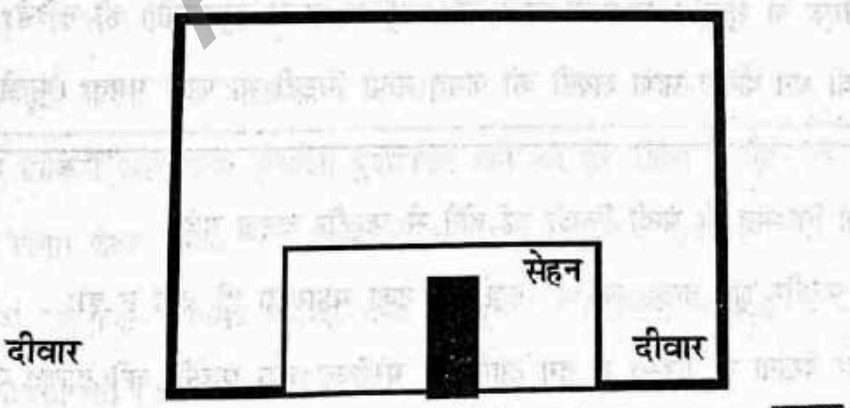

बाहर से घर को देख रहे हों

Astro Lucky

नेक हालत

दिमाग़ी ख़ाना नम्बर 24-हौसला-मुझ से दूसरा अपनी शान न बढ़ाने पाए के उसूल का आदी होगा। बुध की 34 साला आख़री हदबन्दी गुज़रने पर माया-ज़र और परिवार की बरकत शुरु होगी।

(1) ख़ुद अपनी जान व जिस्म पर सूरज का कोई बुरा असर न होगा बल्कि टेवे वाले का ज़ाती परिवार (उसकी आल औलाद) उम्दा और फिर आगे औलाद के दिन से माया दौलत की बरकत मगर वाल्दैनी कुनबा व ससुराल ख़ानदान का राजदरबारी ताल्लुक़ में सूरज का बड़ा असर, घास पर आग पड़ी हुई की तरह बुरा ही होगा।

सूरज कभी मन्दा न होगा और सब कुछ उम्दा होगा। उम्र मर्द व औरत हर दो की लम्बी होगी फ़क़ीर नम्बर 3 A न होगा। सफ़र से ज़िन्दा ज़रूर वापिस आएगा और बुलन्द सूरज की तरह किसी सवाली को अगर ख़ैरात में देगा तो चांदी या मोती ही देगा-मगर मिट्टी (ख़ाना नम्बर 7 शुक्कर गृहस्त मिट्टी का घर) न देगा। बेशक दुनिया के हज़ारों दुख और ज़माना की लाखों मुसीबत देखनी पड़ें। मगर फिर भी एक जहां दीदा बग़ैरह और लासानी मर्द होगा। औरत को 25 साल ही सुख हलका होगा। औरत रहे तो लाजवन्ती (Touch me not) के फूल की तरह उंगली लगते ही मुरझाने वाली या अपनी अस्मत ख़ुद ब ख़ुद बचाने वाली रहे तो ज़िन्दगी भर आराम से रहे वरना वह न रहे और अगर बद हो और फिर भी रहे तो उसका घर (ससुराल तरफ़ या शुक्कर का साथ साथी ग्रह बमूजिब जनम कुण्डली) ही न रहे। फिर भी रहे तो दुनियावी धन दौलत माया लक्ष्मी की जगह मन्दी मिट्टी या पराई ममता (मुसीबत ग़ैर)

A अव्वल लेख या क़िस्मत ही मन्दी लिखी हुई होने से फ़क़ीर बनना पड़े दोयम भेस या रिहाइश फ़क़ीर ख़ुद करदा बेशक लाखोंपती राजा महाराजा ही क्यों न हो। सोयम पीछा मुड़ मुड़कर देखता या गृहस्त से तंग आये हुए मुसीबत ज़दा फ़क़ीर की हालत जो देखता हो कि शायद कोई मदद या बुलाने को आ ही पहुंचे।

कुनबा-परिवार, खानदान हदबन्दी-सीमा निर्धारण ज़दा-मरा हुआ, आहत लासानी-अद्वितीय, अनुपम, दोयम-दूसरा
अस्मत-इज़्ज़त आबरू बमूजिब-अनुसार वाल्दैनी-माता-पिता जहां दीदा-दुनिया देखे हुए सोयम-तीसरा

Astro Lucky

ही गले लगी रहे। फिर भी रहे तो उस घर में (टेवे वाले का ख़ानदानी या शुक्कर बैठा होने का घर बमूजिब जनम कुण्डली) कोई न रहे बहरहाल ऐसा शख़्स बुध की उम्र $\frac{17}{34}$ से इक़बालमन्द होगा।

(2) गो रिज़्क़ सारी उम्र बाहर परदेस में होगा मगर आख़री वक़्त मौत अपने घर घाट जद्दी इलाकों में होगी	नम्बर 2-3-5 या बुध गुरु या शुक्कर उम्दा हो
(3) स्त्री भाग हलका मगर मन्दा नहीं गिनते-पराई ममता गले लगी रहे	सनीचर बुध केतु नम्बर 2
(4) बुलन्द मर्तबा वज़ीर होगा।	गुरु-चंद्र या मंगल नम्बर 2
(5) आमदन दौलत उम्दा मगर अक़्ल की शर्त नहीं।	बुध ऊंच या बुध नम्बर 7 या मंगल की मदद नम्बर 7 में

मंदी हालत

(1) घर की हालत उसके जनम दिन से बोलना सीखते सीखते ही हूंझ बुहारी (मन्दी) और जनम दिन से भुआ-फूफी बरबाद होगी-खुद टेवे वाले में रूहानी नुक़्स आम होंगे।

(2) लड़का गूंगा या पागल होवे।

(3) इस घर में अकेला बैठा हुआ सूरज अपने दुश्मन शुक्कर की अश्या (शादी या गृहस्त का फल स्त्री की बहरूनी शान-जिस्म की जिल्द-कांसी के बर्तन-चरी ज्वार-सफ़ेद गाय-हर दो मुहब्बत) अपना नेक असर बन्द करेगा।

(4) नरम ज़ुबान हाकिम और गरम सुभाओ दुकानदार होने की हर दौलत में ऐसे टेवे वाला बरबाद ही होगा। बेहद गुस्सा दाल सब्ज़ी में हद से ज़्यादा नमक खाने की आदत-बद मिज़ाजी ख़ुदग़र्ज़ी-ख़ुशामद पसन्दी-गन्दी मशहूरी की ख़्वाहिश मनमर्ज़ी बरबादी व मन्दी हालत की निशानियां होंगी।

बमूजिब-अनुसार मुताबिक शख़्स-इन्सान, आदमी इक़बाल मन्द-प्रताप तेज भुआ-बुआ (पिता की बहन)
रूहानी नुक़्स-आध्यात्मिक कमी ख़्वाहिश-इच्छा-चाह, लालसा जिल्द-त्वचा बहरहाल-हर हाल में फूफी-बुआ

Astro Lucky

मन्दी हालत

(5) परिवार की कमी और सोने की जगह घर मिट्टी से भरता जाएगा	सभी ही ग्रह मन्दे
(6) खुदकुशी तक की सलाह मगर हौसला बाकमाल-बृहस्पत का उपाओ मददगार होगा	
(7) औरत को या औरत का 25 साल ही सुख हलका या बरबाद होगा।	
(8) पराई ममता गले लगी रहे यानी कोई न कोई औरत दुखिया होती हुई इसके ज़िम्मे गृहस्ती बोझ होगी खुद उसकी अपनी औरत भी अपनी माता-पिता को हर दम दुखिया देखकर बिलखती रोती रहे और हो सकता है कि ससुराल घर ही बाक़ी न रहे मगर खुद बुलन्द इक़बाल होगा।	शुक्कर या पापी नम्बर 2 में
(9) घर में इतनी मौतें होंगी कि न कफ़न मिले और न ही लाशों को दफ़नाने वाला या जलाने वाला मुहैय्या हो सके राजदरबार में ख़राबियां-दमा-तपेदिक़ या मर्द औरत दुखों की जोड़ी। मन्दा ज़माना हद 34 साला उम्र तक होगा मन्दी हवा और ज़हरीली गैस हर मुतअल्लिक़ा गृहस्ती साथी का दम घुटती होगी। मरीज़ के मर्ज़ तश्ख़ीस की और हकीम के घर का पता ही न लगेगा। पितृ ऋण का बोझ धोका देता होगा। खुदकुशी-आग के वाक़िआत ग़बन-गृहस्त से तंग आकर भागे हुए फ़क़ीर की तरह क़िस्मत होगी- बद मिज़ाजी-खुदग़र्ज़ी बेहद तबाह कुन गुस्सा राजदरबार की कमाई बरबाद दिमाग़ी ख़राबियां या दीवानगी तक बुनियाद होगी।	गुरु शुक्कर या पापी नम्बर 1 और बुध किसी और घर में बरबाद।
(10) लोगो में बे एतबारी न धन रहे धनाढ्य हो-न गुल रहे गुलज़ार हो। सब माल व जान बरबाद-ख़्वाह कितना ही घर बार हो जनम वक़्त ख़्वाह लाखहज़ारी बोलते बोलते हूंझ बुहारी बोलना सीखने बल्कि टूं टूं करने लगते ही काग़ज़ पर फैलने वाली स्याही की तरह क़िस्मत होगी।	बुध नम्बर 9 जब बुध का साथ या मदद न हो।

तपेदिक़-क्षय रोग तश्ख़ीस-निश्चय, जांचना वाक़ियात-हादसा गुलज़ार-उद्यान, बाग ख़्वाह-चाहे
गुल-फूल तबाह कुन-नष्ट करने वाला हूंझ बुहारी-झाड़ू फिर जाना

Astro Lucky

फुलबैरी होगी	मंगल या सनीचर नम्बर 2-12 और चंद्र नम्बर-1
नरम ज़बान का हाकिम या गरम ज़बान का ब्योपारी हुए तो बरबाद होगा। दोहता या पोता की पैदाइश होने के वक़्त मंदी सेहत	केतु नम्बर 1 या बुध नम्बर 11
सरदी के मौसम में धूप में तपिश कम होने की तरह सूरज का असर सोया हुआ या मंदा ही होगा और उसी दिन ही उम्दा होगा जब ख़ाना नम्बर 8 का ग्रह नम्बर 2 में आ जावे यानी उम्र के 13-29-41-54-64-72-78 86-98-119 साल में।	जब ख़ाना नम्बर 1 ख़ाली हो

उपाओ:- दुनिया की ज़ाहिरदारी उम्दा रखना मुबारक। दुकानदारी नरम की हाकमी गरम की ख़्वाह फ़र्ज़ी ही हो वरना सूरज तेरी अपनी ही मिट्टी जला देगा। अगर सनीचर का टकराओ या सनीचर नम्बर 1 आ जावे तो चंद्र नष्ट (शाम की रोटी पकाने के बाद चूल्हे की आग को दूध से बुझाना) करने से मदद होगी। इस बुझाई हुई आग को सुबह सूरज निकलने तक दोबारा रोशन न करें। अगर ज़रूरत हो तो किसी और दूसरी जगह बेशक आग जला लें। आम मंदी हालत में बुध का नेक कर लेना मददगार होगा। माली या गृहस्ती या केतु (औलाद नरीना) की मंदी हालत के वक़्त ज़मीन में तांबे के चौकोर टुकड़े दबाना मुबारक होगा या थोड़ा मीठा मुंह में या वैसे ही पानी के चंद घूंट पीकर काम शुरु करना मुबारक होगा। स्याह रंग या बग़ैर सींग भोंड़ी गाय की सेवा मुबारक होगी। उसका रंग देखना ज़रूरी होगा। सफ़ेद (शुक्कर रंग-दही रंग) ग़ैर मुबारक। स्याह (सनीचर रंग-लोहे रंगी) मुबारक होगी। बग़ैर सींग गाय उत्तम फल देगी मगर लाल रंग (सूरज या मंगल) शक्की (मंगल नेक या मंगल बद) होगी। ऊपर के उपाओ के अलावा रोटी खाने से पहले भोजन का थोड़ा सा हिस्सा आग में बतौर आहुति डालते रहना गृहस्त में मदद देगा।

दोहता-लड़की की संतान (बेटी की संतान) पोता-लड़के की संतान (बेटे की संतान) नरीना-लड़का स्याह-काला
शक्की-संदेह ग़ैर मुबारक-अशुभ उपाओ-उपाय

Astro Lucky

तपस्वी राजा
सांच की आंच

सूरज ख़ाना नम्बर-8

सच्चाई में ब्रह्माण्ड जब तुझ से कांपे
तो फिर झूठ दुनिया का क्यों तू ही ढांपे

राज तपस्वी जिस घर बैठे
मर्द नामर्दी ब्रह्माण्ड जागे
उम्र रवि से राज तरक़्क़ी
हालत पापी ख़ुद क़िस्मत अपनी
सगे दुनिया दिलदादा चोरी
इश्क़ तबाही करता ऐसी
शनि तीसरे गुरु हो मंदा
पांच पहले घर शुक्कर बैठा

मौत भागी ख़ुद कोसों हो
ज़िदा करेगा मुर्दों को
भण्डारी दौलत ज़र बनता हो
लेख साथी बुध होता हो
लगन बहरूपी मंदा हो
नाम रहे न लेवा को[1]
दरवाज़ा दक्कन बद मंगल हो
उम्र छोटी, जले जंगल वह

हस्त रेखा

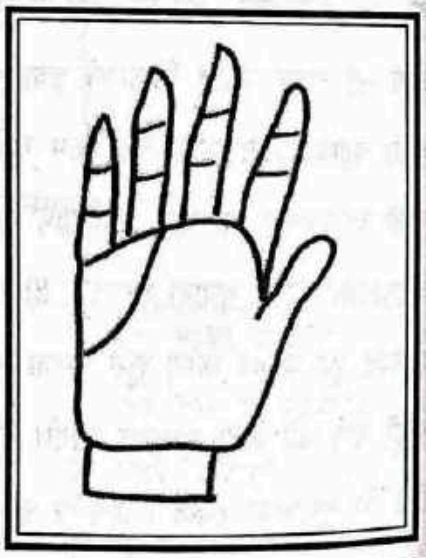

सूरज के बुर्ज से शाख़ मंगल बद को
क़िस्मत रेखा न होवे-सूरज रेखा न हो
या क़िस्मत रेखा और सूरज रेखा दोनों न मिलें

[1] -को-कोई

[2] -थोड़ा मीठा मुंह में डालकर या पानी के चंद घूंट पीकर काम शुरु करना मददगार होगा।

सगे दुनिया-दुनियावी तीन कुत्ते
दिलदादा-मुग्ध, मोहित आसक्त रवि-सूर्य ग्रह
शुक्कर-शुक्र ग्रह
दक्कन-दक्षिण दिशा

Astro Lucky

नेक हालत

(1) ज़ाती क़िस्मत का हाल पापी ग्रहों की अच्छी या बुरी हालत पर फ़ैसला होगा। तेरी सच्चाई की आग तमाम दुनिया की बदी की लहर और तेरे गैबी दुश्मन को जला देगी।

(2) तपस्वी राजा जिससे मौत भी कोसों दूर भागे यानी उसकी हाज़िरी में उस के अपने ख़ून के किसी भी रिश्तेदार की मौत न होगी या जब मौत हुई होगी वह इधर उधर कहीं बाहर ही गया हुआ होगा।

(3) दिमाग़ी ख़ाना नम्बर 25 पापी ग्रहों से मुश्तरका (बहरूपियापन) नक़्ल करने की ताक़त का मालिक होगा।

(4) सूरज की उम्र (22 साला उम्र से 22 साल तक) राज दरबार में तरक़्क़ी। दौलत माया का भण्डारी होगा। सूरज की गरमी की आग अब जलाने की बजाय आसमान से ब्रह्मण्ड में पानी बरसाने वाली होगी।

(5) उजड़े मकानों को बसाने वाला और पानी भरे बादलों को बरसाने वाला पत्थर (सनीचर) से आग और आग से पानी (नम्बर 8 का मालिक मंगल अब सूरज की मदद से मंगलीक न होगा) और पानी से मिट्टी (नम्बर 8 चलाया करता है नम्बर 7 को जिस का मालिक शुक्कर है) या सारा ब्रह्मण्ड पैदा करने वाला होगा। मारग अस्थान के बिच्छू (मंगल बद) की ज़हर से जले हुए पत्थरों (सनीचर) से संखिया और संखिये से हिजड़ों और नामर्दों को जवान मर्दों में गिनवा लेगा बल्कि उस की हाज़िरी में मुर्दे भी दोबारा जिंदा होंगे जब तक कि वह दुनिया के तीन कुत्तों से कोई एक कुत्ता या चोरी का दिलदादा न हो।

(6) मंगल बद और सनीचर के मन्दे असर की बजाय अब सब फल नेक होगा। दोस्त ग्रहों और खुद सूरज का हर तरफ़ और हर तरह का उत्तम असर होगा। } दोस्त ग्रह नम्बर 1 या साथ साथी या मंगल नेक हो।

मुश्तरका-मिला जुला हाज़िरी-उपस्थिति, मौजूदगी मारग अस्थान-कुण्डली का आठवां घर
गैबी-देवी, अदृष्ट दिलदादा-मोहित, आसक्त क़िस्मत-भाग्य, प्रारब्ध

Astro Lucky

मंदी हालत

इस घर में अकेला बैठा हुआ सूरज अपने सनीचर की अश्या (पुड़पुड़ी- ज़न मुरीदी-बिच्छू ज़हरीले जानवरों की) मारफ़त बुरा असर देगा। ख़याल रख कि कहीं वह इश्क़ जिसने अक्सर कौमों को खा के छोड़ा-तेरी तबाही के सामान इकट्ठे न कर रहा हो। अगर खुद बड़ा भाई और गाय की सेवा करने वाला हो तो लम्बी उम्र की निशानी होगी। सफ़ेद गाय-मंदभाग होगी। दक्कन के दरवाज़ा का साथ मौतों की पहली निशानी होगी। सगे दुनिया (दुनिया के तीन कुत्तों से किसी एक हालत का भी जब होवे) या चोरी का दिलदादा हो-बहरूपियापन की लगन या शौक़ हो या गन्दे इश्क़ में ग़र्क़ ग़लतां न हो तो ऐसा तबाह होगा कि न खुद उसका निशान बाक़ी रहे और न ही उसका कोई नाम लेवा बाक़ी होगा।

(2) उम्र छोटी और जंगल में जलता होगा-जब दक्कन के दरवाज़े का साथ हो और जब बड़ा भाई न हो या टेवे वाला अपने बड़े भाई से मुतनाफ़िर और बरअक्स हो तो मंगल बद लेंगे।	सनीचर नम्बर 3 गुरु मंदा नम्बर 1-5 या मंगल बद क़ियाफ़ा:-शुक्कर का पतंग काग़ रेखा।
(3) काग़ रेखा का मन्दा फल	शुक्कर नम्बर 1-5-10
(4) दूसरों को तो मौत तक से बचावे मगर खुद अपनी क़िस्मत के मैदान में बहुत हल्का मन्दा ही होगा।	जब बृहस्पत मन्दा हो
(5) माली हालत में हल्का मन्दा ही होगा।	बुध नम्बर 2

सगे दुनिया-दुनियावी कुत्ते
बरअक्स-उल्टा, प्रतिकूल
ग़र्क़-तबाह
ज़नमुरीदी-पत्नी भक्त
मुतनाफ़िर-घृणा करने वाला अलग रहने वाला
मारफ़त-अनुसार
क़ियाफ़ा-सामुद्रिक शास्त्र
दक्कन-दक्षिण दिशा

Astro Lucky

सूरज ख़ाना नम्बर-9

लम्बी उम्र
भारी क़बीला ख़ानदानी
परवरिश वाला
सूरज ग्रहण के बाद का सूरज

उम्र लम्बी में पाप तो ख़ुद बढ़ेगा
मगर धरम को कब तू ऊंचा करेगा

ख़्वैश क़दर ख़ुद क़िस्मत अपनी
दान लेना न चंद्र चांदी
पांच तीजा न शुक्कर मन्दा
हाथ हकीमी बरकत दुनिया
साथ दृष्टि बुध जो मंदा
पांच पहले-3 राहु बैठा

सात पुश्त तक तारता हो
न ही मुफ़्तख़ोरी पालता हो
न ही बुरा अब चंद्र हो
राज गुरु ख़्वाह मन्दिर हो
जलता सूरज ख़ुद अपना हो
ऐशी धरम में कच्चा हो

हस्त रेखा

क़िस्मत रेखा की जड़ पर चहार शाख़ा ख़त होवे।

-ख़ानदानी ख़ून के लिए अपना सब कुछ बहा देगा मगर एवज़ न मांगेगा। पर उपकार का उसूल अपने घर से चलाकर पूरा करता रहेगा।

-ऐसा प्रानी जिसके ख़ानदान में उसके जनम से पहले क़िस्मत की हर तरफ़ मन्दी हालत थी अब उसके जनम से कुल ख़ानदान ही का पुराना मन्दा ज़माना ख़तम होगा और उनकी क़िस्मत का ग्रहण हटकर सब तरफ़ उत्तम रोशनी और कारआमद आग पैदा होगी।

ख़्वैश-इच्छा, शुक्कर-शुक्र ग्रह गुरु-बृहस्पति ग्रह ख़्वाह-चाहे एवज़-बदले में
कारआमद-असरदार, प्रभावशाली

Astro Lucky

नेक हालत

(1) उम्र लंबी-दिमाग़ी ख़ाना नम्बर 26 पसख़र्गी-हद से ज़्यादा बेवक़ूफ़ कर देती है। भोलापन सादालोह होगा इस लिए मोतदिल मिज़ाजी हमेशा उम्दा पैमाना होगा और रोशनी का रास्ता हमेशा मददगार रहेगा।

(2) बढ़ता हुआ क़बीला-पोते पड़पोते सब सुखिया देखकर जाएगा। ख़ानदानी परवरिश करने वाला किसी का कुछ बने या न बने मगर वह अपने ख़ानदानी ख़ून के लिए अपना सब कुछ बहा देगा मगर एवज़ न मांगेगा और न ही खुद कभी रोटी से भूका मरेगा बल्कि वह अपनी 7 पुश्तों का निगहबान और मददगार होगा। परोपकार का उसूल अपने घर से चला कर कुल दुनिया के लिए पूरा कर देगा। राजदरबार और बृहस्पत (गुरु) के मुतअल्लिक़ा कारोबार ख़्वाह मन्दे ही क्यों न हों और हकीमी पेशा से बेशक वाक़िफ़ हो या न हो मगर उसके हाथ में शिफ़ा की बरकत तो ज़रूर होगी।

(3) सात पुश्तों को तारने वाला होगा।

(4) अब ख़ाना नम्बर 3 बहन भाई 5-अपनी आल औलाद का असर उम्दा होगा। शुक्कर बेशक क़दरे हलका मगर चंद्र अब बुरा असर न देगा।

(5) उसका ख़ानदान (उससे पहले उसके बाप दादा मय वह खुद) लम्बी उम्र का ठेकेदार होगा

दोस्त ग्रहों का ताल्लुक़ क़िस्मत रेखा की जड़ पर चहार शाख़ा ख़त

(6) वाल्दैन का ज़रिया मुआश अमूमन सरकारी मुलाज़मत होगा। ख़र्चा क़बीलदारी के कामों में बहुत होगा।

(7) ख़ाना औलाद भी अब बारौनक़ होगा ख़्वाह उसमें पापी या कोई और मन्दे ग्रह बैठे हों।

(8) क़िस्मत अमूमन जवानी (34 साला उम्र के बाद) में जागेगी। } बुध नम्बर 5

बेशक-निःसंदेह, निःशक निगहबान-सुरक्षा करने वाला, रक्षक पसख़र्गी-बचा हुआ खाना मुतअल्लिक़ा-सम्बन्धित मोतदिल-जिसमें गर्मी-सर्दी बराबर हो समशीतोषण वाक़िफ़-जानना, जानता संतान-बाल बच्चे मुलाज़मत-नौकरी, सेवा बारौनक-पहल-पहलयुक्त चहार-चार

Astro Lucky

मंदी हालत

(1) चंद्र की अश्या ख़ासकर चांदी का दान लेना मन्दे चंद्र की निशानी होगी और मुफ़्तख़ोरी से सूरज छुपने का वक़्त (ज़वाल का ज़माना) नज़दीक होगा।

(2) सूरज का मंदा असर ज़ोर पर होगा। घर में पीतल के बड़े बड़े दैरीना बरतन बुध की ज़हर हटाएंगे।	बुध का साथ या बुध नम्बर 3-5
(3) हद से ज़्यादा गरम या नरम होने से तबाह होगा। धरम में कच्चा और मुफ़्तख़ोर ऐशी पट्ठा होगा।	राहु नम्बर 1-3-5 में हो।

ज़वाल-पतन-अवनीत, ह्रास
ऐशी पट्ठा-अय्याश

मुफ़्तख़ोर-परजीव अश्या-वस्तुएं-चीजे दैरीना-पुराना, प्राचीन, पुरातन
मुफ़्तख़ोरी-परजीविता

Astro Lucky

इज़्ज़त
सेहत दौलत का
मालिक मगर वहमी

सूरज ख़ाना नम्बर-10

इताअत बुज़ुर्गान जो करता चलेगा
ज़माना में कुछ तेरा-बन के रहेगा

बुज़ुर्ग आला ख़्वाह लाखों उसके — अकेला रवि न उम्दा हो
रंग शनि राहु[1] सिर जब नंगे — लेख नसीबी रोता हो
गुरु मंगल न जिस दम साथी — पांच, छटा मन्द चंद्र हो
सात छटे ख़्वाह हो कोई पापी — अल्प आयु दुख मन्दिर हो
4 शुक्कर शनि टेवे मन्दा — उम्र छोटी पिता मरता हो
ऊंच क़ायम 2 चंद्र बैठा — सुख 24 न माता हो

मर्दी - मगर

हस्त रेखा

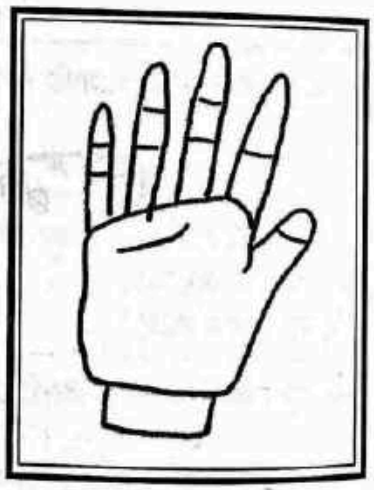

सूरज रेखा सनीचर के बुर्ज पर हो

[1] -सफ़ेद पगड़ी (शर्बती रंग) मुबारक मगर सिर पर काले नीले रंग या नंगा सिर-ग़ैर मुबारक होगा।

इताअत-आज्ञा पालन
मुबारक-शुभ
सनीचर-शनि ग्रह
वहमी-शक करने वाला
छठे-छः (6)
अल्प आयु-कम उम्र
शुक्कर-शुक्र ग्रह

Astro Lucky

नेक हालत

इज़्ज़त-सेहत और दौलत-का मालिक मगर एक वहमी आदमी होगा सिर पर सफ़ेद या हलके शर्बती रंग (जो काले नीले न हों) की पगड़ी या टोपी मुबारक होगी।

मंदी हालत

(1) इस घर में अकेला बैठा हुआ सूरज अपने दुश्मन-सनीचर की अश्या (1) जद्दी विरासत-पिता या वाल्दैनी सुख नज़र उम्र तक-स्याह-तेल-लोहा-लकड़ी भैंस-बाल-मगरमच्छ-तीन साला रिहायश का मकान-पिंजर-घुटना ज़ानू) पर अपना नेक असर बन्द कर देगा।

(2) जब तक ससुराल का साथ या उनके घर ही रह पड़ना या राहु के मुतअल्लिक़ा कारोबार या अश्या का ताल्लुक़ हो राहु हमेशा ही सूरज ग्रहण या मंदा कच्चा धुंआ पैदा करता रहेगा।

(3) अपने नुक़्स का ढिंढोरा और मुसीबत में दूसरों के पास रोना मंदे वक़्त की पहली और पूरी तबाह कुन निशानी होगी।

(4) ख़्वाह कोई दर्जा तालीम या डिग्री हासिल की हो और उसके बुज़ुर्ग बेशक कितने उत्तम भागवान हों मगर वह नंगा सिर रहने का आदी होने पर आम तौर पर चिल्लाता ही होगा और उसके लिए हर जगह नाकामयाबी होगी। मग़रिबी दीवार में रोशनी या मग़रिबी दीवार (अपने मकान की) का हम साया लावल्द या राहु की लानत से जलता हुआ होना मंदे सूरज की आम निशानी होगी।

(5) राजदरबार में स्याही से सिफ़ारिशी काग़ज़ स्याह करके कई बार देखा आर देखा न उसे कभी पार देखा बल्कि नर ग्रह की मदद (साथ-साथीपन) के बग़ैर न उसे दर जहान देखा-फिर भी देखा-सूरज की आग की गरमी और ज़ाती गुस्सा के ज़ोर से बहालत स्याह देखा। औलाद तबाह देखा क़िस्मत ज़ाती के लेखे में भी न कभी शाह

मुबारक-शुभ नुक़्स-कमी ढिंढोरा-दूसरों के आगे अपना दुखड़ा सुनाना मग़रिबी-पश्चिम दिशा
तबाह कुन-नष्ट हो जाना तालीम-शिक्षा स्याह-काला

Astro Lucky

देखा और शाही फ़ेहरिस्त में भी न उसे दरपनाह देखा अगर देखा तो सफ़ेद पगड़ी या दस्तार से ही उसे गुरु के दरबार देखा तो आख़ीर पर उसे शाहों का शाह देखा। मगर बुध की उम्र 34 साला ही न यह हाल देखा फिर भी देखा तो, उसे न कभी योगी अलंकार देखा। ग़र्ज़ेकि अकेले सूरज का असर मंदा ही होगा ख़ासकर नंगा सिर या बैरूनी स्याही व स्याह पोश या सिर पर बल्कि तमाम जिस्म पर ही नीले काले रंगों के कपड़े मनहूस असर देंगे। सफ़ेद या हलके शरबती रंग मुबारक होंगे।	
(6) अल्प आयु-दुखों का भरा हुआ जिस्म और धरम और दौलत की हर तरह से हानि देखता होगा।	ख़ाना नम्बर 5-6 और चंद्र मंदा और गुरु या मंगल का साथ न हो
(7) उम्र 12 दिन होगी जब नर ग्रह साथ साथी या मदद पर न हो	चंद्र नम्बर 5
(8) घोड़ा व माता व पगड़ी सब ही नदारद-बल्कि बृहस्पत भी बेमायनी मगर राज दरबार उम्दा। सूरज का असर प्रबल होगा।	चंद्र नम्बर 4
(9) पिता टेवे वाले की छोटी उम्र में ही गुज़र जावे।	शुक्कर नम्बर 4 सनीचर मंदा
(10) ऊंच चंद्र जो टेवे बैठा-भला दौलत ज़र होता हो। साल 24 न माता सुखिया-राज असर गो उम्दा हो। 24 साला उम्र में माता दुखिया और अमूमन चल बसी होगी मगर ज़रूरी ही नहीं कि वफ़ात पा जावे	चंद्र नम्बर 2 ऊंच क़ायम हो
(11) 34 साला उम्र तक मच्छर से भरपूर क़िस्मत यानी न वह ख़ुद सुखिया न पिता या बाआराम न ख़ुद योगी अलंकार न शाही मदद की कोई गुंजाइश न औलाद क़ायम न ख़ुद शाहाना राजदरबार में ऊंचा दर्जा मगर बादअज़ां उसे शाहों का शाह भी माना है।	ख़ाना नम्बर 6-7 में कोई पापी बैठा हो
सूरज सनीचर का लम्बा झगड़ा होगा अगर राजदरबार उम्दा तो सनीचर के मकानों व दीगर मुतअल्लिक़ा अश्या का असर मंदा होगा बल्कि सनीचर की महांदशा का ज़माना 19 साल वालिद को तकलीफ़ जुदाई और धन-दौलत की मंदगी होगी दरिया या तह ज़मीन का पानी (कुआं हैन्ड पम्प वग़ैरह) हमेशा मदद देगा।	सनीचर मंदा हो
सूरज का राज दरबारी ताल्लुक़ में सोया हुआ असर होगा-यानी सब लियाक़त ताक़त व उम्दा ख़सलतों के होते हुए भी राजदरबार में उसकी कोई क़दर और गिनती न होगी दरिया नदी नाला के चलते पानी में $\frac{40}{43}$ दिन तक लगातार तांबे का पैसा बहाते जाना मददगार होगा।	ख़ाना नम्बर 4 ख़ाली

फ़ेहरिस्त-सूची जिस्म-शरीर नदारद-समाप्त, खत्म ज़र-दौलत अमूमन-आमतौर दीगर-भिन्न दूसरे
लियाक़त-योग्यता वफ़ात-मरना, मौत ख़सलतों-आदत, विशेषता

Astro Lucky

सूरज ख़ाना नम्बर-11

पूर्ण धरमी मगर
अपना ही ऐश पसन्द

जुबान तेरी गोश्त का खाना जो मांगे
लिखे खुद लावल्दी बिधाता क़लम से

पूरा धरमी नेक चलते
शराबख़ोरी गोश्त छोड़े
मंद शनि बुध तीजे आया
उम्र लम्बी गो हरदम होगा
पांच चंद्र दे उम्र जो 12
खुराक शनि लावल्दी होता

परिवार सुखिया आप हो
तीन बेटा बाप हो
आठ चंद्र खुद बैठा हो
हरामकारी का पुतला हो
औलाद पैदा न होती हो
दान मुबारक मूली हो

हस्त रेखा

सूरज रेखा हथेली पर ख़ाना नम्बर 11
बचत में ख़तम होवे।

मूली (सब्ज़ी गाजर वग़ैरह) सफ़ेद रंग या सनीचर की अश्या का दान व रात में सिरहाने रखकर सुबह धरम अस्थान में दे देना। बादाम सनीचर की अश्या है इस जगह सनीचर की अश्या स्याह रंग की न लेंगे। बुध मंदा या मंदी (सनीचर) खुराक कर लेने के बाद का नुक़्स ज़िन्दा बकरे छोड़ने से दूर होगा।

गोश्त-मांस लावल्दी-जिसकी कोई संतान न हो सनीचर-शनि ग्रह धरम अस्थान-धर्म स्थान
हमरामकारी-व्यभिचार, परस्त्रीगमन नुक़्स-दोष, कमी

Astro Lucky

नेक हालत

(1) अगर दालख़ोर तो औलाद नरीना ज़रूर और जल्दी क़ायम होगी।

(2) गो लालची मगर तपस्वी राजा की हैसियत का प्रानी होगा।

(3) अगर धरम में हर तरह से पूरा हो तो खुद और उसका सब परिवार सुखिया होगा।

(4) अमूमन पूरा धरमी मगर सिर्फ़ अपना ही ऐश पसन्द होगा। अगर सनीचर के मंदे कामों से दूर रहे तो कम अज़ कम तीन नेक और मुकम्मल लड़कों का बाप होगा।

(5) उम्र लम्बी होगी।

मंदी हालत

(1) इस घर में अकेला बैठा हुआ सूरज अपने दुश्मन सनीचर की अश्या (उम्र तक ज़ाती आमदन-खुद ख़रीद करदा बने बनाए मकान-औलाद की उम्र $\frac{\text{शान व तादाद}}{\text{जनम वक़्त}}$ पहला हाकिम नफ़्सानी ताक़त (राहु केतु के कामों का फ़ैसला) पर अपना नेक असर बन्द कर देगा।

(2) गोश्तख़ोर हो तो कम अज़ कम 45 साला उम्र तक नर औलाद नदारद गोया अपनी ही औलाद बतौर गोश्त उबालकर खाता जा रहा होगा और आख़ीर पर लावल्द होगा ख़ासकर जब उसके मकान के साथ लगती हुई गली और दरख़्त वाला सेहन हो।

(3) सनीचर और बुध की मंदी कार्रवाइयां तबाही का पेशख़ैमा होंगी ख़्वाब में सापों के तमाशे-ज़बान का खोटापन (लड़ाई झगड़ा या गाली गलोच की आदत) वायदा फ़रामोश-झूठी शहादत-खोटी अमानत-फ़रेब-धोका देही ग़र्ज़ेकि जो लट्ठ मारे या झूठ-शराब गाले या पत्थर-सनीचर की चीज़ों का ताल्लुक़ सूरज की चमक पर स्याही फेर देगा बृहस्पत के दरबार जहां कि सनीचर खुद हल्फ़ उठाए क़िस्मत का फ़ैसला कर रहा है। उसी क़लम से अपने बाप सूरज पर क़त्ल का हुक्म लिख देगा-यानी सनीचर की चीज़ों (गोश्त-शराब) की खुराक या मंदी चीज़ों के इस्तेमाल से औलाद की

पेशख़ैमा-किसी होने वाले काम की तैयारी दालख़ोर-सादा भोजन नरीना-लड़का मुक़म्मल-सम्पूर्ण गोश्तख़ोर-मांस मछली खाने वाला वायदा फ़रामोश-वायदा पूरा न करने वाला फ़रेब-छल कपट हल्फ़-कसम

Astro Lucky

तबाही का हुक्म सादिर कर देगा जिसे राहु केतु की मियाद (45 साला उम्र) तक मनसूख़ कराना इंसानी ताक़त से दूर होगा।

(4) सनीचर की ख़ुराक (गोश्तख़ोरी-शराब नोशी) से जब अपनी औलाद को ही उबालकर खा चुका हो और 45 साला उम्र के बाद लावल्दी की मायूसी आ रही हो तो ऐसी ग़लती 45 साला उम्र के बाद ज़िन्दा बकरे छोड़ने से दूर होगी।

(5) गो उम्र लम्बी मगर झूठ और हरामकारी का पुतला होगा सूरज बुध दोनों की चमक गुम होगी मगर खुद उसकी अपनी उम्र यक़ीनी तौर पर और ज़रूर लम्बी होगी।	चंद्र नम्बर 8 सनीचर मंदा और बुध नम्बर 3
(6) उम्र 12 साल जब नर ग्रह साथ साथी या मदद पर न हो। औलाद नरीना की पैदाइश, नदारद या मुर्दा लाश ही पैदा होगी। मूली (शलग़म-गाजर-सब्ज़ी)सनीचर की अश्या (बादाम इसी जगह सनीचर की अश्या स्याह रंग न लेंगे) का रात को सिरहाने रखकर सुबह धरम अस्थान में दे देना मुबारक होगा।	चंद्र नम्बर 5

हरामकारी-परस्त्रीगमन गोश्तख़ोरी-मांस मछली खाने वाला शराब नोशी-शराब पीना मुबारक-शुभ अच्छा
लावल्दी-संतानहीन नरीना-लड़का धरम अस्थान-धर्म स्थान सादिर-चकित, परेशान मनसूख़-स्थागित

Astro Lucky

सूरज ख़ाना नम्बर-12

सुख की नींद मगर पराई
आग में जल मरने वाला

हसद ज़ाती जलता या ममता पराई
शहादत ग़बन दें-ज़मानत तबाही

रवि शनि न झगड़ा कोई
असर गुरु ख़्वाह बेशक शक्की
साधु हुआ न होगी लावल्दी
माया मिले या हो तंगदस्ती
पापी तख़्त पर राज ख़राबी[1]
वक़्त मंदे जब देता मुआफ़ी

न ही शुक्कर-बुध मंदा हो
मर्द औरत सब सुखिया हो
नफ़ा पापी न देता हो
धरमहीन न होता हो
नींद ख़ुराक न मिलती हो
फ़तह क़लम सर करती हो

हस्त रेखा

सूरज रेखा हथेली पर ख़ाना नम्बर 12
(ख़र्च) पर ख़तम होवे।

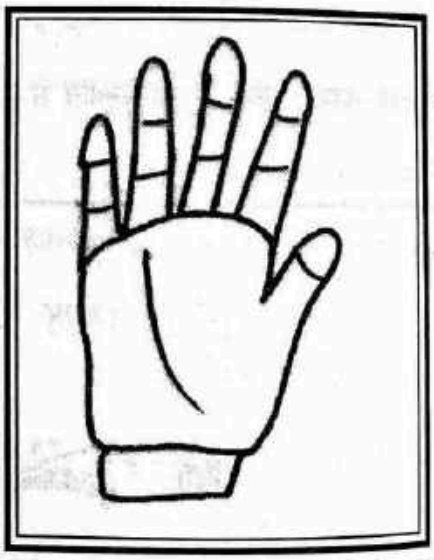

[1] -दस्ती कमाई या हुनरमन्दी (MECHANIC) में सूरज ग्रहण होगा।
मगर तिजारत (बुध) मुबारक।

हसद-ईर्ष्या, जलन ख़्वाह-चाहे
फ़तह-चौड़े सिर का होना, चौड़ा करना
तख़्त-सिंहासन
मुआफ़ी-क्षमा दान
नफ़ा-फ़ायदा
शहादत-गवाही

Astro Lucky

नेक हालत

सूरज की बुनियाद पर अब राहु का साया चल रहा होगा। सुखिया रात का मालिक मगर पराई ममता या आग में खुद बखुद गिरकर जल मरने वाला। अब सनीचर और सूरज का किसी तरह भी झगड़ा न होगा और न ही शुक्कर या बुध मंदा होगा बृहस्पत का असर बेशक शक्की मगर मर्द व औरत हर दो का सुखिया जोड़ा होगा दौलतमंद हो या न हो मालिक रहे या नौकर बनकर चले और तंगदस्ती में बेशक भंगी घर भी बिके मगर धरम हीन लावल्द या लंगोटबंद साधु न होगा गर होगा तो लम्बी जागीरों का मालिक आज़ाद ज़िन्दगी साफ़ रूह ब्रह्म ज्ञानी और ज़िन्दा दिल होगा गोया जिस क़दर धरम में पक्का उसी क़दर सुखिया गृहस्ती होगा। क़िस्मत के मैदान में अगर चमकता हुआ लाल न होवे तो लाटरी (निहायत कम क़ीमत पत्थर) भी न होगा। घर में आटा पीसने की चक्की (जब जनम कुण्डली में शुक्कर-बुध मुश्तरका हों) की मौजूदगी में रिज़्क़ कभी बन्द न होगा अगर राज ताल्लुक़ मदद न देवे तो ब्योपार से ही नफ़ा होगा मगर हुनरमन्दी दस्ती काम या सनीचर की मशीनों के कारोबार (MECHANIC) से सूरज ग्रहण की क़िस्मत का ही नज़ारा दर पेश होगा मगर फिर भी धरम पालना आबाद करती होगी और जब तक मकान का सेहन क़ायम रहे सूरज का असर मन्दा न होगा- या जिस क़दर खुले सेहन का साथ रहे क़िस्मत का मैदान बढ़ता ही होगा

} शुक्र/बुध

अब शुक्कर (गृहस्त-स्त्री) बरबाद न होगा बल्कि शुक्कर-रद्दी होता हुआ भी नेक और उत्तम फल देगा।

} सनीचर नम्बर 6

केतु की उम्र (24) (साला) के बाद खुद कमाई करने वाला होगा या बारौनक़ ज़िन्दगी का मालिक होगा।

} केतु नम्बर 2

शुक्कर-शुक्र ग्रह मुश्तरका-मिले-जुले ताल्लुक़-संबंध ब्योपार-व्यापार सेहन-आंगन धरम-धर्म रिज़्क़-रोटी, जीविका

Astro Lucky

मंदी हालत

इस घर में अकेला बैठा हुआ सूरज अपने दुश्मन राहु की मन्दरजाज़ैल अश्या पर अपना नेक असर देना बन्द कर देगा सिर की हड्डी-दिमाग़ी हालत (ख़यालात का भासरना) अचानक पैदा होना मर्द औरत की उम्र बाहमी ताल्लुक़ बदनामी की शोहरत-कोयले खोपरी-हाथी-सराप या बद दुआएं

(2) राजदरबार में ख़राबियां दस्ती कमाई या हुनरमन्दी (सनिचर की मशीनों के कारोबार) (MECHANIC) में सूरज ग्रहण होगा मगर बुध (तिजारत) उम्दा असर देगी जिस क़दर मकान का सेहन खुला और वसीह रहे सूरज का उत्तम असर बढ़ता होगा।

(3) दिल की स्याही-कीनावरी या ज़ाती हसद-अंधेरे मकानों का साथ और पराई ममता-किसी की झूठी शहादत-ज़मानत ग़बन या अमानत का मार लेना सबके सब सूरज की उत्तम आग को गन्दे पेशाब से बुझाते होंगे

(4) राहु के मुतअल्लिक़ा कारोबार, रिश्तेदार (ससुराल वग़ैरह से मुश्तरका कारोबार करना हर तरफ़ मंदा-भूंचाल खड़ा कर देगा या अश्या का ताल्लुक़ या साथी होना सब मंदा असर देंगे।

(5) रात की नींद और सुबह का नाश्ता दोनों बरबाद। तंगदस्ती सूरज के असर में ख़राबियां होगी। मंदे वक़्त में दरगुज़र करने का हथियार या दुश्मनों को मुआफ़ करते रहना हमेशा कामयाब और-फ़तहमंद ज़िन्दगी देगा } पापी नम्बर 1

(6) खुद या अपनी औरत या दोनों ही एक आंख से काना होंगे } चंद्र नम्बर 6

मुआफ़-क्षमादान मन्दरजाज़ैल-निम्नलिखित जलन शहादत-गवाही, साक्षी

बाहमी ताल्लुक़-आपसी संबंध सराप-श्राप कीनावरी-शत्रुता हसद-ईर्ष्या, दरगुज़र-क्षमा फ़तहमन्द-कामयाबी

Astro Lucky

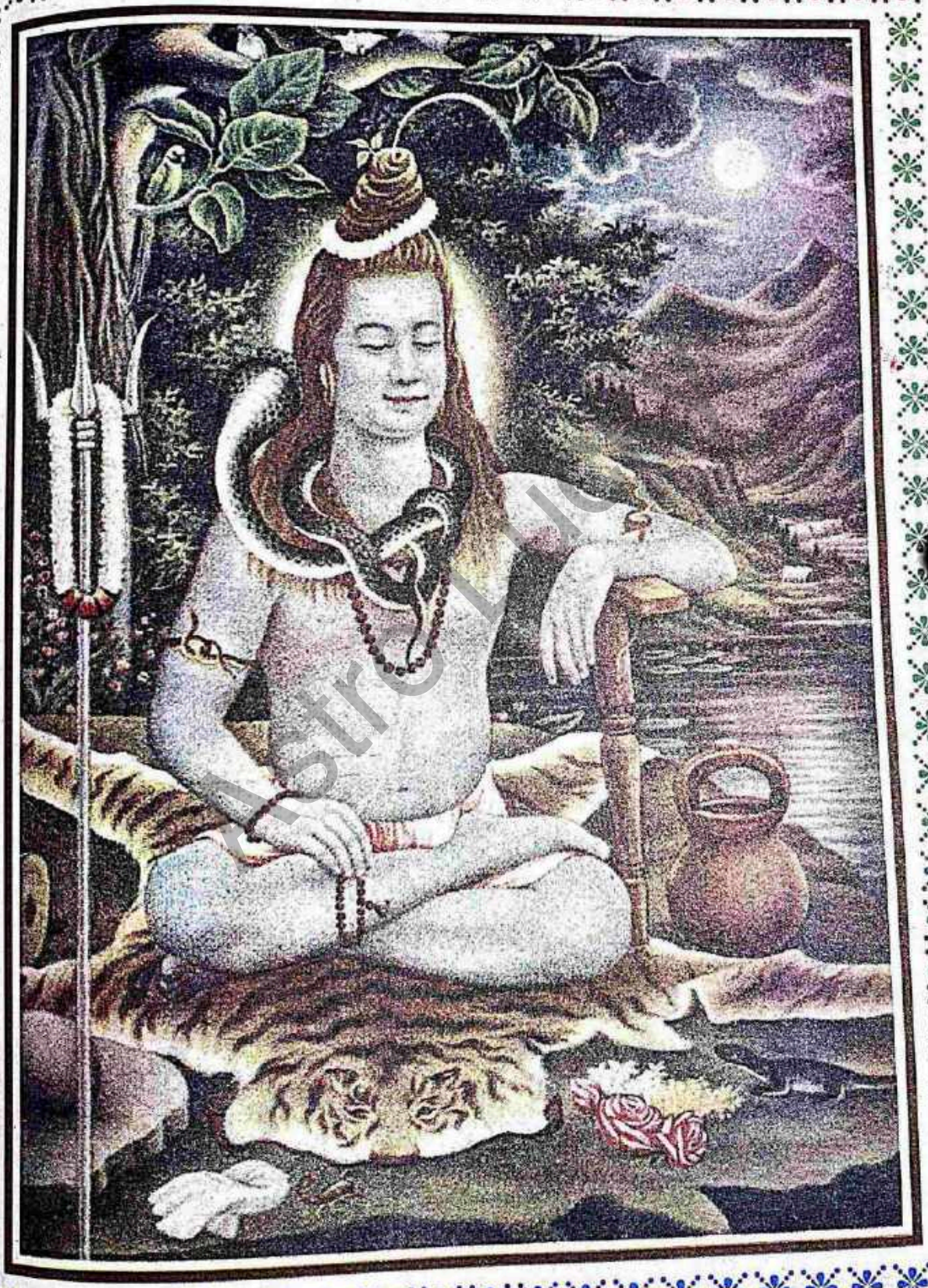

शिवजी महाराज भोले भण्डारी شوجی مہاراج بھولے بھنڈاری श्री भोला शंकर

चंद्र

उम्र की किश्ती का समन्दर-जगत की धरती माता-दयालु शिव जी भोलेनाथ

बढ़े दिल मोहब्बत जो पांव पकड़ती
उम्र नहर तेरी-चले ज़र उछलती

दिल का मालिक चंद्रमां है जो सूरज से रोशनी लेता और दुनिया में उसका नायब-उल-सल्तनत है। सूरज ख़्वाह कितना ही गरम होकर हुक्म देवे मगर चंद्रमां उसे ठण्डे दिल और शान्ति से बजा लाता और हमेशा सूरज के पांव में रहना चाहता है। चंद्रमां का घर हथेली पर बेशक सूरज से दूर है मगर दिल का शान्ति सरोवर या दिल रेखा सूरज के पांव में ही बहता रहता है। स्त्री (शुक्कर) माई (चंद्र माई) साले बहनोई (मंगल नेक) और अपने भाई (मंगल बद) गुरु और पिता (बृहस्पत) सबके सब इस दिल के दरिया या चंद्र रेखा की यात्रा को आते हैं जो सूरज की चमक से दबी हुई आखों (सनीचर) और दिमाग़ (बुध) को शान्ति और ठण्डक (चंद्र का असर) देता है या दूसरे लफ़्ज़ों में यूं कहो

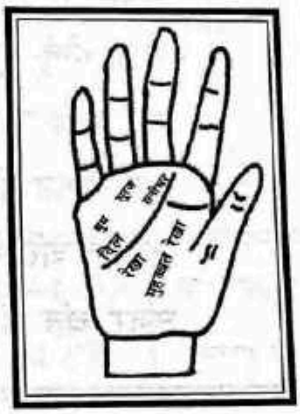

कि इस दरिया दिल रेखा के एक किनारे दुनिया के सब रिश्तादार और दूसरी तरफ़ इंसान का अपना जिस्म व रूह (सूरज) और चश्म व सिर (सनीचर व बुध) बैठे हैं और दिल रेखा उन दोनों के दरमियान चलती हुई दोनों तरफ़ में अपनी शान्ति से उम्र बढ़ा रही है या जिस्म इंसानी को बृहस्पत की हवा के सांस से हरकत में रखने वाली चीज़ यही दिल रेखा है इसलिए ही बाज़ों ने दिल रेखा को उम्र रेखा भी माना है और उसके मालिक चंद्र की चाल से उम्र के सालों की हदबंदियां मुक़र्रर की हैं।

ज़र-दौलत ख़्वाह-चाहे लफ़्ज़ों-शब्दों दरमियान-बीच में बृहस्पत-बृहस्पति ग्रह
नायाब-अंप्राप्य शान्ति-सरोवर मुक़र्रर-निश्चित हदबंदियां-सीमा निर्धारण दरमियानी-बीच का

Astro Lucky

चांदी की तरह चमकती हुई चांदनी भरी रात चंद्र का राज है जिसके शुरू में राहु आख़ीर पर केतु और दरमियान में खुद शनि निगरां है गोया पापी टोला (राहु केतु सनीचर तीनों ही इकट्ठे) अपनी जनम वाली और जगत माता ही के दरबार में हर एक के आराम और खुद माता के अपने दूध में ज़हर डालने की शरारतों के लिए तैयार हैं बेशक दूध (चंद्र) और ज़हर (पापी ग्रह) मिल रहे हैं मगर फिर भी दरिया दिल चंद्र माता दुनिया के समन्दर के पानी में सूरज का अक्स ज़रूर होगा जिसकी शहादत के लिए ज़माना की हवा या इंसानी सांस का मालिक जगत गुरु बृहस्पत हर जगह मौजूद है।

मुख़्तसर तौर पर:-

चंद्र मालिक ग्रह उम्र जो दुनिया — गुरु राजा ग्रह मण्डल[2] हो
जनम बर्ष ख़्वाह कहीं हो बैठा — असर आता वां रवि का हो
वक़्त दुश्मनी एक पे मंदा — बीज नाश नहीं करता हो
बाद केतु-गुरु पहले बैठा — मंद चंद्र खुद होता हो
गुरु होवे जब पहले बैठा — दृष्टि मगर न मिलता हो
मात-पिता हो दुखिया बेटा — ज़हर चंद्र भर जाता हो
चावल चंद्र का जितना पुराना — क़ीमत बुढ़ापे बढ़ती हो
नज़र चंद्र में गुरु जो बैठा — माया बालाई मिलती हो।

Astro Lucky

1 -सूरज छुपने के बाद शाम जो रात का शुरू हिस्सा है का मालिक राहु है और रात ख़तम होने के बाद मगर सूरज निकलने से पहले की सुबह सादिक़ केतु का वक़्त है तमाम की तमाम रात का हाकिम सनीचर है।

2 -दरमियानी ग्रहों की चाल के लिहाज़ से चंद्र के असर में सब से पहले बृहस्पत का वक़्त उसके बाद सूरज का वक़्त और आख़ीर पर खुद चंद्र के असर का ज़माना होगा गोया चंद्र के असर में बृहस्पत सूरज चंद्र तीनों ही का हिस्सा शामिल होगा।

दरमियान-बीच में समन्दर-समुंद्र अक्स-परछाई सुबह सादिक़-प्रात: काल निगरां-देख-रेख सरपरस्ती
बर्ष-वर्ष ख़्वाह-चाहे रवि-सूर्य ग्रह मुख़्तसर-संक्षिप्त हाक़िम-शासक, राजा, बादशाह

बुध चंद्र से हो जब पहले — रेत ज़हर पानी भरता हो
तीन चौथे 7-9 ग्रह बैठे — राख हुए कुल जलता हो
बुध भले तक दूध[1] चंद्र का — मिले पापी फट जाता हो
मालिक उम्र जो कुल ज़माना — बिगड़े[2] शुक्कर न बनता हो
अक्स सूरज का हरदम मिलता — मंगल बदी सब जलता हो
ख़ाली चौथा ख़्वाह कोई अकेला — असर उत्तम ख़ुद देता हो
रवि देखे जब चंद्र माई — तख़्त बैठा न जबकि हो
निस्फ़ उम्र जब चंद्र होगी — लेख भला सब होता हो

आम हालत 12 घर

ज़िन्दा माता ज़र दौलत पहले — दूजे दौलत ख़ुद अपनी हो
कमी रिज़्क़ न चोरी तीजे — चौथे[3] ख़र्च से चौगुनी हो
तबियत धरम 5 दौलत चलता — धरम को आन 6 मंदा हो
अवतार लक्ष्मी घर 7 होता — मारा हुआ न राहु केतु पाप का जो

1 हमेशा जागता हुआ घोड़ा ख़ासकर ख़ाना नम्बर 3 का चंद्र-मैदाने जंग में फ़तहयाब होगा। } घोड़ा उदफा
हमेशा जागता हुआ घोड़ा ख़ासकर ख़ाना नम्बर 7 का चंद्र धन-दौलत ख़ुराक की देवी। } जागता है
हमेशा जागता हुआ घोड़ा ख़ासकर ख़ाना नम्बर 8 का चंद्र मौत से बचावे-लम्बी उम्र।

2 -फटा हुआ दूध दही (शुक्कर) का काम न देगा-या मंदे चंद्र वाले को शुक्कर के कामों से अब सोया चंद्र भी उम्दा होगा फ़ायदा न होगा मगर चंद्र की अश्या पानी वग़ैरह फ़ायदा देंगे बशर्ते कि उन चीज़ों में दूध की सफ़ेदी शामिल न हो। पानी की बर्फ़ मुबारक मगर आसमानी बर्फ़ ग़ैर मुबारक बलाई की बर्फ़ ग़ैर मुबारक। चंद्र की असलियत रंगत की सफ़ेदी है।

3 नम्बर 4 ख़ाली तो सारी उम्र उम्दा उम्दा फल देंगे।

अक्स-परछाई रवि-सूर्य ग्रह ख़्वाह-चाहे फ़तहयाब-कामयाबी देने वाली रिज़्क़-रोजी
धरम-धर्म अश्या-चीजे वस्तुएं

Astro Lucky

माता मंदी 8-उम्र पे चंद्र
दुनिया पानी-10 ज़हरी समन्दर
आराम माया कुल दुनिया चाहती
चंद्र 12 की चमक हो ऐसी

घड़ा मोती 9 माया हो
नाम मात्र घर 11 हो
कोई चाहे न एक दुख को
जले जलावे हर सुख को

आम हालत

अपने हाथों माता की सेवा करने का ज़माना 24 साला उम्र

(1) वक़्त मुसीबत एक पे ही मंदा होगा ख़ानदान ही नष्ट नहीं होने देगा।

(2) टेवे में जब पहले घरों में बृहस्पत हो और बाद के घरों में केतु हो तो चंद्र मंदा ही होगा लेकिन जब तक बुध उम्दा होवे चंद्र का असर दूध की तरह उम्दा ही रहेगा और सोया हुआ चंद्र भी उत्तम फल देगा और खुद ऐसा चंद्र तो जागता हुआ घोड़ा होगा। शुक्कर देखे चंद्र को-औरतों की मुख़ालिफ़त होगी। चंद्र देखें शुक्कर को-फ़क़ीर साहिबे कमाल तमाम नशेबाज़ों का सरदार साहिबे कमाल।

(3) सूरज का अक्स (जैसा भी टेवे में सूरज की हालत हो) ज़रूर ही चंद्र के असर में साथ मिलता रहेगा और मंगल बद डर कर कोसों दूर भागता रहेगा।

(4) चंद्र के घर अकेला बैठा हुआ ग्रह ख़्वाह कोई भी हो उत्तम फल देगा और जब चंद्र का घर नम्बर 4 ख़ाली ही हो तो खुद चंद्र सारी उम्र ही नेक फल देगा ख़्वाह कैसी हालत का ही क्यों न हो या हो जावे।

(5) किसी के पांव को छूकर उसकी आशीर्बाद लेना चंद्रमां के उत्तम फल पैदा करने की सबसे बढ़िया बुनियाद है।

दूसरे ग्रहों से ताल्लुक

चंद्र से बुध का ताल्लुक:-

साहिबे कमाल- गुणवान
ताल्लुक़-संबंध
मुख़ालिफ़त-विरोध, शत्रुता, दुश्मनी
अक्स-परछाई
समन्दर-समुंद्र
आशीर्बाद-आशीर्वाद

Astro Lucky

(i) चंद्र अगर कुण्डली में बुध से पहले घरों में हो तो चंद्र का असर बुध पर प्रबल होगा। ग़ैबी हाल अच्छा मगर दुनियावी दोनों ही ग्रहों का मंदा फल होगा।

(ii) अगर बुध कुण्डली में चंद्र से पहले घरों में हो तो बुध का असर चंद्र पर प्रबल होगा मन्दरजाज़ैल

(iii) हर तीनों हालत में धन की हार न होगी न दिल का ताल्लुक़ ख़राब होगा खुदकुशी तक नौबत हो सकती है।

दृष्टि से बिलमुक़ाबिल यक तरफ़ा तबीयत वाला

100 फ़ीसदी दृष्टि निहायत ही ख़राब-पौड़ियों के सामने कुआं ख़राबी का सबूत

50 फ़ीसदी दृष्टि बहुत ख़राब

25 फ़ीसदी दृष्टि मामूली ख़राब

(iv) दोनों में से हर एक जुदा जुदा होने की हालत में दूसरे के घर में यानी ख़ाना नम्बर 4 चंद्र के घर में बुध हो या ख़ाना नम्बर 7 बुध के घर में चंद्र अकेला होवे नेक फल देगा लेकिन अगर मुश्तरका ही ऐसे घरों (नम्बर 4-7) में हों तो कभी नेक फल न देंगे।

चंद्र से सनीचर का ताल्लुक़

चंद्र देखे सनीचर को-सनीचर का मंदा मगर चंद्र का फल उम्दा होगा।

सनीचर देखें चंद्र को-चंद्र का असर बरबाद-मगर सनीचर का असर बहाल होगा।

दोनों जुदा जुदा मगर-मुश्तरका दीवार वाले घरों में बैठे हुए हों तो बाहम दुश्मन होने के सबब जुदा जुदा रहेंगे ऐसी हालत में कुआं (चंद्र) की दीवार फाड़कर मकान (सनीचर) या सर्द ख़ाना बनाया जावे तो चंद्र के दूध में सनीचर का ज़हर मिला होगा माता मरे-दौलत और औलाद ख़तम हो जावे बल्कि अधरंग होकर अपना जिस्म भी आधा नाकारा हो जावे वग़ैरह वग़ैरह बुरे असर होंगे

(6) दुश्मन या पापी (राहु-केतु या सनीचर) ग्रहों के ताल्लुक़ से (साथ-साथी या बज़रिया दृष्टि मिलना) केतु का असर मंदा लेंगे और खुद चंद्र का ख़ालिस दूध फटा हुआ होगा-मगर शुक्कर न

मन्दरजाज़ैल-निम्नलिखित ताल्लुक़-संबंध पौड़ियों-सीढ़ियों मुश्तरका-इकट्ठा
जुदा-जुदा-अलग-अलग ख़ालिस-शुद्ध सबब-कारण बहैसियत-क्षमता, शक्ति

Astro Lucky

बनेगा या यूं कहो कि फटा हुआ दूध (चंद्र मंदा) दही (शुक्कर) का काम नहीं देता बशर्ते कि उन चीज़ों में दूध की सफ़ेदी शामिल न हो क्योंकि चंद्र की असलियत रंग की सफ़ेदी मानिंद दूध है मगर फटे दूध का पानी अपने दूध की ताक़त फिर भी दे ही जाता है।

इसलिए मंदा चंद्र फिर भी किसी दूसरों को भलाई के काम में मदद ज़रूर देगा या मंदे चंद्र वाले को शुक्कर के मुतअल्लिक़ा कारोबार अश्या से फ़ायदा न होगा मगर खुद चंद्र ही की अश्या (बहने वाली) पानी वग़ैरह से नफ़ा ही रहेगा। पानी की बर्फ़ मुबारक मगर आसमानी बर्फ़ ग़ैर मुबारक उत्तम चंद्र की असलियत रंग मानिंद दूध इसलिए जो चीज़ दूध रंग सफ़ेद हो नेक चंद्र का सबूत देगी।

(7) पापी टोला हमेशा चंद्र के दूध में ज़हर ही होगा मगर ऐसे वक़्त उपाओ खुद चंद्र का ही होगा। जब ये दुश्मन ग्रहों को देखता है तो अपना नेक असर देना बन्द कर देता है। जब चंद्र के बिलमुक़ाबिल पापी बैठे हों तो चंद्र का बुरा असर (अगर किसी हालत में मंदा चंद्र हो) टेवे वाले की बजाए उसके क़रीबी रिश्तेदारों पर होगा-मसलन (i) चंद्र देखता हो सूरज और सूरज के घर नम्बर 5 में बैठा हो पापी ग्रह (राहु केतु या सनीचर) (ii) जब टेवे में सूरज मंगल इकट्ठे हों तो चंद्र अमूमन भला नहीं हुआ करता। (iii) चंद्र देखता हो बृहस्पत को और बृहस्पत के घरों नम्बर 2-5-9-12 में बुध शुक्कर-राहु और सनीचर बहैसियत पापी बैठे हों तो चंद्र का फल रद्दी होगा।

मानिंद-समान, तुल्य | मुतअल्लिक़ा-सम्बन्धित | नफ़ा-फायदा, लाभ | उपाओ-उपाय
बिलमुक़ाबिल-आमने-सामने | मसलन-जैसे | अमूमन-आमतौर से | बहैसियत-क्षमता शक्ति

Astro Lucky

चंद्र के पानी और तालीम का टेवे वाले पर असर

चंद्र को अगर पानी मानें तो कुण्डली के बारह ही घरों में टेवे वाले का पानी किस क़िस्म और कौन सी हैसियत का होगा। पानी के अलावा अगर तालीम ही चंद्र से मुतअल्लिक़ा करें तो उसका नतीजा क्या होगा।

किस ख़ाना नम्बर का चंद्र हो	तो पानी की हैसियत क्या	तालीम पानी
1	घर में रखे हुए बरतन या घड़े का अच्छा पानी	तालीम पर लगाया हुआ पैसा कभी ख़ाली न जाएगा और ज़रूर वापिस आएगा और कारआमद मददगार तालीम होगी जिसका ख़ास फ़ायदा दरबार से होगा।
2	पहाड़ से निकलता हुआ शहज़ोर उम्दा पानी	माता और तालीम जायदाद जद्दी और नक़द नामा दोनों में से एक तरफ़ में आख़री पूरे दर्जा पर उत्तम होगा। माता के बैठे तालीम होगी जिसके दरिया की तुग्यानी या बुध की हदबंदी होगी। पिता की मौजूदगी में सरमाया या बाप को (टेवे वाले की) तालीम के सुख की कोई शर्त न होगी। मगर खुद टेवे वाले के अपने लिए उसकी तालीम दुनियावी ज्ञान समझ या वाक़फ़ियत का बहाना ज़रूर होगी और क़िस्मत की बुनियाद रहेगी। खुद पढ़े और दूसरों को पढ़ाने वाला होगा मगर यह शर्त नहीं कि महकमा तालीम ही क़िस्मत का बहाना हो। मगर चंद्र की दूसरी चीज़ें ज़रूर क़िस्मत में मदद देंगी मसलन घोड़ों का ब्योपार चांदी के कारोबार महकमा आबपाशी वग़ैरह क़िस्मत के मददगार हो सकते हैं। ग़र्ज़ेकि आम स्कूल मास्टरी ही करने की कोई शर्त न होगी।

तुग्यानी-सैलाब-बाढ़ तालीम-शिक्षा, पढ़ाई मुतअल्लिक़ा-सम्बन्धित कारआमद-असरदार प्रभावशाली
शहज़ोर-शक्तिशाली, बलवान आबपाशी-भूमि और खेती की सिंचाई सरमाया-पूंजी, धन, दौलत महकमा-विभाग, अनुभाग

Astro Lucky

किस ख़ाना नम्बर का चंद्र हो	तो पानी की हैसियत क्या	नतीजा तालीम
3	जंगल सहरा या रेगिस्तान का पानी	जिस क़दर तालीम बढ़ती जाएगी पिता की माली हालत कमज़ोर होती जाएगी मगर तालीम रुकेगी नहीं। तालीम अपनी क़ीमत देगी। जब तक दरिया पर पुल हो यानी टेवे में केतु अच्छी हालत में हो और चंद्र को बरबाद न कर रहा हो वरना माता ही पिता का काम देगी। जों-जों उम्र बढ़ती जायगी तालीम की क़ीमत कम होगी या ऐसा आदमी महकमा तालीम में होता हुआ ऊपर से नीचे को ही गिरे या तालीम के ज़रिये कमाया हुआ रुपया घर बार के कामों में तरक़्क़ी कम ही देगा।
4	चश्मे का पानी (मीठा)	तालीम हरदम मुबारक। तालीम के मुकम्मल करने में हर तरह की मदद खुद ब खुद पैदा होती रहेगी। ख़्वाह किसी तरह की तालीम हासिल करे बारौनक़ बामायनी और सुख देने वाली होगी। उसकी तालीम में माता के असली ख़ून का सबूत होगा।
5	ग्रहस्तियों के लिए आबादी के अन्दर का दरिया या आबादी को सेराब करने वाला दरिया या नहर	तालीम पर लगाया हुआ पैसा बहैसियत तालीम पूरी क़ीमत नहीं देगा मगर ऐसा आदमी बच्चों की तालीम या Technical तालीम की पूरी डिग्री का मालिक होगा मगर इसको वह डिग्री या तालीम की क़ीमत नहीं देगी यानी तालीम के दरिया के पानी का इस्तेमाल आम लोगों की तरफ़ से पूजना की बजाए टट्टी धोने के काम आएगा। यानी इसके ताल्लुक़दार और आम दुनियावी साथी आबादी के दरिया की मरम्मत का ख़याल तो नहीं करेंगे मगर उसमें घर बार की ग़िलाज़त ज़रूर फैंक देंगे या आम लोगों का भला करते हुए भी कोई इसकी मदद न करेगा मगर अपने लिए बे मतलब पानी या तालीम की क़ीमत बेमायनी नहीं होगी।

तालीम-शिक्षा मुक़म्मल-पूरा सम्पूर्ण ख़्वाह-चाहे बहैसियत-क्षमता अनुसार ताल्लुक़दार-संबंध रखने वाले
ग़िलाजत-गंदगी, मल, मैल बेमायनी-निरर्थक, बेकार

Astro Lucky

किस ख़ाना नम्बर का चंद्र हो	तो पानी की हैसियत क्या होगी	नतीजा तालीम
		गोया खुद अपना दिल न के बराबर और तालीम अपनी क़ीमत कुछ भी न देगी ख़्वाह कितना ही आलिम फ़ाज़िल हो।
6	पाताल का पानी कुआं हैंडपम्प वग़ैरह	तालीम कारआमद होगी लेकिन क़ीमत और ख़र्च से जिसके लिए कई तरह की तकलीफ़ करनी पड़ेगी।
7	मैदान और खेती की ज़मीन को सेराब करने वाला दरिया या नहर	शादी होने से पहले पहले तालीम पूरी कर लेगा या अगर तालीम जारी रहे तो शादी रुकी रहेगी लेकिन तालीम होगी कारआमद बेशक थोड़े ही दर्जा की हो दूध होगा मगर गाय की बजाए बकरी का जिसमें तालीम की वही हालत होगी जो बकरी अपना दूध देने में किया करती है यानी बकरी दूध देगी तो सही मगर मेंगने डालकर मगर माली हालत के लिये बकरी का दूध होता हुआ भी चांदी के भाव ही बिकेगा। या वह शख़्स बज़ाते खुद लक्ष्मी अवतार होगा।
8	आबेहयात वरना ज़हर ख़ालिस	तालीम हुई तो अमूमन माता को तरसते रहे ये ज़रूरी नहीं कि माता वफ़ात पा ही जावे माता हुई तो तालीम से भागते रहे अब दूध या तालीम बहैसियत खुश्क दूध होगी यानी ऐसा दूध जिसमें खुश्क पाउडर की तरह पानी तो न हो मगर उस पाउडर में दूध की सब सिफ़्तें ज़रूर हों या यूं कहो कि ऐसे प्रानी अगर पढेंगे तो पूरा पढ़ेंगे नहीं तो औलाद को भी पढ़ने से रोकते रहेंगे या दोनों को ही तरसते मर जाएंगे।

सेराब-तृप्त आलिम-विद्वान, पंडित, ज्ञाता ख़ालिस-शुद्ध अमूमन-आमतौर फ़ाज़िल-स्नातक, जिसने पूरी विद्या पढ़ ली हो बहैसियत-क्षमतानुसार कारआमद-असरदार शख़्स-इंसान सिफ़्ते-गुण आबेहयात-अमृतजल, सुधा

Astro Lucky

किस ख़ाना नम्बर का चंद्र हो	तो पानी की हैसियत क्या होगी	नतीजा तालीम
9	समन्दर	सब को आराम देने की तालीम का मालिक मगर खुद तालीम याफ़्ता होने की शर्त नहीं लेकिन फिर भी ज़रूरी नहीं कि वह अनपढ़ ही हो। बहरहाल सुख का मालिक इन्द्र राजा की तरह सबका दाता रहेगा।
10	पहाड़ों की रुकावट से बन्द पड़ा पानी	दूसरों को तो क्या पढ़ाना बल्कि खुद भी तालीम से मुतनाफ़िर और यहां तक कि पढ़ाने वाले को पानी मांगने पर पत्थर से जवाब देगा उसकी तालीम में हर तरफ़ से रुकावट के पत्थर ही पड़ते होंगे। जो नाकारा और बेमायनी होगी मगर खुश्क दवाइयों की हकीमी और इस्तेमाल की हिक्मत के इल्म का वाकिफ़ ज़रूर होगा। बेशक हर जगह इज़्ज़त की जगह मुंह काला ही होता रहे जब तक ख़ाना नम्बर 8 मंदा हो-लेकिन अगर ख़ाना नम्बर 2 उम्दा हो तो सब कुछ दोगुना नेक होगा।
11	बरसाती नाला	पढ़ेगा तो पूरा वरना अनपढ़ हाफिज़ जी ही होंगे यही फ़ायदा और नुक़सान तालीम का होगा।
12	आसमानी पानी-ओले बर्फ़ वग़ैरह पाख़ाना बंद गंदी नाली बदरौ का पानी	अगर पापी मंदे तो गन्दी बदरौ यानी जों-जों तालीम पढ़ने में बढ़ता जावे घर घाट उजड़ता जावे वरना (जब बृहस्पत उम्दा हो या सूरज नेक) हो ऐसा साफ़ पानी जिसमें ग़िलाज़त का ताल्लुक़ और नाम व निशान तक न हो सके और पानी साफ़ होगा-जोकि एक बन्द ज़मीन-साफ़

बदरौ-बुरी राह चलने वाला मुतनाफ़िर-परस्पर घृणा करने वाला, अलग रहने वाला याफ़्ता-पाया हुआ, जिसे मिले हो
वाकिफ़-जानकार हाफ़िज-जिसकी याददाश्त अच्छी हो हिक्मत-विज्ञान, वैद्यक

Astro Lucky

किस ख़ाना नम्बर का चंद्र हो	तो तालीम की क्या हैसियत होगी पापी	नतीजा तालीम
12	समन्दर	नाली या ख़ाली जगह से गुज़र रहा हो अगर आसमान से गिरे तो बर्फ़ बन जावे। बहरहाल मिट्टी और ग़िलाज़त से दूर रहेगा और अगर नष्ट हो भी जावे या कर भी देवे तो भी आख़ीर पर पानी से बदल कर दूध ही होगा। बेशक वज़न में और शक्ल में तब्दीली हो जावे यानी तालीम छोटी या बड़ी हो मगर उसके ज़रिये से तालीम के आराम और सुख में पानी की हैसियत होते हुए भी दूध की तासीर और रंगत होगी या साधु की समाधि के लिए मिट्टी की बजाय चांदी का फ़र्श हाज़िर होगा-या वह और उसकी तालीम चांदी की भी परवाह न करेगी मगर सोने की रंगत में झलकती होगी या लिखे न पढ़े नाम मुहम्मद फ़ाज़िल क़िस्सा कोताह पढ़े ख़्वाह न पढ़े मगर पढ़े हुओं का बाप ज़रूर होगा और तालीम की क़ीमत हो या न हो मगर मुफ़्त की दुकानदारी में पूरे दर्जे की तालीम की क़ीमत हासिल कर लेगा।

जौ का निशान

अंगूठा अलाहदा छोड़कर जिस पर निशानों का ज़िक्र दूसरी जगह है दोनों हाथों की उंगुलियों की पोरियों पर उनके जोड़ों के मिलने की जगह पर जौ (अनाज है) के दानों की शक्ल के मानिंद निशान ⇨ दुनियावी ज़िन्दगी में ख़ुशी ग़मी से मुतअल्लिक़ा हैं ये निशान तमाम उंगलियों पर ज़्यादा से ज़्यादा 32 तक होने माना गया है। ऐसे निशान तादाद में 21 तक होने की

तासीर-असर फाज़िल-स्नातक ग़िलाज़त-गंदगी, मल, मैल बहरहाल-हर हाल में
क़िस्सा कोताह-संक्षेप में अलाहदा-अलग मुतअल्लिक़ा-सम्बन्धित मानिन्द-जैसे

Astro Lucky

हालत में चंद्र का असर खुद अपने लिए नेक माना है और 21 से ज़्यादा निशानों वाला प्रानी दुनिया से किनाराकश होगा जो 9 ग्रह 12 राशि (9 जमा 12=21) की आम चाल से जुदा ही ढंग पर चलता होगा। अगर 32 निशान हों तो सुख-दुःख बराबर लेंगे।

कुण्डली का ख़ाना नम्बर	तादाद निशान
1	12-सारी उम्र दौलतमन्द और खुश गुज़रान।
2	22 से 32 तक दुनिया से किनाराकश होगा।
3	17 दौलत मंद-बेइज़्ज़त, बे-एतबारा होवे।
4	14 औसत दर्जा की ज़िन्दगी होगी।
5	19-धर्मात्मा राजदरबार में इज़्ज़त हो।
6	20-साहिबे तदबीर अक़्लमन्द होवे।
7	13-दौलतमन्द मगर गृहस्ती हालत में हमेशा रंज व मुसीबत होवे।
8	16-बदबख़्त, जवाहरिया होवे
9	18-भला लोग भले काम नेक तबीयत होगा।
10	15-चोर-डाकू-लुटेरा होवे फिर भी पूरी न पड़े।
11	चंद्र सफ़र या निर्पक्ष मंदा ही होगा।
12	21-कमबख़्त बद नसीब होवे। कोई पुख़्ता यक़ीन नहीं कि नसीबा का निहायत उत्तम होगा या मंदा मनहूस होगा।

जिस क़दर यह निशान 32 की तादाद से बढ़ते जावे उसी क़दर ही ज़्यादा खुशी का ज़माना या खुशी का नसीबा बढ़ता होगा। मसलन अगर यह निशान तादाद में हों 33 तो 32 ग़मी के मुक़ाबला में 33 खुशी होगी या कुल $\frac{33}{32}$ खुशी होगी।

39 तो 32 ग़मी के मुक़ाबला में 39 खुशी होगी या कुल $\frac{39}{32}$ खुशी होगी।

तदबीर-उपाय, इलाज, चतुराई खुश गुज़रान-सुखद निर्वाह नसीबा-भाग्य, क़िस्मत जवाहरिया-जुआ खेलने वाला
कमबख़्त-हतभाग्य, बदक़िस्मत यक़ीन-विश्वास, भरोसा प्रानी-व्यक्ति, किनाराकश-प्रथक अलग

Astro Lucky

चंद्र ख़ाना नम्बर-1

माता ज़िन्दा होने तक
ज़र व दौलत-ख़ालिस दूध

हुक्म पूरा माता का गर तू करेगा
उम्र रिज़्क़ माया न तेरा घटेगा

दूध ख़ालिस ज़र पहले[1] चंद्र
काम मंदे या मुफ़्तख़ोरी से
बहन भ्राता गुज़रते पहले
इल्म तपस्या हर दो मिलते
माता चंद्र जब तख़्त[2] पे बैठे
ऊंच शुक्कर ख़्वाह कितना टेवे
शनि सूरज जब 6 वें बैठे
मित्तर चौथे ख़्वाह 10 वें आए
आठ भला 7 उम्दा होते
उपाओ दिया[3] हो जिस दम करते

नहर वीराने आती हो।
शान पहली भी जाती हो।
आम निशानी होती हो।
दूध बेचे कुल घटती हो।
असर गुना 2 देती हो।
दुखिया औरत उस रहती हो।
तेवा मिट्टी घर चढ़ता हो
मोती सफ़र कुल दरिया हो।
रेत जली भी दौलत हो।
शान भली सब शौकत हो।

[1] -सोये चंद्र को 24 साला उम्र से पहले जगा लेना (ख़ाना नम्बर 7 में गाय वग़ैरह शुक्कर की अश्या क़ायम करना) बेहतर होगा वरना 24 में खुद ब खुद जागा हुआ चंद्र उम्र के 25 वें साल हर तरफ़ मंदा असर देगा। चंद्र क़ायम जायदाद जद्दी हमेशा उत्तम फल और बढ़ती जावे।

[2] -ख़ाना नम्बर 1 में आवे-1-13-25-37-49-61-73-85-97-109 साला उम्र में।

[3] -चंद्र नम्बर 1 के इसी ख़ाना नम्बर में जुदी जगह दिया गया है।

ज़र-दौलत ख़ालिस-शुद्ध शुक्कर-शुक्र ग्रह मित्तर-मित्र, दोस्त उपओ-उपाय शौकत-दबदबा, ख़्वाह-चाहे
खुद ब खुद-अपने आप, स्वयं

Astro Lucky

हस्त रेखा

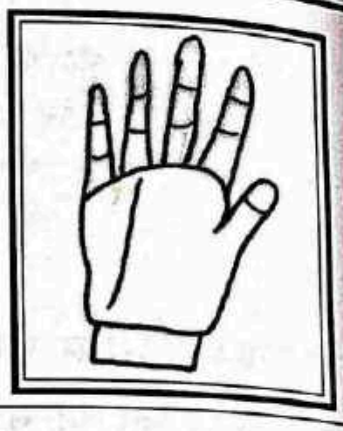

चंद्र से सूरज के बुर्ज नम्बर 1
को रेखा हो।

नेक हालत

अपनी माता के ख़ालिस दूध की सिफ़ात (ख़ूबियां) क़ामयाब ज़िन्दगी लम्बी उम्र (अमूमन 90 साल) और दुनियावी क़िस्मत में ख़ालिस दूध की क़ीमत का मालिक होगा। राजदरबार से इज़्ज़त व कामयाबी होगी। आम सुख 27 साल और औलाद का सुख ख़ासकर होगा। ऐसे प्रानी के जनम लेने से पहले उसके बहन-भाई अमूमन कई एक गुज़र चुके (मर गए) होंगे और वह खुद भी तरसिये का बच्चा या तरस तरस कर बड़ी बड़ी ख़्वाहिशों और साधनों के बाद क़ायम हुआ होगा।

वाल्दैन की माली हालत और उनकी जायदाद जद्दी भी उसके जनम पर कोई ऐसी शानदार न होगी।

अमूमन 28 साला उम्र से पहले या उम्र के 28 वें साल शादी का ताल्लुक़ (ख़्वाह खुद अपनी या अपने हक़ीक़ी ख़ून में से किसी भी और क़रीबी रिश्तेदार की) चंद्र की उम्र बरबाद और औलाद का फल मंदा कर देगा। यही बुरी हालत 24 साला उम्र से पहले या उम्र के 24 वें साल खुद अपनी कमाई या ज़ाती मेहनत से कमाए हुए रुपये से नया मकान बनाने या अपनी नर औलाद के पैदा हो जाने पर खड़ी होगी। ख़ास 24 वें साल शादी का ताल्लुक़ तो चंद्र का फल बरबाद कर देगा।

अमूमन-आमतौर से
हक़ीक़ी-वास्तविक, सच्चा
ख़्वाहिशों-इच्छाओं
ताल्लुक़-सम्बन्ध
सिफ़ात-गुण, विशेषताएं
कामयाब-सफल
दुनियावी-संसार संबंधी सांसारिक

Astro Lucky

चांदी के बरतन में दूध का इस्तेमाल बड़े परिवार और शीशे या बुध का ताल्लुक़ (बुध की अश्या ख़ासकर सब्ज़ रंग) सेहत की ख़ाक दर ख़ाक उड़ा देगा। तादाद औलाद उनकी उम्र बरकत और सुख के लिए उनको दरिया पार ले जाते वक़्त (जब पता हो कि दूसरी जगह जाकर कम अज़ कम 100 दिन से ज़्यादा अरसा ठहरना है) तांबे का पैसा दरिया में गिराकर जावे वरना दरिया का मल्लाह अपनी मल्लाही उज्रत महसूल किराया के एवज़ में औलाद पर ही हमला कर देगा और उसकी औलाद आए दिन तंग दुखिया या उम्र से ही महरूम होने लगेगी। चंद्र की अश्या का दान लेने या नफ़ा उठाने की नीयत से बेचने की बजाए उलटा दूध की ख़ैरात करना या दूसरों को पानी की जगह मुफ़्त दूध पिलाते जाना चंद्र के नेक फल को और भी बढ़ता जाएगा।

धन की कलपना सुर्ख़ खूनी लाल रंग मंगल की अश्या के साथ से और अज़ीज़ों की पालना या मेहमानों और रिश्तेदारों की हर दिल अज़ीज़ी चांदी के थाल से पूरी होगी। रात को आराम की जिंदगी गुज़रने के लिए चारपाई के चारों पाये उन पर तांबे की मेखें गाड़कर नेक होंगे गर यह भी न हो सके तो मामूली ख़ाली पानी के चंद घूंट गाहे ब गाहे बड़ के दरख़्त को डालने मुबारक होंगे जो उसे हर जगह इज़्ज़त शान क़दर व मान देंगे।

वीरान मैदानों में पानी की नहर आ जाने की तरह उसके जनम से ही माता के ज़िन्दा होते होते माता की क़िस्मत और दयालुता से धन दौलत की बरकत होगी। 24 ता 28 साला उम्र में दूध की नदियां (बेहतर हालत) बहा देगा और माया की कलपना न रहेगी।

चांदी के बरतन में बुध की नाली मनहूस फल देगी मसलन चांदी का गंगा सागर या केतली जिसके आगे पानी निकलने के लिए नाली लगी होती है ऐसे बर्तन का बुध की उम्र व टेवे वाले की 34 साला से इस्तेमाल शुरू करने पर टेवे वाले की माता की सेहत टेवे वाले की 48 साला उम्र तक मंदी होगी वरना सिर्फ़ रात दिन दुखिया बल्कि अन्धी तक हो सकती है।

अश्या-वस्तुएं, चीज़े सब्ज़-हरा मल्लाही-मल्लाह-नाविक उज्रत-मज़दूरी अज़ीज़ो-नजदीकी वाले रिश्तेदार गाहे ब गाहे -कभी-कभी यदा-कदा महसूल-किराया, भाड़ा एवज़-बदले में महरुम-वांचित, निराशा नफ़ा-लाभ, फायदा

Astro Lucky

इल्म और हर तपस्या दो का मालिक होगा। जब तक माता का हुक्म बजा लाता रहेगा और उसके चरणों को छूकर उसकी आशीर्बाद लेता रहेगा उम्र रिज़्क़ दौलत की कभी कमी न होगी और मां बेटा दोनों का बुढ़ापा उत्तम होगा। मां की उम्र के बाद हर तरफ़ रेत उड़ती और आसमानी बादल बारिश से ख़ाली होंगे इसलिए माता के मरने से पहले उसके हाथों से चंद्र की अश्या (चावल और चांदी) बतौर आख़री आशीर्बाद ले लेना न सिर्फ़ माता के बाद उम्र रिज़्क़ और दौलत के लिए मददगार होंगे बल्कि माता के पेट के अन्दर बैठे हुए बच्चे की तरह इस दुनिया में उसे मादरी गोद का आराम देंगे।

माता के बग़ैर ऐसे टेवे वाले की क़िस्मत के दरिया में माया-दौलत व दुनियावी सुख का पानी न होगा या वह माता के बग़ैर दुखिया ही होगा खुद माता की उम्र के लिए 24 ता 27 या अपनी उम्र के 24 वें और 27 वें साल सफ़र में होते हुए भी कोशिश से वापिस आकर माता के पांव छूते रहना माता की उम्र बढ़ाएगा वरना ऐसे वक़्त (24 ता 27 साला उम्र) और ऐसी हालत (खुद टेवे वाला घर से बाहर सफ़र में माता से अलाहदा होने) में माता की सेहतमन्दी बल्कि मौत की निशानी होगी। (मंगल की अश्या मिट्टी में दबाना मददगार होगा।)

(2) समन्दर के सफ़र से मोती पैदा होंगी	सूरज मंगल या बृहस्पत नम्बर 4-10 में
(3) जली हुई रेत भी दौलत देगी	जब ख़ाना नम्बर 7-8 उम्दा हो
(4) जायदाद जद्दी ग़ैर मन्क़ूला पैदा हो या मिले और वह हमेशा उत्तम फल देती और वह बढ़ती होगी-पराई अमानत पास भी रह जावे।	जब चंद्र क़ायम हो।
(5) हर क़िस्म की सवारी का सुख होगा-ज़र दौलत की तरक़्क़ी होगी	बृहस्पत नम्बर 4 सनीचर नम्बर 10
(6) नूंह सास मां बेटी की तरह उत्तम हालत मगर औलाद की मंदी हालत बचाने के लिए शादी के दिन से कुत्ते का घर में रखना निहायत ही मददगार होगा।	शुक्कर नम्बर 7

आशीबार्द-आशीवार्द रिज़्क़-जीविका रोजी अलाहदा-अलग नूंह-बहू (बेटे की पत्नी)
मन्क़ूला-एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाई हुए चीज़ प्रतिलिपित

Astro Lucky

(7) सूखी रेत से भी मीठी खाण्ड बनेगी और उम्दा ज़िन्दगी होगी लेकिन अगर ख़ाना नम्बर 8 मंदा हो तो मीठी खाण्ड से भी सब तरफ़ रेत हो जावे।	शुक्कर बुध या मंगल बुध नम्बर 7 में
(8) अक्ल कम धन ज़्यादा बज़रिया राजदरबार समन्दर पार लम्बे लम्बे सफ़रों के नेक नतीजे होंगे	जब बुध नम्बर 7 में हो

मंदी हालत

(1) पापी ग्रहों या चंद्र के दुश्मन ग्रहों की अश्या-कारोबार या रिश्तेदार मुतअल्लिक़ा का ताल्लुक़ या वैसे ही दुनियावी मंदे काम और मुफ़्तख़ोरी की आदत से पहली शान भी जाती रहेगी।

(2) नफ़ा उठाने के लिए चंद्र की अश्या (ख़ासकर दूध) बेचने से अपना ख़ानदान (परिवार मेम्बरान) घटता ही जावेगा।

(3) शुक्कर ख़्वाह कितना ही ऊंच होवे उसकी माता के बैठे उसकी औरत दुखिया ही रहेगी।

(4) क़ुदरती पानी चावल-चांदी वग़ैरह चंद्र की अश्या का क़ायम रखना हमेशा मददगार होगा। बूढ़ी माताओं की आशीर्बाद भी अपनी मादर (माता) मेहरबान से कम न होगी। सोये हुए चंद्र को (जब ख़ाना नम्बर 7 ख़ाली हो) 24 साला उम्र से पहले जगा लेना (यानी ख़ाना नम्बर 7 गृहस्ती घर बार में शुक्कर की अश्या गाय, नौकर स्त्री (नौकरानी) क़ायम कर लेना बेहतर होगा वरना 25 वें साल ख़ुद ब ख़ुद जागा हुआ चंद्र हर तरफ़ मंदा असर देगा। मिट्टी में मंगल की अश्या दबाने से मदद मिलेगी।

(5) मिट्टी के तवे घर चढ़ेंगे निहायत ही ग़रीबी होगी	सनीचर सूरज दोनों नम्बर 6
इश्क़ की बेहद रग़बत उसकी क़िस्मत के सोने को गन्दी मिट्टी के भाव बिकवा देगी। शुक्कर के कामदेव की लहर की देवी (औरत) के मुक़र्रर होते ही (यानी शादी के लिए शगुन के वक़्त से ही) चंद्र (टेवे वाले की माता	बृहस्पत नम्बर 11

बज़रिया-माध्यम से समन्दर-समुंद्र अश्या-चीजे मुतअल्लिक़ा-सम्बन्धित मुकर्रर-निश्चित निर्धारित ताल्लुक़-संबंध मुफ़्तख़ोरी-मुफ्त माल लेने की आदत नफ़ा-लाभ मेम्बरान-सदस्य रग़बत-इच्छा, चाह

Astro Lucky

सास (औरत की माता) दादी-(बाप की माता) या नानी (माता की माता) बरबाद दुखिया और मंगल के ताल्लुक़ में (पेट भाई) निकम्मे और मंदे नतीजे देगा ख़ासकर जब शादी ऊपर मना किए हुए सालों में वाक़ै होवे। दिन रात दुखिया और बे आराम होवे।

मंगल बद (मंदा बुध) या ख़ाना नम्बर 8 मंदा हो क़ियाफ़ाः- साथ साथी चंद्र के बुर्ज से रेखा सूरज के बुर्ज के अन्दर जाकर ख़तम हो।

Astro Lucky

वाक़ै-घटना, हाल क़ियाफ़ा-सामुद्रिक शास्त्र बरबाद-बर्बाद ताल्लुक़-संबंध

चंद्र ख़ाना नम्बर-2

ख़ुद पैदा करदा माया की देवी

लगे बजने घड़ियाल मन्दिर जो घर में
बजा देंगे घण्टा लावल्दी का दम में

बन्द नस्ल न टेवे होगी
विरसा मिलेगा घर का ज़रूरी
मन्दिर[2] कच्चे गो माता बैठी
लिखत भूली कोई जनम हो पिछली
उम्र लम्बी हो ख़ुद उस माता
4 छटे दस 8-9-12
बाद उम्र ख़ुद माता अपनी
चीज़ चंद्र घर क़ायम रहती
मंद गुरु ख़्वाह तख़्त हो मंदा
ज़हर टेवे की चंद्र धोता

योग मंदा औलाद ख़्वाह हो
चीज़े चंद्र जब[1] रखता हो
असर पक्का गुरु[2] घर का हो
कमी पूरी कर जाता[3] हो
चक्कर दूजे 48 जो
शत्रु बैठे न पापी को[5]
दस्ती मुबारक देती जो
आशीर्बाद आख़ीरी हो
बुरा मन्दिर[2] न होता हो
दौरा[4] तख़्त का करता जो

Astro Lucky

1 -चंद्र की चीज़ो की अदम मौजूदगी की हालत में बुढ़ापा मंदा या चंद्र बुढ़ापे में उत्तम फल न देगा और अमूमन वही फल देगा जो चंद्र नम्बर 12 का हो।

2 -गुरु बैठा होने का घर या गुरु नम्बर 2 का दिया हुआ फल हर दो हालत से जो उम्दा हो वही असर

3 -ख़ासकर जब सनीचर 4 पितृ रेखा पिता व जायदाद का सुख
ख़ासकर जब बुध नम्बर 6 मातृ रेखा माता भाग उत्तम
-ख़ासकर जब सूरज 1 सनीचर नम्बर 11 आली मरतबा भागवान।

4 -2-14-26-38-50-62-2-86-98-110 साला उम्र

5 -को = कोई

लावल्दी-नि:संतान ख़्वाह-चाहे टेवे-जन्म पत्री आशीर्बाद-आशीर्वाद अमूमन-आमतौर से
अदम मौजूदगी-अनुपस्थिति

हस्त रेखा

दिल रेखा या क़िस्मत रेखा चंद्र से शुरू होकर बृहस्पत पर ख़तम होवे (दिल रेखा का वह हिस्सा जो बृहस्पत के बुर्ज के अन्दर अन्दर हो-मुहब्बत रेखा कहलाता है। जिस के लिए शुक्कर नम्बर 2 देखो।

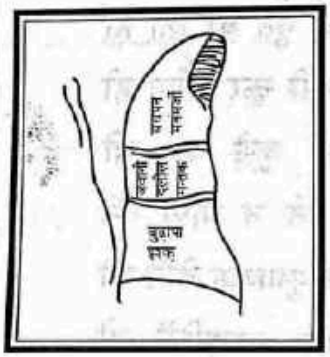

ये जौ का निशान तीनों ही पोरियों पर हो सकता है। अंगूठे की नाख़ून वाली पोरी या दरमियानी पोरी की जड़ पर जौ (कनक जौ) का निशान अगर सही सालम हो ज़ाती व जायदादी सुख आराम व दौलतमन्दी होगी।

(चंद्र क़ायम) बचपन का ज़माना चंद्र की ठण्डी रोशनी की तरह उम्दा असर व नेक भाग का होगा वरना चंद्र बुढ़ापे में नेक फल देगा।

चंद्र की जायदाद अश्या का फ़ायदा होगा। जिसके निचली पोरी पर निशान अगर टूटा फूटा हो चंद्र दुश्मनों से घिरा हुआ या मन्दा और ख़्याब किसी भी पोरी पर } बुढ़ापा मंदा ही होगा लिए चंद्र नम्बर 6 देखें।

नेक हालत

ऐसे शख़्स की अमूमन बहन नहीं हुआ करती मगर भाई ज़रूर होंगे अगर अपने नहीं तो औरत के तो ज़रूर ही होंगे और वह अकेला ही भाई या सिर्फ़ बहनों ही का भाई न होगा।

दौलतमन्द शाह ज़माना घोड़ों का शह सवार-औलाद और वाल्दैन का सुख (जब बृहस्पत

दरमियानी-बीच में शख़्स-इंसान अमूमन-आमतौर से वाल्दैन-माता-पिता

Astro Lucky

उम्दा) मैदाने जंग के सामान में कभी कमी न होगी और न ही कभी हार और हानि का वास्ता होगा। चंद्र उत्तम व ऊंच फल और बृहस्पत नम्बर 2 का नेक फल साथ होगा और जब चंद्र नम्बर 2 बमूजिब बर्षफल (2-14-26-38-50-62-81-86-98-110) नम्बर 1 में आ जावे तो बृहस्पत और चंद्र दोनों ही का बराबर ऊंच व उत्तम फल होगा जब चंद्र की अश्या क़ायम रखता होवे जायदाद जद्दी और विरसा का घर से हिस्सा ज़रूर मिलेगा। टेवे वाले की ख़ानदानी नस्ल कभी बन्द न होगी ख़्वाह औलाद का योग लाख मंदा हो। गुरु बैठा होने वाले घर का असर हमेशा पक्का और उत्तम होगा या गुरु नम्बर 2 का फल जो भी दोनों हालत से उम्दा हो-साथ होगा जब भी मौक़ा मिले चंद्र पिछले जनम की कोई भूली हुई लिखत की कमी सब पूरी कर देगा। बुध ख़्वाह नम्बर 9 का ही क्यों न हो कभी मंदा फल न देगा। जनम अमूमन चानन (शुक्ल) पक्ष का होगा वरना चंद्र आख़ीरी उम्र में नेक असर देगा अगर चंद्र की अश्या क़ायम रहें तो चंद्र और बुढ़ापा दोनों ही नेक फल देंगे और वह कभी आज़र्दा हाल न होगा। बहरहाल माता की ममता की आंख कभी बूढ़ी न होगी यानी माता चंद्र के दो चक्कर या टेवे वाले की 48 साला उम्र तक कम अज़ कम ज़रूर साथ देगी जिसके बाद ज़रूरी ही नहीं कि वह वफ़ात पा जावे। हो सकता है कि 3 चक्कर ही पूरे कर देवें।

(2) खुद अपनी लम्बी उम्र के लिए खुद साख़्ता मकान की तह ज़मीन में चांदी की चीज़ें दबाना मददगार होगा या चंद्र की अश्या (चलते पानी) का हरदम साथ मुबारक। घर का फर्श जब तक कच्ची मिट्टी का क़ायम रहे-चंद्र का दरिया एक बर्फ़ानी दरिया हमेशा चलता और कारआमद उत्तम फल का होगा वरना शहर की ग़िलाज़त से भरा हुआ बरसाती नाला (अचानक तेज़ और ख़तरनाक पानी से भरा हुआ) होगा। सफ़ेद या ज़र्द घोड़े का साथ-बुजुर्ग बुढ़िया की सेवा से परिवार और मैदाने जंग के सामान की कभी कमी न होगी माता की ज़िन्दगी में उसके हाथों से चांदी और चावल (चंद्र की अश्या) लिए हुए माता की उम्र के बाद टेवे वाले को माता की आख़री आशीर्बाद (चंद्र का उत्तम फल) का काम देंगे।

वफ़ात-मरना मौत बमूजिब-अनुसार बर्षफल-वर्षफल आज़र्दा-सताया हुआ, पीड़ित जर्द-गहरा पीला साख़्ता-अपने आप बना हुआ कारआमद-असरदार ग़िलाज़त-गंदगी, मैल, कम अज़ कम-कम से कम

Astro Lucky

(3) माता की उम्र अमूमन टेवे वाले की 48 साल उम्र तक ज़रूर साथ देगी।	जब नम्बर 4-6-8-9-10 12 में राहु-केतु या सनीचर बहैसियत पापी ग्रह कोई न हो।
(4) खुद अपनी और ससुराल की माली हालत व गुज़रान उम्दा होगी।	जब चंद्र जागता हो।
(5) चंद्र की हालत व माता की उम्र का फ़ैसला बृहस्पत की हालत पर होगा जैसा कि वह बमूजिब जनम कुण्डली हो लेकिन बाक़ी सब बातों में बृहस्पत का उम्दा व उत्तम असर	4-6-8-9-10-14 में राहु केतु या सनीचर बहैसियत पापी हों।
चंद्र नम्बर 2 के साथ होगा। चंद्र का फल ऊंच उत्तम होगा। कामयाब आशिक़ ख़्वाह दुनियावी हर दो तरफ़ ही उत्तम फल होगा।	शुक्कर उम्दा हो क़ियाफ़ा:- दिल रेखा का बुर्ज नम्बर 2 के अन्दर का टुकड़ा।

मंदी हालत

(1) घर में घंटे घड़ियाल (मन्दिर की तरह) लावल्दी का घंटा बजा देंगे।

(2) बेशक नम्बर 2 का चंद्र क़िस्मत का मालिक और ऊंच होता है मगर अब केतु नम्बर 12 का भी ऊंच है जो चंद्र के लिए ग्रहण देगा यानी चंद्र (तालीम वग़ैरह चंद्र की अश्या) और केतु (औलाद नरीना वग़ैरह केतु की अश्या) दोनों में से सिर्फ़ एक का फल उत्तम होगा अगर औलाद होगी तो तालीम ज़रिया क़िस्मत न होगी। अगर तालीम से क़िस्मत बनेगी तो औलाद से ख़ाली या बेआराम होगा।

(3) चंद्र नम्बर 12 का फल देगा और गुरु शुक्कर भी मंदा ही फल देंगे। ऐसा शख़्स किसी दूसरे के लिए किसी भी काम का आदमी न होगा।	नम्बर 1-2-7-10-11 मंदे।

अमूमन-आमतौर से गुज़रान-गुजर बसर बहैसियत-क्षमतानुसार बमूजिब-अनुसार लावल्दी-नि:संतान
तालीम-शिक्षा नरीना-लड़का शख़्स-इंसान क़ियाफ़ा-सामुद्रिक शास्त्र

Astro Lucky

(4) अव्वल तो उम्र अमूमन 25 साला ही होगी वरना $\frac{25}{34}$ साला उम्र का अर्सा हर तरह से मंदा व ग़रीबी से भरपूर होगा। ऊपर का मंदा हाल अमूमन 50 साल ($\frac{25}{75}$ साला उम्र का दरमियान) मंदा ही होगा।	सूरज नम्बर 1
(5) बुढ़ापे में मंदा हाल और उम्र का अमूमन 75 साल अरस मंदा होगा।	सनीचर नम्बर 10
(6) बुढ़ापे में मंदा हाल और उम्र का अरसा अमूमन 90 साल मंदा होगा।	बृहस्पत नम्बर 11
(7) नज़र कमज़ोर और सनीचर का ज़ाती असर मंदा होगा।	बुध नम्बर 6
(8) सनीचर की उम्र (9-18-36) में माता की उम्र तक शक्की होगी।	नम्बर 9-10-12 में पापी
(9) सब ग्रहों का मंदा असर होगा मगर वह (राशि फल के) क़ाबिल उपाओ लेंगे।	नम्बर 1 में चंद्र के दुश्मन ग्रह बुध शुक्कर और राहु केतु नम्बर 1-2-7-11 मंदे।
(10) अब बेशक़ बृहस्पत और चंद्र दोनों बाहमी मदद पर हैं मगर फिर भी बकरी दूध देगी मेंगने डालकर यानी कारोबार में बरकत होगी तो सही मगर झगड़े रगड़े के बाद। उपाओ सब्ज़ रंग (बुध) कपड़ा(चंद्र) लड़कियों (बुध $\frac{40}{43}$ को दिन-तक लगातार देते जाना बुध की ज़हर को धोएगा।	बुध नम्बर 3 बृहस्पत नम्बर 9

अव्वल-प्रथम अमूमन-आमतौर से दरमियान-बीच में बाहमी-आपसी सब्ज़-हरा (रंग)

Astro Lucky

चंद्र ख़ाना नम्बर-3

चोरी व मौत का रक्षक उम्र का मालिक फ़रिश्ता जिससे मौत भी डरे।

भरा माया होगा-जहाज़ों का बेड़ा
पीवे दूध ख़ुद-बहन भाई जो तेरा

बुरा चंद्र[1] न फल कभी देवे
होगा शुक्कर भी उत्तम टेवे
माता चंद्र फल-पिता[2] का शिवजी
उलट हालत जब तख़्त[3] पे आती
पहले सूरज हो-शनि 11
भला गुरु हो 9 जब बैठा
ख़याल अक़्ल-धन दौलत लम्बा
माक़ूल जवाब-शरारत देगा
आठ मंदा[5] या आठ पर दुखिया
चोरी कोई न बेशक करता

ख़ाली पड़ा 9-11 जो
न ही मंगल बद होता हो
नेक जभी बुध होता हो
भला चंद्र-बुध उम्दा हो
बुध पाया घर 5 का हो
राज योग सब होता हो
दिल से छोटा पर नेक ही हो
हुआ चंद्र ख़्वाह[4] नष्टी हो
वक़्त निशानी मंदी हो
माया दौलत धन हानि हो।

[1] -उम्र के हर तीसरे दिन-माह-साल [2] -दोनों में से एक ही ज़िन्दा या दो का काम देगा।

[3] -3-15-27-39-51-63-75-87-99-111 साला उम्र [4] -साथ या मंदा असर होवे।

बुध (लड़की या बहन का जनम) वास्ते कमी दौलत-चंद्र की अश्या का दान-केतु (लड़का का जनम दोहते का साथ) कमी मेम्बरान पर सूरज की अश्या का दान-राहु (ससुराल ताल्लुक़) नागहानी शरारत कन्या दान-शुक्कर (औरत-शादी-गाय-आमद) चोरी धन-मस्नूई सूरज की अश्या गुड़ रंग [5] -ख़ाना नम्बर 8 के मंदे ग्रह की उम्र या ख़ुद अपनी 8 साला उम्र में मंदे ग्रह की मुतअल्लिक़ा अश्या से मंदी निशानी होगी।

तख़्त-सिहांसन नागहानी-आक स्मिक, इत्तिफ़ाक़ी माक़ूल-उचित योग्य मस्नूई सूरज-बनावटी सूर्य ग्रह
मेम्बरान-सदस्य फ़रिश्ता-देवता, सरल सुभाओ का व्यक्ति आमद-आये

Astro Lucky

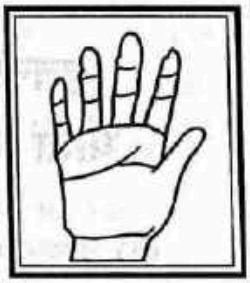

हस्त रेखा

मंगल नेक से शाख़ चंद्र को या चंद्र

रेखा मंगल नेक के बुर्ज पर ख़तम होवे।

खुद दस्ती तहरीर या ख़ाना नम्बर 8 की हालत चंद्र की नेक व बद की तासीर बता देगी।

बड़ा व मोटा हरुफ़-फ़राख़ दिल।

साफ़ सादा पढ़ा जाने वाला-मज़बूत व सख़्त दिल वाला। ख़ाना नम्बर 8 की हालत।

लम्बी लम्बी लकीरें व चध मध-बग़ैर सोचे जल्दी करने वाला खुद दस्ती तहरीर का ढंग।

सीधा-साफ़-क़ुदरती अक़्ल वाला।

बारीक़ व बराए नाम-अमली लियाक़त वाला।

गोल व बराबर हरुफ़-उम्दा फ़ैसला करने वाला

हरुफ़ बुझा हुआ-शर्मनाक डरपोक।

ख़ूबसूरत व फूलदार सजावटी-लाफ़ज़न-गप्पी

नेक हालत

(1) चंद्र का सरोवर अब शान्ति का दाता और जगत माया का पूर्ण उनका वियोगी होगा साधु हो तो निधि सिद्धि की साधना का मालिक। गृहस्ती तो धन-दौलत का भण्डारी। हर दो हालत में वह दौलतमंद ज़रूर होगा या मर्दों की बरकत-आयु की वृद्धि-स्त्रियों की सेवा-इज़्ज़त बल्कि पूजना होगी और त्रिकाल (तीनों ज़माने) उन्नति ही उन्नति होगी। मर्द व औरत की बाहमी सेवा उत्तम हालत असर देती होगी।

नम्बर 3 का शुक्कर अगर कुल (ख़ानदान) को तारने वाली लक्ष्मी तो चंद्र नम्बर 3 साधना या निधि सिद्धि का दाता और मालिक होगा। जनम के ग़रीब या यतीम को चंद्र नम्बर 3 की हालत में क़ुदरत की तरफ़ से बड़े लम्बे हाथों से मदद मिलेगी और मज़लूम को फौरन आराम के सामान मिल जावेंगे।

फ़राख़ दिल-दिल खोलकर खाने खिलाने वाल लाफ़ज़न-गप्पी, बकवादी मज़लूम-जिस पर अत्याचार हुआ हो

AstroLucky

इतना तो फल ज़रूरी कर देगा तीजे चंद्र मौतों से बच रहेगा सब माल व जान मन्दिर

(2) दुनियावी-गन्दी मोहब्बत से नफ़रत करने वाला हो या शिवजी की तरह मौत पर भी क़ाबू पा लेने की तरह बुलन्द हिम्मत का मालिक होगा। न कभी रिज़्क़ की कमी और न ही कभी चोरी होगी। मैदाने जंग में हमेशा फ़तहयाब होगा। माता भी अब पिता और चंद्र खुद बृहस्पत नम्बर 3 का काम देंगी (या अमूमन दोनों में से सिर्फ़ एक ही ज़िन्दा या कारआमद होगा बुध की उम्र में) बल्कि ख़ानदान में ही मौतें बहुत कम होंगी या मंदी बे मौक़ा या पेशअज़ आम वक़्त मौतें न होंगी। चंद्र अब चोरी व मौत का रक्षक होगा। जब तक पाप (राहु केतु) मंदा न हो बुध की पूजना मुबारक होगी। वरना नमक हराम दलाल या घर की बदनस्ल लौंडिया नौकर) दूध की क़ीमत में दूध देने वाला मवेशी भी साथ ही बिकवा देंगे। यानी चंद्र का फल बहुत ही मंदा होगा।

} जब बुध उम्दा हो या चंद्र क़ायम

(3) उम्र के हर तीसरे दिन/माह/साल कभी बुरा असर न देगा-शुक्कर उम्दा और मंगल कभी मंगल बद न होगा ख़्वाह कहीं भी और कैसा ही बैठा हो अगर किसी वजह से मर्दों की कमी हो जावे तो औरतों की कमी या औरतें दुखिया हालत में न होंगी।

} जब नम्बर 9-11 ख़ाली

(4) चंद्र और बुध दोनों ही उम्दा हो जाएंगे। बाक़ी 3 बचने वाले मकान की क़िस्मत 3-15-27-39-51-63-75-87 99-111 साला उम्र स्त्रियों की इस घर में पूजा और पालना होंगी और वह उन्नति का कारण होंगी और चंद्र नम्बर 3 का ख़ानदान पर उम्दा उत्तम असर होगा।

} बुध मंदा हो और चंद्र नम्बर 1 में आ जावे या बुध नम्बर 11 हो।

अमूमन-आमतौर में रिज़्क़-रोजी कारआमद-असरदार ख़्वाह-चाह बेमौक़ा-अवसर के विरुद्ध
फ़तहयाब-जिसने विजय प्राप्त की हो, विजेता पेशअज़-सामने से

Astro Lucky

(5) राजयोग होगा वाल्दैनी सुख सागर नेक व उम्दा और लम्बा अर्सा व उत्तम फल देगा खुद शान्ति व दौलत का चश्मा चलता होगा।	सूरज नम्बर 1 सनीचर नम्बर 11 बुध नम्बर 5-बृहस्पत नम्बर 9 और नम्बर 4 भला हो क़ियाफ़ा: पितृ रेखा
(6) दूध और मिट्टी हर दो के मुतअल्लिक़ा काम भले। मवेशियों के पालने और मवेशियों से फ़ायदा होगा।	राहु-केतु उम्दा क़ियाफ़ा:-मुतफ़रिक़ हाथ यानि अंगूठा छोटा और उंगलियां तराशी हुई।
(7) दिमाग़ी ख़ाना नम्बर 27 ग़ौरो ख़ौज की ताक़त का मालिक दिली ख़याल धन दौलत लम्बे पैमाने का बेशक खुद दिल छोटा हो मगर अक्ल लम्बी नेक नीयत व नेक बातन होगा और शरारत का माक़ूल जवाब देने की हिम्मत का मालिक होगा ख़्वाह चंद्र नष्ट ही क्यों न हो चुका हो।	मंगल नम्बर 4
(8) उम्र 80 साल कम अज़ कम होगी	बुध नम्बर 11

मंदी हालत

(1) ख़ाना नम्बर 8 के मंदे ग्रह की उम्र या खुद अपनी उम्र 8 साला में मंद ग्रह की अश्या से मंदी निशानी होगी अब चोरी तो बेशक न होगी मगर धन हानि ज़रूर होगी।

(2) अव्वल तो मंगल बद होगा ही नहीं लेकिन सनीचर की मिलावट या खुद साख़्ता अश्या या हालत कि वजह या मंगल नष्ट करने से लड़की का पैसा (लड़की बेचनी) और बकरी का दूध छाती में ज़हर का असर देंगे। चोर की चोरी से डरते हुए घर में ताला लगाकर रखने की बजाए आए मेहमान और मुसाफ़िर को अगर दूध नहीं तो पानी से ख़ाली न जाने देवें वरना

वाल्दैनी-माता-पिता मुतअल्लिक़ा-सम्बन्धित मवेशियों-जानवरों ग़ैरो-ख़ौज़-सोच-विचार, बहुत अधिक चिंतन
माक़ूल-उचित योग्य अव्वल-वैसे तो साख़्त-अपने आप बना हुआ अश्या -वस्तुएं, चीजे

Astro Lucky

उम्र की किश्ती के दरिया का पानी जले और उजड़े सहरा और वीराने जंगल की वसीह रेत में जलता होगा। लड़की की पैदाइश / बुध के साथ पर चंद्र की चीज़ों का दान मुबारक होगा। बुध की पूजना अमूमन उम्दा वरना नमक हराम दलाल की तरह दूध की क़ीमत में दूध देने वाला जानवर भी साथ ही बिकवा देगा	वास्ते धन दौलत की बरकत
राहु / ससुराल के साथ या ताल्लुक़ पर-कन्यादान (बरवक़्त शादी एक रस्म है) मुबारक होगा	वास्ते नागहानी बलाए बद से बचाओ के लिए
लड़के के जनम पर / केतु के साथ या ताल्लुक़ पर सूरज की मुतअल्लिक़ा अश्या का दान मुबारक	वास्ते बरकत तादाद मेम्बरान ख़ानदान और हवाए बद से बचाओ के लिए।
शादी या गाय आने पर / शुक्कर के साथ मस्नूई सूरज की मुतअल्लिक़ा अश्या का दान मुबारक यानी वह अश्या जो सूरज के रंग की तो हो मगर चमकदार न हो	वास्ते बचाओ ज़र चोरी व मौत- ज़हमत
माता और भाई के लिए चंद्र और मंगल की मुतअल्लिक़ा अश्या का बुरा असर होगा जुदाई या रंजिश वग़ैरह हुवे मगर फिर भी अपने लिए मुबारक और बुरा नतीजा न होगा। खुद मंगल का वही मंदा फल जो चंद्र नम्बर 11 का हो सकता है (मुफ़स्सिल चंद्र नम्बर 11) यानी चंद्र अब नम्बर 3 में होता हुआ वही फल देगा जो चंद्र 11 में है या जो चंद्र केतु का हो सकता है।	मंगल बुध या मंगल 10 हो केतु नम्बर 11

बरवक़्त-ठीक समय पर नागहानी-आकस्मिक अश्या-वस्तुएं, चीजे ज़र-दौलत-संपत्ति अमूमन-आमतौर से
मुतअल्लिक़ा-सम्बन्धित मस्नूई-बनावटी

Astro Lucky

चंद्र ख़ाना नम्बर-4

ख़र्चने पर और बढ़ने वाला आमदन का दरिया

शक्र सुख में क्यों तू-न दौलत का करता
क़दर दुखिया जाने-हो आहें जो भरता

आंख मैली ही तू क्यों करता — रिज़क़ मालिक जब देता हो
दूध बेचे ज़र[1] चश्मा जलता — मुफ़्त दिए ज़र बनता हो
मंद पापी न शुक्कर होगा — न ही बुरा 8 दूजा हो
आयु मंदी न पिछली अवस्था[2] — बन्द[3] मुट्ठी ग्रह उम्दा हो
माता पिता[4] कुल घर के तारे — शगुन भला दूध होता हो
केतु[5] गुरु जब मन्दिर देखे — ज़हर टेवा सब धोता हो
साथ चंद्र से 4 का टोला — बढ़ती माया कुल चौगुनी हो
तीन कमेटी तीनों मंदा — पापी मंदा 9 स्त्री जो
पांच रवि-गुरु 2 घर बैठा — राज समन्दर मोती हो
बुध-कभी 10 मंगल आया — मिस्ल राजा ख़ुद योगी हो।

[1] -ज़र व दौलत के चश्मा (माल व दौलत की कमी बेशी वग़ैरह) के लिए माया दौलत के हाल में देखें। अब उम्र के ताल्लुक़ में राहु-केतु का ताल्लुक़ (मंदा असर) न होगा-ख़्वाह वह ख़ाना नम्बर 1-6-8-12 में कहीं ही हों-बशर्ते कि जनम शुक्ला पक्ष का हो अगर जनम शुक्ला पक्ष का न हो तो राहु-केतु का ताल्लुक़ (मंदा असर) साथ होगा।

[2] -जब अकेला चंद्र नम्बर 4 हो तो फ़ैसला आंख की हालत पर होगा [3] -नम्बर 1-7-4-10

[4] -जद्दी कारोबार मुबारक फल का होगा। [5] -बृहस्पत केतु नम्बर 2 या बाबा देवता या दोहता कुत्ता मन्दिर या पितृ यग में इकट्ठे।

रिज़क़-जीविका, रोटी ज़र-दौलत, संपत्ति टेवा-जन्मपत्री समन्दर-समुंद्र ताल्लुक़-संबंध ख़्वाह-चाहे

Astro Lucky

हस्त रेखा

धन रेखा जब चंद्र से

शुरू हो-या सिर रेखा के नीचे △ हो

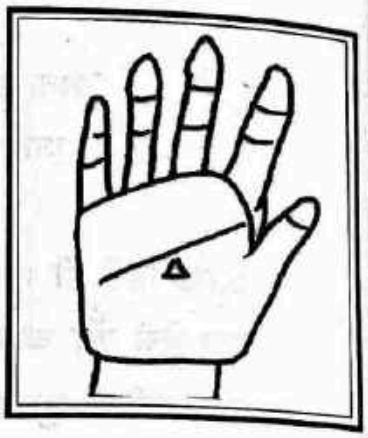

नेक हालत

चंद्र की असलियत का फ़ैसला अब इंसानी आंख पर होगा या ख़ाना नम्बर 8-10-11 सनीचर की हालत पर होगा। उम्र $\frac{85}{96}$ साल।

ख़र्चने पर और भी बढ़ने वाला माया का दरिया या जिस क़दर ख़र्च ज़्यादा होवे माया दौलत उसी क़दर और भी बढ़ेगी। माता (ख़्वाह असली ख़्वाह सौतेली) व माता ख़ानदान नेक फल देगा। चंद्र की अश्या रिश्तेदार या कारोबार मुतअल्लिक़ा चंद्र (बज़ाज़ी) में माता के साथ से नफ़ा व मदद होगी। } जब अकेला चंद्र नम्बर 4 में हो

दिमाग़ी ख़ाना नम्बर 28 शुक्कर से मुश्तरका-पुरानी याद्दाश्त की ताक़त-सवारी का सुख और ख़ानदानी हर रिश्ता की वही हालत होगी जैसा कि उस रिश्ता का मुतअल्लिक़ा ग्रह टेवे में हो। मसलन मंगल अच्छा तो उसका बड़ा भाई-ताया-मामूं सभी अच्छी हालत के होंगे

चंद्र की अश्या ज़र व दौलत रहेगी। 12 साल औलाद पैदा होने का वक़्त होगा। माता-पिता (वाल्दैन) और अपने घर क़बीला वाले सबको तार देगा।

चंद्र अब मानिंद दूध होगा। यानी जब या जिस किसी का चंद्र नम्बर 4 में होवे तो उसे शुभ काम शुरू करते वक़्त दूध का भरा हुआ बर्तन बतौर कुंभ-रख लेना निहायत मुबारक होगा।

मुतअल्लिक़ा-सम्बन्धित मानिंद-समान तुल्य नफ़ा-लाभ मुश्तरका-मिल जुले ज़र-संपत्ति
निहायत-अत्याधिक मुबारक-शुभ

Astro Lucky

अब पापी और दुश्मन (शुक्कर-बुध) ग्रहों का मंदा असर न होगा बल्कि राहु केतु जो पाप गिने जाते हैं वह अब माता के दूध की क़सम खाकर पाप और बुरा नहीं करेंगे। मंगल बद और मंदे सनीचर में अब ज़हर न रहेगी आख़ीरन सब पापी ग्रह अगर भला नहीं तो कम अज़ कम ज़ुल्म और पाप तो नहीं करेंगे और न ही नम्बर 2-8 कभी बुरे होंगे बल्कि ख़ाना नम्बर 1-7-4-10 के ग्रह उम्दा हालत के होंगे न ही उम्र की कमी और न ही पिछली अवस्था (बुढ़ापा) कभी मंदी हालत देगा जनम शुक्ला पक्ष (शुरू चंद्र) का हो तो बुढ़ापा उम्दा वरना बचपन उम्दा और चंद्र के साथ या पापी ग्रहों की ज़हर मिला हुआ असर शामिल होगा

जद्दी कारोबार उत्तम फल देंगे-पुरानी अमानत लेने वाला वापिस ही न आएगा।	जब बृहस्पत नम्बर 6 हो
माया दौलत 4 गुना उम्दा होगी नर ग्रह बतौर बेटे-बुध शुक्कर बतौर बहू-बेटी चंद्र को मदद देंगे।	चंद्र के साथ कोई और 3 ग्रह यानी कुल मिलकर नम्बर 4 में 4 का टोला हों।
भला लोग-उम्दा ख़ानदानी ख़ून का सबूत होगा	सनीचर नम्बर 9-11
पूरा इक़बाल मंद और औलाद नरीना के जनम दिन से इक़बाल मंद होगा राजदरबार के मुतअल्लिक़ा समन्दरी सफ़रों से मोती होंगे मसलन राजा योगी होगा-इतना सुखी होगा कि उसे दुख की हालत मालूम ही न होगी और कभी शुक्रिया तक भी न करेगा हर दो ग्रह (शुक्कर व मंगल) का फल उत्तम राजदरबार से दौलत और लम्बी। समन्दरों से बेशुमार मुनाफ़ा होगा। कामदेव से दूर होगा।	सूरज बृहस्पत नम्बर 5 बृहस्पत नम्बर 2-9 सूरज नम्बर 5 शुक्कर या मंगल या बुध नम्बर 10 अकेला चंद्र नम्बर 4 अकेला शुक्कर नम्बर 7

मंदी हालत

(1) अगर किसी को दूध देने का दिल नहीं या किसी चीज़ की कमी ही है तो कम अज़ कम आंख तो मैली न करो।

इक़बाल मंद-प्रतापी, तेजस्वी नरीना-लड़का मुनाफ़ा-लाभ, फायदा कम अज़ कम-कम से कम
सनीचर-शनि ग्रह शुक्कर-शुक्र ग्रह

Astro Lucky

(2) दूध बेचने या जलाने के पेशा से दौलत का चश्मा जलता होगा-जिसकी मरम्मत वग़ैरह के लिए पानी के एवज़ में मुफ़्त दूध देना दुनियावी सुख सागर की बुनियाद होगी।

(3) सिर फट जावे-राहु का मंदा असर बुध (बुध की अश्या कारोबार या रिश्तादार मुतअल्लिक़ा बुध) पर होगा } राहु नम्बर 10

(4) हर एक ग्रह का मंदा असर होगा-नम्बर 4-9 के तमाम ग्रह या पापियों का ज़हर के वाक़िआत मंदे } चंद्र के साथ दो कोई और ग्रह या कुल 3 का टोला

मंगल बद (पेट नाभि) बुरा हो तो मुमकिन सनीचर (आंख ज़हर भरी) ज़हरीला सांप हो तो मुमकिन सनीचर का हैडक्वाटर नम्बर 8 मौत पापियों के झमेले की जगह हो तो मुमकिन मगर नम्बर 4 पाप (राहु केतु) के बुरे करने का मैदान न होगा ख़्वाह वह नम्बर 2-6-8 12 में कहीं भी हों। सुख की ज़्यादती की वजह से जब वह न शुक्रगुज़ार होगा तो इतना दुखिया हो जाएगा कि हर दम आहें भरता होगा। } या पापी मंदे या नम्बर 9 में शुक्कर/सनीचर हो।

(5) खुद रोटी देकर ज़हर के इल्ज़ाम से सजा पावे। } बृहस्पत नम्बर 10

बृहस्पत केतु नम्बर 2 होवे या जब बाबा पोता या दोहता कुत्ता इकट्ठे धरम अस्थान में जावें-या कोई यज्ञ करें तो

वाक़िआत-घटना, हादिसा मुमकिन-जरूरी संभव इल्ज़ाम-दोष धरम अस्थान-धर्म स्थान
बृहस्पत-बृहस्पति ग्रह

Astro Lucky

चंद्र ख़ाना नम्बर-5

बच्चों के दूध की माता व रूहानी नहर

सलाह नेक की जो-बुरा करते लेता
भला उससे बढ़कर नहीं कोई होता

मर्द हीरा दुनिया काटे,
लेख राजा आयु लम्बे[1]
दरिया को सीधे चलते
पर कब रुकेगा दरिया
शत्रु मंदे 3 दूजे बैठे
बुध तीजे गुरु 9-2 मारे
असर भले ख़्वाह 3-8 मंदा
नष्ट लालच ख़ुदग़र्ज़ी होता

झुकना ख़ुद आता नहीं
बोल[2] पर मीठा नहीं
आसान राह न होगा
पानी भरा जो होगा
मित्र मंदे 9-11 जो
जलता मगर 10-12 हो
बुध मोती 7-11 हो
चिड़ियों से बाज़ लड़ाता हो

हस्त रेखा

दिल रेखा सूरज के बुर्ज की जड़ तक ही ख़तम होवे चंद्र के बुर्ज से शाख़ सेहत रेखा में मिले।

[1] मंदा बोल ही आने वाली मुसीबत का पेशख़ैमा और पहली निशानी होगा और बुध की मंदी अश्या की आमद सबूत होगा।

[2] सूरज नम्बर 10 उम्र 12 दिन
सूरज नम्बर 11-उम्र 12 साल।

दूजे-दूसरे तीजे-तीसरे ख़्वाह-चाहे अश्या-वस्तुएं, चीजे पेशख़ैमा-होने वाले काम की तैयारी
आमद-आना, आगमन

Astro Lucky

नेक हालत

(1) बच्चों के दूध की माता व रूहानी नहर। जिस तरह निकलता और बहता हुआ पानी हमेशा उम्दा रहता है, उसी तरह ही बच्चों की परवरिश और धरम की तबीयत पर दौलत की बरकत की हालत होगी।

रास्ती तेरा पल्ला हमेशा भारी है।
अदल व इन्साफ़ की है तू मीज़ान

(2) दिमाग़ी ख़ाना नम्बर 29-क़द व क़ामत व तनासुब की लियाक़त-मर्दों में हीरे की तरह का उत्तम आदमी होगा। मगर इसको किसी के आगे झुकना नहीं आता। कट जावे तो बेशक कट जावे मगर झुकेगा कौन राजा की क़िस्मत और उम्र लम्बी का मालिक होगा।

(3) राहु अब टेवे में ठण्डा होगा। उम्र 100 साल या पूरी लम्बी होगी। चिड़ियों (केतु नम्बर 6 अपनी मामूली औलाद) से बाज़ (बुध-बहादुर दुश्मन) को मरवाने की हिम्मत का मालिक होगा। अदल व इन्साफ़ के तराज़ू का मालिक-रहमदिल इंसान लड़ाई झगड़े में जिसकी तरफ़ हो जावे वही तरफ़ फ़तहयाब और उसी का पल्ला भारी होगा। ब्योपार अमूमन मंदा होगा। मगर राजदरबार (धन-दौलत की आमदन का ज़रिया) में इज़्ज़त होगी। जंगल व पहाड़ को भी आबाद करने वाला धर्मात्मा होगा।

(4) रफ़ाए आम के उसूल की पालना करने से उसकी औलाद के गांव आबाद होंगे

(5) नेक नतीजे देंगे। } दोस्त ग्रह नम्बर 2-3 (सूरज बुध) दुश्मन ग्रह (पापी या बुध शुक्कर) 9-11 में हो।

(6) चंद्र अब मोती की क़ीमत और उत्तम फल देगा। नम्बर 3-8 मंदा होते हुए भी } बुध नम्बर 7-11 चंद्र का असर उम्दा ही होगा।

⚖ -तकड़ी (तराज़ू)

अदल-तर्कयुक्त, युक्तिसंगत मीज़ान-संख्याओं का जोड़ कामत-लम्बा शरीर तनासुब-परस्पर संबंध लियाक़त-योग्यता
फ़तहयाब-कामयाबी विजय ब्योपार-व्यापार अमूमन-आमतौर से रफ़ा ए आम-लोक कल्याण

Astro Lucky

(7) नर औलाद 5 से कम न होगी ख़्वाह पापी ग्रहों का साथ हो। औलाद पर कभी मंदा असर न होगा } केतु उम्दा हो।

अब चंद्र नम्बर 5 सोया हुआ लेंगे इसलिए चंद्र के मुतअल्लिक़ा कारोबार के वक़्त मंगल की मदद लेकर जाना यानी खाने पीने का सामान साथ लेकर और खुद भी घर से चलने से खुद अच्छे और मीठे भोजन खा-पीकर जाना मददगार होगा। } नम्बर 9 ख़ाली

मंदी हालत

(1) नम्बर 10-12 में नेक ग्रह होते हुए भी चंद्र का मंदा ही असर होगा। नम्बर 10 के ग्रह से चंद्र बरबाद या समन्दर का पानी तक जल जावे मगर नम्बर 10 खुद बरबाद न होगा और नम्बर 12 का ग्रह खुद बरबाद हो जावे मगर चंद्र बरबाद न होगा।

(2) आम दुनियादार तो अपनी क़िस्मत के मंदे लेख से मारे जावें मगर ऐसा शख़्स तो जब कभी बरबाद होगा, खुद अपनी ज़बान मंदी करने की वजह से बरबाद होगा। अक़्ल में ख़्वाह वह लाखों से ऊपर के दर्जा का प्रानी हो। } बुध की अश्या रिश्तेदार ख़ासकर बहन-भुआ-लड़की साली सबके सब मंदे बरबाद या बरबादी का बहाना या कारोबार मुतअल्लिक़ा बुध नीचे

(3) चूंकि उसका दिल होता नहीं, और जुबान मंदी या ढिंढोरा पीटने की आदी होती है इसलिए कोई भेद नहीं छुपा सकता। इसलिए अपना भेदी ही उसे तबाह करे। लालच और खुदग़र्ज़ी नष्ट होने की बुनियाद होगी। ऐसे शख़्स को किसी का बुरा करते वक़्त दूसरे आदमी-सूरज या दीवार से पूछ लेना (कि बुरा ही कर दिया जावे या न) की सलाह ले लेना मददगार होगा।

(4) शतरंज के घोड़े (चंद्र को घोड़ा भी माना है) की तरह $2\frac{1}{2}$ घर की टेढ़ी चाल चलेगा जिसके मुताबिक़ उसका बुरा असर ख़ाना नम्बर 3-8-10-12 पर भी होगा } जब चंद्र मंदा हो।

ख़्वाह-चाहे मुताबिक़-अनुसार मुतअल्लिक़ा-संबंधित समन्दर-समुंद्र शख़्स-इंसान

Astro Lucky

(5) बिजली की ताक़त के मालिक। मौत के यमों की तरह मंदे नतीजे होंगे } नम्बर 2-3 में दुश्मन ग्रह (पापी-शुक्कर-बुध) नम्बर 9-11 में दोस्त ग्रह (सूरज बुध)

(6) उम्र-12 दिन होगी। } सूरज नम्बर 10 } जब नर ग्रह हो
(7) उम्र-12 साल होगी। } सूरज नम्बर 11 } साथी या मदद पर न

(8) बुध के काम या अश्या व कारोबार और जिस्म के हिस्से मुतअल्लिक़ा बुध (ज़बान बोलना वग़ैरह) मंदे होंगे और आने वाली मुसीबत की निशानी और उसकी बुनियाद भी बुध की अश्या की आमद ही होगी। जंगल (बुध) पहाड़ (सनीचर) का कामयाब मुसाफ़िर (नफ़ा) न होगा।

चंद्र ख़ाना नम्बर-6

धोका की माता व खारा (कड़वा) पानी

एवज़ तुझ को दुनिया है तेरा ही देती
नहीं पहले की गर-तू कर देख नेकी

आठ दूजे बुध मंगल 12	मंद हुई न दौलत[1] हो
मात-बेटा न दो कोई बैठा	पिता रोवे खुद क़िस्मत को
4-12-8-34[2] मंदे	शुक्कर-केतु-बुध[3] मंदा हो
उलट मगर दिन 6 कोई तड़पे	शिफ़ा घड़ी इक देता हो
कुआं लगे 6-12-24	मुसाफ़िर पानी या खेती जो
शमशान जाए कुल नहा उस अपनी	मरे माया बिन बरती हो

[1] अकेला चंद्र जवानी का ज़माना उम्दा-दुश्मन साथी बुढ़ापा उम्दा [2] ख़ाना नम्बर 4-8-12 मंदे हों तो चंद्र का फल 34 साला उम्र तक मंदा होगा। [3] शुक्कर मन्दा हो तो ससुराल ख़ानदान बरबाद (बुध मंदे से माता ख़ानदान और केतु मंदे से पिता ख़ानदान बरबाद होगा, [4] अहाता अस्पताल या मुर्दा घाट के अन्दर कुआं लगाना मुबारक होगा।

आमद-आना, आगमन धोका-धोखा दूजे-दूसरे अहाता-चारदीवारी नफ़ा-लाभ

Astro Lucky

हस्त रेखा

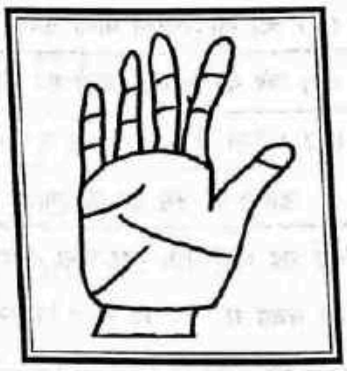

चंद्र रेखा जब सिर रेखा को अबूर करके हाथ की बड़ी मुस्ततील में ख़तम होवे।

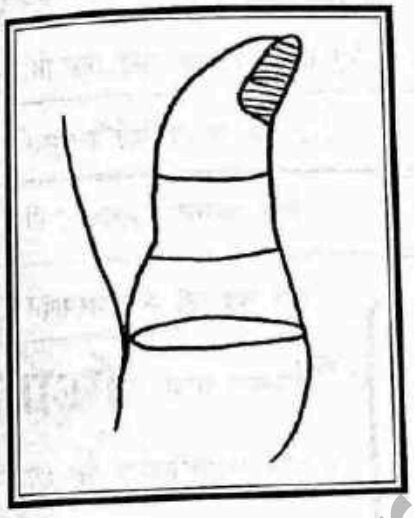

अंगूठे की दरमियानी पोरी पर जौ (कनक जो) का निशान

अगर सही सालिम हो-चंद्र के वक़्त से जायदाद का फल (चंद्र क़ायम) मद्धम होगा-लेकिन बाक़ी सब हालतों के लिए उम्दा होगा।

अगर टूटा फूटा हो / चंद्र दुश्मन ग्रहों से घिरा या मंदा } बुढ़ापा मंदा होगा।

नेक हालत

(1) जैसी करनी वैसी भरनी-नहीं कीती तो करके देख

(2) उम्र 80 साल।

(3) दिमाग़ी ख़ाना नम्बर 30-बोझ या मुसावीपन-जैसा मुंह वैसी चपेड़-अच्छे से अच्छा-बुरे से बुरा।

(4) चंद्र का फ़ैसला वास्ते इज़्ज़त मान } ख़ाना नम्बर 2 से होगा।

(5) चंद्र का फ़ैसला वास्ते चश्मा रिज़्क़ } ख़ाना नम्बर 4 से होगा।

अबूर-पार करना मुस्ततील-आयत मुसावीपन-बराबर, बराबर रिज़्क़-रोजी चपेड़-थप्पड़, चाटा

Astro Lucky

(6) चंद्र का फ़ैसला वास्ते उम्र	ख़ाना नम्बर 8 से होगा।
(7) चंद्र का फ़ैसला वास्ते रात का सुख गृहस्ती	ख़ाना नम्बर 12 से होगा।
(8) 6 दिन से तड़पते हुए मुर्दे के मुंह में पानी डालते ही उसे आराम देगा	जब नम्बर 2-4-8-12 सब के सब उम्दा हों।
अब चंद्र कोई ऐसा मंदा फल न देगा लेकिन अगर किसी और वजह से माता की सेहत निकम्मी या माया दौलत या चंद्र की दूसरी अश्या-कारोबार या रिश्तादार मुतअल्लिक़ा चंद्र कारआमद साबित न हों तो पिता (बृहस्पत) को दूध पिलाना या धरम अस्थान में चंद्र की अश्या दूध वग़ैरह देना उत्तम फल पैदा करेगा।	बृहस्पत नम्बर 2

मंदी हालत

(1) चंद्र की उम्र $\frac{24}{12}$ / 6 में धरम अर्थ कुआं या कुएं पर मुफ़्त पानी पिलाने वाले का बन्दोबस्त करना या रफ़ा ए आम या खेती में लगाया हुआ कुआं मंदा होगा, मगर हस्पताल/शमशान के अहाता के अन्दर लगाया हुआ कुआं मना नहीं होगा। ज़ाती आराम के लिए कुआं कोई मंदा न होगा। औलाद माता/पिता ख़ानदान की उम्र पर हमला होगा। उसकी चांदी (चंद्र) मिट्टी के बराबर मंदी क़ीमत देगी। धन दौलत-धरम ईमान और जिस्मानी सेहत दूध का इस्तेमाल मंदा बल्कि रात का पिया हुआ दूध तो ज़हर का काम देगा पिता ख़ानदान पर मंदा असर होगा।	जब चंद्र को केतु बरबाद करें।
(2) शुक्कर और केतु भी भले न रहेंगे। पिता ख़ानदान बरबाद, बुध माता मंदे। ख़ानदान पर बुरा असर करेगा। जो 34 साल उम्र तक मंदा होगा।	2-4-8-12 सब मंदा

कारआमद-असरदार अहाता-चारदीवारी बन्दोबस्त-इंतजाम, व्यवस्था
रफ़ा-ए-आम-लोक कल्याण जिस्मानी-शारिरिक

Astro Lucky

(3) चंद्र भाग रद्दी। तकिया मुसाफ़िर की ज़िन्दगी खुदकुशी तक की नौबत-मगर ग़रीबी वजह न होगी	जब बुध नम्बर 2-12 में हो जावे
3 (i) खुद या अपनी औरत या दोनों एक आंख से काना होंगे	सूरज नम्बर 12
(4) माता बचपन में ही गुज़र जावे अगर ज़िन्दा होवे तो एक दूसरे के लिए दोनों मुर्दे से बदतर और मंदे असर के होंगे	मंगल नम्बर $\frac{4}{8}$ और बुध नम्बर 6
(5) टेवे वाला छोटी उम्र (बचपन) में ही गुज़र जावे-अगर माता ज़िन्दा तो एक दूसरे के लिए दोनों मुर्दे से बदतर	मंगल नम्बर $\frac{6}{12}$ और बुध नम्बर 8
(6) ससुराल ख़ानदान बरबाद होवे	जब शुक्कर मंदा हो।
(7) पिता ख़ानदान बरबाद होवे	जब केतु मंदा हो।
(8) माता ख़ानदान बरबाद होवे	जब बुध मंदा हो।

उपाओ: धरम अस्थान में गाहे व गाहे चंद्र के दोस्त ग्रहों (सूरज-मंगल बृहस्पत) की मुतअल्लिक़ा कोई न कोई चीज़ देते रहना या वैसे ही धरम अस्थान में जाकर सिर झुका आना मददगार होगा। सेहत के ताल्लुक़ में दूध अगर ज़रूरी ही हो तो सिर्फ़ दिन के वक़्त इस्तेमाल करना बेहतर होगा। रात के वक़्त फटा हुआ दूध या दही का पनीर (दूध को फाड़ कर सिर्फ़ पानी बरता जावे या दही से पानी निकाल कर बाक़ी पनीर रहा हुआ बरता जावे) मुबारक फल देगा।

उपाओ-उपाय
गाहे व गाहे-कभी-कभी, यदा-कदा
धरम अस्थान-धर्म स्थान
सूरज-सूर्य ग्रह
मुतअल्लिक़ा-सम्बन्धित

Astro Lucky

चंद्र ख़ाना नम्बर-7

बच्चों की माता ख़ुद लक्ष्मी अवतार

नहीं दिन है-परिवार बढ़ते को लगते
भरेंगे ख़ज़ाना जो-अपने ही धन से

धन न बेशक पहले इतना — न ही ख़्वाह परिवार हो
ख़ुद अकेला चंद्र बैठा — लक्ष्मी अवतार हो
मोल बेचे दूध पानी — पूत माया जलता हो
दूध औरत साथ लाती — माया बेटा बढ़ता हो
पापी-शुक्कर-बुध हर कोई जलता — शादी उम्र जब चंद्र हो (24 साल)
साथ पापी-गुरू मंगल मंदा — बुध जले 8 मंदिर जो
मंद शुक्कर-घर चंद्र मंदे — बुध भला न केतु हो
मौत जद्दी घर घाट हो अपने — लेख मंदा लाख बेशक हो
बुध राजा-सरदार नशों का — ख़ाक ख़ज़ाने भरता हो
आठ ख़ाली-बुध उत्तम बैठा — पहुंच ख़ुदाई करता हो
राजा तख़्त या दुश्मन साथी — साथ पापी ख़ुद चंद्र हो
उम्र मंदी ता मंगल उसकी — माया जले बुध मंगल जो

1 सनीचर नम्बर 3 2 बृहस्पत नम्बर 7 3 शुक्कर बैठा होने के घर का फल।
4 बवक़्त शादी औरत के घर से ख़ाविंद के घर तक चंद्र की अश्या औरत के साथ आवे। 5 शायरी-ज्योतिष का माहिर-अगर फ़क़ीरी भी तो अव्वल ऊंच दर्जे की, वरना चाल चलन शक से बरी न होगा-अक़्ल की बारीकी-दूध दिल सफ़ा होगा।

ख़्वाह-चाहे ख़ाविंद-पति अश्या-वस्तुएं, चीजें फ़क़ीरी-साधु सन्यासी
अव्वल-प्रथम या पहला शुक्कर-शुक्र ग्रह

Mohit Ashtho

हस्त रेखा

दिल रेखा जब कनिष्का की जड़ या बुध के दुर्ज
पर ही ख़तम हो जावे। चंद्र रेखा सिर रेखा से
मिलकर ख़तम हो जावे-तो उम्र ख़तम मालूम होगी
ऐसी हालत में फ़क़ीरी-रेखा-नशा बाज़ी की
रेखा-शराफ़त रेखा-सिर रेखा और दिल रेखा मिल जावें सेहत रेखा दिल रेखा को काटे

नेक हालत

सनीचर तीजे-बृहस्पत 7 वें-कितना ही कंगाल हो
ख़ुद अकेला चंद्र 7 वें-लक्ष्मी का अवतार हो

(1) गो चंद्र अब बुध का फल अमूमन ख़राब कर देगा मगर ख़ुद अपने असर में वह (ग्रह चाली बच्चों की माता-चंद्र) पूरा उत्तम और ख़ुद नेक लक्ष्मी का अवतार होगा। जब तक राहु या केतु का बुरा असर शामिल न हो-ऐसा प्रानी वक़्त पैदाइश ख़्वाह कितना ही ग़रीब हो या बेशक कोई लम्बा चौड़ा परिवार न हो फिर भी अपने जनम से मिट्टी में चांदी की तरह चमकदार होगा। जायदाद, मनक़ूला या ग़ैर (मनक़ूला, जद्दी या ख़ुद पैदा करदा) तो बेशक इतनी बारौनक़ हो या न हो मगर नक़द माया (ज़र दौलत व ज़ेवरात वग़ैरह) तो ज़रूर जमा होगी।

(2) मौत के वक़्त आख़री घड़ी अपने घरघाट (जद्दी इलाक़ा) में ही होगा।

(3) बहू बेटी और मां-धी बहन की मोहब्बत से अलाहदा और इश्क़फ़ाहिशा से दूर रहने वाला और दूध की तरह सफ़ा दिल होगा। राजदरबार में इज़्ज़त और चंद्र की मुतअल्लिक़ा अश्या (जानदार या बेजान) का सुख होगा।

(4) शायरी और इल्म ज्योतिष का माहिर भी हो सकता है-वरना चाल चलन शक से बरी न होगा-गर होगा तो तिलिस्मी भूत ही होगा। अक़्ल की बारीकी या ख़ुदाई पहुंच दर्जा कमाल

तीजे-तीसरे अमूमन-आमतौर से धी-लड़की, बेटी अलाहदा-अलग
इश्क़ फ़ाहिशा-व्यभिचारिणी, कुलटा तिलिस्मी-जादू बना हुआ,माया संबंधी

Mohan Lal Agarwal

अगर फ़कीरी भी हो तो सबसे अव्वल ऊंच दर्जा की और नेक असर होगी।

(5) दिमाग़ी ख़ाना नम्बर 31 शुक्कर से मुश्तरका रंग रूप में फ़र्क़ वग़ैरह की ताक़त या दूध से दही और दोनों की शक्ल और रंग में फ़र्क़ मालूम कर लेने का मालिक होगा। खुद टेवे वाले के लिए दुनिया का पूरा सुख और नेक औरत का आराम होगा।

(6) अन्दरूनी अक़्ल और खुदाई पहुंच दर्जा कमाल होगी। } बुध नेक और नम्बर 8 ख़ाली क़ियाफ़ा:-अन्दरूनी अक़्ल रेखा या चंद्र की बुर्ज से बुध के बुर्ज नम्बर 7 को रेखा हो

(7) धन दौलत और खुराक की देवी ख़्वाह सनीचर नम्बर 3 (धन की कमी) बृहस्पत नम्बर 7 (परिवार की कमी) क्यों न हो। } जब बुध उम्दा हो।

दुनियावी हर कारोबार और गृहस्ती हालत में हर तरफ़ शान्ति मिले } शुक्कर नेक हो क़ियाफ़ा:- चंद्र से शुक्कर के बुर्ज नम्बर 7 को रेखा शांति रेखा।

मंदी हालत

(1) बूढ़ी माता से झगड़ा टेवे वाली की मिट्टी तक उड़ा देगा।

(2) दूध-पानी मोल बेचने से औलाद और धन घटता होगा।

(3) अमूमन शादी के वक़्त (औरत घर आने के वक़्त या उससे पहले ही) से चंद्र की जानदार अश्या-घोड़ी-माता की उम्र शक्की गिनते हैं। जब शादी चंद्र की उम्र (6-12-24) में होवे तो पापी-शुक्कर और बुध तीनों का फल मंदा होगा-लेकिन अगर घर में चंद्र की अश्या-चांदी या दूध या दरिया का पानी मगर (अपने वज़न के बराबर)

मुश्तरका-मिले जुले क़ियाफ़ा-सामुद्रिक शास्त्र अव्वल-उत्तम अमूमन-आमतौर से ख़्वाह-चाहे

Astro Lucky

मौजूद हों तो चंद्र की जानदार अश्या-घोड़ी-माता-वग़ैरह तो बेशक चल बसे (जो ज़रूरी ही नहीं कि गुज़र जावे) लेकिन लक्ष्मी की बरकत और भी बढ़ती ही जावेगी।

(4) बचपन का ज़माना मंदा-मंगल मंदा होगा-बुध के मुतअल्लिक़ा कारोबार माया दौलत के ताल्लुक़ में बुरा असर ही देंगे।	गुरु नम्बर 7 या पापी का साथ-बुध नम्बर 2-8 में मंदा हो। क़ियाफ़ा:-सिर रेखा और दिल रेखा बाहम मिलकर एक ही रेखा हो, या सिर रेखा या सेहत रेखा को जा काटे या दिल रेखा सिर्फ़ बुध के बुर्ज तक ही हो-पेशा बरबाद रेखा चंद्र से बुध नम्बर 7 को रेखा और मंगल बद हो।
(5) शुक्कर बैठा होने का घर मंदा होगा मगर दौलत मंदी न होगी और न ही नसीबा मंदा होगा।	चंद्र मंदा हो।
(6) औलाद मासूमी में गुज़रती जावे।	शुक्कर मय पाप किसी भी जगह इकट्ठे हों
(7) नूंह सास या चंद्र शुक्कर का झगड़ा तमाम नशेबाज़ों का सरदार-जानदार बरबाद करे गो हथियार से मौत होगी-मगर उम्र फिर लम्बी होगी।	शुक्कर नम्बर 1-बुध नम्बर 1 सनीचर का साथ या ताल्लुक़

-शादी के दिन औरत के घर से ख़ाविंद के घर तक औरत के साथ ही अगर चंद्र की अश्या (दूध-चांदी) आवे या औरत टेवे वाले के घर में पहली दफ़ा दाख़िल होने से पहले उसके खाविंद के घर में चंद्र की अश्या (दरिया का पानी-दूध चांदी-औरत के वज़न के बराबर) पहले ही मौजूद हों-तो आल औलाद बढ़ती रहेगी वरना चंद्र शुक्कर का झगड़ा या औरत के आते ही टेवे वाले की माता या धन-दौलत बरबाद होने शुरू हो जाएंगे।

क़ियाफ़ा-चेहरे के आकार-प्रकार और उसके चिह्नों द्वारा मनुष्य के स्वभाव आदि का ज्ञान नूंह-बहु (बेटे की धर्मपत्नी) ख़ाविंद-पति दफ़ा-बार मौजूद-उपस्थिति, हाजिर

Astro Lucky

चंद्र ख़ाना नम्बर-8

मुर्दा माता-जला दूध।

बुज़ुर्गों के दिन चीज़ चंद्र जो देता
रुके न कभी सांस जब तक हो लेता

सूरज मंदा-पापी बुरे
मंगल बद भी हो
ख़्वैशो अक़ारिब-माल व दौलत
अपने और बेगाने का
ससुराल तारे दामाद तारे[1]
उलटी गंगा[2] हो के तारे
चलन धरम[3] न जब कोई उम्दा
नज़र क़बीला हर दो जलता
नाम बुज़गां दूध जो देता
महल कुएं छत जिस दम बनता
पापी शुक्कर बुध 11 बैठे
माता चौथे 8-24[6] मारे
बुध मगर जब दूजे बैठा
माता पिता दो आयु लम्बी

राहु-केतु-बुध मिले
गुरु शुक्कर नीच भी हो
चंद्र 8 वें ख़्वाह सब
हारे पर हारे न उम्र को
तारेगा मामूं को भी
उम्र के आख़ीर भी
कुआं पेशानी[4] भरता हो
सेहत दौलत ख़ुद मंदा हो
हुक्म बुरा न ग़ैबी हो
दमा-लावल्दी मिरगी हो
ख़ाली पड़ा ख़ुद मंदिर[2] हो
चीज़ भली न चंद्र हो
9 वें गुरु ख़्वाह 12 हो
असर चंद्र का उम्दा हो

[1] चंद्र की उम्र $\frac{48}{24}$ $\frac{}{12}$ साला उम्र के बाद [2] सूरज शुक्कर उम्दा [3] जब शुक्कर मंदा या औरत का ताल्लुक मंदा सनीचर मंदा-सेहत मंदी-हथियार से मौत

पाप व राहु (ससुराल) केतु (औलाद) बरबाद अचानक हमले

[4] बुध सनीचर मंदा।

[5] श्राद्ध वग़ैरह ख़ासकर जब चंद्र नम्बर 8 व बृहस्पत नम्बर 4 हो।

[6] 24-4-8 साला उम्र में माता गुज़रे।

ताल्लुक-संबंध लावल्दी-निःसंतान अकारिब-समीप वाले रिश्तेदार दूजे-दूसरे ख़्वैश-लालसा, इच्छा चाह पेशानी-माथा, ललाट ग़ैबी-देवी ताक़त

Astro Lucky

बुध मंगल न पापी उम्दा
तीन चौथे कोई दूजे मंदा
चरण बुज़ुर्गां पापी धोते
असर बुरा न राहु टेवे

जां चंद ख़ुद मंदी हो
चंद्र शुक्कर फल रद्दी हो
उम्र समन्दर लम्बा हो।
मन्दिर[7] शनि गुरु बर्षा हो।

हस्त रेखा

सिर रेखा के ऊपर △ हो-मंगल बद से चंद्र को रेखा पितृ रेखा या क़िस्मत रेखा चंद्र के बुर्ज पर △ तिकोन सी बना दें उम्र रेखा या क़िस्मत रेखा दो शाख़ी <^ हो जावें। कलाई की तरफ़ ख़ाना नम्बर 9 के क़रीब बाहम मिलकर

नेक हालत

1-अब टेवे में राहु का असर बुरा न होगा और न ही मंगल बद होगा। चंद्र की बेजान चीज़ों पर भला और उत्तम असर होगा। अब चंद्र नष्ट या मंदा न होगा } बृहस्पत सनीचर नम्बर 2

2-खुद अपनी लम्बी उम्र होगी और माता के बैठे कभी उम्र न हारेगा-या हो। पहले ख़ुद मरे और माता बाद में मरेगी जिस की उम्र कुएं के बराबर (80साल कम अज़ कम) लम्बी होगी। } जब बुध उम्दा

[7] शनि-गुरु के घर या नम्बर 2-पर शनि-गुरु का असर उम्दा हो।

समन्दर-समुंद्र बाहम-परस्पर, एक साथ, मिलकर दो शाख़ी-दो शाखा (दो डाली) क़िस्मत-भाग्य कम अज़ कम-कम से कम टेवे-जन्म पत्री

Astro Lucky

3-उलटी गंगा हो के तारे } सूरज या शुक्कर कोई उम्दा।

4-माता-पिता दोनों की उम्र लम्बी और चंद्र का असर उम्दा व उत्तम होगा} बुध नम्बर2 और बृहस्पत नम्बर 9 या 12

मंदी हालत

1- चंद्र बेशक किसी तरह भी मन्दा हो मगर टेवे वाले की ख़ानदानी नस्ल कभी बन्द न होगी या यूं कहो कि वह अमूमन लावल्द न मरेगा। दिमाग़ी ख़ाना नम्बर 32 सनीचर से मुश्तरका सफ़ाई- शाइस्तगी-ज़ाहिरा धुलापन व मानसरोवर मगर अन्दर से कपट की कान और गन्दी नाली के पानी की क़िस्मत का मालिक होगा। उसकी जद्दी जायदाद और शुक्कर के काम (औरत खेती वग़ैरह) उसके अपने किसी काम न आएंगे और सिर्फ़ गर्दिश अय्याम का बहाना ही होते होंगे। अगर इसके जद्दी मकान के नज़दीक कुआं या तालाब हो तो ज़िन्दगी और भी मंदी साबित होगी। चंद्र अपने दूसरे $\frac{\text{दौरा}}{\text{उम्र}}$ $\frac{48}{24}$ $\frac{}{12}$ के बाद बुरा असर देगा। दुनिया की नज़र में शादी मगर वह खुद दुखिया होगा। $\frac{\text{मासी-नानी}}{\text{दादी}}$ सब दुखिया। पहली निशानी मंदा चाल चलन होगी। जिससे ससुराल (राहु) औलाद (केतु) भी बरबाद होंगे। लड़कियां बेशक पैदा हों और तादाद में ज़्यादा होवें। } मंगल या बुध या पापी मंदे

मुर्दा माता-जला दूध

2-चंद्र की मियाद 4-8-12 हद 24 तक माता की उम्र मंदी होगी और चंद्र की जायदाद अश्या का फल निकम्मा होगा। } पापी -शुक्कर बुध नम्बर 11 और नम्बर 2 ख़ाली हो या पापी तख़्त के मालिक

3- वाल्दैनी ताल्लुक़-जायदाद जद्दी और औलाद मंदे } नम्बर 3-4 (में कोई 3 मंदे ग्रह) क़ियाफ़ा:-उम्र रेखा व क़िस्मत रेखा दोनों मिलकर नम्बर 9 में कलाई की तरफ़ ∧< हो जावें।

4-दूध में कड़वी रेत या ज़हरीली खाण्ड की क़िस्मत या पेशाब भरा लानत का कुआं होगा। औलाद और सेहत दोनों ही मंदे होंगे। } शुक्कर मंदा या मंदी औरत का ताल्लुक़ या बुध और शनि दोनों मंदे। क़ियाफ़ा:- सिर रेखा के ऊपर △ मुसल्लस हो

या मंगल बद के बुर्ज नम्बर 8 से चंद्र नम्बर 4 के बुर्ज में रेखा चली जावें।

अमूमन-आमतौर से
शाइस्तगी-सभ्यता, शिष्टता
मुश्तरका-मिले जुले
मुसल्लस-त्रिकोण
क़ियाफ़ा-सामुद्रिक शास्त्र
वाल्दैनी-माता पिता
ताल्लुक़-सम्बन्ध

Astro Lucky

5-नज़र और बाल बच्चे दोनों ही बरबाद। मंदा - असर-नाक छेदन उत्तम	बुध नम्बर 4-12 या सनीचर राहु नम्बर 12
राजदरबार मंदा व आम जिस्मानी नुक़्स होंगे	----------बृहस्पत व सूरज मंदे बरबाद क़ियाफ़ा:-पितृ रेखा (उम्र रेखा) या क़िस्मत रेखा चंद्र के बुर्ज पर △ बनावें।
6-34 साला उम्र तक मंदी ज़िन्दगी और दौलत जमा न होगी	ख़ाना नम्बर 1 में या साथ ही दुश्मन या पापी
7-अपनी खुद बेवक़ूफ़ी से शुक्कर या चंद्र की अश्या का मंदा असर मगर क़ुदरत मंदा असर न देगी।	नम्बर 2 मंदा या नम्बर 2 में राहु बृहस्पत बुध बृहस्पत या बुध

उपाओ औलाद के तकाज़े में शमशान के अहाता के अन्दर के कुएं का पानी अपने घर में रखना मददगार होगा अगर बुजुर्गों के नाम पर दूध की ख़ैरात (श्राद्ध वग़ैरह) न करे तो दमा-मिरगी-लावल्दी होगी या कुआं छत कर मकान बना दे ख़ासकर जब चंद्र नम्बर 8 बृहस्पत शुक्कर नम्बर 4-बुजुर्गों के चरण (पांव) छूना या पानी से धोते रहना, लम्बी उम्र की बुनियाद होगी।

8-गो घोड़ा-कुआं-दूध का साथ-चलता न होगा-मगर इन अश्या के बार-बार ज़ाया होते हुए भी दोबारा क़ायम करते रहना लम्बी उम्र के लिए भला ही होगा।

9-महसूस की ताक़त गुम हाने से मंदे वक़्त की पहली निशानी होगी।

10-बच्चों और बूढ़े बुजुर्गों की आशीर्बाद बज़रिया उनके पांव धोकर लेते रहने से हर तरफ़ बचत और बचाओ होता रहेगा।

11-खेती की पैदावार और जायदाद का फ़ायदा टेवे वाले के ससुराल ख़ानदान (औरत ख़ानदान) को मिलेगा।

12-अगर जौहरी या जवाहरिया हो तो बदबख़्ती होगी।

13-घर में चंद्र की चीज़ों का होना लम्बी उम्र की निशानी होगी।

जिस्मानी-शरीर से बेवक़ूफ़ी-मूर्खता, नादानी क़ुदरत-प्रकृति, दैवी माया अश्या-चीजे
बज़रिया-के रास्ते में मध्यम से जवाहरिया-जुआरी, जुआ खेलने वाला

Astro Lucky

चंद्र ख़ाना नम्बर-9

घड़े बराबर मोती
दुखियों का रक्षक समन्दर

असर तुख़्म सोहबत वही कृतघ्न का
फ़र्क़ दूध गाय जो होता थोहर का

मोती गुना 9 चंद्र गिनते
ग्रहण हुआ ख़्वाह दुश्मन बैठे
शत्रु पापी-बुध पांच[3] ख़्वाह तीजे
ताक़त चंद्र में मुस्तस्ना[2] तो
चौथे बैठा ग्रह नर कोई टेवे
पितृ रेखा सुख सागर लम्बे
गुरु जगत जब साथ या साथी
छोटी बेड़ी से हरदम अपनी

औलाद[1] दौलत सब बढ़ता हो
धरम पालन जग करता हो
शरण चंद्र की होता हो
माहिर रियाज़ी होता हो
दूध भरी ख़ुद क़िस्मत हो
करम धरम दया दौलत हो
बहरी हवाई बढ़ता हो
बेड़ा जंगी कर लेता हो

[1] जब चंद्र क़ायम तो 9 गुना मोती। जब नम्बर 3 में उत्तम या मददगार ग्रह (दोस्त चंद्र) धन दौलत उम्दा। जब नम्बर 5 में दोस्त तो औलाद धरम उम्दा।

[2] सबसे अलाहदा-हज़ारों में एक EXCEPTIONAL यानी जिसके बराबर कोई और दूसरा न हो।

[3] बेशक चंद्र के दुश्मन खुद चंद्र की अश्या के मुतअल्लिक़ा कारोबार में कोई बुरा असर न देंगे। लेकिन फिर भी समन्दर में रेत (बुध) मिट्टी (शुक्कर) पहाड़ी चट्टानें (सनीचर) और तूफ़ान (केतु) पैदा करते ही होंगे।

समन्दर-समुंद्र सोहबत-संगत ताक़त-शक्ति, बल रियाज़ी-गणित अलाहदा-अलग, भिन्न
मुतअल्लिक़ा-संबंधित के विषय में मुस्तस्ना-जिस पर से कोई शर्त, मुक्त

Astro Lucky

हस्त रेखा

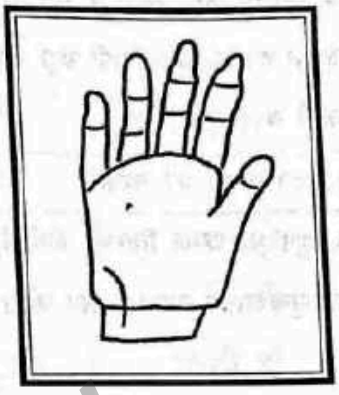

क़िस्मत रेखा चंद्र के बुर्ज से कलाई पर शुरू हो।

नेक हालत

1-शराफ़त और चंद्र की ताक़त में सब से ऊपर उत्तम हालत का मालिक और दिमाग़ी ख़ाना नम्बर 33 बुध से मुश्तरका रियाज़ी (हिसाब वग़ैरह) उसूलों का वाक़िफ़ और पूरा पूरा जानने वाला होगा। भला लोग-भले काम-नेक तबीयत करम धरम-तीर्थ यात्रा का शुभ नाम यात्रु नेक अर्थ व काम का आदमी होगा और दुखियों को आराम देने के नसीबा वाला होगा। 20 साल तीर्थ यात्रा का मौक़ा ज़रूर मिले। बेशक उसके दिल के समन्दर में कृतघ्न इंसानों की नस्ल से तमाम दुनिया को गन्दी कर देने वाला कूड़ा करकट ही क्यों न डाला जावे फिर भी दुनियावी हालत में वह खुदाई रहनुमा होगा।

2-ख़ाना औलाद (नम्बर 5) अब खुद ब खुद रोशन (बरकत देने वाला) होगा-ख़्वाह नम्बर 3 में या चंद्र के साथ ही पापी बैठे हों-(अब नम्बर 9 का चंद्र नम्बर 5 में बैठा हुआ और नम्बर 5 के ग्रह नम्बर 9 में बैठे हुए समझ कर औलाद का असर देखा जाएगा। मुख़्तसरन ऐसे आदमी के औलाद की बरकत ज़रूर होगी। उम्र अमूमन कम अज़ कम 75 साल होगी।

3-दुखियों का रक्षक-रफ़ाए आम-मिट्टी के घड़े के बराबर का 9 गुना मोती (उत्तम फल) होगा।

चंद्र जब क़ायम हो
क़ियाफ़ाः-
शराफ़त रेखा चंद्र के बुर्ज 4
से बृहस्पत के बुर्ज 9 में रेखा हो

शराफ़त-सज्जनता, कुलीनता रफ़ा ए आम-लोक कल्याण मुश्तरका-मिले जुले मुख़्तसरन-संक्षेप में
क़ियाफ़ा-सामुद्रिक शास्त्र कम अज़ कम-कम से कम, अधिक न हो इतना अवश्य

Astro Lucky

4. औलाद और धरम में सब तरफ़ बरकत बढ़ती होगी ख़्वाह दुश्मन ख़्वाह पापी ग्रहों का साथ हो धरम पालना करने वाला ज़रूर होगा।	जब नम्बर 5 में दोस्त या मददगार ग्रह हों।
5. धन दौलत की बरकत	जब नम्बर 3 में दोस्त या मददगार ग्रह
6. दूध भरी उम्दा क़िस्मत होगी पितृ रेखा (वाल्दैन) का सुख सागर लम्बा अरसा करम धरम और दया दौलत की बरकत होगी।	नम्बर 4 में कोई न कोई ग्रह बैठा हो। क़ियाफ़ा: क़िस्मत रेखा शुरू ही चंद्र के बुर्ज नम्बर 4 से हो।
7. बहरी और हवाई हर दो ताक़त की बरक़त होगी मामूली बेड़ी जनम ग़रीब घर का मालिक होता हुआ भी भारी जंगी बेड़ों (आला ज़िन्दगी व भारी परिवार) का मालिक हो जायगा। तमाम ग्रह ख़्वाह कोई भी नम्बर 3-5 में बैठे हों। चंद्र के मातहत होंगे। अब चंद्र बड़ा भारी समन्दर होगा।	बृहस्पत का साथ या ताल्लुक़
मंदी हालत	
गाय के दूध और थोहर के दूध की सफ़ेदी हर दो की मिली हुई तासीर की जांच में अक़्ल धोका देगी सोहबत (साथी ग्रह) और तुख़्म नम्बर 4 के ग्रहों का असर ज़रूर शामिल होगा।	राहु की हालत और चंद्र का ताल्लुक़
अब चंद्र के समन्दर का पानी सिर्फ़ इतना ही होगा जो एक कुत्ता (केतु) या भेड़ बकरी (बुध) पीकर ख़तम कर देवे यानी माली हालत 34 बल्कि 48 साला उम्र के बाद उम्दा होगी और उस वक़्त तक चंद्र की अश्या रिश्तेदार या कारोबार मुतअल्लिक़ा चंद्र कोई ख़ास नफ़ा न देंगे। यह मतलब नहीं कि नुक़्सान ही देंगे।	केतु नम्बर 2 और बुध नम्बर 5
शुक्कर और चंद्र की उम्रों के दरमियान माता की नज़र बरबाद	शुक्कर नम्बर 3

औलाद-संतान ख़्वाह-चाहे वाल्दैन-माता पिता क़ियाफ़ा-सामुद्रिक शास्त्र
मातहत-अधीन, गुलाम तासीर-असर प्रभाव दरमियान-मध्य में

Astro Lucky

चंद्र ख़ाना नम्बर-10

आक (मदार) का
दूध-ज़हरीला पानी

क़ब्र मुर्दों से कौन जल्दी भरेगा।
उसी ठेकेदारी को अब तू करेगा।

किश्ती तेरी मंदिर अपना
पानी दरिया पांच हो
पासबां घर तीजे बैठा
लंगर डाला 6 वें हो
चांद चमकता रात[1] हो आधी
घोड़ा सफ़र का साथी हो
वैद धन्वन्तर साथ ख़्वाह होवे
मौत[2] पानी से होती हो
आंख शरारत-हिक्मत मंदी[3]
ऊर्ध रेखा माया आती जो
ज़हर क़ातिल उस इकदम होगी
धरम नाली जब गंदी हो
ख़ाली मंदिर नर चौथे बैठे
काम जर्राही 24 जो
ख़ुश्क कुएं ज़र दौलत भरते
हुआ चंद्र ख़्वाह ज़हरी हो
जिसकी ख़बर को वह गए
बीमार मुर्दा हो गया[4]
मीठा शरबत देते देते
ज़हर कातिल हो गया[5]
चार[6] मुसाफ़िर (केतु) पांच हो साधु (गुरू)
महल-मंदिर-धुआं (राहु) जलता हो
बान (सूरज) अगन 6 चक्कर 8 वें (बुध)
तूफान क़बीले चलता हो
साल रखा 10- क़ुदरती पानी
असर चंद्र ख़ुद उम्दा हो
टेवे बैठा ग्रह 6-5 कोई
चीज़ चंद्र दिन दुखिया हो

[1] -अगर ख़ाना नम्बर -1-7-1-10 में सूरज न हो तो असर भला ही होगा। [2] -जब सूरज नम्बर 7 में हो तो मौत पानी से और दिन को होगी [3] मंगल नम्बर 7 और सूरज बैठा होने के बाद के दूसरे ही घर में सनीचर हो तो अंगहीन नहीं होगा। सनीचर नम्बर 1 तो औरतों से बरबाद होवे। सनीचर नम्बर 3 तो चोर डाकू फिर भी मंदा हाल [4] -जब नम्बर 3 मंदा या नम्बर 3 में चंद्र के दुश्मन [5] -जब नम्बर 5 मंदा या नम्बर 8 में चंद्र के दुश्मन [6] -पापी नम्बर 4 शुक्कर नम्बर 7 औलाद मरती जावे।

आक-मदार का पौधा
हिक्मत-विज्ञान, आयुर्वेद वैद्यक उपाय
इकदम-एकदम
मुसाफ़िर-यात्री, पथिक
पासबां-निरीक्षक, द्वारपाल
जर्राही-शल्य चिकित्सक

Astro Lucky

हस्त रेखा

दिल रेखा मद्धमा की जड़ सनीचर के बुर्ज तक हो।

उम्र रेखा दिल रेखा से मिल जावे

सिर रेखा-उम्र और दिल रेखा तीनों मिल जावें।

नेक हालत

1-अपनी ज़िन्दगी में ज़हर के पहाड़ों से घिरे हुए दरिया को पार करने के लिए

ख़ाना नम्बर 2 किश्ती की हालत-खुद मुसाफ़िर-दुनियावी साथियों की हालत।

ख़ाना नमबर 5 दरिया के पानी की हालत-निकास (निकलने की जगह) और बहने की हालत।

ख़ाना नम्बर 3 पासबान या मल्लाहों की हालत-जो बेड़ी के चलाने में ताल्लुक़दार होंगे।

ख़ाना नम्बर 6 लंगर बेड़ी का आख़ीर अटकने की जगह अंजाम आख़ीर की हालत।

2-दिमाग़ी ख़ाना नम्बर 34 जगह व मुक़ाम की याद का मालिक होगा।

3-खुद अपनी उम्र सांप-कौवे की तरह लम्बी 90 साल से कम न होगी।

4-पापी ग्रहों का अब नम्बर 5 पर कोई बुरा असर न होगा और न ही कोई उपाओ ज़रूरी होगा।

खुद क़िस्मत के लिए नम्बर 2 जागता होगा यानी धरम अस्थान में आना जाना क़िस्मत

को बुलंद करता रहेगा मगर औरतों की कबूतरबाज़ी से बचकर ही चलना मुबारक होगा।

5-24 साला उम्र (चन्द्र की उम्र $\frac{24}{\frac{12}{6}}$ में जर्राही (चीरने फाड़ने की डॉक्टरी) का शुरू किया हुआ काम खुश्क कुएं भी माया से भर देगा ख़्वाह चंद्र किसी तरीका से भी ज़हरीला हो चुका हो। } नम्बर 2 ख़ाली नम्बर 4 में नर ग्रह

मुसाफ़िर-यात्री पासबां-निरीक्षक, द्वारपाल ताल्लुक़दार-संबंधी, बड़ी जायदाद का मालिक आख़ीर-अंत
अंजाम-नतीजा मुक़ाम-पड़ाव, लक्ष्य उपाओ-उपाय मुबारक-शुभ जर्राही-शल्य क्रिया

Astro Lucky

6-वाल्दैनी सुख सागर उत्तम मगर औरतें (माशूक़ा या बेवगान (बतौर फ़र्ज़) बरबाद करेगी।	सनीचर नम्बर 4 या शुक्कर नम्बर 1
7-खुश्क कुएं भी खुद ब खुद पानी देने लग जावें और उजड़े घर आबाद होंगे और हर तरफ़ चंद्र के नेक असर से दूध चांदी और मोती ही मोतियों की वर्षा की तरह मुबारक ज़माना होवे।	सूरज व बृहस्पत या मंगल नम्बर 4

मंदी हालत

1. दुनिया भर के ज़हरी दरियाओं के पानी का समन्दर जो पहाड़ से निकलने की बजाए उलटा पहाड़ में गिरकर पहाड़ को भी तबाह कर रहा हो की हैसियत का चंद्र होगा। ऐसा शख़्स आंख के फ़रेब से बदनाम होगा और सनीचर की आंख की शरारत वजह होगी। पेशा हिक्मत ख़्वाह इल्मे हिक्मत बाकमाल बरबादी। बल्कि क़ब्रिस्तान को मुर्दों से भरने का बहाना होगी और पानी में घुली हुई दवाइयों का काम या रात के वक़्त मरीज़ों का इलाज मंदा असर देंगे। सनीचर (मकान) राहु (ससुराल) दोनों ही का मंदा हाल होगा। जब भाई बन्दों के ज़रिए या उनकी मारफ़त सनीचर का ताल्लुक़ हो यानी उनकी मारफ़त कोई मकान या सनीचर की ठोस पाएदार अश्या लेवे तो चंद्र की अश्या खुद अपना ही कुआं तक मौत का बहाना बने।

2. चंद्र का पानी (क़ुदरती पानी या तह ज़मीन के नीचे का पानी-कुंआ हैण्डपम्प-आबशार दरिया-नदी नाला-आसमानी बर्फ़-पानी के गोले (ओले)-दस साल तक लगातार रखा रहने या जारी रहने के 15 साल बाद चंद्र की सब ज़हर धो देगा। रात को दूध पीना ज़हर का असर देगा। घर में दूध देने वाले जानवर नहीं रह सकते या फ़ायदा न देंगे।

3. चंद्र की अश्या आने पर हर तरह के दुःख व मुसीबतें खड़ी होंगी (नम्बर 5-6 में कोई भी ग्रह बैठा हो)।

माशूक़ा-प्रेमिका, बेवगान-विधवा, हैसियत-औक़ात, शख़्स-आदमी, मारफ़त-जरिए से, द्वारा, आबशार-झरना, अश्या-वस्तुए चीजे

Astro Lucky

4. सनीचर के काम व कारोबार या अश्या मुतअल्लिक़ा सनीचर उत्तम फल देंगे। धन दौलत ऊर्ध रेखा (लोगों का गला काट काट कर या दग़ा फ़रेब-झूठ-लानत से माया की बरकत) के ढंग की होगी। पितृ रेखा वाल्दैनी असर तो ज़रूर उत्तम होगा। मगर खुद वह औरतों (ख़्वाह बेवगान जिसकी पालना की ज़ाती ज़िम्मेवारी हो ख़्वाह बाज़ारी या दीगर माशूक़ा औरतें बरबाद करें और नाजायज़ धन दौलत ख़राब करें या करवा दें।	सनीचर नम्बर 1-4
5. चोर-डाकू फिर भी मंदा ही हाल।	सनीचर नम्बर 3
6. दिन के वक़्त मौत पानी से होगी।	सूरज नम्बर 7
7. औलाद मरती जावे माता की उम्र शक्की होगी	पापी नम्बर 4 शुक्कर नम्बर 7
8. चंद्र का हाल मंदा ही होगा।	नम्बर 2-3 में पापी ग्रह
9. **जिसकी ख़बर को वह गए बीमार मुर्दा हो गया। मीठा शरबत देते देते ज़हर कातिल हो गया।** पानी में घुली हुई दवाइयां ज़हर का असर देंगी मगर खुश्क दवाइयां इस वहम से बरी होंगी।	जब नम्बर 3 मंदा या नम्बर 3 में चंद्र के दुश्मन ग्रह पापी बुध शुक्कर
जब धरम की नाली गन्दी हो चंद्र की अश्या ज़हर क़ातिल का काम देंगी।	जब नम्बर 5-8 में पापी या बुध शुक्कर
क़ियाफ़ा:-दिल रेखा सनीचर के बुर्ज नम्बर 10 में मद्धमा की जड़ तक	
ही हो तीनों ही ग्रहों का मंदा फल हर जगह सब्ज़ क़दमा (मनहूस) साबित हो	चंद्र-बुध सनीचर का बाहमी ताल्लुक़ हो जावे **क़ियाफ़ा:**- दिल रेखा-सिर रेखा तीनों ही मिलकर एक रेखा मालूम हों।

मुतअल्लिक़ा-संबंधित दीगर-दुबारा, और दूसरा अश्या-वस्तुएं, चीजें
दग़ा फ़रेब-ठगी, कपट बेवगान-बेवा (विधवा) माशूक़ा-प्रेमिका

Astro Lucky

10-तमाम क़बीला पर मुसीबतों का तूफ़ान चलता होगा।	नम्बर 4 में केतु नम्बर 5 में बृहस्पत नम्बर 2-10 में राहु-नम्बर 6 में सूरज और नम्बर 8 में बुध हो
11-अंगहीन (जिस्म का कोई न कोई अज़ू मारा हुआ) होगा	मंगल नम्बर 7 और सूरज बैठा होने के बाद के दूसरे ही घर में सनीचर हो
12-चोर-धोकेबाज़-तैरते को डुबोने वाला चोर-डाकू का ताल्लुक़ भी आम होगा।	मंगल बद
13- फेफड़े और छाती की बीमारियां होंगी।	नम्बर 2 ख़ाली हो क़ियाफ़ा:-उंगलियों के नाखून लम्बे होते हुए न के बराबर-निरपक्ष (सिफ़र मंदा)

चंद्र ख़ाना नम्बर-11

दिये दूध है पूत दुनिया में मिलता
नहीं दिल तो क्या ख़ाक दुनिया में जीता

तीन हुआ घर मंदा टेवे
नेक चंद्र बुध 5 वें होते
साथ पापी या शत्रु साथी
पोता खेले न बैठे दादी
भला गुरु ज़र दौलत बढ़ती
उम्र माता न बेशक लम्बी

पांच ज़हर ख़ुद[1] चंद्र हो
तख़्त[2] आया या मंदिर[3] हो
केतु मंदा ख़ुद होता हो
दूध पत्थर दुख धोता हो
4 रवि-बुध बैठा जो
शनि उत्तम सुख दुनिया हो

[1] (1.) बहन का जनम या बुध के मुतअल्लिक़ा कारोबार-बुधवार।
(2.) शादी ख़्वाह अपनी या अपने किसी रिश्तेदार की-शुक्रवार।
(3.) मकान बनाना या ख़रीदना या शनि के काम-सनीचरवार।
(4.) दान लेना या देना किसी भी चीज़ का-बवक़्त सुबह
(5.) गुरु उपदेश सुनना या सुनाना-बवक़्त शाम

[2] -11-23-36-48-57-72-84-94-105--119

[3] -4-17-27-47-55-69-81-95-103-115 साला

तमाम-समस्त, सब क़बीला-खानदान, समुदाय मुसीबतों-परेशानियों का मुतअल्लिक़ा-संबंधित बवक़्त-समय ताल्लुक़-संबंध

Astro Lucky

हस्त रेखा

चंद्र या दिल रेखा बृहस्पत के बुर्ज को जा निकले मगर बृहस्पत तक न हो या चंद्र के बुर्ज से रेखा हथेली पर ख़ाना नम्बर 11 में ही ख़तम हो जावे।

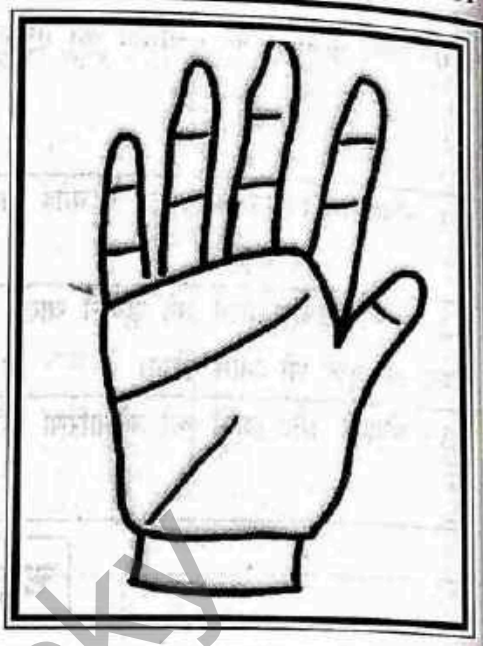

नेक हालत

1-दूध की ख़ैरात से दूध पूत (औलाद और माया) बढ़ती होगी। दिमाग़ी ख़ाना नम्बर 35 बृहस्पत से मुश्तरका वाक़िआत। गुज़रे हुए की याद दुनियावी सुख-मकान-उम्र-रिश्तादार वग़ैरह का।	सनीचर उम्दा हो क़ियाफ़ा:-दिल रेखा सनीचर व बृहस्पत के बुर्जों के दरमियानी ख़ाना नम्बर 11 में ख़तम हो
2-ज़र व दौलत उम्दा होगी।	बृहस्पत उम्दा
3-आमदन के ताल्लुक़ में शांति। माक़ूल कमाई का मालिक होगा।	ख़ाना नम्बर 4 में सूरज बुध क़ियाफ़ा:-चंद्र के बुर्ज नम्बर 4 से ख़ाना नम्बर 11 में रेखा हो
4-रिश्तेदार व उम्र बल्कि दोनों जहान का नेक असर होगा	बुध नम्बर 5
5-अब नम्बर 11 का चंद्र निहायत उत्तम फल देगा और राजदरबार से औसतन 12 साल ख़ूब दौलत आवे।	बमूजिब बर्षफल जब चंद्र नम्बर 1-2 में आ जावे।
ख़ाना नम्बर 11 का चंद्र उम्र के किस साल नम्बर 2 में आयेगा	4-17-27-47-55-69-81-95-103-115
ख़ाना नम्बर 11 का चंद्र उम्र के किस साल नम्बर 1 में आयेगा	1-23-36-48-57-72-84-94-105--119

मुश्तरका-मिला हुआ
बमूजिब-अनुसार, मुताबिक
वाक़िआत-घटना
बर्षफल-वर्षफल
माक़ूल-उचित, खालिस
क़ियाफ़ा-सामुदिक शास्त्र

Astro Lucky

मंदी हालत

1-चंद्र इस घर में सिफ़र निरपक्ष (नाममात्र) या मन्दा ही होगा। कभी तूफान ज़ोर की लहरों से भरा हुआ समन्दर और कभी ऐसा समन्दर जिस में लहरों की बजाय पानी का भी निशान न हो बल्कि ख़ाली ज़मीन-पत्थर या बाक़ी बची हुई रेत की चमक भी न हो।

2- केतु का फल अब मंदा ही होगा। दादी-पोते का झगड़ा होगा या दादी बैठे पोता न खेलेगा यानी टेवे वाले की माता की ज़िन्दगी में अव्वल तो टेवे वाले की औलाद नरीना पैदा ही न होगी या हो सकेगी अगर पैदा हो भी जावे तो जब कभी उसे दादी देखे औलाद या वह खुद बेवा या बरबाद होगी। अगर दादी पहले ही बेवा या अन्धी हो तो औलाद बेशक क़ायम होगी फिर भी लड़के की 12 साला उम्र में या सनीचर के वक़्त तक दादी पोता दोनों में से एक या दो ही ना होगें घर में हैण्डपम्प के पानी गिरने की जगह पर अमूमन चक्की का पुड़ या पत्थर होगा। इस पत्थर को टेवे वाले की माता हर रोज़ धोती रहे या अपना (माता) सिर और आखें दूध से धोया करे तो ज़हर घटती जावेगी या भैरों के मंदिर में दूध देते रहना मददगार होगा चूंकि नम्बर 11 के वक़्त केतु कमज़ोर ही हुआ करती है इसलिए महाशरत के वक़्त सोने की सलाख़ को आग में ख़ूब सुर्ख़ करके दूध में बुझा लिया करें (औलाद नरीना या ताक़त मर्दुमी नर बच्चों ता उनकी लम्बी उम्र के ताल्लुक़ में)

यह अमल 11 दफ़ा करें यानी हर दफ़ा सोना गरम कर लिया और दूध में बुझा लिया। अगर केतु निहायत ही मंदा हो चुका हो यानी ऐसे प्रानी को दर्द जोड़ या गठिया वग़ैरह हो चुका हो या किसी और वजह से दूध का इस्तेमाल ग़ैर मुआफ़िक करार दिया जा चुका हो तो यही गरम शुदा सोना पानी में बुझाकर इस्तेमाल कर लेना मुफ़ीद और कारआमद होगा फिर उस दूध का इस्तेमाल इन नुक़्सों को दूर करेगा। अगर ताक़त मर्दुमी में शक हो तो बृहस्पत या सोना यानी ऐसी दवाइयां जिनमें सोना सा सोने का कुश्ता वग़ैरह शामिल हो गई हुई ताक़त को बहाल करेगा।

मर्दुमी-काम शक्ति सिफ़र-शून्य अव्वल-पहला, खास नरीना-लड़का मुतअल्लिक़ा-संबंधित
सोने की सलाख़-सोने की सलाई मुआफ़िक-अनुकूल मुफ़ीद-उपयोगी कुश्ता-भस्म

Astro Lucky

चंद्र के साथ बृहस्पत----------
(सोना) हो तो दोनों कभी मन्दे नहीं होते और न ही दुश्मन से मार खाते हैं।

3-माता मासूमी में या चंद्र और सनीचर की मियाद दिन में मंदी सेहत तबाहहाली हालत या वफ़ात ही पाएगी। } सनीचर नम्बर 3

4-बचपन मंदा होगा और मंदरजाज़ैल पांच बातें ज़हर का असर देगी ख़ाना नम्बर 3 मंदा हो

(1) बुधवार बहन या लड़की का जनम दिन या बुध की अश्या या कारोबार मुतअल्लिक़ा बुध।

(2) शुक्रवार की शादी ख़्वाह अपनी ख़्वाह अपने ख़ून के किसी भी रिश्तेदार की।

(3) सनीचरवार के दिन मकान बनाना या गिराना या सनीचर की अश्या या कारोबार मुतअल्लिक़ा सनीचर

(4) दान लेना या देना बवक़्त सुबह सवेरे या केतु की अश्या या कारोबार मुतअल्लिक़ा केतु

(5) गुरु उपदेश बवक़्त पक्की शाम सुनना या सुनाना या बृहस्पत की अश्या या कारोबार मुतअल्लिक़ा बृहस्पत बवक़्त राहु (पक्की शाम)

उपाओ:-

बेहतर होगा कि जिस वक़्त टेवे वाले की औरत को बच्चा पैदा होने का दर्द शुरू हो उसी वक़्त से टेवे वाले की माता वहां से किसी और जगह चली जावे और बच्चा पैदा होने के 43 दिन बाद तक बच्चे को न ही आंखों से और न ही हाथों में लेकर देखे-अगर टेवे वाले की स्त्री के टेवे में भी चंद्र ख़ाना नम्बर 11 का हो तो टेवे वाले की औरत की माता को भी इसी तरह 43 दिन तक दूर रहना मुबारक होगा।

5-माता की कुआं लगने के बाद फ़ौरन मौत-औलाद की मौत-सफ़र (दरियाई समन्दरी) केतु नम्बर 3 में नुक़्सान किसी शख़्स की गुमराही से माल व ज़र का नुक़्सान होवे।

उपाओ-माता की मदद के लिए चंद्र की अश्या दूध के खोये के पेड़े या दूध जो वज़न में इतना हो कि वह एक आदमी की पूरी खुराक के बराबर हो-11 गुना करके बच्चों को तक़सीम करें यानी (11X11=121 पेड़े या इतना दूध जो 11 आदमियों के लिए काफ़ी हो) अगर कोई वहम करे तो दरिया में करा देवें।

मासूमी-भोलापन मियाद-अवधि वफ़ात-मौत मन्दरजाज़ैल-निम्नलिखित मुतअल्लिक़ा-संबंधित
बवक़्त-समय बेहतर-अच्छा तक़सीम-भाग करना (विभाजन) बांटना

Astro Lucky

चंद्र ख़ाना नम्बर-12

रात के वक़्त सैलाब तूफ़ान से बस्तियां उजाड़ने वाला दरिया

छोड़ी याद मंज़िल बुढ़ापा उजाड़ा
गया जल बिका जिसमें तेरा ही क्या था

सुल्तान बूद पिदरम[1] — इक़बाल था शाहाना
है याद करके रोता[2] — घर उजड़े हो वीराना
मैदान[3] पानी चलता — तीर्थ था जो हुआ
आबाद करके दुनिया — ख़ुद ग़र्क़ जा हुआ
लेख ज़ाती ख़ुद चंद्र अपना — पांच छठे-9 दूजे हो
बुध रवि घर तीजे बैठा — तारे गंगा कुल-घर सब को
साथ साथी या असर पापी का — नाला गन्दा बरसाती हो
दूध माया ज़र दौलत जलता — नरक चंद्र ख़ुद पानी हो
तख़्त माता जब टेवे पाती — करम धरम ज़र घटता हो
दौरा मगर जब 12 करती — उजड़ी खेती घर जलता हो
बैठे हुए मंगल का घर — केतु का घर
नीम बूढ़ी से पानी टपकता रहा — माता बूढ़ी का पोता भटकता रहा
नम्बर 4 वाला घर — बुध बैठे घर
पानी पे पानी बरसता रहा — बीकानेर बेचारा तरसता रहा

[1] -जब बुध शुक्कर या पापी नम्बर 2-12 में [2] -12-24-35-46-59-71-82 97-106-111 [3] -ख़ाना नम्बर 5-7-9 मैदान नम्बर 2 निकास का पहाड़ नम्बर 10-11 रुकावट के पहाड़ नम्बर 4 चश्मा नम्बर 9 समन्दर नम्बर 3 सहरा का पानी-नम्बर 6-पाताल का पानी-कुआं ख़ाना नम्बर 8-आबादी का मैदान ख़ाना नम्बर 7-ज़ेरकाश्त [4] -नम्बर 2 के ग्रह के मुताबिक़ इज़्ज़त-मान व दौलत
नम्बर 5 के ग्रह के मुताबिक़ आइन्दा औलाद व दहाना दरिया
नम्बर 6 के ग्रह के मुताबिक़ दुनियावी ताल्लुक़ उम्र रिहाइश गुज़रगाह-दरिया
नम्बर 9 के ग्रह के मुताबिक़ माज़ी करम धरम बुज़ुर्ग मुम्बा दरिया
[5] -4-17-28-48-55-68-80-90-101-116

शाहाना-राजसी इक़बाल-प्रताप, सौभाग्य ज़ेरकाश्त-खेती की भूमि मुताबिक़-अनुसार, समान
माज़ी-भूतकाल दहाना-समुंद्र में नदी के सामने का स्थान गुज़रगाह-पथ, मार्ग

AstroLucky

हस्त रेखा

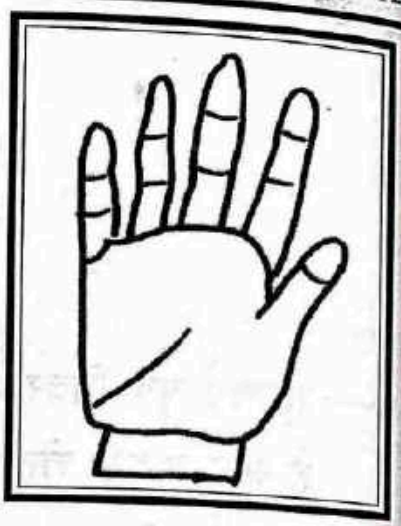

चंद्र रेखा हथेली पर ख़ाना नम्बर 12
बुर्ज में ख़तम हो जावे

नेक हालत

नीम[1] बूढ़ी से पानी टपकता रहा
पानी[2] पे पानी बरसता रहा
माता बूढ़ी का पोता[3] भटकता रहा
बीकानेर[4] बेचारा तरसता रहा

ख़ाना नम्बर	मंगल[1] बैठा होने वाले घरों का हाल	केतु[2] बैठा होने वाले घर का हाल	बुध[3] बैठा होने वाले घर का हाल
1.	राजदरबार में ज़हर के बदले शहद मिलता होगा।	जिस घर में पांव रख कचहरी से गिरफ़्तारी के वारंट आने लगे	राजदरबार मंदा उजड़ा हुआ असर देगा।
2.	ससुराल के धन का दरिया फ़ालतू होकर बग़ैर रोके हुए उसके घर में आता हुआ रोकने से भी नहीं रुकेगा	ससुराल में गए तो अपनी जूती गुम या चोरी हो जाने के अलावा उनको भी नंगे पांव देखा।	ससुराल ख़ानदान उजड़े। बीकानेर वीरान के नज़ारे लेगा।

[4] -खुद चंद्र का ख़ाना नम्बर 4 जो $\frac{\text{पानी}}{\text{समन्दर}}$ का ही है वहां पानी पर पानी और बरसता होगा।

[5] -चंद्र तो ख़ाना नम्बर 12 में बैठा हो और उसी वक़्त मंगल-केतु-बुध -12 घरों में जिस किसी घर में बैठे हो वहां का क्या हाल होगा। चंद्र का खुद अपना ख़ाना नम्बर 4 चंद्र का घर नम्बर 4 वाले घर में बैठे हुए ग्रह पर पानी पड़ता होगा खुद मंगल नम्बर 4 जो अमूमन मंगल बद या मांगलिक हुआ करता है अब आग से जला हुआ असर देने के बजाए ठंडा असर देगा मगर केतु जो नम्बर 4 के वक़्त कुएं में गिरे हुए कुत्ते की तरह तड़पा करता है अब और भी बारिश में भीगते हुए कुत्ते की तरह मंदा होगा उसी तरह ही बुध नम्बर 4 का चंद्र नम्बर 12 के वक़्त माता ख़ानदान पर और भी मंदा हाल होता होगा इसी तरह बाक़ी ग्रहों का अब नम्बर 4 में बैठे हुए का असर लेंगे।

फ़ालतू-व्यर्थ, बेकार बाक़ी-शेष, बचा हुआ बग़ैर-बिना अमूमन-आम तौर से वक़्त-समय

Astro Lucky

ख़ाना न.	1 मंगल बैठा होने वाले घर का हाल	2 केतु बैठा होने वाले घर का हाल	3 बुध बैठा होने वाले घर का हाल
3.	भाई बंद पानी की बजाए दूध की नहरों में नहा रहे होंगे।	हम तो औलाद से दुखिया थे ही मगर भाई भी चिल्ला रहे हैं।	भाई-बन्दों के बाज़ू कटे हुए होंगे
4.	बड़े भाई (अपना-बाप का-बाबा का या माता का बड़ा भाई) बेशक उम्र में लम्बे हों वह न हों मगर जब तक होंगे कभी दुखिया न होंगे।	नालायकों की औलाद ख़ानदानी सबूत देगी नालायकी में।	माता ख़ानदान मातमी हालत में रहेगा।
5.	उसकी औलाद के खेड़े (बहुत से-शहर या गांव) लेंगे।	बेटा जो भी होगा बाप बन कर ही दिखलाएगा (मंदे मायनों में)	औलाद मंदे पानी में बह रही होगी (चंद्र की बीमारी दिल या आंख के डेले की बीमारियां)
6.	जिस रिश्तेदार से उसकी लड़कियों या, लड़कों या माता ख़ानदान के नाते होंगे वहां धन का दरिया खुद ब खुद बहने लगेगा	उसके रिश्तेदार बेशक उसको सुख न देंगे मगर खुद सुखिया शायद ही होंगे।	लड़कियों के रिश्तेदार (जहां वो ब्याही हुई हों) नहर के मंदे तूफ़ान से चिल्ला रहे होंगे
7.	गृहस्ती हालत ऐसी उम्दा कि पानी मांगे तो दूध मिलेगा	अपने ही घर का कुत्ता या अपनी औलाद ग्रहस्ती हालत(स्त्री वग़ैरह) ज़मीन पर पेशाब करने की बजाए उस पर पेशाब करेंगे	ग्रहस्ती हालत (औरत ज़ात) मंदी रेत में जल रही होगी।

बाज़ू-भुजा, बाहु, बाह वग़ैरह-आदि, इत्यादि नालायकों-अयोग्य, नीच, धूर्त मातमी-शोकशील
ब्याही-शादी शुदा नालायकी-धूर्तता औलाद-संतान

Astro Lucky

ख़ाना नम्बर	मंगल	केतु	बुध
8.	मरना है तो मरेंगे ज़रूर मगर गल सड़ कर या जलकर (हादसा वग़ैरह) नहीं मरेंगे।	लड़के अचानक गुम होते चले जाते (मरते) होंगे (बलाए बद से)।	लम्बे लम्बे ख़र्चों की बीमारियों का कोई अन्दाज़ा बाक़ी न रहेगा
9.	बुज़ुर्गों के घरघाट में जायदाद जद्दी वग़ैरह में दूध की नदियां होंगी। उसे खुद बेशक शहर से बाहर निकल जाने का हुक्म हो चुका हो	मामूं ख़ानदान नाहक़ मंदी आंधियों में उड़ रहे (बरबाद) होंगे	बुज़ुर्गों की उजड़ी हुई जायदाद को रोते-रोते आंखों का पानी ख़तम होगा
10.	सिर पर ख़्वाह पहाड़ गिरे (मुसीबत) पहाड़ से गिर जावे मगर दिल का दरिया कभी रूकता या वो दुखिया न होगा।	रास्ते जाती जाती आंधी अपना ही घर उड़ा लेगी	पहाड़ियों के सिलसिलों के बराबर के आलिशान मकान रात को सोए हुए (अचानक) उजड़े रेगिस्तान हो जाएंगे।
11.	गुनाहगार होते हुए भी दुनिया के मुनसिफ़ उसे बेगुनाह ही करार देंगे।	इन्साफ़ और चालचलन कुत्ते का शार्गिद होगा यानी मामूली लालच (रिश्वत वग़ैरह मिलने) पर इन्साफ़ की मिट्टी उड़ा देगा और भूत के मददगार सामान माशूक़ा/महबूबा ख़ूबसूरत फ़ाहिशा औरत की थोड़ी सी बू आ जाने पर चाल चलन ढीला कर लेगा।	बेगुनाह होते हुए दूसरे कातिल के इल्ज़ाम में अपनी फांसी के वाक़िआत खड़े होंगे

हादसा-घटना अन्दाज़ा-विचार, निश्चय हुक्म-आज्ञा, आदेश नाहक़-अकारण मुसीबत-दुःख, क्लेश, कपट
आलिशान-महान, भव्य गुनाहगार-पापी, कुसूरवार फ़ाहिशा-व्याभिचारिणी वाक़िआत-घटना, हादिसा

Astro Lucky

ख़ाना न.	1 मंगल	2 केतु	3 बुध
12.	दूध में शहद की ज़िन्दगी या रात को हर तरह का आराम और दिल की शान्ति होगी।	क़माई में लाखों की थैलियां आएं रुपए की आवाज़ बहुत हुई मगर गिनने पर सिफ़र ही पाया गया	जिस के सहारे का दिमाग़ ने सोचा और दिल ने चाहा वह पहले ही रोता हुआ और आगे भागता हुआ जाता नज़र आया।

1. मींह का पानी मददगार होगा ख़ामोशी व पसमांदगी खुद ही तबाही का सबब होगी।

2. चंद्र की जायदाद अश्या का फल उम्दा होगा खुद शास्त्री-अक्लमंद और तालीमी हालत मे उत्तम होगा।

3. ज़ाती क़िस्मत का फ़ैसला

नम्बर 2 के ग्रहों के मुताबिक़ वास्ते इज़्ज़त व मान

नम्बर 5 के ग्रहों के मुताबिक़ वास्ते आइन्दा औलाद-दहाना दरिया।

नम्बर 6 के ग्रहों के मुताबिक़ वास्ते दुनियावी ताल्लुक़-उम्र रिहाइश-गुज़रगाह दरिया।

नम्बर 9 के ग्रहों के मुताबिक़ वास्ते माज़ी करम-धरम-बुज़ुर्गी मुम्बा दरिया

4. अपने कुल घर बार ख़ानदान को तारने वाला होगा } सूरज बुध नम्बर 3

5. चंद्र अब मामूली पानी की बजाए एक उम्दा व उत्तम दूध की तरह उत्तम फल व माया दौलत देगा। } बृहस्पत उम्दा या सूरज नेक हो।

मंदी हालत

1. अब चंद्र रात को सैलाब (तूफ़ान) लाने और बस्तियां उजाड़ने वाला बन्द गन्दी बदरौ के पानी से भरा हुआ दरिया होगा जिससे खेती भी जलती और उजड़ती ही जावें या यूं कहो कि वाल्दैनी दिया हुआ माल व दौलत घर बार ख़्वाह सब कुछ जल उजड़ या बिक जावे मगर उसका ज़ाती कमाया हुआ एक ज़र्रा भी कभी बरबाद न होगा या वाल्दैन उसे जो कुछ दे देंगे या उसके नाम लगवा देंगे वह

ज़िन्दगी-जीवन प्राण तालीमी-शिक्षा देना, पढ़ाना ख़ामोशी-मौन, चुप्पी गुज़रगाह-मार्ग, रास्ता, पथ
माज़ी-भूतकाल, विगत अक्लमंद-बुद्धिमान, मेधावी मुम्बा-स्त्रोत पसमांदगी-लाचारी

Astro Lucky

ज़रूर बरबादी का बहाना हो सकता है।

2. -दुनिया में न कोई अपना नुक़सान चाहता है-न ही कोई दुःख दर्द ज़हमत मांगता है-मगर नम्बर 12 के चंद्र वाला खुद आग की बजाए पानी से ही जलता और दूसरों को जलाता होगा।

3. -रात की नींद और सिर की जिल्द कभी ही सुख की होगी चंद्र की बेजान चीज़ों का फल अमूमन मंदा होगा।

पानी बादल में भरकर जलता रेत मैदानों भरता हो
उजाड़ खेती जागीर नसीबा अफ़ीम खाये ले सुथरा वो
दूध दौलत ज़र पानी देता नरक चंद्र घर डोलता हो
करम-धरम चंडाली साया मान इज़्ज़त कुल फूंकता हो

4. गन्दा बरसाती नाला होगा। हर तरह से बुरा हाल-ख़ासकर जब चंद्र नम्बर 1 में आवे। ससुराल की जायदाद फूंके-और खुद अपनी भी नहीं छोड़ता हो।

धरम करम-दौलत की बरबादी होगी। टेवे के मुताबिक़ बृहस्पत की मदद या बृहस्पत का उपाओ या उसका धरम अस्थान में आते जाते रहने से चंद्र का पानी ढलती हुई बर्फ़ की तरह कारआमद और मददगार होगा।

ख़ाना नम्बर 12 का चंद्र नम्बर 1 में आने के वक़्त यानी 12-24-35-46-59-71 82-97-106-111साला उम्र में खेती को उजाड़ने वाला पानी होगा जिस से घर घाट सब बरबाद होंगे और अपने जनम वाले घर आने के वक़्त यानी ख़ाना नम्बर 12 का चंद्र दोबारा ख़ाना नम्बर 12 में ही आने के दिन से या 4-17-28-48-55-68 80-90-101-116-साला उम्र में वह सब मंदे असर देगा जो कि इस जगह चंद्र नम्बर 12 के लिए लिखे हैं। ख़ाना नम्बर 2 का चंद्रमां जायदाद जद्दी के ताल्लुक़ में एक ऐसा दरिया था जो दिन ब दिन दुनियादारियों के लिए खेती की ज़मीन छोड़ता जावे (बीट का इलाक़ा) और अपना रास्ता पीछे या किसी और तरफ़ करता रहे जिससे

जिल्द-त्वचा, शरीर की ऊपरी खाल
कारआमद-उपयोगी, उपयुक्त
बेजान-मुर्दा, निर्जीव
इलाक़ा-क्षेत्र
तरफ़-दशा
अमूमन-आमतौर से
मुताबिक़-समान, बराबर

Astro Lucky

कि आबादी वालों को पानी की ज़ोर तुग़यानी या सैलाब आने के वक़्त नुक़सान की बजाए नफ़ा ही हो मगर चंद्र नम्बर 12 का दरिया पानी आबाद घरों को उजाड़ता और खेती की ज़मीनों को बहा ले जाता और हर तरफ़ उम्दा पानी की बजाए गन्दी और जलती हुई रेत भरता जाएगा जिस के असर से टेवे वाला अपने जनम के बाद चंद्र के अहद से अपनी ख़ास कर जब नम्बर 12 का चंद्र ख़ाना नम्बर 1 में आवे या जब नम्बर 2 का चंद्र ख़ाना नम्बर 12 में ही आवे। बुर्ज़ुगाना जद्दी शान व शौक़त व जायदाद मनक़ूला या ग़ैर मनक़ूला को अपने जनम से पहले और पैदाइश के बाद की हालत का मुक़ाबला करके देखता हुआ इस सवाल कि तेरी आज अब या मौजूदा हालत क्या है जवाब सिर्फ़ आंसुओं से ही देगा और मुंह से कुछ भी ना बोल सकेगा।

5. दिमाग़ी ख़ाना नम्बर 36 राहु से मुश्तरका वक़्त गुज़रने पर मर्द पछताए या हर गुज़री हुई घड़ी से आगे आने वाली घड़ी कोई ऐसी लंबी न होगी। जूं-जूं वक़्त गुज़रेगा हाल आगे-आगे कुछ न कुछ मंदा या हलका ही होता जावे।

आता है याद मुझ को गुज़रा हुआ ज़माना — था ख़्वाब में ही देखा या हो गए दीवाना[1]
सुल्तान[2] बूंद[3] पिदरम्[4] इक़बाल[5] था शाहाना — तक़्सीर[6] उनकी आज़म[7] या हो गया बहाना
है याद करके रोता-घर उजड़े हो वीराना[8] — जाहिल[9] बना वही जो था माहिर[10] -ए- ज़माना

6. जो चीज़ भी बाप अपने बेटे (टेवे वाले) के नाम लगवा देगा वह कौड़ी-कौड़ी करके जले या बिकेगी वजह कोई ही हो या हो जावे। } जब 2-6-12 में बुध या शुक्कर या पापी हो

टेवे वाला अब यह कहता होगा कि
मुझे गुज़रा हुआ ज़माना याद आता है। शायद ख़्वाब ही में देखा या वैसे ही दीवाना[1] (पागल) हो गए। मेरा बाप[4] बादशाह[3] था और ज़माना का ठाठ[5] (शान व शौक़त व दुनियावी उरूज) बादशाहों का था कसूर[6] (ग़लती) उनका बहुत[7] ही बड़ा हो गया या वैसे ही कोई बहाना हुआ जिससे कि अब वह ज़माना की हालात को याद करके रोता है घर उजड़ कर वीराना[8] (जंगल बियाबान) हो गए हैं और वह खुद बेवक़ूफ़ नालायक़ बन रहा है जो कि तमाम ज़माना का वाक़िफ़कार[9] था ग़र्ज़ेकि.....

तुग़यानी-बाढ़, सैलाब — अहद-प्रतिज्ञा — आज़म-विशाल — शाहाना-राजसी — माहिर-निपुण, कुशल — उरूज-उन्नति

Astro Lucky

7-आलसी निर्धन दुखिया-निस्फ़ उम्र तक से डूबने का डर ही होगा। ऊपर की सब मंदी हालतों की आख़री हदबन्दी उम्र का 48 वां साल होगी। जिसके बाद चंद्र नम्बर 12 की बजाए चंद्र नम्बर 3 का फल पैदा होगा।	मंगल नम्बर 1-सूरज नम्बर 2
8-खुद या अपनी औरत या दोनों एक आंख से काना होंगे।	सूरज नम्बर 6

निस्फ़-आधा हदबन्दी-सीमा निर्धारण सूरज-सूर्य ग्रह आख़री-अंतिम

AstroLucky

शुक्कर

बदी ख़ुफ़िया तू जिससे दिन रात करता[4]
वक़्त मंदा तेरे वही सिर पर चढ़ता

ऐश पसन्दी इश्क़ ख़ुदाई — अकेला बुरा नहीं होता हो
पाप[1] नस्ल का ख़ून गृहस्ती — मिट्टी माया का पुतला हो
मर्द टेवे में औरत बनता — औरत टेवे ख़ुद मर्द हो वह
उठती जवानी[2] इश्क़ में अन्धा — बूढ़े[3] नसीहतें करता हो
रवि दृष्टि शनि पे करता — बुरा शुक्कर का होता हो
शनि रवि से पहले बैठा — नर ग्रह[5] स्त्री उम्दा हो
नज़र शुक्कर में जब शनि आता — माया दीगर खा जाता हो
दृष्टि शुक्कर पे जब शनि करता — मदद ग्रह सब करता हो
शुक्कर बैठा जब बुध से पहले — असर राहु का मंदा हो
बुध पहले से शुक्कर मिलते — केतु भला ख़ुद होता हो
शत्रु[6] दोनों का साथ जो बैठे — असर दोनों न मिलता हो
शुक्कर मालिक है आंख शनि का — तरफ़ चारों ही देखता जो
चोट शनि हो जब कहीं खाता — अन्धा[7] शुक्कर ख़ुद होता हो

[1] -राहु केतु मुश्तरका (मस्नूई शुक्कर) [2] -ख़ाना नम्बर 1 ता 6 [3] -ख़ाना नम्बर 7 ता 12

[4] -जिस घर को शुक्कर देखता हो वहां का ग्रह मंदे वक़्त बवक़्त बर्षफल शुक्कर मंदा

[5] -सिवाय सूरज [6] -शुक्कर का दुश्मन सूरज चंद्र राहु।

[7] -जिस घर शनि हो, शुक्कर (बुध) में वही असर दो दृष्टि (चंद्र) भी इस घर की तरफ़ होगी-मगर दृष्टि की चाल पिछली तरफ़ खुद शुक्कर की अपनी होगी।

ख़ुफ़िया-छिपकर दीगर-भिन्न दूसरे मुश्तरका-मिले जुले

मस्नूई शुक्कर-बनावटी शुक्र (राहु+केतु)

Astro Lucky

घर 5 वें परिवार बच्चों का — नीच छटे ख़ुद होता वह
असर साथी ग्रह 7 वें देगा — जलती मिट्टी घर आठ का हो
ज़हर मंगल बद 9 वें बनता — धरमी शनि घर 10 वें हो
चश्मा दौलत ज़र 11 उठता — तारे 12 भवसागर जो

A { काग़ रेखा घर पहले[1] बैठा-भला गृहस्ती दूजे[2] हो
X { भाई मर्द घर तेरे होगा-जोड़ा औरत दो चौथे हो }

सफ़्ह: नम्बर 430 से मुतअल्लिक़ा

हस्त रेखा

(शुक्कर नम्बर-1)

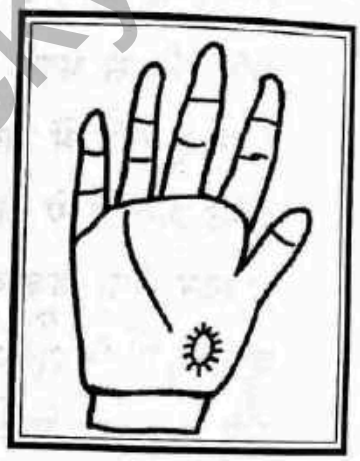

शुक्कर के बुर्ज पर अंगूठे की जड़ में सूरज सितारा हो।

शुक्कर से शाख़ सूरज के बुर्ज को हो

शुक्कर का पतंग पूरा हो

आम हालत

शुक्कर के $\frac{\text{ग्रह}}{\text{बुर्ज}}$ को दुनियावी क़िस्मत से कोई ताल्लुक़ नहीं। सिर्फ़ इश्क़ व मोहब्बत की फ़ालतू दो से एक ही आंख हो जाने की ताक़त शुक्कर कहलाती है।

तमाम तरफ़ से बिगड़ी हुई या सबकी बिगड़ी हुई को बनाने वाला-सब कुछ ढला ढलाया शुक्कर होगा।

1-स्त्री ताल्लुक़-गृहस्ताश्रम-बाल बच्चों की बरकत और बड़े परिवार का 25 साला ज़माना शुक्कर का अहद है। इस ग्रह में पाप करने कराने की नस्ल (ख़ुद राहु केतु मुश्तरका मस्नूई शुक्कर) का ख़ून और गृहस्ती हालत में मिट्टी और माया का वजूद है।

2-मर्द के टेवे में शुक्कर से मुराद स्त्री और औरत के टेवे में उसका

ज़र-दौलत संपत्ति
मुतअल्लिक़ा-संबंधित
फ़ालतू-ज़्यादा, अधिक
अहद-प्रतिज्ञा

Astro Lucky

ख़ाविंद मुराद होगी। अकेला ही बैठा हुआ शुक्कर टेवे वाले पर कभी भी बुरा असर न देगा। और न ही ऐसे टेवे वाला गृहस्ती ताल्लुक़ में किसी दूसरे का बुरा कर सकेगा।

शुक्कर से बुध का ताल्लुक़

(1) जब दृष्टि के हिसाब से (दर्जा दृष्टि 25-50-100 फ़ीसदी हो) आमने सामने के घरों में बैठे हों तो चमकती हुई चांदनी रात में चकवे चकवी (परिन्दा) की तरह अकेले अकेले होने का असर मन्दरजाज़ैल होगा

(i) अगर बुध कुण्डली में एक दो तीन हद 12 की तरतीब में शुक्कर से पहले घरों में बैठा हो तो इस तरह से दोनों के मिले हुए असर में केतु की नेक नीयत का उम्दा असर शामिल होगा लेकिन (ii) अगर शुक्कर कुण्डली में बुध से पहले घरों में हो, तो इस तरह मिले हुए दोनों के असर में राहु की बुरी नियत का असर शामिल होगा।

दृष्टि वाले घरों में बैठे होने के वक़्त शुक्कर का असर प्रबल होगा। लेकिन जब बुध पहले घरों का हो और मंदा होवे तो शुक्कर में बुध का मंदा असर शामिल हो जाएगा जिसे शुक्कर नहीं रोक सकता व गृहस्त में मंदे नतीजे होंगे

(2) जब अकेले अकेले बन्द मुट्ठी के ख़ानों (1-7-4-10) से बाहर हर एक दूसरे से 7 वें बैठे हों यानी (i) शुक्कर 2 और बुध 8 में हो तो दोनों ही ग्रहों

शुक्कर 3 और बुध 9
शुक्कर 6 और बुध 12
शुक्कर 8 और बुध 2

} और घरों का फल निकम्मा होगा

(ii) मगर शुक्कर 12 और बुध 6 में दोनों का ऊंच फल होगा जिसमें केतु का उत्तम फल शामिल होगा। ऐसी हालत में (यानी अपने से 7 वें) बैठे होने के वक़्त दोनों का असर बाहम न मिल सकेगा।

चकवे चकवी-परिन्दा मन्दरजाज़ैल-निम्नलिखित तरतीब-क्रम सिलसिला बाहम-आपसी
निकम्मा-व्यर्थ

Astro Lucky

(3) जब दोनों ग्रह जुदा जुदा मगर आपस में दृष्टि के ख़ानों की शर्त से बाहर हों तो जिस घर में शुक्कर हो वहां बुध अपना असर अपनी ख़ाली नाली के ज़रिये लाकर मिला देगा। और शुक्कर के फल को कई दफ़ा बुरे से भला कर देगा। लेकिन अगर बुध के साथ शुक्कर के दुश्मन ग्रह (सूरज-चंद्र-राहु) हों तो ऐसी हालत में शुक्कर कभी भी बुध को ऐसी नाली लगा कर अपना (बुध का) असर उसमें (शुक्कर में) मिलाने नहीं देगा गोया ऐसी हालत में बुध किसी तरह भी शुक्कर को रद्दी निकम्मा या बरबाद नहीं कर सकता।

दुश्मन ग्रहों से ताल्लुक

सूरज और सनीचर जो बाहम दुश्मन हैं अगर इकट्ठे बैठे हों-तो टेवे वाले पर बुरा असर नहीं होता। जमा और तफ़रीक़ बराबर होती रहा करती है। लेकिन जब सनीचर के साथ शुक्कर बैठे को कोई भी ग्रह देखे तो सनीचर देखने वाले ग्रह को जड़ से मार देगा। अगर टेवे में सूरज और सनीचर का झगड़ा हो तो शुक्कर मारा जाएगा यानी जब सूरज देखे सनीचर को तो सनीचर की बरबादी होने की बजाए शुक्कर का फल बरबाद होगा। लेकिन अगर सनीचर देखे सूरज को तो शुक्कर आबाद या उसका फल उत्तम होगा। बहरहाल अगर शुक्कर के साथ (साथी या दृष्टि के ढंग पर) जब दुश्मन ग्रह हो तो शुक्कर और दुश्मन ग्रह सब की ही अश्या-रिश्तेदार या कारोबार मुतअल्लिक़ा (शुक्कर या दुश्मन ग्रह) पर हर तरफ़ से उड़ती हुई मिट्टी पड़ती और क़िस्मत मंदी का ज़माना होगा।

शुक्कर से राहु का ताल्लुक

शुक्कर गाय और राहु हाथी इन दोनों का बाहमी ताल्लुक़ कहां तक अच्छा फल दे सकता है

(i) जब कभी भी बज़रिया दृष्टि दोनों मिल रहे हों शुक्कर का फल बरबाद होगा-लक्ष्मी और स्त्री दोनों ही बरबाद बल्कि उम्र तक तबाह और ख़तम लेंगे।

जुदा-जुदा-अलग अलग
बाहम-एक साथ
तफ़रीक़-बड़ी संख्या में से छोटी संख्या घटना
दफ़ा-बार
बहरहाल-फिर भी
निकम्मा-व्यर्थ

Astro Lucky

(ii) वह बाहम दुश्मन ग्रह साथी दीवार वाले घर में बैठे हुए जुदा-जुदा ही रहा करते हैं। लेकिन अगर शुक्कर अपने दुश्मन ग्रहों के घर बैठा हो और राहु साथी दीवार वाले घर में आ बैठे तो शुक्कर का वही मंदा हाल होगा जो कि शुक्कर के साथ ही इकट्ठा राहु बैठ जाने या दृष्टि से आ मिलने पर मंदा हो सकता है।

4 - जनम कुण्डली में शुक्कर अगर अपने दुश्मन ग्रहों को देख रहा हो तो जब कभी बमूजिब बर्षफल शुक्कर मंदा हो या मंदे घरों में जा बैठे तो वह दुश्मन ग्रह जिनको कि शुक्कर जनम कुण्डली में देख रहा था शुक्कर के असर को ज़हरीला और मंदा करेंगे ख़्वाह वह शुक्कर को अब देख भी न सकते हों। ऐसे टेवे वाला जिस से खुफ़िया बदी किया करता था अब वही (उन अश्या-रिश्तेदार या कारोबार मुतअल्लिक़ा उन दुश्मन ग्रह जिनको कि शुक्कर ने जनम कुण्डली में देखा था के ताल्लुक़ में) दुश्मनी और बरबादी का सबब होगा।

शुक्कर की दोरंगी मिट्टी

5-उठती जवानी में ऐश व इश्क़ की लहरों से मिट्टी की पूजना में अन्धा होगा ,,	ख़ाना नम्बर 1-काग रेखा या मच्छ रेखा यक तरफ़ा ख़याल का मालिक तख़्त का मालिक रज़िया बेग़म रानी मगर एक हब्शी गुलाम पर मर मिटी। ख़ाना नम्बर 2-उम्दा गृहस्त हर तरह से सिवाय बच्चे बनाने के अपनी ही ख़ूबसूरती और तबीयत के आप मालिक। खुद परस्ती स्कूल मिस्ट्रैस-हर एक की दिलदादा औरत मगर वह खुद किसी को पसन्द न करे। ख़ाना नम्बर 3-मर्द की हिम्मत-हैसियत-गाय की जगह बैल का काम देवे ऐसी कशिश कि ऐसे टेवे वाले पर कोई न कोई औरत फ़रेफ़्ता हो ही जाया करती है। ख़ाना नम्बर 4-एक जगह दो औरत या दो मर्द-मगर मर्द औरत दोनों ही ऐसी दो गाय या दो बैल कि बच्चा दोनों ही से न बने।

फ़रेफ़्ता-मुग्ध, आसक्त, आशिक़ बमूजिब-अनुसार ख़्वाह-चाहे दिलदादा-इच्छुक सबब-कारण

AstroLucky

ऐज़न	ख़ाना नम्बर 5-बच्चों भरा परिवार या ऐसे बच्चों के पैदा करने वाला जो उसे बाप न कहें या न कह सकें। ख़ाना नम्बर 6 - न औरत न मर्द लक्ष्मी भी ऐसी जिसकी कोई क़ीमत न देवे या खुसरा मर्द या बांझ औरत।
बुढ़ापे में नसीहतें करे।	ख़ाना नम्बर 7-सिर्फ़ साथी का असर जो और जैसे तुम वह और वैसे ही हम। ख़ाना नम्बर 8-जली मिट्टी और हर सुख में नाशुकरा उत्तम तो भवसागर से पार कर दे। ख़ाना नम्बर 9-खुद शुक्कर की अपनी बीमारी के ज़रिए धन हानि मगर घर में ऐशो आराम के सामान या धन की कमी न होगी। ख़ाना नम्बर 10-खुद सनीचर अगर औरत तो ऐसी जो मर्द को निकाल कर ले जावे। अगर मर्द तो ऐसा कि वह किसी न किसी दूसरी औरत ज़ात को अपनी मंज़ूरे नज़र रखा ही करता है। ख़ाना नम्बर 11-लट्टू की तरह घूम जाने वाली हालत मगर बचपन की मोह माया की भोली भाली तबीयत की मूरत और रिज़्क़ के चश्मा का निकास। ख़ाना नम्बर 12-भवसागर से पार करने वाली गाय-औरत-लक्ष्मी जिसकी खुद अपनी सेहत के ताल्लुक़ में या सारी ही उम्र रोते निकल गई।

ऐज़न-जैसा ऊपर था क़ीमत-मूल्य खुसरा-नामर्द
नसीहतें-सलाह देना मंज़ूर-स्वीकृत जो देखा जायें

Astro Lucky

शुक्कर ख़ाना नम्बर-1

काग़[1] व मच्छ[2] रेखा की रंग

बिरंगी माया

अगर धरम दुनिया न औरत पे बिकता
कोई लेख मंदा बिधाता न लिखता

आंख दोनों न शुक्कर देखे
असर दोनों का यकसां लेते
औरत रिजक से पहले आवे
शादी मगर जब 25 होवे
शुक्कर मंदे से मरती माता
सात छटे घर मंगल 12
बुध मंदा औलाद हो मंदी
शनि बुरे मंद होंगे साथी
धरम हालत 8 हो गुरु जैसा
तीन छटे बुध हो जब बैठा
सात पहले घर शत्रु साथी
शमा इश्क़ 2[3] औरत पकड़ी

शनि नज़र का मालिक हो
शनि नम्बर एक प्रबल[1] हो
शनि उत्तम जब अपने घर
दौलत रहे न औरत घर
बुरा सूरज न होता हो
पूरी सदी पूत पोता हो
गृहस्त मंदा रवि करता हो
तीनों मंदे सब मरता हो
ऊंच शनि मच्छ रेखा हो
श्रेष्ठ रेखा सिर होता हो
रवि आया या पापी हो
दमा दिक़ तपे खांसी हो

[1] -अगर सनीचर मंदा हो या ख़ाना नम्बर 7-10 ख़ाली न हो और इन में सिर्फ़ पापी या बुध न हो तो काग़ रेखा होगी [2] -अगर सनीचर उम्दा या ख़ाना नम्बर 7-10 ख़ाली या इनमे सिर्फ़ (राहु केतु-सनीचर) पापी और बुध हो तो मच्छ रेखा होगी।

[3] -दो औरतों से एक ही वक़्त में बच्चे बनाने पर।

बिधाता-ईश्वर, भगवान रिज़क़-काम धंधा दमा-दमे का रोग, श्वांस रोग दिक़-क्षय रोग
यकसां-समान बराबर इश्क़-प्यार, मोहब्बत तपे-ताप, तपन, गर्मी ज्वर, बुखार

Astro Lucky

ऐश तबीयत इश्क़ ख़्वाह लूटे लेख लिखत न मंदी हो
घर सातवां दस ख़ाली होते मच्छ रेखा बन जाती हो

(हस्त रेखा के लिए देखो सफ़्हः 424)

नेक हालत

1-धरमहीन हो जावे तो बेशक इश्क़ में मज़हब का फ़र्क़ समझे या न समझे मगर उसका राजदरबार कभी मंदा न होगा। शुक्कर अब असर के लिए यक तरफ़ा चाल का मालिक होगा। यानी जिस पर मेहरबान हुआ उस पर अपनी जान भी न्यौछावर कर दी जिसके ख़िलाफ़ हुआ उसकी मिट्टी ही उड़ाकर छोड़ी । नेक हुआ तो मच्छ रेखा हर तरफ़ आल औलाद धन परिवार की बरकत अगर उलट हुआ तो काग़ रेखा जिसके वक़्त शुक्कर सिर्फ़ एक ही आंख से देखता या काना ही होगा । हर दौलत में सनीचर की हालत उसकी (शुक्कर की) बीनाई होगी। बहरहाल सवारी का सुख और चौपाया का आराम साथ होगा।

2-धरम की नेक व बद हालत का फ़ैसला ख़ाना नम्बर 8 के ग्रहों और बृहस्पत की हालत पर होगा।

3-दिमाग़ी ख़ाना नम्बर 1-इश्क़बाज़ी और सनीचर से मुश्तरका इश्क़ ज़वानी 16 ता 36 साला उम्र में उठती जवानी के वक़्त औरत ज़ात का ग़ैर औरत (अपनी बीबी से मुराद नहीं) की ख़ूबसूरती की रंग बिरंगी दिल फ़रेब हुस्न व नक़्श की दिलचस्प और दिलरुबा सिफ़तों की मीठी-मीठी ज़बान से तारीफ़ करते कराते ऊंचे पुल बांध दिया और ख़ुदपसन्दी ज़ाती तकब्बुर और काम देव की आग में जलते हुए सैंकड़ों मील चलते मगर सोए हुए निकल गए जिसकी वजह से दिल और दिमाग़ पर क़ाबू ही न रहा और आख़ीर पर औरत की ख़ातिर ईमान भी बिकने लगा।

दिलचस्प-दिल को अच्छा लगने वाला, रोचक, मनोरंजन हुस्न-सतीत्व, शील दिलरुबा-माशूक़ दिल को उचक ले जाने वाला
तकब्बुर-अभिमान, शेखी, गुरुर अहं दिलफ़रेब-मन को छलने वाला

Astro Lucky

क़ियाफ़ाः- शुक्कर का पतंग सूरज के बुर्ज पर सिर्फ़ अनामिका की जड़ में

3-औरत ज़ात का असर (औलाद व आराम) को क़दरे हलका सा ख़राब करे मगर इश्क़ को धरम से परहेज़ नही। इस रेखा के असर में इन्सान धरमहीन-ज़नमुरीद और शमा का परवाना होगा। शुक्कर ज़ाहिरा आशिक़ाना मगर अंदरूनी सूफ़ियाना फल देगा। तबीयत फिर भी फटे खरबूज़ा (फ्रूट) की तरह नाशाइस्ता। औरत की सेहत (मगर खुद अपनी नहीं) मंदी होगी। अपनी क़िस्मत के ताल्लुक़ में इक़बाल मंद और खुश नसीब होगा। खुद अपनी जिस्मानी व औलाद की हालत हमेशा नेक होगी। अपने कामों के लिए दूसरों से सलाह लेना अहम व मददगार फल देगा।

4-औरत (शादी) रिज़क़ (ज़ाती कमाई के दिन) से पहले आएगी जो घर की मालिक और हर तरह से खुद ही मुन्तज़िम और हुक्मरान होगी। } जब सनीचर बमूजिब जनम बैठा होना के अपने घर उत्तम हो।

5-उम्र पूरी पूरी 100 सदी और पूत पोते देखकर जावेगा। } मंगल नम्बर 6-7-12

6-मच्छ रेखा का उत्तम फल (सिर्फ़ माली हालत) विष्णु भगवान की तरह बाक़ियों का पालने वाला गो धन की आमद में माया के पहाड़ दम के दम में खड़े होते होंगे, लेकिन जब तक घर में गाय या नौकरानी (कोई औरत बतौर नौकर) न हो माया के पहाड़ों पर सरसब्ज़ चरागाहें कम ही होंगी यानी धन की थैली गो दिन को भरती मगर शाम को ख़ाली ही देखी जाती होगी। } सनीचर ऊंच हो या ख़ाना नम्बर 7-10 ख़ाली हो इन घरों राहु केतु-बुध या सनीचर हो तो नम्बर7-10 ख़ाली ही लिये जावेंगे। अगर मंगल 6 ता 12 में न हो तो 7-10 ख़ाली होते हुए भी काग़ रेखा होगी यानी राहु केतु हो नम्बर 4-10

7-सिर की श्रेष्ठ रेखा उत्तम दिमाग़ी हालत मुकदमों का फ़ैसला टेवे वाले के अपने हक़ में होगा चंद्र का असर अब अमूमन बुरा न होगा } जब बुध नम्बर 3-6 में ऊंच हो।

और बुध या सनीचर हो नम्बर- 7 मंगल भी नम्बर 6 ता 12 में हो।

ज़न मुरीद-स्त्री भक्त आशिक़ाना-प्रेमियों जैसा नाशाइस्ता-अनुचित, अश्लील सूफ़ियाना-अच्छे ढ़ंग का

Astro Lucky

मंदी हालत

शनि शुक्कर घर पहले बैठे
मालिक ख़्वाह हो तख़्त हज़ारी

काग़ रेखा कहलाती है
मिट्टी कर दिखलाती है

1-ज़बानी इश्क़ बाज़ी घर की नम्बरदारी (मुहरीपन-रहनुमाई -मुखियापन) न सिर्फ़ अपनी बल्कि बाक़ी ताल्लुक़दारों की भी तबाही का बहाना होगी।

2-जब शुक्कर मंदा होवे माता बचपन में गुज़र जावे या मुर्दे से ज़्यादा दुखिया होवे जब तक माता औरत से दूर रहे दुखी न होवे लेकिन जब दोनों इकट्टी तो दोनों से एक अन्धी ही लेंगे मगर सूरज कभी बुरा न होगा।

3-काग़ रेखा ख़ासकर उम्र के 25 वें साल की शादी के वक़्त न दौलत रहे न औरत ज़िन्दा रहेगी } जब ख़ाना नम्बर 7-10 ख़ाली न हो।

4-औरत की दीवानगी मंदी सेहत गृहस्त मानिंद जली मिट्टी। दुखिया हालत-ज़मींदार की पकी हुई खेती में आग लगी हुई की तरह की गृहस्ती हालत होगी। औरत के टेवे में मर्द की तरफ़ से तलाक़ गिनते हैं। बवक़्त शादी ख़ालिस चांदी ससुराल से औरत को मिले ख़ाना आबादी। } जब राहु नम्बर 7 में हो

5-औलाद मंदी होगी } बुध मंदा हो। क़ियाफ़ा:- शुक्कर का पतंग हो सिर्फ़ कनिष्का की जड़ पर।

6-गृहस्त मंदा होगा } सूरज मंदा हो क़ियाफ़ा:- शुक्कर का पतंग अनामिका की जड़ तक।

7-साथी रिश्तेदार मंदे ताल्लुक़ देंगे शुक्कर नम्बर 10 का फल देगा। उसकी औरत ऐश व इशरत के ताल्लुक़ में सदाबहार फूल और खुद ऐशी पट्ठा होगा। } सनीचर मंदा हो क़ियाफ़ा : शुक्कर का पतंग मद्धमा की जड़ तक

1 -औरत की तन्दुरुस्ती अमूमन माहवारी अय्याम के बाद बहाल गिनते हैं मगर ऐसी ग्रह चाली हाल की औरत माहवारी अय्याम के बग़ैर ही पैदाइश औलाद की ताक़त से भरपूर और एक फूल की तरह पसन्दीदा होगी। जो कि असली मौसम के बग़ैर ही हरदम अपनी बहार दे रहा हो और इसमें ख़ूबसूरती ख़ुशबू दिल की मोहब्बत की लगन और माया तिलिस्मी जादू से लबरेज़ (पूरा किनारे तक भरा हुआ) हो।

मुहरीपन- रहनुमाई-मुंह का दिखना लबरेज़-लबालब, मुहां मुंह ऊपर तक भरा हुआ परिपूर्ण
ऐश व इशरत-ऐश्वर्य पसन्दीदा-दिल पसंद तिलिस्मी-जादुई उ०डि०-96 अय्याम-दिन,जमाना

Astro Lucky

श्री लक्ष्मी जी شری لکشمی جی Lachmi

8-हर तरफ़ मौतें ही मौतें नज़र आएंगी। पूरा शुक्कर का पतंग होगा। न सिर्फ़ खुद बरबाद बल्कि दूसरे साथियों को भी बरबाद करने की क़िस्मत का मालिक होगा	बुध सूरज सनीचर तीनों ही मंदे। क़ियाफ़ा:- शुक्कर का पतंग बुध के बुर्ज नम्बर 7 से चलकर सनीचर के बुर्ज नम्बर 10 तक पूरा हो।
9- इश्क़ का परवाना या दमा तपेदिक़ या बुख़ार के वक़्त स्त्री भोग या दीगर स्त्री ताल्लुक़ की वजह से बिगड़ा हुआ बुख़ार होगा। गौ-मूत्र (गौ-पेशाब) व जौं की खुराक मददगार। सरसों-बहुत मिलते हुए अनाज कम अज़ कम सात अनाज या चरी का दान मुबारक (मर्द कन्या दान और औरत गौ दान करे) तो कल्याण होगी।	नम्बर 1-7 में दुश्मन राहु-चंद्र सूरज हो और बुध (सिवाय बुध नम्बर 3) मंदा हो या सूरज नम्बर 7 या शुक्कर का साथी भी हो। क़ियाफ़ा: अंगूठे की जड़ शुक्कर के बुर्ज नम्बर 7 में सूरज का सितारा हो या सूरज के बुर्ज से शुक्कर के बुर्ज नम्बर 7 में रेखा या शुक्कर नम्बर 7 से शुक्कर के बुर्ज नम्बर 1 में में पूरी रेखा
10-पराई ममता गले लगी रहे वरना सात साल बीमार या अन्धा मुर्दा तो ज़रूर होगा। सेहत कौड़ी-कौड़ी करके हार देगा। मर्ज बढ़ता गया जूं-जूं दवा की। साथी ग्रह के मुतअल्लिक़ा रिश्तेदार के साथ से खुद शुक्कर (स्त्री ज़ात) और मुतअल्लिक़ा साथी दोनों तंग होंगे।	
11- दिल पर क़ाबू - इश्क़ पर कब्ज़ा क़िस्मत की मंदी चाल बदल देगा। दूसरों का सलाह मशविरा कारआमद होगा।	

तपेदिक-क्षय रोग

कारआमद-असरदार प्रभावशाली

कम अज़ कम-कम से कम

मशविरा-राय नसीहत

कौड़ी-कौड़ी-जिसकी कोई कीमत न हो, मूल्यहीन

Astro Lucky

शुक्कर ख़ाना नम्बर-2

मोहमाया का उम्दा गृहस्त
सिर्फ़ मालिक से मांगना ही
तेरी कमी पूरी करेगा।

बने माया तेरी मवेशी जो मिट्टी
तो फिर मांगता क्यों है सोने की हट्टी

घाट[1] गऊ जब कुटिया उसकी — केतु-गुरु-बुध उम्दा हो
माया दौलत ख़ुद मस्तक चलती — शान शाही घर आला हो
शेर[2] दहाना हो घर उस का — काम करे या सोने का
ग्रहण घेरा जब हो कभी टेवा — मिट्टी होवे फल क़िस्मत का
आठ ख़ाली -9-12 मंदे — औरत दौलत सब मंदा हो
अपने भाई और लड़के उसके — हालत गुरु पर चलता हो
बरबाद औरत बाज़ारी करती — पाप गुरु घर बैठा जो
नेक चले सब क़िस्मत फलती — उड़ती मिट्टी जब उलटा हो
आठ छटे ग्रह 2-10 जागे — असर शनि 9 देता हो
शनि वली घर 9 जब बैठे — शुक्कर गुना 2 होता हो
टेवे शनि हो जब 9 बैठा — असर शुक्कर 2 देता हो
पाया शुक्कर ही जब घर दूजा — असर शनि 9 होता हो

[1] -बाक़ी 5 बचने वाला या अगला हिस्सा तंग वाला मकान।

[2] -बाक़ी 3 या अगला हिस्सा चौड़ा पिछला हिस्सा तंग वाला मकान।

मवेशी-जानवर बाक़ी शेष बचा हुआ गऊ-गाय

AstroLucky

हस्त रेखा

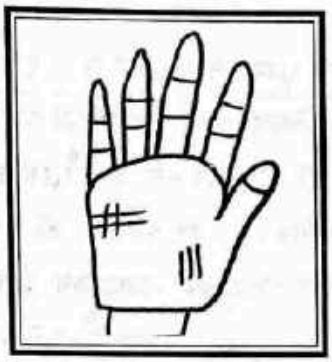

अकेली शुक्कर रेखा बृहस्पत के बुर्ज पर
वाक़ै हो-मोहब्बत रेखा-औलाद रेखा शादी
रेखा को काटे।
भाइयों की रेखा लम्बी लम्बी और टेढ़ी बृहस्पत को हो ।
दिल रेखा का सिर्फ़ इतना ही हिस्सा जो कि
बृहस्पत के बुर्ज के अन्दर हो
मोहब्बत रेखा के नाम से याद होगा।

नेक हालत

मिन्नतकश ग़ैर हर्गिज़ न होगा
जूती चोर साधु वह हर्गिज़ न होगा।
कभी ख़ाली घर न वह बच्चों से होगा।
ख़ुदा का ही ममनून एहसान होगा।
गृहस्ती न हो ख़्वाह गुरु जगत होगा।
वक़्त साठ साला ज़र व धन का होगा।

1 -अपना रिज़क़ दौलत और ससुराल की धरम अवस्था हमेशा नेक होगी। दुनियावी व खुदाई दोनों ही इश्क़ का मालिक होगा।

क़ियाफ़ा:- मोहब्बत रेखा बृहस्पत के बुर्ज में शुक्कर का लेटा हुआ ख़त

2 -राशि ख़ाना नम्बर 2 में कोई भी ग्रह नीच नहीं होता बल्कि इस घर का मालिक शुक्कर (मिट्टी या औरत) है जो पहाड़ पर सफ़ेद झंडा लटकाए हुए (नम्बर 2 पहाड़ और सफ़ेद रंग ख़ुद शुक्कर का अपना रंग) जो मैदाने जंग में सुलह होने पर देते है। हर एक बीज (तुख़्म) की रक्षा करता है । शुक्कर की उस सिफ़्त की वजह से उसे लक्ष्मी अवतार माना है। इसी बुनियाद

मिन्नतकश-एहसानमंद, कृतज्ञ हर्गिज़-हमेशा ममनून-आभारी कृतज्ञ तुख़्म-बीज
वजह-कारण क़ियाफ़ा-सामुद्रिक शास्त्र

Astro Lucky

पर शुक्कर नम्बर 2 के वक़्त अपनी गृहस्ती औरत का ताल्लुक़ नेक व उम्दा होगा।

3-दिमाग़ी ख़ाना नम्बर 2 बृहस्पत से मुश्तरका शादी की ख़्वाहिश मगर 37 ता $\frac{70}{72}$ साला बूढ़ी औरत की तरह उल्फ़त (इश्क़ से पहली उल्फ़त) और इश्क़ के बाद का ग़लबा या सिवाय इश्क़ वह काम देव की ताक़त के बाक़ी दोनों पहलू का मालिक यानी भूख तो बहुत ज़्यादा मगर हाज़मा कम क़ै करते करते घर ही भर दिया । औरत अब सिवाए औलाद बनाने के काम के बाक़ी हर तरह से उत्तम होगी। जानों और जानदारों का उम्दा हाल होगा गो बीमारी के झगड़ों का कोई हिसाब न होगा मगर रिज़्क़ कभी भी ख़राब न होगा बल्कि दिन दुगना रात चौगुना हिसाब होगा। या गाय या शुक्कर की देवी अब गुरु अस्थान और अपने असली दुनिया व ग़ैबी गऊ घाट में अपने असली मुक़ाम व आराम गाह (राहु केतु मस्नूई शुक्कर की बैठक) पर होगी जिससे बाल बच्चों की बरकत शादियों के नेक नतीजे गृहस्ती सुख की वृद्धि और शुक्कर का हक़ीक़ी नेक फल होगा। ज़ाती कमाई शुरू करेगे करने के दिन से कम अज़ कम 6 साल तो दौलत (सनीचर) की आमदन होगी। उसकी बैरूनी हालत सुफ़ियाना बृहस्पत से मुतअल्लिक़ा और अंदरूनी चाल आशिक़ाना (शुक्कर) मुतअल्लिक़ा होगी यानी 100 चूहे खा कर बिल्ली हज को गई वाला बगला भगत होगा। उसके लिए किसी से बुराई करना अपने लिए ही बुरा होगा। चाल चलन का संभालना हर नेक नतीजे की बुनियाद होगा। बहरहाल उम्र लम्बी व दुश्मन मग़लूब होंगे।

4-गृहस्त हमेशा भला ही होगा } सनीचर अब टेवे में कहीं भी हो वह शुक्कर के लिए सनीचर नम्बर 9 का दिया हुआ नेक फल देगा। ख़्वाह सनीचर का अपना बैठा होने वाले घर का फल ख़राब ही क्यों न हो।

5-बृहस्पत केतु और बुध का उम्दा फल होगा- और सनीचर का फल भी नेक ही होगा। धन दौलत की उम्दा क़िस्मत खुद अपने ही माथे पर होगी। घर बार मानिंद बादशाह और आला दर्जा का होगा।

6-जब उसका घर गऊ घाट-अगला हिस्सा तंग पिछला खुला हुआ गऊ की शक्ल का हो तो बाक़ी 5 बचने वाले 3 मकान की क़िस्मत वाला होगा।

ख़्वाहिश-चाह, लालसा
ग़ैबी-दैवी ताकत
उल्फ़त-प्रेम
बैरुनी-बाहर वाला
ग़लबा-प्रभुता
मग़लूब-पराजित, हारा हुआ
मुक़ाम-पड़ाव लक्ष्य
क़ै-उलटी करना

Astro Lucky

7-अपने भाई और लड़के की क़िस्मत व दीगर ताल्लुक़ का हाल	गुरु की हालत पर फ़ैसला होगा।
8- शुक्कर खुद जागता और सनीचर खुद अपना नम्बर 9 का असर देगा लेकिन अगर सनीचर हो ही ख़ाना नम्बर 9 में तो शुक्कर को दोगुना नेक असर होगा। हर दो इश्क़ हक़ीक़ी और दुनियावी में कामयाब। खुद कमाई शुरु करने के दिन से 60 साल कमाई का अर्सा होगा। मवेशियों के काम या कच्ची मिट्टी के कारोबार से औलाद रिज़्क़ बढ़ता होगा।	सनीचर ख़ाना नम्बर 2-9
9- भाई बंदों की बरकत और दुनियावी मदद होगी।	बृहस्पत नम्बर 6-12 क़ियाफ़ा : शुक्कर के बुर्ज नम्बर 7 पर भाईयों की लम्बी लम्बी टेढ़ी रेखा।
10- इश्क़ में दर्जा कमाल और कामयाब आशिक़ होगा।	बृहस्पत नम्बर 2 -मंगल नष्ट

मंदी हालत

शेर[1] दहाना हो घर उसका — काम करे या सोने का
ग्रहण[2] घिरा जब हो कभी टेवा — मिट्टी होवे फल क़िस्मत का

औरत के टेवे में शुक्कर नम्बर 2 से मुराद उसका मर्द नाक़ाबिले औलाद और मर्द के टेवे में शुक्कर नम्बर 2 से मुराद उसकी बांझ औरत होगी। यानी उनमें बाहमी जुफ़्ती कुव्वते बाह या काम देवी ताक़त (बुध की सिफ़्त) तो ज़रुर होगी मगर उनके बीज या बीरज (शुक्कर को बीरज भी माना है) में औलाद पैदा करने की ताक़त कम ही होगी।

2- गो अपनी औलाद का तक़ाज़ा मगर फिर भी दूसरे का लड़का बग़ैर मुतबन्ना बनाए अपना लड़का आ बनेगा।	नम्बर 2 में पापी या सिर्फ़ पाप का साथ क़ियाफ़ा:- शुक्कर के बुर्ज पर भाइयों की रेखा की मांनिद बुर्ज नम्बर 2 को देखते लम्बे लम्बे ख़त।

[1] -3 बचने वाला मकान- अगला हिस्सा खुला और पिछला हिस्सा तंग।
[2] -टेवे में ग्रहण लगा हुआ - सूरज राहु -सूरज ग्रहण-चंद्र केतु - चंद्र ग्रहण

हक़ीक़ी-सच्चा वास्तविक
जुफ़्ती-पशुओं आदि का मैथुन
रिज़्क़-काम धंधा
मुतबन्ना-गोद लिया हुआ (दत्तक पुत्र)
आशिक़-प्रेमी
कुव्वते बाह-रति शक्ति, काम शक्ति

Astro Lucky

3- औरत दुखिया करे ख़्वाह कितनी ही खुद कमाई योग होवे	ख़ाना नम्बर 9-12 मंदे हों।
4- बेवगान बतौर फ़र्ज़ ज़िम्मेदार और माशूक़ा आवारा या बाज़ारी औरत (कंजरी) बरबादी का बहाना होगी।	जब बृहस्पत के घरों
5- बीरज का क़तरा आवारा गिरता ही शुक्कर की मिट्टी की ज़र्रे बनाकर उड़ा देगा।	2-5-9-12 में राहु केतु हों ।
6-मर्द औरत खुद औलाद बनाने से मुतनफ़िर या औलाद बनाने के क़ाबिल ही न होंगे मगर खूबसूरत अय्याश व खुशपोश ज़रूर होंगे। औरत बांझ-दौलत घटे-हर तरफ़ मंदा ही हाल होता जावे।	ख़ाना नम्बर 8 ख़ाली
7- औलाद शादी में गड़बड़। खुद कमाई करने के योग वाली औरत। औलाद की पैदाइश और गृहस्ती ताल्लुक़ में मंदा फल ही देगी। अगर नेक चले तो हर तरह की ज़िन्दगी बाआराम हो।	बृहस्पत -8-9-10 में हो क़ियाफ़ा:-औलाद रेखा शादी रेखा को आ काटे।

उपाओ:-

ऐसे प्रानी मर्द ख़्वाह औरत के खून या नुत्फ़ा में कमी-औलाद की बीमारियां हों मगर पेशाब की नाली में मर्द ख़्वाह औरत शायद ही कभी कमी या ख़राबी होती होगी। इसलिए खून में औलाद पैदा करने की ताक़त की दवाइयां बतौर ग़िज़ा जिन में मंगल की अश्या शामिल हों अगर कभी ज़रूरत पड़े तो मददगार होंगी।

बेवगान-विधवाएं माशूक़ा-प्रेमिका मुतनफ़िर-अलग रहने वाला
नुत्फ़ा-बीज ग़िज़ा-खाना, अन्न कंजरी-बाजारी औरत

Astro Lucky

शुक्कर ख़ाना नम्बर-3

बुरा क्यों जो इज़्ज़त - तू औरत की करता
वक़्त पर है तेरे - जो ख़ुद मर्द बनता

केतु भले सतवन्ती औरत
गुरु ज़हर 9- मंदी सेहत
बुध मंदा घर 11 बैठे
महल-बाड़ी ख़्वाह परबत ऊंचे
मित्र मंगल 7 दूजे बैठा
लकीर लेटी ख़ुद शुक्कर सीता

चोरी कभी न होती हो
शनि रेखा 9 पितृ हो
शुक्कर मंदे ज़र घटता हो
नींद 34 न सुखिया हो
आठ मंदा न चंद्र हो
पार गऊ भवसागर हो

हस्त रेखा

गृहस्त रेखा मंगल नेक से
शुक्कर के बुर्ज में अंगूठे की जड़ में
झुक जावे। धन रेखा शुक्कर के
बुर्ज से शुरू होकर मंगल नेक पर ख़तम हो।

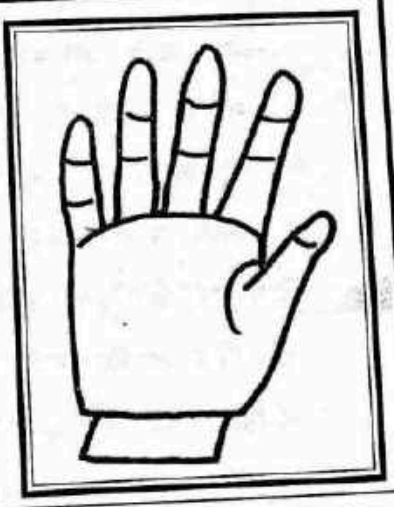

शुक्कर नम्बर 3 वाले पर औरत ज़ात फ़रनेफ़्ता हुआ ही करती है । मगर खुद अपनी औरत गाय की जगह बैल और शेर तबीयत (ख़ूंख़ार तंग करने वाली) मगर बुज़दिल होगी। बुरी औरत भी फ़ायदा देवे।

सतवन्ती औरत-आज्ञाकारी पत्नी
फ़रनेफ़्ता-मोहित
बुज़दिल-भीरू, डरपोक
ख़्वाह-चाहे

Astro Lucky

नेक हालत

1- गो वह शख़्स हर एक दोशीज़ा का दिलदादा (इश्क़ का परवाना) होगा मगर उसके खुद अपने लिए अपनी औरत की इज़्ज़त करना शुक्कर के नेक फल की बुनियाद होगी। अब शुक्कर गाय की बजाय बैल की हैसियत का होगा यानी खुद अपनी बीवी सिर्फ़ मामूली हालत की होने की बजाय टेवे वाले के हक़ीक़ी भाई की तरह बराबर के मर्द का काम देगी । जिस में सिर पर पगड़ी बांध कर मदद करने की पूरी हिम्मत होगी। ऐसी औरत मर्दाना खून की वजह से खूंख़ार मगर अपने मर्द के साथ बरताओ में बुज़दिल या खुशामद पसन्द ही होगी। जिसके बैठे चोर अय्यार और फ़रिश्ता अजल से भी बचाओ ही होता होगा।

2- दिमाग़ी ख़ाना नम्बर 3 मंगल से मुश्तरका प्यार या वल्दैनी मोहब्बत का मालिक होगा। 1 ता 15 साला उम्र का प्यार या वाल्दैनी मुहब्बत अगर पकड़े ही गए तो इश्क़ से क्यों नफ़रत और सामने आई हुई थाली पर इन्कार न होगा की तबीयत का मालिक होगा। पराई और बुरी औरत वग़ैरह और बुरे मर्द भी फ़ायदा और मदद ही देंगे। मुख़्तसर तौर पर शुक्कर नम्बर 3 वाले पर पराई औरत (कोई न कोई) ख़्वामख़्वाह फ़रनेफ़्ता (मोहित) हो ही जाया करती है। मिसाल के तौर पर ऐसा प्रानी सड़क के किनारे जा रहा था पीछे से आवाज़ आई कि ऐ मुसाफ़िर मैं भी तो तेरी साथन (धरम पत्नी) हूं। कुछ दिन हुए शादी का जश्न मनाया था और मैं तालाश में थी मगर वह कांपती हुई आवाज़ से जवाब दे रहा है कि मेरी औरत तो हमारे घर पर मौजूद है। इसरार और बार-बार वही गुफ़्तगू से वह औरत चिमट ही गई जिस पर वह शक ही में रहा कि उसकी असल औरत कौन और कहां है। आख़ीरन उस की हां में हां मिलाता हुआ वक़्त गुज़ार कर आगे चला। ऐसी मजबून और सहवन ग़ल्तियों की ज़्यादती की वजह से टेवे वाले को खुद अपनी औरत से हरदम दब कर ही रहना पड़ेगा।

3- औरतों की अमूमन इस घर में क़दर होगी और खुद औरत सतवन्ती होगी जिसके दम तक चोरी कभी न होगी। } केतु उम्दा हो

चोर अय्यार-चालाक मक्कार फ़रिश्ता अजल-मौत का देवता (यमराज) मुख़्तसर-संक्षिप्त
फ़रनेफ़्ता-मोहित सहवन-अनजाने में

Astro Lucky

4- उत्तम पितृ रेखा (वाल्दैनी सुख सागर) का लम्बा अरसा गुज़रान होगी।	सनीचर नम्बर 9
5-मिट्टी की लकीर की मानिंद बहुत कम हालत की मिट्टी की बेजान चीज़ें भी बोलती हुई सीता सतवन्ती की तरह उत्तम फल देंगी। शुक्कर अब चंद्र का भी उत्तम फल देगा। मुफ़्त की रोटी या आसान गुज़रान होगी। 20 साला तीर्थ यात्रा का उत्तम फल होगा। पितृ रेखा का फल उत्तम और लम्बा अरसा क़ायम होगा।	बुध नेक हो
	दोस्त ग्रह (बुध सनीचर केतु) या मंगल नम्बर 2-7 क़ियाफ़ा:- गृहस्त रेखा बुर्ज नम्बर 3 से चलकर बुर्ज नम्बर 7 में ख़तम हो या धन रेखा शुक्कर के बुर्ज से चलकर मंगल के बुर्ज नम्बर 3 में ख़तम हो
6-मिट्टी की हालत में भी तालाब की मिट्टी ऐसी मिट्टी होगी जो मवेशियों के पेट की बीमारियों को दूर करने के लिए उसके हाथ से दी हुई मुबारक होगी। शुक्कर अब बृहस्पत और सूरज से भी उत्तम फल देगा। बुध केतु अब चंद्र का असर शुक्कर में पैदा होने पर शुक्कर से दुश्मनी न करेंगे। ख़ाना नम्बर 8 के बुरे ग्रह का मंदा असर भी नेक करके मौत का मुंह मोड़ देगा।	और नम्बर 8 मंदा न हो । बल्कि चंद्र भी उत्तम हो। **क़ियाफ़ा:-** कलाई रेखा या उंगलियों की पोरियों पर शुक्कर के लेटे ख़त।
7-शुक्कर का अब ख़ाना नम्बर 9-11 में उसके दोस्त पर कोई बुरा असर न होगा। अपने ख़ानदानी मर्दों पर नेक असर होगा। हर तरह से ख़ुशहाल और फ़ारिग़ुलबाल होगा।	बृहस्पत दोबारा नम्बर 2 में आवे या बृहस्पत का दूसरा दौरा शुरू हो यानी उम्र के 49 वें साल

मंदी हालत

1- ख़ुद शुक्कर का ज़हरीला असर और मंदी सेहत बल्कि ख़ानदान (सारी कुल) ही की मंदी सेहत और दुखिया -हर तरफ़ ज़हमत बीमारी	बृहस्पत नम्बर 9
2- शुक्कर ख़ुद बरबाद होगा। 34 साला उम्र तक ख़्वाह लाख ख़ुद साख़्ता कितने ही ऊंचे महल बाड़ियां हों सुख की नींद नसीब न होगी। धन दौलत की दिन ब दिन कमी ही होती जावेगी।	बुध नम्बर 11

वाल्दैनी-माता पिता मानिंद-की तरह से तुल्य फ़ारिग़ुलबाल-जिसे कोई चिंता न हो
निर्वाह-गुजारा सतवन्ती-आज्ञाकारी स्त्री

Astro Lucky

3- अब 9-11 के ग्रह बरबाद न होंगे बल्कि वहां दुश्मन ग्रहों के वक़्त खुद शुक्कर बरबाद होगा।	ख़ाना नम्बर 9-11 के ग्रह
लाखोंपति होता भी अपने पेट के लिए अनाज की क़ीमत के बराबर मेहनत किये बग़ैर रोटी न पाएगा	शुक्कर और मंगल बद का ताल्लुक़ क़ियाफ़ा:- उगंलियों की पोरियों पर लेटे ख़त

4-शुक्कर नम्बर 3 का मंदा असर सिर्फ़ दौलत पर होगा। औरत का हाल उसके (टेवे वाले के अपने लिए) बरताओ के ताल्लुक़ में उम्दा न होगा। $\frac{16}{\text{गुरु}}$ ता $\frac{24\text{-चंद्र}}{34\text{-बुध}}$ साला उम्र तक क़िस्मत का असर मंदा होगा। लड़कियों (बुध) औरत (शुक्कर) का मंदा हाल और भाई बन्दों के हाथों से धन हानि आम होगी । लड़कियों के हाथों और ताल्लुक़ में धन दौलत बरबाद होगा अपने बनाए मकानों का सुख न होगा और न ही पिता बृहस्पत की जायदाद या उसका (पिता का) सोना टेवे वाले के किस काम आयेगा। पिता की तरफ़ से बुध की अश्या लम्बी लम्बी किताबों की लाइब्रेरियां ढोल धमाके के समान राग रंग के सामान जो बुलन्द आवाज़ से दूसरों के कान फाड़ दें अमूमन बाक़ी मिलेंगे। — बुध मंगल मन्दा

शुक्कर चौथे जब पानी आया X औरत हुआ वैराग
एक से दो भी होवे X पर बुझी न उनकी आग

सफ़्ह: 444 से मुतअल्लिक़ा

शुक्कर नम्बर 4 से मुतअल्लिक़ा

क़ीमत- मूल्य
सिर्फ़-केवल
अमूमन-आमतौर से
ताल्लुक़-संबंध
क़िस्मत-भाग्य
बाक़ी-शेष

Astro Lucky

शुक्कर ख़ाना नम्बर-4

नुक़्स यार अपना इश्क़ औरतों का
चश्मपोशी करते भी लानत ही देगा ।

साथ टेवे न ग्रह कोई साथी
औलाद कमी की अजब कहानी
नशा उजाड़े साथ शनि से
बैठा कोई ग्रह 2-7 टेवे
शनि मंदा बुध राहु मंदा
गुरु केतु भी चलते उलटा
बुध सुभाओ साथ शनि का
पापी बैठे बुध मंगल राजा

सात दूजा भी ख़ाली जो
ज़िन्दा औरत 2 बैठी हो
चंद्र फ़क़ीरी रेखा हो
एक औरत ही ज़िन्दा हो
भला शुक्कर न चंद्र हो
लेख औरत ग्रह मंदा हो
लेख औरत गुरु चलती हो
औलाद कलपना हटती हो

हस्त रेखा

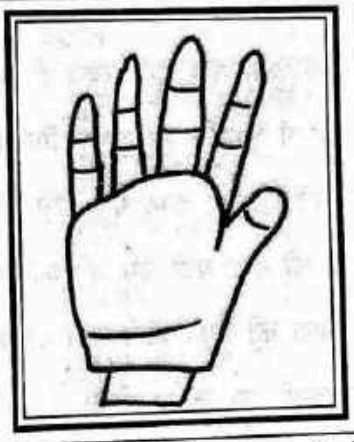

फ़क़ीरी रेखा-नशा रेखा-शराफ़त रेखा

सीधी लकीर लेटी हुई जो चंद्र शुक्कर मिलावे।

पहली ही औरत से पहला ही मर्द दो दफ़ा (दोबारा) शादी की पूरी रस्म अदा कर ले तो शुक्कर की दो औरत होने की शर्त न रहेगी और औलाद जल्दी होगी मगर अब औरत की सेहत ख़ासकर रहम बच्चादानी बरबाद होगी ऐसे वक़्त मंगल की अश्या कारोबार या रिश्तेदार मुतअल्लिक़ा मंगल से शुक्कर (औरत) को मदद मिलेगी। घर की सबसे पुरानी दहलीज़ मंदे वक़्त हमेशा कारआमद होगी।

दूजा-दूसरा
अश्या-चीज़े वस्तुएं
मुतअल्लिक़ा-संबंधित
दहलीज़-चौखट
कारआमद-असरदार प्रभावशाली

Astro Lucky

नेक हालत

1 – ख़ुश्की का सफ़र अमूमन दरपेश होगा जो नेक हालत और उम्दा नतीजा देगा । शादी के 4 साल बाद ख़ूब ऐश व आराम मिले और बाग़ बग़ीचे लगने लगाने का मौक़ा होगा। उसकी क़िस्मत की क़लम उसके बृहस्पत के हाथ होगी जब तक बृहस्पत से शनि का ताल्लुक़ न हो वरना बुध के ज़ाती सुभाओ के उसूल पर बुध की हालत से फ़ैसला होगा। बहरहाल मर्द के लिए उसकी औरत की क़िस्मत का न कोई साथ होगा मगर वह ख़ुद ऐश करेगी। दिमाग़ी ख़ाना नम्बर 4 चंद्र से मुश्तरका दोस्ती या मुलाक़ात की ताक़त ऐब पर पर्दा और ख़ूबी पर नज़र डालने की ताक़त, उल्फ़त, इश्क़ और इश्क़ के बाद का ग़लबा मोहब्बत के तीनों ही जुज़ों के मजमुआ का मालिक होगा। जहां दिल और आंख मिले मिलाते जाना एक चारपाई पर दो मेहमान या एक मेहमान के लिए दो चारपाई तो ज़रूर होगी। मगर आरामगाह के दरमियानी हिस्सा की निवाड़ या बान हमेशा भीगी ही होगी। यह तमाम होते हुए मामू तबाह, किल्लत औलाद ही होगी। जब मामूं घर बरबाद हो चुका हो, तो चंद्र का उपाओ मददगार होगा, वरना कुएं में बृहस्पत की अश्या गिराना मददगार होगा।

औरतें एक ही वक़्त में दो ज़िंदा होंगी। एक बूढ़ी मां की तरह बड़ी उम्र की और दूसरी ऐश आराम की मालिक हरफ़न मौला ज़माना की बेगम होगी मगर औलाद की फिर भी क़िल्लत ही होगी बल्कि लावल्दी तक जायज़ होगा।

ख़ाना नम्बर 2-7 ख़ाली और शुक्कर किसी दूसरे ग्रह का साथी ग्रह न ही बन रहा हो

(तस्वीर के लिए सफ़ह: 442 तस्वीर देखें)

अमूमन-आमतौर से
दरपेश-उपस्थित, सामनेवाला
मौका-अवसर
उल्फत-प्रेम
ग़लबा-प्रभुता तेजी बहुयायत
क़िल्लत-तंगी, कमी

Astro Lucky

मंदी हालत

पत्थर[1] भी रेत हो गर तो रेत[2] उड़ाता होगा
औरत की हो आज़ारी बुध केतु मंदा होगा

1 - इस घर के शुक्कर के ताल्लुक़ में यह आम होगा कि (i) ख़ूबसूरती जवानी के बाज़ार में बिकने लगी जिसके तबादला में जवाब होगा कि चोरी कर लेने की निस्बत किसी को चोर कहना न सिर्फ़ उसके दिली ख़ून को जोश देगा बल्कि जान लेने का हमला करने के बराबर होगा। बन्द कुआं या कुएं पर छत डालकर मकान बनाने पर पूरी लावल्दी का सबूत होगा। इश्क़ फ़ाहिशा बरबादी के लिए दीमक से कम न होगा। ऐब पर पर्दा और ख़ूबी पर नज़र डालना मुबारक होगा। मकान की छत की उम्दा हालत औरत की सेहत में मदद देगी। शुक्कर और चंद्र जब दोनों ही मंदे हों तो आड़ू की गिटक में सुरमा भरकर बाहर दबाना मुबारक होगा-22-24-29-32-39-47-51-60 साला उम्र की शादी ग़ैर मुबारक होगी।

नुक़्स[3] यार अपना इश्क़ औरतों का - चश्मपोशी करते वह लानत ही देगा।

2-औरत की क़िस्मत अच्छी या बुरी बृहस्पत की हालत पर होगी।	बशर्ते कि सनीचर बृहस्पत के साथ न हो।
3-नशों से बरबाद होगा बुध की अश्या या कारोबार बहाना होंगे बल्कि बृहस्पत और केतु भी निकम्मे होंगे	सनीचर का साथ क़ियाफ़ा:- शुक्कर और चंद्र के बुर्ज को मिलाने वाली। नशाबाज़ी या फ़कीरी रेखा
4-फ़क़ीरी रेखा अज़हद ग़रीबी निर्धन तंग दस्ती मगर खुदाई मदद ज़रूर होगी व उत्तम हालत।	चंद्र का साथ
5 - इश्क़ बाइसे तबाही होगा और औलाद की क़िल्लत होगी।	सनीचर मंदा

1-सनीचर 2 - बुध 3 - जब शुक्कर अकेला और ख़ाना नम्बर 2-7 ख़ाली होवे।

आज़ारी-बीमारी निस्बत-तुलना में अनुपात में फ़ाहिशा-बहुत अधिक बुरा
अहद-प्रतिज्ञा

Astro Lucky

6-शुक्कर और चंद्र की लड़ाई नूंह सास का झगड़ा हर दो ग्रह नाक़िस मामूं बरबाद होंगे। मंदी और ख़राब हालत की बुनियाद खुद चंद्र पर होगी।	बृहस्पत नम्बर 1
7-शुक्कर मंदा फल देगा लड़कियां बाइसे बरबादी होगी इसकी औरत मर्द ख़ानदान के लिए मनहूस और ग़ैर मुबारक होगी।	बुध नम्बर 6 या मंदा या या चंद्र मंदा हो।
क़िल्लत औलाद दूर होगी।	मंगल बुध बल्कि पापी ग्रहों से कोई भी अपने दूसरे दौरा के मुताबिक़ नम्बर 1 में आ जाए या शुक्कर का साथ साथी हो जावे

शुक्कर ख़ाना नम्बर-5

बच्चों से भरा हुआ घर परिवार

ज़माना की माताएं-औरत जो तेरी
नस्ल तेरे बच्चों की तुझे कौन देगी

आग जली न मिट्टी उड़े	उड़ेगी जिस दम वह
जो ग्रह ↵ पहले घर 9वें	अन्धा काना हो
दोस्त शुक्कर ग्रह क़ायम होते	पार माया भवसागर हो
शत्रु मगर 7 पहले बैठे	पतंग फटा घर शुक्कर हो
क़ायम ग्रह नर शुक्कर देखे	माया दौलत सब बढ़ाता हो
12 जले घर शुक्कर मंदे	बैठा भला ख़्वाह 3-8 हो
दृष्टि शुक्कर न जब कोई करता	चोर शुक्कर खुद होता हो
एक अकेला न कोई मंदा	ऊत गया ही आवा हो
सेवा गऊ और चंद्र होते	औलाद सोना घर भरता हो
चलन मंदे बच्चे बाहर बनते	आग जली जोड़ी मरता हो

↵ जो ग्रह ख़ाना नम्बर 1 या 9 में हो उस ग्रह का मुतअल्लिक़ा रिश्तेदार सिवाय सूरज नम्बर 1 और बृहस्पत नम्बर 9

नूंह-बहूं (बेटे की पत्नी) मुतअल्लिक़ा-संबंधित सिवाय-सिर्फ़, केवल
आवा-ईंट का पकाने का भट्ठा उत गया-नष्ट हो जाना

Astro Lucky

हस्त रेखा

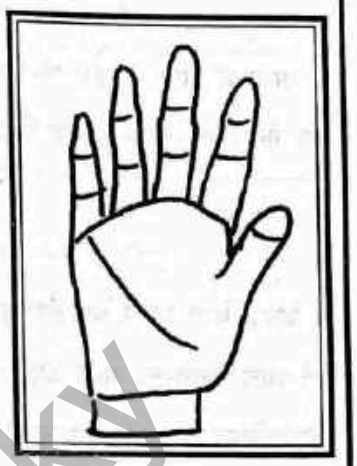

सेहत रेखा या सूरज की तरक़्क़ी रेखा शुक्कर से चलकर बुध पर ख़तम होवे।

नेक हालत

1-बच्चों के परिवार से भरी हुई औरत जिसके बैठे (या शुक्कर की अश्या क़ायम होते) रिज़्क़ कभी बन्द न होगा।

2-दिमाग़ी ख़ाना नम्बर 5 वतन व क़बीला की मोहब्बत का दिलदादा और हुबुलवतनी का परवाना होगा अगर सूफ़ी हुआ तो भवसागर से पार और अगर आशिक़ दुनिया हुआ तो दरख़्त में फंसे हुए पतंग की तरह क़िस्मत का हाल होगा। बल्कि एक को क्या रोए यहां तो आवा (तमाम कुनबा) ही ऊत गया (मंदा हो गया) होगा।

3-सूफ़ी धर्मात्मा होगा और भवसागर से पार करने वाली गऊ माता की तरह उत्तम लक्ष्मी और औरत कुल तारने वाली होगी। } दोस्त ग्रह (बुध सनीचर केतु) क़ायम हो

4-माया दौलत बढ़ता वतन व क़बीला की मोहब्बत का दिलदादा व मुबारक होगा। } नर ग्रह क़ायम या साथ साथी ।

5-नम्बर 1-9 के ग्रह के मुतअल्लिक़ा रिश्तेदार शुक्कर से दौलत की बरकत पाएंगे या टेवे वाले को उस ग्रह के मुतअल्लिक़ा कारोबार दौलत की बरकत देंगे। } बुध या पापी नम्बर 1-7

ل -आदमी ने एक कुत्ता और एक बिल्ली पाले और मकान बदला तो कुत्ते ने मालिक को नहीं छोड़ा मगर बिल्ली पिछले मकान की तरफ़ भागी ।

हुबुलवतनी-देश प्रेमी सूफ़ी-सन्त आशिक़-प्रेमी दिलदादा-इच्छुक दरख़्त-पेड़

Astro Lucky

6-हर तरह बरकत ही बरकत होगी ।	सूरज नम्बर 1 मंगल नम्बर 3
7-तेरे चाल चलन से ही तेरी क़िस्मत (ख़ासकर माली हालत) का भेद खुल जावेगा । मगर औरत और औलाद पर फिर भी मंदा असर न होगा ।	

मंदी हालत

1-अपना मन्दा चलन धन हानि करवाता रहे। मंदी क़िस्मत मंदे चाल चलन का सबूत देगी। शुक्कर कम ही मंदा होगा। अब औलाद पर कभी बुरा असर न होगा यानी औलाद ज़रुर होगी। अगर होगा तो ख़ाना नम्बर 1-9 के ग्रह (सिवाय सूरज नम्बर 1 या बृहस्पत नम्बर 9) का मुतअल्लिक़ा रिश्तेदार (मसलन राहु ससुराल मंगल बड़ा भाई ताया वग़ैरह) अन्धा या काना या उस ग्रह के मुतअल्लिक़ा कारोबार बाइसे बरबादी होंगे।	जब शुक्कर मंदा हो या मंदा कर लिया जावे।
2-ख़ाना नम्बर 12 जलता होगा ख़्वाह नम्बर 3-8 उम्दा ही हों । टेवे वाले पर मंदा असर न होगा मगर साथियों पर शुक्कर अब दरख़्त में फंसे हुए पतंग की तरह लिपटा हुआ क़िस्मत की हानि दिखला रहा होगा। चंद्र उसे डोर का काम देगा। दुनियावी आशिक़ कामयाब होगा। वतन का दिलदादा।	दुश्मन ग्रह (सूरज चंद राहु) नम्बर 1-7
3-शुक्कर (औरत या शुक्कर के मुतअल्लिक़ा कारोबार) खुद चोर होगा और चोरी में गया हुआ माल शायद ही वापिस होगा। और ऐसे टेवे वाले या उसकी औरत ही ऐसी न होगी बल्कि वहां तो आवा ही ऊत गया (बरबाद)होगा। जो भी न हो सकने वाली बात कहो सब ही सच। दिन को ज्ञान रात को इश्क़ स्नान। धरम सिर्फ़ एक धोका का ही पर्दा बनाया गया है की एतिक़ाद वाला।	शुक्कर की दृष्टि में कोई भी ग्रह न हो।

मुतअल्लिक़ा-संबंधित वग़ैरह-इत्यादि कामयाब- सफल
दिलदादा-इच्छुक आवा ही ऊत-ईंट पकाने का भट्ठा नष्ट हो जाना

Astro Lucky

ज़माना की माताएं-औरत जो तेरी नस्ल तेरे बच्चों की-तुझे कौन देगी

आशिक़ाना मोहब्बत के नतीजा पर की हुई शादी या वाल्दैन की मर्ज़ी के ख़िलाफ़ लड़की की ख़ूबसूरती की लगन की वजह से शादी हो तो ऐसे प्रानी की औलाद उसे बाप न कहेगी या बाप न मानेगी या बहैसियत औलाद बाप के काम न आएगी।

4- चंद्र का मंदा असर अब शुक्कर पर होगा। चंद्र अब शुक्कर के पतंग को डोर का काम देगा मगर अब उपाओ भी चंद्र ही का मददगार होगा। } चंद्र मंदा हो।

दुश्मन ग्रहों का अब शुक्कर पर या शुक्कर के फल में कोई मंदा असर न होगा। } साथ बैठे हुए दुश्मन ग्रह

5- गुरू और माता की सेवा करने और पाक सफ़ा दिल रहने से घर बार में धन दौलत की बरकत होगी और चाल चलन बरबाद से जब बाहर या बाहर से बच्चे बनने या बनाने लगे तो मर्द औरत की जोड़ी दुखिया जलकर बरबाद होगी।

उपाओ:-

सेहत के ताल्लुक़ में जाए ख़ास (मर्द ख़्वाह औरत) को पानी की बजाए दही/दूध से धोते रहना। शुक्कर की उड़ती हुई मिट्टी (दुनियावी शक़ व शकूक़) से बचाओ देगा बल्कि जाए ख़ास के इस तरह सफ़ा रहते हुए गृहस्ती परिवार और माल व सामान में माया के आने जाने की नाली भी हमेशा सफ़ा ही गिनी जाएगी।

आशिक़ाना-प्रेम, इश्क
बहैसियत-क्षमतानुसार
सफ़ा-साफ
शकूक़-बहुत शक करने वाला
माल व समान-

Astro Lucky

शुक्कर ख़ाना नम्बर-6

शान से रखी तो दौलत के महल
वरना नीच दौलत -कुलक्ष्मी

जवानी अगर तू न बच्चे भुलाता
बुढ़ापा न दुनिया में तुझको रुलाता

ज़ाहिरदारी और इज़्ज़त उम्दा — असर गिना घर दो का हो
आठ मंदा 2 साथ जो मिलता — शुक्कर देता फल 12 हो
गुरु रवि कोई 6-2 बैठे — शुक्कर रेखा मच्छ होता हो
साथ शनि या मंगल होते — हीरा रिज़क़ ज़र चश्मा हो
राज ताल्लुक़ बेशक नीचे — साया दौलत ज़र होता हो
लड़का अगर कोई उस घर जनमे — साल 12 न दूजा हो
सात छठे घर शत्रु बैठे — केतु साथी गुरु 12 जो
रवि गुरु ख़्वाह चंद्र मिलते — असर सभी का मंदा हो
बुध मंदे हो सेहत मंदी — शनि बुरे ज़र घटता हो
केतु हुआ मंद दुश्मन बैरी — बांझ औरत या ख़ुसरा हो
शुरू शरारत पाप हो करता — मंगल नतीजा देता हो
जनम मंदा ग्रह तख़्त पर आता — ज़हर टेवा सब धोता हो
शुक्कर बुरा न ख़ुद कभी होगा — असर बुरा हमसाया हो
भला जनम ग्रह जब कभी मंदा — दृष्टि मारा ज़र माया हो

कुलक्ष्मी-अलक्ष्मी
ज़र-दौलत संपत्ति
ज़ाहिरदारी-स्पष्ट बाहरी
रिज़क़-काम धंधा नौकरी पेशा
टेवा-जन्मपत्री

Astro Lucky

शुक्कर का पतंग - कामदेव रेखा यह रेखा घर की रहनुमाई या भाई बन्दों पर अंगुश्तनुमाई और हम असरों की नम्बरदारी ज़ाहिर करती है। ऐसा आदमी धरमहीन होने के अलावा औरत ज़ात की हमदोसना तारीफ़ के पुल बनाने और ज़बानी याद में वक़्त सर्फ़ करना आम दस्तूर बनाए रखता है और दूर बैठी जुबान की तरह इश्क़ को याद करता है। सेहत उम्दा और जुबान और आंखों की ताक़त साफ़ होती हैं। औरत ज़ात या अपनी औरत के कुटुम्भ क़बीले का नेक ताल्लुक़ हुआ करता है। मगर सूरज की किरणें इस शुक्कर के दरबार में मिट्टी के रंग का असर (मैला सा रंग) ज़ाहिर करती हैं यानी वह सरकार के घर से रुपया पैसा कमाने वाला बराहे रास्त नहीं हुआ करता। मगर अहले सरकार या राजदरबार वालों की कमाई से अपना कारोबार लगाए बग़ैर नहीं रह सकता। इतना ज़रूर है कि वह अपने हमराहियों को कई दफ़ा ज़लील व ख़्वार होने यानी (शुक्कर नीच का फल होगा) की तरफ़ कर बैठता है और ग्रहस्त के काम-काज में मनहूस असर होगा। क्योंकि शुक्कर और सूरज बाहम दोस्त नहीं हैं। इस रेखा का खुद इसकी अपनी ज़ात पर कोई बुरा असर नहीं होता। टूट फूट से दिमाग़ी कमज़ोरी दीवानगी और बुध के बुर्ज से सनीचर तक की पूरी लम्बाई की हालत में इसके ख़यालात में दहशत और परेशानी हुआ करती है। ऐसे प्रानी (शुक्कर नम्बर 6 वालों) की औरत सदाबहार फूल और खुद वह ऐशी पट्ठा होगा। यही बात औरत के टेवे में शुक्कर नम्बर 6 के वक़्त उल्ट कहेंगे। शुक्कर नम्बर 6 में होते वक़्त इसकी औरत को ज़मीन पर अपना नंगे पांव चलना ग़ैर मुबारक होगा। बेहतर तो यह है कि हरदम जुराब वग़ैरह डालकर रहे ताकि ज़मीन से पांव का चमड़ा न लगे। गाय बैल धन दौलत की चोरी या गुम हो जाना निशानी होगी। बृहस्पत सांस दमा वग़ैरह सूरज जिस्म और गुस्सा नीच हालत की निशानी है। दिल रेखा के दुरुस्त यानी चंद्र क़ायम होते हुए शुक्कर का

रहनुमाई-रास्ता बतलाना, आगे आगे चलना
हमदोसना-मिल जुलकर
ख़यालात-विचार ध्यान
सर्फ़-खर्च, उपयोग

Astro Lucky

असर कभी बुरा न होगा। मगर चंद्र व दिल बुरा असर देंगे। शुक्कर जब कभी भी ख़ाना नम्बर 6 में खुद नीच हो इसने मंगल बद का असर न दिया। शुक्कर गुम से गो अक़्ल गुम हुई। और बुध ने साथ छोड़ा स्त्री ज़ात को कुछ तकलीफ़ हुई। मगर धन दौलत गुम न हुआ। अगर शुक्कर नीच से अक़्ल गुम हुई तो नसीबा ने हार नहीं दी । 'लल्लू करे कुव्वल्लियां रब सिधियां पावे '। यानी रोज़ी अक़्ल के हिसाब से होती तो नादान या बेवक़ूफ़ से तंग रोज़ी वाला और कोई न होता यानी शुक्कर का नीच हो जाना अपने लिए मंदा नहीं होता। इसलिए इस ग्रह का दुनिया से ताल्लुक़ होना या न होना ख़ास फ़र्क़ नहीं दुनिया का आशिक़ न होगा। तो दुनिया का त्यागी ज़रूर होगा। इसलिए नहीं कि वैराग से मगर इसलिए कि इसमें अक़्ल नहीं। ख़राब रेखा से मेहरबानी न करने की आदत तबीयत का बदल जाने वाला ।

नीच हालत:- शुक्कर नम्बर 6 ग़रीबों को मदद देवे और इनको रुपया पैसा खिलावेगा । अक़्ल के ख़िलाफ़ बहुत से काम करेगा। अपने घर मकान का फ़ायदा न पाएगा। स्त्री पराई स्त्री या स्त्री सुख से महरूम होगा। आख़ीर उम्र में आराम होगा जिसके लिए चंद्र का उपाओ मददगार होगा।

(2)- जब यह रेखा (शुक्कर का पतंग) सिर्फ़ बुध के बुर्ज नम्बर 7 कनिष्का की जड़ पर ही हो तो शुक्कर नम्बर 7 होगा और सूरज के बुर्ज नम्बर 1 पर अनामिका की जड़ ही में हो तो शुक्कर ख़ाना नम्बर 1 का होगा। और जब शुक्कर का पतंग सिर्फ़ मद्धमा की जड़ में ही हो (शुक्कर नम्बर 10) तो शुक्कर ख़ाना नम्बर 10 का फल देगा जिसके लिए शुक्कर नम्बर 10 में देखें।

हस्त रेखा

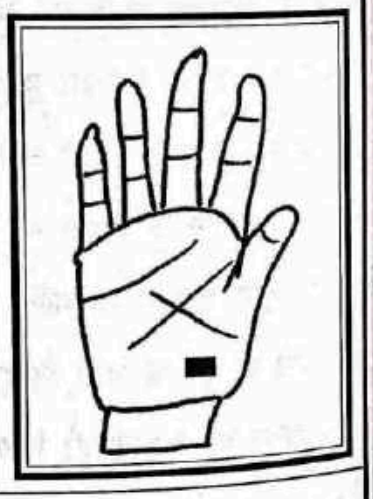

सेहत रेखा या सूरज की तरक़्क़ी रेखा

जब शुक्कर से चलकर हथेली की बड़ी मुस्ततील ख़ाना नम्बर 6 में ख़तम होवे।

शुक्कर पर राहु का निशान हो।

बेवक़ूफ़-कम अकल आशिक़-प्रेमी महरूम-वंछित
तरक़्क़ी-उन्नित फ़ायदा-लाभ

Astro Lucky

नेक हालत

लल्लू करे कुव्वल्लियां रब सिधियां पावे
लड़के उस घर से डरें कुड़ियां पल्ले पावे

1- खुद अपनी ज़ाहिरदारी उम्दा तो दुनियावी शान व शौकत उम्दा होगी। आख़ीर उम्र में आराम होगा, जिसके लिए चंद्र का उपाओ मददगार हो दिमाग़ी ख़ाना नम्बर 6 केतु से मुश्तरका दिलचस्पी या पक्की मुहब्बत। हर काम के लिए तैयार या लगा रहने वाला। काम पूरा किये बग़ैर न छोड़ना के उसूल का मालिक मगर क़िस्मत का अजीब नज़ारा कि इंतज़ार करते करते दिन रात थक गए आख़ीर पर वस्ल की रात और आशा का फल निकम्मा ही देखा गया। औलाद के लिए नीच फल बाक़ी सब वही फल जो शुक्कर नम्बर 2 का है।

2-	शुक्कर नम्बर 12 का उत्तम फल होगा राजदरबार का ताल्लुक़ बेशक नीचा।	जब नम्बर 2-8 का मंदा असर शामिल होवे या नम्बर 2-8 में शुक्कर के दुश्मन (सूरज-चंद्र राहु) ग्रह मौजूद हों या वैसे ही नम्बर 8-2 मंदे हो रहे हों।
3-	शुक्कर कभी बुरा न होगा।	जब तक चंद्र क़ायम या उम्दा हो।
4-	उम्दा ज़िन्दगी मगर शुक्कर का ज़ाती असर राहु केतु की हालत पर होगा।	मंगल साथ साथी
5-	मच्छ रेखा ख़्वाह अपनी ख़्वाह अपने पिता की।	सूरज या बृहस्पत नम्बर 2-6 और नम्बर 12 में कोई न कोई ग्रह ज़रूर होवे।
6-	ख़ूब दौलत मंद होगा शुक्कर क़ीमती हीरा मगर औलाद निकम्मी नालायक़ ही होगी। भाई बन्द और गृहस्ती साथियों की बरकत और मदद बल्कि मच्छ रेखा ख़्वाह पिता की तरफ़ से यानी 7 भाई 3 बहन या मच्छ रेखा ज़ाती तरफ़ से 7 लड़के 3 लड़कियां।	सूरज या बृहस्पत या दोनों नम्बर 2-6 साथ साथी।

ख़्वाह-चाहे निकम्मी-बिना काम की दिलचस्पी-दिल से चाहना, पसंद करना

Astro Lucky

शुक्कर नम्बर 6 वाले मर्द / वाली औरत को बेहतर होगा कि वह ऐसे ऐसी औरत / ऐसे मर्द से शादी करवाये जो अकेला भाई / अकेली बहन न हों। मतलब यह कि शुक्कर नम्बर 6 सिर्फ़ उस वक़्त ही मंदा होगा जब मंगल की तरफ़ से (भाईबन्द) ऐसे मर्द / ऐसी औरत अकेला ही हो।

शुक्कर के दोस्त ग्रह (बुध सनीचर केतु) पहले खुद मंदे असर का सबूत देंगे।

या

शुक्कर के दुश्मन ग्रह (सूरज बृहस्पत चंद्र राहु) अपनी मंदी या बुरी हालत ज़ाहिर करेंगे जिसकी आमद की पहली निशानी

सनीचर की मुतअल्लिक़ा अश्या बुध की मुतअल्लिक़ा अश्या केतु की मुतअल्लिक़ा अश्या	मकान- मशीन बहन-भुआ- लड़की औलाद या जिस्मानी जोड़ कान रीढ़ की हड्डी वग़ैरह

से शुरु होगी जिसकी मदद में टेवे वाले के जद्दी मकान की तह ज़मीन में

बुध की मुतअल्लिक़ा अश्या या	गुमनाम बन्द हालत भोरा या तहख़ाना तह ज़मीन के अन्दर या दीवारों की अपनी बनावट के अन्दर छुपे-छिपाये मगर खुद बनाये पोल या रख़ना अंदाज़ियां या ख़ाली बहुत बड़े बड़े बरतन गोल शक्ल के ख़्वाह मिट्टी के ख़्वाह धातु के वग़ैरह
सनीचर के समान होंगे	लोहे के बड़े कद्दावर बक्से लोहे का Safe वग़ैरह तह ज़मीन में दबे हुए ।

फ़ैसला बुध की हालत व बुध को सनीचर की मदद की ताक़त पर होगा। राहु केतु शरारत की सबसे पहले ख़बर देंगे और मंगल आख़री नतीजा बता देगा मुख़्तसरन शुक्कर का असर इसके हिमायती हमसाया ग्रहों से फ़ैसला होगा।

ज़ाहिर-दिखाई देने वाला
मुतअल्लिक़ा-संबंधित
आमद-आना, आगमन
मुख़्तसरन-संक्षिप्त

Astro Lucky

मंदी हालत

1-	शुक्कर मय साथी हर दो बरबाद मंदे चांदी ठोस घर में रखनी मुबारक।	नम्बर 6-7 में कोई भी साथी सिवाय मंगल बृहस्पत
2-	शुक्कर अब मंदा असर देगा औलाद हर तरह से मंदी। वालिद बचपन में गुज़र जावे और औरत का फल (औलाद वग़ैरह) 28 साला उम्र के बाद उत्तम होगा।	नम्बर 2 ख़ाली या सूरज नम्बर 6 और नम्बर 2 ख़ाली
3-	औरत जिस क़दर शान से रखी उसी क़दर दौलत के महल ऊंच वरना नीच दौलत कुलक्ष्मी होगी।	
4-	ख़ाना नम्बर 3- 4-7-9 के ग्रहों का मंदा हाल होगा मगर नम्बर 1 का ग्रह चंद्र देगा या खुद बुध नम्बर 1 में आने के वक़्त सब कुछ बहाल कर देगा।	बुध नम्बर 5 मंदा ✱A
5-	सभी ग्रहों का मंदा असर होगा ख़्वाह सूरज चंद्र बृहस्पत सब ही की मदद हो जावे।	केतु साथी और बृहस्पत नम्बर 12
6-	पहली औरत मर जावे राहु की मियाद तक दुश्मनों से तकलीफ़ होवे।	राहु नम्बर 2
7 -	सेहत मंदी होगी और हाशिया दिये हुए सब ही ख़ानो नम्बरों का असर मंदा बल्कि बरबाद कर देगा मगर ऐसी हालत में ख़ाना नम्बर (1) का ग्रह मदद देगा या खुद बुध नम्बर 1 में आने के वक़्त से सब कुछ बहाल कर देगा।	नम्बर 9- बुज़र्गी ख़ानदान नम्बर 3- भाई बन्द नम्बर 4- माता व माता ख़ानदान नम्बर 6- मामूं नम्बर 7- औरत खुद लक्ष्मी नम्बर 10- उम्र पिता नम्बर 11- आमदन नम्बर 12 - रात का सुख बुध मंदा (सिवाय बुध नम्बर 5) ✱A

वालिद-पिता
ख़्वाह-चाहे
मामूं-मामा (माता का भाई)
मियाद-अवधि
तकलीफ़-परेशानी
बृहस्पत-बृहस्पति ग्रह

Astro Lucky

	शुक्कर का फल मंदा औलाद नरीना की क़िल्लत होगी ।	बुध नम्बर 8
8-	धन दौलत की दिन-ब-दिन कमी होती जावे ।	सनीचर मंदा हो
9-	गन्दी नाली औरत बांझ या मर्द खुसरा होगा नर औलाद से महरूम या दुखिया ही होवे अगर फिर भी हो तो लड़कियों से टोकरे भर देगा। अक़्ल की बेशक कमी हो मगर रिज़्क़ की कमी न होगी फिर भी त्यागी होगा पराई और मंदी औरतें ख़्वामख़्वाह बरबादी का बहाना होगी ।	केतु मंदा या साथ साथी नम्बर 6

शुक्कर नम्बर 6 वाले प्रानी मर्द ख़्वाह औरत के ख़ून में औलाद नरीना की पैदाइश के ताल्लुक़ में कोई बीमारी न होगी अगर होगी तो जाए ख़ास (मर्द ख़्वाह औरत) की जिल्द में नुक़्स हो सकते हैं और वह भी फ़ालतू ज़रासीम पैदा होंगे ख़ासकर उस वक़्त जब पैदाइश औलाद के सवाल को भूले हुए ख़्वाब में भी याद न लाया जावे ।

उपाओ :-

औलाद की मंदी हालत (पैदा ही न होना या होकर मर जाना या लड़कियां ही लड़कियां पैदा होना) के वक़्त ऐसा प्रानी (मर्द ख़्वाह औरत) जाए ख़ास की सफ़ाई के लिए मंगल की अश्या[1] या ऐसी चीज़े जिन से कि जरासीम ज़ाया होते रहें इस्तेमाल करता रहे-(डॉक्टर लोगों से सलाह लेकर ऐसी चीज़े धोने के लिए बरमीन जिनका रंग मंगल का रंग हो)

10-	घर बार की नम्बरदारी या रहनुमाई से सब को खुश्क तालाब में भी डुबोकर ही छोड़ देगा ख़ासकर जब औरत के लिए ज़बानी तारीफ़ और इश्क़ में फ़र्ज़ी पुल बनाता रहे ।	शुक्कर दृष्टि से ख़ाली या बरबाद ।

[1] -लाल दवाई पोटाशियम परमैंगनेट या सौंफ़ का जुज़ किसी और दवाइयों से मिलाकर धोने के लिए पानी बनाया हुआ वग़ैरह ।

जरासीम-कीटाणु खुसरा-नपुंसक रिज़्क़-काम धंधा पेशा व्यापार नौकरी
नरीना-लड़का रहनुमाई-रास्ता

Astro Lucky

11- नर औलाद जब कभी होवे तो दूसरा बच्चा अमूमन 12 साल के बाद ही होगा ।	जब शुक्कर सोया - नीच या मन्दा हो ।
12- दौलत बरबाद शुक्कर का हर तरह से मंदा फल होगा मंदे वक़्त की शरारत पहले पापी ग्रहों के मारफ़त (पापी ग्रहों की अश्या रिश्तेदार या कारोबार मुतअल्लिक़ा पापी ग्रह) के ज़रिये होगी और नतीजा मंगल की हालत पर होगा ।	बृहस्पत नम्बर 7 ता 12 हो या सूरज भी नम्बर 6 के बाद के घरों में हो ।

13- जनम कुण्डली का मंदा ग्रह जब नम्बर 1 में आएगा टेवे की सब ज़हर धो देगा शुक्कर खुद कभी बुरा न होगा हमसाया ग्रह का बुरा असर होगा औरत का नंगे पांव फिरना पांव का तलवा ज़मीन में से छूना औलाद की क़िल्लत देगा शुक्कर नम्बर 6 का फ़ैसला बुध की हालत (बुध को सनीचर की मदद की ताक़त) पर होगा ।

औरत के सिर की बालों में ख़ालिस सोना क़ायम रखना औलाद व लक्ष्मी की बृद्धि में मददगार होगा जाये महसूरा पेशाबगाह को दही से साफ़ करते रहना मुबारक व उत्तम फल देगा ।

शादी की रस्म अदा होने के वक़्त अगर वाल्दैन (औरत बनने वाली लड़की / ख़ाविंद बनने वाला लड़का) को (वह लड़की / वह लड़का जिसका शुक्कर नम्बर 6 में हो) ख़ालिस सोने के दो टुकड़े संकल्प करके दे देवें तो सारी उम्र वह औलाद के ताल्लुक़ में नेक असर देंगे।

जो काम करे मंदा नतीजा या अक़्ल खराब होगी । बृहस्पत सूरज चंद्र तीनों ही का फल मंदा या तीनों ग्रह सोये हुए होंगे या तीनों ही ग्रहों की मुतअल्लिक़ा अश्या का कोई फ़ायदा साथ या सहारा न होगा	ख़ाना नम्बर 7 में शुक्कर के दुश्मन ग्रह या कोई भी बाहम दुश्मन लड़ रहे हों क़ियाफ़ा- शुक्कर का बुर्ज नीच हो

मुतअल्लिक़ा-संबंधित
ताक़त-शक्ति
नतीजा-परिणाम
पेशाब गाह-पेशाब की जगह
वाल्दैन-माता पिता
अश्या-चीजे वस्तुएं
ख़ाविंद-पति

Astro Lucky

शुक्कर ख़ाना नम्बर-7

जैसा ये वैसी वह साथी
का असर अकेला नेक

एवज़ ग़ैर सतवन्ती अपनी जो भूली
जली माया घर की ये क्या नार (आग) ले ली

सफ़र गुज़र हो उसकी लम्बी
रिज़क़ तलक परदेसी हो
लगन पराई औरत मंदी
चण्डाल गुस्से जड़ कटती हो
नक्ल फ़ौरन हो हैरानी[1] करती
उम्दा होता ग्रह जब कोई हो
सात पहले 9-11 बैरी
माया दौलत सब बढ़ती हो
शनि 9 वें घर 11 बैठा
सामान रफ़ा ए कुल दुनिया हो
चंद्र टेवे जब तख़्त हो पाता
जले शुक्कर ख़ुद रोता हो
4 रवि और चंद्र पहले
साथ शनि भी बैठा हो
नामर्द हुआ या सुथरा गिनते
सांड ख़स्सी ज़न ख़ुसरा हो
औलाद केतु और शनि गृहस्ती
हालत राहु ख़ुद माली हो
परिवार क़बीला बुध की गिनती
चाल शुक्कर 4 तरफ़ी[2] हो
4 दूजे बुध नेकी करता
आठ सूरज बुध मंदा हो
साथ राहु या हो गुरु मंदा
असर शुक्कर सब गन्दा हो

[1] - नम्बर 1 का ग्रह या जब शुक्कर ख़ाना नम्बर 1 में हो या हो जावे साथी ग्रह की तासीर और सनीचर की आंखों (जिसके लिए सनीचर का हाल देखें) रफ़्तार होगी अगर सनीचर की एक आंख भी साबित हो जावे तो शुक्कर उम्दा होगा।

[2] - ऐसी लक्ष्मी जो चारों तरफ़ ही चली जाकर रक्षा कर सके ।

राहु ख़ुद माली हालत

केतु औलाद- शुक्कर सनीचर गृहस्ती हालत

बुध परिवार

सतवन्ती-आज्ञाकारी स्त्री
सांड ख़स्सी-बिना सिंग वाला सांड
नामर्द-नपुंसक
ख़ुसरा-नपुंसक
तासीर-असर प्रभाव

Astro_Lucky

हस्त रेखा

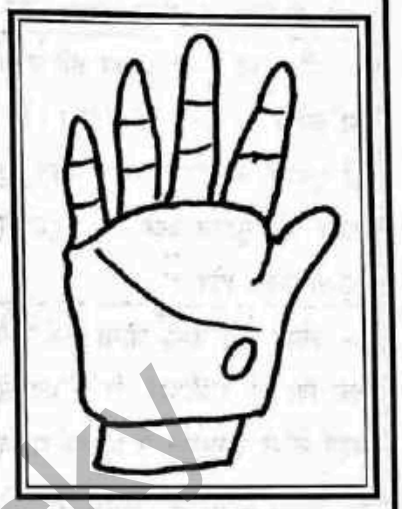

सेहत रेखा बुध से चलकर शुक्कर
के बुर्ज की जड़ में ख़तम होवे
या शुक्कर के बुर्ज पर बुध का दायरा O हो

नेक हालत

1- दिमाग़ी ख़ाना नम्बर 7 ज़िन्दगी (उम्र) बढ़ने की ख़्वाहिश (बुध से मुश्तरका) या लम्बी उम्र मगर उरुज या तरक़्क़ी से मुराद नहीं। ज़माना और गृहस्ती उसूल पर चलते हुए जब तक अकेले हो ही दिल की उकसाहट के पीछे न जाएगी। मगर दो दिल की दोरंगी का किसी दूसरे से यक रंग होने में मोहब्बत का नाता कभी मंदा न होगा ।

2- अकेला शुक्कर बहुत ही नेक होगा मगर जो साथी हो उसी का असर और फल देगा मगर जैसे से तैसे यानी जिसके घर में उसी का धरम होगा और सनीचर की आंखों की रफ़्तार होगी (जिसके लिए देखो सनीचर ख़ाना नम्बर 10) और टेवे के मुताबिक़ जहां सनीचर बैठा हो उसके मुताबिक़ सनीचर के ख़ाना नम्बर 10 में दी हुई आंखो की तादाद के मुताबिक़ अगर सनीचर की एक आंख भी साबुत होवे तो भी शुक्कर नेक फल का होगा।

3- गुज़रान सफ़र में ज़्यादा अरसा और उम्दा होगी या जब तक खुद कमाई करता हो उस वक़्त तक सफ़र और परदेस में होगा उम्र का कभी धोका न होगा। जद्दी घर घाट का आराम कम ही नसीब होगा और न ही नयी बैठक (दीवान ख़ाना

ख़्वाहिश-इच्छा
मुतबिक़-अनुसार
तादाद-संख्या
मुश्तरका- मिले जुले
गुज़रान-निर्वाह गुजारा
उसूल-नियम कायदा कानून
परेदस-विदेश

Astro Lucky

मर्दो के बैठने के लिए जद्दी जगह) बनेगी।	
4- जैसा भी नम्बर 1 का ग्रह होगा या जब भी शुक्कर नम्बर 1 में आवे (31 साला उम्र) या टेवे में जब कोई ग्रह उम्दा होवे शुक्कर भी फ़ौरन उम्दा होगा या नम्बर 1 का ग्रह तो शुक्कर का फल और शुक्कर खुद नम्बर 7 में साथ बैठे हुए साथी का फल देगा। शादी और गृहस्त और औरत ख़ानदान की हालत शुक्कर की उम्र का 25 साला अरसा उत्तम होंगे ।	
5- औरत खुद उम्दा सीरत नेक सुभाओ रंग व शक्ल हर तरह से उत्तम होगी जब तक कि वह (औरत) रंग में हद से ज़्यादा सफ़ेद और आम दर्जा से बहुत ऊपर खूबसूरत न हो या सफ़ेद गाय का ताल्लुक़ न हो जावे मुबारक ही साबित होगी। वह किसी के लेने देने या इधर उधर के झगड़ों में दख़ल न देगी ।	
6- उम्र भर मर्द और औरत का सुखिया जोड़ा होगा। अपना गृहस्त और औरत के वाल्दैन की हालत अमूमन उत्तम होगी । तबीयत की नरमी और इनकसारी भाग जाने की निशानी और माया दौलत की बरकत की सीढ़ी होगी उम्र 80-90 साल के क़रीब होगी ।	जब शुक्कर क़ायम और उत्तम हो।
7- सफ़र से ज़रूर ज़िन्दा घर वापिस आयेगा और मौत कभी परदेस में न होगी ।	जब बृहस्पत सोया हुआ हो । क़ियाफ़ा :- शुक्कर के बुर्ज नम्बर 7 पर बृहस्पत के सीधे खड़े ख़त मगर छोटे छोटे
8- माया दौलत सब बढ़ती और शुक्कर का फल उम्दा होगा ।	नम्बर 1-7-9-11 में दुश्मन ग्रह (सूरज चंद्र राहु)
9- शुक्कर वही फल देगा जैसा इन चारों से कोई भी होवे ।	नम्बर 1-7-9-11 में दोस्त ग्रह (सनीचर-बुध - केतु)
10. रफ़ा ए आम के सामान व क़ारोबार बरक़त देंगे।	सनीचर 9-11

फ़ौरन-तुरन्त अरसा-समय अवधि परदेस-विदेश
क़ारोबार-व्यापार बरकत-तरक्की उन्नति

Astro Lucky

11 -शादी के से दिन से मर्द के लिए शुक्कर और बुध दोनों का उम्दा फल 37 साला अरसा तक मुबारक ।	बुध नम्बर 4-6-2 में नेक हो । क़ियाफ़ा :- शुक्कर का पतंग बुध के बुर्ज नम्बर 7 में सिर्फ़ कनिष्का की जड़ पर ही हो ।
12 -ब्याह शादी और शुक्कर के मुतअल्लिक़ा कारोबार हमेशा नेक फल देंगे ।	जब शुक्र नेक हो ।
13- औलाद की हालत का केतु की हालत पर गृहस्ती हालत का सनीचर की हालत पर माली हालत का राहु की हालत पर परिवार क़बीला का बुध की हालत पर	फ़ैसला होगा क़ियाफ़ा :- सेहत रेखा शुक्कर के बुर्ज नम्बर 7 पर ख़तम या शुक्कर नम्बर 7 पर बुध का दायरा हो O

राहु माली

केतु औलाद — अब शुक्कर चारों तरफ़ ही चली जाकर रक्षा करने वाली लक्ष्मी होगी । — सनीचर गृहस्ती

बुध परिवार

14 -काम देव से दूर होगा	अकेला शुक्कर नम्बर 7 और अकेला चंद्र नम्बर 4

मंदी हालत

1- रुपया पैसा औरत के बहुत काम लगेगा बल्कि पराई मिट्टी के पूजना इश्क़ मिज़ाजी में ज़ाती कमाई और जायदाद जद्दी बरबाद होंगी जिसका सबब सिर्फ़ अपनी खुदग़र्ज़ी व दिमाग़ी नकल व हरकत (राहु की शरारत) होगी। गुस्सा (सूरज की गरमी) बुनियाद होगा। उम्र बहरहाल $\frac{85}{96}$ साल होगी। औरत ख़ानदान के मर्दों के टेवे वाले के कारोबार में साथी होकर या हिस्सा डालकर ताल्लुक़दार होना माली व दीगर गृहस्ती ख़राबियों का बहाना होगा।

2 - दुनियावी लेन देन या ब्योपार का मंदा होगा औलाद के बिघन।	शुक्कर बृहस्पत मिल रहे हैं या बृहस्पत मंदा हो ।

क़ियाफ़ा-सामुद्रिक शास्त्र कनिष्का-हाथ की सबसे छोटी अंगुली मिज़ाजी-आदत, ख़ासियत
सबब-कारण दीगर-भिन्न दूसरे

Astro Lucky

3- चोरी धन हानि के वाक़िआत होंगे 4-16-28-40 52-64-76-88-100-114 साला उम्र में	बमूजिब बर्षफल शुक्कर के दुश्मन - चंद्र राहु नम्बर 1 में आवे और नम्बर 3 भी मंदा हो ।
4- शुक्कर का फल मंदा और क़िस्मत बरबाद ही लेंगे ।	चंद्र नम्बर 1
5- मर्द ख़्वाह औरत ख़स्सी- खुसरा सांड- नामर्द बांझ होवे । सुथरा जो दुनिया छोड़ वैराग्य में मर रहा हो ।	सूरज नम्बर 4 चंद्र नम्बर 1 सनीचर नम्बर 7
6- शुक्कर मय नम्बर 8 के ग्रह हर दो का मंदा असर होगा औरत पर औरत मरे ख़ासकर जब घर में छत में आसमान की तरफ़ से रोशनी होवे ।	नम्बर 8 में सूरज या बुध
औरत का मंदा हाल औरत को ता उम्र काला नीला कपड़ा ग़ैर मुबारक होगा।	राहु नम्बर 8
7- शुक्कर हर तरह से मंदा असर देगा ख़ासकर जब बिल्ली की जेर (झिल्ली) चमड़े के बटुए में होवे सनीचर के कारोबार मंदे। खाऊ मर्द उजाड़े मंदी हालत में औरतों को ख़ूब ऐश कराने वाला होगा और खुद बरबाद होगा।	राहु साथ साथी या मन्दा हो
8- शुक्कर सोया हुआ या मंदा न होगा बल्कि उम्दा असर देगा पराई औरत की लगन और गुस्सा बरबादी की बुनियाद होंगे ।	नम्बर 1 ख़ाली
9- शुक्कर हर तरह से मंदा होगा ।	नम्बर 4 मंदा या नम्बर 4 में शुक्कर के दुश्मन (सूरज-चंद्र-राहु)
10- खुदग़र्ज़ी बरबादी की बुनियाद होगी जिससे जायदाद जद्दी का फ़ायदा नहीं उठाएगा ।	
11- औलाद से महरुम या दुखिया	बृहस्पत नम्बर 2 मंगल नष्ट ।
12- शुक्कर के पक्के घर नम्बर 7 में उसका दूसरा साथी बुध (मिट्टी में रेत) मर्द औरत में क़ुव्वते बाह और हमसाया घर नम्बर 2 में बुध (क़ुव्वते बाह)	जब नम्बर 8 ख़ाली हो

वाक़िआत-घटनाएं बांझ-संतान पैदा करने में असमर्थ
महरूम-असफल बमूजिब-अनुसार नामर्द-नपुंसक फ़ायदा-लाभ
क़ुव्वते बाह-काम शक्ति

Astro Lucky

मय केतु (कामदेव की नाली) और ख़ाना नम्बर 8 में मंगल (ख़ून) और सनीचर (शैतान) जायज़ नाजायज़ किसी भी ढंग पर हो, अपना हो मतलब निकाल लेना माने गए हैं । नम्बर 7 में शुक्कर बुध की चक्की को चलाने वाली लोहे की कीली भी नम्बर 8 ही का ग्रह गिना गया है जो गृहस्ती हालत में दुनियावी शर्म व हया 8 गुना ताक़त में गिनते हैं इसलिए नम्बर 8 के ख़ाली होते हुए शर्म और हया का हवाई पर्दा उठ जाने से औरत में दशा (कुव्वते बाह) गन्दी नाली में काम देव का ख़ून ज़ोर पर होगा जिसकी वजह से फ़ाहिशापन बे हयाई बल्कि मर्द औरत में से किसी एक या हर दो को तपेदिक़ या जिल्द जलते रहने की बीमारियां हो सकती हैं ।	जब नम्बर 8 ख़ाली हो
औरत (शुक्कर) को जाए ख़ास की ख़राबियों की वजह से दिल की बीमारियां हो जाने के वक़्त सनीचर की अश्या व पानी की तरह बहने वाली मगर नरम जिल्द को बग़ैर जलाए ख़ुश्क रखने वाली मसलन अलकोहल वग़ैरह (जिसके लिए किसी लायक़ डाक्टर या हकीम की सलाह के साथ तरीक़ा इस्तेमाल फ़ैसला किया हुआ ज़रूरी होगा) से मदद होगी ।	सनीचर नम्बर 6 चंद्र

जायज़-उचित शर्म व हया-लोक लाज तपेदिक़-क्षय रोग जिल्द-त्वचा
फ़ाहिशापन-बहुत अधिक लज्जा जनक बेहयाई-बेशर्मी वग़ैरह-इत्यादि ताक़त-शक्ति

Astro Lucky

शुक्कर ख़ाना नम्बर-8

जली मिट्टी की चण्डाल औरत

क़ब्र दूसरे की न जब कोई पड़ता
क़सम पर ज़मानत क्यों फिर तू भरता

बने वही घर-2 कोई बैठा
ख़ाली पड़ा हो घर जब दूजा
ससुराल नाव ज़र भर कर डूबे
लकीर पत्थर जो औरत बोले
दान छोड़े सिर मन्दिर टेके
चंद्र मंगल बुध क़ायम होते

असर ज़ाती 8-2 का हो
पाप शुक्कर सब मंदा हो
बरबाद ख़ाना औलाद का हो
ज़नाही मंगल बद होता हो
शत्रु क़लम सिर होता हो
असर शुक्कर न मंदा हो

हस्त रेखा

शुक्कर से मंगल बद की शाख़ा

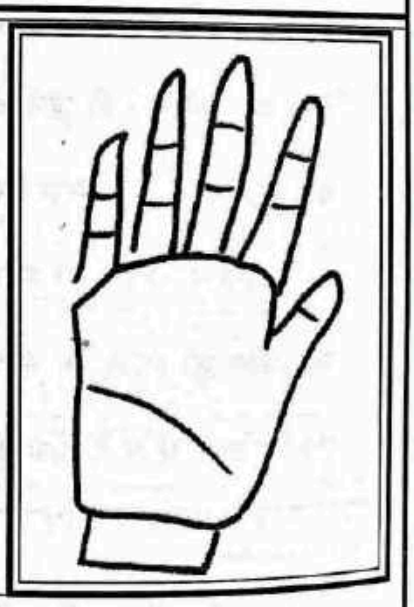

औरत की सेहत मंदी के वक़्त चरी (ज्वार) का दान देना या उसे ज़मीन में दबाना उत्तम ।

ज़मानत-दूसरे की जिम्मेदारी अपने ऊपर लेगा दूजा-दूसरा शुक्कर-शुक्र ग्रह

Astro Lucky

नेक हालत

1- मेहनत की रोटी कोई ज़हर नहीं होती मगर मेहनती को आराम कर लेना भी तो कोई जुर्म नहीं ।

2- औरत सख़्त सुभाओ (मर्द ने कहा दाल पतली, और औरत ने हाथ पर चिमटा मारा मर्द ने फ़ौरन कहा कि दाल पतली है मगर है ज़ायक़ेदार कहकर ज़िन्दगी गुज़ारी) औरत की जुबान का लफ़्ज़ पत्थर पर लकीर होगा। जो बुरा कहेगी फ़ौरन सच होगा। नेक कही हुई बात के पूरा होने की कोई शर्त न होगी इसलिए औरत को तंग करने से दोनों के लिए ही मंदा होगा ।

3- दान लेना छोड़ देवे और मन्दिर में सिर झुकाता रहे तो दुश्मन का सिर खुद ब खुद कट जावेगा ।

4- शुक्कर नम्बर 8 वाला समझता है कि उसे आक़िबत का रास्ता तो मालूम है मगर कोई उस से पूछता ही नहीं कि वह क्या है इसलिए वह बोलकर थककर बैठे हुए मर्द की तरह अपनी खुदी के तनूर में ही जल रहा होगा ।

5- शुक्कर भी वही असर देगा जैसा कि नम्बर 2 के ग्रह का असर होवे। } नम्बर 2 में कोई भी ग्रह होवे।

मंदी हालत !

1- यह ग्रह हमेशा ही मंदा न होगा । इसके मंदे फल का आम अर्सा अमूमन 11 साला उम्र तक ज़ोर में होगा 12 साला उम्र से शुक्कर जब नम्बर 12 में जब कभी भी नम्बर 12 में आवे नेक फल देगा । बदी के दरिया की तुग़्यानी

1 ता 11 साला उम्र = 11 साल
उम्र का 27 वां साल 1 साल उम्र
उम्र का 34 वां साल 1 साल
39 ता 45 साला उम्र 7 साल
कुल 20 साल होगी।

25 साला उम्र तक शादी करना ग़ैर मुबारक ही होगा जब तक चंद्र-मंगल या बुध जो अमूमन

सख़्त-कठोर
तुग़्यानी-बाढ़ सैलाब
लफ़्ज़-शब्द
मुबारक-शुभ
आक़िबत-भविष्य
अमूमन-आमतौर से
तनूर-तंदूर

Astro Lucky

ऐसे टेवे में मंदे ही हुआ करते हैं क़ायम हो तो शुक्कर का बुरा असर टेवे वाले पर न होगा। इन ग्रहों कि मुतअल्लिक़ा अश्या क़ायम करना या रिश्तेदार मुतअल्लिक़ा (चंद्र माता मंगल भाई बुध बहन) की आशीर्बाद लेते रहना मुबारक होगा ।

2- गन्दे नाले में तांबे का पैसा या फूल डालते रहना मुबारक होगा। गऊ सेवा या गाय दान से बरकत होगी। धरम अस्थान में सिर झुकाते रहना
तेरे दुश्मनों का सिर उड़ाता रहेगा अगर ऐसा न हो तो चाल चलन शक से बरी न होगा ।

4- गो जंगो जदल में मदद देगा मगर खुद अपने लिए सिरहाने चंडाल मंदी मिट्टी की तरह गृहस्ती हालत होगी बुज़ुर्गों का साया डोलता या हर वक़्त ख़तरा में होगा। औरत की सेहत मंदी के लिए चरी (ज्वार) का दान या ज़मीन में चरी दबवाना मुबारक होगा। बाहर खींचू कुंए में गिरने वाला उलटा मर्द औरत होगा ससुराल घराना की नाव को भर कर डुबाने वाला और ख़ाना नम्बर 5 शादी के बाद का मुस्तक़बिल औलाद भी बरबाद होगा। दही गोबर की मिलावट से बिच्छू पैदा होने की तरह मुसीबत पर मुसीबत खुद ब खुद ही खड़ी करता जायेगा।

जब नम्बर दो ख़ाली हो।

5- किसी के लिये क़सम ख़ाना या ज़मानत देना कभी उत्तम और नेक फलदायक न होगा। ज़नाही मर्द और औरत या मंगल बद असर ख़ासकर जब मंदे मर्द या औरत का साथ हो जावे-जब चाल चलन का हलका हुआ तो आतशक सुज़ाक वग़ैरह सब मंदी बीमारियों का शिकार होगा। गऊ दान सबसे उम्दा और कारगर उपाओ होगा
मुफ़स्सिल शुक्कर नम्बर 10 (मंदी हालत) में देखें

दुश्मन ग्रह (सूरज चंद्र राहु) का साथ नम्बर 8 हो

जंगो जदल-युद्ध
मुफ़स्सिल-विवरण
मुस्तक़बिल-भविष्य काल
उपाओ-उपाय
आतशक-गरमी का रोग, लू लगना
मुतअल्लिक़ा-संबंधित

Astro Lucky

शुक्कर ख़ाना नम्बर-9

मिट्टी की काली
आंधी मंगल बद

गिना सबसे बेहतर गो मेहनत का खाना
मगर शेख़ी क्या ख़ून हरदम बहाना

हाल बुज़ुर्गान लाख हो उम्दा
औलाद-औरत-ज़र अपना मंदा
मंदा चौथे या शत्रु बैठा
गुरु चंद्र कोई मंदा होता
चीज़ चंद्र या मंगल साथी
नीम दरख़्तां टुकड़े चांदी

मर्द माया न इकट्ठा हो
साथ पापी बुध होता जो
तख़्त चक्कर जब लाता हो
गृहस्त माया सब जलता हो
असर शुक्कर-9 चंद्र हो
भला गृहस्ती मन्दिर हो

हस्त रेखा

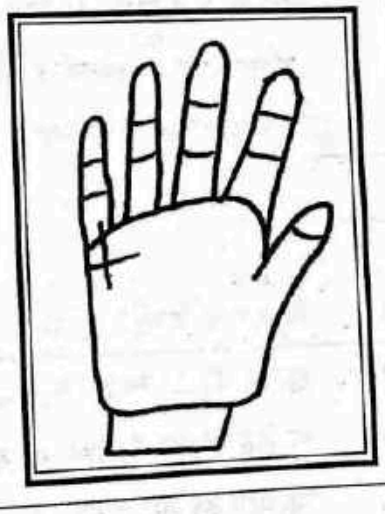

धनु राशि से आकर कोई ख़त
शादी रेखा को काट देवे।

ط - 4-16-28-40-52-64-76-88-100-114 साला उम्र में ख़ाना 4
को मंदा करने वाले या शुक्कर के दुश्मन जो नम्बर 4 में दी (सूरज-चंद्र-राहु)

बेहतर-अच्छा
शेख़ी-डींग, हेकड़ी शान
शुक्कर-शुक्र ग्रह
तख़्त-सिंहासन
ज़र-दौलत संपत्ति

Astro Lucky

नेक हालत

1- गो बुर्जुगों का धन दौलत बढ़ता होगा औलाद का हाल ऐसा भला न होगा और खुद उसके अपने हां मर्द और दौलत दोनों शायद ही इकट्ठे होंगे मगर तीर्थ यात्रा ज़रूर उम्दा होगी।

2-वह शख़्स अक़्लमन्द वज़ीर बा तदबीर होगा और लाखोंपति होते हुए भी अपने पेट की रोटी की क़ीमत के बराबर मेहनत करके रोटी खाएगा। खुद मेहनती होगा या होना पड़ेगा आराम करने की बजाय हद से ज़्यादा मेहनतकश होना या ख़ून बहाते रहना कोई मुबारक फल न देगा माली हालत के लिए नीम के दरख़्त में चांदी के चौकोर टुकड़े दबाना मुबारक होगा।

3- दूसरे की मुसीबत और मंदी सेहत खुद बुलाकर मोल ले ली। जिसे ख़ूबसूरत समझते थे वही खुद अपनी बदसूरती से डराने लगा के क़ौल का हाल होगा।

4- मकान की बुनियाद में या मकान में चंद्र की चीज़ों (घोड़ी-कुआं-चांदी) के साथ या मंगल (शहद) के क़ायम रखने से शुक्कर उड़ती हुई मिट्टी की जगह 9 गुना उम्दा और चंद्र (शान्ति-माया-दौलत के मदद) का उत्तम फल देगा } चंद्र या मंगल का साथ

मंदी हालत

1- क़िस्मत के ताल्लुक़ में काली मिट्टी की आंधी।

2- शुक्कर की 25 साला उम्र में शुक्कर के कारोबार (शादी) या अश्या (गाय खेती) या रिश्तेदार मुतअल्लिक़ा ग्रह शुक्कर के साथ से घर की चांदी की बनी हुई दीवारें भी जली हुई मिट्टी की तरह मंदी हो जावेंगी।

3- माली हालत के लिए मंगल बद-औलाद व दौलत मंदा-बुध और केतु का फल

शख़्स-इंसान आदमी
क़ायम-स्थापित
तदबीर-उपाय इलाज
क़िस्मत-भाग्य
ताल्लुक़-संबंध
मेहनतकश-बहुत अधिक मेहनत करना
मुतअल्लिक़ा-संबंधित

Astro Lucky

अमूमन मंदा और राहु (शरारत और ख़राबी) का बहाना ही होता रहेगा जिसके लिए नीम के दरख़्त में सुराख़ करके चांदी के चौकोर टुकड़े डाल कर फिर सुराख़ को नीम की लकड़ी से ही भर देना मुबारक होगा।

4 -17 साल उम्र से नशे और बीमारियां आम तंग करेंगी। शुक्कर और भी मंदा होगा। हस्पताल से बीमार मुर्दा उठाकर लाए हुए की तरह शादी के दिन ही डोली में दुल्हन का ख़ून बरबाद और उसकी मंदी सेहत की वजह से ख़र्चे पर ख़र्चा रक्षा बन्धन सुर्ख़ चूड़ी नीचे चांदी और ऊपर लाल रंग) जब शनीचर नम्बर 1 में आवे या मकान बने सब कुछ उम्दा होगा।

पापी या बुध ख़्वाह किसी तरह भी आ मिले या साथ हो

5 -धन माया बरबाद हो जब नम्बर 4 वाले नम्बर 1 में आवें यानी 4-16-28-40-52-64-76-88-100-114 साला उम्र में।

ख़ाना नम्बर 4 में 1 मंदे या शुक्कर के दुश्मन ग्रह क़ियाफ़ा:-शुक्कर के बुर्ज नम्बर 7 में बुर्ज नम्बर 4 से रेखा मगर शराफ़त रेखा न हो

6. गृहस्त (सिर्फ़ औलाद और माली हालत) मंदा ।

चंद्र नम्बर 7 या चंद्र मंदा ख़्वाह किसी जगह हो

क़ियाफ़ा :- कनिष्का की जड़ में चंद्र का आकार ◡ का निशान हो

7- कभी ख़ून की बीमारियां होंगी (पहली निशानी नाख़ून सफ़ेद हो जाएंगे

8- साथी दुनियादारों से लेन-देन ब्योपार का मंदा होगा औलाद के बिघन होंगे।

नम्बर 1 ख़ाली बृहस्पत और शुक्कर मिल रहे हों या बृहस्पत मंदा हो क़ियाफ़ा :- उंगलियों के नाख़ून ज़र्द रंग शुक्कर के बुर्ज नम्बर 7 और बृहस्पत के बुर्ज नम्बर 9 को मिलाने वाला लेटा हुआ ख़त मानिंद —हो।

ब्योपार-व्यापार

अमूमन-आमतौर से सुर्ख़-लाल क़ियाफ़ा-सामुद्रिक शास्त्र

मानिंद-समान, तुल्य

Astro Lucky

शुक्कर ख़ाना नम्बर-10

ख़्वाब हूरां-खुद सनीचर
शनि उम्दा तो धरम मूरत
(मर्द ख़्वाह औरत)

सदा फूल औरत जवानी पे मरता
गया ख़ाली औलाद पीरी तरसता

4 दृष्टि ख़ाली होता — शुक्कर शनि बन खेलता हो
उत्तम शनि से बुध हो उम्दा — हादसा न कभी देखता हो
दीवार मग़रिबी जब तक कच्ची — परिवार दौलत ज़र उम्दा हो
नज़र भली न जब शनि अपनी — शुक्कर अन्धा लेख रोता हो
पांच पहले ग्रह ख़्वाह कोई बैठा — आराम उम्र सारी होता हो
साथ मगर जब शत्रु पाया — मंगल चंद्र केतु मंदा हो
चंद्र बैठा 7-4 या दूजे — साथी कोई न उसका हो
पत्थर मिट्टी सब खाण्ड हों बनते — लारी मोटर कुल उम्दा हो
शनि जनम घर शुक्कर आता — पाया तख़्त या 7 वां हो
काम शनि न जब तक करता — असर मुबारक हर जा हो
11-9 वें शनि टेवे बैठा — साथी कोई न होता हो
बुध असर सब उत्तम देगा — बाग़ बाग़ीचे उम्दा हो
औरत मिट्टी की लक्ष्मी बनती[1] — चलन नाली न गन्दी जो
बदली औरत कुल मिट्टी होती — दुखिया नज़र तक शक्की हो

[1] -औरत ज़ात को ज़ेरे नज़र रखता और अमूमन उसके ख़्वाब देखेगा और चंद्र और मंगल का फल भी निकम्मा ही होगा।

शुक्कर-शुक्र ग्रह ख़्वाह-चाहे मग़रिबी-पश्चिमी दिशा नज़र-दृष्टि

Astro Lucky

हस्त रेखा

शुक्कर का पतंग या शुक्कर रेखा सनीचर के बुर्ज पर मद्धमा की जड़ में वाक़ै हो

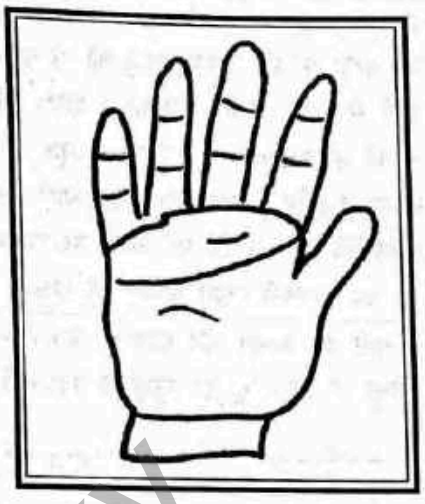

नेक हालत

1. जवानी में सदाबहार फूलों की तरह पराई औरत के ताल्लुक़ का बहुत मौक़ा मिलेगा। इसलिए ऐसा $\frac{\text{मर्द}}{\text{औरत}}$ अमूमन $\frac{\text{औरत ज़ात}}{\text{मर्द दौलत}}$ को ज़ेर नज़र रखता और उसके ही ख़्वाब देखता होगा जिससे चंद्र मंगल का फल निकम्मा ही होगा। कपड़ा और चमड़ा जब धोने से सफ़ा हो सके तो यह दिन रात नर मादा की तमीज़ की क्या लानत और मैदानी ग़ार और पहाड़ी चट्टानों की सैर से क्यों नफ़रत होवे के एतिक़ाद का कामिल शख़्स होगा।

2. धरमी सनीचर का शानदार उम्दा असर खुद सनीचर की तबीयत (शैतान चालाक होशियार) हर ग्रह का नेक असर जब कि सनीचर के मंदे कामों से दूर रहे।	सनीचर साथ साथी या नम्बर-1
3. शुक्कर अब खुद सनीचर ही का उम्दा फल देगा। मिर्ज़ा (ख़ाविंद) हलका सारंगी (औरत) भारी ऐसी जो किसी दूसरी औरत के मर्द को निकालकर ले जावे पूरी कामदेव से भरी हुई और मद्ध पर आई हुई औरत।	ख़ाना नम्बर 4 ख़ाली

4. बुध भी उत्तम फल देगा-हादसा कभी न होगा-यानी औरत के होते

वाक़ै-घटनाएं
ख़ाविंद-पति
ताल्लुक़-संबंध
मौक़ा-अवसर
तमीज़-विवेक, दो वस्तुओं में समझ सकने की बुद्धि
अमूमन-आमतौर से
एतिक़ाद-निश्चय विश्वास

Astro Lucky

हुए अगर कही मोटर लारी में जा रहे हों और क़ुदरत की तरफ़ से कोई हादसा आने को हो तो जब तक वह इस मोटर लारी से उतर न जाएगा हादसा न होगा। इसी तरह किसी मकान में बैठे हों जब तक वह मकान से बाहर न जावे मकान न गिरेगा वग़ैरह वग़ैरह बाग़ बाग़ीचे मकानात उम्दा होंगे। औरत की सेहत उम्दा। मर्द औरत हर दो धरम मूरत होंगे।	सनीचर उत्तम या सनीचर नम्बर 9 11 मगर दुश्मन का साथ न हो क़ियाफ़ा :- शुक्कर का पतंग सिर्फ़ सनीचर के बुर्ज और मद्धमा की जड़ में
जब तक मग़रिबी दीवार कच्ची रहे-परिवार धन दौलत उम्दा होंगे बुढ़ापे में आराम होगा।	
5. सारी उम्र आराम और ख़ासकर जवानी में ख़ूब ऐश ओ-आराम हो। सनीचर के इश्क़ की हर तरफ़ से काययाबी होगी और बुढ़ापा नेक होगा।	नम्बर 1-5 में कोई न कोई ग्रह (ख़्वाह दोस्त ख़्वाह दुश्मन) ज़रूर बैठा हो
6. पत्थर मिट्टी भी खाण्ड का उम्दा फल देंगे। मोटर लारी सब से उत्तम असर के और-फलते फूलते होंगे ।	अकेला चंद्र नम्बर 7-4-2

मंदी हालत (1) औलाद के तकाज़े (पैदा न हो या पैदा होकर मर जाना या औरत का हद से ज़्यादा ज़िनाकारी की तरफ़ रग़बत रखना) के वक़्त औरत की जाए ख़ास अगर दही से सफा होती रहे तो नम्बर 10 का शुक्कर जो शनि बन जाता है अब शुक्कर की चीज़ (दही) से अपनी असली हालत में होकर औलाद की मदद देगा। ऐसे प्रानी के ख़ून में औलाद की पैदाइश के ताल्लुक़ में कोई बीमारी न होगी अगर होगी तो पेशाब की (मर्द ख़्वाह औरत की जिल्द (शुक्कर) में नुक़्स हो सकेगा।

(ii) मंदी सेहत के वक़्त गाय या कपिला गाय का दान सनीचर की मंदी ज़हर से बचाता होगा ऐसा मरीज़ गऊ का दान करवाने के बाद फ़ौरन ही यक तरफ़ होगा यानी अगर उसकी उम्र में कोई इज़ाफ़ा बाक़ी नही रहा तो चलता बनेगा और बीमारी में गलता सड़ता न रहेगा। लेकिन अगर उम्र और भोगनी बाक़ी है तो फ़ौरन शिफ़ायाब होगा। बीमारी हर हालत में ख़तम ही होगी। अमूमन नतीजा बेहतरी का ही हुआ करता है। जवानी इश्क़ का घर तो बुढ़ापे के वक़्त औलाद के ताल्लुक़ में रोता ही होगा। पराई औरत से काम देवी ताल्लुक़ 12 साल तक केतु (औलाद) मंगल (भाई) और चंद्र (माया दौलत)बरबाद होंगे काली कपिला गाय सनीचर के तामाम बुरे असर से बचायेगी।

(2) ख़ुद शुक्कर नम्बर 1 (10-22-32-47-58-70-79-96-108-120 साला उम्र) या नम्बर 7 (4-16-33-44-50-66-76-94-98-111 साला उम्र) या सनीचर बमूजिब जनम कुण्डली अपने बैठा होने के घर में आने के दिन से शुक्कर हर तरह से मुबारक फल का होगा। बशर्ते कि वह सनीचर के मंदे काम न करे।

शिफ़ायाब-रोग मुक्त मग़रिबी-पश्चिमी दिशा	हादसा-घटना रग़बत-इच्छा, रूचि	मकानात- मकान बमूजिब-अनुसार	जिल्द-त्वचा

Astro Lucky

3- मर्द का 12 साला अरसा मंदा ही होगा | दुश्मन सूरज-चंद्र-राहु का साथ

4- शुक्कर भी मंदा ही फल देगा। बल्कि औरत अक़्ल से या आंखों से अन्धी और हर तरह से दुखिया होगी | सनीचर मंदा

अमूमन ख़ाना नम्बर 10 और नम्बर 5 के ग्रह बाहम दुश्मन हो जाया करते हैं। इसलिए गाय का सांप की ज़हर से बिघ्न या स्त्री को सनीचर (आंखों) की तकलीफ़ हो सकती है। अगर किसी वजह से 10 गऊ बरबाद हो ही जावें तो कोई वहम नहीं। ग्रह चाली ज़हर होगी। बकरी का पालना गाय और औलाद दोनों की उम्र बचाता जाएगा। | सनीचर नम्बर 5

हसीन औरत (मर्द) माया के ताल्लुक मे घूमता लट्टू

शुक्कर ख़ाना नम्बर-11

इश्क़ लहर औरत न हो इतनी बढ़ती
चिमट बाद जिसके हो जाती नामर्दी

तीन भाई ख़ुद औरत होते
साथ माता न बेशक देवे
साथ दृष्टि बुध जो मिलता
रिज़्क़ दौलत न बेशक घटता
तीन ख़ाली 20 शुक्कर मंदा
बाद शादी 3 दौलत घटता

भण्डारी जगत कुल बनता हो
कन्या औरत धन बढ़ता हो
घटती मर्द कुल अपनी हो
मंदा असर बुध पापी हो
औलाद नरीना मरती हो
बुद्धू गिना नामर्दी हो

हस्त रेखा

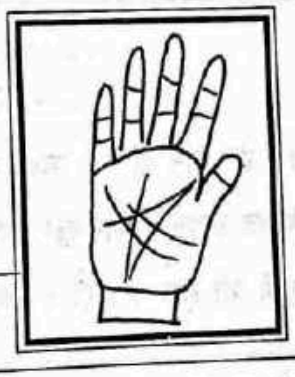

शुक्कर से शाख़ हथेली पर ख़ाना नम्बर 11 बचत में ख़तम होवे।

ے शुक्कर की महांदशा का 20 साला मंदा अर्सा।

अरसा-अवधि, समय | अमूमन-आमतौर से | बाहम-मिलकर एक साथ | नामर्दी-नपुंसक
तकलीफ़-परेशानी | ताल्लुक़-संबंध | नरीना-नर

Astro Lucky

नेक हालत

1-बचपन की मोह माया में लगे रहना अनभूल तबीयत का मालिक होगा।

2- हसीन औरत (मर्द) दौलत का/की भण्डारी अमीर मालामाल वरना नामर्द हिजड़ा या शुक्कर (जिल्द) की बीमारियां ।

3- दुनियावी काम काज में लगे हुए अपने कामदेव की ताक़त ही भूल बैठे। मिट्टी की मासूम औरत इसलिए नहीं कि उसका ख़ून ख़ानदानी है मगर इसलिए कि उसका कोई दूसरा ग्राहक नहीं क्योंकि खुद अपनी ही नज़ाकत में वह सबसे बढ़ रही है। कुछ ऐसे हालात हैं कि उसका कोई और कुछ नहीं बना सकता या यूं कहो कि वह कुएं में गिरी हुई बेशर्मी के तान हंस रही होगी या हंसती नज़र आएगी मगर उसका दिल-चंद्र का पानी शादी (शुक्कर) के दिन से ही जल चुका या जल रहा होगा ।

4- खुफ़िया काम करने के आदी होगा। हर दम तबीयत बदलने वाला होगा । मगर धन से ख़ाली न होगा। मौत सिर कटने से होगी और 12 साला खूब धन दौलत आवे वरना हिजड़ा ही होगा। 5 लड़कियों की शादी के बराबर धन दौलत क़ायम होगा शादी का ख़्वाह कोई भी पैमाना हो । } बुध या चंद्र क़ायम

5- लड़कियों के साथ ही धन दौलत की ज़्यादती होगी। } राहु नम्बर 12

मंदी हालत

1- हर काम खुफ़िया करने का आदी। ज़ाहिरदारी में भोला भाला मगर अन्दर से पूरा हज़रत साहब बहादुर खुद वह तबीयत का हरदम बदलते रहने वाला होगा जो कोई खूबी की बात न होगी । ख़्वाह कमज़ोरी दिमाग़ कहो ख़्वाह सनीचर की चालाकी अमूमन मौत

जिल्द-त्वचा
क़ायम-स्थापित
अमूमन-आमतौर से
नज़ाकत-मृदुलता, कोमलता
दुनियावी-संसार संबंधी दुनिया
तान-तुझको, तुमको

Astro Lucky

सिर कटने से होगी। औरत अब घर की खज़ांची कभी मुबारक न होगी। काली कपिला गाय सनीचर के तमाम बुरे असर से बचाएगी ।

2- गो धन दौलत मंदा न होगा। मगर मर्द की अपनी ही कुल घटती ही जावेगी। लड़कियां घर का धन दौलत बरबाद कर देगी। बुध और पापी ग्रहों का मंदा फल होगा और शुक्कर का कोई ऐतबार न होगा।

बुध नम्बर 3 या साथ साथी क़ियाफ़ा :-हथेली पर ख़ाना नम्बर 6

वाली मुस्ततील जो दिल रेखा व सिर रेखा से बनती है इसमें सूरज के बुर्ज नम्बर 1 (अनामिका) और सनीचर के बुर्ज नम्बर 10 (मद्धमा) की हदबन्दी पर ✕ का निशान हो या सिर रेखा के नीचे एक और छोटी सी लकीर हो ।

3- मंगल की मदद (बज़रिया दृष्टि साथ साथी या किसी तरह भी या खुद मंगल का उपाओ या औरत के भाइयों की मदद शुक्कर को मंदी ज़हर से बचाएगी यानी धन भी होगा और परिवार भी शादी के तीन साल बाद हर तरफ़ मिट्टी उड़ती और बरबादी होने लगेगी और नामर्दी तक नौबत लेंगे। (मुश्तज़नी बीरज़पात एहतिलाम की बहुत ज़्यादती या अमसाक बिल्कुल ही नदारद वजह होगी । बीरजपात या पेशाब की बीमारियों (मुश्तज़नी वग़ैरह से बिगड़ी हालत के वक़्त सनीचर (लोहा फ़ौलाद का कुश्ता या किसी और तरह या मछली का तेल) (चांदी का कुश्ता या किसी और तरह या दूध) की अश्या को इस मर्ज़ की दवाइयों के साथ मिलाकर $\frac{40}{43}$ दिन तक ऐसे ढंग पर इस्तेमाल करावें कि फ़ौरन ख़ून इस्तताल भड़क उठना) न हो जावे। सोना दवाइयों में मिला हुआ भी मददगार हो सकता है जब केतु टेवे में निकम्मा न हो वरना सनीचर और चंद्र की अश्या ही दवाइयों में मदद देगी । (दूसरी तरफ़)

नम्बर 3 ख़ाली

या चंद्र

क़ियाफ़ा-सामुद्रिक शास्त्र
तमाम-सारी
मुस्ततील-आयत
बज़रिया-माध्यम से
मुश्तज़नी-हस्त मैथुन, हथलस

Astro Lucky

औलाद नरीना मरती जावे या क़ायम न हो सके 20 साला शुक्कर की महादशा का मंदा ज़माना होगा। बुध की पालना मददगार होगा औरत गो क़िस्मत की मालिक मालूम होती होगी मगर वह खुद ही तबाही का सबब होगी। मंदे वक़्त में तेल का दान कल्याण होगा।

शुक्कर ख़ाना नम्बर-12

आड़े वक़्त हर जगह मदद की मुजस्सिम देवी और भवसागर से पार करने वाली गऊ

लहर माया चलती-फिरा कुल ज़माना
गया भूल क्यों फिर-तू जिस घर को जाना

जनम वक़्त ख़्वाह मिट्टी उड़ती	शादी वक़्त पग 12 हो ل
तीन गुना नर चंद्र उन्नति	असर भला दो मिलता हो
राज ताल्लुक़ हर दम ऊंचा	37 साला सुख औरत हो
नाश वैरी कुल एकदम होता	रात भली ज़र दौलत हो
गुरु शनि मच्छ रेखा 7 वें	सुखिया औरत न होता हो
बुध बैठा जब क़ायम 6 वें	परिवार सुखी औलाद का हो
ख़ाली मंदा 7 दूजा होते	शुक्कर होता सब मिट्टी हो
तीन छठे जब उत्तम टेवे	कामधेनु गाय होती हो
ज़ुबान औरत बुध टेवे मंदा	रात धुएं से दुखिया हो
राहु मगर जब साथ ही बैठा	गृहस्त 25 तक मंदा हो
नाम औरत पर दान जो देता	सेहत औरत ज़र दौलत हो
मंदे मदद न जब कोई करता	लेख मदद खुद औरत हो

ل -निहायत ही अच्छा उम्दा और उत्तम ज़माना।

नरीना-नर सबब-कारण ख़्वाह-चाहे
ज़र-दौलत संपत्ति मुजस्सिम-साकार साक्षात ताल्लुक़-संबंध

AstroLucky

हस्त रेखा

शुक्कर से शाख़ हथेली पर ख़ाना नम्बर 12
ख़र्च में ख़तम होवे
या हाथ में मच्छ रेखा हो।

नेक हालत

1- जवानी की रात और मिले हुए आराम में चारपाई से नफ़रत क्यों जबकि लोगों को नसीहत करने के लिए बुढ़ापे का मैदान बहुत खुला पड़ा है । बाबू साहब की मंजे चारपाई की कहानी औरत की बीमारी और तबीयत की नासाज़ी कभी ख़तम न होगी औरत खुद सतवन्ती और सुखवन्ती होगी ।

2- औरत की पूजना और मोहब्बत की लहर गृहस्ती सुख को पैदा करेगी ।

3- भवसागर से पार करने वाली गऊ माता की तरह औरत नसीबा की मालिक होगी । जनम वक़्त ख़्वाह मिट्टी उड़ती होवे मगर शादी के दिन से पग 12 उम्दा हालत ज़रूर होगी । चंद्र और नर ग्रहों का तीन गुना उम्दा असर और नम्बर 2 का असर भी भला होगा या शुक्कर नम्बर 2 का उत्तम फल साथ होगा । राजदरबार हरदम ऊंचा औरत का कम अज़ कम 37 साला सुख होगा रात का आराम और धन का सुख होगा ।

4- मच्छ रेखा मगर औरत खुद दुखिया ही होगी परिवार और औलाद ख़ासकर सब सुखिया होंगे ।

} गुरु सनीचर नम्बर 7 या बाहम साथ साथी क़ियाफ़ा:- हाथ पर मच्छ रेखा का निशान या हथेली के ख़ाना नम्बर 12 में शुक्कर के लेटे ख़त।

5- रागी शायर और भण्डारों का मालिक होगा उम्र बहुत लम्बी 96 साल (मर्द व औरत) } बुध नम्बर 2-6 और क़ायम

नफ़रत-दुश्मनी नापसंद नसीहत-सलाह मंजे-चारपाई सतवन्ती-आज्ञाकारी धर्मपत्नी

Astro Lucky

मंदी हालत

1- हर मुसीबत के वक़्त पहले उसकी औरत खुद उस मुसीबत को झेलेगी फिर उसके मर्द को कोई तकलीफ़ होगी । उससे औरत की सेहत अमूमन मंदी होगी गोया मर्द की जान को औरत और खुद औरत की जान को उसके हाथ (औरत की तरफ़) से दान करना कराना या वैसे ही औरत के नाम पर गऊ दान या कोई भी चीज़ बतौर दान देते रहना औरत की सेहत और अपने धन दौलत की बरकत देगा । जहां कोई मदद न करे मंदे और आड़े वक़्त उसकी औरत का नसीबा मदद देकर फ़ौरन उसे पूरी कामयाबी देगा । जब तक ऐसा शख़्स नास्तिक न हो या जब तक वह मालिक को याद रखे औरत के अपने हाथ से बवक़्त शाम नीला फूल (राहु की अश्या) बाहर वीराने में दबाने से तमाम दुख दूर होंगे ।

2- शुक्कर मंदी मिट्टी की तरह बुरा फ़ल देगा ।	नम्बर 2-7 ख़ाली या मंदे
3- औरत खुद ज़ुबान और औरत का आराम सब के सब मंदे असर के होंगे ।	बुध मंदा हो
4- गृहस्त 25 साला उम्र तक बरबाद। नीली गाय मुबारक न होगी। राहु की अश्या का साथ और ताल्लुक़ भी मंदा ही होगा ।	राहु नम्बर 2-7-6-12

शुक्कर गाय का साथ हरदम मुबारक होगा क्योंकि शुक्कर अब एक ऐसी काम धेनु गाय होगी जो बग़ैर बच्चा जने सारी उम्र ही अपने मालिक की मोहब्बत में दूध देती रहे ।

नास्तिक-भगवान में आस्था न रखना
अमूमन-आमतौर से
ताल्लुक़-संबंध
नसीबा-क़िस्मत
शख़्स-आदमी
कामयाबी-सफलता

Astro Lucky

श्री हनुमान जी पवन पुत्र شری ہنومان جی - پَون پُتر

मंगल

- शस्त्रधारी

दो रंगी अच्छी न-यक रंग हो जा
सरासर तू हो मोम-या संग हो जा

दान भलाई-दुनिया जितनी
तुख़्म बदी-का बदला ख़ूनी
मौत निमाणी-रास्ता तीजे
मारग घर 8-दुनिया लेते
चंद्र रवि की मदद जो पाता
माता चंद्र से बेशक डरता
पापी[1] कोई दो शत्रु साथी
नेक कुलों की दूर लावल्दी

नेक मंगल ख़ुद होता हो
हिस्सा मंगल बद लेता हो
नेक मंगल जा रोकता हो
जिसमें मंगल बद बैठता हो
मंगल बदी न होता हो
मंगलीक वही घर माता हो
मंगल मंदा न होता हो
बेड़ा ग़र्क़ बद करता हो

आम हालत 12 घर

तेग अदल घर पहले जंगी
शेर होता यदि=गर तीसरे क़ैदी
पांच रईसां बाप हो दादा
विष्णु पालन घर 7 वें करता
तख़्त बना घर 9 वें शाही
11 लेवें जो भेस फ़क़ीरी

मालिक लंगर लोह दूजे हो
आग समन्दर चौथे वह
केतु कमी घर 6 की हो
बेड़ी ग़र्क़ 8 भाई हो
राजा होता घर 10 का हो
नष्ट राहु घर 12 हो

[1]-कोई पापी (सनीचर राहु सनीचर केतु) या कोई दो बाहम दुश्मन (बुध केतु) ग्रहों के साथ से मंगल मंदा न होगा।

संगे-पत्थर तुख़्म-बीज मारग-8 वां घर लावल्दी-निःसंतान
अदल-तर्कयुक्त युक्ति संगत रईसा-मालदार, धनाढ्य

Astro Lucky

बुध मंदे से असर दे मंदे
घर चौथे ग्रह फ़ैसला करते

शेर पले घर बकरी जो
बदी मंगल या नेकी वो

मंगल से सनीचर का ताल्लुक

(i) -सनीचर नेकी और बदी के फ़रिश्ते केतु और राहु दोनों ही सनीचर के एजेंट हैं । इसलिए सनीचर में नेक और बद दोनों ही तरफ़ जाने का सुभाओ है। यह आंखों की नज़र बीनाई का मालिक है जिसे अच्छा या ख़राब जिस तरह चाहे कर सकता है मुख़्तसर तौर पर सामने आये हुए को पहचान लेना या लिखे हुए को देख कर पढ़ लेना सनीचर की ताक़त है। सनीचर तो दुश्मनी नहीं करता, मगर मंगल खुद ही सनीचर से दुश्मनी करता है । मंगल के घर ख़ाना नम्बर 3 में सनीचर निर्धन कंगाल होगा ।

(ii) -मंगल यह ऐसा नेक और सीधा चलने वाला है कि जब कभी इसे बुराई की तरफ़ चल जाने कि ज़रा भी उकसाहट हुई तो फिर यह पीछे न हट सकेगा और अपनी तमाम ताक़त बुराई की तरफ़ उकसाने वाले को ही दे देगा । यह नज़र का मालिक तो नहीं मगर नज़र के असर का करिश्मा इसका मौजिज़ा है किसी को नज़र लग गई या नज़र से ही जिस जगह बैठे हुए सैकड़ों मीलों की चीज़ को ख़्वाब की तरह देख आना इसकी ताक़त है सनीचर के घर ख़ाना नम्बर 10 में मंगल राजा होगा जब अकेला मंगल या सिर्फ़ मंगल सनीचर नम्बर 10 हो ।

दोनों की बाहम दृष्टि के वक़्त

चूल्हे में जली हुई क़िस्मत का (हाथ पर चूल्हे का निशान) मालिक मानिन्द चोर फ़रेबी होगा और सनीचर नम्बर 1 और मंगल नम्बर 4 का दिया हुआ मंदा फल साथ होगा ।

- तमाम जिस्म की दरमियानी जगह नाभि (धुनी) मंगल की किरणें माना जिनसे मंगल का रंग पता लग जायेगा ।

मुख़्तसर-संक्षिप्त मौजिज़ा-करिश्मा ताक़त-शक्ति वक़्त-समय

Astro Lucky

(i) मंगल देखे सनीचर को अब मंगल की (अश्या- कारोबार या रिश्तेदार मुतअल्लिक़ा मंगल) खुद सिफ़र। औलाद से महरूम मगर सनीचर (अश्या-कारोबार या रिश्तेदार मुतअल्लिक़ा सनीचर) दोगुना नेक और उम्दा होगा ।

(ii) सनीचर देखे मंगल को दोनो डाकू एक ही असूल के मिले हुओं की तरह दोनों ही ग्रहों का नेक और उम्दा असर होगा ।

मंगल से राहु का ताल्लुक़

(i) मंगल देखे राहु को : - राहु का बुरा असर न होगा ।

(ii) राहु देखे मंगल को : - बाजुओं-पेट या खून की ख़राबियों से जिस्म के दाएं हिस्से पर सख़्त तकलीफ़ हो चंद्र का उपाओ मददगार होगा ।

मंगल से केतु का ताल्लुक़

जब सिर्फ़ दोनों ही बाहम दृष्टि पर हों या मुक़ाबला पर आ जावें तो क़िस्मत के मैदान में शेर (मंगल) और कुत्ते (केतु) की बाहम लड़ाई का हाल होगा यानी दोनों ही मंदे होंगे । ऐसे वक़्त में वही उपाओ मददगार होगा जो कि मंगल केतु मुश्तरका में लिखा है ।

आम हालत

1- अगर टेवे में सूरज बुध इकट्ठे हों तो मंगल नेक होगा । अगर टेवे में सूरज सनीचर इकट्ठे हों तो मंगल बद होगा ।

ख़ाना पीना-भाईबन्दो की सेवा जंग व जदल जिस्मानी दुख बीमारी 28 साला उम्र का ज़माना।

तमाम जिस्म की दरमियानी जगह नाभि (धुनी) मंगल की राजधानी और सूरज की सीधी किरणों की जगह मानी गई है इसलिए कुण्डली की नाभि ख़ाना नम्बर 4 के ग्रह मंगल की नेक और बुरी हालत का पता बतलाएंगे यानी जैसे नम्बर 4 में बैठे होने वाले का असर होगा वही हालत मंगल के ख़ून की होगी। न सिर्फ़ दान इस का ज़रूरी पहलू

मुतअल्लिक़ा-संबंधित सख़्त-कठोर जंग व जदल-युद्ध सिर्फ़-केवल
मुश्तरका-मिले जुले क़िस्मत-भाग्य

Astro Lucky

और कुल दुनिया के भलाई के काम और भण्डारे खोलने की हिम्मत इसकी नेकी का पता बताएगें बल्कि कुल ख़ानदान की लावल्दी दूर करेगा। अकेला बैठा हुआ मंगल मानिंद जगंल का शेर बहादुर होगा । मंगल नेक अपने असर की निशानी हमेशा उस ग्रह की चीज़ों के ज़रिये देगा जो कि टेवे में उम्दा हों और उस ग्रह के अपना असर देने का वक़्त हो और मंगल बद टेवे से मंदे ग्रह की चीज़ों के ज़रिये इसके मंदा असर देने के वक़्त बुरे असर की हवा का आना पहले बतला देगा हर हालत में मंगल के असर में यकसां लगातार दरमियाना रफ़्तार न होगी ख़्वाह मंगल नेक शेर बहादुर के हमला की ताक़त का हो ख़्वाह मंगल बद डरपोक हिरण की तरह कोसों ही दूर भागता हो ।

मंदी हालत

1 -बदी का तुख़्म - ख़ून का बदला ख़ून से लेना हर दम ज़रूरी और जब घी (शुक्कर) और शहद (मंगल नेक) बराबर के हों तो ज़हर (मंगल बद) होगा यानी टेवे में सबसे पहले शुक्कर और बादअज़ां सूरज का फल यके बाद दीगरे मंदा होगा लेकिन अगर सूरज या चंद्र की मदद मिल जावे (मुफ़स्सिल ख़ाना नम्बर 4 में देखो) तो मंगल बद न होगा कोई दो पापी (सनीचर राहु सनीचर केतु) या कोई दो बाहम दुश्मन (मसलन बुध केतु सूरज शुक्कर) मंगल के साथी होवें तो मंगल बद न होगा। जब अपनी मार पर आएगा एक का बुरा न करेगा बल्कि अगर हो सके तो कुल ख़ानदान का ही बेड़ा ग़र्क़ करेगा जब बुध मंदा हो मंगल बद और भी मंदा होगा और ख़ूनी शेर बहादुर की बजाए बकरियों में रहने वाले पालतू शेर की तरह अपनी असलियत से बेख़बर होगा । क़ियाफ़ा:- दो शाखी V > ∧ < त्रिकोण △ या जज़ीरा की मानिंद शक्ल मंगल बद या मंगल के बुरे असर की निशानी होगी सिर रेखा को अपनी क़ुदरती हालत में अगर हथेली के आख़ीर तक बढ़ा दें तो मंगल बद के घर या ख़ाना नम्बर 8 की हदबन्दी ख़ाना नम्बर 6 से जुदा हो जायेगी शुक्कर के बुर्ज नम्बर 7 की शुमाली हदबंदी की लकीर (ख़त) अगर और आगे बढ़ावे तो नम्बर 8 का जनूब मिलेगा या यूं कहिये कि सेहत रेखा मंगल बद ख़ाना नम्बर 8 का मशरिक़ होगा।

यकसां- समान, बराबर चौरस, समतल
यके-एक, एक व्यक्ति, कोई एक, कोई एक व्यक्ति
बादअज़ां-तत्पश्चात्, इसके बाद
यके बाद दीगरे-एक के पश्चात्, दूसरा, क्रमशः उत्तरोत्तर

Astro Lucky

मंगल के अपने भाई बन्द

जनम कुण्डली के ख़ाना नम्बर में मंगल बैठा हो	मंगल की आम हैसियत	टेवे वाले के भाईयों की तादाद क्या होगी।
1	अदल की तलवार	छोटे बड़ों की शर्त नहीं मगर अकेला भाई न होगा।
2	दूसरों के लिए पालन योग्य	पैदाइश से वह खुद ही बड़ा भाई होगा।
3	चिड़िया घर का कैदी शेर जिसे अपनी शेरी बहादुरी का पता न हो।	बहन भाई ज़रूर होंगे। मंगल की उम्र और बुध बैठा होने वाले ख़ाना नम्बर की तादाद बराबर सात या 14 साला उम्र के बाद तीन भाई। चौदह
4	भाई की औरत और दौलत अपनी माता नानी सास सब पर मौत तक भारी	खुद बेशक जनम से छोटा हो मगर वह (टेवे वाला) अपनी 28 साला उम्र तक खुद ही बड़ा भाई हो जायेगा वरना उसका बड़ा भाई हो जायेगा वरना उसका बड़ा भाई बे बुनियाद लावल्द या मंदी (संगीन बुरी) सेहत का मालिक होगा।
5	रईसों का बाप दादा जब मंगल नेक लेकिन जब मंगल बद हो तो नज़र से ही तबाही करता जावे	ख़ाना नम्बर 3 में अगर वाक़ै हो- (i) नर ग्रह तो -4 भाई (i) स्त्री ग्रह तो -3 भाई (iii) पापी तो -5 भाई (iv) बुध अकेला तो 2 भाई
6	साधु सन्यासी की तबीयत का मालिक जो खुद अपना आप ही मारे।	खुद एक अकेला ही धर्मवीर होगा।
7	विष्णु जी। भाई की औलाद की पालना मददगार होगी।	मच्छ रेखा या लावल्दी जब मंगल को बुध का साथ मिले।

हैसियत-क्षमतानुसार तबीयत-स्वास्थ लावल्दी-निःसंतान

तादाद-संख्या बेशक-चाहे

Astro Lucky

जनम कुण्डली के ख़ाना नम्बर	मंगल की आम हैसियत	भाईयों की तादाद
8	मौत का फंदा	4-8-13 बल्कि 15 साला उम्र के बाद दूसरा भाई बल्कि कई दफ़ा तो सिर्फ़ अकेला ही रह गया होगा ।
9	तख़्तशाही ख़ज़ाना भाई की औरत की सेवा और ताबेदारी मंगल की बुलंदी की बुनियाद होगी ।	जितने बाबे उतने ही आप भाई
10	अगर सनीचर उम्दा तो बहैसियत राजा जो भाई के लिए ज़िन्दगी मददगार होगा।	जितने ताये चचे इतने ही खुद भाई वरना मच्छ रेखा
11	फ़क़ीरी भेस जो बुध और सनीचर की नक़ल करेगा यानी जैसे बुध सनीचर टेवे में हो	फ़ैसला गुरु (बुहस्पत) पर होगा यानी जिस घर में बृहस्पत बैठा हो। उसी नम्बर का ऊपर मंगल का लिखा हुआ असर लेंगे और अमूमन जब बृहस्पत 1 ता 10 में हो तो 9 भाई तक जायज़ जब बृहस्पत 1 में हो तो 2 भाई तक जायज़ जब बृहस्पत 12 में हो तो अकेला ही भाई या सिर्फ़ एक और वह भी शाज़ोनादिर ही सुखिया होगा।
12	गुरु चरण का ध्यान रखने वाला मर जाए मगर धरम न जाये ।	बड़ा भाई ज़िन्दा न रहने देगा मगर टेवे वाले के जनम लेने से पहले उसका बड़ा भाई ज़रूर ज़िन्दा और क़ायम होगा मगर औरत के टेवे में अपने बड़े भाई को तबाह करने की कोई शर्त नहीं ।

हैसियत-क्षमतानुसार
क़ायम-स्थापित
शाज़ोनादिर-कभी कभी यदा कदा
तबाह-बर्बाद, नष्ट
जायज़-ठीक, न्यायपूर्ण

Astro Lucky

मंगल ख़ाना नम्बर-1

मैदाने जंग और अदल की तलवार अगर बद मंगल तो दमदार सितारा बदी से दूर तो अपनी जड़ मज़बूत वरना उसका ख़ून भी फ़ुज़्ला से कम क़ीमत देगा ।

थमे कटती तलवार शहज़ोर कितना
रुके दांत 32 न ख़ुद बोल अपना

राज ताल्लुक़ जिस्म हो उम्दा[1] — काम शनि नफ़ा[2] देता हो
वक़्त गुज़रते पाप शनि का — वज़ीर जंगी राजा[3] होता हो
ससुराल भाई घर अपने तारे — पत्थर पानी में तैरता हो
ख़ून क़ीमत न फुज़्ला देवे — पुतला बदी का बनता जो
बुध[4] तीजे 2 मन्दिर ख़ाली — बहन नसीबे बढ़ती हो
चंद्र रवि 2-12 साथी — उम्र[5] पिता पर भारी हो
चंद्र रवि बुध पापी साथी — सात चक्कर से बैठा हो
नेकी करे वह दुनिया इतनी — मौत पराई लेता हो
मंगल बदी पर जिस दम आता — दमदार सितारा चढ़ता हो
मर्द आयु न बेशक घटता — दौलत बुरा ही होता हो

AstroLucky

1 - ससुराल के कुत्ते और आम साधु का साथ भाई की सेहत के लिये ज़हर होंगे ।

2 - लोहा लकड़ी सामान इमारत या मशीनरी वग़ैरह ।

3 - दुश्मनों से कुदरती तौर पर बचाओ रहेगा ।

4 - जब मंगल नम्बर 1 व बुध नम्बर 3 दोनों सोये हुए तो खुद अपनी व भाई दोनों की क़िस्मत सोई हुई ।

5 - मंगल की उम्र 13-15 या कुल 28 साला उम्र ।

फ़ुज़्ला-विष्ठा, मल, गू
मर्द-आदमी
मज़बूत-पक्की
नफ़ा-लाभ
क़िस्मत-भाग्य
क़ीमत-मूल्य

हस्त रेखा

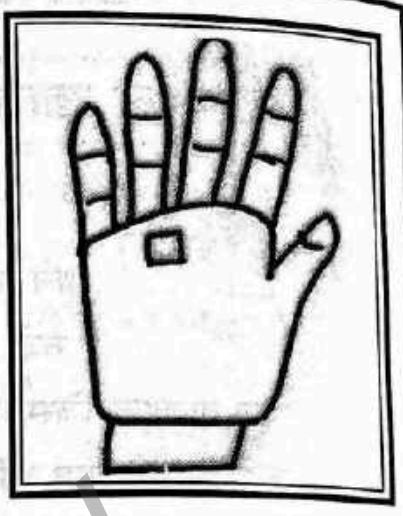

सूरज के बुर्ज पर □ हो मंगल
नेक से शाख़ सूरज के बुर्ज
में चली जावे।

नेक हालत

1 -अकेला भाई न होगा खुद ख़्वाह वह छोटा हो ख़्वाह बड़ा दांत अमूमन 32 होंगे । (31 दांत भी मंगल नेक ही होता है) 28 साला उम्र से ज़रूर दौलतमन्द होगा । किसी की नेकी और अपनी सच्चाई को कभी नहीं भूलता। दिमाग़ी ख़ाना नम्बर 8 सूरज से मुश्तरका हमला रोकने की हिम्मत और जंगी क़िस्मत का मालिक जब खुद बड़ा भाई हो।

2 -जंग व जदल के मैदान की तलवार का मालिक होगा। राजदरबार अपना जिस्म हमेशा उम्दा और सनीचर के कारोबार (लोहा लकड़ी मशीनरी मकान वग़ैरह) व रिश्तेदार मुतअल्लिक़ा सनीचर (ऐसा शख़्स जो उम्र में तो टेवे वाले के बराबर का मगर रिश्तेदारी में बड़ा या छोटा हो मसलन कोई बराबर का भतीजा-दोहता-पोता-ताया चचा वग़ैरह) नफ़ा देंगे ।

3 -कम अज़ कम 28 साला ज़ाती कमाई या मुलाज़मत का अर्सा या ज़रिया आमदन अच्छे पैमाना का होगा ।

4 -दुश्मनों से कुदरती तौर पर बचाओ होता रहेगा और सनीचर या पाप (राहु-केतु) की मियाद गुज़रते ही राजा का जंगी वज़ीर या उम्दा हालत का मालिक होगा ।

5 -अपने भाइयों और ससुराल को तारने वाला बल्कि पानी में तैरता रहने वाला पत्थर होगा । ख़ासकर जब स्याह रंग हो ।

जंग व जदल-युद्ध
चचा-चाचा (पिता का भाई)
मुश्तरका- मिले जुले
दौलतमन्द-रूपये पैसे वाला
मुलाज़मत-नौकरी सेवा
मियाद-समय अवधि

Astro Lucky

6 -खुद नेक सच्चा और नेकी और सच्चाई पसन्द होगा उसकी ज़ुबान का सहवन लफ़्ज (मंदा दुर्बचन) कभी ख़ाली न जायेगा उम्र कभी छोटी न होगी ।

7 -बहन शायद ही होगी अगर होगी तो वह मानिंद राजा नसीबा में बुलन्द इक़बालमंद होगी मगर अपना भाई कभी शाह कभी (गिदा) फ़कीर होगा। } बुध नम्बर 3 और नम्बर 2 ख़ाली

मंदी हालत

1 -ऐसे जन्मे चंद्रभान चूल्हे आग न मंजे पर बान (चारपाई)

2 -जिस क़दर बदी से दूर उसी क़दर अपनी जड़ मज़बूत होगी वरना अपने ख़ून की क़ीमत फ़ुज़्ला से भी कम होगी। मुफ़्त माल लेने की आदत से दर-बदर होगा ।

3 -ख़ानदान के लिए वह दमदार सितारा होगा जो निकलते ही $\frac{40}{42}$ दिन के अन्दर इन्द्र राजा या रियाया पर अपना मनहूस असर देवे यानी ऐसे आदमी के जनम पर ही मंगल बद की तरह आग से भरी हुई हवा चलने लगी घर का ख़ून भाई बन्द दुनियावी फ़ुज़्ला की भी क़ीमत न देवें। सनीचर की उम्र में वाल्दैन उम्र तक भारी होगा ऐसा आदमी नेकी और एहसान का एवज़ कभी वापिस न देगा जब बदी करने का आदी होगा तो ससुराल भाई और खुद अपनी वाल्दैन तक नौबत होगी। भाई और खुद अपनी हर दो की क़िस्मत सोई हुई होगी ख़्वाह लाख हिम्मत करने वाले हों ।

4 -घर 9-11 के लिए गुरु का उपाओ या बृहस्पत की अश्या का क़ायम करना और नम्बर 7 के लिए शुक्कर की पालना या शुक्कर की अश्या या कारोबार मुतअल्लिक़ा शुक्कर मुबारक फल देंगे। ससुराल का कुत्ता भाई की बीमारी का बहाना होगा और फ़क़ीर साधु का साथ मुबारक न होगा अगर साधु का साथ हो तो वह गृहस्ती बाआराम न होगा। 39 साला उम्र के बाद यह शर्त न होगी । } बुध नम्बर 3 और नम्बर 7-9-11 सब ख़ाली

लफ़्ज़-शब्द मंजे-चारपाई फ़ुज़्ला-मल, विष्टा

Astro Lucky

5	-पराई मौत खुद ख़रीद कर बरबाद होवे। खुद तलवार का धनी और नसीबे का मालिक मगर 13-15 साला हद 28 तक माता-पिता दोनों ही की सब हालत बल्कि उम्र तक मंदी बरबाद ही लेंगे ।	नम्बर 7 में सूरज या चंद्र या बृहस्पत के साथ बुध पापी
6	-माल मुफ़्त या ख़ैरात के माल पर गुज़रान दूध में ज़हर होगी या उसकी अपनी क़िस्मत जली हुई और ख़ून की जगह जिस्म में पानी ही होगा आलसी-निर्धन-दुखिया होगा-वरना माता पिता के लिये मनहूस मंदभाग होगा बल्कि टेवे वाले की छोटी उम्र में ही वाल्दैन ख़तम गिनेंगे ।	सूरज नम्बर 12 चंद्र नम्बर 2 या सूरज नम्बर 2 चंद्र नम्बर 12

मंगल ख़ाना नम्बर-2

धरम मूरत भाइयों की पालना करता हुआ लोह लंगर का मालिक। अगर बद मंगल तो मार आसतीन (छाती का सांप)

गिरे नज़र से भाई अपने जो तेरे
पहाड़ा 2 दूनी 2 का तुझ को घेरे[1]

भाई बड़ा खुद आप ही होगा	वरना बड़ा खुद बनता हो
रिज़क़ दौलत हो साथी सबों का[2]	अपनी शर्त न करता हो
जहेज़ औरत से हरदम फलता	दौलत राहु से पाता हो
शत्रु ज़हर बद मंगल भरता	जंग व जदल जा मरता हो
साथ हुकूमत लाखों पाले	गांठ न अपनी बांधता हो
लावल्द कभी न दो घर होंगे[3]	शर्त क़बीला पालता हो

[1] - दो दूनी (2 ज़रब 2 का जवाब वही 2 ही होगा कभी 4 का जवाब न मिलेगा यानी तरक़्क़ी या बृद्धि की कोई उम्मीद न होगी ।

[2] - दूसरों को पाले तो बढ़ता जावे वरना घटता ही होगा ।

[3] - खुद अपना व ससुराल का घर ।

जहेज़-दहेज ख़ैरात-दान गुज़रान-निर्वाह गुजारा
मनहूस-अभागा, भाग्यहीन क़बीला-खानदान

Astro Lucky

गुरु रवि बुध शनि हो मिलता आठ 9 वें 10-12 जो
उम्र सारी गुज़रान हो उम्दा शत्रु असर न मिलता जो

हस्त रेखा

गृहस्त रेखा बृहस्पत
के बुर्ज में जा निकले

नेक हालत

1- जनम से ही खुद बड़ा भाई होगा वरना खुद बड़ा बनता होगा या भाइयों से उसका भाई पन न रहेगा लोह लंगर का मालिक जब खुद बड़ा भाई हो अपने ज़ाती खून भाई बन्दी को पालता हुआ खुद कभी तंग दुखिया या भूखा न मरेगा बल्कि लोह लंगर हर वक़्त और भी बढ़ता होगा वरना उसकी दो दूनी की (जो अमूमन 2 x 2 = 4 हुआ करती है)

दो ही बचत रहेगी और कभी 4 न होगी
ख़ासकर जब मंगल बद की तबीयत का होवे
या यूं कहो कि साथियों की ज़रूरत के
जिस क़दर भी माया दौलत की ज़रूरत असली हो
हर वक़्त मुहैया होगी मगर खुद अपनी शर्त न होगी।
दूसरों को तो बेशक करोड़ों में पाले
मगर उसकी अपनी गांठ में कुछ न होगा ।

मंगल नम्बर 2 क़ायम
क़ियाफ़ाः- गृहस्त रेखा मंगल के
बुर्ज नम्बर 3 से उछल कर
बृहस्पत के बुर्ज नम्बर 2 पर
गुरु के चरणों में ख़तम हो।

2- ससुराल (राहु की अश्या कारोबार या रिश्तेदार मुतअल्लिक़ा राहु) से दौलत पाएगा ।

लोह लंगर-लंगर भंडारे
बेशक-चाहे
अश्या-चीजे वस्तुएं
वक़्त-समय
अमूमन-आमतौर से
मुतअल्लिक़ा-संबंधित

Astro Lucky

इरादे का पक्का और हुकूमत का ख़्वाहिशमंद होगा । औरत का लाया हुआ जहेज़ फलेगा और मर्द औरत दोनों ही घर कभी लावल्द न होंगे ससुराल के घर में हमेशा बरकत बढ़ती होगी और वह हर तरह से मददगार होंगे-जब तक ससुराल के हां । चंद्र की अश्या रिश्तेदार या कारोबार मुतअल्लिक़ा चंद्र (कुआं वग़ैरह) क़ायम हो ।	मंगल में बुध या केतु का किसी तरह भी असर न मिलता हो क़ियाफ़ा:- मुरब्बा हाथ उंगलियों के सिरे चौड़े हों
3-खुद साख़्ता अमीर होगा और दौलत खुद ब खुद जमा होती जावे और तमाम उम्र हर तरह से सुखिया होगा-खुश खुराक खुश पोशाक मज़बूत जिस्म तंगदस्ती कोसों दूर रहे और बवक़्त ज़रूरत रुपया पैसा हमेशा हाज़िर रहे आमदन का ज़रिया ख़्वाह कोई हो या न होवे	जब नम्बर 8-9-10 या 12 में से बृहस्पत-सूरज-सनीचर या बुध का असर मिल रहा हो (सिवाय बुध नम्बर 2 के असर क़ियाफ़ा:-उंगलियां नाखून वाले सिरे की तरफ़ से गाजर की तरह दर्जा बदर्जा मोटी होती जावे और बाहम मिलाने पर उनमें कोई सुराख नज़र न पड़ता हो।
4- ऐसी ग्रह चाल के वक़्त अगर बुध के कारोबार रिश्तेदार या अश्या मुतअल्लिक़ा बुध जो नम्बर 8-9-10 या 12 से मुतअल्लिक़ा हों तो उनकी ज़हर से ख़ून मंदा और इरादे का कच्चा होगा ।	ऐज़न मय बुध नम्बर 2
5- खुश नसीब हुक्मरान आसूदा हाल होगा ।	ऐज़न केतु का साथ हो

मंदी हालत

1- मार आस्तीन दूसरों के लिए छाती का सांप और खुद अपनी मौत मैदाने जंग में या लड़ाई झगड़े से आचनक होगी	जब मंगल बद हो (मुफ़स्सिल मंगल नम्बर 4 में देखें) कि मंगल कि बद कब होता है।

ख़्वाहिशमंद-चाह, लालसा मुफ़स्सिल-विस्तारपूर्वक साख़्ता-अपने आप बना हुआ
आसूदा-धन धान्य से परिपूर्ण तंगदस्ती-रुपये पैसे की कमी

Astro Lucky

मंगल ख़ाना नम्बर-3

लोगों के लिए फलों का जंगल
मगर अपने आप की माया व आराम
में सब्ज़क़दमा (बद मंगल-चिड़िया घर का शेर)

झुकी सर क़लम करती तलवार तिरछी
पड़ा ख़म न ज़ालिम-पकड़ तेग़ जिस ली

ऐतबार मंगल न तीजे गिनते
शेर दहाना बैठक होते[2]
चंद्र रवि 9-11-7 वें
उलट गुरु बुध जिसदम[3] होवे
असर मंदा न राहु टेवे
अय्याश फोकी सब ठन ठन होवे
शनि टेवे हो 9 जब बैठा
महल मकानां सब कुछ उम्दा
नरम तबीयत एकदम बढ़ता
उलट गरम हो जिसदम चलता

नेक मिला[1] बद मंगल हो
तदबीर जंगी सब कामिल हो
नेक मंगल ख़ुद होता हो
ज़हरी मंगल बद बनता हो
सुखिया गृहस्ती होता हो
मंगलीक टेवे जब बनता हो
मौत बीमारी बचता हो
शनि असर शुभ देता हो
मौत आई तक रोकता हो
ज़ेर बारी दुख भोगता हो

हस्त रेखा

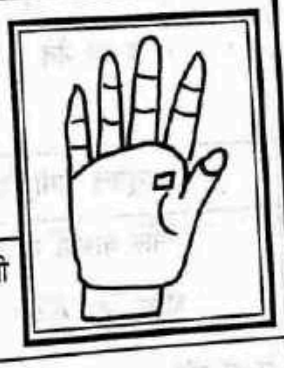

मंगल नेक पर चौकोर या गृहस्त रेखा
मंगल नेक के अन्दर अन्दर ख़तम हो

[1] -राजा वरना फोकी ठन ठन [2] बाक़ी तीन बचने वाले मकान की क़िस्मत होगी
[3] -अब बुध नम्बर 3 व बृहस्पत नम्बर 11 को नेक ही होकर रहना पड़ेगा।

अय्याश-व्याभिचारी
तदबीर-उपाय इलाज चतुराई
ज़र-दौलत संपत्ति

Astro Lucky

नेक हालत

1 -बहन भाई ज़रूर होंगे ख़्वाह छोटे ख़्वाह वह उससे बड़े हों दरअसल अब मंगल का असर शक्की ही होगा लोगों के लिए तो वह शख़्स फलों का जंगल मगर अपने लिए पिंजरे में पकड़ा हुआ चिड़िया घर का क़ैदी शेर होगा जिसे अपनी शेरी का भी पता न हो लेकिन जब उसके मुंह को खून लग जावे वह सिर पर खून चढ़ने से न डरेगा ख़ासकर जब खुद बड़ा भाई हो। अगर मंगल नेक हो आरज़ुओं को तारने वाला शिवजी की तरह भोला भण्डारी। अगर उसकी बैठक का मकान शेर दहाना हो तो वह शख़्स तदबीर जंगी का कामिल मर्द होगा नरम तबीयत हो तो उसकी दिन ब दिन तरक़्क़ी होगी। उम्र 90 साला हौसला और बीनाई (नज़र) उत्तम 3 बाक़ी बचने वाले मकान (मुफ़स्सिल मकान के बयान) की क़िस्मत का मालिक होगा ।

मानिंद शेर तंदखो और बद-दिन (बुरे लोगों) के जिस्म के टुकड़े टुकड़े करने वाला मगर दुनियावी दोस्त व मददगार होगा। ससुराल अमीर हो या उसके ताल्लुक़ से अमीर हो जाएंगे और वह उन से धन दौलत का हिस्सा लेगा। यह मतलब नहीं की ससुराल लावल्द हो जायेंगे मगर वह वैसे ही अमीर हो जाने पर दौलत देंगे। दिमाग़ी ख़ाना नम्बर 17 बृहस्पत से मुश्तरका-अदल या मुनसिफ़ मिज़ाजी यानी किसी पर ज़्यादती होते हुए नहीं देख सकेगा ।

2	-राहु का टेवे में बुरा असर न होगा। सुखिया गृहस्ती।	बृहस्पत-सूरज-चंद्र नम्बर 9-7-11
3	-ससुराल अमीर होंगे और दौलत देवें ।	बृहस्पत नम्बर 9
4	-मौत बीमारी से बचाओ उम्दा सेहत मकान दौलत सब में हर तरफ़ सुखिया और सनीचर का उत्तम होगा।	सनीचर नम्बर 9

शक्की-संदेह युक्त
तदबीर-उपाय चतुराई
मुनसिफ़-न्यायकर्त्ता
बीनाई-आंखों की दृष्टि
मिज़ाजी-आदत खासियत

Astro Lucky

मंगल ख़ाना नम्बर 3

मंदी हालत

1- चालबाज़ धोखेबाज़ होगा ख़ाना पीना का वही फ़ायदेमन्द चीज़ है और-सुथरे दम का क्या भरोसा के एतिकाद का मालिक होगा । फोकी ठन ठन-अय्याश और तंग (ग़रीब) शाह होगा । उम्र 90 साल हर तरफ़ सब्ज़क़दमा मनहूस हालत होगी अगर सख़्त तबीयत अकड़ख़ां हो तो मौत ज़हमत बीमारी से तंग और क़र्ज़ा के बोझ तले रोता होगा सिर छोटा और-पेट मोटा और ख़ून ख़राब भी होगा औलाद नरीना मानिंद ख़्वाब (मंदी हालत होगी जिसकी ताबीर (नतीजा) भी भली न होगी	जब मंगल बद हो या मंगल बरबाद या नष्ट हो क़ियाफ़ा:-मंगल नम्बर 3 का बुर्ज चर्बी से भरकर इतना मोटा हो जावे की मंगल नम्बर 3 का बुर्ज शुक्कर के बुर्ज नम्बर 7 और बृहस्पत के बुर्ज नम्बर 2 से अलाहदा मालूम न होवे ।
2- रिश्तेदारों की मौतों से दुखिया मगर अपने लिये उम्दा ही होगा	बृहस्पत नम्बर 11
3- जब मंगल बद या मंदा हो तो आ बैल मुझे मार के कामों के मंदे नतीजे मगर उसकी औरत के ख़ानदान को मदद मिलती रहे सब्ज़क़दमा मनहूस मंगल बद का हर तरफ़ मंदा असर ज़ोर पर होगा ।	बृहस्पत या सूरज या चंद्र नम्बर 7-9-11
4- हर तरफ़ मंदा असर और ख़्वामख़्वाह ख़राबियां घर बार में माली ख़राबियां मगर कुण्डली वाले के ख़ानदान को मदद मिलती रहे या वह देता ही रहेगा जब सनीचर नम्बर 11 हो तो क़ुदरत की तरफ़ से मौतें वग़ैरह हर्गिज़ न होगी ।	बुध या सनीचर नम्बर 9-11 3 या बुध सनीचर दोनों नम्बर 7-3

उपाओ:-

हाथी दांत का क़ायम करना मुबारक फल देगा ।

ज़हमत-मुसीबत नरीना-नर क़ियाफ़ा-सामुद्रिक शास्त्र हर्गिज़-कभी भी अलाहदा-अलग ताबीर-स्वप्न काल बताना, कहना, बताना

Astro Lucky

मंगल ख़ाना नम्बर-4

जलती आग-बदी का सरदार
जलाने पर आए तो मर्द माया
के समन्दर भी जला देवे ।

पकड़ हौसला सब मुसीबत गो कटती
मगर लेख उलटे हो हिम्मत न हो बनती

चंद्र मुट्ठी बंद बाहर नष्टी
रवि छटे ख़ुद बैठा हो

मदद ग्रह नर-चंद्र मिलती
बदी मंगल न होता हो

बुध-केतु 8 चौथे तीजे
मदद रवि न चंद्र हो

मंगल बदी मंगलीक हो जलते
आग समन्दर मन्दिर हो

गुलज़ार भरा जो क़बीला ज़ाती
28 भस्म जा करता हो

माता नानी और सास ज़नानी
मौत चारों की मांगता हो

6 वें चंद्र बुध माता मंदी
परिवार पापी 9 मंदा हो

अक़्ल 12 बुध टेवे मारी
पेट जला ख़ुद दुखिया हो

किसी जगह 8-4 या तीजे
मंगल टेवे ख़ुद बैठा हो

बाक़ी घरों[1] बुध केतु आए
ज़हरी मंगल बद बनता हो

लकड़ी ख़ुश्क से आग बनाना
काम शनि का होता हो

मुर्दे सुखा कर चूल्हा जलाना
राख मंगल बद करता हो

बैठा सामने शनि के जलता
कोसों मंगल बद फूंकता हो

नज़र ग़ैबी दो मालिक होता
आकाश पाताल में देखता जो

पढ़ना लिखे को ताक़त बीनाई
मालिक नज़र शनि होता हो

पहाड़ फटे जब नज़र से उसकी
असर नज़र बद करता हो

राहु सवारी नेक मंगल की
मील लाखों से देखता जो

बैठे बिठाए अक़्ल जो फिरती
मंगल बीनाई देता हो

[1] - नम्बर 3-4-8 में से मंगल होने वाला घर छोड़कर बाक़ी किसी दो घरों में ।

समन्दर-समुंद्र
ज़नानी-पत्नी
बीनाई-औरतों की दृष्टि
ताक़त-शक्ति

Astro Lucky

राहु होगा बुनियाद दोनों की
नेक हालत में मदद दे शिवजी
गुरु रवि 8 चंद्र बैठा
उत्तम असर दूध सागर देगा

बुरा भला हो जब कोई दो
विष्णु पालन ख़ुद करता जो
4-9 वें 3-11 जो
दांत सुबह पानी धोता जो

हस्त रेखा

श्रेष्ठ धन रेखा या पितृ रेखा
चंद्र से शुरू हो कर मंगल नेक
पर ख़तम होवे।

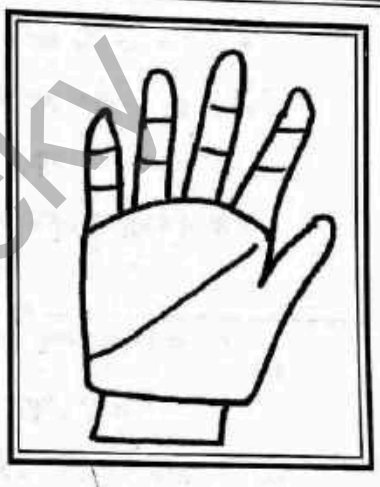

नेक हालत

1- मंगल अब मंगल बद न होगा बल्कि ज़हर के बदले दूध का उत्तम असर देगा । शरारत का माक़ूल जवाब देने की हिम्मत का मालिक क़बीला परवर होगा । दिल का साफ़ और सच्चा

(1) कोई दो पापी इकट्ठे मुश्तरका हों (मसलन सनीचर राहु या सनीचर केतु) या दो बाहम दुश्मन ग्रह (मसलन बुध केतु)

(2) चंद्र या शुक्कर अकेले या मंगल के साथ मुश्तरक़ा ख़ाना नम्बर 3-4-8 में हो ख़ुद उनका अपना असर बेशक कुछ ही और कैसा ही हो मगर मंगल को मंगलीक या मंगल बद न होने देंगे।

(3) जब चंद्र ख़ाना नम्बर 1-4-7-10 जब चंद्र किसी जगह नष्ट हो रहा हो या सूरज नम्बर 6 में हो या दोस्त ग्रह (सूरज)

माक़ूल-उचित, योग्य असर-परिणाम नतीजा मुश्तरकी-मिले जुले

Astro Lucky

1- मंगल अब मंगल बद न होगा बल्कि ज़हर के बदले दूध का उत्तम असर देगा । शरारत का माकूल जवाब देने की हिम्मत का मालिक क़बीला परवर होगा । दिल का साफ़ और सच्चा	चंद्र बृहस्पत) नम्बर 3-4-8-9 में हों यानी दोस्त ग्रह (सूरज चंद्र-बृहस्पत) मंगल को मदद दे रहे हों तो मंगल बद न होगा मन्दरजाज़ैल हालत में मंगल को सूरज की मदद न होगी । (i) जब ख़ाना नम्बर 1-8 में मंगल के साथ सूरज न हो । या नम्बर 7-10-12 में सूरज अकेला हो या सूरज नम्बर 5-9 के साथ केतु हो या सूरज नम्बर 6-12 के साथ राहु हो या सूरज नम्बर 7 के साथ शुक्कर हो या सूरज नम्बर 10 के साथ सनीचर हो या सूरज नम्बर 12 के साथ बुध हो।
भाई की औरत-दौलत (दफ़ीना) उत्तम व नेक होगी। बड़े भाइयों की तरफ़ या उन की औलाद पर कोई बुरा असर न होगा ।	जब मंगल नेक हो

मंदी हालत

1-

मोती भरे समन्दर न लेख घर का जलता
माता शिकम के अंदर जो पांव तू न धरता

2- 32 दांतो वाला तो दुर्बचन कह कर किसी का बुरा करेगा मगर मंगल बद या मंगलीक तो नज़र से ही तबाह करता होगा । उजड़े जंगल में उखड़े हुए या कटे हुए सूखे दरख़्त की लकड़ियों से चूल्हा गरम करना सनीचर का काम होगा मगर बारौनक़ घराने से

शिकम-पेट माक़ूल-उचित योग्य मन्दरजाज़ैल-निम्नलिखित
दफ़ीना-गड़ा हुआ ख़ज़ाना, निधि दरख़्त-पेड़

Astro Lucky

क़ीमती और ज़रूरत वाले मर्द को काटकर उसकी सुखाई हुई लाशों से भट्टी जलाना मंगल बद का काम है ।

3- मंगल बद का मालिक ऐसे घर में जनम लेगा-जहां कि एक दो पुश्त पहले कोई बुज़ुर्ग पूरा बृहस्पत (ब्रह्म गुरु) ख़ालिस सोना या शाहाना हालत हो चुका हो और हर तरफ़ पूरा सब्ज़ गुलज़ार बारौनक़ बाग़ लहराता और हर तरफ़ से मालिक की नज़र इनायत हो जिसे ऐसा बदनसीब बरबाद कर सके उजड़े ख़ानदानों और वीरान घरों में कभी मंगल बद या मंगलीक पैदा न होगा ऐसा शख़्स अमूमन सख़्त कड़वा सुभाओ अकड़ख़ान, अय्याश तबीयत कम अक़्ल कोताह अन्देश हुआ करता है और तक़रीबन सारी ही उम्र गुलामी में गुज़ार देगा। ख़ुद मियां फ़ज़ीहत औरों को नसीहत करने वाला होगा मुंह फाड़कर हर एक को उसके बरख़िलाफ या ऐब की बातें सुना देगा।

4- बेमुहार ऊंट की तरह गर्दिश का सैलानी-नज़रबद वाला-कीना साज़-काला काना लावल्द आंख का नुक़्स चालीस चंदरा हर तरह से सब्ज़क़दमा (मनहूस) हर वक़्त जलती आग और बदी का सरदार होगा समन्दर को आग से जला देने वाला या ऐसी आग जो पानी से बुझने की बजाए सारे के सारे ही समन्दर को तह तक जला दे। ख़ुद अपनी मां-नानी-सास ज़नानी की उम्र तक भारी होगा। भाई (ख़ासकर बड़े) की औरत दौलत और दफ़ीना पर अपनी 28 साला उम्र तक हर तरह से मन्दा असर देगा-अगर किसी वजह से बड़े भाई ज़िन्दा हों तो वह लावल्द या मुर्दा के बराबर तंग हाल या मंदी सेहत के मालिक होंगे ।

5- मंगल बद के असर की मन्दरजाज़ैल हालतें और भी मंदा करेंगी ।

(i) जब मकान की तह ज़मीन 8-18-13-3 गोशे हों या मकान के अन्दर तहख़ाना बन्द किया हुआ या तहख़ाना फाड़कर कुएं के साथ मिलाया हुआ होवे।

(ii) या दरवाज़ा दक्कन में हो या घर से बाहर निकलते वक़्त आग दाएं और पानी बाएं हाथ पर हो

(iii)या मकान रिहायश के ऊपर दरख़्त का साया या कीकर या बेरी का दरख़्त सेहन में या पिछली

कोताह-छोटा, थोड़ा संक्षिप्त
नसीहत-सलाह
कीना-रंजिश शत्रुता
बर ख़िलाफ़-प्रतिकूल, उल्टा, विरूद्ध
दफ़ीना-गढ़ा हुआ, गुप्त

Astro Lucky

दीवार के साथ लगता हुआ पीपल का कटा हुआ लुंड-मुंड दरख़्त साथी या सामने साथ ही लगता हुआ होवे ।

(iv) या घर के दाएं बाएं भड़भूंजे की भट्टी या हलवाई की दुकान की सिर्फ़ भट्टी हो या आग के कारोबार या मकान के अन्दर क़ब्र या ऐन साथ लगता हुआ क़ब्रिस्तान हो ।

(v) या लावल्द की जगह लेकर बनाया हुआ मकान या कुएं पर (ख़्वाह खुश्क को भरकर ख़्वाह पानी भरे के ऊपर) छत डालकर बनाया मकान हो ।

(vI) या गली या रास्ता को छत कर बनाया हुआ मकान हो या ऐसा मकान हो जिसमें शारए से आकर हवा सीधी टकराने वाली हो या मकान का निकास (घर से निकलने का बड़ा रास्ता दक्कन को हो ।

6- जब भी अय्याश तबीयत हो-कम अक़्ल होगा तो उम्र भर गुलामी में गुज़ारे क्योंकि कोताह अन्देश होगा।

7- नम्बर 8-4-3 में सूरज चंद्र बृहस्पत न हों या सूरज या चंद्र या बृहस्पत की मदद न हो और सूरज बृहस्पत चंद्र की मदद भी हो लेकिन अगर सनीचर या केतु (मंदी हालत) का साथ हो जावे तो भी मंगल बद ही होगा और मंगल बद और मंगलीक की मंदी आग ज़ोर पर होगी जिससे घर बार धरम और पानी के समन्दर की तरह माया दौलत के ख़ज़ाने सब जलते होगें-बुध-पापी ग्रहों की अश्या रिश्तेदार या कारोबार मुतअल्लिक़ा बुध और पापी ग्रह बरबाद हों या बरबाद करें ।

8- जब अकेला मंगल हो और नम्बर 8-4-3 में से किसी एक घर मंगल हो और बाक़ी दो में बुध केतु हों तो मंगल बद होगा जिसके वक़्त बेवा औरतें और अपना ही क़बीला बरबाद करें ।

निकास-बाहर निकलने का रास्ता
मुतअल्लिक़ा-संबंधित
दक्कन-दक्षिण दिशा
बेवा-विधवा (जिसका पति मर चुका हो)
अय्याश-व्यभिचार

Astro Lucky

मंगल बद की हर ख़ाना नम्बर के लिए हाथ की शक्लें

क़िस्म	ख़ाना नम्बर	अपनी जान और अपने ख़ून के ताल्लुक़ दारों पर मंदा होगा
(1) मंगल बद	1-8	
मंगल बद	1-8	सिर्फ़ धन दौलत पर जब

केतु मंदा हो ख़ाना नम्बर 8 का मंगल बद सिर्फ़ धन दौलत के मंदे ख़्वाब दिखलाएगा दोनों ही घरो पर मंदा होगा यानी अपने और दोस्तों या रिश्तेदारों के घरों पर एक ही वक़्त में मंदा होगा

क़िस्म	ख़ाना नम्बर	अपनी जान और अपने ख़ून के ताल्लुक़दारों की औरतों की जानों पर
मंगल बद	2	जब सनीचर मंदा हो
मंगल बद	5-9-12	अपनी जान और अपने ख़ून के ताल्लुक़दारों की जानों पर मंदा होगा।

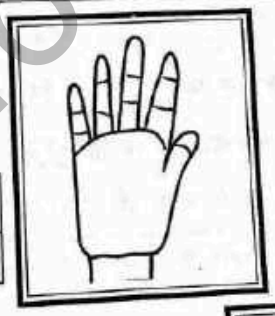

मंगल बद	5-9-12	दूसरों पर मंदा होगा। जब बुध मंदा हो।

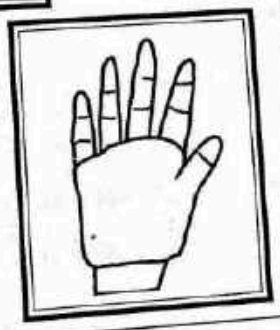

मंगल बद	6-10-11	दूसरों पर मंदा होगा। सिर्फ़ धन दौलत के लिए मंदा होगा।

ख़्वाब-सपना, स्वप्न
सिर्फ़-केवल
सनीचर-शनि ग्रह
ताल्लुक़-संबंध
ताल्लुक़दारों-संबंधियों
वक़्त-समय

Astro Lucky

क़िस्म		
2- मंगलीक	7	दूसरों की स्त्रियों की जानों पर मंदा जब सनीचर मंदा हो ।
मंगलीक	4	अपनी ही स्त्रियों (मां नानी सास ज़नानी अपनी औरत)

पर मंदा जब सनीचर मंदा हो-जब सनीचर मंदा हो

ख़ाना नम्बर 4 का मंगलीक माल व जान (धन और परिवार दोनों तरफ़ ही मंदी आग होगा ।
मगर सिर्फ़ एक ही घर के लिये यानी ख़्वाह मर्द का घर उजड़े ख़्वाह औरत का ख़ानदान बरबाद हो
मगर बरबाद होगा सिर्फ़ एक ही तरफ़ का ख़ानदान या एक ही घर मंगलीक के वक़्त मर्द व औरत की
जोड़ी अमूमन टूटी जोड़ी (रंडवा रंडी) होगी ।
मंगल बद हो या मंगलीक (सिवाय मंगल नम्बर 8-12) हर दो हालत में वह अपनी 28
साला उम्र तक अपने से बड़े भाई सब ले मरेगा। अगर वह ज़िन्दा हो तो लावल्द
या मंदी सेहत और ख़ून या बाज़ू बरबाद के मालिक होंगे ।
मंगल नम्बर 8 वाला 28 साला उम्र तक अपने छोटे भाई और
मंगल नम्बर 12 वाला 28 साला उम्र तक अपने बड़े भाईयों पर मंदा होगा
70 साला उम्र तक अपने ख़ानदान पर जिसमें कि जनम लिया हो मंदा होगा और 70 साला उम्र के
बाद अपने दूसरे ख़ानदान (बाबे दादे के ताल्लुक़दारों पर जो अलाहदा हो चुके हो)
पर मंदा होगा। आख़री उम्र में अन्धा और जिस्मानी सेहत के ताल्लुक़ में दुखिया होकर मौत पावें

अपने ही घर की ज़हर बरबाद करती होगी जो अमूमन बुध तायी चची होगी।	बुध केतु नम्बर 8 में क़ियाफ़ा: हाथ पर मंगल के बुर्ज नम्बर 8 में लेटे ख़त —
बरबादी के लिए अपने ही घर की ज़हर होगी जो अमूमन कोई ताया चचा होगा। ऊपर की हर दो हालतों में बेवा ताई चची या ताये चचे की आर्शिवाद लेते रहना मददगार होगा ।	शुक्कर या मंगल से कोई नम्बर 4-8 में हो

लावल्द-नि:संतान दादे-दादा (पिता के पिता) चचे-चाचा
अमूमन-आमतौर से चची-चाची क़ियाफ़ा-सामुद्रिक विद्या

Astro Lucky

16- मंगल बद के वक़्त एक तरफ़ मंगल हो और दूसरी तरफ़ मंगल की दृष्टि में नर ग्रह हो तो हक़ीक़ी ख़ून के ताल्लुक़दारों और खुद टेवे वाले पर मंदा होगा।

16- मंगल बद के वक़्त एक तरफ़ मंगल हो और दूसरी तरफ़ स्त्री ग्रह स्त्रियों को बरबाद करें या औरतें और खुद टेवे वाले पर मंदा असर देगी।

मंगल बद के वक़्त एक तरफ़ मंगल हो और दूसरी तरफ़ मुख़न्नस या पापी बुध पापी ग्रहों के मुतअल्लिक़ा कारोबार या अश्या बरबाद हों या बरबाद करें।

अपने लेख में सूखी छेड़ी तंग हाल-भाईयों से दूर जुदा दुखिया होगा जिस दरख़्त तले जा बैठे वह जड़ से उखड़ जावे या ज़हरीले सांप की तरह औरों को भी बरबाद करे आवाज़ मानिंद ढोल बुलन्द होगी।

दुश्मन ग्रहों का साथ क़ियाफ़ा: हाथ पर मंगल बद का निशान < > ^ या V रेखा हो

17- छोटी उम्र में माता की उम्र तक मंदा साबित होगा ज़बान की बीमारियां मगर चोरों का दुश्मन हो

बुध या चंद्र नम्बर 6 सनीचर से मुश्तरका मंगल बद हो क़ियाफ़ा :- उम्र रेखा चंद्र के बुर्ज पर आख़ीर △ में बना दें

18- अपने परिवार के लिये मंदा साबित होगा } पापी नम्बर 9

19- दुखों से मारा हुआ बेवक़ूफ़ तंग और अन्दर के जलते हुए ख़ून से तड़पता हुआ फिरे } बुध नम्बर 12

20- बुज़दिल दलिद्दरी होगा। } बृहस्पत नम्बर 8

21 चोर-फ़रेबी-मानिंद चूल्हा मंदा हाल } सनीचर नम्बर 1

उपाओ :- हर रोज़ सुबह पानी से दांत सफ़ा करना मंगल की उत्तम बरकत देगा चंद्र का उपाओ या बड़ के दरख़्त को दूध में मीठा डालकर गीली की हुई मिट्टी का तिलक पेट की ख़राबियों को दूर करेगा आग के वाक़िआत पर छत पर खाण्ड की बोरियां (फोड़े की मुंह में देसी खाण्ड)

हक़ीक़ी-सच्चा, वास्तविक मानिंद-की तरह से, तुल्य मुश्तरका-मिले जुले मुख़न्नस-नपुंसक, प्रभावहीन अश्या-चीजे, वस्तुएं फ़रेबी-कपटी

Astro Lucky

शहद से मिट्टी का बर्तन भरकर बाहर शमशान में (लावल्दी के वक़्त या औरत औलाद की बरबादी) मृगशाला (लम्बी बीमारियों से छुटकारा) चांदी ☐ चौकोर की मदद या जनूबी दरवाज़ा लोहे से कील देंवे। काले काने (एक आंख वाले) लावल्द ढेक के दरख़्त से दूरी पकड़ें। सूरज (तांबा-गुड़-ग़न्दुम-बन्दर) चंद्र (कुआं-घोड़ा-चांदी) बृहस्पत (सोना-बुज़ुर्ग साधु वग़ैरह) को क़ायम करें। चिड़े चिड़ियों को मीठा देवें-हाथी दांत अपने पास रखना मुबारक होगा।

मंगल ख़ाना नम्बर-5

रईसों का बाप दादा (अगर बद मंगल तो शरीर) जद्दी घर से बाहर मुस्तक़िल रिहाइश लावल्दी ही देगी।

भरा सुख से सागर-जहाज़ों का बेड़ा
ख़ुश्क़ दम में कर दे-न महबूब तेरा

बाप दादा[1] वह रईसां होगा
योग दृष्टि ऐसा बदला
नेकी बदी 5 ताक़त गिनते
तीन 9 वें ख़्वाह दुश्मन बैठे
तकलीफ़ पीछे आराम हो मिलता
रात सिरहाने पानी रखता

नींद पूरी[2] न सोता हो
नज़र तबाही बद का हो
चंद्र भला नेक शुक्कर हो
बाहमी मदद[3] ही करता हो
जनम औलाद से बढ़ता हो
राहु मंदा नहीं होता हो

मंगल के शेर की नज़र (दृष्टि) शेर से डरे हुए जानवरों की तरह सब ग्रह बुराई या मन्दा असर करने के वक़्त अपनी दृष्टि बदल लेंगे।
मगर बाहमी दोस्ती दुश्मनी बहाल होगी और चंद्र व शुक्कर हमेशा ही नेक ही फल के रहेंगे

बदली	किस घर को	12	बदस्तूर	नेक होगा	3	4	7	10	9	नेक होगा	11	बदस्तूर	बदस्तूर
दृष्टि	कौन देखेगा	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12

बाहमी दोस्ती दुश्मनी सबकी बदस्तूर होगी

[1] जब नम्बर 10 ख़ाली [2] जब नम्बर 9-10 में दुश्मन [3] जब मंगल जागता हो या मंदा न हो और नम्बर 10 ख़ाली।

लावल्दी-निःसंतान
रईसां-अमीर
मुस्तक़िल-अटल, चिर स्थाई
बाहमी-मिल जुलकर
बदस्तूर-नियमपूर्वक

Astro Lucky

हस्त रेखा

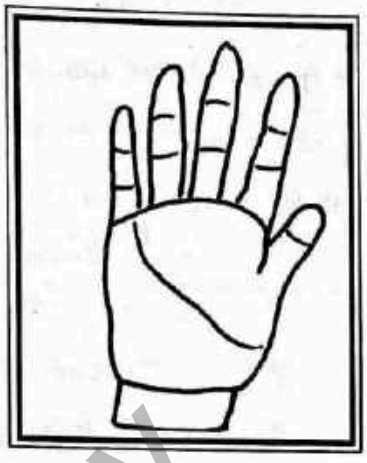

मंगल नेक से शाख़
जब मच्छ रेखा को काटे

नेक हालत

1- ख़ाना नम्बर 3 के ग्रह अब मंगल के मातहत और खुद मंगल नम्बर 9 के ग्रहों (ख़्वाह दोस्त ख़्वाह दुश्मन) पर मेहरबान होगा या नम्बर 3-5-9 सब के ग्रह अब बाहमी मददगार होंगे -और शुक्कर और चंद्र टेवे में ख़्वाह कैसे ही हों नेक फ़ल देंगे-बहरहाल मंगल की नेकी व बदी हर दो कामों के लिए 5 गुना ताक़त होगी-नीम का दरख़्त जिस क़दर बूढ़ा होवे-उससे क़ीमती पानी टपकने लगे जो हज़ारों दवाईयों के काम आवे। इसी तरह ही ऐसा प्रानी जिस क़दर बूढ़ होता जावे-अमीरी बढ़ती जावे।

2- दुनियावी कारोबार में मुन्सिफ़ होवे जिसका फ़ैसला ख़ाना नम्बर 3 से होगा खुद या ख़ानदानी ख़ून हकीमी या डाक्टरी का ज़रूर ताल्लुक़दार होगा।

3- दृष्टि बदली हुई होगी। सिर्फ़ उस वक़्त जब कोई भी ग्रह मंदा होने या बुरा करने की हालत पर हो रहा हो-मसलन चंद्र जब अपने पानी से तूफ़ान लावे या कुआं ग़र्क़ होने लगे तो नम्बर 8 का चंद्र नम्बर 5 मंगल के वक़्त अपना बुरा असर ख़ाना नम्बर 9 या अपने माता पिता पर करेगा उस वक़्त जबकि वह खुद अपने बुज़ुर्गो के नाम पर (श्राद्ध) दूध की ख़ैरात बन्द करे तो उसके वाल्दैन को दमा-मिर्गी-लावल्दी मिलेगी।

4- वह साहिब इल्म व औलाद होगा व औरत औलाद का सुख आम होगा उसके बुज़ुर्ग बेशक कैसे मगर वह और उसकी औलाद के लिए हर गुज़री हुई पिछली घड़ी नेक और तकलीफ़ के

मातहत-अधीन सहायक
तकलीफ़-परेशानी
मुन्सिफ़-न्यायकर्त्ता
ख़्वाह-चाहे
बहरहाल-फिर भी
लावल्दी-निःसंतान
ताक़त-शक्ति

Astro Lucky

नेक हालत

बाद आराम देने वाली होगी औलाद नेक और सुख देने वाली होगी - मगर ख़याल रहे कि सुख की नदी सिर्फ़ ख़ूबसूरती पर ही न खर्च होती जावे।

5- रईसों का बाप और -दादा होगा - या उसके लड़के पोते रईस होंगे- औलाद के जनम दिन से बढ़ेगा } जब मंगल जागता हो और मन्दा न हो यानी ख़ाना नम्बर 9 में कोई न कोई ग्रह ज़रुर हो या बड़ा भाई क़ायम हो और नम्बर 10 ख़ाली हो।

मंदी हालत

मंदे असर का वक़्त जब कभी भी होगा रात होगी जिसकी निशानी केतु की मुतअल्लिक़ा अश्या से/पर होगी।

1- शरीर-नज़र से ही तबाही करता जावेगा।

2- आग का ख़ौफ़ व ख़तरा व नज़र का अन्देशा ही होगा। औलाद का सुख कम होगा-सफ़र गले लग लगा रहे-औलाद की आठ राह की बीमारी व माता-पिता के भाई बन्द (नरों)की मौतें-अपने भाई की औलाद की मौतें-मगर स्त्री-लड़की-मामी या किसी भी मादा हस्ती की मौत न होगी-क़रीबी रिश्तेदारों पर बुरा असर होवे। अपने जद्दी इलाक़े घर-घाट से बाहर मुस्तक़िल रिहाइश लावल्दी ही देगी। तेरी महबूब ही तेरे जहाज़ों के बेड़े की तबाही का बहाना होगी।

4- रात की पूरी नींद नसीब न होगी-जिसके लिए रात को सिरहाने पानी रख कर सोने से मंगल बद और राहु की मंदी शरारतों से बचाओ होता रहेगा। } नम्बर 9-10 दुश्मन, बुध केतु

औलाद के हर आठ के हिस्सा या 18 पर गुज़र जाना यानी 8 दिन 8 साल और आख़िरी हद 18 साला की उम्र पर गुज़र जाना।

ख़याल-विचार, ध्यान

मुस्तक़िल-अटल, दृढ़ निश्चय लगातार

मुतअल्लिक़ा-संबंधित

Astro Lucky

मंगल ख़ाना नम्बर-6

तरसिए की औलाद-सन्यासी साधु (अगर बद मंगल हो तो फ़सादी)

बजे नाम लड़के पे-बाजा जो शादी
ग़मी देर करती-न उस जा पे आती

न कमी औलाद माया — न ही दुखिया बाप हो
भाई बन्दे होंगे सुखिया — बढ़ता जिस दम आप हो
वही हो शिव शम्भु — वरना गिरा कोठे और ला तम्बू
केतु-शुक्कर-बुध चंद्र ज़ाती — मंदा ज़ानों पर होता हो
रवि बैठा ख़्वाह टेवे रद्दी — घुटना 274 भला वह देता हो
गुरु रवि या हो बुध मंदा — औलाद होती नर एक ही हो
शुक्कर भला या हो 7 उम्दा — फलती नस्ल 3 पुश्ती हो
ख़ुशी औलाद न हरगिज़ फलत — न ही दिखावा उत्तम हो
जिस्म पे उनके सोना आता — दुखड़े खड़े और मातम हो

हस्त रेखा

मंगल नेक से शाख़ जब मुस्ततील ख़ाना नम्बर 6 में ख़तम हो।

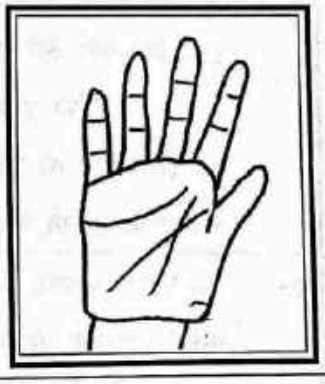

जब जागता व क़ायम हो सनीचर (ज़ाती गृहस्त) बुध (मदद भाई) बुध बज़रिया चंद्र (औलाद) केतु (दुश्मन) चाल चलन का उपाओ मददगार होगा जब केतु मंदा हो 34 साला उम्र तक मकान गिरा कर ख़ेमे लगा दो।

औलाद-संतान — हरगिज़-कभी भी — फ़सादी-झगड़ालू
मुस्ततील-आयत, समकोण चतुर्भुज

Astro Lucky

नेक हालत

1- हिम्मत से भरपूर-पाताल और पानी में भी आग जला देने की हिम्मत का मालिक-और-क़बीला का निगरां होगा।

2- खुद साहिबे इक़बाल व हुक्मरान व दुनियावी मुन्सिफ़ होगा - साधु सन्यासी की तरह अपना आप मारने वाला-अकेला ही धर्मवीर होगा-सूरज अब टेवे में ख़्वाह कहीं और कैसा ही बैठा हो उत्तम फल देगा। बुध के कारोबार दोस्ती-तहरीरी हुनर मंदी-राग़ विद्या-जुबानदानी वग़ैरह का शौकीन व मस्ताना होगा - और क़लम में तलवार से ज़्यादा ज़ोर होगा-या उसकी क़लम का लिखा हुआ ज़रूर असर करके ही रहेगा और मिटाए न मिटेगा-उसका अपना चाल चलन पर पूरा काबू होगा। राहु का अब नम्बर 12 में कोई मंदा असर न होगा मगर केतु शक्की ही होगा।

3- जिस दम खुद बढ़ेगा-बड़े भाई व दीगर साथी बढ़ेंगे जिसके सबूत में घर में दाने (अनाज) भरने की कच्ची मिट्टी की कोठियां 14 साला उम्र तक क़ायम होगी-वरना वही शिव शम्भू गिरा कोठे और ला तम्बू सनीचर वास्ते ज़ाती गृहस्त बुध लड़कियों की पूजना-भाईयों की मदद-बुध बज़रिया चंद्र (माता बुध की पूजे) और केतु दुश्मन से बचाओ का उपाओ मददगार होगा। } जब मंगल जागता व क़ायम हो।

4- पोते पड़पोते देखकर मरे-तीन पुश्त तक औलाद की बरकत और-बढ़े परिवार होगा। } शुक्कर भला या नम्बर 7 उम्दा हो या नम्बर 7 में सनीचर-बुध केतु हो-क़ियाफ़ा :- गृहस्त रेखा अंगूठे की तरफ़ झुक जावे।

निगरां-निरीक्षक, जांच पड़ताल करने वाला कोठे-छत दीगर-भिन्न, दूसरे
बज़रिया-माध्यम से क़ियाफ़ा-सामुद्रिक शास्त्र

Astro Lucky

5- औलाद की कभी कमी न होगा-बल्कि औलाद उम्दा मुबारक होगी-गुरु सूरज या बुध उम्दा हो। 24 साल औलाद होती रहे।

मसलन 5 मगर संवत् 1970- 19 नवम्बर-1913ई.

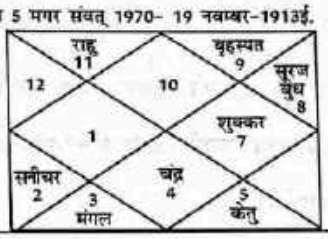

बेशक केतु नम्बर 8 } औलाद के लिए मंदे
सनीचर नम्बर 5 } मगर- गुरु -सूरज और बुध उम्दा होने पर औलाद का नतीजा नेक होगा।

मंदी हालत

1- खुशी के बाजे से मातम की क्यों आवाज़ आने लगी-जिस जगह बैठकर औलाद के नाम पर खुशी की महफ़िल करता होगा वहां ही चंद दिन के अन्दर अन्दर मातम की हालत में आंसू बहाता होगा-उसके भाई उससे माली हालत में कम होंगे। अगर किसी हालत में ज़्यादा हो जावें तो अचानक भारी भारी नुक़सान देखें। ऐसी हालत में उसके भाईयों को चाहिये कि अपनी-अपनी कमाई से मंगल नम्बर 6 वाले भाई को कुछ न कुछ ज़रूर देते रहें जिस से उनका बचाओ होता रहेगा। अगर वह किसी हालत में न लेवे तो दरिया या चलते पानी में ऐसी चीज़ें जो कि वह उसको देना चाहें बहा देवें।

2- केतु (मामूं-औलाद) शुक्कर (स्त्री भाग मगर स्त्री नहीं) बुध (लड़की-बहन बुआ) चंद्र (दूध वाले जानवर माता) चारों ग्रहों के मुतअल्लिक़ा रिश्तेदारों की जानों तक मंदा होगा-खुद फ़सादी नर औलाद की कमी करने वाला-मामूं दुखिया या बरबाद-तरसिए की औलाद।

औलाद नरीना सिर्फ़ एक लड़का होगा-मगर लावल्द न होगा- } गुरु-सूरज या बुध मंदा हो

34 साला उम्र तक औलाद ज़रूर क़ायम होगी-औलाद के जनम की खुशी (पहला लड़का शायद ही क़ायम होगा) मनाना औलाद की मंदी हालत की निशानी होगी-औलाद के जनम पर मिठाई } केतु मंदा हो

मातम-मृत्यु शोक मामूं-(माता का भाई) मुतअल्लिक़ा-संबंधित फ़सादी-झगड़ालू
तरसिए-तरस-तरस, मन्नत मांग कर, मुराद मांग कर नरीना-नर लावल्द-निःसंतान

Astro Lucky

की जगह नमक या नमकीन चीज़ें बांटना मुबारक होगा और उनके जिस्म पर सोना डालना भी उनके लिए ज़हमत ही होगी बल्कि जब तक उनके जिस्म पर सोना न आयेगा-वह सोना कमायेंगे और जब उनके जिस्म पर सोना होगा-वह दुनिया में ख़ाक उड़ायेंगे।

4- बहन भाई यम (दुख का बहाना) होंगे } बुध नम्बर 12

5- माता छोटी उम्र में गुज़र जावे } बुध-नम्बर 8 और सूरज चंद्र की मदद न हो

6- पहले खुद छोटी उम्र में गुज़र जावे - बादअज़ां माता भी जल्दी गुज़र जावे } बुध नम्बर 4

उपाओ :-

(1) खुद ज़ाती आम गृहस्ती मंदी हालत के वक़्त-सनीचर का उपाओ

(2) भाईयों की मदद के लिये-------- बुध (लड़कियों) की पूजना आशीर्बाद

(3) औलाद के लिए - चंद्र (माता-दूध-चांदी)

बुध (लड़की-बहन-बुआ-फूफी-मासी का उपाओ

(4) चाल चलन की मज़बूती (लंगोटे का जत्तीपन) से निर्धन ग़रीब-केतु दरवेश मिट्टी उड़ती और तूफ़ानी हालत के घर जनम का होते हुए भी ज़माना का शेर बहादुर और दुश्मनों को पांव तले दबा लेने की हिम्मत का मालिक बहादुर -प्रानी होगा।

ज़हमत-कष्ट, क्लेश, तकलीफ बादअज़ां-तत्पश्चात, उसके बाद दरवेश-साधु, सन्यासी, भिक्षुक
प्रानी-इंसान, मनुष्य जत्तीपन-पक्का होना, ब्रह्मचर्य

Astro Lucky

मंगल ख़ाना नम्बर-7

मीठा हलवा-विष्णु पालना अगर
बद मंगल तो मनहूस बदबख़्त

मिलेगा सभी कुछ-जो दरकार-घर में
शर्त सिर्फ़ इतनी दोबारा न तलबें

शान मकानां सब कुछ उम्दा
सबका सब ही रद्दी[3] होगा
बुध-शनि घर 6-7 बैठे
बुनियाद भतीजा[2] अपनी गिनते
शुक्कर-गुरु कोई हो घर पहले
इल्म रियाज़ी माहिर गिनते

धन दौलत परिवार की सब
बुध[1] मिले मंगल से जब
मौत पराई लेता हो
तुख़्म सोहबत न छिपता हो
राज हुकूमत बढ़ता हो
ख़ून वज़ीरी होता हो

हस्त रेखा

मंगल नेक से गृहस्त रेखा
जब शुक्कर में ख़तम हो-मंगल नेक से
शाख़ बुध में जा निकले।

1 सनीचर का बज़रिया मकान बनाकर गिराते जाना उपाओ मददगार होगा-जब बुध नम्बर 8 7-1 या किसी और जगह मंदा ब्योपार या बेवा बहन भाई का बाहम ताल्लुक़।

2 नेक मायनों में 3 मंदा।

तुख़्म-बीच
इल्म रियाज़ी-गणित विद्या
बज़रिया-माध्यम से
बेवा-विधवा (जिसका पति मर चुका हो)
बाहम-परस्पर, एक साथ मिल जुलकर

Astro Lucky

नेक हालत

1- क़िस्मत का तराज़ू तोलने वाले ग़ैबी देवता घर में अगर देंगे तो हीरे और लाल (बेशुमार धन दौलत) देगें वरना ख़ाक भी उड़ा देंगे। ग़र्ज़ेकि दरमियाना ज़िदगी न होगी।

2- मीठा हलवा-मीठी रोटी व पकवान से उम्दा ज़िन्दगी होगी। अगर-उम्दा हुआ तो मच्छ रेखा वरना लावल्दी ही होगी-भाई की औलाद की पालना मुबारक होगी-औरत का सुख पूरा - ख़ुद मुतसदी (छोटा वज़ीर) धर्मात्मा नेक नाम और वक़्त मुसीबत रोते को ढारस बन्धवा कर पक्का हौसला और मदद देकर हंसाने वाला होगा।

3- विष्णु जी की तरह पालना करने वाला-दुनियावी मुन्सिफ़ मिज़ाज होगा-मगर-तुख़्म सोहबत का असर कभी खाली न होगा बहरहाल राज हुकूमत बढ़ता होगा और वह इल्म रियाज़ी का माहिर और वज़ीरी ख़ून का ताल्लुक़दार होगा-जागीर व दौलत की बरकत होगी।

4- जिस भी किसी चीज़ की ख़्वाहिश हो वह एक दफ़ा तो ज़रूर मिलेगी मगर दूसरी दफ़ा या बार बार मिलने की कोई शर्त न होगी। } गुरु या शुक्कर कोई नम्बर 1

गुरु शुक्कर कोई घर-जब पहले योग पूर्ण ख़ुद मंगल करता

ठाठ लम्बी जागीरों का ख़ून शाही या वज़ीरों का

मुन्सिफ़-न्यायकर्त्ता

ख़्वाहिश-चाह, लालसा, इच्छा

मिज़ाज-व्यवहार

बेशुमार-बहुत अधिक

Astro Lucky

मंदी हालत

मंगल 7 वें सब कुछ उम्दा धन दौलत परिवार ही सब
सब का सब ही रद्दी होगा बुध मिले मंगल से जब

1- मनहूस-बदबख़्त-मंदी हालत कोढ़ से कम न होगी ख़ासकर जब ख़ुश्क-ख़ाली कुआं का साथ हो जावे-या बुध की अश्या का ब्योपार और बुध के रिश्तेदार की मारफ़त या साथ से होने लगे-बहन जल्द बेवा होगी-और बेवा बहन का साथ ही रहना टेवे वाले को लावल्दी देगा और बुध की मंदी अश्या का साथ मंदे असर का सबूत देगा। मसलन बेवा बहन या साली या भतीजी-मासी-बुआ-दोहती-पोती का साथ ही रहना क़लम या उसकी मुफ़्त मिली हुई निब-मकान में चमगादड़ या चौड़े पत्तों के दरख़्त छतर थोहर आम थोहर तोता या मैना ख़ुश्क फूल-कलईगिरी का पेशा दूसरी चीज़ों का ठप्पा या ढांचा भौड़ी गाय या बकरी ख़ाली बांस ख़ुश्क घास के अम्बार शराब कबाब या भूत की ख़ुराक-सीढ़ियां बार बार बनाकर गिराना-ढोलक या तबला हर वक़्त बजना बतौर ख़ुद ज़ाती शौक सब ही मंदे नतीजे देंगे मगर सनीचर का उपाओ बज़रिया मकान (मामूली छोटी सी दीवार बनाते और उसी को ही गिराते रहना मुबारक होगा।

जब मंगल बद हो या बुध नम्बर 1-7-8 या और किसी जगह मन्दा हो क़ियाफ़ाः- मंगल के बुर्ज़ नम्बर 3 से रेखा बुध के बुर्ज़ नम्बर 7 में जा निकले या सिर रेखा आख़ीर पर दो शाख़ी हो।

2- ख़ून मंदा या जिस्म का पीलापन अगर डाक्टर या हकीम मुत्तफ़िक़ हों तो मुनव्वर (जली हुई ईंट सनीचर की अश्या) और दही की लस्सी (शुक्कर) वाजिब ढंग पर इस्तेमाल करने से मदद होगी। जब कभी बहन आवे-मीठे से ख़ाली न जावे-बाहम मुश्तरका रिहाइश के वक़्त बेवा बहन को हर सुबह मीठा देकर काम शुरू करना मददगार होगा-घर में ठोस चांदी क़ायम रखने से परिवार की बरकत होगी।

बदबख़्त-अभागा, भाग्यहीन मारफ़त-मदद, सहायता बेवा-विधवा (जिसका पति मर चुका हो)
दरख़्त-पेड़ बाहम-परस्पर, एक साथ, मिल जुलकर मुश्तरका-मिले जुले

Astro Lucky

2- मौत पराई अपने सिर पर लेगा-पूरा मंगल बद-मगर क़बीला परवर होगा भतीजे अपनी क़िस्मत की मददगार-बुनियाद होंगे। } बुध सनीचर 6-7

मंगल ख़ाना नम्बर-8

मौत का फंदा
जाये फ़ानी

बचन बेवा देती-जो नेक़ी का तुझको
बुझे आग ख़ुद ही-जला देती घर जो

ख़ाली मन्दिर से मंगल उम्दा
तीन चौथे 9 पहले चंद्र
बुध मंगल न इस घर मंदा
तनूर भट्टी हो-जब घर जलता
चीज़ मंगल न मंदी काई
बुध बढ़ेगा जितनी जल्दी
इस्तक़लाली मर्द हो पक्का
ताक़त मुबारक हमला रोके
मालिक टेवे न मंगल मंदा
उम्र दौलत ख़ुद अपनी लम्बी

असर मुबारक देता हो
ज़हर मंगल न रहता हो
क़ायम अंधेरी कोठरी जो
बचता बाक़ी न कोई हो
मंद मुसीबत बुध से हो
उतना बुरा बद मंगल हो
जिस्म मेहनत पूरी करता हो
बैठा चंद्र ख़्वाह कैसा हो
मंद क़रीबी ख़ून पे हो
जलता जलाता दीगरां हो

हस्त रेखा

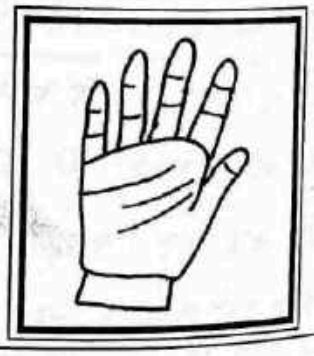

मंगल नेक से शाख़ मंगल बद को

चौथे-चौथा, चार
क़िस्मत-भाग्य
फ़ानी-नाशवान, मिट जाने वाला
ख़्वाह-चाहे
दीगरां-भिन्न, दूसरे

Astro Lucky

नेक हालत

1- दिमाग़ी ख़ाना नम्बर 8 सनीचर से मुश्तरका इस्तक़लाली पक्का मर्द होगा। नतीजा ख़्वाह फ़तेह ख़्वाह शिकस्त से कुछ ही हों-उसका जिस्म पूरी मेहनत करने का आदी होगा। दुश्मन ख़्वाह कितना ही आग से भरा हुआ हो-दुश्मन का हमला रोकने की पूरी हिम्मत का मालिक होगा। खुद दुनियावी मुन्सिफ़ मिज़ाज होगा।

2- मंगल का फल नेक व उत्तम होगा	सोया हुआ मंगल या ख़ाना नम्बर 2 ख़ाली हो या नम्बर 2 में मंगल के दोस्त ग्रह चंद्र-बृहस्पत हों।
3- मंगल बद न होगा।	8-1-3-4-9 में चंद्र हो।
4- अब बुध मंगल दोनों ही सबसे नेक फल देंगे जब तक जद्दी मकान के आख़ीर पर सनीचर अन्धेरी कोठड़ी क़ायम हो।	बुध नम्बर 8 की

मंदी हालत

1- मंगल 8 वें आठ बरस तक फ़र्क़ छोटा भाई गिनते हैं
लाख मुसीबत खड़ी ही करता अन्त बुरा नहीं गिनते हैं

टेवे वाले और उसके छोटे भाई की उम्रों में अमूमन $\frac{8}{4}$ बरस का कम अज़ कम फ़र्क़ होगा। मगर कई दफ़ा 13-15 साल तक भी आगे छोटा भाई नदारत और बाज़ दफ़ा तो छोटे भाईयों की बेड़ी ही ग़र्क़ करने वाला साबित होगा। ग्रह चाल में ऐसे शख़्स के बैठे दूसरा भाई क्यों आने पाये या क्यों रहने पाये-वह अपनी पैदाइश से यही कहता होगा -कि अब आगे आने वाले भाई जब हम आ चूके तो तुम ठहरो या क्यों आये या अब वापिस चले जाओ का हुक्मनामा उनके लिए जारी रखेगा। यानी

शिकस्त-हार मुन्सिफ़-न्यायकर्त्ता मिज़ाज-व्यवहार
नदारत-खत्म हो गया

Astro Lucky

वह अकेला ही रह जाया करता है-या उसके छोटे भाई सब ख़तम ही होंगे लेकिन अगर उसकी अपनी 8 बरस की उम्र से पहले या अपने से छोटे की 8 बरस की उम्र के बाद कोई और भाई ज़िन्दा ही हो तो सबके लिये मुसीबत या मातम की ही निशानी होगी।

2- मंगल का बुरा असर टेवे वाले पर न होगा-जब मंगल को चंद्र-सूरज या बृहस्पत की मदद न मिले या जब मंगल बद हो तो मंगल के मुतअल्लिक़ा (बड़ा भाई-ताया या मामूं जो माता का बड़ा भाई हो) क़रीबी रिश्तेदारों पर माता के पेट में आने के वक़्त या जनम वक़्त से ही बुरा असर होना शुरू होगा। मगर अपनी माता पर किसी तरह से भी मंदा असर न देगा। वह आसूदा हालत, उम्दा सेहत और लम्बी उम्र की मालिक होगी और उसकी अपनी उम्र व दौलत भी लम्बी होगी-ख़्वाह उम्र का मालिक चंद्र कहीं और कैसा ही बैठा हुआ हो-जलता जलाता दूसरों के लिये होगा। बेवा का दुर्वचन या बददुआ तेरे घर और क़िस्मत की उम्दा शान को जला देगा। और उसकी आशीर्बाद तार देगी और मंदी हालात में मीठी तनूर लगाई हुई रोटी कुत्ते को देते जाना मुबारक होगा। हर रोज़ रोटी बनाने का तवा जब गरम हो जावे - तो उस पर ठण्डे पानी से छींटे डालकर फिर रोटी पकाने से घर की बीमारियां दूर होगी।

3- अगर किसी बजह से छोटा भाई ज़िन्दा रह भी जावे तो उसका ख़ून या बाज़ू मंदे या निकम्मे ही होंगे। } बुध केतु नम्बर 2

4- अकेला बैठा हुआ मंगल बद 28 साला उम्र तक मौत का फन्दा होगा। ख़ाली क़ब्र होगी। जिसमें जो भी बदनसीब हो आ लेटे। मंगल अब मंगल बद होगा-जिससे धन दौलत के मंदे ख़्वाब आम होंगे- मगर जानों पर फ़िर भी मंदा न होगा गले में चांदी का हर वक़्त क़ायम रहना मुबारक फल देगा। दक्कन के दरवाज़ा या वैसे ही घर में ज़मीनदोज़ भट्टी (पक्की हमेशा के लिये क़ायम सीमेन्ट से बनाकर जहेज़ ब्याह शादी पर खोल ले और फिर बन्द रहे) } जब ख़ाना नम्बर 2 ख़ाली न हो मंगल बद होगा। क़ियाफ़ा:- सिर रेखा के ऊपर तिकोण △ या दो शाख़ा ख़त ∧ < ∨ हो या मंगल के बुर्ज नम्बर 3

मातम-मृत्यु शोक बेवा-विधवा (जिसका पति मर चुका हो) तनूर-तंदूर
क़ियाफ़ा-सामुद्रिक शास्त्र

Astro Lucky

या ज़मीनदोज़ तनूर मनहूस होगा-इतने मातम कि क़बीला भस्म ऐसी भट्टी पर जिस किसी (लड़का या लड़की) की शादी के लिये खुराक़ का सामान पकाया जावे वह सब ही लावल्द होंगे-मंदी हालत की निशानी और बहाना बुध की अश्या होंगे। और मंगल की कोई चीज़ भी मंदा दुख का कारण न होगी तनूर में आग लगाकर मीठी रोटी कुत्ते को $\frac{40}{43}$ दिन तक देते रहना मददगार होगा।

में उलटी गृहस्त रेखा यानी अंगूठे की जड़ की तरफ़ गृहस्त रेखा की पीठ होवे

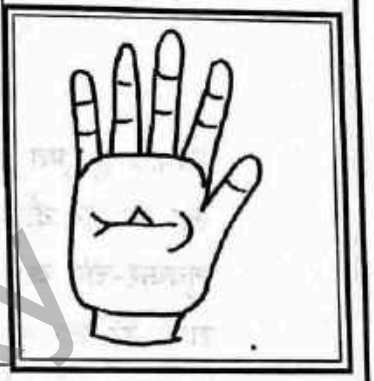

5- माता मासूमी में गुज़र जावे	बुध नम्बर 6
6- तंग दस्त व दुखिया होवे	मंगल बद हो या यानी चंद्र या सूरज या बृहस्पत ख़ाना नम्बर 1-3-4 या 8 में न मिलते हों।
7- जिस क़दर बुध उम्दा हो मंगल इतना ही ज़्यादा मन्दा होगा।	सिवाय ख़ाना नम्बर 8 या नम्बर 6 के बुध टेवे में कहीं भी हो।

उपाओः- नम्बर 8 के मंगल बद का वही उपाओ है जो मंगल 4 में लिखा है।

ज़मीनदोज़-जमीन के अन्दर

अश्या-वस्तुएं, चीजें

लावल्द-निःसंतान

तनूर-तंदूर

Astro Lucky

मंगल ख़ाना नम्बर-9

बुज़ुर्गो ही से चलता आया
तख़्त शाही अगर बद मंगल
तो नास्तिक-बदनाम

बड़े भाई की ताबेदारी जो रहता
ज़माना ग़ुलामी न-तुझे कोई कहता

सामान हुकूमत पहले बनते — पीछे जगत में आता हो
उम्र 13 घर दौलत गिनते — 28 राजा खुद बनता हो
शुक्कर-चंद्र का नेक[1] हो मंगल — असर उत्तम मच्छ रेखा हो
राज रवि का हर दम प्रबल — बैठा टेवे ख़्वाह कैसा हो
बुध मंदा खुद मंगल मंदा — भला पिता न माता हो
बड़ा भाई जब साथी उसका — गुज़र बुरा न होता हो
शेर मैदानी-क़िस्मत उसकी — दस्त दराज़ न होता हो
मात पिता की हालत अपनी — चंद्र गुरु पर चलता हो
सेवा भाई न ग़ुलामी गिनते — फ़तेह जगत दो मिलता हो
शेर राजा दो जंगल कटते — लंका जले भाई लड़ता हो

हस्त रेखा

क़िस्मत रेखा की जड़ में ☐ हो

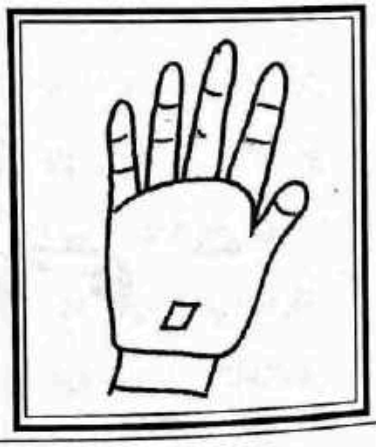

[1] - जब शुक्कर या चंद्र की दृष्टि या साथ हो जावे

रवि-सूर्य ख़्वाह-चाहे गुरु-बृहस्पति
दस्त दराज़-लंबा हाथ अश्या-वस्तुएं चीजें

AstroLucky

नेक हालत

दम दमे में दम न हो ख़्वाह ख़ैर हो 3 पांच की
बुध अकेला छोड़ के सब उम्दा हो ग्रहचाल ही

1- गो एक जंगल में दो शेर या एक जगह दो ख़ानदानी बहादुर राजा गुज़रान नहीं कर सकते मगर ऐसे टेवे में भाईयों की अलहदगी से लंका जलने की तरह उनकी हालत होगी। गोया मुश्तरका रहने से दो भाई अब क़िस्मत के मैदान में नेक हालत पर बहादुर शेर दिल का जोड़ा होगा-अकेला ही मंगल हो तो बुज़र्गो से चलता आया शाही तख़्त जनम से ही तैयार हो जावे खुद दुनियावी मुन्सिफ़ मिज़ाज होगा-भाई की औरत क़िस्मत की बुनियाद होगी। जितने बाबे अमूमन उतने ही आप भाई होंगे।

2- शुक्कर चंद्र का फल नेक (जब शुक्कर या चंद्र का साथ या बज़रिया दृष्टि ताल्लुक़ हो जावे और खुद अपना सूरज टेवे में ख़्वाह कैसा ही बैठा हो) नेक बल्कि ऊंच फल देगा-और जद्दी मकान यानी उसके बुज़ुर्गो के ताल्लुक़ में सूरज नम्बर 2 का दिया हुआ फल पैदा होगा-और ख़ाना नम्बर 3-5 ज़रूर ही नेक होंगे।

3- अकेला मंगल माली मच्छ रेखा का फल देगा। जब बड़े भाई (मंगल की अश्या कारोबार या रिश्तेदार मुतअल्लिक़ा मंगल) का साथ हो-गुज़रान हमेशा उम्दा होगी। मैदान में शेर बहादुर की तरह उजली क़िस्मत का मालिक होगा और ग़रीबी या तंग दस्ती से तंग आकर किसी के आगे दस्त दराज़ न होना पड़ेगा।

4- माता-पिता की हालत का फ़ैसला चंद्र (माता) व बृहस्पत (पिता) की हालत पर होगा। जंगी ख़ून और शाही जंगी धन से शाहाना परवरिश और खुद उसी ज़रिया मुआश से शाहाना हालत का मालिक होगा। जिसे मुतअल्लिक़ा दुनिया में हुकूमत करने का

ل - क़िस्मत के मैदान का शेर भागते हुए गीदड़ से कब मांग कर खायेगा।

अलहदगी-भिन्नता, वियोग
बज़रिया-माध्यम से
मुश्तरका-मिले जुले
मुतअल्लिक़ा-संबंधित
अमूमन-आमतौर से
दस्त दराज़-लम्बा हाथ

Astro Lucky

मौक़ा और धन जमा करने का वक़्त बहुत मिलेगा। जंगी खून-कारोबार और शाही जंगी धन हमेशा बरकत देगा और करम धरम व उम्र सब उत्तम व नेक होंगे।

5 - 13 साला उम्र तक वाल्दैन की हालत उत्तम करे और 28 साला उम्र में खुद मानिंद राजा एक गिनती का आदमी होगा। जिसकी आला गुज़रान होगी।

मंदी हालत:- नास्तिक बदनाम-क़िस्मत के मैदान के शेर को अब गीदड़ से मांग कर ही खाना पड़ेगा माता पिता दुखिया और तंग हाल होंगे। } जब बुध मंदा हो।

जब मंगल बद हो क़ियाफ़ा:-क़िस्मत रेखा की जड़ में मंगल बद का निशान तिकोन △ ∧ < ∨ >

मंगल ख़ाना नम्बर-10

च्यूंटी के घर भगवान राजा

बिके घर से सोना-तो हो दूध जलता
रहा जब न चंद्र तो-परिवार घटता

ख़ाली दृष्टि मंगल राजा	नज़र शनि पर चलता हो
मदद शनि से चीता बनता	हमला मर्द न करता हो
शुक्कर चंद्र और पापी दूजे	औलाद[1] देरी से पाता हो
राज मुबारक चंद्र चौथे	परिवार शनि 3 देता हो
चंद्र-रवि गुरु 6-3 बैठे	जलता[2] जंगल ज़र[3] घटता हो
लड़के पोते हों अक्सर मरते	सुखिया पिता न माता हो
4 रवि-6 चंद्र बैठा	मालिक[4] टेवा खुद काना हो
शनि मगर जब चौथे आया	क़ैद राजा की पाता हो

[1] - हिरण का साथ या पालना करना मुबारक होगा। [2] - बुध
[3] - गुरु [4] -जब माता घर का कुत्ता बने।

वाल्दैन-माता पिता क़ियाफ़ा-सामुद्रिक शास्त्र शुक्कर-शुक्र ग्रह
मानिंद-की तरह से, तुल्य च्यूंटी-चीटी चौथे-चार रवि-सूर्य ग्रह

AstroLucky

हस्त रेखा

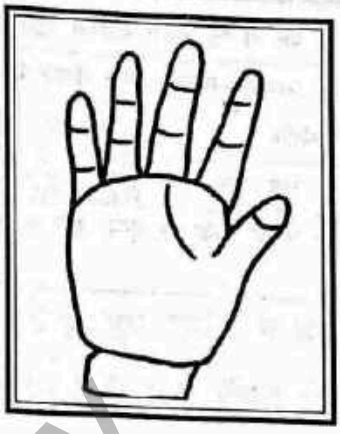

गृहस्त रेखा सनीचर पर क़ायम होवे।

नेक हालत

1- च्यूंटी के घर भगवान आये की तरह ख़ानदान को तारने वाला प्रानी होगा-यानी जिस घर में जनम लेगा वह घर पहले तो बेशक ग़रीब घराना ही होया होगा। मगर बाद में ज़रूर धनाढ्य घर बन जाएगा। तख़्त का मालिक होगा-ऐसा शख़्स जनम से ही दुनियावी राजा की शान का मालिक होगा और जायदाद व दौलत ख़ुद पैदा कर लेगा। वह कभी लावल्द न होगा। जब बड़ा भाई मौजूद होवे-दरअसल मंगल नम्बर 10 के शेर की आंखों की नज़र का मालिक शनि ही होगा या क़िस्मत का फ़ैसला के लिए सनीचर जैसा भी टेवे में हो उसका रहनुमाए होगा ग़र्ज़ेकि मंगल नेक व बद का फ़ैसला सनीचर की हालत पर होगा-अगर मंगल का असर शेर की हैसियत का न हो तो (अकेला मंगल हिरण की तरह नेक और उत्तम होगा) चीता तो ज़रूर होगा जो मर्दों पर हमला न करेगा। मगर बाक़ी सब सिफ़्तों और क़िस्मत के मैदान में बहादुर चीता ही होगा।

2- भाई की ज़िन्दगी क़िस्मत में माया की आमद की बुनियाद होगी। अमूमन जितने ताये चचे उतने ही ख़ुद भाई वरना मच्छ रेखा उम्र 96 साल (पूरी लम्बी) दौलत मंद-उम्दा सेहत गृहस्ती आराम जंगी ताक़त-दिलेरी व हौसला का पक्कापन साथ होगा।

3- राजदरबार उत्तम व मुबारक फल देवे-दूध में शहद की तरह उम्दा मीठी ज़िन्दगी-परिवार दिन रात बढ़ता जाए और बरकत होवे } चंद्र नम्बर 4

च्यूंटी-चीटी

लावल्द-नि:संतान

सिफ़्तों-गुण, विशेषताएं

अमूमन-आमतौर से

आमद-आना, आगमन

Astro Lucky

5 - शेर से भी ज़्यादा शरारती चीता होगा	सनीचर का साथ साथी या मदद हो
6 - जायदाद-मकान-तवेले बेशक कितने मगर नक़द माया तो कम या साधारण ही होगी।	सनीचर नम्बर 3
7 - सब असर उत्तम होगा	नम्बर 5 ख़ाली
8 - मानिंद राजा हर तरफ़ और हर तरह से उत्तम फल	दृष्टि वग़ैरह हर तरफ़ से ख़ाली और मंगल अकेला ही हो

मंदी हालत

1- घर से सोना बेचते ही दूध जलेगा और जब दूध गया तो पूत (औलाद) और क़बीला भी बरबाद होंगे।	
2- एक म्यान में दो तलवारें या एक ही जंगल में दो शेरों या एक ही वक़्त में दो राजाओं की हुकूमत की तरह मंदा असर होगा। या बरबाद करने वाला काला इल्म होगा।	दूसरे (दुश्मन)ग्रहों का साथ
3- औलाद बहुत देरी से क़ायम होगी। (हिरण का साथ या पालना या पालना करना या मंगल बद-काला काना-लावल्द की सेवा मदद देगी)	शुक्कर या चंद्र या पापी नम्बर 2 में हों
4- बुध मंदा होगा-जंगल उजाड़ की तरह बरौनक हालत का मालिक होगा बृहस्पत नष्ट सूरज बरबाद माल दौलत सोना बरबाद-मंदी हवा जो जलाती फिरे-खुद कमाई बरबाद लड़के पोते अक्सर मरते और माता पिता सुखिया न होंगे।	नम्बर 3-6 में चंद्र गुरु या सूरज हो मंगल बद होवे क़ियाफ़ा :- उम्र रेखा शुरू आख़ीर पर दो शाख़ी हो
5- टेव वाला एक आंख से काना होगा-जब माता घर का कुत्ता बने (नानके घर दोहता रहने वाला)	सूरज नम्बर 4 या चंद्र नम्बर 6
6- न चोर न डाकू नाहक़ बदनाम चोरी व तोहमत से राजा की क़ैद में बरबाद होवे	सनीचर नम्बर 4
7- दूसरों के लिए मंगल अब मंगल बद ही होगा-मगर खुद आबाद होगा	नम्बर 5 में कोई भी ग्रह हो
8- लड़के पे लड़का मरता जावे	सूरज नम्बर 6

मानिंद-की तरह से, तुल्य क़ियाफ़ा-सामुद्रिक शास्त्र तोहमत-दोष, कलंक
इल्म-विद्या

Astro Lucky

मंगल ख़ाना नम्बर-11

मिले कुत्ते दुनिया[1]-के हर दम जो होते
असर शेर देंगे-ख़्वाह कितने हों सोते

चीता मंगल दरबार गुरु के
पकड़ा गुरु ज़ंजीर में हो
हाल बृहस्पत जैसा टेवे
असर वही ख़ुद मंगल हो
मंगल 9 वें का असर दे 13
गुरु हालत ख़्वाह कैसी हो
बुध शनि जब उम्दा बैठा
सुखिया 24 ज़र 28 हो
उलट हालत बद मंगल होगा
केतु भला न लड़का हो
पाप[2] उम्र तक दुखिया करता
न ही सुखी ख़ुद होता हो

हस्त रेखा

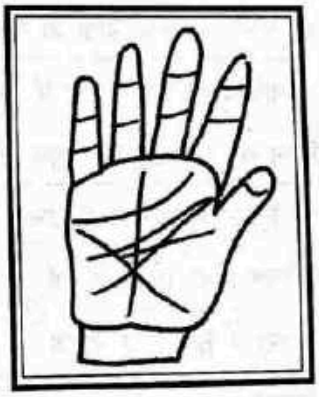

मंगल नेक से शाख़ ख़ाना नम्बर 11
बचत में होवे।

[1]- दुनिया के तीन कुत्ते
(पहला कुत्ता) बहन के घर भाई कुत्ता
(दूसरा कुत्ता) ससुराल घर जमाई कुत्ता
(तीसरा कुत्ता) नानके घर दोहता कुत्ता
} यह तीनों ही दुनियावी गिनती में कुत्ते के बराबर गिने गये हैं।

[2]- राहु 42-केतु-48-दोनों मुश्तरका 21+24=45 साला उम्र

ख़्वाह-चाहे
ज़र-दौलत, पैसा
मुश्तरका-मिले जुले
गुरु-बृहस्पति ग्रह

Astro Lucky

नेक हालत

घर में अपने रखता मंगल शहद के बर्तन भरे[1]
शहद उम्दा उसका होगा फूल[2] हों जिसके खरे
फूल छोड़ मक्खी[3] ही जब नेक और उम्दा मिले
दम के दम ले आएगी सब शहद के बर्तन भरे

1- गुरु चरणों के चरणामृत का आदी ख़ूनी ख़ुराक कब लेगा या ऐसा प्रानी दूध से पला हुआ पालतू शेर फ़क़ीरी रूहानी हालत (नेक मायनों में) मगर भेष में मानिंद राजा (माली हालत हर तरह से उम्दा) होगा। जिसे दुनिया के तीन कुत्ते या केतु की अश्या कारोबार या रिश्तेदार मुतअल्लिक़ा केतु अब मुबारक फल देंगे 13 साला उम्र से उसके वाल्दैन के पास दौलत का भण्डार जमा। हुकूमत का साथ वह सुख क़ायम होगा फिर 28 साला उम्र (मंगल का वक़्त) जब मंगल नेक हो से वही उम्दा हालत व शानों शौकत का नज़ारा बारौनक़ होगा जो बवक़्त पैदाइश वाल्दैन का था।

2-सोने की ज़ंजीर में गुरु के हाथों में पकड़ा हुआ चीता होगा यानी जैसी बृहस्पत की हालत हो वैसा ही मंगल का हाल होगा जो बुध और सनीचर की नक़्ल करेगा।

3- जिस घर बृहस्पत हो उसके घर में लिखे हुए भाईयों की तादाद का मालिक होगा

या

बृहस्पत 1 ता 10 में हो तो	9 भाई तक
बृहस्पत 1 ता 11 में हो तो	2 भाई तक
बृहस्पत 1 ता 12 में हो तो	अमूमन अकेला भाई होगा।

4- अमूमन 13 साला उम्र से मंगल नम्बर 9 का दिया हुआ उत्तम फल देगा। ख़्वाह बृहस्पत कैसा ही हो

5 - 24 या 28 साला उम्र तक माया दौलत ख़ूब जमा हो जायेगी। } बुध सनीचर उम्दा हो

[1] - मीठी ज़िन्दगी [2] - बुध [3] -सनीचर

फ़क़ीरी-साधुता रूहानी-आत्मा संबंधी, हार्दिक मुतअल्लिक़ा-संबंधित
वाल्दैन-माता-पिता तादाद-संख्या अमूमन-आमतौर से

Astro Lucky

मंदी हालत

क़ियाफ़ा :- मंगल के बुर्ज नम्बर 3 पर बृहस्पत का सीधा खड़ा ख़त हो

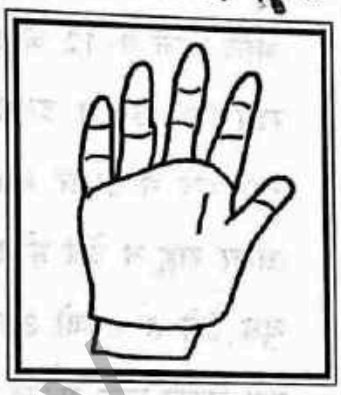

1- काग़ रेखा चंद्रमा मनहूस माक़ूल आमदन होते हुए फिर भी क़र्ज़ाई और बुज़ुर्गी जायदाद व पिता का विरसा बेमानी होगा। जब तक बृहस्पत (बाप दादा) की जायदाद को कौड़ी कौड़ी करके न बेच लेवे। आसूदा हाल शायद ही होता होगा } नम्बर 3 ख़ाली या मंदा मंगल बद की हालत में न सिर्फ़ केतु (औलाद $\frac{42}{48}$ साला उम्र तक मामूं) बरबाद भाई बंद और मंगल की जानदार अश्या दुख का कारण होगी। बल्कि वह ख़ुद भी सुखिया भाई न होगा। लड़के जनम दिन या केतु (दुनियावी दरवेश) या 3 कुत्ते या वैसे ही कुत्ता जानवर की पालना मंगल के नेक दौरा की निशानी होगी।

मंगल ख़ाना नम्बर-12

दिया मीठा लोगों-ख़्वाह मीठा खिलाया

कमी ज़र न दौलत-सभी कुछ हो पाया

राजा होगा सुख का मंगल
जनम कुटिया या कि जंगल
साथ गुरु या दूजे बैठे
मच्छ मुआविन हर दो तारे
आठ तीजा न मंदा होगा
साल $\frac{24}{28}$ में उत्तम होगा

घर गुरु प्रवेश जो
ख़्वाह ही वह दरवेश हो
पाया केतु घर तेरा हो
बुध पापी नहीं बोलता हो
नहीं बुरा खुद नम्बर 1 हो
या जब $\frac{\text{लड़का}}{\text{भाई दूसरा}}$ पहला हो

माक़ूल-उचित, योग्य अमूमन-आमतौर से मामूं-मामा (मां का भाई) ज़र-दौलत, संपत्ति
दूजे-दूसरे मुआविन-सहायक, मददगार तीजा-तीसरा गुरु-बृहस्पति ग्रह दरवेश-साधु, भिक्षुक

Astro Lucky

गुरु शुक्कर और केतु टेवे
मदद मंगल की हर दम करते
आठ तीजे 9-12 बैठा
रवि बैठा 3-11 उम्दा
रवि मंदे में असर मंगल का
असर राहु न टेवे होगा
बुध टेवे 8-4 जो आता
उम्र छोटी खुद पहले मरता

आठ पहले 3-11 जो
बैठा कोई ख़्वाह कैसा हो
बुध असर खुद अपना हो
मौत बीमारी रोकता हो
तीन पहले फिर 11 हो
चुप हुआ वह बैठता हो
मंगल 6 वें ख़्वाह 12 हो
बाद उड़ा दे माता को

हस्त रेखा

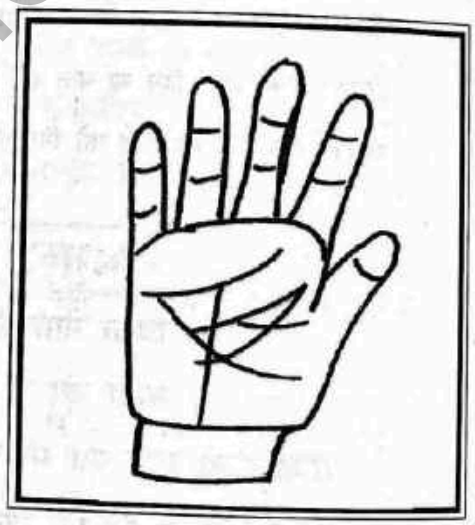

मंगल नेक से शाख़ा ख़ाना नम्बर 12 ख़र्च में होवे।

नेक हालत

1- अब बुध का नम्बर 1 पर कभी बुरा असर न होगा। ख़्वाह वह (नम्बर 1 वाला ग्रह कैसा ही बैठा हो और केतु नम्बर 1 का फल नेक होगा। ऐसा शख़्स गरम तबीयत खुदपसन्दी आज़ादी और खुद मुख़्तयारी का मालिक होगा। और राहु का तमाम टेवे में मंदा असर न होगा बल्कि राहु अब चुपचाप ही होगा।

ل -बुध का अपना ही 3-8-9-12 में दिया मंदा असर।

ख़्वाह-चाहे तीजे-तीसरा रवि-सूर्य ग्रह शख़्स-इंसान, मनुष्य, आदमी

AstroLucky

2- गरजता हुआ शेर ख़ून ख़ालिस दमकता परिवार दुश्मन धड़कते और तलवार कड़कती का मालिक होगा। साधु-गुरु बृहस्पत की पालना व सेवा करने वाला या गुरु चरणों का ध्यान रखने वाला होगा। धन का ख़ज़ाना ख़्वाह हाथ में हो या न हो मगर रात की नींद का बेआराम न होगा।

3- बल्कि वह सुख का राजा होगा। ख़्वाह जनम किसी निर्धन की कुटिया या उजड़े जंगल की हालत के घर का ही हो। हाथी के लिए महावत-साधु के लिये समाधि-शेर के साथ गाय कुत्ता और बकरी के साथ की तरह दूसरों से मिलने के लिये उसकी अपनी तबीयत का मिलान होगा। अब बुध व पापी ग्रहों की कोई आवाज़ न होगी-मगर बुध नम्बर 3-8-9-12 फिर भी शक्की (मंदा) ही होगा। तमाम टेवे में सब ग्रह नेक होकर चलेंगे और नम्बर 11-8-3-1 के ग्रह अब कभी मंदा असर न देंगे। मगर केतु (कुत्ता भौं भौं) और बुध (बकरी दूध में मेंगने) अपनी नस्ल की आदत नहीं छोड़ सकते। सिवाय ख़ाना नम्बर 1-3-8-11 में जहां कि उनको (बुध केतु को) भी चुप होना पड़ेगा।

4- $\frac{24}{28}$ साला उम्र या जब $\frac{\text{लड़का पहला}}{\text{भाई दूसरा}}$ पैदा हो उत्तम होगा।

5- मच्छ रेखा ग़रीब को धन और अमीर को वालिए तख़्त हर दम बढ़े परिवार लौह लंगर सिवाय मुआविन की उम्र रेखा क़ब्र से ज़िन्दा वापिस आवे या फांसी लटके के पांव तले तख़्ता देना ताकि गला न घुट जावे बिन बुलाये मददगार आ हाज़िर होवे ज़मीन और आसमान के दरमियान सब दुश्मन छुप कर ग़ारों में गुज़ारा करेंगे। मंगल की मदद पर होंगे ख़्वाह कैसे ही बैठे हों।

} केतु नम्बर 3 या बृहस्पत का साथ या बृहस्पत नम्बर 2 या गुरु शुक्कर और केतु नम्बर 8-1-3-11

6- मौत-बीमारी का हमेशा बचाओ होता रहेगा जब तक नम्बर 11 का ग्रह नम्बर 8 का दुश्मन न हो। } सूरज नम्बर 3-11

ख़ालिस-शुद्ध तख़्त-सिंहासन शुक्कर-शुक्र ग्रह गुरु-बृहस्पति ग्रह

Astro Lucky

मंदी हालत

1- मंगल बद के वक़्त मन्दरजाज़ैल हालतें आम होगी।
सांस की मंदी हालत (बृहस्पत से मुतअल्लिक़ा) स्त्री दुख व माया की कलपना (शुक्कर से मुतअल्लिक़ा) औलाद की क़िल्लत व दुख दलिद्दर (केतु से मुतअल्लिक़ा) दुश्मनों का गुम नाम शरारतें, फ़िज़ूल ख़र्चा व ज़हमत बीमारी (राहु से मुतअल्लिक़ा) अक़्ल की बारीकी तिजारत ब्योपार दुनियावी ब्योहार (बुध से मुतअल्लिक़ा) मकान जायदाद व ग़ैर मनक़ूला साज़ो सामान (सनीचर से मुतअल्लिक़ा) मंगल (तलवार) को बुध (दलील) से मोहब्बत नहीं। बेवक़ूफ़ी का ठेकेदार, बेवक़ूफ़ी के कामों में धन बरबाद स्त्री सुख नष्ट, ब्योपार मंदा बल्कि नजर बीनाई का असर भी बुरा ही गिनते हैं। अगर अन्धा नहीं तो काना होगा। जो मरते वक़्त फिर अन्धा होकर ही मरेगा जब केतु मंदा हो-जनम पर बड़ा भाई ज़रूर होगा (ज़्यादा से ज़्यादा दो बड़े भाई) मगर उसकी 28 साला उम्र तक वह ख़ुद ही बड़ा होगा या-

2- अमूमन उसके बड़े भाई नहीं होते या अगर हों भी तो दुखिया या लावल्द ही होंगे। लड़की के टेवे में यह शर्त न होगी। उनकी (टेवे वाले लड़का/लड़की के बड़े भाईयों) मदद के लिये ऐसे टेवे वाले के सिर पर मंगल के रंग की पोशाक या अश्या (जंगी सामान) बड़े भाईयों के लिये और ग़ैर मुबारक होंगी। लेकिन सूरज या बृहस्पत के रंग या अश्या (बृहस्पत-चोटी सूरज ख़ाकी रंग की पगड़ी) मददगार होंगी। उसके बड़े भाईयों को चाहिए कि मंगल नम्बर 12 वाले की पानी की जगह दूध पिलावे। और अपने पास चंद्र की अश्या (चांदी-चावल) वग़ैरह रखें।

3- मीठा खाना और लोगों को मीठा खिलाना धन दौलत और उम्र के लिए मददगार होगा। सूरज को पानी देना मीठा डाल कर मुबारक़ होगा। कुत्ते को मीठी रोटी खिलाना मुबारक होगी।

4- अपनी 28 साला उम्र तक बड़े भाईयों की उम्र पर भारी होता है। सिवाय उस बड़े

मन्दरजाज़ैल-निम्नलिखित मुतअल्लिक़ा-संबंधित तिजारत-व्यापार, सौदागरी
बीनाई-आंखों की ज्योति, दृष्टि अमूमन-आमतौर से लावल्द-निःसंतान

AstroLucky

भाई के जिसके टेवे में नम्बर 10 में मंगल हो ऐसी हालत में जब कभी नम्बर 12 वाले का बुरा असर बड़े भाई पर हो तो मालूम हो। वह बुरा असर इस मियाद पर खुद नम्बर 12 वाले पर ही हो जाएगा।	नम्बर 3 ख़ाली या नम्बर 3 में कोई भी 2 या 2 से ज़्यादा ग्रह हों
5- बुध अपना मंदा असर बहाल रखेगा और मंगल का उस पर कोई ज़ोर न चल सकेगा।	बुध नम्बर 3-8-9-12
6- मंगल का बुरा असर-सूरज का मंदा असर नम्बर 3 बादअज़ां नम्बर-1 और फिर नम्बर 11 पर होगा।	सूरज मंदा हो
7- मंगल ख़्वाह नम्बर 12 ख़्वाह नम्बर 6 हो-पहले खुद छोटी उम्र में मरेगा बादअज़ां माता भी जल्दी ही गुज़र जाएगी।	बुध नम्बर 4-8 मगर चंद्र या सूरज का ताल्लुक़ न हो

मंदी हालत के वक़्त अपने धरम अस्थान की मदद मुबारक होगी और चंद्र-मंगल (दूध में शहद या खाण्ड मिलाकर दूसरे दुनियावी साथियों को दे दिलाकर) सेवल धन करना या

मीठी रोटी का खुद इस्तेमाल करना और दरवेश, फ़क़ीर कुत्ते वग़ैरह को भी मीठी रोटी का हिस्सा देना

और

आख़ीर पर सूरज को पानी या मीठा मिला हुआ पानी देना हमेशा नेक फलदायक होगा।

मंगल का असर मंदा होगा बाज़ू नाक़िस या निकम्मे दुखिया होंगे। धरम अस्थान में बताशे देना (बुध) मंगल शनि का फल नेक कर देगा। बेशक मंगल-बुध सनीचर तीनों ही कुण्डली के बाक़ी घरों में कितने ही मंदे क्यों न हों।	सनीचर नम्बर 2

मियाद-समय सीमा ख़्वाह-चाहे धरम अस्थान-धर्म स्थान बाक़ी-शेष, बचा हुआ

Astro Lucky

बुध शक्तिमान

नबातात का राजा

खुला करते सूराख़-मैदान बढ़ता
बढ़ी अक़्ल उसकी ख़र्च खुद जो करता

उलटे पांव चमगादड़ लटका — ख़ुफ़िया शरारत[1] करता हो
घर पक्का जिस ग्रह का होगा — वहां वही बन बैठता हो
साथ बुरे ग्रह सबसे मंदा — भला भले से होता हो
चंद्र राहु का हो जब झगड़ा — बुध[2] मारा खुद जाता हो
बुध नज़र जब रवि हो करता — दर्जा दृष्टि कोई हो
असर भला सब दो का होगा — सेहत माया या दिमाग़ी हो
बुध-चंद्र से हो जब पहले[3] — रेत ज़हर पानी भरता हो
तीन चौथे -7-9 ग्रह बैठे — राख हुए कुल जलता हो
शुक्कर बैठा जब बुध से पहले — असर राहु का मंदा हो
बुध पहले से शुक्कर मिलते — केतु भला ख़ुद होता हो
बुध शुक्कर न इकट्ठे मिलते — उम्र ज़ाया दो करता हो
शत्रु[4] दोनों का साथ जो बैठे — असर दोनों न मिलता हो

[1] - बुध बैठा होने वाले घर का मालिक ग्रह जब नम्बर 9 में बैठ जावे तो बुध की तरह वह ख़ाली चक्कर या बेकार निष्फल होगा।

[2] - मंदे बुध वाले को नाक छेदन करवा लेना और दांत साफ़ रखना-लड़कियों की सेवा मुबारक होगा [3] - ख़ासकर गुरु और चंद्र ही हों मंदे

[4] - शुक्कर का दुश्मन सूरज-चंद्र-राहु-बुध का दुश्मन-चंद्र

रवि-सूर्य ग्रह खुफ़िया-छिपकर ख़ासकर-विशेषकर गुरु-बृहस्पति ग्रह

AstroLucky

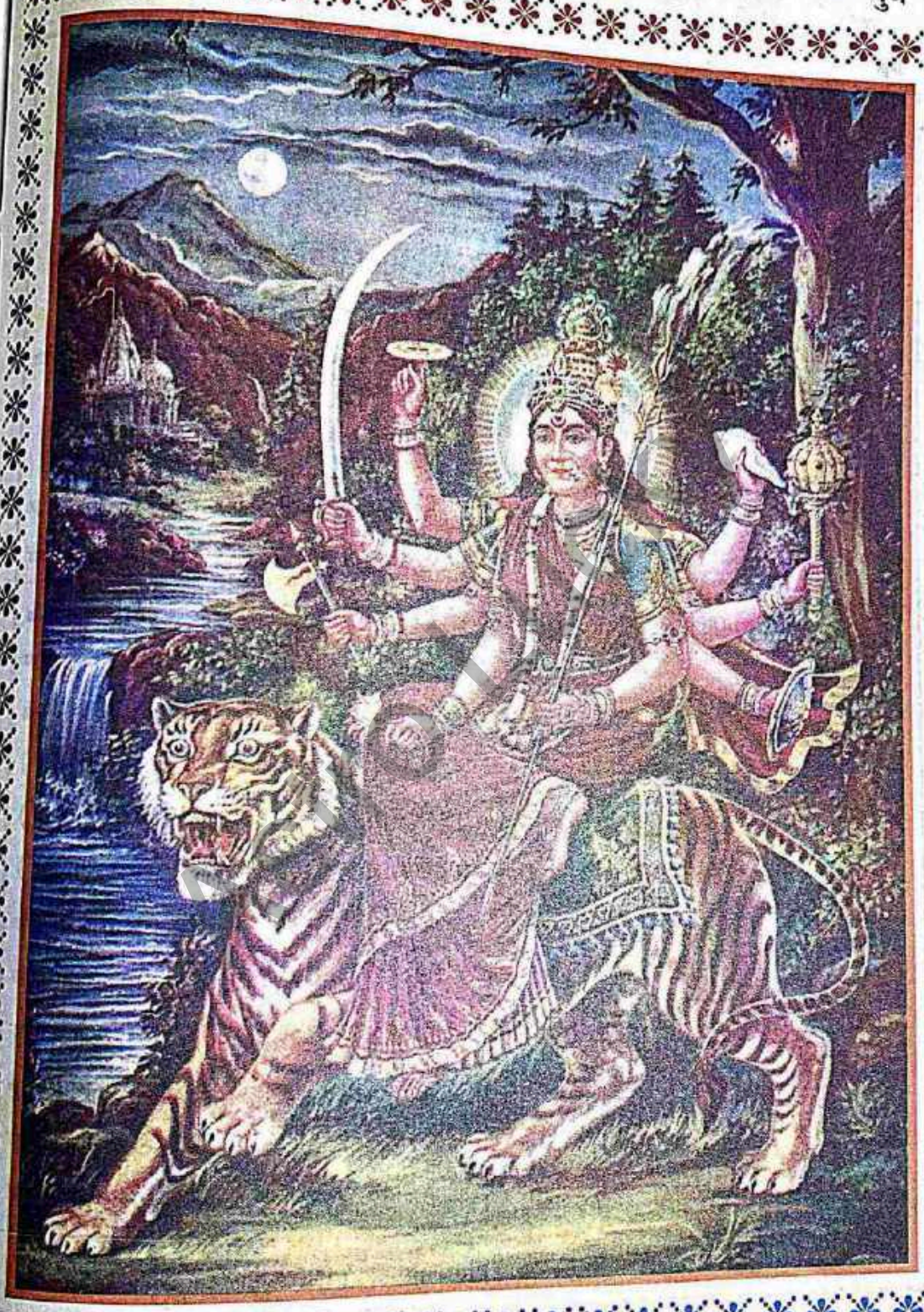

श्री दुर्गा देवी

दुर्गा जी

आम हालत 12 घर

घर 2-4 या 6 वें बैठा — राजा योगी बुध होता हो

7 वें घर में पारस होता — ग्रह साथी को तारता हो

9-12-8 तीसरे 11 — थूँके कोढ़ी बुध होता हो

घर पहले 10 घूमता राजा — परिवार दौलत 5 देता हो

राहु का ताल्लुक़

जब बुध और राहु दोनों इकट्ठे या दोनों में से हर एक अलाहदा अलाहदा मंदे घरों (बुध अमूमन 3-8-9-12 में मंदा होगा। राहु अमूमन 1-5-7-8-11 में मंदा होगा) में हों तो अगर जेलख़ाना नहीं तो हस्पताल-पागलख़ाना क़ब्रिस्तान या वीराना

ب - सिर्फ़ ख़ाना नम्बर 4 के बुध में राहु केतु का असर नहीं इसलिए राजयोग हैं। बाक़ी हर जगह पाप बुध के दायरे में होगा।

ب - ज़हर आलूद बुध जब बैठा होवे ख़ाना नम्बर में

(अलिफ़)- 3 में क़बीला पर भारी ख़ानदान पर मंदा होगा। 8 में जानदार चीज़ों और जानों पर मंदा

(बे)- 9 में टेवे वाले की अपनी ही हर हालत (माल व जान) पर मंदा।

(जीम)- 11 में आमदन की नाली में रोड़ा अटकावे -12 में कारोबार और रात की नींद बरबाद करे।

ज़हर आलूदा बुध खुद मारा जावे तो बेशक मगर 1 ता 4 सिवाय ख़ाना नम्बर 3 जहां कि दूसरों के लिये थूकता हुआ कोढ़ी (मंदा होगा) पर मंदा न होगा-5 ता 10 में दहशत तो ज़रूर देगा-11-12 में हड़काए कुत्ते की तरह जिसे काटे वह आगे हड़का कर भागने लगे।

बुध अमूमन ख़ाना 1-2-9 ता 12 में सनीचर की मदद करेगा-यानी ज़हरीला लोहा मार देने वाली ज़हर निर्धन करने वाला होगा 3 ता 8 में सूरज की मदद धन दौलत के उम्दा गो 3 और 8 में हज़ारों दुख खड़े करेगा।

सिर्फ़-केवल अलाहदा-अलग, भिन्न आलूदा-भरा हुआ परिपूर्ण

दहशत-डर, भय

Astro Lucky

तो ज़रूर मिलेगा क़ुसूर या बीमारी ख़्वाह हो या न हो-नाहक़ तकलीफ़ और बेमायनी और मंदे ख़र्चे आम होंगे। फौलाद का बेजोड़ छल्ला जिस्म पर मददगार होगा। और दोनों ग्रहों की अश्या या कारोबार (बुध से मुराद बहन भुआ फुफी-मासी-साली-ब्योपार व दीगर बुध के काम राहु से मुराद ससुराल-नाना-नानी-बिजली-जेलख़ाना वग़ैरह राहु के काम) करने से बुध राहु इकट्ठे ही गिने जायेंगें।

बुध से केतु का ताल्लुक़

जब दोनों दृष्टि से बाहम मिल रहे हों-बुध का आम साधारण जैसा कि टेवे में बैठा होने के लिहाज़ से होवे-मगर केतु का फल नीच केतु या मंदा ही होगा।

बुध के बग़ैर तमाम ग्रहों में झुकने-झुकाने की ताक़त क़ायम होगी

1- बुद्धि के काम-तिजारत-ब्योपार-हुनर-दस्तकारी-दिमाग़ी लियाक़तों से धन दौलत कमाने का 34 साला उम्र का ज़माना बुध की हुकूमत होगा।

2- किसी भी चीज़ के न होने की हालत बुध का होना या उसकी हस्ती कहलाती है।

3- ज़हर आलूदा बुध ख़ाना नम्बर 1 ता 4 में (सिवाय ख़ाना नम्बर 3 जहां कि दूसरों के लिये थूकता हुआ कोढ़ी मंदा होगा) साथ बैठे ग्रह पर कभी मंदा असर न देगा। खुद बेशक अपने बुरे असर देवे मगर कोई ज़हरीला वाक़िआ न करेगा 11 ता 12 जिस ग्रह को काटे वह हड़काये कुत्ते की तरह दूसरों को भी आगे हड़काता चला जावे।

4- चंद्र राहु के झगड़े में बुध बरबाद होगा।

5- बरे ग्रह के साथ बैठा उस ग्रह का असर और भी बुरा कर देगा और भले ग्रह के साथ बैठने से न सिर्फ़ उस भले ग्रह को और भी भला कर देगा बल्कि खुद भी भला हो जायेगा। गर्ज़ेकि कि जिसे

बेमायनी-निरर्थक, बेकार
ब्योपार-व्यापार
दीगर-भिन्न, दूसरे
फुफी-पिता की बहन
बाहम-परस्पर, एक साथ, मिलकर

Astro Lucky

से मिलेगा उसकी ही ताक़त का असर देगा।

5- यह ग्रह दरख़्तों पर उलट पांव लटके हुए चमगादड़ की तरह अन्धेरे में जागकर ख़ुफ़िया शरारत करता होगा। मकान में मंदे बुध की पहली निशानी यह होगी कि नये बने बनाए मकान में किसी न किसी वजह से सिर्फ़ सीढ़ियां गिराकर दोबारा बनने का बहाना होगा। चार दीवारी और छत नहीं बदली जाएगी।

6- मंदे बुध वाले को नाक छेदन करवाना और फिटकरी वग़ैरह से दांत साफ़ रखना या लड़कियों की पूजा सेवा रखना मददगार होगा। अगर घर के बहुत से मैम्बरान का बुध निकम्मा ही हो या ख़ुद अपना बुध टेवे में अमूमन मंदे ही घरों में आता रहे तो बकरी की सेवा या बकरी/बकरा दान करना उत्तम फल पैदा करेगा। अगर जबान में (लुकनत) थुथलापन हो तो बद इस थुथलापन के अलावा और कोई मंदा फल न देगा। ख़्वाह टेवे में मंदा होवे घर में एक के बाद दूसरे पर लानत बीमारी खड़ी हो जाने के वक़्त बुध से बचाओ के लिये हलवा कद्दू (जो पक्का रंग ज़र्द और अन्दर से खोखला हो चुका हो सालम का सालम) धरम अस्थान में देना मददगार होगा।

7- पाप (राहु केतु) बुध के दायरे में चलता है सिवाय ख़ाना नम्बर 4 के जहां कि बुध राजयोग होगा क्योंकि वहां राहु केतु पाप न करने की क़सम खाते हैं।

8- शुक्कर मंदे को ज़रूर मदद देगा मगर पाप मंदे के वक़्त बुध ख़ुद भी मंदा होगा और मौत गूंजती होगी बल्कि ऐसी हालत में अगर शुक्कर भी ऐसे घरों में हो जहां कि बुध मंदा गिना गया है तो वह शुक्कर को भी बरबाद करेगा।

9- अकेला बैठा हुआ बुध निकम्मा व बग़ैर ताक़त होगा और उस ग्रह का फल देगा जिस ग्रह का कि वह पक्का घर है जहां कि बुध बैठा है। बात को धोका से बचाने के लिए वाज़ा हो कि घर की मालकियत दो तरह की होती है एक तो बहैसियत राशि का मालिक ग्रह या बहैसियत घर की मालकियत और दूसरी हालत में हर एक घर किसी न किसी ग्रह का पक्का घर मुक़र्रर हो चुका है। मसलन ख़ाना नम्बर 1 में मंगल बहैसियत राशि का मालिक ग्रह या बहैसियत घर की

दरख़्तों-पेड़ों | मैम्बरान-सदस्य | अमूमन-आमतौर से | थुथलापन-रूक रूककर बोलना
ज़र्द-गहरा पीला | धरम अस्थान-धर्म स्थान | बहैसियत-क्षमतानुसार

Astro Lucky

मालकियत बैठा हो मगर बहैसियत पक्का घर ख़ाना नम्बर 1 का वारिस सूरज होगा।

मिसाल (i) बुध हो ख़ाना नम्बर 1 में और सूरज हो ख़ाना नम्बर 12 में अब ख़ाना नम्बर 1 है पक्का घर सूरज का इसलिये बुध नम्बर 1 में बैठा हुआ सूरज का फल देगा जो कि उस (सूरज) के लिए ख़ाना नम्बर 12 में मुक़र्रर है क्योंकि बुध नम्बर 1 के वक़्त सूरज नम्बर 12 में बैठा है (ii) लेकिन अगर सूरज बैठा ही हो नम्बर 4 में तो नम्बर 1 में बैठा हुआ बुध वही असर देगा जो कि सूरज नम्बर 1 का मुक़र्रर है।

(2)- बुध बैठा हो वही ऊपर ज़िक्र किए हुए ख़ाना नम्बर 1 में तो बुध का बुरा असर अगर कोई हो तो मंगल पर हो सकेगा क्योंकि बहैसियत घर की मालकियत या राशि का मालिक ग्रह मंगल है (ii) अगर उस राशि का मालिक ग्रह यानी वह ग्रह जो बहैसियत घर की मालकियत या राशि का मालिक हो जहां कि बुध बैठा है उस वक़्त (यानी जब बुध नम्बर 1 में हो) ख़ाना नम्बर 9 में बैठ रहा हो तो वह ग्रह (नम्बर 9 वाला) बेबुनियाद और मंदा होगा। ऐसी हालत में बैठे हुए बुध का मंदा असर मन्दरजाज़ैल फ़ेहरिस्त से पूरा पूरा ज़ाहिर हो जाएगा।

बुध ख़ाना नम्बर में बैठा हो	किस ग्रह का फल देगा	अमूमन किस ग्रह को बरबाद करेगा खासकर किस ग्रह को मंदा करेगा जो कि उस वक़्त ख़ाना नम्बर 9 में बैठ रहा हो
1	सूरज	मंगल
2	बृहस्पत	शुक्कर
3	मंगल	शुक्कर
4	चंद्र	चंद्र
5	बृहस्पत	सूरज
6	केतु	केतु बुध
7	शुक्कर बुध	शुक्कर
8	मंगल सनीचर	मंगल

मुक़र्रर-निश्चित, निर्धारित मन्दरजाज़ैल-निम्नलिखित फ़ेहरिस्त -सूची

Astro Lucky

बुध ख़ाना नम्बर	किस ग्रह का फल देगा	किस ग्रह को बरबाद करेगा
9	बृहस्पत	बृहस्पत
10	सनीचर	सनीचर
11	बृहस्पत	सनीचर
12	राहु	राहु बृहस्पत

10- ख़ाना नम्बर 3-8-9-11-12 का मंदा बुध बेवक़ूफ़ कोढ़ी मल्लाह जो ख़तरे के वक़्त अपनी बेड़ी को ख़ुद ही गोता देने लगे और आमदन की नाली में रोड़ा अटकाने वाला हो बैठे।

	बुध किस घर में बैठा हो	तो किस ग्रह की मदद देगा
दूसरे ग्रहों को मदद	ख़ाना नम्बर 1 ता 2	सनीचर
	3 ता 8	सूरज
	9 ता 12	सनीचर

दूसरे ग्रहों से ताल्लुक़

किस ग्रह के साथ	बृहस्पत	सूरज	चंद्र	शुक्कर	मंगल	बुध	सनीचर	राहु	केतु
बुध का ताल्लुक़	राख	पारा	मानिंद	दही	शेर के	स्त्री ग्रह	कलई	हाथी	कुत्ते
मानिंद क्या होगा			में	पानी	दांत			का सूंड	की दुम

बुध और सनीचर कुण्डली के मुश्तरका दीवार वाले घरों में होने के वक़्त शहतीर या गर्डर खड़े करके उन पर सेहन बनाने पर बुध बरबाद होगा। पागलपन सिर की ख़राबियां बहन-भुआ-फूफी तबाह होंगी।

बुध का अण्डा- अक़्ल का बीज नहीं मगर अक़्ल की नक़्ल ही बुध का अण्डा है जो कुण्डली के ख़ाना नम्बर 9 में पैदा होता है-ग्रह कुण्डली में खड़ा अण्डा (मैना-आम-बकरी) बुध कुण्डली के ख़ाना नम्बर 2-4-6 में होगा। लेटा हुआ अण्डा व (भेड़) बुध कुण्डली के ख़ाना नम्बर 8-10 में होगा। गन्दा अण्डा बुध कुण्डली के ख़ाना नम्बर 12 में होगा। आम हालत (मां-धी) बुध-कुण्डली के ख़ाना नम्बर 1-7 में होगा। चमगादड़ (किसी चीज़)

बेवा-विधवा (जिसका पति मर चुका हो) फूफी-भुआ (पिता की बहन) ताल्लुक़-संबंध
मानिंद-की तरह से, तुल्य मुश्तरका-मिले जुले

Astro Lucky

का साया या अक्स मगर असल चीज़ जिसका कि साया या अक्स है का पता न लगे कि वह कहां है। बुध कुण्डली के ख़ाना नम्बर 3-9 में होगा। दूध वाला बकरा मगर बकरी दाढ़ी वाली। बुध कुण्डली के ख़ाना नम्बर 5 में होगा। चौड़े पत्तों वाला दरख़्त मैना को उपदेश व लाल कण्ठी वाला तोता बृहस्पत की नक्ल बुध कुण्डली के ख़ाना नम्बर 11 में होगा। बुध की ख़ाली नाली हर तीसरे घर के ग्रह यानी 1-3 कभी बाहम नहीं मिल सकते। इसलिए बाहम असर भी नहीं मिला सकते। लेकिन अगर बुध की नाली से कभी मिल जावे तो वह बाहम बुरा असर न देंगें। अगर नेक हो जावे' तो बेशक हो जावे। (ii) शुक्कर बुध दोनों इकट्ठे ही मुबारक हैं और ख़ाना नम्बर 7 दोनों का पक्का घर है। लेकिन जब जुदा जुदा हो जावें और अपने से सातवें पर होवें तो दोनों का फल रद्दी। लेकिन जब तक इस सातवें की शर्त से दूर हों मगर हों दोनों जुदा जुदा तो बुध जिस घर में बैठा हो। वह (बुध) उस घर के तमाम ग्रहों का और उस घर में इनके बैठे होने का अपना अपना असर शुक्कर के बैठा होने वाले घर में नाली लगा कर मिला देगा। यानी दोनों घरों का असर मिला मिलाया हुआ इकट्ठा गिना जाएगा। फ़र्क़ सिर्फ़ यह हुआ कि शुक्कर अपने घर का असर उठाकर बुध बैठा होने वाले घर में नहीं ले जाता। मगर बुध का अपने बैठा होने वाले घर का असर उठाकर शुक्कर बैठा होने वाले घर में जा मिलाता है। क़िस्सा कोताह जब कभी शुक्कर का राज हो तो शुक्कर बैठा होने वाले घर में बुध बैठा होने वाले घर का असर साथ मिला हुआ गिना जाएगा मगर बुध की तख़्त का मालक़ियत के वक़्त अकेले ही उन ग्रहों का होगा जिस में की बुध बैठा हो शुक्कर बैठा होने वाले घर के ग्रहों का असर बुध वाले घर में मिला हुआ ना गिना जाएगा बुध शुक्कर के इस तरह पर असर मिलाने के वक़्त

अगर बुध कुण्डली में शुक्कर के बाद के घरों में बैठा हो तो बुध का अपना ज़ाती असर बुरा असर होगा। और अगर बुध कुण्डली में शुक्कर से पहले घरों में बैठा हो और उठा कर अपने बैठा होने वाले घर का असर ले जावे शुक्कर बैठा होने वाले घर में तो अब बुध का लाया हुआ असर में ज़ाती अपना असर बुरा न होगा। बल्कि भला ही गिना जाएगा।

इस मिलावट के वक़्त अगर बुध वाले घर में शुक्कर के दुश्मन ग्रह भी शामिल हों तो शुक्कर इजाज़त न देगा कि बुध अपने बैठा होने वाले घर का असर उठा कर शुक्कर बैठा होने वाले

अक्स-चित्र, परछाईं दरख़्त-पेड़ बाहम-परस्पर, एक साथ, मिलकर
कोताह-छोटा, थोड़ा, संक्षिप्त इजाज़त-आज्ञा, आदेश

Astro Lucky

घर में मिला देवे यानी ऐसी हालत में बुध की नाली बन्द होगी और शुक्कर को जब बुध की मदद न मिली तो शुक्कर अब बुध के बग़ैर पागल होगा। लेकिन अगर बुध के साथ वहां शुक्कर के दोस्त ग्रहो हों तो शुक्कर कोई रुकावट न देगा। बल्कि बुध को ज़रूर अपना असर शुक्कर बैठा होने वाले घर में ले जाना पड़ेगा। हो सकता है कि ऐसी मिलावट में नम्बर 1 हो केतु दोनों ही शामिल हों (ये हालत सिर्फ़ उस वक़्त होगी जब राहु केतु अपने से सातवें घर होने की वजह से बुध और शुक्कर भी आपस में सातवें घर पर होंगे) तो मन्दा नतीजा होगा। ख़ासकर उस वक़्त जब बुध होवे शुक्कर के बाद के घरों में और साथ ही राहु या केतु का दौरा भी आ जावे यानी उनमें से कोई एक तख़्त की मालकियत के दौरा के हिसाब से आ जावे बवक़्त (जबकि इस मिलावट में राहु केतु शुक्कर बुध के साथ मिल रहे हैं और राहु केतु का अपना उधर राज पर इकट्ठे होने का भी वक़्त है) कुण्डली वाले के लिए मारग अस्थान का भयानक ज़माना होगा। लेकिन अगर ये शर्तें पूरी न हों या बुध होवे शुक्कर से पहले घरों में तो ये मंदा ज़माना होगा। मंदा ज़माना सिर्फ़ राहु केतु के दौरा के वक़्त का होगा। शुक्कर या बुध के दौरा[⊥] के वक़्त ये लानत न होगी। इस बुध की नाली का ख़ास फ़ायदा मंगल से मुतअल्लिक़ा है। बाज़ वक़्त मंगल को सूरज की मदद मिलती हुई मालूम नहीं होती या चंद्र का साथ होता हुआ मालूम नहीं होता। इस नाली की वजह से मंगल को मदद मिल जाती है। और मंगल जो सूरज चंद्र के बग़ैर मंगल बद होता है मंगल नेक बन जाता है। इसी तरह ही मंगल बुध बाहम दुश्मन हैं। मंगल के बग़ैर शुक्कर की औलाद क़ायम नहीं रहती। बुध जब मंगल के साथ होवे तो वह लाल कण्ठी वाला तोता होगा। और ख़ुद उठकर और मंगल को साथ उठाकर शुक्कर से मिला देगा। या शुक्कर की औलाद बचा देगा। जिससे कुण्डली वाला लावल्द न होगा। ऐसी हालत में बुध या शुक्कर के बाहम पहले या बाद के घरों में होने पर बुध के ज़ाती असर की बुराई की शर्त न होगी। भलाई का असर ज़रूर होगा क्योंकि मंगल ने शुक्कर के दौरा के पहले साल में अपना असर ज़रूर मिलाना है। गोया बुध की नाली 100 फ़ीसदी 50 फ़ीसदी

⊥ -ग्रह के दौरा से मुराद ग्रह मुतअल्लिक़ा का ख़ाना नम्बर 1 में आने का ज़माना होगा।

बग़ैर-बिना साथ, या बिना सहायता
मुतअल्लिक़ा-संबंधित
तख़्त-सिंहासन
बाहम-परस्पर, एक साथ, मिलकर
मारग अस्थान-कुण्डली का आठवां घर
लावल्द-निःसंतान

Astro Lucky

25 फ़ीसदी और अपने से सातवें होने की दृष्टि से बाहर एक और ही शुक्कर और बुध की बाहम दृष्टि है। और ये है इसलिए कि शुक्कर में बुध का फल मिला हुआ माना जाता है। मिलावट में राहु के साथ हो जाने के वक़्त जब शुक्कर ने बुध को बाहर ही रोक दिया तो शुक्कर में बुध का फल न मिला तो बुध के बग़ैर शुक्कर पागल होगा या शुक्कर ख़ाना नम्बर 8 के असर वाला होगा। इसी तरह पर शुक्कर के बग़ैर बुध का असर सिर्फ़ फूल होगा। फल न होगा। यानी क़ुव्वते-बाह होगी तो मंगल की बच्चा पैदा करने की ताक़त का शुक्कर को फ़ायदा न मिलेगा। **बुध के दांत**- दांत क़ायम हों तो आवाज़ अपनी मर्ज़ी पर क़ाबू में होगी गोया बृहस्पत की हवाई ताक़त पर (पैदाइश औलाद) क़ाबू होगा। मंगल भी साथ देगा। यानी जब तक दांत (बुध) न हों चंद्र मदद देगा। जब दांत न थे तब दूध दिया जब दांत (बुध) दिए तो क्या अन्न (शुक्कर) न देगा। यानी बुध होवे तो शुक्कर की खुद ब खुद आने की उम्मीद होगी। लेकिन जब दांत आकर चले गए (और मुंह के ऊपर के जबाड़े के सामने के) तो अब मंगल बुध का साथ न होगा न ही बृहस्पत पर क़ाबू होगा। या उस शख़्स या औरत के अब औलाद का ज़माना ख़तम हो चुका होगा जबकि ये दांत आकर चले गए या ख़तम हो गए। दांत गए दांत कथा गई। बृहस्पत ख़तम तो लावल्द हुआ। **बुध का भेद** जब कुण्डली हर तरह से मुक़म्मल हो और ख़ाना नम्बर 1 का हिन्दसा देकर हर तरह से बात ख़तम हो चुकी हो तो बुध का ख़ास भेद या बुध की तबीयत देखने के लिए मन्दरजाज़ैल उसूल होगा। ग्रह कुण्डली के किसी न किसी घर में ख़्वाह अकेले अकेले या अकेले अकेले घरों में ख़्वाह एक ही घर में कई एक या आठ इकट्ठे ही हों (राहु या केतु अपने से सातवें के उसूल पर होने की वजह से दो में से एक ज़रूर रह जाएगा) तो हर एक की अपनी ताक़त की मिक़दार को ख़ाना नम्बर के हिन्दसा से जिस में कि वह ग्रह बैठा होवे ज़रब दे कर नौ ही ग्रहों के जवाब का मजमूआ लेकर 9 पर तक़सीम करें अगर (i) बाक़ी कुछ न बचे तो बुध का सुभाओ उस कुण्डली के ख़ाना नम्बर 5 में बैठे हुए ग्रह का होगा गोया बुध के ख़ाली ढांचे में राहु-केतु पकड़े गए यानी जब बुध की ताक़त सिफ़र हो इस कुण्डली में राहु केतु का

क़ुव्वते बाह-शक्ति, बल, ताकत | शख़्स-मनुष्य, आदमी | मुकम्मल-पूरा, सम्पूर्ण | सिफ़र-शून्य
मन्दरजाज़ैल-निम्नलिखित | ख़्वाह-चाहे | तक़सीम-बांटना | मिक़दार-मात्रा

Astro Lucky

किसी भी दूसरे ग्रह पर कोई असर न होगा। या ऐसी हालत में राहु केतु की दृष्टि बुध के दायरे में बन्द हो कर सिफ़र होगी। मगर राहु-केतु का ज़ाती असर जरूर क़ायम होगा। क्योंकि बुध में हमेशा ही राहु या केतु का असर शामिल गिना है। सिवाए ख़ाना नम्बर 4 में जहां कि राहु-केतु का ज़ाती असर भी सिफ़र होगा। राहु घड़ी की चाबी तो केतु घड़ी का कुत्ता है। दोनों को चलाने वाला बृहस्पत है। मगर वह घूमते बुध के दायरा में ही है। अगर ख़ाना नम्बर 5 ख़ाली ही होवे तो जिस घर में सूरज हो और जैसा उस घर में वह (सूरज) हो वैसा ही बुध होगा। (ii) अगर कोई न कोई कसरों का हिन्दसा बच रहे तो इस कसर की मिक़दार के लिए जो कि मुक़र्रर है वह ग्रह कुण्डली में जहां बैठा हो उस ग्रह की ताक़त व सुभाओ का बुध होगा। ये सुभाओ बुध का ज़ाती सुभाओ होगा। जैसा कि सनीचर का ज़ाती सुभाओ (राहु केतु के सनीचर के पहले या बाद के घरों में होने पर मुक़र्रर है।

नाम ग्रह	बृहस्पत	सूरज	चंद्र	शुक्कर	मंगल	बुध	सनीचर	राहु	केतु	मीज़ान
कुण्डली में किस घर का है	4	3	6	5	5	3	12	2	8	-
ग्रह की ताक़त	$\frac{6}{9}$	$\frac{9}{9}$	$\frac{8}{9}$	$\frac{7}{9}$	$\frac{5}{9}$	$\frac{4}{9}$	$\frac{3}{9}$	$\frac{2}{9}$	$\frac{1}{9}$	$\frac{45}{5=9}$
ख़ाना नम्बर के हिन्दसा को ग्रह की मिक़दार से ज़रबदी	$\frac{24}{9}$	$\frac{27}{9}$	$\frac{48}{9}$	$\frac{35}{9}$	$\frac{25}{9}$	$\frac{12}{9}$	$\frac{36}{9}$	$\frac{4}{9}$	$\frac{8}{9}$	$\frac{219}{9}=24\frac{3}{9}$

कुल मीज़ान $24\frac{3}{9}$ में से पूरे पूरे हिन्दसे छोड़ दिये तो $\frac{3}{9}$ बाक़ी रहा। यहीं सनीचर की ताक़त है जो ख़ाना नम्बर 12 में बैठा है। ये हुआ बुध का सुभाओ यानी बुध जो ख़ाना नम्बर 3 में अकेला बैठा है वह ख़ाना नम्बर 12 में बैठे हुए सनीचर के सुभाओ का है। दी हुई कुण्डली में (पहले घरों में राहु बाद में केतु और आख़ीर पर सनीचर) सनीचर का ज़ाती सुभाओ ख़राब फल का है इसलिए जब बुध का वक़्त होगा सनीचर दोगुना मंदा फल देगा क्योंकि बुध (सनीचर दोनों ही ख़राब सुभाओ के हैं अब)।

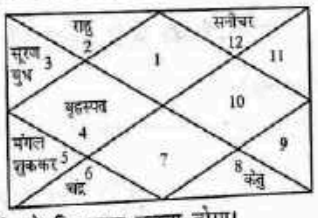

(i) बुध का सुभाओ जिस ग्रह से मिलता हो उपाओ उस ग्रह बुध दोनों को मिलाकर करना होगा।

(ii) ख़ाना नम्बर 3 या 9 के बुध के लिए लाल गोली की मदद लेवें।

सिफ़र-शून्य मिक़दार-मात्रा, भार मुक़र्रर-निर्धारित, निश्चित उपाओ-उपाय

Astro Lucky

मगर ख़याल रहे कि अगर बुध नेक सुभाओ साबित होवे तो लोहे की बजाए शीशे की गोली लेवें। जिस पर या जिस में वह रंग करें या शामिल होवे जो रंग कि उस ग्रह का होवे। जिस ग्रह के सुभाओ का बुध ऊपर के ढंग का साबित हुआ होवे।

(iii) ख़ाना नम्बर 12 के बुध के लिए नष्ट ग्रह वाले की मदद का इलाज या केतु (कुत्ता रंग बिरंग स्याह सफ़ेद मगर सुर्ख़ न हो) का क़ायम करना मुबारक होगा। **असल बुध** ख़ाली खुलाओ सफ़ेद काग़ज़-शीशे और-फिटकड़ी होगा। जब इस पर ज़रा सी मैल या किसी भी और ग्रह का ताल्लुक़ हुआ तो इस की गोलाई का मरकज़ मालूम करना वैसा ही मुश्किल होगा जैसा कि ज़मीन का मेहवर मान लेना। इसलिए इसकी जांच मुकम्मल कर लेना ज़रूरी होगी। बहरहाल बुध नम्बर 9 या 3 या किसी और घर का मंदा असर उस साल या वक़्त ही नेक होगा जिसमें कि वह अपने ज़ाती सुभाओ के उसूल पर नेक हो जावे। मगर जनम के पहले साल या पहले महीने में इसका हीरा ज़हर से ख़ाली न होगा। अगर होगा तो जनम मरण का झगड़ा ही दूर होगा।

सूरज और मंगल के मुक़ाबले में बुध का फल

नदारद यानी सूरज $\frac{\text{सूरज}}{\text{मंगल नेक}}$ के साथ बुध निस्फ़ अरसा चुप होगा मगर ख़ुफ़िया शरारत ज़रूर करता ही होगा (मंगल नेक है ही वही जिस में सूरज हो। और ये सूरज के साथ चुप होगा सूरज रेखा और चंद्र या दिल रेखा को मिलाने वाली मुसल्लस △ मंगल बद का असर देगी। जिसका असर क़ुव्वते दिल पर होगा ख़्वाह बुरी तरफ़ हो। बहरहाल दिल की ताक़त ज़्यादा होगी।

ख़याल-विचार, ध्यान स्याह-काला सुर्ख़-लाल मरकज़-केन्द्र
मुकम्मल-पूरा, सम्पूर्ण निस्फ़-आधा मुसल्लस-त्रिकोन

Astro Lucky

बुध ख़ाना नम्बर-1

राजा या हाकिम मगर खुदग़र्ज़
शरारती-बदनाम

मिले तख़्त औरत को कितना ही ऊंचा
जवानी में तोहमत का ख़तरा ही होगा

फ़िक्र दुनिया छोड़ व बावा
लड़के जैसी लड़की राजा
तबला गो न अपना उम्दा
रंग काला गर हो उसका
बुध घर पहले पांचवें
बारिश धन की हो रही
शनि चलेगा बुध इशारे
धरम पक्का न बेशक क़दरे
बुध चीज़ों पर बुध गो मंदा[4]
शराब कबाबी बेशक कितना

वक़्त सुलझाने को है
लेख जग जाने को है
राग सब का दिल हरे
पानी[1] में पत्थर तरे
सूरज[2] को परिवार
दिन न गुज़रे चार
पाप[3] पड़ा ख़ुद रोता हो
राज सेहत ज़र उम्दा हो
तोता चश्म ख़्वाह होता हो
रिज़क़ मंदा न अपना हो

[1] -जब ख़ाना नम्बर 7 में कोई न कोई ग्रह हो ख़ासकर सनीचर या शुक्कर।
[2] -जिस घर में सूरज हो उस घर के मुतअल्लिक़ा रिश्तेदार।
[3] -राहु (ससुराल) केतु (औलाद) हर दो उसकी जान को रोते होंगे या मंदा असर देते होंगे।
[4] -मंगल जब नम्बर 12 में हो तो बुध का नम्बर 1 पर मंदा असर न होगा।
[5] -जाग उठे।

तख़्त-सिंहासन
तोहमत-दोष, कलंक
मुतअल्लिक़ा-संबंधित
रिज़क़-कामकाज, व्यापार, काम धंधा
कबाबी-मांस, मछली, अंडा खाने वाला

Astro Lucky

हस्त रेखा

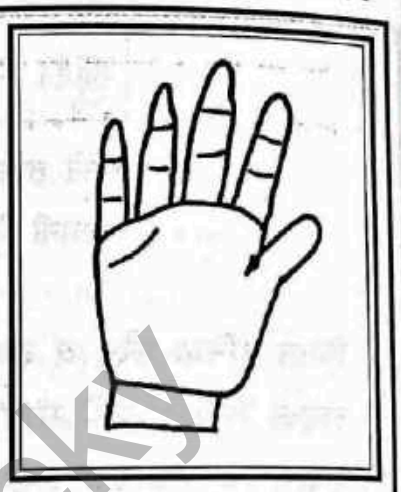

सूरज के बुर्ज से बुध के बुर्ज को रेखा।

नेक हालत

1- आकाश में किसी भी चीज़ का न होना बुध का होना कहलाता है या ख़ाली खुलाओ सूरज का दायरा फ़र्ज़ी ख़ाली चक्कर इस ग्रह की हस्ती होगी।

2- मंगल का फल बेशक निकम्मा कर देवे मगर सूरज का असर कभी मंदा न होगा बल्कि ऐसे आदमी का ख़ून ऐसा होगा जो पारा की तरह हरारत से ऊपर-नीचे चलता हो।

3- अपनी तबीयत पर घूमता हुआ राजा होगा।

4- सूरज की हैसियत पहले पुराने ज़माने की माया दौलत की कमी का फ़िक्र छोड़ अच्छे वक़्त की निशानियां होने लगीं। अब लड़कियां भी राज भोगेंगी और खुद भी सुख का सांस लेगा।

5- जिस घर में सूरज हो उस घर के मुतअल्लिक़ा रिश्तेदार चंद दिन में दौलत मंद हो जाएंगे

6- राज दरबार से फ़ायदा होगा

7- धरम से किसी क़दर बेशक दूर रहने वाला हो-मगर रिज़्क़ आमदन के लिए कभी मंदा न होगा।

8- न सिर्फ़ सनीचर बल्कि अब तमाम ही पापी ग्रह बुध के इशारे पर चलेंगे।

9- पानी में पत्थर तैरा देने की हिम्मत का मालिक ख़ासकर जब रंग काला होवे } ख़ाना नम्बर 7 में कोई न कोई ग्रह हो ख़ासकर जब सनीचर या शुक्कर हो।

निकम्मा-बिना किसी काम का, व्यर्थ रिज़्क़-धंधा, व्यापार, कामकाज आमदन-रुपया पैसा
मुतअल्लिक़ा-संबंधित

Astro Lucky

औरत अमीर घराना से और नेक व उत्तम होगी } सूरज का ताल्लुक़ होवे
क़ियाफ़ा :-सूरज के बुर्ज से बुध के बुर्ज को रेखा

मंदी हालत

1- जब बुध सोया हुआ हो या मंदा हो या मंदा कर लिया जावे तो

2- औरत का राज बेशक उम्दा या औरत के टेवे में बेशक राज योग मगर उससे या उसकी जवानी में फिर भी बदनामी या तोहमत का डर ही होगा।

3- मंगल का असर क़दरे मंदा या बरबाद हो तो बेशक मगर सूरज का असर कभी मंदा न होगा।

4- शरारती-बदनाम।

5- जब मंगल नम्बर 12 में हो तो बुध का ख़ाना नम्बर 1 पर कभी मंदा असर न होगा। ख़्वाह वह टेवे में कैसा ही मंदा बैठा हो।

6- मंदी हालत में बुध की चीज़ों पर मंदा होगा। अण्डे खाने से सेहत की मंदगी दरपेश होगी लेकिन निस्फ़ उम्र पर धन के लिये उम्दा हो जावेगा।

7- खुद बुध का अपना असर सब्ज़ रंग अश्या-तिजारत-हिकमत (पेशा हिकमत या हकीमी) मंदे ही होंगे।

8- राहु (ससुराल) केतु (औलाद) का हाल हल्का (मंदा) ही होगा। जिसका सबूत वह शराब और गोश्त इस्तेमाल करने वाला होगा।

9- परदेस में रहने वाला रागी मगर लालची होगा। जवानी का असर उम्दा होगा।

10- दांत 30 से कम या 32 से ज़्यादा। मंदभाग और बुध ख़ाना नम्बर 12 का असर साथ होगा। जब 32 हों तब बुरा सुखन बद्दुआ या बुरी आवाज़ या मंदा असर ज़रूर होगा। ख़ाना नम्बर 2 का असर साथ लेंगे।

11 -मन्दे बुध वाले को एक जगह पर टिक कर बैठना आवारा चक्कर से बेहतर होगा।

सब्ज़-हरा

क़ियाफ़ा-सामुद्रिक शास्त्र तोहमत-दोष, कलंक अश्या-चीजे, वस्तुएं गोश्त-मांस

Astro Lucky

12- बुध का अपना असर मंदा (तबला मंदा) मगर राजयोग दूसरों का दिल अपने क़ाबू कर लेगा या वह दूसरों के लिए निहायत फ़ायदे मंद होगा।	अकेला बुध और ख़ाना 7 ख़ाली
13- नशाबाजों का सरदार ज़ुबान का चस्का बाईसे ख़राबी होगा	चंद्र ख़ाना नम्बर 7

बुध ख़ाना नम्बर-2

योगी-राजा-मतलबपरस्त
ब्रह्म ज्ञानी

पता उसके वालिद[1] अगर मौत चलता
दुआएं पैदाइश-न लड़के की करता

अकेला बैठा सब को तारे	राजा योगी बनता हो
आठ-6 घर ख़ाली होते	श्रेष्ठ[2] रेखा सिर पाता हो
राज नसीबा दुश्मन मारे	शुक्कर-मंगल न मंदा हो
क़लम ज़ुबान से मोती गिरते	ससुराल घराना तारता हो
आठ 6 वें ग्रह बैठा कोई	भरता तबेला कन्या हो
उम्र 16 ता 19 उसकी	पिता[3] न उसका बैठा हो
साथ चंद्र का जब कभी मिलता	उम्र पिता न शक्की हो
इज़्ज़त गुरु 9-12 देता	आयु माता की लम्बी हो
शनि मिले तो सांप हो उड़ता[4]	साथ भला न साली हो
भेड़ तोता हो जब कभी रखता	मंद कहानी होती हो

[1] -लाखोंपति बाप बेटे (टेवे वाले के लिए) सिफ़र होगा।

[2] -दिमाग़ी ख़राबियों का कभी भी शिकार न होगा-गो पिता का सुख न होगा-मगर खुद इक़बालमन्द होगा। राजयोग है। गो औलाद से दुखिया मगर वह लावल्द न होगा।

[3] -नाक छेदन करवा कर सिर्फ़ 4-5 दिन सुराख़ क़ायम रखा जावे।

[4] -उम्दा नेक मायनों में हर तरफ़ उत्तम मगर ससुराल मंदे ही हाल में होते जाएंगे।

निहायत-बहुत ही
चस्का-शौकीन
मतलबपरस्त-अपना ही फायदा देखने वाला
गुरु- बृहस्पति ग्रह

Astro Lucky

हस्त रेखा

सिर रेखा जब उम्र रेखा से जुदी होकर
बृहस्पत के बुर्ज का रुख़ करे।

नेक हालत

1- लम्बी व कुशादा और बाहर को उभरी हुई पेशानी का मालिक होगा। जिसमें ज़हानत और साथ लाई हुई ज़ाती क़िस्मत का नेक असर शामिल होगा मगर वह अपनी तान पर मस्त-खुदग़र्ज़-योगी राजा और क़दरे मतलबपरस्त होगा। अपने लिए ख़ुद बृहस्पत सोने का मालिक मगर शुक्कर का फल निकम्मा ही होगा।

2- काफ़िर को मारने वाला और दुश्मनों को बरबाद करेगा मगर बादशाहों को परिवार की बरकत देगा।

3- अपनी खुद बृहस्पत सोने की हैसियत मगर पिता के लिये सोने को कोढ़ या कली का टांका (मंदे मायनों में) (बे) 544 जुज़ 14 के नीचे की इबारत देखो।

4- ससुराल घर को तारने वाला-राजा की गिनती का आदमी।

5- दुश्मन पर फ़तहयाब और शुक्कर व मंगल के मुतअल्लिक़ा अश्या का नेक फल होगा और ससुराल घराना को तारेगा।

6- हाज़िर जवाब होगा

7- उम्दा तक़रीर का मालिक होगा।

8- ज़ुबान और क़लम दोनों में हर तरह से बरकत होगी। पुख़्ता राय की ताक़त का मालिक। ज़बान में इतनी ताक़त हो कि सब नुक़्स छुपा लेवे।

राहु नम्बर 8 क़ियाफ़ा: कनिष्का का सिरा चौड़ा हो।
राहु नम्बर 9 क़ियाफ़ा: कनिष्का बहुत लम्बी हो।।
मंगल नम्बर 8 क़ियाफ़ा: कनिष्का का सिर मुरब्बा हो।
मंगल नम्बर 9 क़ियाफ़ा: कनिष्का बहुत लम्बी हो।

कुशादा-खुला, फैला हुआ
पेशानी-माथा, ललाट
मुतअल्लिक़ा-संबंधित
अश्या-चीजे, वस्तुएं
क़ियाफ़ा-सामुद्रिक शास्त्र
नुक़्स-दोष, कमी
कनिष्का-हाथ की सबसे छोटी उंगुली

Astro Lucky

9- सब को तारने वाला बहैसियत योगी राजा होगा	बुध अकेला नम्बर 2
10- सिर की श्रेष्ठ रेखा दिमाग़ी ख़राबियों का कभी शिकार न होगा	ख़ाना नम्बर 6-8 ख़ाली
11- पिता की उम्र कभी शक्की न होगी। अगर खुद चंद्र रद्दी न हो रहा हो तो न ही पिता की उम्र न ही तोशा बरबाद होगा। दिल की पूरी ताक़त बल्कि खूनी होगा।	चंद्र नम्बर 8-12 से मदद क़ियाफ़ा:- सिर रेखा से शाख़ा उठकर ऊपर दिल रेखा में जा मिले
नसीहत करने वाला होगा उम्दा बोलने की ताक़त का मालिक होगा	केतु नम्बर 8 क़ियाफ़ा कनिष्का का सिरा नोकदार हो केतु नम्बर 9 क़ियाफ़ा कनिष्का लम्बी हो
12- खुद अपनी इज़्ज़त व आबरु और माता की उम्र लम्बी होगी	नम्बर 9-12 में बृहस्पत हो
13- अब बुध नम्बर 2 में बैठा हुआ बुहस्पत (पिता) पर कोई बुरा असर न देगा अगर करे तो मंगल पर बेशक शरारत कर सकता है। जो ज़रूरी नहीं कि मंगल का बुरा करे।	ख़ाना नम्बर 6 में मंगल अकेला या मंगल बृहस्पत दोनों नम्बर 6 में
दस्ती काम ब्योपारी मगर पैसे का पुतर	सूरज नम्बर 8 क़ियाफ़ा: अनामिका उंगली कनिष्का की तरफ़ झुक जावे।
14- उड़ता सांप (नेक हालत) हद से ज़्यादा तेज़ होगा	सनीचर नम्बर 6 हो

गो पिता का सुख न होगा मगर खुद इक़बालमंद होगा और खुद साख़्ता अमीर होगा और खुद उसकी अपनी उम्र भी लम्बी होगी। माता पर कोई बुरा असर न होगा बल्कि माता की उम्र ज़रूर लम्बी और 80 के लगभग होगी। उसे अपनी ज़ात पर पूरा भरोसा होगा। क़बीला का भारी बोझ उसके जिम्मे होगा। कोशिश से बनाई हुई उत्तम ज़िन्दगी का मालिक हो। सफ़ह: 543 से मुतअल्लिक़ा

मंदी हालत

1- बुध एक ऐसी राख होगा-जो हर एक का मुंह मिट्टी से ख़राब कर दे।

2- अब केतु का भी असर मंदा ही होगा-यानी औलाद-नरीना की क़िल्लत देरी या औलाद से दुखिया बल्कि औलाद के सुख से महरूम ही होगा मगर लावल्द न होगा

तोशा-शक्ति, बल, जोर आबरू-सम्मान-ख्याति इक़बाल-प्रताप, तेज साख़्ता-अपने आप बना हुआ
मुतअल्लिक़ा-संबंधित नरीना-नर महरूम-वंचित, असफल, निराश

Astro Lucky

बुध ख़ाना नम्बर 2

3- हीरा क़लई से कटता और धन दौलत राख होता होगा। ब्योपार सट्टा या फ़र्ज़ी व ख़ायाली कारोबार-मुतअल्लिक़ा ब्योपार जुआ वग़ैरह सब के सब ही मंदा असर देंगे।

4- लाखोंपति होता हुआ बाप टेवे वाले के लिए सिफ़र ही होगा या पिता का सुख न होगा। बल्कि 16 ता 21 और आख़री हद 34 ता 36 के क़रीब पिता फ़ौत होगा। अगर ज़िन्दा होवे तो मुर्दों से बदतर होगा पिता का तोशा (माली ज़ख़ीरा) भी बरबाद होगा यानी पिता जब तक ज़िन्दा रहेगा या वह जब तक बाप की क़ीमत देता जाएगा बाप ज़िन्दा रहता जाएगा। यानी बाप की साल भर की कमाई के बराबर एक ही दफ़ा घाटा या नुक़सान होता रहेगा और बाप ज़िन्दा रहता चला जाएगा। } क़ियाफ़ा: सिर रेखा जब शुरू उम्र रेखा से न मिले

5- बुध की चीज़ें बहन-लड़की-भुआ सब ज़हरी असर की होंगी। नाक छेदन (4-5 दिन तक कम अज़ कम 96 घंटे सुराख़ क़ायम रखना) मददगार होगा। 16 से 21 साला से पहले पहल ज़्यादा फ़ायदे मन्द मगर बाद में भी नाक छेदन मददगार होगा।

ग़ौरोख़ौज़ का मालिक ज़ाती दिमाग़ पर पूरा भरोसा बल्कि मग़रुर ही होगा गो जिस्मानी दिमाग़ी उम्दा मंगल माली असर हलका (मंदा) ही होगा। } सूरज नम्बर 8

साली का साथ ग़ैर मुबारक मसलन शुक्कर नम्बर 12 और बुध नम्बर 2 ऐसी हालत में साली आकर टेवे वाले के पास या साथ रहने लगे तो पहले शुक्कर (स्त्री) को बुध नम्बर 12 में जाकर बरबाद करेगा और फिर खुद बुध नम्बर 12 के मंदे नतीजे देगा। यानी दोनों ही ग्रहों का नम्बर 12 का मंदा फल होगा। मगर हर दो का मंदा या दोनों ही ग्रह बरबाद। इस तरह ही बाक़ी घर शुक्कर नम्बर 3-8-9 का मंदा हाल होगा। } शुक्कर नम्बर 12-3-8-9 या शुक्कर ऐसे घरों मे ही जहां के बुध मंदा हो

यही हाल भेड़, तोता वग़ैरह पालने पर मंदे वक़्त की निशानी पहली होगी। } शनि सूरज जब प्रबल हो

बुध क्लाक टावर की घूमती चिड़िया होगा यानी उसके असर का कोई एतबार न होगा

ख़यालो-मनगढ़त

ब्योपार-व्यापार

फ़ौत-मरण, मृत्यु, मरा हुआ

सिफ़र-शून्य

ग़ौरोख़ौज़-सोच विचार, बहुत अधिक चिंतन

Astro Lucky

अब बाप की बजाए बुरा असर सब बाबे बृहस्पत की अश्या रिश्तेदार पर होगा।	बृहस्पत नम्बर 8
बुध की मियाद (17 साला उम्र) से शुरू होकर शनि का वक़्त आने तक (यानी 33 या 36 साला उम्र से पहले यानी 32 या 35 साला उम्र तक) पिता की सब कमाई धन दौलत टेवे वाले के जद्दी घर से जनूबी मशरिक़ी (ख़ाना नम्बर 12 के) कुएं में जाती होगी। चंद्र की अश्या धरम अस्थान में देना मददगार होगा।	चंद्र शनि नम्बर 12

बुध ख़ाना नम्बर-3

थूकने वाला कोढ़ी
मंदा

चरण घर में रखते-लगी कुछ न देरी
चले सब गए-उम्र बाक़ी है तेरी

पहले मंगल बुध हर दम उम्दा	दौलत क़बीला बढ़ता हो
असर चीज़ें बुध उत्तम देगा	मंदे केतु जा मरता हो
4 शुक्कर औलाद में देरी	उम्र लम्बी रवि 11 जो
मामूं मुबारक दौलत होगी	वैद दमे का आला हो
आठ चंद्र से शुक्कर मंदा	शनि राहु भी जलता हो
सात-छटे हो पापी बैठा	ख़ालू पिता-मामूं मरता हो
अन्धेरे जंगल में मुसाफ़िर[1] लुटते	आग चक्कर बुध जलता हो
9 मरते हों 11 उजड़े	चार पांच 3 ग़रक़ता[2] हो

[1] -अन्धेरा जंगल-मंदा-बुध मुसाफ़िर-केतु चक्कर आग-मंगल बद [2] 9+11+4+5+3 = कुल 32 दांत जब तक क़ायम उन घरों के ग्रहों पर बुध मंदा असर देता होगा मगर खुद बुध का अपना असर भला ही होगा। जब मंगल नम्बर 1 हो तो अपनी व भाई की क़िस्मत की मदद के लिए बृहस्पत नम्बर 9-11 और शुक्कर नम्बर 7 की मुतअल्लिक़ा अश्या व कारोबार मददगार होंगे।

अश्या-वस्तुएं, चीजे मियाद-समय सीमा, अवधि जनूब-दक्षिण दिशा मशरिक़ी-पूर्व दिशा
धरम अस्थान-धर्म स्थान मामूं-मामा (माता का भाई)

Astro Lucky

हस्त रेखा

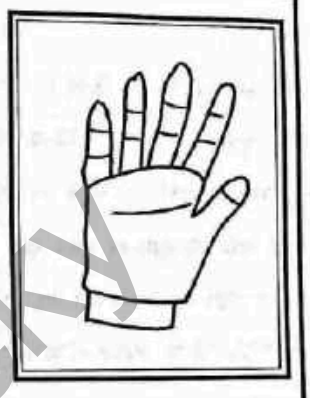

सिर रेखा मंगल नेक में ख़तम होवे।

नेक हालत

1- अपने भाई बन्द व बिरादरी के ताल्लुक़दार उसके अपने लिए ज़रूर मददगार व नेक असर देंगे।

2- दूसरों के लिए जद्दी कोढ़ी (बहुत मंदा) अपनी मदद के लिए शेर के तेज़ दांतो का मालिक मगर धन दौलत के लिए अपने लिए कभी मंदा न होगा।

3- उम्र 80 साल से कम न होगी।

4- बुध हर दम उम्दा असर देगा। दौलत क़बीला बढ़ता होगा। बुध की चीज़ों का उत्तम फल होगा और अगर मंदा असर हो भी तो केतु बरबाद होगा। अपनी व भाई की क़िस्मत की मदद के लिए बृहस्पत नम्बर 9-11 और शुक्कर नम्बर 7 की मुतअल्लिक़ा अश्या कारोबार मददगार होंगे। } मंगल नम्बर 1

5- केतु (औलाद-मामूं) का उत्तम फल और दमा के मरीज़ों का आला हकीम होगा खुद सूरज और बुध दोनों ही की चमक या शान न होगी मगर उम्र ज़रूर लम्बी होगी। } सूरज नम्बर 11

6- अब बुध का हर तरह से उत्तम फल होगा } नम्बर 3 का सोया हुआ बुध यानी 9-11 ख़ाली हो।

बिरादरी-खानदान मुतअल्लिक़ा-संबंधित अश्या-वस्तुएं, चीजे मामूं- मामा (मां का भाई)

Astro Lucky

मंदी हालत

1- अगर ज़ुबान में लुकनत (थथलापन) हो तो बुध का असर बेशक ऐसा मन्दा न होगा वरना नम्बर 3 का बुध जद्दी कोढ़ी जो किसी की जड़ काटने के लिए शेर के तेज़ दांतो या तलवार से ज़्यादा बुरा करने की ताक़त का मालिक होगा। और अपने ही क़बीला (ज़ाती खून के ताल्लुक़दार) पर भारी और ख़ानदान (ताये चाचे बाबे) के खून के ताल्लुक़दारों पर मंदा होगा। जब तक मंगल नेक हो बुध की ज़हर से बचत होती रहेगी वरना मंदी क़िस्मत के चक्कर में फंसा हुआ दरबदर (जगह ब जगह) का ख़ानाबदोश (उजड़ा हुआ मुसाफ़िर) होगा ख़ाना नम्बर 3 दरअसल बुध की अपनी राशि या दुनियावी हालत में एक भारी जंगल माना गया है। बुध खुद ख़ाली खुलाओ आकाश का चक्कर या फ़र्ज़ी दिमाग़ी ढांचा होगा मुख़्तसरन दुनिया के जंगल में मंदी आंधी चल जाने के वक़्त दरख़्त जड़ों से कट-कट कर इस क़दर ऊंचे उठेंगे कि सारा आकाश (बुध) ज़बान से थुथलाता होगा। कोई इधर कटा कोई कटा, कोई ऊंचा उड़ा उठा और कोई दरख़्त किसी प्राणी की चोटी पर टकराकर उसका नाश कर रहा होगा। थोड़े लफ़्ज़ों में बुध नम्बर 3 की मंदी हालत जिस क़दर थोड़े नुक़सान पर ख़तम हो जावे भला ही होगा क्योंकि यह ज़ालिम लौंडी अपने ख़ानदान के भाईबन्द (ख़ाना नम्बर 3 के मुतअल्लिक़ा रिश्तेदार) सब के सब ग़र्क़ करवा कर अपनी दांतो की चमक व ज़बान के राग और छोटी उम्र के भोलापन की दिलदादा होगी।

2- अंधेरे जंगल में मुसाफ़िर लुटते की तरह क़िस्मत के मैदान में ख़राबियां होंगी। ख़्वामख़्वाह फ़र्ज़ी चक्कर के दायरों में आकर इन्सान ख़राब होता और तकलीफ़ में होता होगा। आग का चक्कर (मंगल बद) बुध जलता हो। ग़िलाज़त भरे 32 दांतो वाले कई घरों की तबाही करेगा।

3- ख़ाना नम्बर 9 में बैठे ग्रह के मुतअल्लिक़ा रिश्तेदार अश्या या कारोबार उजड़े हुए

ख़ानाबदोश-एक जगह टिक कर न रहना लुकनत-हकलानापन लफ़्ज़ों-शब्दों
ज़ालिम-अत्याचारी, निर्दयी ग़र्क़-बर्बाद ख़्वाहख़्वाह-बिना वजह गिलाज़त-गन्दगी

Astro Lucky

या उजाड़ देने वाले असर के ख़ाना नम्बर 11 में बैठे हुए ग्रह के मुतअल्लिक़ा रिश्तेदार मुर्दा या मुर्दे की तरह मंदी हालत पैदा करने वाले ख़ाना नम्बर 3-4-5 में बैठे हुए ग्रह के मुतअल्लिक़ा रिश्तेदार ग़र्क़ होते या ग़र्क़ करते होंगे।

मुंह के दांत (अमूमन 32) क़ायम करने तक बुध का मंदा असर ख़ाना नम्बर 9-11 4-5-3 पर होता रहेगा 34 साला उम्र तक ज़ोर पर होगा 42 तक शरारत करता रहेगा 45 साला तक मद्धम नरम हालत में मंदा और 48 मुकम्मल पर बुध बदज़ात के बुरे असर से रिहाई होगी हर हालत में बुध का ख़ुद अपना असर देने वाले पर भला ही होगा।

3- मंदी हालत की किरणें केतु की अश्या या कारोबार मुतअल्लिक़ा औलाद मामूं पर सबसे पहले चमक देंगी इसलिए केतु क़ायम करना (कुत्ता वग़ैरह पालना या 3 दुनियावी कुत्तों की सेवा करना) मददगार होगा।

4- अमूमन बुध की उम्र 34-17- $8\frac{1}{2}$-$4\frac{1}{4}$ साला उम्र तक की मुतअल्लिक़ा अश्या (मसलन पूजा पाठ बुज़ुर्गी शानोशौकत धरम ईमान की ख़ानदानी सुथरी बुनियाद वग़ैरह) अमूमन ख़ाना नम्बर 9 और नम्बर 9 के ग्रह के मुतअल्लिक़ा रिश्तेदार या कारोबार मुतअल्लिक़ा मौतों का शिकार या मौतों के मातम का बहाना होंगे।

ख़ाना नम्बर 11 की मुतअल्लिक़ा (मसलन ज़ाती आमदनी का निकास ताल्लुक़दारों से पहले मुक़ामी अफ़सर की मेहरबानियां या धन की आमदन के दूसरे ज़रिये) और ख़ाना नम्बर 11 के रिश्तादार या उसके मुतअल्लिक़ा कारोबार ख़ाना नम्बर 9 की तरह मौतों का शिकार या मौतों का बहाना तो न होंगे मगर उजड़ ज़रूर जाएंगे यानी उनकी अच्छेपन या नेकी की हालत हूबहू ऐसी हो जायेगी जैसा कि एक निहायत फलदार गुंजान भरा हुआ जंगल उजड़ चुका हो।

ख़ाना नम्बर 4 की मुतअल्लिक़ा अश्या (जायदाद-जद्दी आमदन का फ़व्वारा दिली शान्ति ग़ैबी मदद और बालाई आमदन वग़ैरह) और ख़ाना 4 के ग्रह के मुतअल्लिक़ा रिश्तेदार ग़र्क़ होंगे यानी

मुतअल्लिक़ा-संबंधित मामूं- (माता का भाई) अमूमन-आमतौर से मातम-मृत्यु, शोक

Astro Lucky

वह अपनी बरसों से चली जाती हुई जगह छोड़ कर किसी ऐसी जगह चले जायेंगे जहां कि उन्होंने और उनके बुजुर्गों ने जनम नहीं लिया था मतलब यह है कि मौतें भी नहीं होंगी उजाड़ भी नहीं होगी मगर मुक़ाम की तब्दीली तो शायद ज़रूरी होगी। इसी तरह ही ख़ाना नम्बर 5 और ख़ाना नम्बर 3 का जवाब होगा। बुध की मुतअल्लिक़ा अश्या (मूंग की दाल वग़ैरह) का इस्तेमाल अमूमन बीमारी का बहाना हुआ करेगा।

5- दक्कन के दरवाज़े के साथ के वक़्त बुध नम्बर 8 का फल देगा और सब तरफ़ ख़ासकर औरत दौलत ससुराल की तबाही देगा। हर रोज़ फिटकरी से दांत सफ़ा करना मुबारक होगा। रात के वक़्त सालम मूंग को पानी में भिगो कर सुबह वह मूंग जानवरों को डाल दें और 43 दिन तक ऐसा करते जावे तो ब्योपार से मदद होगी। पलाश या ढाक के चौड़े पत्ते दूध से धोकर बाहर वीराने में जहां किसी को वहम पैदा न हो-दिन के वक़्त एक गड्ढे में डालकर और उनके ऊपर एक पत्थर का टुकड़ा (सनीचर) रखकर मिट्टी डाल दें। जिस चीज़ से गड्ढा खोदा जावे और जिस बर्तन से दूध ले जावें वह चीज़ घर में वापिस न ले जावें मगर पत्थर का रंग बमूजिब जनम कुण्डली ख़ाना 9-11 के ग्रह के बरख़िलाफ़ न हों। इसी तरह ही वह पत्ते मकान के वस्त या मग़रबी दीवार की तह में भी दबाये जाने जायज़ ही माने हैं मगर घर से बाहर वीराने में दबाने ज़्यादा मुफ़ीद और कारआमद होंगे। घर में गड़ा हुआ पत्थर दूध से धोते जाना मददगार होगा। ज़र्द रंग की कौड़ियों को जला कर उनकी राख दरिया में डाल देना भी बुध कोढ़ी से निजात दिलवायेगा।

6- क़लम का फल मंदा न होगा और चंद्र का असर भी उम्दा ही होगा ख़्वाह वह (चंद्र) बरबाद ही हो रहा है	शुक्कर क़ायम
7- औलाद में देरी होगी।	शुक्कर नम्बर 4
8-शुक्कर का फल मंदा सनीचर राहु भी बरबाद	दुश्मन ग्रह चंद्र नम्बर 8 हो और नम्बर 6 में दोस्त न हों।
9- पिता की माया मामूं ख़ालू घर सब बरबाद	पापी नम्बर 6-7

अमूमन-आमतौर से
दक्कन-दक्षिण दिशा
मग़रबी-पश्चिम दिशा
कारआमद-असरदार, प्रभावशाली
ज़र्द-गहरा पीला

Astro Lucky

उपाओ:- हर रोज़ फिटकरी से दांत सफ़ा करना मदद देगा आए दिन की क़याहत (बुरे नतीजे) को दूर करने के लिए बेहतर होगा कि बकरी (बुध की अश्या) का दान कर दिया जावे जिस तरह से कि गाय का दान करा देते हैं। परिन्दों की सेवा मुबारक होगी।

बुध ख़ाना नम्बर-4

राजयोग-हुनर मंद

जनम तेरे पे हंस माता क्यों रोई
पता उसे लगा उम्र बाक़ी न कोई

धन का तो दरिया है चलता — जो ख़तम होता नहीं
बहन बेटी राज मिलता — दिन मगर होता नहीं
बुध दूजे था पिता पे भारी — चौथे माता पर मंदा हो
तीन चौथे 6 चंद्र साथी — हीरा अमोलक दुनिया हो
चंद्र रवि घर 3-5-11 — साथी गुरु 9 बैठा हो
पाप पापी हो सब ने छोड़ा — परिवार उम्र धन लम्बा हो
पाप मंदा ख़ुद मर्द हों मंदे — सफ़र सलाही डूबता हो
माता मगर जब मन्दिर बैठे — ख़ुश्क घड़े ज़र भरता हो
उम्दा स्त्री ग्रह नर होते — पारस बना बुध होता हो
ऋण पितृ जब टेवे बैठे — माता दौलत घर जलता हो

-जब बृहस्पत उम्दा या चंद्र नम्बर 2 या ख़ाना नम्बर 2 ख़ाली।

AstroLucky

हस्त रेखा

दिल रेखा और सिर रेखा मिल जावें।

सिर रेखा दिल रेखा को काटे।

सिर रेखा झुक कर चंद्र के बुर्ज में ख़तम होवे।

सिर रेखा आख़ीर पर चंद्र के बुर्ज में आम हालत की बजाय अचानक झुकती जावे } तो दिल की कमज़ोरी होगी

अगर आम हालत में चंद्र के बुर्ज में जा निकले } तो दरिया का पानी बे हाथ (बहुत माया दौलत) और ठंडा रेत

(दुनियावी सुख सागर उत्तम) और तोते मैना की तरह मर्द व औरत की जोड़ी उत्तम व बारौनक़ होगी।

नेक हालत

1- हर एक की मां बेटी से डरने वाला दूसरों की मुसीबत अपने ऊपर लेकर मरने वाला, मगर सब्र वाला होगा।	जब स्त्री या नर ग्रह उत्तम हों।

2- जब अकेला ही बुध हो हर तरफ़ से उत्तम और सबके लिये मय खुद पारस होगा। चंद्र का दुनियावी फल माया दौलत उम्दा मगर ग़ैबी असर दिल की शान्ति और दूसरों की मदद के ताल्लुक़ से निकम्मा ही लेंगे।

3- राजयोग (सरकार के घर का हिस्सेदार) बुध और चंद्र हर दो का उत्तम फल खुश्क घड़े ज़र व दौलत के दरिया से भर देगा 32 दांत हों तो भी मंगल बद या मंगलीक न होगा बल्कि कुल कुनबा का तारने वाला	चंद्र नम्बर 2

ताल्लुक़-संबंध निकम्मा-व्यर्थ, बिना किसी काम का ज़र-दौलत, संपत्ति

Astro Lucky

होगा। बुध शुक्कर दोनों का फल उम्दा होगा। बुध ख़ाना नम्बर 4

4- परिवार दौलत और उम्र तीनों की बरकत और पापी ग्रह कोई बुरा असर न देंगे	नम्बर 3-5-11 में से किसी में भी सूरज चंद्र और बुहस्पत नम्बर 9 में हो चंद्र नम्बर 3-6 या नम्बर 2 ख़ाली
5-वाल्दैनी सुख सागर उत्तम और लम्बा अरसा।	क़ियाफ़ा:- मातृ रेखा जब सिर रेखा बृहस्पत के बुर्ज के नीचे तक जाती मालूम न हो और सिर्फ़ सनीचर के बुर्ज तक ही रह जावे। उम्र रेखा जब मंगल नेक के बुर्ज नम्बर 3 से शुरू हो या चंद्र के बुर्ज नम्बर 6 में ख़तम हो तो मातृ रेखा होगी। लेकिन जब बृहस्पत के बुर्ज से शुरू हो तो उम्र रेखा होगी। और उम्र रेखा जब बृहस्पत की जड़ में व बृहस्पत के बुर्ज नम्बर 2 में जा निकले या चंद्र के बुर्ज में जाकर ख़तम हो तो पितृ रेखा होगी। ख़याल रहे कि जब रेखा बृहस्पत के बुर्ज में जाकर ख़तम हो तो सिर रेखा होगी।
6- राजयोग उजड़े मैदान भी आबाद और सिर रेखा का उत्तम फल और लम्बा अरसा उनमें रौनक़ होगी। सरकार के घर से हर तरह की मदद और बरकत होगी।	गुरु उत्तम

मंदी हालत

1- उसके जनम पर माता हंसी कि बेटा पैदा हुआ मुबारक होगा मगर फ़ौरन रोने लगी जबकि उसे पता लगा कि उसकी (माता की) तो उम्र ही अब बाक़ी नहीं रही। बुध की जानदार अश्या (बकरी तोता) घर में आवे तो चंद्र की जानदार अश्या (माता घोड़ा) चलते बनेंगे या मर जावेंगे।

2- माता की उम्र भी शक्की ही होगी। अगर ज़िन्दा होगी भी तो धन दौलत की हालत और वह खुद मुर्दा से बदतर होगी। मंदे बुध के वक़्त सूरज की अश्या का उपाओ मददगार होगा दौलत के लिए बृहस्पत का उपाओ मददगार होगा।

वाल्दैनी-माता पिता क़ियाफ़ा-सामुद्रिक विद्या शक्की-संदेह युक्त उपाओ-उपाय

Astro Lucky

3- मर्दों की हालत मंदी होगी।	राहु मन्दे घरों या मंदा हो।
4- सफ़र और दूसरे दुनियावी साथी सलाहकार मंदे नतीजे देंगे।	केतु मंदे घरों या किसी तरह भी मंदा हो
5- स्त्री दौलत और आम गृहस्ती सुख सब कुछ जलता और बरबाद होगा।	ऋण पितृ (2-5-9-12) में शुक्कर या राहु या सनीचर बहैसियत पापी ग्रह हों
6- खुदकुशी करने तक आमादा होगा	चंद्र नम्बर 6 या मंदा बरबाद। क़ियाफ़ा:-खुदकुशी की रेखा सिर रेखा आख़ीर पर चंद्र के बुर्ज में आम हालत की बजाय अचानक बहुत ही झुक जावे सिर रेखा व दिल रेखा मिल जावे सेहत रेखा दिल रेखा को काटती हो।

बुध ख़ाना नम्बर-5

खुशहाल-उसके मुंह से निकला हुआ ब्रह्मवाक उत्तम होगा।

(मासूम की आवाज़)

ज़बान से पता नस्ल तेरी जो चलता
उसे क़ाबू फिर क्यों न तू अपने करता

चंद्र हो या नर ग्रह
बुध आ निकले पांचवें 5
शुक्कर चंद्र हो जैसे टेवे
पैसा गले का ख़ज़ाना गिनते
असर शनि सब उत्तम होगा
मदद ज़रूरी शुक्कर देगा

बैठे 9-3-ग्यारह
बाबे पोते तारां
असर वही बुध देता हो
ख़ून नस्ल सब उम्दा हो
औलाद कभी ना मंदा हो
चीज़ चंद्र से तरता हो

खुदकुशी-आत्महत्या
आमादा-तैयार
क़ियाफ़ा-सामुद्रिक विद्या

Astro Lucky

गुरु चंद्र जब टेवे मंदा
तीन चौथे 7-9 ग्रह बैठा

बुध ज़हरी आ होता हो
राख हुआ सब जलता हो

हस्त रेखा

सेहत या तरक़्क़ी रेखा क़ायम हो ज़रूरी नहीं
कि शुक्कर के बुर्ज की जड़ तक होवे
सही हालत यह होगी कि हथेली में ख़ाना नम्बर 11
की जड़ तक ही हो।

नेक हालत

1- ज्ञान भण्डार उसके मुंह से निकला हुआ ब्रह्मवाक (अचानक कही हुई बात) का असर उत्तम व नेक होगा।

2- राजा को भी तार देवे। टेवे वाले के लिये दौलत व परिवार का दाता मगर सूरज के असर के लिए गुड़ में रेत और राजदरबारी ताल्लुक़ में कनक की रोटी में रेत मिली हुई और वह भी गन्दी निकम्मी या नहाने धोने के बाद जिस्म पर रेत पड़ जावे या पेशाब की झाग के बुलबुले की तरह क़िस्मत का फ़र्ज़ी उभार मगर आख़ीर पर फ़र्ज़ी चक्कर लगा देगा।

1 -गो पिता के लिए मंदभाग मगर औलाद पर कभी मंदा न होगा। बाक़ी 5 बचने वाले मकान की क़िस्मत होगी।

2 -ख़ासकर जब बुध टेवे में चंद्र से पहले घरों में हो मगर आम तौर पर चंद्र या बृहस्पत 3या 9 में उम्दा फल और सूरज नम्बर $\frac{9}{3}$ के वक़्त क़िस्मत 34 के बाद जागेगी।

हर हालत में ख़ाना नम्बर 5 का सोया बुध उत्तम फल देगा।

गुरु-बृहस्पति ग्रह चौथे-चार ताल्लुक़-संबंध फ़र्ज़ी-व्यर्थ कनक-गेहूं

Astro Lucky

नेक हालत

3- अब सूरज और बृहस्पत दोनों का उत्तम फल होगा चंद्र के मुतअल्लिक़ा अश्या तारने वाली होंगी।

4- सनीचर का फल उत्तम (पांच बाक़ी बचने वाले मकान की बाल बच्चों की बरकत) होगा।

5- औलाद औरत और खुद अपनी क़िस्मत सब उम्दा जब अपना घर गऊ घाट हो सूरज (राजदरबार) भी मदद पर होगा और बुध का खुद नेक फल साथ होगा। } क़ियाफ़ा:- जब सेहत रेखा क़ायम और सिर रेखा की लम्बाई सिर्फ़ ख़ाना नम्बर 11 तक ही हो।

6- इन्सानी सिफ़ात ख़सलत इन्सानी का मालिक होगा। जद्दी मकान का असर हर तरह से उत्तम होगा। गृहस्ती व आल औलाद की हालत हर उम्दा होगी। } दृष्टि का घर ख़ाली या नम्बर 5 का सोया हुआ बुध

7- 34 साला उम्र के बाद क़िस्मत का सूरज बुलन्द होगा } सूरज चंद्र बृहस्पत नम्बर 3-9

8- बुध नम्बर 4-6-7-8-9 के ग्रहों को मार देगा। } चंद्र नम्बर 1-2-4 में बैठा हो या वह नम्बर 6-12 में मंदा हो रहा हो।

9- जिस तरह गुरु (बृहस्पत) को ज्ञान (सूरज) मददगार है-उसी तरह ही लड़के (सूरज) को तड़ागी (बुध) मदद देगा।

मंदी हालत

नम्बर 3-4-7-9-5 सब का असर मंदा और नम्बर 1 के ग्रह की तो मिट्टी ही बोलती लेकिन अगर खुद ही चंद्र या बृहस्पत नम्बर 3 या 9 में हो तो उनका उम्दा फल होगा।

2- चंद्र की चीज़ों से मदद होगी या चंद्र की चीज़ें तारती होंगी और शुक्कर (स्त्री) हर तरह से मददगार होगा। सूरज की अश्या का फल उत्तम होगा। पिता के लिये बेशक मंदभाग हो मगर औलाद पर कभी मंदा असर न होगा।

3- गले में तांबे का पैसा ख़ज़ाना की बरकत देगा

मुतअल्लिक़ा-संबंधित क़ियाफ़ा-सामुद्रिक विद्या सिफ़्त-तारीफ, गुण, प्रभाव
ख़सलतें-आदत, गुणाधर्म

Astro Lucky

4- बुध ज़हरी असर देगा। इन्सान और हैवान में सिर्फ़ ज़बान (बुध की चीज़) का फ़र्क़ है मगर पता नहीं चलता कि अब उसकी जुबान को क्या हो गया यानी खुद उसकी अपनी ही जुबान ख़राबी का बहाना होगी।

चंद्र या बृहस्पत जब
नीच या रद्दी ख़ासकर जब
बुध टेवे में चंद्र से
पहले घरों में हो।

बुध ख़ाना नम्बर-6

गुम नाम योगी और दिल का राजा

निकलते सुख़न मुंह-से पूरा जो होगा
ज़ुबान मीठी तेरी भला दूसरे का

श्रेष्ठ रेखा जब शुक्कर उम्दा
भला गुरु शनि सूरज बैठा
हाल शुक्कर घर दूजा जैसे
कायम बैठा ग्रह जो कोई टेवे
बुध चीज़ें न होंगी मंदी[2]
लड़की होवे जो उत्तर ब्याही
हकीम लालच जड़ अपनी कटता
सूरज शनि गुरु दूजे बैठे

बुरा मंगल न चंद्र हो[1]
योग राजा ज़र मन्दिर हो
चाल वही बुध चलता हो
उत्तम असर सब देता हो
उम्र छोटी ख़्वाह कितनी हो
सुखिया कभी न होती हो
सुखिया साबिर ख़ुद फलता हो
जागीर राजा धन बढ़ता हो

[1] -चंद्र की ज़ानदार चीज़ों (माता-घोड़ा-वग़ैरह) का बेशक कोई फ़ायदा व आराम न होगा मगर चंद्र की बाक़ी अश्या की पूरी मदद होगी।

[2] - दिमाग़ी कारोबार और तिजारत का पूरा फ़ायदा मगर दस्ती काम हुनरमंदी वग़ैरह हल्का ही फल देंगे।

तीजे-तीसरे | ब्याही-शादी करना | गुरु-बृहस्पति ग्रह | तिजारत-व्यापार, सौदागरी
ज़र-दौलत, संपत्ति | ख़्वाह-चाहे | साबिर-सब्र करने वाला, हर हाल में ईश्वर पर निर्भर रहने वाला

Astro Lucky

हस्त रेखा

बुध से शुक्कर तक सेहत रेखा क़ायम हो।

सिर की श्रेष्ठ रेखा मौजूद होवे।

नेक हालत

1- ऐसा टेवा माता के पेट में आने के वक़्त से ही अपना असर शुरू कर देगा।

2- बुध अब कुत्ते की तरह हर वक़्त मालिक के पीछे पीछे दुम हिलाते फिरने वाला और वफ़ादार लौंडी की तरह उत्तम फल देगा। आख़री वक़्त ज़ुबान बन्द न होगी और ज़बान का बोला हुआ लफ़्ज़ (अच्छा ख़्वाह बुरा) ज़रूर पूरा होगा। ग़र्ज़ेकि हर एक ही पूछता होगा कि उसकी एक आवाज़ से कुल ज़माना ही क्यों गूंज उठा।

3- फ़क़ीरी से खुद साख़्ता अमीर दौलतमंद और फूल की तरह उम्दा ज़िन्दगी का मालिक होगा। गुमनाम राजा योगी और दिल का राजा ख़ाना नम्बर 2 या शुक्कर की हालत पर बुध का आम असर होगा। जो ग्रह क़ायम होगा बुध उसी का असर देगा या टेवे में जब भी कोई ग्रह उत्तम हो ख़ासकर नम्बर 2 के बुध फ़ौरन उसी की नकल करेगा। अमूमन जैसा शुक्कर हो बुध का भी वैसा ही फल हो जायेगा।

4- बुध की जानदार अश्या व रिश्तेदार मुतअल्लिक़ा की उम्र ख़्वाह छोटी ही हो जो ज़रूरी नहीं कि छोटी मगर बुध की चीज़ें कभी मंदा फल न देंगी साबिर रहे तो हरदम फलेगा। समुद्री सफ़र का नतीजा उम्दा होगा।

5- दिमाग़ी कारोबार और तिजारत और इल्म के मुतअल्लिक़ा कारोबार अक़्ल की बारीक़ी और दिमाग़ी काम का पूरा फ़ायदा मिलेगा। मगर दस्ती काम हुनरमंदी वग़ैरह हल्का ही फल देंगे। झगड़ों का फ़ैसला अपने हक़ में होगा।

लौंडी-सेविका खुद साख़्ता-अपने आप बना हुआ अमूमन-आमतौर से
मुतअल्लिक़ा-संबंधित इल्म-विद्या

Astro Lucky

6- खेती की ज़मीन से फ़ायदा तहरीर और तक़रीर का बेहतर फल हो।

7- ईमानदारी के धन की बरकत होगी।

8- शुभ कामों में बुध की अश्या (फूल-लड़की कन्या) का शगुन मुबारक होगा।

9- बुध का ज़ाती फल बुध की ज़ाती चीज़ों पर कभी मंदा न होगा-तमाम कुण्डली में जब भी कोई ग्रह उम्दा फल देने वाला होने लगे बुध भी फ़ौरन उसी ग्रह के नेक फल का हो जाएगा या यूं कहो कि बुध नम्बर 6 के वक़्त पर उम्दा ग्रह का फल दोगुना उम्दा होगा।

10- चंद्र की जानदार चीज़ों के अलावा चंद्र का बाक़ी सब फल नेक होगा। छापाख़ाना काग़ज़ वग़ैरह के कामों से नफ़ा होगा। } बुध अकेला दृष्टि ख़ाली।

11- औरत अमीर घराना से होगी । } सनीचर नम्बर 9-11

12- राजयोग ज़र दौलत और धरम मर्यादा का मालिक जागीरदार होगा। } नम्बर 1 में बृहस्पत सूरज या सनीचर

13- राजयोग का क़ागज़ी कारोबार छापाख़ाना वग़ैरह अज़ पब्लिक नेक असर से ईमानदारी का धन साथ देवे। } बृहस्पत क़ायम

मंदी हालत

1- बुध अब भाग जाने वाली लौंडिया की तरह जो जाती हुई मालिक के लड़के को भी उठा भागेगी नमक हरामी करता होगा।

2- उत्तर शुमाल का रास्ता या दरवाज़ा जो नया बनाया जावे मातम कुंड की तरह बुरा असर देता होगा ख़ासकर जो लड़की उत्तर की तरफ़ ब्याही होवे वह कभी सुखिया न होगी। (जद्दी मकान से)।

3- लालची हकीम होवे तो खुद ही अपनी जड़ काटता और बरबाद होगा।

4- ख़ाना नम्बर 6 का बुध टेवे वाले की 34 साला उम्र में मंगल बद का असर देगा। माता मरे या बरबाद हो जावे वग़ैरह वग़ैरह।

तहरीर-लिखावट तक़दीर-भाग्य, किस्मत नफ़ा-लाभ, फ़ायदा ज़र-दौलत संपत्ति
मातम-मृत्यु, शोक ब्याही-शादी करना शुमाल-उत्तर दिशा

Astro Lucky

मंदी हालत

जब बुध मंदा हो दूध का बर्तन बाहर वीराने में और जब चंद्र मददगार हो तो गंगाजल की बोतल खेती की ज़मीन में दबाना मुबारक होगा।	शुक्कर रद्दी होवे
5- माता मासूमी में गुज़र जावे-घरबार तबाह हो जावे	मंगल नम्बर 4-8
6- औलाद 34 साला उम्र के बाद क़ायम होगी-औरत के बाएं हाथ पर चांदी का छल्ला मददगार होगा।	शुक्कर नम्बर 4 जब केतु मंदा हो।
7- नज़र कमज़ोर और सनीचर का ज़ाती असर मंदा होगा-बुढ़ापे में मंदा हाल और उम्र का अरसा अमूमन 90 साल मंदा होगा।	चंद्र बृहस्पत नम्बर 2 या बृहस्पत नम्बर 11 और चंद्र नम्बर 2

बुध ख़ाना नम्बर-7

दुनिया के लिए पारस-लड़के के टेवे में दूसरों को तारे-लड़की के टेवे में बुध अपने लिए कभी मंदा न होगा।

मरे कफ़न पहने-ख़ुदा घर को चलते
भला फिर भी जाएंगे-लाखों का करते

जागता बुध हीरा होगा
जान चीज़ें बुध को मंदा
खाली थैली लेख अपना (3 रेत जंगली)
साथ साथी ग्रह जो बैठा (2)

सोया मिट्टी जलती हो (1)
साल 34 ज़हरी हो
न ही शाही उम्दा हो
डूबा पत्थर तेरा हो

1 -गो अक़्ल की बारीक़ी साथ न देगी मगर दुनियावी शान व सुख सागर भला ही होगा।

2 -सिवाय मंगल के जिसके साथ या ताल्लुक़ से (यानी मंगल 1-7-8) हर दो मंदे और चंद्र नम्बर 7 भी दूध में मेगनें होगा यानी 34 साला उम्र तक खुद ब खुद ख़ानदानी हाल बहुत हलका मगर हाज़िर माल का ब्योपार उम्दा फल देगा मगर खुद दौलत का राखा होगा।

3 -पैदाइश रेगिस्तान मानिंद बीकानेर-दरिया नदी नाला के नज़दीक रेतीले इलाक़े की हो सकती है।

मानिन्द- की तरह से, तुल्य क़ायम-स्थित अमूमन-आमतौर से ताल्लुक़-संबंध

Astro Lucky

चीज़ें शुक्कर या चंद्र ज़ाती
चंद्र शनि या मंगल पापी
चंद्र आया घर पहले टेवे
बैठा शनि हो घर जब तीजे
10 वें पहले ख़्वाह दुश्मन ज़हरी
गुरु 9 वें घर मिट्टी उड़ती

उत्तम नेकी ब्रह्मण्ड की हो
नेक भला न कोई हो
सफ़र समन्दर मोती हो
ससुर अमीरी होती हो
नेक असर सब उनका हो
भला शुक्कर ख़्वाह बैठा हो

हस्त रेखा

सिर रेखा की लम्बाई सेहत रेखा की हद तक होवे।

शादी रेखा बुध पर तादाद में दो हो।

नेक हालत

1- बुध अब औरत की वफ़ादार बहन (हक़ीक़ी जांनिसार साली) और मिट्टी में रेत की तरह एक ही जिस्म होकर दूसरे ग्रहों की मदद करेगा। दुनिया के लिए पारस होगा ख़्वाह अपने लिए मिट्टी ही होना पड़े। मीर मुंशी-अहले क़लम जो तलवार को भी काट डाले। रास्ता साथ चलते चलते ही किसी का कुछ न कुछ तो ज़रूर ही बना देगा। यानी थोड़ी सी भी मुलाक़ात पैदा करने पर बेबहा मदद कर देगा।

2- बुढ़ापा हमेशा उम्दा होगा।

3- हाज़िर माल का ब्योपार उत्तम फल देगा। हुनर मंदी-दस्ती काम की बरकत होगी। फ़ौजदारी मुक़दमात या तकरार फ़साद में उलझन कभी न होगी। तलवार की निस्बत क़लम में ज़्यादा ज़ोर होगा।

तीजे-तीसरे ख़्वाह-चाहे गुरु-बृहस्पति मुक़दमात-मुकदमा
निस्बत-तुलना में, अनुपात में तकरार-लड़ाई फ़साद-झगड़ा

Astro Lucky

गो अक्ल की बारीक़ी साथ न देगी मगर ख़ज़ाना की दौलत हमेशा मदद पर होगी।	
4- अपनी कुल (ख़ानदान) तारने वाला हीरा होगा।	जागता हुआ बुध या ख़ाना नम्बर 1 में कोई न कोई ग्रह ज़रूर हो।
5- समन्दरी सफ़र मोती देंगे।	चंद्र नम्बर 1
6- औरत का घराना अमीर हो जाएगा।	सनीचर नम्बर 3
7- इन ग्रहों का असर कभी मंदा न होगा वह खुद बेशक बाहम या बुध से लड़ते ही रहें।	नम्बर 10-1 के ग्रह ख़्वाह दोस्त ख़्वाह दुश्मन
8- शुक्कर की मुतअल्लिक़ा चीज़ों में शुक्कर व बुध दोनों के अपना-अपना और उत्तम असर औरत के इश्क़ में ग़र्क़ रहेगा जो उसे सुख ही देगा।	

मंदी हालत

1- टेवे वाले की बहन उसके बाप की बहन (भुआ) उसकी औरत की बहन (साली) या खुद टेवे वाले की लड़की सब की सब बरबाद और दुखिया होंगी।	
2- औरत की बिगड़ी हुई बहन (बुध) तेरे अपने ही भाईबन्दो (मंगल) से मिलकर तेरी ही औरत (शुक्कर) की मिट्टी ख़राब करेगी-यानी मंदा बुध टेवे में मंगल और शुक्कर का फल भी मंदा कर देगा।	केतु नम्बर 1-8
3- साहूकारा का फल भी उम्दा न होगा। मंदी रेत बचपन का ज़माना मंदा मगर बुढ़ापा फिर भी उम्दा गो अपनी क़िस्मत (मानिंद रेत) मंदी हालत मगर साथी ग्रह से दृष्टि ख़ाली को तारता होगा 34 साला उम्र तक शुक्कर का फल भी मंदा ही होगा।	सोया हुआ बुध या नम्बर 1
4- रूखा गृहस्त-मिट्टी उड़ती खुद बुध मंदे रेत की तरह बुरा फ़ल देगा ख़्वाह गृहस्ती कारोबार के लिए शुक्कर का फल नेक ही क्यों ना हो	बृहस्पत ख़ाना नम्बर 9

ख़्वाह-चाहे
बाहम-परस्पर, एक साथ, मिलकर
इश्क़-प्रेम
साहूकारा-ब्याज पर पैसा देना
ग़र्क़-तबाह

Astro Lucky

बुध ख़ाना नम्बर-8

बीमारी ज़हमत और लानत
का घर खुफ़िया तबाही का फंदा
माली नुक़सान करने वाला
कोढ़ी

क़ब्र तक की लानत-फ़रिश्ता भी भागे
जले आग ऐसी-नज़र जो न आवे

साथ ग्रह नर बुध न मंदा
मंद ज़माना साल 34 का
मौत मंदी का बाजा बजता
नाग ज़हर ग्रह नीच में भरता
बैठा कोई हो ग्रह जब दूजे
उम्र गुरु पर बुध जो फड़के
4 रवि या चंद्र उम्दा
छठा मंदा ग्रह मंडल मंदा

न ही बुरा बुध मंगल हो
हाल वही जो नर ग्रह हो
खाली मन्दिर जब होता हो
तीर मंदे ग्रह चलता हो
ज़हर भरे बुध लानत हो
न ही पिता न दौलत हो
ज़हर धोता बुध अपनी हो
मुआफ़ी गुरु को मिलती हो

हस्त रेखा

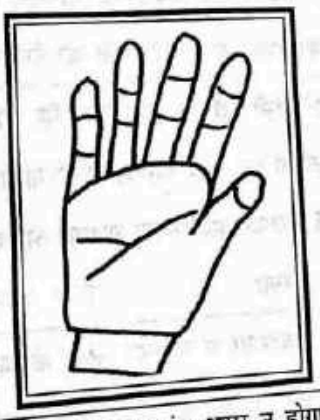

सिर रेखा मंगल बद में ख़तम होवे
या आख़ीर पर दो शाख़ी होवे।

L-बुध के साथ नम्बर 8 में नर ग्रह या मंगल नम्बर 12 हो तो बुध का नम्बर 8 पर मंदा असर न होगा।

ज़हमत-मुसीबत
लानत-बुराई
रवि-सूर्य ग्रह
खुफ़िया-छिपकर काम करना
मुआफ़ी-माफी
गुरु-बृहस्पति ग्रह

Astro Lucky

नेक हालत

1- बुध नम्बर 8 को अगर किसी नर ग्रह का साथ मिले तो कभी मंदा न होगा और उसका वही उम्दा असर होगा जैसा कि ग्रह का हो	नर ग्रह का साथ नम्बर 8
2- 34 साला उम्र में बुध अपनी ज़हर धोएगा। अब केतु बरबाद न होगा। माता की उम्र और चंद्र की अश्या सब नेक फल होगा।	सूरज चंद्र या नम्बर 4 उम्दा हो
3- बुध का नम्बर 8 पर मंदा असर न होगा अगर मंगल नम्बर 12 में हो	मंगल नम्बर 12
4- अब बुध और मंगल दोनों का ही नम्बर 8 का फल उत्तम होगा। हालांकि दोनों अकेले-अकेले नम्बर 8 में मंदा असर दिया करते हैं।	मंगल नम्बर 8 का साथ
ज्ञानी होगा	बुध नम्बर 8 क़ियाफ़ा: कनिष्का का सिरा गोल हो।

मंदी हालत

1- गो बुध अब सेहत के ताल्लुक़ में टेवे वाले के अपने जिस्म (ख़ून और नज़र मंगल सनीचर) की तो ज़रूर मदद करेगा। मगर दांतों और नाड़ियों की मारफ़त उनकी (मंदी हालत करके) अपनी ज़हर उगलता होगा। बहरहाल अब वह एक ताज़ा कोढ़ी फांसी की रस्सी या ज़हरीले दांत की हैसियत से चलता होगा।

2- ऐसी ख़ुफ़िया सज़ा मिले कि फ़रिश्ता-ए-अजल भी चिल्लाने लगे मगर क़सूर का पता न लगने पावे। नतीजा पर अगर करे तो सिर्फ़ माली नुक़सान करेगा अगर ज़्यादा नहीं तो कम से कम 800 रुपया से घटाकर 400 रुपया माहवार आमदन या आमदन में कमी ज़रूर ही कर देगा मगर सिफ़र कभी न करेगा।

3-राजदरबार में अचानक धोखे के वाक़िआत जिनका नतीजा सिर्फ़ माली नुक़सान होगा। मिसाल के तौर पर लड़की के दिल में ख़याल आया जवानी का नतीजा क्या होगा जब जनम से ही

अश्या-वस्तुएं, चीजें क़ियाफ़ा-सामुद्रिक विद्या ख़ुफ़िया-छिपकर कार्य करना
क़सूर-गलती, दोष माली-रुपया पैसा, धन सिफ़र-शून्य

Astro Lucky

क़ब्रिस्तान का बाजा बजने लगा। सोचकर कहने लगी अपनी जेब न सही तो दूसरे की ही उलटा लेंगे। होनहार कारोबार में मसरूफ़ मगर खुदा से भूले हुए नौजवान पर नज़र जा पहुंची। उसके मालिक से उसकी बदचलनी और लापरवाही को बे-बुनियाद तोहमतें खड़ी कर दीं। मालिक की शक को दूर करने के लिए फिर उसी नौजवान के पास हंसती-हंसाती आंखें दो चार करने लगी। यहां तक कि वह दोनों मालिक की नज़र में से हो गुज़रे। बस क्या था उसी बेहया लड़की ने अपना जूता खोला और असली मतलब 800 का 400 कर देने का पूरा कर दिखलाया या वह ग़रीब इज़्ज़त बचाने के लिए मांगी हुई क़ीमत देकर चलता बना मगर भेद न पा सका कि यह ख़्वाब था या दरअसल कोई जागती हुई कहानी। हूबहू राजदरबारी वाक़िआत में मुलाज़मत का यकदम निस्फ़ दर्जे पर चले जाना या मालोज़र का बेहद नुक़सान हो जाना आम होगा। मगर बुध नम्बर 8 की बेहया लड़की बिन बताए सिर काटने के लिए अपनी जवानी में कभी बूढ़ी न होगी।

4- बुध की जानदार अश्या सब दुखिया बरबाद और खुद बुध का असर मंगल की जानदार चीज़ो पर मंदा और मंदे बुध की निशानी के वक़्त मकान की सीढ़ियां गिरती या गिराकर नई बनाई गई होंगी। पूजा स्थान जब बदला जावे बुध का ज़हरीला चक्कर शुरू होगा। जानों व कारोबार में खुफ़िया तबाही का फ़ंदा (माली नुक़सान करने वाला) कोढ़ी ऐसी आग जो जलती तो नज़र न आए मगर हर तरह ख़ाक ही ख़ाक करती जावे।

5- जब कभी भी बमूजिब वर्षफल बुध नम्बर 8 में आवे तो जनम दिन शुरू होने से पहले 34 दिन के अरसा और जनम दिन शुरू होने के बाद का 34 दिन के अर्सा में (34-34 दिनों के दोनों टुकड़ों में जब कभी भी मौक़ा मिले) दो दफ़ा जब कभी भी मौक़ा मिले (एक दफ़ा जनम दिन शरू होने से पहले दूसरी दफ़ा बाद में) मिट्टी का कूज़ा शहद या खाण्ड से भर कर बाहर वीराने में दबाना मुबारक होगा। अगर हर तरफ़ ही आग लग चुकी हो और 34 दिन की हर दो तरफ़ की मियाद

बे बुनियाद-बिना आधार, बिना ठोस वजह तोहमतें-दोष, कलंक ख़्वाब-सपना, स्वप्न मुलाज़मत-नौकरी, सेवा
निस्फ़-आधा ज़र-दौलत खुफ़िया-छिपकर कार्य करना ख़ाक ही ख़ाक- नुकसान ही नुकसान

Astro Lucky

के अंदर अंदर यह खाण्ड वाला उपाओ न हो सका होवे तो ये खाण्ड से भरकर मिट्टी का बर्तन का उपाओ भी करें और साथ ही मूंगी सालम का तांबे का बर्तन (घड़े की शक्ल) भरा हुआ जन्म दिन से पहले या बाद में दरिया में बहाना उत्तम होगा। अगर यह दोनों उपाओ जनम से 34 ता 42 पहले और जनम दिन के बाद 34 ता 42 के अन्दर अन्दर दोबारा हो सके तो निहायत ही मददगार होंगे। जन्म कुण्डली में बुध नम्बर 8 के वक़्त सुरमा स्याह से चूतड़ पर स्याह खाल क़ायम करना छत पर भी मींह का पानी या दूध रखना या लड़की के नाक में चांदी का छल्ला डालना मुबारक होगा मगर आतशी शीशा या लड़की के सुर्ख़ रंग के कपड़े टेवे वाले के लिए हर जगह आग लगाने का बहाना होंगे।

6– कभी भी भला असर न देगा	अकेला बुध नम्बर 8
7– मंदा ज़माना 34 साला उम्र का होगा मंदी मौत का बाजा बजता होगा और भट्ठी का रेत जल रहा होगा। उस वक़्त टेवे में जो भी नीच ग्रह हो उसके असर में सांप की ज़हर भरता और खुद उस ग्रह के असर को शुरू करने के लिए बतौर कमान का तीर बनेगा जो कि उस वक़्त टेवे में मंदा हो	ख़ाना नम्बर 2 ख़ाली ख़्वाह जनम कुण्डली का ख़्वाह बर्षफल में
8– बृहस्पत की उम्र 16 ता 21 में बुध की ज़हर से पिता की उम्र और उसकी दौलत ख़तरा में होगी।	ख़ाना नम्बर 2 में कोई न कोई ग्रह हो कोई ख़ासकर जब बृहस्पत नम्बर 2 हो
बुध के मंदे असर के वक़्त चंद्र की अश्या उस ग्रह के रिश्तेदार या जानवर को दे जो बमूजिब बर्षफल नम्बर 2 में आ जावे और बुध भी उस वक़्त नम्बर 8 में हो मसलन जनम कुण्डली में चंद्र नम्बर 2 और उम्र के 34 वें साल	चंद्र नम्बर 2

किस घर में बैठा हुआ नीच होगा	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
कौन सा ग्रह नीच होगा	सनीचर	सनीचर	केतु	मंगल	मंगल	केतु	सूरज	चंद्र	राहु	बृहस्पत	बृहस्पत	बुध-राहु

उपाओ-उपाय निहायत-बहुत अधिक मींह-बरसात
स्याह-काला सुर्ख-लाल ख़्वाह-चाहे

Astro Lucky

बुध ख़ाना नम्बर 8

केतु नम्बर 2 में आ गया और बुध भी उस वक़्त नम्बर 8 में बैठ गया। अब चंद्र की अश्या केतु के जानवर या रिश्तेदार को देंगे यानी खोये के 24 पेड़े (जिसमें खाण्ड शामिल न हो) कुत्ते को देंगे या दरिया में डाल देंगे या किसी ऐसे रास्ता में एक तरफ़ करके रख देंगे जहां से कोई कुत्ता वग़ैरह खा सके। उसी तरह ही दूसरे ग्रहों का उपाओ होगा। मसलन बुध नम्बर 8 में आ जावे और उस वक़्त नम्बर 2 में आ जावे सनीचर मगर जनम कुण्डली में नम्बर 2 बैठा हो सूरज अब सूरज की अश्या (कनक-गेहूं-गुड़-तांबा) सनीचर के जानवर (भैंस मछली वग़ैरह को) देवें। अगर जनम कुण्डली में नम्बर 2 ख़ाली ही हो तो बर्षफल के मुताबिक़ नम्बर 2 में आए हुए ग्रह की बरबादी के वक़्त वही उपाओ करे जो कि इस नम्बर 2 में आए हुए ग्रह की मंदी हालत में इसके लिए नम्बर 2 में दिया हुआ है।

9- सिवाय बृहस्पत सब ही ग्रहों के असर में मंदी हालत का चक्कर चलता होगा।	ख़ाना नम्बर 6 मंदा
10- माता छोटी उम्र में गुज़र जावे वरना माता व बेटा हर दो का मं	नर ग्रह नम्बर 6 बुध नम्बर
दा हाल होगा। औलाद व मामूं भी दुखिया होंगे। 8 12	11- पट्ठों
की बीमारियां हो सकती हैं।	नम्बर 12 ख़ाली

उपाओ-उपाय अश्या-चीजें, वस्तुएं खाण्ड-देसी शक्कर मसलन-जैसे

Astro Lucky

बुध ख़ाना नम्बर-9

कोढ़ी व राजा मुश्तरका
मनहूस कम उम्र

अजब भूल भुलैया-ज़बानी तमाशा
दिखाते बहरूपी ले बिस्तर ही भागा

तीन पहले 6-7-9-11
धरम आयु धन कुल परिवारां
ऋण पितृ गुरु एक अकेला
अल्पायु का प्रानी होगा
छुपे मंगल न रवि से भागे
चंद्र केतु न 11 बैठे[1]
वजह किसी हो उम्र लम्बी का
साया 34 बुध उलटा होगा
बर्ष चक्कर में 11[2] बैठा
ज़हर भरी ग्रह मंडल टेवा

चंद्र केतु गुरु बैठा हो
बुध कभी न मंदा हो
आठ छटे 10-11 जो
उत्तम चंद्र ख़्वाह बैठा हो
न ही गुरु से डरता हो
ख़ाक ग्रह सब करता हो
औलाद औरत सुख जलता हो
असर मंगल बद देता हो
बुध तावीज़ी आता जो
पौधा मय जड़ काटता हो

हस्त रेखा

सिर रेखा या धन राशि को से शाख़ बुध पर या
क़िस्मत रेखा की जड़ में दायरा ○ होवे।
शुक्कर या बुध नम्बर 9 हमेशा बुरा ही असर देंगे।
बुध का ○ वही असर जो मुसल्लस का था।

[1] -7-15-25-37-49-66-76-96-108-120 साला उम्र।

[2] -अक़्ल की नक़्ल का बीज (अण्डा) ख़ाना नम्बर 9 में पैदा होता है। जिसके अन्दर की हालत ख़ाना नम्बर 11 से मालूम होगी।

मुश्तरका-मिले जुले छटे-छः मुसल्लस-त्रिकोन

Astro Lucky

नेक हालत

1- अपने पेट के लिए ख़्वाह रोटी न मिले मगर क़बीला पालन ज़रूर करता होगा। अक़्ल की नक़्ल का बीज (अण्डा) नम्बर 9 में पैदा होता है। जिसके अन्दर की हालत ख़ाना नम्बर 11 से ज़ाहिर होगी। गोया बुध का भेद नम्बर 11 की ग्रह हालत पर होगा। अगर ख़ाना नम्बर 11 ख़ाली हो तो वह बुध बदतुख़्म और बेहया लड़की जो अपनी माता के ताल्लुक़ में अपने जनम दाता बाप के ताल्लुक़ को बदफ़ेली के नाम से करार दे देवे और ख़ुद उसी बाप से ज़िनह करने की शान की मालिक हो।

2- बुध कभी मंदा न होगा बल्कि हर तरह से चमन बहारां ख़ुश्क बादल भी मोती बरसादें। धरम उम्र मेम्बरों की बरकत और दौलत उत्तम होगी। } ख़ाना नम्बर 3-1-6-7 9-11 में चंद्र केतु बृहस्पत

मंदी हालत

1- इस घर में बुध बेबुनियाद और लाइन्तहा गहराई के ख़ाली कुएं का महल होगा-या ऐसे शख़्स की पैदाइश से भेद होगा जिसके ज़ाहिर करने में उसकी अपनी ज़बान में भी थुथलेपन का सबूत होगा। मंगल या सूरज या दोनों के साथ से लसूड़े की गिटक की तरह क़िस्मत का हाल होगा (मंदे मायनों) और उम्र का मंगल बद या ख़ुद बुध का ज़माना (1-4-13-15-17-28-34 वां साल महीने का दिन) न कभी नेक और ख़ुशहाल होगा वास्ते उम्र चमगादड़ के मेहमान आए यहां हम लटके वहां तुम लटको की तरह साथियों का हाल होगा। जिसका उपाओ नाक छेदने के अलावा न कोई और होगा। अगर फिर भी होगा तो चंद्र की चलती चीज़ें या बृहस्पत ज़र्द के रंग में रंगी हुई अश्या[1] से वह एक चलता दरिया होगा। सब्ज़ रंग मंदा होगा। जिसकी तूफ़ानी हालत न कोई इन्तहा होगा या वह ज़ालिमों को फांसी देकर गिराने के लिए तिलस्मी

[1] -दरिया के पानी से धोया या दरिया के पानी के छींटे देकर पहला कपड़ा डालना बवक़्त दिन या दोपहर मगर रात न होवे। अगर चंद्र 3-8-5-9 में हो तो बुध से ख़ुद ब ख़ुद बचाओ होगा।

बदबख़्त-अभागा, भाग्यहीन
ज़र्द-गहरा पीला
बेहया-बेशर्म, लज्जाहीन
सब्ज़- हरा
उपाओ-उपाय
इन्तहा-जिसका अंत न हो

Astro Lucky

कुंआ होगा जिसकी तह देखने के लिए सीढ़ी का न कभी इंतज़ाम होगा अगर यह सब कुछ न हुआ तो वह न दो जहां होगा अगर किसी तरह उम्र वाला होवे तो ख़ानदान की परवरिश करने वाला वरना 29 साला वालिद दु:खी रहे। थुथलाकर बोलने वाला हो बुध जब उम्र के 34 वें साल शुरू होवे तो मंगल बद का असर देगा। जिसका इलाज लोहे की ऊपर से लाल की हुई गोली होगी। ख़ाना नम्बर 9 में या ख़ाना नम्बर 9 के ग्रहों का साथी ग्रह हो जाने वाला बुध यानी बुध जिस घर में बैठा हो उस घर का मालिक ग्रह ख़ाना नम्बर 9 में बैठ जावे। ख़ाना नम्बर 9 के तमाम ही ग्रहों को (ख़्वाह वह बुध के दोस्त हों या दुश्मन या वह बुध से ज़बर्दस्त हों या कमज़ोर) या ख़ाना नम्बर 9 के उस ग्रह को जिसका कि बुध **''साथी ग्रह''** बन रहा हो अपनी यानी बुध के ख़ाली दायरा की तरह ही बे बुनियाद मुर्दा और निष्फल (यानी जो कोई भी काम न देवे या किसी भी काम न आ सके) कर देगा। मसलन :

इस वक़्त ख़ाना नम्बर 9 में बैठा हुआ कौन सा ग्रह बरबाद होगा।	6	1-8	2-7	3-6	11-10	9	12	4	5
किस घर में बुध बैठा हो	केतु	मंगल	शुक्कर	बुध	सनीचर	गुरु	गुरु राहु	चंद्र	सूरज

2- मिसाल के तौर पर घर से 9 मील कुएं पर से पानी का घड़ा भरकर वापिस चले बर्तन के पेंदे तह में सुराख़ कर देगा। जिससे घर वापिस पहुंचने तक सब कपड़े ख़राब और बर्तन पानी से ख़ाली होगा। हर तरफ़ मायूसी का ही नतीजा होगा। ग़र्ज़ेकि बुध अब क़िस्मत का कोढ़ी और राजा मुश्तरका होगा जिसे ऐसा वबाई बल्कि हवाई कोढ़ होगा जो खुद ब खुद ही उड़कर आ चिमटे। बृहस्पत (सूरज मंगल) से उस नर ग्रह का उपाओ करे जो नर ग्रह कि ख़ाना नम्बर 9 कि ग्रह को या ख़ाना नम्बर 9 में बुध के **''साथी ग्रह''** हो जाने वाले ग्रह को या खुद को ही बरबाद न करे। फिर यही शर्त मद्देनज़र रखते हुए जबकि नर ग्रह काम न आ सके स्त्री ग्रहों (चंद्र शुक्कर) का उपाओ करें अगर इस तरह भी शर्त को मद्देनज़र रखते हुये काम न बने तो बाक़ी मुख़न्नस ग्रहों की मदद लेवे मगर उपाओ से बरबाद हो जाने वाले ग्रह का ख़याल न भूल जावे।

वालिद-पिता पेंते-निचला हिस्सा मुश्तरका-ध्यान में मुख़न्नस-नपुंसक, प्रभावहीन

Astro Lucky

3- मंदा असर (हर हालत व माल व जान) अगर कोई हो तो टेवे वाले की अपनी जान पर उम्र तक होगा। स्त्री पागल की तरह आग में सिर जलावे और औलाद मंदी तबाह या नदारद होगी।	
4- लोहे की गोल चीज़ जिस पर मंगल का रंग हो बुध की ज़हर से बचाएगी। नाक छेदन सबसे उत्तम और दरिया के पानी से धोया हुआ पीला कपड़ा मुबारक (ज़र्द रंग केसर का निशान) घर की तह ज़मीन में चांदी दबाना भला और जिस्म पर चांदी मुबारक-गऊ ग्रास भी बेहतर होगा। खुम्भ (जो बारिश के बाद ज़मीन में से फ़ौरन खुद व खुद पैदा हो जाती है और सब्ज़ी बनाकर खाने के काम आती है) मिट्टी के बर्तन में डालकर धरम अस्थान में देना राजदरबार के मंदे असर से बचायेगी।	
5- वादा फ़रामोशी (धोखा दढ़ी) तमाशा दिखाते दिखाते बिस्तर ही ले भागना ऐसे आदमी का आम असूल होगा।	नम्बर 11 में चंद्र केतु न हो
6- अल्प आयु (8 जरब X 8=64 साला उम्र) का प्रानी होगा। ख़्वाह उम्र का मालिक चंद्र कितना ही ऊंच क्यों न हो वरना औलाद व औरत दोनों का फल मंद होगा।	बृहस्पत अकेला नम्बर 8 6-10-11 हो
7- उम्र तो ज़रूर लम्बी होगी मगर शादी और औलाद में ख़राबियां होगी।	नम्बर 3-6-7 में चंद्र या बृहस्पत या दोनों
8- शरीर फ़सादी होगा	नम्बर 1 ख़ाली क़ियाफ़ा: हाथ की उंगलियों के नाखून सब्ज़ रंग हों।
9- पौदे जड़ों से उखाड़ देने की तरह ख़राबियां देगा। ख़ासकर जब तावीज़ की शक्ल में आवे यानी जब किसी फ़कीर साधु वग़ैरह से कोई तावीज़ लिया जाए तो बुध ऐसे तावीज़ के आने के दिन से बुध की उम्र $\frac{34}{17}$ दिन के अन्दर अन्दर अपनी ज़हर का सबूत देगा। इसके अलावा 76-96-108-120 साला उम्र में बुध नम्बर 11 में आएगा तो भी मंदा फल होगा।	जनम कुण्डली के ख़ाना नम्बर 9 का बमूजिब बर्षफल ख़ाना नम्बर 11 में आ जावे
10- बेवफ़ा होगा क़ियाफ़ा: कनिष्का बहुत छोटी हो 77-15-25-37	अकेला बुध नम्बर 9

नदारद-गायब, खाली, रिक्त
धरम अस्थान-धर्म का स्थान
ज़र्द-गहरा पीला
वादा फ़रामोशी-वायदा पूरा न करना
गऊ ग्रास-गाय का भोजन
क़ियाफ़ा-सामुद्रिक विद्या

Astro Lucky

बुध ख़ाना नम्बर-10

खुश गुज़रान
जी हज़ूरिया शाम को रात कहे

भला यार-दोस्त-न मक्कार होता
बचेगा कहां तक-तू ख़ामोश सोता

तीन चार-5 पहले चंद्र
खाली मन्दिर ज़र सफ़र समन्दर
कान कटे पर राग जो मीठा
शनि भला तो सब कुछ उम्दा [1]
शनि इशारे पे बुध चलता [2]
साया वालिद भी शक्की होगा

असर मकान 3 बाक़ी जो
सदफ़ भरा ख़ुद मोती हो
सांप आंखों से सुनता हो
वरना धोका ख़ुद मंदा हो
मंद उम्र ख़ुद पापी हो
भरोसा नज़र न ज़ाती हो

हस्त रेखा

बुध का दायरा सनीचर के बुर्ज पर होवे।

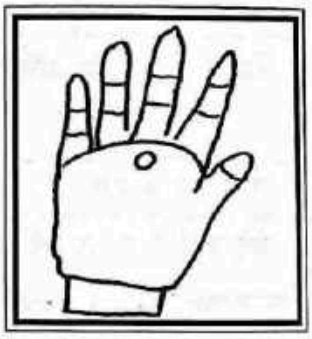

[1] -जब शराबी कबाबी हो तो शनि मंदा ही होगा। वालिद की मर्ज़ी हो सुख देवे या न देवे नज़र रहे या न रहे।

[2] -फ़ैसला शनि की हालत पर होगा मगर खुद बुध तो सनीचर के दरबार में पूरा जी हज़ूरिया होगा और अच्छे या बुरे हुक्म को फ़ौरन लम्बी से लम्बी हद तक मुक़म्मल कर दिखाएगा। दो गुना नेक या दो गुना मंदा होगा।

ज़र-दौलत, संपत्ति सदफ़-सीप, सीपी कबाबी-मांस, अंडा, मछली खाने वाला
मुक़म्मल-पूरा सम्पूर्ण वालिद-पिता

Astro Lucky

बुध ख़ाना नम्बर 10

नेक हालत

1- बुध अब सांप की सिरी-लोहे पर क़लई की पालिश की हैसियत का होगा - इसलिए उसकी चालाकी का बचाव ख़ामोशी से न बन पड़ेगा।

2- ऐसा आदमी शरारती मगर मतलबपरस्त चालबाज़ जी हज़ूरिया और शाम को ही रात कहने वाला होगा। उसका राग ऐसा मीठा होगा कि कान कटने पर भी छोड़ा न जा सके।

3- तीन बाक़ी बचने वाले मकान शेर दहाना का असर होगा। जंगी तिजारती काम और मर्दों की बरकत मगर औरतों और बच्चों के लिए ग़ैर मुबारक होगा। } चंद्र ख़ाना नम्बर 1-3 4-5 में

4- समन्दरी सफ़रों से मोती पैदा होंगे। ख़ुद शर्मसार व हुनरमंद होगा। } ख़ाना नम्बर 2 ख़ाली क़ियाफ़ा:- हाथ की उंगलियों के नाख़ून गोल हों।

5- बुध और सनीचर का असर उम्दा यानी 6 सिरों वाले शेष नाग की तरह हर तरफ़ सिर पर साया और मदद होवे ख़्वाह केतु बरबाद हो जावे। } जब सनीचर की हालत नेक हों।

6- बुध अब दोगुना नेक होगा ख़ुश्क घड़े क़ीमती मोतिया से भर देगा। } जब ख़ाना नम्बर 2 नेक हो

मंदी हालत

1- जब शराबी कबाबी तो सनीचर मंदा होगा और सांप के ज़हरीले टेढ़े दांत की तरह जिस्म में घुसते ही जान निकाल देने वाला होगा।

2- ज़बान का चस्का ख़राबी की पहली निशानी होगी। दरअसल सनीचर अब बुध के इशारे पर चलेगा और बुध ख़ुद सांप के दांतो के लिए ज़हर की थैली लाख के महल बारुद का पटाख़ा की तरह शनि की मक्कारी की बुनियाद होगा।

जी हज़ूरिया-हां में हां मिलाना क़ियाफ़ा-सामुद्रिक विद्या मक्कारी-चालाकी

Astro Lucky

3- न सिर्फ़ 42 साला उम्र तक बल्कि तीनों ही पापी (राहु केतु सनीचर) अपनी अपनी उम्र तक मंदे होंगे।

4- बुध अब जिस्म से अलाहदा कटी हुई सांप की सिरी (अकेला सिर का हिस्सा) होगी जो सनीचर की हालत पर दोगुना नेक या मंदे असर की होगी। } जब सनीचर मंदा या मंदा कर लिया जावे

वालिद के साये का कोई भरोसा न होगा और न खुद अपनी नज़र का भी कोई एतबार न होगा।

5- बुध अब दोगुना मंदा होगा। जो इन्सान को दोनों हाथों से मार-मार कर उसे दोनों आंखो से हर दो जहां दुखिया कर देगा। } जब नम्बर 8 मंदा हो

बुध ख़ाना नम्बर-11

दौलतमंद जनम से खुद बुध का ग्रह अब उल्लू का बच्चा और कोढ़ी मगर 34 साला उम्र के बाद हीरा मददगार होगा।

निर्ख सोना बढ़ता-लगे जब कसौटी
वक़्त नाश अपने- अक़्ल पहले सोती

बुध घड़ा कुंभ दुनिया[1] उलटा — उम्र 34 तक मरता हो
शनि चंद्र गुरु दुनिया मारा — बुध आख़ीरी तारता हो
साथ गुरु या चंद्र बैठा — दूजा खाली 3 मन्दा हो
सीप हीरा बन मोती देगा — तख़्त चक्कर जब[2] लाता हो

[1] -जनम से 34 साला उम्र तक ऐसा मंदा असर देगा कि इन्सान दरअसल पानी में डूबे हुए मुर्दे की तरह क़िस्मत के हाल में बरबाद होगा और चंद्र सनीचर बृहस्पत का फल मंदा करता रहेगा मगर बाद में ऐसे मुर्दे के पेट से पानी निकालने वाले उल्टे घड़े की तरह सब तरफ़ से डूबे हुए को ज़िन्दा खुशहाल कर देगा।

[2] -11-23-36-48-57-72-84-94-105-119 साला उम्र।

अलाहदा-अलग वालिद-पिता दूजा-दूसरा तख़्त-सिहांसन

Astro Lucky

बुध चक्कर में शनि हो चलता
बुध दबाया हो या मंदा
लगन 9 वें का 11 आए
काम अक़्ल न कोई देवे
बाद मुसीबत मदद हो पाता
रोज़े रोशन गो लेख न खुलता

लेख गुरु पर होता हो
शनि गुरु न उम्दा हो
तावीज़ फ़क़ीरी बनता हो
अपनी जड़े ख़ुद काटता हो
कमी अक़्ल ज़र दौलत हो
ख़ुशी मगर ख़ुद रात को हो

हस्त रेखा

बुध से शाख़ ख़ाना नम्बर 11
बचत में होवे।

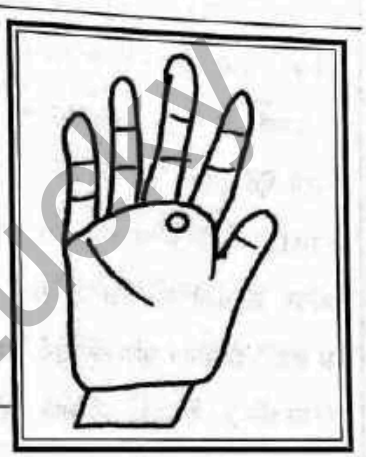

नेक हालत

1- सनीचर अब बुध के चक्कर में होगा।

2- बुध का नेक व बद होना बृहस्पत की हालत पर मुनहसर होगा।

3- 34 साल की उम्र के बाद आराम मिलेगा और बुध मददगार और तारने वाला हीरा होगा ज़र दौलत की सब कमी दूर होगी।

बुध का दायरा (O) जब तर्जनी व मद्धमा के दरमियानी ख़ाना नम्बर 11 में हो।

4- गो दिन का वक़्त कम ही खुशी का होगा बृहस्पत और सनीचर (ज़माने की हवा और दुनिया की ज़हर) हर दो को अपने दायरा के चक्कर में ही घुमाता होगा। मगर 34 के बाद रात शाहाना हालत हमेशा आराम व खुशी ही होगी।

गुरु-बृहस्पति ग्रह फ़कीरी-साधुता दरमियानी-मध्य में ज़र-दौलत, संपत्ति

Astro Lucky

5-खुद शर्मसार और हुनरमंद होगा क़ियाफ़ा:- हाथ की उंगलियों के नाख़ून गोल हों } ख़ाना नम्बर 2 खाली

6- जिस साल नम्बर 11 का बुध ख़ाना नम्बर 1 में आएगा सीप में हीरे और मोती पैदा होंगे (11-23-36-48-57-72 84-94-105-119 साला उम्र) } ख़ाना नम्बर 3 मंदा हो

मंदी हालत

1- अब बुध का ग्रह उल्लू का पट्ठा होगा।
गले में तांबे का पैसा मददगार होगा।

2- जनम दिन से 34 साला उम्र तक पानी में डूबे मुर्दा इन्सान की तरह क़िस्मत की मंदी हालत और बृहस्पत सनीचर चंद्र तीनों का फल 34 साला उम्र तक मंदा होगा। बादअज़ां डूबे हुए मुर्दे के पेट से पानी (घड़े पर लिटा कर) निकाल कर ज़िन्दा करने की तरह हर तरह से ख़ुशहाल और अपनी पहली हालत पर बहाल कर देगा।

3- बमूजिब बर्षफल ख़ाना 9 का बुध ख़ाना नम्बर 11 में आया हुआ होवे और टेवे वाला किसी फ़क़ीर साधु वग़ैरह से कोई तावीज़ लेवे तो बुध पूरा जड़ों से उखाड़ देगी यानी हद से ज़्यादा मंदा असर देगा।
मंदी हालत के वक़्त सूरज की मदद (गले में तांबे का पैसा या तांबे का छोटा सा टुकड़ा) मुबारक होगा जो इस नालायक़ ग्रह की बेवक़ूफ़ी के कामों धन हानि करवाने से बाज़ रखेगा।

क़ियाफ़ा-सामुद्रिक विद्या बाज़-काबू क़िस्मत-भाग्य बृहस्पत-बृहस्पति ग्रह

Astro Lucky

बुध ख़ाना नम्बर-12

नेक ताए लम्बी उम्र खुश गुज़रान मगर क़िस्मत के फेर से रात की नींद उजाड़ने वाला जिसे दुखिया देखकर आसमान भी रो देवे।

गई शब न आधी-वह क्यों रो रहा है।
लिखा सब फ़रिश्ता-उलट हो रहा है।

बुध भला न मर्द के 12
साथ शनि गुरु हो[1] जब मिलता
4 छटे[2] -9-12 मारे
गुरु राहु खुद जड़ से कटते
शनि रवि कोई 12 बैठे
साथ साथी ग्रह शत्रु होते
उम्र 25 गर शादी उसकी
बुध होगा तब नमक हरामी
गुरु शनि मच्छ रेखा टेवा
टेवा मालिक न ज़हर गो चढ़ता
ग्रह घर 6 वां हर दो जलते
मदद केतु से जिस दम पाते

वरना

बुरा टेवे न औरत हो
कुण्ड भरा बुध अमृत हो
तीन दूजा नहीं बचता हो
सुखिया रानी न राजा हो
असर ज़हर न उन पर हो
ज़हर शनि में भरता हो
गुरु पिता खुद रोता हो
मर्द माया सब डोलता हो
असर उत्तम बुध देता हो
चीज़ें ज़िन्दा बुध दुखिया[3] हो
बुध ज़हर न घटता हो
औलाद दौलत सब फलता हो

[1] -12-2 में बृहस्पत का साथ तो इज़्ज़त ताक़त मगर सनीचर के साथ से माल व दौलत परिवार मिलेगा।

[2] -बाक़ी 6 बचने वाले मकान की क़िस्मत व ग्रह नम्बर 2-3-4-6-9-12- बरबाद।

[3] -बहन-भुआ-लड़की-फूफी-मासी- अपने घर (टेवे वाले के) दुखिया मगर उसके ससुराल में वह बारौनक़ व खुशहाल होगी।

गुरु-बृहस्पति छठे-छः रवि-सूर्य ग्रह भुआ-बुआ (पिता की बहन)

Astro Lucky

ख़ाना नम्बर 12 के बुध का ज़ाती सुभाओ देख लेना ही कारआमद होगा।

मिसाल-बुध का ज़ाती सुभाओ

ग्रह	ख़ाना नम्बर	ताक़त	कुलदान	कैफ़ियत
बृहस्पत	4	6	24	कुल मीज़ान को 9 पर तक़सीम करे जवाब 24 $\frac{3}{9}$ के पूरे हिन्दसे छोड़ दें तो बाक़ी $\frac{3}{9}$ होगा। यानी 3 ताक़त है सनीचर की या जैसा सनीचर वैसा बुध होगा। सिफ़र बाक़ी हो तो नम्बर 5 के ग्रह जैसा सूरज हो वैसा ही बुध का सुभाओ होगा।
सूरज	3	9	27	
चंद्र	6	8	48	
शुक्कर	5	7	35	
मंगल	5	5	25	
बुध	3	4	12	
सनीचर	12	3	36	
राहु	2	2	4	
केतु	8	1	8	
		मीज़ान	219	

नोटः मुफ़स्सिल सफ़्हः 537 पर देखें

हस्त रेखा

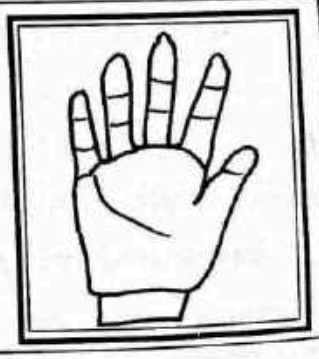

बुध से शाख़ ख़ाना नम्बर 12 ख़र्च में होवे।

कारआमद-असरदार, प्रभावशाली
मिसाल-उदाहरण
तक़सीम-बांटना
मीज़ान-संख्याओं का जोड़, योग
सिफ़र-शून्य

Astro Lucky

नेक हालत

1- नम्बर 12 में सिर्फ़ सनीचर व सूरज उसके (बुध) साथ बैठे उसकी ज़हर से बचते ही रहेंगे। वाज़ै तौर पर कि बुध नम्बर 12 दांत कहलाता है मगर टेढ़ा दांत जिसके अन्दर बाहर जाने के लिए सुराख़ माना है। सूरज को बन्दर तस्लीम किया है और सनीचर की मुतआल्लिका अश्या सांप गिनते हैं। बन्दर की ख़ासियत है कि हर एक चीज़ को मुंह में डालने से पहले सूंघ लेगा। अगर ज़हरीली हो तो ज़मीन पर फेंक देगा फिर भी अगर ग़लती कर जाये तो भी अपने जबड़ा के नीचे ही थैलियों में हर एक खाने वाली चीज़ों को डाल लेगा और एकदम निगल नहीं जाएगा। इस तरह सांप में ज़हर की थैली उसके सिर में अलाहदा होगी। और बुध का टेढ़ा दांत उस थैली से ज़हर निकाल कर किसी को मार देने का बहाना होगा। मगर यह थैली खुद ब खुद ही ज़हर अपने से बाहर निकलने नहीं देती। इस तरह पर बन्दर और सांप सूरज या सनीचर बुध की ज़हर से साथ बैठे हुए बच जाते बल्कि कई दफ़ा बुध की निकम्मी ज़हर को कारआमद चीज़ बना लेते हैं मगर बुध नम्बर 12 के वक़्त ख़ाना नम्बर 6 में बैठे हुए तमाम ग्रह मय सूरज और सनीचर बरबाद ही होंगे। अक़्ल (बुध) के साथ अगर होशियारी (सनीचर) का साथ नम्बर 2-12 मिल जावे तो ज़हर से मरे हुए के लिए भी अमृत कुण्ड या आबेहयात होगा। जो मुर्दों को भी मर्द जीव कर दे।

2-	अब बुध परिवार व माल व दौलत के ताल्लुक़ में अमृत का भरा हुआ तालाब होगा।	बृहस्पत या सनीचर नम्बर 2-12 या बृहस्पत या सनीचर नम्बर 3
3-	इज़्ज़त ताक़त दुनियावी शोहरत सब कुछ होगा। मगर धन दौलत की चोरी या हानि या फ़ालतू ख़र्च से नुक़सान वग़ैरह होंगे।	बृहस्पत नम्बर 2-12

सिफ़्त-तारीफ, गुण, प्रभाव

कारआमद-असरदार, प्रभावशाली

शोहरत-इज़्ज़त, ख़्याति

आबेहयात-अमृतजल, सुधा

Astro Lucky

4- बुध भी उत्तम फल देगा जब तक सनीचर बृहस्पत दोनों इकट्ठे मगर बुध से अलाहदा टेवे वाले पर बुरा असर न होगा। मगर बुध की जानदार अश्या (बहन-भुआ-फूफी-लड़की -मासी वग़ैरह) टेवे वाले के घर में दुखिया मगर वह अपने-अपने ससुराल में ख़ुशहाल होंगे। } सनीचर बृहस्पत नम्बर 7 की मच्छ रेखा।

मंदी हालत

ऐसा प्रानी तबीयत में एक लम्हा तो शाबास बढ़ते जाओ जवानों हमारे बैठे किसका फ़िक्र के दिलासे देता और अपने साथियों को आन की शान में ख़्वाबी महलों के दिलासों से भड़काता होगा। लेकिन उसी वक़्त दूसरे सांस में ही चिड़-चिड़ करता टूटे हुए पत्थर की चक्की की तरह कमरे के दरवाज़ों में घूमता न सिर्फ़ साथियों और अपने आपको बेआराम करता होगा बल्कि उसकी ज़ुबान की तेज़ाब भरी लहर से हमसाये भी चिल्लाते होंगे ज़ुबान का बेमौक़ा और अपने मतलब के लिए बदल लेना और झूठ के हथियार से संगीन तलवारों को स्याह कर देना उसके बाएं हाथ का करिश्मा होगा

उसका दिमाग़ी ढांचा उसकी तहरीर के लफ़्ज़ों के दायरों को मिट्टी में दबे हुए जुगनु की तरह कर देगा जो उसके साथियों के लिए मंदे धोके से बरी न होगा।

दिमाग़ में आई हुई बात (ख़्वाह भले ख़्वाह बुरे की) के पूरा करने के लिए अपनी तमाम ताक़त और जिस्मानी सिर से पांव तक ख़र्च कर देगा। बग़ैर सोचे हुए की मिट्टी का कच्चा घड़ा (बुध) पानी में डालने से पहले कच्चा है या पक्का यानी ख़याल शरीफ़ का इतनी कोशिश के बाद का नतीजा उसे कोई नफ़ा देगा या मुंह के दांत

अलाहदा-अलग
स्याह-काला
फूफी-पिता की बहन
तहरीर-लिखावट
ख़्वाबी-सपनों में
लफ़्ज़ों-शब्दों
नफ़ा-लाभ

Astro Lucky

तक निकाल लेगा।

मंदी हालत की पहली वजह शराब ख़ोरी से शुरू होगी जिस पर झूठ का रंग चढ़ता और आख़ीर पर दग़ा फ़रेब का पैमाना बढ़ता यानी जुबान से सच्चे और अन्दर से झूठे होने का लुच्चापन का ढंग आम होगा।

कोढ़ अमूमन एक के बाद दूसरे ख़ानदान में चला जाता है मगर नम्बर 12 का बुध एक ऐसा कोढ़ और ख़ालिस ज़हर होगा जो अचानक दम के दम में तमाम जिस्म को फाड़कर टुकड़े-टुकड़े कर देवे।

2- **दम दमे में दम नहीं-अब ख़ैर मांगो जान की**
बस ख़तम अब हो चुकी रफ़्तार कुल ग्रह चाल ही

बेवक़ूफ़ और नालायक़ दोस्त जो बुरा करते वक़्त किसी का भी मय खुद भला न सोचे हर मौक़ा पर कोढ़ी।

3- ख़्वाह को कोई राजा हो ख़्वाह निर्धन सब की ही रात की नींद अचानक उजाड़ने वाला लूटे गए के क़िस्से सुनाने वाला कारोबार पर मंदा होगा। मर्द के टेवे में नम्बर 12 का बुध शायद ही भला होगा लेकिन औरत के टेवे में कभी भी बुरा नहीं गिनते मगर जब मर्द के टेवे में ख़ाना नम्बर 12 का हो तो टेवे वाली औरत ख़्वाह रानी हो ख़्वाह निर्धन दुखों से वैसी ही तंग होगी जैसा कि उसका ख़ाविन्द जो बुध नम्बर 12 में दुखिया किया होवे लेकिन अगर बुध ख़ाना नम्बर 12 वाले के साथ उसकी औरत का भी बुध ख़ाना नम्बर 12 का हो तो राजा और धनाढ्य होते हुए भी गृहस्ती हालत के मंदे होने के वजह से रात को कफ़न में ही सोये हुओं के बराबर वह दोनों वक़्त पूरा करते होंगे। बरख़िलाफ़ उसके अगर दोनों में से कोई केतु ऊंच ख़्वाह जनम कुण्डली ख़्वाह बर्षफल उत्तम या नेक घरों का मालिक हो तो बुध के ज़हर से बचते ही होते होंगे।

ख़ालिस-शुद्ध
अमूमन-आमतौर से
ख़्वाह-चाहे
दग़ा फ़रेब-छलकपट

Astro Lucky

शुक्कर के दो जुज़ू यानी बुध और केतु माने गए हैं बुध नम्बर 12 में बैठा हुआ न सिर्फ़ खुद मंदा होगा बल्कि ख़ाना नम्बर 6 को जहां कि बुध के साथ केतु को भी (बहैसियत) पक्के घर माना है बरबाद कर देगा। गोया इस तरह पर करके दोनों जुज़ू बुध और केतु नर औलाद बरबाद होंगे। मुख़्तसरन बुध के बग़ैर शुक्कर पागल होगा। फूल देगा मगर फल उसका कच्चा ही होगा या यूं कहो कि उसकी औरत दुखिया लड़के लड़कियां दोनों नामुकम्मल हालत में रह जाने की वजह से अपने वालिद शरीफ़ को याद ही करते होंगे।

6- हवाई काम-ब्योपार सट्टा सब मंदे असर वाले होंगे जुबान खुद अपनी क़लम या बुध की अश्या बहाना बदनामी होगी।

7- 25 साला उम्र की शादी पर औरत व पिता दोनों ही रोते होंगे। मर्द व माया सब बरबाद होंगे और उम्र का हर तीसरा साल मंदा होगा।

8- 30 से कम या 32 से ज़्यादा दांत मंदे असर की निशानी होंगे।

9- मंदे वक़्त में बकरी भी पेट फाड़ देगी जिसका कि दिल (हौसला) ही नहीं माना गया। यानी सब फ़क़ीर या बुज़दिल भी बुराई करने में टेवे वाले पर भारी हो जावें।

10- जिस्म पर बुध की अश्या और ढांचा-जुबान-दांत नाड़ूं-नाक का अगला हिस्सा बाइसे ख़राबी सबब का होगा।

11- राहु का मंदा ताल्लुक़ जेलख़ाना-पागलख़ाना-चोरी आग के वाक़िआत ग़बन बेईमानी से धोका से फ़रेब-खोटे सिक्के वग़ैरह वग़ैरह से धन हानि बेइज़्ज़ती ओर फ़िज़ूल जहमत बरबाद होवे।

12- केतु दुनिया के 3 कुत्ते बहन घर भाई-ससुराल घर जवाई-नानके घर दोहता या दुनियावी आम कुत्ता दरवेश वग़ैरह की मदद मुबारक। दूसरे दुनियादारों की सलाह मशवरा नेक नतीजे देंगे। नाक छेदन उत्तम ज़र्द अश्या सोना का साथ मुबारक। फ़ौलाद (धातु) का छल्ला जिसको जोड़ या टांका न लगा होवे ख़ालिस फ़ौलाद जिसे जंग न लगने पावे।

मुख़्तसरन-संक्षिप्त	वालिद-पिता	अश्या-चीजे, वस्तुएं
फ़क़ीर-साधु	ज़हमत-कष्ट, क्लेश, तकलीफ	ज़र्द-गहरा पीला

Astro Lucky

अपने जिस्म पर क़ायम रखना मुबारक होगा।

और जिस क़दर ज़्यादा सफ़ा और चमकदार होगा उसी क़दर ही लैम्प में सफ़ा चिमनी या बिजली की लहर के लिए बल्ब का काम देगा और क़िस्मत की सोई हुई लहर को फ़ौरन जगा देगा और एक कारआमद ज़माना कर देगा। मगर ख़याल रहे कि यह छल्ला किसी से मुफ़्त न लिया जावे वरना बेमायनी होगा। माथे पर (तिलक की जगह) $\frac{\text{केसर ज़र्द (बृहस्पत)}}{\text{स्याह रंग शनि}}$ का तिलक लगाना भी मददगार होगा मगर सब स्याह राख का तिलक पिता पर भारी (बुध नम्बर 2 का असर होगा) का बुध ख़ाली बर्तन कोरा घड़ा चलते पानी में बहाना मददगार होगा।

13- माता-मामूं दुखिया और माता मासूमी में गुज़र जावे वरना दोनों दुखिया।	सूरज या मंगल नम्बर 6
14- पिता की उम्र बरबाद बल्कि शक्की और उसकी (पिता की) माया दौलत तबाह होवे।	बृहस्पत नम्बर 6
15- अपना ख़ून भाई टेवे वाले के लिए मौत के यम और ख़ुद बरबाद होंगे।	मंगल नम्बर 6
16- ससुराल (राहु नम्बर 6) औलाद (केतु नम्बर 6) पर जलती हुई रेत की बारिश निहायत दुख की ज़िन्दगी मंदी हालत बिघन मौतें होती रहेंगी।	राहु-केतु-नम्बर6
17- कम अक़्ल-जल्द बाज़-मन्दिर जाते रहना मुबारक होगा।	ख़ाना नम्बर 2 ख़ाली
18- अगर जेलख़ाना नहीं तो पागल ख़ाना ज़रूर नसीब होगा। बेशक कोई भी कसूर या बीमारी न हो। ऐसी हालत में मन्दिर के	राहु नम्बर 8-12 क़ियाफ़ा: हाथ की उंगलियों के नाख़ून बहुत छोटे हों।

सफ़ा-साफ कारआमद-असरदार, प्रभावशाली ज़र्द-गहरा पीला स्याह-काला बिघन-विघ्न
मामूं-मामा (माता का भाई) निहायत-बहुत अधिक क़ियाफ़ा-सामुद्रिक विद्या

Astro Lucky

अन्दर जाकर सिर टेकना ज़हमत का बहाना होगा।	
19- माता भाग रद्दी खुदकुशी तक नौबत	चंद्र नम्बर 6
20- सनीचर की अश्या कारोबार या रिश्तेदार मुतअल्लिक़ा सनीचर सब मंदे असर देंगे।	सनीचर नम्बर 6
21- बग़ैर बर्तन पानी व स्पंज वग़ैरह क़ायम रखना रिज़्क़ रोज़गार और आमदन के लिए मुबारक होगा।	चंद्र नम्बर 2
22- राहु (ससुराल वग़ैरह) के लिए मंदी मौत हादसा वग़ैरह आम होगा।	राहु नम्बर 2
23- राजदरबार की आमदन के अलावा राजदरबारी ताल्लुक़ भी ख़राब व मंदा कर देवे।	सूरज नम्बर 6
चंद्र और शनि दुनियावी मोहब्बत के ताल्लुक़ में चलती हुई मोटर लारी गिनते हैं बुध नम्बर 12 या बुध राहु नम्बर 12 के वक़्त अगर कोई नई मोटर गाड़ी ख़रीदी जावे और उसका रंग हरा सब्ज़ (बुध का रंग) हो तो मोहब्बत में लदी हुई लड़की की सवारी के वक़्त ऐसे प्रानी के ख़ुद अपने ताल्लुक़ (अपने ससुराल ताल्लुक़ जब बुध के साथ राहु भी हो) मोटर का हादसा होगा। जिसमें प्रानियों की मौत की शर्त न होगी मगर मोटर को ख़ासकर उसके अगले हिस्सों को पिस कर ज़मीन पर सजदा करना पड़ेगा।	चंद्र 5 शनि ख़ाना नम्बर 9

उपाओ: प्रानी की अपनी जान की हिफ़ाज़त के लिए बुध नम्बर 12 में दिया हुआ उपाओ पहले ही करना मददगार होगा वरना किसी अज़ू के नाकारा हो जाने के कारण मेंढक की तरह शायद छलांगें लगा-लगा कर चलना पड़े।

ज़ुबान का क़ाबू रखना वादा को पूरा करना-गुस्सा की आग से दूर रहना बुध की ज़हर से बचाएगा।

ज़हमत-कष्ट, क्लेश	ताल्लुक़-संबंध	हिफ़ाज़त-रक्षा, सुरक्षा
उपाओ-उपाय	नाकरा-बेकार, व्यर्थ	ज़ुबान-जबान

Astro Lucky

सनीचर देवता

भैरों वली بھیروں ولی

सनीचर

ज़माना में बदकार-अक्सर जो रहते
भले लोगों को-बुद्धू अहमक़ हैं कहते

पाप नैया न हर दम चलती
शनि होता न मुन्सिफ़ दुनिया
साथ साथी या पाप दृष्टि
लिखत केतु बुध राहु जैसी
पहले घरों दुम केतु होते
उलट मगर जब बैठा टेवे
सांप शनि दुम केतु गिनते
ज़ुल्म रवि गर ख़ुफ़िया होते

न ही माला ग्रह कुल की
बेड़ी ग़र्क़ थी सब की
पापी शनि ख़ुद होता हो
फ़ैसला धरम से करता हो
इच्छाधारी शनि होता हो
अज़दहा ख़ूनी बनता हो
मुखड़ा राहु ख़ुद होता हो
क़त्ल शनि दिन करता हो

-इच्छा धारी से मुराद हर तरह से और हर तरह की मदद करने वाला।

रवि-सूर्य ग्रह

दुम-पूंछ

अज़दहा-सांप

मुन्सिफ़-न्यायकर्त्ता

ख़ुफ़िया-छिपकर

Astro Lucky

पहाड़ ठंड गुरु क़ायम धरती[1] — वैद धनतर घर गुरु हो

ज़हर फूंके घर शत्रु अपनी — भला ज़ाती[2] न सुभाओ जो

औरत हामला पहले लड़के — शनि देखे ख़ुद अन्धा हो

बच्चे शुक्कर न ख़ुद कभी मारे — सांप बच्चे[3] दो खाता हो

रवि दृष्टि शनि पर करता — बुरा शुक्कर होता हो

शनि रवि से पहले बैठा — नर ग्रह[4] स्त्री उम्दा हो

नज़र शुक्कर में जब शनि आता — माया दीगर खा जाता हो

दृष्टि शुक्कर पे जब कभी करता — मदद ग्रह सब करता हो

[1] -चंद्र

[2] -स्याह अश्या (सनीचर की) पर सनीचर हमेशा बुरा असर देगा। जब भी कभी मंदा होवे ख़ासकर जब शनि ऐसे घर हो जहां कि वह बच्चे मारता हो (मसलन ख़ाना नम्बर 5 में सनीचर) और टेवे में मंगल बद भी हो।

पहले घरों में	दरमियान हो	बाद में हो	असर होगा	
राहु	सनीचर	केतु	ख़राब	यह बुरा भला असर सनीचर बैठा होने वाले घर (सिवाय नम्बर 2 और नम्बर 10 की चीजों) पर होगा।
राहु	केतु	सनीचर	ख़राब	
राह केतु	केतु	सनीचर	ख़राब	
राहु	केतु	सनीचर केतु	ख़राब	
राहु सनीचर	केतु	केतु	ख़राब	
सनीचर	राहु	केतु	ख़राब	

बाक़ी सब हालतों में उम्दा असर होगा।

[3] -शनि खुद सांप मय मस्नूई शनि एक ही वक़्त में दोनों इकट्ठे } मंगल बुध मंदा (राहु सुभाओ)

[4] -सिवाय सूरज। } बृहस्पत शुक्कर नेक (केतु सुभाओ)

रवि-सूर्य ग्रह दीगर-भिन्न दूसरे मस्नूई-बनावटी

Astro Lucky

आम हालत 12 घर

तीन गुणा घर पहले मंदा[1]
एक गुणा घर छठे मंदा
घर चौथे में सांप पानी का
दूसरे घर में गुरु शरण तो
9-7 वें घर 12 बैठा
ख़ाली काग़ज़ हो घर 10 वें का
घर 11 में लिखे बिधाता
क़िस्मत का हो हर दम राखा

2 गुणा मंदा तीसरे है
पर मंदा नहीं सदा ही है
पांचवें बच्चे खाता है
आठवें हैडक्वार्टर है
क़लम बिधाता होता है
छठे स्याही होता है
जनम बच्चे का होता है
पाप स्याही धोता है

आम हालत

1- (सन्यास उदासी और वैराग यानी दुनिया छोड़ दो बाबा यह जंजाल कुछ नहीं दूसरी तरफ़ पकड़ लो सबको कोई कुछ नहीं या यह सब हमारे बैठे हुए क्यों उलटे चल रहे हैं। सनीचर के दोनों पहलू होंगे) या मकान जायदाद चालाकी की आंख धन-दौलत कमाने का ज़माना 36 साला उम्र।

2- तमाम ब्रह्मण्ड के मकानों और इन्सान की बीनाई और हर एक नेकी और बदी के आमालनामों।

[1] - शराब ख़ोरी पहली मंदी निशानी होगी बददियानती बेबुनियाद ख़यालात बाईसे तबाही होंगे। इश्क़ जुबानी काग़ रेखा का बीज होगी। नेकी फ़रामोश व झूठ का पुतला अपनी जड़ कटवा लेगा। मंदी हालत में सनीचर की अश्या (स्याह रंग) से मोहब्बत होगी।

बीनाई-आंखों की दृष्टि
शराब ख़ोरी-शराबी, शराब पीने का आदी
ख़्यालात-चाह, लालसा, इच्छा

Astro Lucky

के लिखने वाले एजेंटों का मालिक-हाकिम शनि देवता ज़ाहिरा पीर होगा। नेक हालत में जब अपने ज़ाती सुभाओ के उसूल के मुताबिक़ नेक असर का होवे तो बृहस्पत के घरों (2-5-9-12) में बैठा हुआ कभी बुरा असर न देगा। सनीचर का ऐजेंट केतु होगा जो उम्र की किश्ती का मल्लाह है।

3- बुध (काग़ज़) के दायरे में राहु केतु की तरफ़ से जिस कारवाही की लिखत लिखाई होवे सनीचर उस पर (धरम से ठीक ठीक फ़ैसला करेगा नेक असर के वक़्त सनीचर इन्सानी उम्र के 10-19-37 वें साला उत्तम फल देगा।

4- अगर टेवे में एक दो तीन की तरतीब और दृष्टि के उसूल पर पहले घरों में केतु और हो सनीचर बाद में तो सनीचर एक इच्छा धारी तारने वाले सांप की तरह मदद करने वाला होगा।

5- सनीचर अगर सांप माना जावे तो उसकी दुम केतु बैठा होने वाले घर में होगी और सिर उसका राहु बैठा होने वाले घर में गिना जायेगा या सनीचर का सिर राहु होगा और सनीचर की दुम केतु होगी बृहस्पत क़ायम हो तो सनीचर दुनिया के बर्रेआज़म पर एक ठंडा सरसब्ज़ पहाड़ होगा ख़ासकर जब चंद्र भी दुरुस्त हो। बृहस्पत के घरों (2-5-9-12) में बैठा हुआ सनीचर का असर वैद धनतर की हैसियत का उम्दा उत्तम होगा।

6- हामला औरत इकलौते या ख़ानदान में अकेले ही लड़के के सामने सनीचर का सांप खुद अन्धा होगा और डंक न मारेगा।

7- शुक्कर पहले घरों में हो और सनीचर को देखता होवे तो सनीचर के कीड़ों की तरह दूसरे साथी क़रीबी रिश्तेदार मकान व सनीचर के सामान उसका धन दौलत खाते जावें।

8- मासूम और नन्हें बच्चों को अकेला सांप कभी ज़हर न देगा लेकिन अगर टेवे में दो सांप (बृहस्पत शुक्कर मस्नूई सनीचर केतु सुभाओ उम्दा सांप और मंगल बुध मुश्तरका मस्नूई सनीचर राहु सुभाओ मंदा सांप) इकट्ठे हों तो बच्चों को भी डंक मार देंगे।

ज़हिरा-दिखाई देने वाला, स्पष्ट, बाहरी
बर्रेआज़म-भूमि का टुकड़ा, द्वीप
तरतीब-क्रम सिलसिला
मस्नूई-बनावटी
दुम-पूंछ
मुश्तरका-मिले जुले

Astro Lucky

ख़ासकर जब सनीचर ऐसे घरों में बैठा हो जहां कि वह बच्चे खाता हो मसलन नम्बर 5 या मंगल बुध मुश्तरका राहु सुभाओ मंदा सांप होगा।

9- मंदी हालत के वक़्त तबीयत के अन्दर और बाहर दोनों तरफ़ से स्याह हो चुका हुआ मौत का फन्दा फैलाए दिन दहाड़े सबके सामने बरसरे बाज़ार-क़त्ल करने की तरह मंदा ज़माना खड़ा कर देगा। फ़क़ीर को ख़ैरात देने की बजाय उलट उसकी झोली से माल निकाल लेगा-सबके धन की चोरी करता कराता फिर भी निर्धन ही। हर एक के आगे सवाली फिर उसी पर चोट मारना जायज़ उसूल होगा गन्दा इश्क़ ज़नमुरीदी आम उसूल या ढंग होगा। आग के मंदे वाक़िआत और आख़ीर पार मौत तक मंदी मौत होगी। मन्दी हालत में सनीचर का एजेंट राहु होगा जो ज़हर का भण्डारी है।

10- सनीचर जब कभी मंदा हो स्याह अश्या (सनीचर की) पर हमेशा बुरा असर करेगी। साथ साथी या दृष्टि के ज़रिये राहु केतु किसी न किसी तरह भी सनीचर से आ मिलते हों तो सनीचर पापी ग्रह कहलाएगा। जिसकी नीयत उसके ज़ाती सुभाओ के उसूल से ज़ाहिर होगी। मंदी हालत में सनीचर (जनम कुण्डली में मंदे घरों का सनीचर जब दोबारा मंदे घरों में आ जावे तो इन्सानी उम्र के 9-18-27-36 वें साल) ज़हरीले (ज़हर के या भारी नुक़सान के) वाक़िआत करेगा। चंद्र राहु मुश्तरका या अकेले अकेले जब नम्बर 12 में हो सनीचर हमेशा ज़हरीला (मंदे असर) का होगा। ख़्वाह वह टेवे में कैसा ही हो।

11- दो या ज़्यादा नर ग्रहों (सूरज मंगल बृहस्पत) के साथ से सनीचर क़ाबू हो जाता है और ज़हर नहीं उगल सकता जिस क़दर मुक़ाबला पर दुश्मन ग्रहों (सूरज चंद्र मंगल) का साथ बढ़ता जावे सनीचर और भी मंदा होता जावेगा।

सनीचर की अश्या का दान बतौर ख़ैरात पब्लिक को देते जाना मुबारक होगा। मसलन बादाम तक़सीम करना लोहे का सामान अंगीठियां-चिमटा-तवा ग़रीबों या साधुओं का देना मदद देगा।

फ़क़ीर-साधु, सन्यासी
तक़सीम-बांटना
ज़नमुरीदी-पत्नि भक्त
बरसरे बाज़ार-बीच बाजार
वाक़िआत-घटना

Astro Lucky

सनीचर बैठा हो	राहु या केतु	का मंदा असर होगा
1	12	2
2	1	3
3	2	4
4	3	5
5	4	6
6	5	7
7	6	8
8	7	9
9	8	10
10	9	11
11	10	12
12	11	1

मंदी हालत में अमूमन सनीचर बैठा होने वाले घर के दोनों तरफ़ ही (दाएं-बाएं) राहु केतु बैठा होने के वक़्त उनका भी मंदा असर होगा।

12- स्त्री ग्रहों के साथ या ताल्लुक़ हो जाने पर सनीचर ख़ाना नम्बर 1-7-4-10 में अपने एजेंट राहु केतु का बुरा असर देगा क्योंकि राहु केतु को सनीचर की बुनियाद गिना जाता है। यही उसूल सनीचर के साथ स्त्री ग्रह होने पर हर घर में हो सकता है। अगर मुक़ाबला पर स्त्री ग्रहों के साथ उसके दुश्मन ग्रह बैठे हो तो सनीचर ऐसी हालत में स्त्री ग्रहों को तो कुछ न कुछ कहेगा। मगर दुश्मन ग्रहों को जड़ से मार देगा बल्कि ऐसी हालत में सनीचर हामला औरत के सामने अन्धा सांप होगा जो कभी हमला न करेगा जब ज़ाती सुभाओ यानी राहु केतु सनीचर से पहले या बाद के घरों में होने के उसूल पर सनीचर मंदा हो तो वह अपने दुश्मन ग्रहों के घरों में बैठा हुआ उनको अपनी ज़हर से जला देगा यानी:-

नम्बर 1 में बैठा हुआ सूरज मंगल को
नम्बर 3 में बैठा हुआ सूरज मंगल को
नम्बर 4 में बैठा हुआ सूरज चंद्र को
नम्बर 5 में बैठा हुआ सूरज सूरज को
नम्बर 8 में बैठा हुआ सूरज मंगल को

} ज़हर देगा

जब टेवे में पहले घरों में राहु हो और सनीचर बाद में हो तो सनीचर एक ख़ूनी अज़हदा (मंदा) होगा पाप (राहु केतु) टोला का पापी (राहु केतु सनीचर तीनों इकट्ठे) ग्रहों का सरदार होने की वजह से यह ग्रह बदनाम ज़रूर है मगर अपने आप कभी पाप

अमूमन-आमतौर से वक़्त-समय ताल्लुक़-संबंध हामला-गर्भवती स्त्री

Astro Lucky

न करेगा।

13- अगर सूरज खुफ़िया जुल्म करे तो सनीचर दिन दहाड़े बरसरे बाज़ार सबके सामने ना क़त्ल करवा देगा।

14- बृहस्पत के घरों में बैठा हुआ हो सनीचर कभी बुरा फल न देगा मगर बृहस्पत खुद सनीचर नम्बर 10 में नीच फल का होगा। मंगल अकेला सनीचर के घर नम्बर 10 में बैठा हुआ राजा होगा मगर मंगल के घर नम्बर 3 में सनीचर बैठा हुआ हो-नक़द माया से दूर कंगाल होगा। सूरज के घर नम्बर 5 में बैठा हुआ सनीचर बच्चे खाने वाला सांप होगा। मगर सनीचर के घर नम्बर 11 में सूरज सबसे उत्तम अधिक धरमी होगा। चंद्र के घर नम्बर 4 पानी में डूबा हुआ सांप अधरंग के मारे हुए को भी शिफ़ा देगा मगर सनीचर के हैडक्वार्टर नम्बर 8 में जो मंगल की मौतों का घर है चंद्र नीच होगा-शुक्कर ने सनीचर से आंख उधार ली है इसलिए ही शुक्कर के घर नम्बर 7 में सनीचर ऊंच होगा-राहु बदी का एजेंट है मगर राहु के घर नम्बर 12 में सनीचर हर एक का भला करने वाला होगा केतु नेकी का फ़रिश्ता मगर केतु के घर नम्बर 6 में सनीचर गो मंदे लड़के और खोटे पैसे की तरह कभी न कभी काम आ ही जाने वाला होगा मगर अमूमन ख़तरनाक और ज़हरीला सांप होगा।

15- राहु अगर सनीचर का सिर यानी राहु पर एतबार या राहु सांप की मणि हो तो केतु उसकी दुम या केतु पर एतिक़ाद विश्वास या कान पांव और केतु का विष उसकी रूह होगा। (यानी अपनी माता भैंस सनीचर को दिशे के वक़्त उसका नर सनीचर पहचान लेगा) सनीचर देखे राहु को हसद से तबाह होवे। राहु बरख़िलाफ़ चल रहा होगा और मंदा असर देगा। राहु देखे सनीचर का यानी राहु का नीला थोथा जब सनीचर के लोहे पर लगे तो वह लोहा भी तांबा (सूरज) बन जाएगा।

Astro Lucky

खुफ़िया-गुप्त
एतिक़ाद-श्रद्धा, आस्था
अमूमन-आमतौर से
सनीचर-शनि ग्रह
फ़रिश्ता-देवता
जुल्म-अत्याचार

22- सनीचर टेवे के हर ग्रह को मन्दरजाज़ैल क़िस्म की आंखो से देखेगा

ख़ाना नम्बर 1 में सनीचर हो तो एक आंख से ख़ाना नम्बर 7 के ग्रह या उसके मुतअल्लिक़ा रिश्तेदार को देखता होगा।

ख़ाना नम्बर 2 में सनीचर हो तो दो आंख से ख़ाना नम्बर 8-12 के ग्रह या उसके मुतअल्लिक़ा रिश्तेदार को देखता होगा।

ख़ाना नम्बर 3 में सनीचर हो तो तीन आंख से ख़ाना नम्बर 5-9-11 के ग्रह या उसके मुतअल्लिक़ा रिश्तेदार को देखता होगा।

ख़ाना नम्बर 4 में सनीचर हो तो चार आंख से ख़ाना नम्बर 2-8-10-11 के ग्रह या उसके मुतअल्लिक़ा रिश्तेदार को देखता होगा।

ख़ाना नम्बर 5 में सनीचर अन्धा सांप होगा जब ख़ाना नम्बर 10 ख़ाली लेकिन जब ख़ाना नम्बर 10 में बृहस्पत या केतु हो तो नर औलाद पर औलाद ज़िन्दा दर ज़िन्दा होगी।

ख़ाना नम्बर 6 में सनीचर रात को अन्धा सांप होगा जब नम्बर 2 ख़ाली हो।

ख़ाना नम्बर 7 में सनीचर हवा की आंखो में मिट्टी डालने की हिम्मत का मालिक होगा जब सनीचर क़ायम या जागता हो।

ख़ाना नम्बर 8 में सनीचर मौत भरी ज़ालिममाना आंख का मालिक होगा जब नम्बर 3 में पापी या नम्बर 3 ख़ाली हो

नम्बर 9 में सनीचर जले हुए को सरसब्ज़ करने वाली आंख का मालिक होगा जब नम्बर 2 में सनीचर के दोस्त ग्रह हों।

ख़ाना नम्बर 10 में सनीचर चारों तरफ़ देखने वाली आंख से नम्बर 2-3-4-5 के ग्रह या मुतअल्लिक़ा रिश्तेदार को देखता होगा।

ख़ाना नम्बर 11 में सनीचर बेगुनाह और मासूम बच्चे की आंख का मालिक होगा जब नम्बर 3 में पाप या नम्बर 1 में सनीचर के दोस्त ग्रह हों।

ख़ाना नम्बर 12 में सनीचर बीमार को तन्दुरुस्त दुखिया को सुखिया और उजड़े हुए को आबाद करने वाली आंख का मालिक होगा जब ख़ाना नम्बर 2 में सनीचर के दोस्त ग्रह हों या शुक्कर मंगल क़ायम हो।

सनीचर की अदालतः-

1- राहु अगर मुलज़िम का चालान पेश करने की शहादती (prosecution witnes) हो तो केतु उसके बनाने के लिये मददगार वकील (defence council) होगा।

Astro Lucky

दोनों के दरमियान बात का धर्मिया फ़ैसला करने के लिये सनीचर हाकिम वक़्त की कचहरी का सबसे बड़ा जज होगा।

2- पापी ग्रहों (राहु केतु सनीचर) ने दुनियावी पापियों गुनाहगारों हज़ारों को सीधे रास्ते पर लाने और गृहस्ती निज़ाम को क़ायम रखने के लिए अपनी ही पंचायत ठहरा रखी है। इसी बात को मद्देनज़र रखते हुऐ ज़माना के गुरु और तमाम ग्रहों के पेशवा बृहस्पत ने सनीचर के घर ख़ाना नम्बर 11 (कुंभ राशि) में अपनी धरम अदालत मुक़र्रर की है जहां कि सनीचर अपनी माता के दूध को याद करके (क़सम खाकर) बृहस्पत का हलफ़ (धरम और मज़हबी एतिक़ाद की बुनियाद पर किया हुआ इक़रार और वादा) उठाने के बाद राहु या केतु की शहादत के मुताबिक़ फ़ैसला करता है।

क़ियाफ़ा :

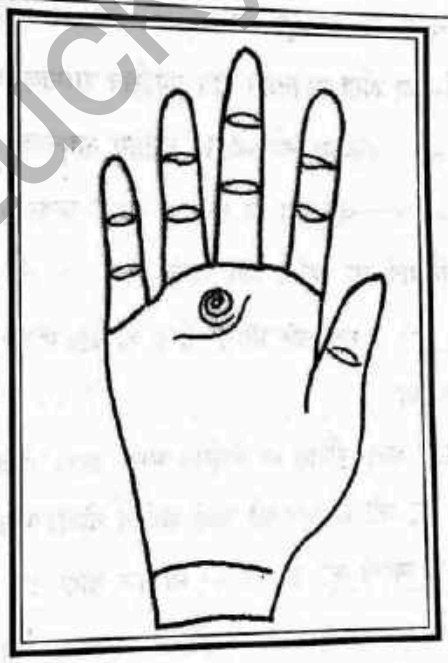

उंगलियों की पोरियों पर जौ (कनक-जौ-अनाज) का निशान मानिन्द हो तो कुल निशानों से 12 का हिन्दसा तफ़रीक़ करें जो हिन्दसा बाक़ी जवाब का होगा। उसी हिन्दसा के ख़ाना नम्बर में सनीचर का दिया हुआ फल होगा। मसलन कुल निशान 17 हों तो 7 से 12 तफ़रीक़ किए तो बाक़ी 5 बचे।

बस ऐसे प्रानी के टेवे का सनीचर ख़ाना नम्बर 5 का (सनीचर के लिए दिया हुआ नम्बर 5 का फल) देगा (सूरज का सितारा सनीचर के बुर्ज या सूरज के बुर्ज पर बतरफ़ सनीचर हो या सनीचर से शाख़ सूरज के बुर्ज को चली जावे।)

एतिक़ाद-श्रद्धा, आस्था, विश्वास

हलफ़-शपथ, सौगंध, कसम

मुक़र्रर-निश्चित

Astro Lucky

सनीचर ख़ाना नम्बर-1

जब मंदा तो तीन गुना वरना त्रैकाल (तीनों ज़माने) उम्दा

भरे जनम पर जो खज़ाने दवामी
फ़रिश्ता-ए-अजल बोल देगा नीलामी[1]

शनि शुक्कर घर पहले बैठे	काग़ रेखा[2] कहलाती है
मालिक ख़्वाह हो तख़्त हज़ारी	मिट्टी कर दिखलाती है
घर 7 वां 10 ख़ाली[3] होते	मच्छ[4] रेखा बन जाती है
माल माया सब दुनिया बढ़ते	उम्र सुखी कट जाती है

[1] -मां बाप तो बेटे की खुशी के बाजे बजवाने में लगे होंगे मगर अजल का फ़रिश्ता उन सब चीज़ों की जो कुछ भी पैदाइश के दिन घर में मौजूद हो नीलामी करवाने के लिये फ़ेहरिस्त बनाता होगा या जनम दिन का सब सरमाया व शान उजड़ कर ही ख़तम होवे या नीलाम होगा।

[2] -जब बुध मंदा हो तालीम अधूरी निशानी होगी।

[3] -जब राहु या केतु हो ख़ाना नम्बर 4 या 10 या जब बुध या शुक्कर हो नम्बर 7 में / सनीचर हो नम्बर 7 में जब सनीचर नम्बर 1 हो / जब शुक्कर नम्बर 1 हो तो दोनों घर ख़ाली गिने जाएंगे और

[4] -साथ ही मंगल भी 6 ता 12 में हो तो मच्छ रेखा होगी। सिर्फ़ धन दौलत व माली ताल्लुक़ में ज़्यादती

यानी माया दौलत तो बेशुमार मगर तादाद मैम्बरान ख़ानदान की ज़्यादती और उन हर एक की ज़ाती कमाई की बरकत की कोई शर्त न होगी। मच्छ रेखा के वक़्त सनीचर खुराक रिज़्क़ व भगवान की तरह पालने की हिम्मत का मालिक होगा और शुक्कर लक्ष्मी साथ लाए हुए ख़ज़ाने का दाता होगा। वरना 7-10 ख़ाली होते हुए भी काग़ रेखा ही होगी।

उपाओ वास्ते माली मदद-सूरज की मदद या बन्दर पालना वग़ैरह।

उपाओ वास्ते सेहत-मीठे मिले दूध से बड़ की जड़ की मिट्टी का तिलक लगाना।

उपाओ वास्ते कारोबार सुरमा स्याह तह ज़मीन में दबाना।

ख़्वाह-चाहे फ़ेहरिस्त-सूची स्याह-काला फ़रिश्ता-देवता

Astro Lucky

काग़ रेखा फल काम जद्दी का
सामान सनीचर उत्तम होगा
पाप मंदे शनि होगा मंदा
मर्द माया फल काग़ रेखा का
शराब ख़ोरी या इश्क़ ज़ुबानी
पापी उम्र तक राज फ़क़ीरी
असर शनि हो तेल मिट्टी का
जद्दी दौलत ज़र इकदम उड़ता
सात रवि 10-11 बैठा
शनि मंगल दो हर दम मंदा
बुध टेवे घर सातवें आया
मात पिता घर लाखों माया

भाग चंद्र भी उड़ता हो
मदद रवि जब पाता हो
मंदा असर घर तीसरा हो
उम्र मगर ख़ुद लम्बा हो
मकान शनि जब बनता हो
वैद बीमारी मिलता दो
आग चौथे घर वैरी जो
जलती मिट्टी सब पापी हो
शुक्कर भला न होता हो
ख़्वैश-व अक़ारिब रोता हो
असर केतु 7 देता हो
भला चंद्र जब होता हो

नेक हालत

1- सनीचर अब सिर्फ़ एक आंख का मालिक होगा अगर मेहरबान हुआ तो अमीर दौलतमन्द बना देगा। लेकिन अगर बरख़िलाफ़ हुआ तो पेट के लिये रोटी तक ख़तम करा देगा।

2- सनीचर/शुक्कर नम्बर 1 में बैठा होने के वक़्त ख़ुराक रिज़्क़ और माया दौलत पर असर करता है (ख़्वाह मच्छ रेखा का उत्तम असर हो ख़्वाह काग़ रेखा की हालत में कौवे की ख़ुराक की बदनसीबी गले लगे।)

3- नेक हालत में सनीचर के मुतअल्लिक़ा सामान का फल उत्तम होगा।

4- अब बुध ख़ुद अपने असर की बजाए केतु नम्बर 7 का असर देगा अब बहन व लड़की की जगह लड़का ही पैदा होता होवे माता पिता के घर माया लाखों में होगी ख़ासकर जब चंद्र उम्दा हो। } बुध नम्बर 7

5- पापी ग्रहों (राहु-केतु-सनीचर) की उम्र तक।

सिर्फ़-केवल
शराब ख़ोरी-शराब पीने वाला
ख़्वाह-चाहे
शुक्कर-शुक्र ग्रह
मुतअल्लिक़ा-संबंधित

Astro Lucky

6- सनीचर अब मंगल की 6 ता ख़ाना नम्बर 12 में होने वाली शर्त पर माली मच्छ रेखा का असर देगा लेकिन अगर मंगल नेक न हो या 6 ता 12 की हदबन्दी से बाहर हों तो भी सनीचर ज़रूरी नहीं कि काग़ रेखा का ही असर दे लेकिन मच्छ रेखा (माली) का असर भी तो सिर्फ़ उस वक़्त देगा जब उसके एजेंट (राहु केतु) दोनों आ मिलें यानी या तो वह दोनों राहु केतु खुद अपनी मुश्तरका मिलने की मियाद यानी 45 साला उम्र की हदबन्दी में आ जावे या उन दोनों में से कोई सनीचर को बरुए दृष्टि आ मिलें या सनीचर बहैसियत पापी ग्रह हो बैठे मतलब यह कि सनीचर का पापी बनकर चलना पाप की हदबन्दी में ख़्वाह ईमानदारी ख़्वाह बेईमानी से जिस तरह भी हो सके माली हालत में नेक फल देगा क्योंकि बेईमान या पापी का धरम माया को इकट्ठा करना ही हुआ करता है।

राहु या केतु नम्बर 4-10

मंदी हालत

1- जिस्म पर हद से ज़्यादा बाल हों तो मुफ़लिस निर्धन होने की निशानी होगी मां बाप तो पैदाइश के वक़्त पर खुशी के बाजे बजवाते होंगे मगर नीलामी का फ़रिश्ता उनके घर से सब सामान की फ़ेहरिस्त बना रहा होगा ताकि वह सब ऐसा साज़ो-सामान उसकी 18 साला उम्र तक बिकवा सके या नीलाम करवा देवे। शराब ख़ोरी या इश्क़ ज़ुबानी बहाना होंगे या सनीचर का मकान या आम ऐसा मकान जिसका मग़रिब का दरवाज़ा हो जब बनेगा सनीचर मंदा असर देगा बल्कि 36-42-45-48 साला उम्र तक राज फ़क़ीरी वैद बीमारी इकट्ठे ही चलते होंगे। आमतौर पर मच्छ रेखा बना दे और काग़ रेखा उड़ा दे। क्या कुछ जवाब देगा सब कुछ कब तक जवाब होगा सनीचर की मियाद तक यानी अब काग़ रेखा का पूरा मंदा फल होगा या यूं कहो कि सनीचर अब 36 ता 39 और बाज औक़ात राहु केतु की आख़री मियाद (राहु 42 केतु 48 दोनों मुश्तरका 45) साल उम्र तक मकान जायदाद माली नक़दनामा राजदरबार सब तरफ़ मंदा ही फल देगा।

हदबन्दी-सीमा निर्धारण
मुश्तरका-मिले हुए, मिले जुले
मग़रिब-पश्चिम दिशा
मुफ़लिस-धनहीन, गरीब, कंगाल

Astro Lucky

2- पाप टेवे में जब हो मंदा मालिक ख़्वाह हो तख़्त हज़ारी	काग़ रेखा बन जाती है मिट्टी कर दिखलाती है

3- तालीम तो ख़ासकर अधूरी होगी।

4- ज़मीन में सुरमा दबाना-बड़ के दरख़्त की जड़ के दूध से तिलक लगाना तालीम व ज़हमत बीमारी में मदद देगा। माली मंदी हालत में सूरज की मदद मुबारक होगी।

5- सनीचर अब 3 गुना मंदा होगा। तालीम औरत दौलत और औरत की हालत मंदी बल्कि वह दुखिया की होगी। चंद्र भाग भी मंदा होगा।	जब राहु केतु मंदे हों या नम्बर 7 में कोई न कोई ग्रह हो
6- जद्दी कारोबार से मर्द व माया पर काग़ रेखा का फल होगा। जनम लेते ही नीलामी का ढोल बजने लगेगा बेशक 9 ही ग्रहों का असर ज़हरीला पैदा हो मगर टेवे वाले की खुद अपनी उम्र ज़रूर लम्बी होगी।	जब बुध मंदा हो
7-सनीचर अगर मिट्टी के तेल का असर देवे तो ऐसा ग्रह चाल के वक़्त नम्बर 4 में बैठे हुए दुश्मन ग्रह की अश्या कारोबार या रिश्तेदार मुतअल्लिक़ा बुरा असर देंगे। पिता की हालत मंदी होगी जद्दी ज़र व दौलत उड़ती और सनीचर राहु केतु तीनों का ही फल मंदा होगा। खुद चोर-फ़रेबी (मानिंद चूल्हा) भी हो सकता है।	ख़ाना नम्बर 4 में सनीचर के दुश्मन सूरज चंद्र मंगल या शुक्कर के दुश्मन सूरज चंद्र राहु ग्रह कोई भी साथी सिवाय सूरज बृहस्पत
8- राजदरबार का फल शक्की बल्कि मंदा ही होगा।	सूरज नम्बर 8 में हों।
9- शुक्कर का फल भला न होगा बल्कि मंगल का असर भी मंदा और खुद अपनी क़िस्मत की बदनसीबी और ख़्वैशो अक़ारिब सब दुखिया होंगे।	नम्बर 10-11 में सूरज हो।

तालीम-शिक्षा देना, पढ़ना
दरख़्त-पेड़
ख़्वैशो अक़ारिब-भाई बन्धु
अश्या-चीजें, वस्तुएं
फ़रैबी-छली, कपट, धोखेबाज

Astro Lucky

10- चोर-फ़रेबी-बद्दयानत झगड़ालू धोकेबाज़ औलाद का दुःख आमदन ख़राब नज़र में नुक्स वग़ैरह। } मंगल बद हो

सनीचर ख़ाना नम्बर-2

गुरु शरण

पांव नंगे मन्दिर -जो तू भूल कहता
ज़हर बाक़ी कोई-बलाए का न रहता

सास ससुर घर आग हो जलती
भली जगह जब चंद्र माता बैठी
नेक बुरा ख़्वाह कोई बैठे
हस्ब हैसियत ज़िन्दगी गुज़रे
गुरु मालिक 10 लहर जो मुल्की
बुरी शोहरत और ख़्वैश पसन्दी
वैर शनि ख़ुद पाप से करता
जुआ जवाहरी 12 रवि का
सात रखी हो धन की थैली
घर 12 से सुख गृहस्ती

शादी लगन जब होता हो
पिता गुरु चल जाता हो
आठ 9 वें 10-12 जो
ज़िन्दा जभी तक रहता हो
अमीर हासिद रवि 10 का हो
11 गुरु जब बैठा जो
राहु टेवे 8 बैठा जो
वहम दिमाग़ी भरता हो
मर्द 6 वें जा बोलता हो
चीज़ें शनि घर दूसरा हो[1]

हस्त रेखा

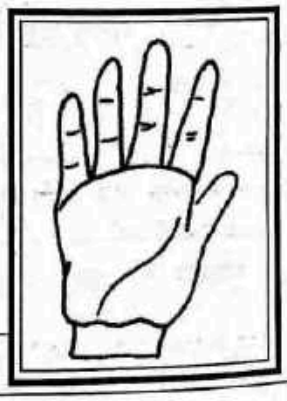

उम्र रेखा बृहस्पत के बुर्ज से शुरू होवे।

[1] -ख़ाना नम्बर 2 का शनि सिर्फ़ शनि की ही चीज़ों पर असर देगा।

फ़रेबी-छली, धोखेबाज, कपटी
नुक्स-दोष, कमी
ख़्वैश-स्वयं, खुद आप
बद्दयानत-बेईमानी, धोखेबाजी
वग़ैरह-अलग

Astro Lucky

सनीचर नम्बर 2

1- सनीचर का सनीचर की मुतअल्लिक़ा अश्या पर ज़ाती असर का फ़ैसला ख़ाना नम्बर 8 के ग्रहों का सनीचर नम्बर 2 ताल्लुक़ की अच्छी बुरी हालत पर होगा। दिमाग़ी ख़ाना नम्बर 7 शुक्कर से मुश्तरका ज़िन्दगी बढ़ने की ख़्वाहिश तरक़्क़ी से मुराद है। उम्र लम्बी से मतलब न लेंगे। बात को मुंह की हवा से ही ताड़ लेगा। जिस्म पर हर मुसाम से तीन तीन बाल पैदा होंगे तो खुदा परस्त पूजा पाठी भगत लोग तिलक की जगह तेल लगाना ग़ैर मुबारक होगा। मगर दूध या दही का तिलक लगाने से सनीचर या बृहस्पत हर दो का उत्तम और मुबारक फल होगा। भूरी भैंस मुबारक होगी।

2- **धन की थैली 7 वें होवे** **मर्द बोलते 6 वें हैं**
घर आठवें से उम्र मिले तो **बने महल घर दूसरे हैं**

धन की हालत ख़ाना नम्बर 7 से मर्दों की तादाद ख़ाना नम्बर 6 से उम्र की लम्बाई ख़ाना नम्बर 8 से और महल मकानों की हालत ख़ाना नम्बर 2 से ज़ाहिर होगी।

3- उम्दा सेहत का मालिक मगर धरम अस्थान में कम ही जाने वाला होगा। ज़ाहिरा बुद्धू मगर गिनती और अक़्ल में मानिंद वज़ीर होगा। खुद सुखिया और रहम दिल व आहिल होगा निर्धन कभी न होगा और किसी को दुख न देगा। बल्कि गुरु की शरण या ध्यान रखने वाला जद्दी ज़मीनों का मालिक ज़रूर होगा।

4- जब तक ज़िन्दा रहे अपनी खुद मुख़्तारी और नम्बरदारी या खुद काम करने के दिन से खुद कारोबार करते रहने के वक़्त तक उम्दा हालत। खुश व हस्बे हैसियत गुज़रां (आई चलाई बराबर) का मालिक होगा।

सन्यास उदासी अलाहदगी गोशापसन्दी की ताक़त का मालिक होगा। } सनीचर नम्बर 2 क़ायम क़ियाफ़ा मद्धमा सीधी हो।

5- हद दर्जा की उदासी का मालिक होगा। } ख़ाना नम्बर 8-9-10-12 में कोई न कोई ग्रह ज़रूर होगा।

मुतअल्लिक़ा-संबंधित मुश्तरका-मिले जुले, मिले हुए मानिंद-की तरह से, तुल्य
तादाद-संख्या

Astro Lucky

6- माता का सुख और उम्र लम्बी मगर पिता (बृहस्पत) अमूमन बरबाद ही लेंगे	चंद्र उम्दा हो।
7- अक़्ल की बारीक़ी और ख़ुदाई पहुंच दर्जा कमाल होगी	बृहस्पत नम्बर 4 क़ियाफ़ा: हाथ की तमाम उंगलियों का झुकाओ मद्धमा बतरफ़ हो।
8- सनीचर का ज़ाती बुरा या भला असर सिर्फ़ सनीचर की अश्या पर ही होगा जो नम्बर 8 से नम्बर 2 के ताल्लुक़ से ज़ाहिर हो जाएगा।	
9- मकान जैसा और जब बने बनने देवे मुबारक ही फल देगा। सनीचर नम्बर 2 केतु नम्बर 8 मद्धमा उंगली का सिरा नोकदार हो तो बच्चों के ख़यालात की तबीयत का मालिक होगा।	
सनीचर नम्बर 2 केतु नम्बर 9 मद्धमा लम्बी जल्द समझने वाला होगा। सनीचर नम्बर 2 मंगल नम्बर 8 का मद्धमा सिरा मुरब्बा शक्ल का हो तो दौलतमन्द होगा। सनीचर नम्बर 2 बुध नम्बर 8 मद्धमा का सिरा गोल शक्ल का हो तो अक़्लमन्द होगा।	
10- मुल्की लहर का मालिक पादरी करम धरम वाला सोचकर कम ख़र्चने वाला यानी किफ़ायतशिआर दौलतमन्द मगर हासिद और कंजूस	बृहस्पत नम्बर 10 क़ियाफ़ा : तर्जनी मद्धमा से बड़ी हो। सूरज नम्बर 10 क़ियाफ़ा: अनामिका मद्धमा से बड़ी हो।
11- ——————तबीयत का ग़ुलाम इरादा पक्का का मुर्दा दिल साधु के ख़यालात हर जगह टूटे हौसला का मालिक।	ख़ाना नम्बर 11 में बृहस्पत
12- मद्धमा-सी हालत में मंदी शोहरत को पसन्द करने वाला	ख़ाना नम्बर 12 में सूरज
15- गो बुध नम्बर 12 का कभी भला नहीं होता (सिवाय शनि और बृहस्पत की मदद के) लेकिन अगर बुध की मियाद के अन्दर (34 साला उम्र तक) टेवे वाले की कोई लड़की पैदा हो और वह लड़की अपने ससुराल को दे देवे तो वह लड़की ससुराल के लिए अमृतकुण्ड का सबूत देगी। जब तक कि वह लड़की अपने मां बाप (टेवे वाला प्रानी) की कमाई से परवरिश या गुज़रान शुरू न करे। वरना टेवे वाले और ससुराल दोनों के लिए ही मंदी बीन (बाजा) का राग शुरू होगा।	बुध नम्बर 12

अमूमन-आमतौर से
क़ियाफ़ा-सामुद्रिक शास्त्र
तमाम-सारे
सिर्फ़-केवल
किफ़ायतशिआर-कम खर्च करने वाला, बचाने वाला, मितव्ययी

Astro Lucky

AstroLucky